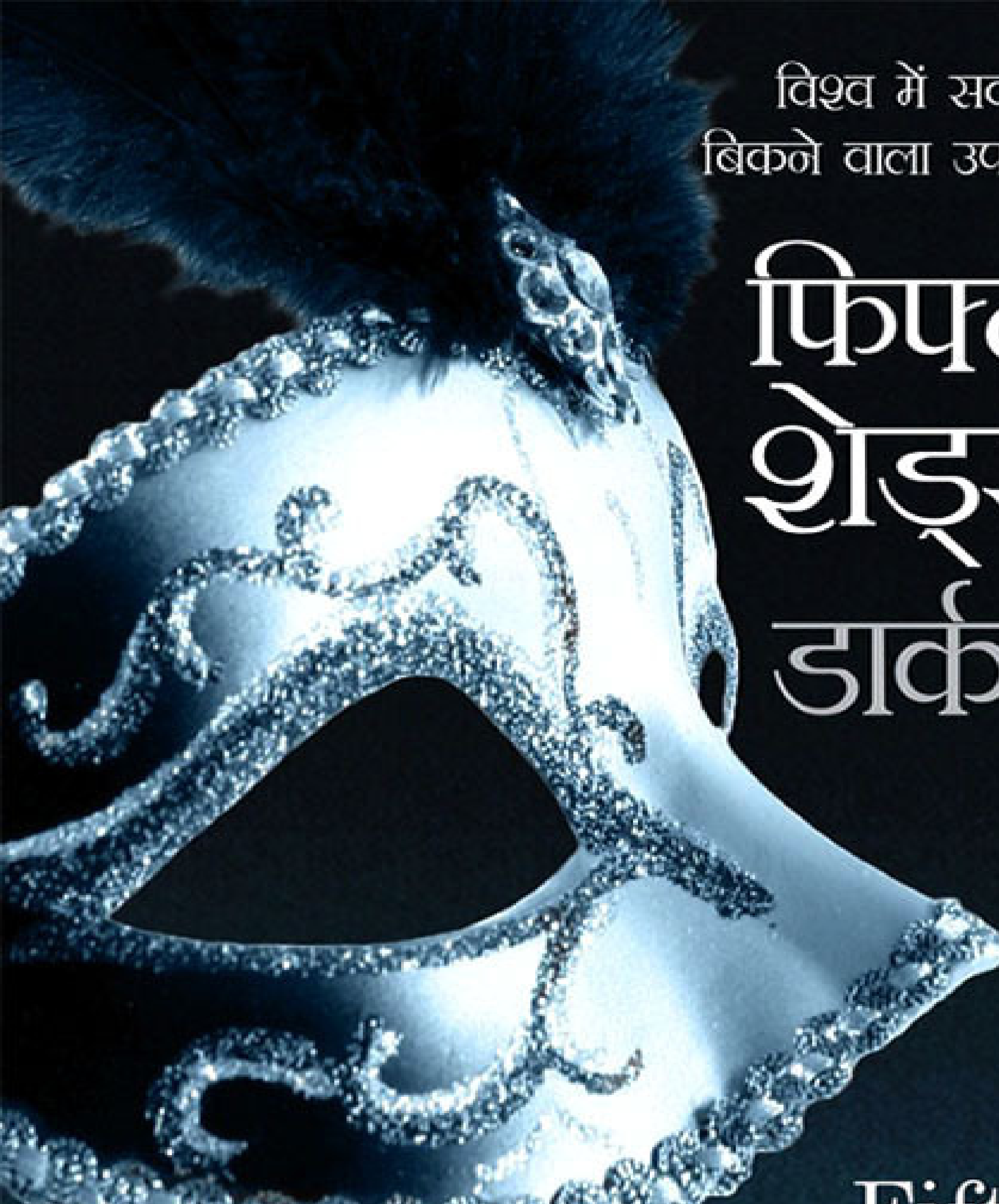

विश्व में सर्वाधिक
बिकने वाला उपन्यास

फिफ्टी शेड्स डार्कर

Fifty Shades Darker

ई. एल. जेम्स

फिफ्टी शेड्स डार्कर

(विश्व में सर्वाधिक बिक्री वाला उपन्यास)

डायमंड बुक्स

eISBN: 978-81-2881-309-2
© Fifty Shades Ltd 2012
प्रकाशक: डायमंड पॉकेट बुक्स (प्रा.) लि .
X-30 ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-II
नई दिल्ली-110020
फोन: 011-40712100, 41611861
फैक्स: 011-41611866
ई-मेल: ebooks@dpb.in
वेबसाइट: www.diamondbook.in
संस्करण: 2015
Fifty Shades Darker
लेखक : E. L. James

फिफ्टी शेड्स डार्कर

ई एल जेम्स एक भूतपूर्व टी.वी एक्जीक्यूटिव, पत्नी व दो बच्चों की मां हैं तथा पश्चिमी लंदन में रह रही हैं। वे बचपन से ही ऐसी कहानियां लिखने के सपने देखा करती थीं, जिन्हें पाठक चाव से पढ़ें किंतु परिवार व कैरियर के चलते वे सपने साकार न हो सके। अंत में उन्होंने साहस कर काग़ज-कलम उठाया और अपना पहला उपन्यास 'फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे' लिखा। वे 'फिफ्टी शेड्स डार्कर' तथा 'फिफ्टी शेड्स फ्रीड' की भी लेखिका हैं।

ई एल जेम्स द्वारा लिखित पुस्तकें

फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे
फिफ्टी शेड्स डार्कर
फिफ्टी शेड्स फ्रीड

फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे

अमेरिकी उद्यमी क्रिस्टियन ग्रे और साहित्य की छात्र एनस्टेशिया स्टील के बीच अनोखे और सम्मोहक प्रसंग का ताना बाना बुनने वाली इस पुस्तक को हिन्दी के पाठकों का भरपूर स्नेह मिला। इससे उत्साहित होकर हम फिफ्टी शेड्स का दूसरा भाग आपके हाथों में सौंप रहे हैं। विश्वास है कि इसे भी आपका पूरा समर्थन मिलेगा।

जेड और जे के लिए

मेरे निःस्वार्थ स्नेह सहित, हमेशा..

प्रस्तावना

वह लौट आया है। मम्मी सो रही है या फिर से बीमार है।

मैं रसोई के छोटे से मेज़ के नीचे जा छिपता हूं। मैं अपनी अंगुलियों के छोर से मम्मी को देख सकता हूं। मम्मी काउच पर सो रही है और उसका हाथ चिपचिपे हरे कालीन पर पड़ा है। वह चमकदार बक्कल वाले बड़े जूते पहने मम्मी पर चिल्ला रहा है।

वह मम्मी को बेल्ट से मारता है। *उठ! उठ! उठ! उठ जा! कमीनी औरत! कमीनी औरत जल्दी से उठ जा!!! कमीनी औरत!! कमीन औरत !! कमीनी औरत!!*

मम्मी के मुंह से एक हल्की सी सुबकी सुनाई देती है। बस करो। प्लीज़ बस करो। मम्मी चिल्लाती नहीं। वह सिकुड़ कर और भी सहम जाती है।

मेरी अंगुलियां कानों में हैं और आंखें बंद हैं। वह आवाज़ आनी बंद हो जाती है।

वह मुड़ा और मैं रसोई में उसके जूतों की ठक-ठक आवाज़ को सुन सकता हूं। अब भी उसके हाथ में बेल्ट है और वह मुझे खोज रहा है।

वह नीचे झुक कर खीसें निपोरता है। उसके शरीर से बुरी गंध आ रही है। शराब और सिगरेट की गंध। *ओह! तो कुतिया का पिल्ला यहां छिपा बैठा है!!!*

एक ठंडी सी सिरहन उसके शरीर में दौड़ गई। *जीसस!!* वह अपने ही पसीने में नहाया हुआ है और दिल तेज़ी से धड़क रहा है। ये सब क्या बकवास है! वह पलंग पर सीधा उठ बैठा और दोनों हाथों में सिर दे लिया। *वे लौट आए हैं।* यह शोर मैं ही तो था। उसने एक गहरी सांस ली और अपने दिमाग व नथुनों से बरबॉन और बासी कैमल सिगरेट की गंध को परे झटकना चाहा।

आभार

मैं सारा, के और ज़दा के प्रति आभार प्रकट करना चाहती हूं। आप सबने मेरे लिए जो कुछ भी किया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

कैथलीन और क्रिस्टी को भी एक बहुत बड़ा सा शुक्रिया जिन्होंने बिखरी कड़ियों को जोड़ते हुए, सब कुछ संभालने में इतनी मदद दी।

मेरे पति, प्रेमी और तकरीबन एक अच्छे दोस्त के रूप में साथ निभाने वाले निआल, तुम्हें भी बहुत-बहुत धन्यवाद!!

पूरी दुनिया की उन सभी अद्भुत, अद्भुत महिलाओं के प्रति आभार, जिनसे इस पुस्तक लेखन के दौरान भेंट करने का सुअवसर मिला। उनमें से कुछ तो अब मेरी मित्र भी हैं जिनमें एली, एलेक्स, एमी, एंड्रिया, एंजेला, एज़ूसीना, बेब्स, बी, बीलिंडा, बेट्सी, ब्रांडी, ब्रिट, केरोलीन, कैथरीन, डॉन, ग्वेन, हैना, जेनट, जेन, जीन, जिल, कैथी, केटी, कैली, केली, लिज़, मैंडी, मार्गेट, नटालिया, निकोल, नोरा, ओल्गा, पैम, पॉलिन, राइना, रेजी, राजका, रिआन, रुथ, स्टेप, सूसी, ताशा, टेलर व उना उल्लेखनीय हैं। उन सभी प्रतिभाशाली और मज़ेदार महिलाओं व पुरुषों को भी धन्यवाद देना चाहूंगी, जिनसे मेरी भेंट ऑनलाइन हुई। आप लोग जानते हैं कि आप कौन हैं।

हीथमैन की सभी बातों के लिए मोर्गन व जेन का धन्यवाद!

और अंततः मेरी संपादिका जेनिन को धन्यवाद! तुम कमाल हो। बस इतना ही..

पाठकों के लिए

आपने 'फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे' के पहले भाग में पढ़ा कि किस तरह एनेस्टेसिया स्टील क्रिस्टियन ग्रे के निराले और बेतुके अनुबंधों और शर्तों से घिर जाती है। वह उन सब चीज़ों से खुद को दूर रखना चाहती है पर चाह कर भी खुद को ग्रे के मोह से आजाद नहीं कर पाती। ग्रे की सेक्स से जुड़ी उस अनूठी सोच के साथ तालमेल न बिठा पाने के कारण ही वह उससे अपना संबंध तोड़ देती है।

दूसरे भाग में आपने जाना कि किस तरह एना का यह फैसला, उसकी ही जान का दुश्मन बन जाता है। वह दिन-रात ग्रे के लिए तरसती है और उसकी बांहों के घेरे में लौट कर ही चैन ले पाती है। ग्रे भी अपनी शर्तों व नियमों से भरी जिंदगी से ऊपर उठ कर, अपनी सनकी आदतों से पीछा छुड़ा कर, एना का प्रेमी बनने के लिए जी-जान से जुटा है। कुछ रोचक घटनाओं के साथ आगे बढ़ते कथानक में, एक नया मोड़ तब आता है, जब वह एना के सामने विवाह का प्रस्ताव रख देता है। एना को ग्रे की जिंदगी में आए अभी थोड़ा ही वक्त हुआ है और उसने हाल ही में उसकी बीती जिंदगी के ऐसे राज़ जानने हैं, जो किसी भी युवती को ग्रे से दूर ले जाते पर वह अपने फिफ्टी शेड्स को दिल से चाहती है। वह उसके बीते कल की परवाह नहीं करती क्योंकि वह ग्रे की जिंदगी में आने वाला कल बनना चाहती है।

आगामी तीसरे भाग में आप जानेंगे कि क्या एनेस्टेसिया स्टील ग्रे के लिए आने वाला कल बन सकी? क्या ग्रे अपने भीतर बसे उन राक्षसों से मुक्ति पा सका? क्या एना और ग्रे का वैवाहिक जीवन सुखद रहा..

फिफ्टी शेड्स डार्कर

अध्याय 1

क्रिस्टियन से बिछुड़े आज तीसरा दिन है और मैं ज़िन्दा हूं। काम पर पहला दिन है। बेशक अपने ध्यान को दूसरी ओर लगाने के लिए इससे बेहतर विकल्प और क्या होता। नए चेहरों, नए काम और मि. जैक हाइड के साथ वक्त तेज़ी से कटा।

मि. जैक हाइड... । वह मेरी ओर देखकर मुस्कुराया, वह मेरी मेज़ पर झुका तो उसकी नीली आंखें गहराई से चमक रही थीं।

"एना! बहुत अच्छे...... लगता है कि हम एक बढ़िया टीम बना सकते हैं।"

मैंने किसी तरह अपने होठों को एक मुस्कान की मुद्रा में ऊपर की ओर मोड़ा।

"अगर अब कोई काम न हो तो मैं जाऊं क्या?" मैं हौले से बोली।

"हां, क्यों नहीं। साढ़े पांच हो गए। मैं कल मिलता हूं।"

"गुडनाइट जैक"

"गुडनाइट एना!"

मैंने बैग उठाकर जैकेट कंधे पर डाली और दरवाजे की ओर बढ़ी। बाहर आकर सिएटल की ताज़ी हवा को फेफड़ों में भरा पर इससे मेरे दिल का सूनापन नहीं भर सका, एक ऐसा खालीपन जो शनिवार सुबह से मेरे साथ है और मुझे लगातार मेरे नुकसान की याद दिला रहा है। मैं सिर झुकाए, अपने पैरों की ओर देखते हुए बस स्टॉप की ओर चल दी। अपनी वांडा की बेतरह याद आ रही थी। वांडा, मेरी प्यारी बीटल...या फिर ऑडी!

मैंने झट से इस सोच को परे झटक दिया। नहीं, उसके बारे में मत सोच। बेशक मैं अपने लिए एक कार ले सकती हूं... एक अच्छी नई कार। मुझे शक है कि उसने मुझे कार की कीमत के नाम पर ज्यादा पैसे दिए हैं और ये ख़याल आते ही मुंह में कड़वाहट घुल गई। मैंने इस सोच को भी परे किया और अपने दिलों दिमाग को पूरी तरह से शान्त रखने की कोशिश की। मैं उसके बारे में नहीं सोच सकती। मैं फिर से रोना नहीं चाहती- कम से कम सड़क पर तो कभी नहीं।

अपार्टमेंट खाली पड़ा है। मैं केट को याद कर रही हूं। मैंने कल्पना की कि वह बारबाडोज़ में किसी सागरतट पर लेटी ठंडी कॉकटेल का मज़ा ले रही होगी। मैंने चपटे स्क्रीन वाला टीवी. चालू किया ताकि किसी के साथ का एहसास मिल सके पर मैं न तो उसे देख रही थी और न

ही सुन रही थी। मैं चुपचाप बैठी ईंटों से बनी दीवार को घूरती रही। दर्द के सिवा कुछ महसूस ही नहीं हो रहा। मैं इसे कब तक सह सकती हूं?

दरवाजे की घंटी से एकदम चौंकी। कौन हो सकता है? मैंने इंटरकॉम दबाया।

"मिस स्टील के लिए डिलीवरी है।" एक पकाऊ से सुर में कोई बोला। मैं मायूस हो गई। यूं ही बेजान सी निचले दरवाजे के पास पहुंची तो एक नौजवान दिखा जो लापरवाही से बबलगम चबाते हुए, हाथ में गत्ते का बड़ा-सा डिब्बा थामे खड़ा था। मैंने पैकेट लेने के लिए हस्ताक्षर किए और उसे ले कर ऊपर आ गई। बॉक्स काफी बड़ा लेकिन हल्का है। उसमें से दो दर्जन लंबी डंडियों वाले सफेद गुलाब और कार्ड निकले।

काम के पहले दिन की शुभकामनाएं!
उम्मीद करता हूं कि सब ठीक रहा होगा।
ग्लाईडर के लिए शुक्रिया। ये बड़ा अच्छा तोहफ़ा रहा।
इसे मेरे मेज पर रखे जाने का गौरव प्राप्त हुआ है।
क्रिस्टियन!

मैंने टाइप किए गए कार्ड को देखा और दिल का सूनापन और भी पसर गया। बेशक यह तो उसकी सहायिका ने टाइप किया होगा। इसका उससे कोई लेन-देन नहीं है। इस बारे में सोचने से भी दिल को चोट लगती है। मैंने गुलाब देखे, बहुत सुंदर हैं और मैं उन्हें कूड़ेदान में फेंकने की हिम्मत नहीं कर सकी। झट से कोई फूलदान खोजने के लिए रसोई की ओर चल दी।

और इस तरह एक शैली सी बन गयी: उठना, काम करना, रोना, सोना। खैर सोने की कोशिश करना। सपनों में भी वही छलता रहता। जलती हुई भूरी आंखें, खोई-खोई नज़रें और बिखरे बाल......। उसके आसपास गूंज रहा संगीत। मैं अब संगीत नहीं सुन सकती। मैं हर हाल में इसे अनसुना कर रही हूं। यहां तक कि विज्ञापनों की अर्जुनों से भी चिढ़ हो रही है।

मैंने किसी से बात नहीं की। मॉम या रे से भी नहीं! अब जैसे किसी से यहां-वहां की हांकने की हिम्मत ही नहीं रही। नहीं, मैं किसी को नहीं चाहती। मैं बहुत तन्हा हो गई हूं। एक ऐसी वीरान और सुनसान द्वीप; जहां कुछ नहीं उगता और दूर-दूर तक कोई नहीं दिखता। हां, ये मैं ही तो हूं। मैं ऑफिस में लोगों से औपचारिक बातचीत तो कर सकती हूं पर जानती हूं कि अगर मॉम से बात की तो और भी टूट जाऊंगी और अब इतना टूट गई हूं कि टूटने के नाम पर कुछ बचा ही नहीं है।

मेरे लिए कुछ भी खाना दूभर हो गया है। बुधवार दोपहर तक मैंने बमुश्किल एक कप दही लिया है और शुक्रवार के बाद आज पहली बार खाया है। तब से मैं लाते और डाइट कोक पर ही ज़िन्दा हूं। कैफीन ने ही मुझे संभाला हुआ था पर साथ ही यही बेचैनी भी बढ़ा रही थी।

जैक ने मेरे आसपास मंडराना शुरू कर दिया है। वह बार-बार निजी सवाल पूछ कर खिझाने लगा है। वह चाहता क्या है? मैंने पूरी विनम्रता के साथ एक हाथ की दूरी रखी हुई है पर थोड़ा और ध्यान रखना होगा।

मैं उसके नाम आई चिट्ठी-पत्री को देखने लगी और दिमाग दूसरी ओर लगने से थोड़ी शांति मिली। तभी ई-मेल आने का स्वर सुनाई दिया।

ओह! ये तो क्रिस्टियन का ई-मेल है। अरे नहीं......यहां कम से कम काम के वक्त तो नहीं।

फ्रॉम क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: आने वाला कल
डेट: 8 जून 2011 14:05
टू: एनेस्टेसिया स्टील
प्यारी एनेस्टेसिया

काम के समय तंग करने के लिए माफ़ी चाहूंगा। उम्मीद करता हूं कि सब ठीक चल रहा होगा। क्या तुम्हें फूल मिले?

मुझे याद आया कि कल तो तुम्हारे दोस्त की गैलरी का मुहूर्त है और मुझे पक्का यकीन है कि तुम्हें अभी कार खरीदने का वक्त नहीं मिला होगा। बेशक रास्ता भी लंबा है। अगर तुम साथ चलना चाहो तो मुझे बहुत खुशी होगी।

मुझे बताओ।

क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,
ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

मेरी आंखें छलक उठीं। झट से वहां से उठी और शौचालय की ओर चल दी ताकि अपना बचाव कर सकूं। जोंस का शो। मैं तो भूल ही गई थी, मैंने तो उससे वहां आने का वादा किया था। ओह, क्रिस्टियन ठीक कह रहा है, मैं जाउंगी कैसे?

मैंने अपना माथा जकड़ा। जोंस ने फोन क्यों नहीं किया? सोचने की बात है कि किसी ने भी फोन नहीं किया। मैंने भी ध्यान नहीं दिया कि इतने दिन से मेरा कोई फोन ही नहीं आया था।

ओह! मैं भी गृहणी हूं। मेरी सारी कॉल्स ब्लैकबेरी में जा रही हैं और वह क्रिस्टियन देख रहा होगा। अगर उसने ब्लैकबेरी को कहीं पटक न दिया हो तो...? उसे मेरा ई-मेल पता कहां से मिला?

उसे तो मेरे जूते का नंबर तक पता है। ये ई-मेल का पता क्या चीज़ है।

क्या मैं उससे दोबारा मिल सकती हूं? क्या मैं सह सकती हूं? क्या मैं उससे मिलना चाहती हूं? मैंने आंखें बंद कीं और सिर को दूसरी ओर झुकाया। मैं अपने दुख की ओर एक नज़र मारी...। बेशक मैं ऐसा कर सकती हूं।

शायद... शायद मैं उसे बता सकती हूं कि मैंने अपना मन बदल लिया है। ...नहीं, नहीं, नहीं! मैं किसी ऐसे इंसान के साथ नहीं रह सकती जिसे मुझे तकलीफ़ पहुंचा कर खुशी मिलती हो, कोई ऐसा जो मुझसे प्यार नहीं कर सकता।

मेरे दिमाग में अचानक ही वे सारी दिल दुखाने वाली यादें मंडराने लगीं- ग्लाइडिंग, हाथ थामना, चूमना, बाथटब, उसकी कोमलता, उसका हंसोड़ स्वभाव, उसकी गहरी चाह से छलकती आंखें। मैं उसे याद करती हूं। पांच दिन हुए हैं और ऐसा लगता है जाने कितनी सदियों से नहीं मिली हूं। रातों को रोती हूं कि काश मैं उसे इस तरह से छोड़कर न आई होती, काश वह आम इंसान होता, काश हम एक हो पाते। मैं कब तक इस तरह के एहसासों से घिरी रहूंगी? मेरे लिए मुक्ति कहां है?

मैंने अपने शरीर के आसपास बांहों को कसा और खुद को कस कर थाम लिया। मैं उसे याद करती हूं... बहुत... बहुत याद करती हूं। मैं उससे प्यार करती हूं। बस सीधी सी बात है।

एनेस्टेसिया स्टील! तुम इस समय काम पर हो। मुझे मजबूत बनना होगा पर मैं जोंस के शो में जाना चाहती हूं और अन्दर ही अन्दर मैं क्रिस्टियन से मिलने को भी तरस रही हूं। मैंने गहरी सांस ली और कमरे में आ गई।

फ्रॉम एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: आने वाला कल
डेट: 8 जून 2011 14:25
टू: क्रिस्टियन ग्रे
हाय क्रिस्टियन
फूलों के लिए शुक्रिया! वे सुंदर थे।
हां, मैं तुम्हारे साथ जाना चाहूंगी।
धन्यवाद!
एनेस्टेसिया स्टील

जैक हाइड की सहायिका
संपादक, एसआईपी

फोन देखा तो पता चला कि उसके सारे कॉल अब भी मेरे ब्लैकबेरी में ही जा रहे थे। जैक मीटिंग में था इसलिए मैंने जल्दी से ओसे को फोन लगाया।

"हाय जोंस! एना बोल रही हूं।"

"हैलो! अजनबी।" उसके प्यार की गरमाहट और अपनेपन से मेरा मन भर आया।

"मैं ज्यादा बात नहीं कर सकती। कल तुम्हारे शो में कितने बजे आना है?"

"तुम सच्ची आ रही हो?" उसकी आवाज़ में छिपी उमंग पता चल रही थी।

"हां, बेशक।" मैंने पांच दिनों में पहली बार अपनी निश्चल मुस्कान दी।

"साढ़े सात बजे।"

"ठीक है फिर मिलते हैं। गुड बाय जोंस!"

"बाय एना!"

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: आने वाला कल
डेट: 8 जून 2011 14:27
टू: एनेस्टेसिया स्टील
डियर एनेस्टेसिया
मैं तुम्हें किस वक्त लेने आऊं?
क्रिस्टियन ग्रे
ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: आने वाला कल
डेट: 8 जून 2011 14:32
टू: क्रिस्टियन ग्रे
ओसे का शो 7:33 शुरू होगा। हमें किस समय जाना चाहिए?

एनेस्टेसिया स्टील
जैक हाइड की सहायिका
संपादक, एसआईपी

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: आने वाला कल
डेट: 8 जून 2011 14:32
टू: एनेस्टेसिया स्टील
डियर एनेस्टेसिया
पोर्टलैंड थोड़ी दूर है इसलिए मैं तुम्हें 5:45 पर लेने आऊंगा।
तुमसे मिलने के इंतज़ार में..
क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,
ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: आने वाला कल
डेट: 8 जून 2011 14:38 ईएसटी
टू: क्रिस्टियन ग्रे
ठीक है, कल मिलते हैं।
एनेस्टेसिया स्टील
जैक हाइड की सहायिका
संपादक, एसआईपी

ओह!! मैं क्रिस्टियन से मिलने वाली हूं और पांच दिन में पहली बार मेरा मन थोड़ा खुश हुआ और मैंने अपना ध्यान उसकी ओर लगाया।

क्या वह भी मुझे याद कर रहा है? शायद वैसे नहीं किया होगा, जैसे मैं कर रही हूं। क्या उसे कोई नई सेक्स गुलाम मिल गई? ये सोच ही इतनी बुरी थी कि मैंने उसे एकदम से ख़ारिज़ कर दिया। मैंने जैक के दिए काम पर नज़र मारी और उसे करने के लिए क्रिस्टियन को अपने दिमाग से हटाना ज़रूरी था।

उस रात, मैं पलंग पर करवटें बदलती रही। पूरे सप्ताह में शायद पहली बार मैं रोए बिना सोने जा रही थी।

मैं मन ही मन याद करने की कोशिश कर रही थी कि जब मैं क्रिस्टियन के घर से आई तो उसका चेहरा कैसा दिख रहा था? उसके तरसे हुए चेहरे की याद मुझे तड़पा रही है। मुझे याद है कि वह मुझे जाने नहीं देना चाहता था। यही बात अजीब थी। वहां के हालात ऐसे बन गए थे कि मेरी वहां रहने की तुक ही नहीं बनती थी। हम दोनों अपने-अपने मुद्दों से घिरे थे। मेरा सज़ा का डर और उसके लिए किसका डर... प्यार का?

मैं करवट ले कर तकिए को अपने से चिपटा लिया... एक अजीब सी उदासी ने घेर लिया है। वह समझता है कि वह किसी का प्यार पाने के लायक नहीं है। वह ऐसा क्यों महसूस करता है? क्या यह उसकी पैदाईश और बचपन का असर है? उसे जन्म देने वाली मां... वह वेश्या? मैं कई घंटों तक ऐसे ही ख्यालों से जूझने के बाद थक कर सो गई।

दिन अपनी गति से चलता रहा पर आज जैक कुछ ज्यादा ही मुस्तैद दिख रहा है। शायद ये केट की पोशाक और जूतों का असर है पर मैंने ज्यादा परवाह नहीं की। मैंने अपने पहले वेतन के आते ही कपड़े खरीदने की सोच ली है। उसकी पोशाक काफी ढीली आई है पर मैं ऐसे ही दिखा रही हूं मानो मुझे इस बारे में कुछ नहीं पता।

आखिरकार शाम का वक्त हुआ और मैं अपनी घबराहट पर काबू पाने की कोशिश करने लगी। उससे मिलने जा रही हूं..

"क्या आज रात किसी से मुलाकात है?" पास से निकलते जैक ने पूछा।

"हां, नहीं। ऐसा भी नहीं कह सकते।"

उसने एक भौं नचाई। "ब्वायफ्रेंड?"

मैं खिसिया गई। "नहीं एक फ्रेंड। एक्स ब्वायफ्रेंड...।"

"कल शाम को हमारे साथ ड्रिंक्स के लिए चलोगी? एना, तुम्हारा ये पहला सप्ताह काफी अच्छा रहा। हमें इसका जश्न मनाना चाहिए।" वह मुस्कुराया और उसके चेहरे पर एक अजीब-सा भाव दिख रहा था, जिसे देखकर मैं बेचैन हो उठी।

वह जेबों में दोनों हाथ डाले बाहर निकला और मैं मन ही मन भुनभुनाई- क्या बॉस के साथ ड्रिंक्स के लिए जाने का विचार ठीक होगा?

मैंने सिर झटका। अभी आज शाम तो क्रिस्टियन से मिलना है। कल की कल देखेंगे। मैं अपनी शक्ल संवारने के लिए खड़ी हो गई।

शौचालय में लगे बड़े शीशे में चेहरे को देखा तो बड़ी-सी आंखों के नीचे काले घेरे साफ दिखाई दिए। ऐसा लग रहा था कि कोई मनहूसियत छाई हो। काश! मुझे मेकअप इस्तेमाल करना आता। मैंने थोड़ा-सा मस्कारा और आईलाइनर लगाया और गालों पर चुटकी काटी

ताकि शायद थोड़ा रंग आ जाए। बालों को सही तरह से बांध कर मैंने गहरी सांस ली। बस इसी से बात बन जाएगी।

मैं घबराहट के साथ बरामदे से निकली और रिसेप्शन पर बैठी क्लेयर को देखकर हाथ हिलाया। लगता है कि हममें दोस्ती हो सकती है। जैक, एलिजाबेथ से बात करता दिखा। वह एक चौड़ी सी मुस्कान के साथ मेरे लिए दरवाज़ा खोलने आगे आ गया।

"एना पहले तुम जाओ।" वह बोला।

"धन्यवाद!" मैं शर्मिंदगी के साथ मुस्कुराई।

वहीं बाहर टेलर इंतज़ार कर रहा है। उसने कार का पिछला दरवाज़ा खोल दिया। मैंने झट से पीछे आ रहे जैक पर नज़र मारी। वह बड़ी मायूसी से ऑडी एसयूवी को ताक रहा है।

मैंने पीछे सीट पर देखा तो अपने ग्रे सूट में क्रिस्टियन बैठा दिखा। आज गले में टाई नहीं है। उसकी भूरी आंखें चमक रही हैं।

मेरा गला सूख गया। वैसे तो वह गज़ब का दिख रहा है पर मुझे गुस्से से क्यों घूर रहा है?

"आखिरी खाना कब खाया था?" टेलर दरवाज़ा बंद करने लगा तो वह गुस्से से बोला।

ओह! हो गया कबाड़ा। "हैलो क्रिस्टियन। तुमसे मिलकर अच्छा लगा।"

"मैं अभी तुम्हारी बकवास नहीं सुनना चाहता। मेरी बात का जवाब दो।"

"ओह!! आज लंच में दही लिया था और एक केला भी खाया था।"

"आखिरी बार अपना पूरा खाना कब खाया था?" उसने तीखे सुर में पूछा।

टेलर गाड़ी में आया और उसे भीड़ के बीच ले जाने के लिए चालू किया।

मैंने झांका तो बाहर से जैसे जैक हाथ हिलाता दिखा। हालांकि पता नहीं मैं उसे इतने गहरे रंग के शीशे से नज़र कैसे आई होंगी। मैंने भी हाथ हिला दिया।

"कौन है?" क्रिस्टियन ने पूछा।

"मेरा बॉस।" मैंने अपने साथ बैठे खूबसूरत मर्द को देखा जिसके चेहरे पर इस समय गुस्से की गहरी रेखाएं दिख रही हैं।

"खैर! तुम्हारा आखिरी खाना?"

"तुम्हें उससे क्या?" मैंने बहादुरी दिखाई।

"तुम जो भी करती हो। मेरा हर बात से मतलब होता है।"

मैंने चिढ़ कर मुंह घुमाया और अचानक ही मेरा मन हंसने को करने लगा। मेरे लिए चेहरे से हंसी को छिपाना भारी हो गया और उसके चेहरे के कोने पर भी मुस्कान की हल्की-सी

रेखा दिखी।

"हां बोलो।"

"पिछले शुक्रवार को पास्ता खाया था।"

उसने पल भर के लिए आंखें बंद कीं और उसके चेहरे पर जैसे पछतावा सा रेंग आया।

"ओह! ऐसा लगता है कि पांच पाउंड से भी ज्यादा वज़न कम हो गया हो। एनेस्टेसिया! प्लीज़ खाना मत छोड़ा करो।"

मैं गोद में गुंथी अंगुलियों को घूरती रही। वह हमेशा मेरे साथ ऐसे क्यों पेश आता है जैसे कोई बदमाश बच्चे से बात कर रहा हो। वह मेरी ओर मुड़ा।

"कैसी हो?" फिर उसने मुलायम सुर में पूछा।

"म......मैं......अगर कहूं कि ठीक हूं तो शायद गलत होगा।"

उसने गहरी सांस ली।

"मैं भी। मैंने तुम्हें बहुत याद किया।" उसने मेरा हाथ थामकर कहा।

ओह नहीं! उसके हाथों का स्पर्श।

"क्रिस्टियन मैं......"

"एना प्लीज़! हमें बात करनी होगी।"

"मैं रोने वाली हूं। नहीं! क्रिस्टियन मैं... प्लीज़... मैं पहले ही बहुत रो चुकी हूं।" मैं अपने भावों को काबू रखते हुए हौले से बोली।

"ओह बेबी, नहीं!" उसने मुझे एकदम से अपनी गोद में खींच लिया। उसकी बांह का घेरा मेरे आसपास था और उसकी नाक मेरे बालों को सहला रही थी।

"एनेस्टेसिया! मैंने तुम्हें बहुत याद किया।"

मैं उससे कुछ दूरी बनाए रखने के लिए हाथ-पैर मार रही थी पर उसने मेरे आसपास बाजुओं के घेरा डाला हुआ था। वह मुझे अपनी छाती से चिपकाना चाहता है। मैं पिघल गई। *ओह! मैं इसी जगह तो रहना चाहती हूं।*

मैंने अपना सिर उसके कंधे पर टिका दिया और वह बार-बार मेरे बाल चूमने लगा। यही तो मेरा घर है। उसके लिनन, कपड़े को मुलायम करने वाले तरल पदार्थ, बॉडी वाश और मेरे मनपसंद क्रिस्टियन की गाउन का मेल! एक पल के लिए तो मैंने सब भुला कर अपने दिल को तसल्ली दे दी कि सब ठीक हो गया।

कुछ मिनट बाद अचानक टेलर ने गाड़ी रोक दी। वैसे अभी हम शहर में ही थे।

आओ! क्रिस्टियन ने मुझे गोद से हटाया-"हम आ गए।"

"क्या?"

" इमारत के ऊपर हैलीपेड है।" क्रिस्टियन ने उस ओर इशारा करते हुए कहा

बेशक। चार्ली टैंगो। टेलर ने दरवाज़ा खोला और हम बाहर आ गए। उसकी मुस्कान ने मुझे एक तरह की सुरक्षा का एहसास दिया। मैं भी उसे देखकर मुस्कुराई।

"मुझे तुम्हारा रूमाल भी देना है।"

"ओह मिस स्टील! मेरी शुभकामनाओं के साथ रख लें।"

क्रिस्टियन ने कार से आकर मेरा हाथ थामा तो मैं शरमा गई।

उसने टेलर को सवालिया निगाहों से देखा पर वह कुछ नहीं बोला।

"नौ?" क्रिस्टियन ने उससे कहा

"जी सर?"

क्रिस्टियन ने हामी दी और दोहरे दरवाज़े की तरफ चल दिया। उसकी लंबी अंगुलियां मेरे हाथों को सहला रही हैं। मैं वही खिंचाव महसूस कर रही हूं। मानो इकारस सूरज की ओर बढ़ता जा रहा हो। मैं पहले जल चुकी हूं पर फिर भी आज उसके साथ हूं।

उसने लिफ्ट के पास पहुंच कर बटन दबाया। उसके चेहरे पर वही रहस्यमयी सी मुस्कान है। लिफ्ट कर दरवाजा बंद होते ही मैंने उसे दोबारा ताका। उसने भी मुझे देखा और हम दोनों के बीच जैसे फिर से कुछ पनपने लगा। वह हम दोनों को पास-पास खींच रहा था।

मैं उस आदिम आकर्षण में बंधी जा रही हूं। अन्दर ही अन्दर जैसे कोई चाह हिलोरे लेने लगी और वासना का ऐसा ही असर उस पर भी दिख रहा है। उसकी आंखें सब कुछ कह रही हैं। उसकी छुअन ने हमेशा की तरह मेरे पेट की मांसपेशियों में मीठी सी ऐंठन पैदा कर दी है।

वह अब भी मेरे साथ ऐसा कैसे कर सकता है?

"प्लीज़ एनेस्टेसिया! अपना होंठ मत काटो।" वह हौले से बुदबुदाया।

ओह! मैं अब भी उस पर असर डाल सकती हूं। मेरे भीतर बैठी लड़की ने पूरे पांच दिन बाद करवट ली।

अचानक ही दरवाजा खुला और वह जादू टूट गया। हम छत पर हैं और मैं अपनी काली जैकेट के बावजूद ठंडक महसूस कर रही हूं। क्रिस्टियन ने मुझे अपनी बांह के घेरे में ले लिया और हम चार्ली टैंगो की तरफ चल दिए। उसके रोटर ब्लेड धीरे-धीरे घूम रहे हैं।

एक लंबे, लाल बालों और चौकोर जबड़े वाले आदमी ने चार्ली से छलांग लगाई और हमारे पास आ गया। फिर वह क्रिस्टियन से हाथ मिला कर बोला।

"सर! ये आपके साथ जाने के लिए पूरी तरह से तैयार है।"

"सारे चेक हो गए?"

"जी सर!"

"अच्छा! टेलर बाहर इंतज़ार कर रहा है। तुम इसे साढ़े आठ बजे ले लेना।"

"जी सर! धन्यवाद! मैम पोर्टलैंड की उड़ान सुरक्षित हो।" उसने मुझे सलामी दी। क्रिस्टियन ने गर्दन हिलाई और मुझे आगे ले चला।

उसने एक बार फिर से मुझे तनियों में कसा और बड़ी ही अर्थभरी मुस्कान दी।

"तुम्हें तो हमेशा यूं ही जकड़ कर रखना चाहिए। तुम ऐसे ज्यादा सुंदर दिखती हो।"

वह बोला।

मेरे चेहरे पर गुलाबी रंग छा गया और उसने मुझे हैडफोन देने से पहले गालों पर अपनी तर्जनी घुमाई। मैं भी तुम्हें छूना चाहती हूं पर तुम मुझे ऐसा करने नहीं दोगे। मैंने मुंह बनाया। वैसे भी उसने तनियां इतनी कस कर बांधी हैं कि मैं हिल भी नहीं पा रही।

उसने सारी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उड़ान भरी और मुझे हेडफोन में सुनाई दिया।

"बेबी! तैयार हो?"

"हां"

उसके चेहरे पर वही बचकानी सी मुस्कान आ गई। ओह! मैं तो उसका यह रूप देखने को तरस गई।

"सी-टैक टॉवर। ये चार्ली टैंगो है- गोल्फ ईको होटल...... पोर्टलैंड की उड़ान के लिए तैयार...।"

अचानक ही वायु यातायात नियंत्रक का स्वर सुनाई देने लगा

रॉजर, टॉवर, चार्ली टैंगो सेट, ओवर एंड आउट। क्रिस्टियन ने कुछ स्विच और स्टिक घुमाए और हेलीकॉप्टर शाम के अँधेरे में ऊपर उठने लगा।

"एनेस्टेसिया ! आज हम ढलती शाम का पीछा करेंगे।" हैडफोन से उसका सुर सुनाई दिया और मैंने उसे हैरानी से देखा।

इसका क्या मतलब है। वह इतनी रोमानी बातें कैसे कर लेता है? वह मुस्कुराया और मैं भी एक लजीली मुस्कान दिए बिना रह नहीं सकी।

“आज शाम का सूरज है इसलिए देखने को बहुत कुछ मिलेगा।”

पिछली बार हमने अँधेरे में उड़ान भरी थी पर आज का तो नज़ारा ही अद्भुत है। हम ऊंची-ऊंची इमारतों के ऊपर से होते हुए जा रहे हैं।

“वह रहा एस्काला। वह देखो। तुम स्पेस नीडल भी देख सकती हो।”

मैंने गर्दन उठाई।

“मैं वहां कभी नहीं गई।”

“मैं तुम्हें ले चलूंगा- हम वहां खा सकते हैं”

“क्रिस्टियन हमारा ब्रेकअप हो गया है।”

“मैं जानता हूं पर फिर भी तुम्हें वहां ले जा कर खिला सकता हूं।” उसने मुझे घूरा।

मैंने गर्दन हिलाई और मन ही मन तय किया कि उसका मूड खराब नहीं करूंगी।

“ओह! यहां से सब कितना सुंदर दिख रहा है। लाने के लिए मेहरबानी।”

“अच्छा है, है न?”

“हां, क्योंकि तुम ऐसा कर सकते हो।”

“मिस स्टील! चापलूसी कर रही हो। वैसे मैं एक हुनरमंद इंसान हूं।”

“मि. ग्रे! मैं अच्छी तरह जानती हूं।”

वह मुड़ा और दबी सी मुस्कान दी और इन पांच दिनों में पहली बार दिल को सुकून सा मिला। शायद यह इतना बुरा भी न हो।

“नई नौकरी कैसी चल रही है?”

“बढ़िया! धन्यवाद। दिलचस्प है।”

“नया बॉस कैसा है?”

ठीक है। मैं क्रिस्टियन को कैसे बता सकती हूं कि उस इंसान के बर्ताव से मुझे उलझन हो रही है?

“कुछ गड़बड़ है क्या?”

“नहीं, कुछ ख़ास नहीं।”

“कुछ तो है?”

“नहीं, कह दिया न ।”

"ओह मिस स्टील! मैं तुम्हारे बड़बोलेपन को बहुत याद कर रहा था।"

मैंने गहरी सांस ली और मैं चिल्लाना चाहती थी-

मैंने सिर्फ तुम्हारी बातों को नहीं बल्कि तुम्हें याद किया पर मैं चुपचाप शीशे के बाहर देखती रही। सूरज का गोला धीरे-धीरे डूब रहा है और मैं इकारस की तरह सूरज की ओर खिंचती जा रही हूं।

आकाश में नीले और गुलाबी रंग का तालमेल बहुत ही प्यारे रंग भर रहा है और कुदरत नए रंगों में निखरी हुई है। सुंदर, निखरी और खिली हुई शाम के बीच पोर्टलैंड की बूटियां दमक रही हैं। क्रिस्टियन ने हेलीकॉप्टर नीचे उतारा तो उन्होंने टिमटिमा कर हमारा स्वागत किया। हम पोर्टलैंड में भूरी ईंटों की अजीब सी इमारत की छत पर हैं। अभी तीन हफ्ते पहले ही तो मैं यहां थी।

अभी समय ही कितना हुआ है पर लगता है कि क्रिस्टियन को कितनी सदियों से जानती हूं। उसने कई स्विच दबा कर हेलीकॉप्टर रोका और अब हेडफोन में मुझे अपनी सांसों के सिवा कुछ सुनाई नहीं दे रहा।

उसने अपनी तनियां खोलीं और मुझे आजाद करते हुए बोला

"मिस स्टील! कैसा रहा सफ़र?"

"मि. ग्रे! यह बढ़िया था। धन्यवाद।"

"चलो उस छोकरे की तस्वीरें देखें।" उसने मेरा हाथ थामा और मैं चार्ली से बाहर आ गई। सफेद बाल और दाढ़ी वाला व्यक्ति चौड़ी सी मुस्कान के साथ हमारी ओर आया तो मैं उसे पहचान गई। पिछली बार भी तो यहां वही था।

"जो।" क्रिस्टियन ने एक मुस्कान के साथ उससे हाथ मिलाया।

"उसे स्टीफन के लिए सुरक्षित रखो। वह आठ या नौ के करीब लेने आएगा।"

"अच्छा! मि. ग्रे।" फिर उसने मुझे देखकर गर्दन हिलाई।

"सर! कार नीचे इंतज़ार कर रही है। लिफ्ट खराब है इसलिए आपको सीढ़ियों से जाना होगा।"

"धन्यवाद जो।"

क्रिस्टियन ने मेरा हाथ थामा और हम आपातकालीन सीढ़ियों की ओर चल दिए।

"शुक्र है कि यहां तीन ही मंजिलें हैं।"

उसने मेरी हील देखते हुए कहा "क्या तुम्हें हील पसंद नहीं?"

"पसंद तो हैं पर मैं यह नहीं चाहता कि तुम यहां से गिर कर अपनी हड्डी-पसली तुड़ा लो इसलिए हम धीरे चलेंगे।"

गैलरी की ओर जाते समय कार में चुप्पी छाई रही। मेरी बेचैनी फिर से लौट आई थी। पता नहीं हमारा सहज व हल्का मूड कहां चला गया था। मैं कितना कुछ कहना चाहती हूं पर रास्ता कितना कम है। क्रिस्टियन चुपचाप खिड़की से बाहर ताक रहा है।

"ओसे एक दोस्त है।" मैं बुदबुदाई। क्रिस्टियन ने मुड़कर मुझे बड़ी सतर्क नज़रों से देखा और कुछ नहीं बोला। ओह! उसका मुह... मैं अपने शरीर के रोम-रोम पर उसकी वह छुअन चाहती हूं।

"एनेस्टेसिया ! तुम्हारे प्यारे से चेहरे पर ये आंखें बहुत बड़ी दिखती हैं। प्लीज़ वादा करो कि तुम खाने पर ध्यान दोगी।"

"हां क्रिस्टियन, मैं खाऊंगी।" मेरे मुंह से अपने-आप ही निकल गया।

"मैं सच कह रही हूं।"

"क्या अभी खाना चाहोगे?" मैंने मायूसी से पूछा। मैं इस आदमी के बर्ताव से दंग हूं। यह वही इंसान है जिसने पिछले कुछ दिनों से मेरी हालत खराब कर रखी है। नहीं, यह गलत है। वह सब मैंने ही किया था। इसने कुछ नहीं किया। मैंने उलझन के बीच अपना सिर हिलाया।

"एनेस्टेसिया! मैं तुमसे लड़ना नहीं चाहता। मैं यही चाहता हूं कि तुम वापिस आ जाओ और स्वस्थ रहो।"

"पर कुछ भी तो नहीं बदला। तुम आज भी वही फिफ्टी शेड्स हो।

"हम वापसी में बात करेंगे। अब तो पहुंच गए हैं।"

कार एक गैलरी के सामने आकर रुकी और क्रिस्टियन ने नीचे उतर कर मेरे लिए कार का दरवाजा खोल कर मुझे हैरत में डाल दिया।

"तुमने ऐसा क्यों किया?" मैंने कुछ ज्यादा ही तेज़ सुर में पूछ लिया।

"क्या किया?" वह भी हैरान था।

"कुछ कहते-कहते अचानक ही चुप लगा गए?"

"एनेस्टेसिया! हम वहां आ गए हैं। जहां तुम आना चाहती थीं। पहले यह काम करें और बाद में बात करेंगे। मैं सड़क पर कोई तमाशा नहीं चाहता।"

मैंने उसे ताका। वह सही कह रहा है। यह एक सार्वजनिक जगह है। मैंने अपने होंठ भींच लिए।

"अच्छा।" हम हाथों में हाथ दिए इमारत की ओर बढ़े।

हम एक गोदाम जैसी दिखने वाली जगह में पहुंचे जिसे एक गैलरी में बदला गया। वह हवादार जगह है और आसपास कई लोग मंडरा रहे हैं। वे वाइन पीते हुए जोंस के काम को सराह रहे हैं। मेरा दिल पिघल उठा। जोंस ने अपनी मंजिल पा ही ली। उसके लिए मन भींग गया।

"गुड ईवनिंग! जोंस रोद्रिगेज के शो में आपका स्वागत है।" काली पोशाक और, छोटे भूरे बाल और लाल लिपस्टिक वाली एक युवती ने हमारा स्वागत किया जिसके कानों में लंबी गोल बालियां झूम रही थीं। उसने पहले मुझे और फिर कुछ ज्यादा देर तक क्रिस्टियन को देखा और फिर मेरी ओर देखते हुए शर्मीली सी मुस्कुराहट दी।

मेरी भवें तिरछी हो आईं। वह मेरा है- या था। मैंने पूरी कोशिश की कि उसे देखकर मुंह न चढ़ाएं। उसने खुद को संभाल कर पलकें झपकाईं।

"ओह एना! ये तुम हो। हम चाहेंगे कि आप लोग कुछ लें।" उसने मेरे हाथ में ब्रोशर देने के बाद वाइन और खाने-पीने के सामान की ओर संकेत किया।

"तुम उसे जानती हो?" क्रिस्टियन ने हैरानी से पूछा।

मैंने इंकार किया।

उसने कंधे झटके- "क्या लेना चाहोगी?"

"मैं सफेद वाइन ले लूंगी। धन्यवाद।"

"वह बार की ओर चला गया।"

"एना!"

अचानक ही लोगों के रेले में से निकल कर जोंस सामने आ गया।

ओह! उसने सूट पहन रखा है। वह कितना प्यारा लग रहा है और मुझे देखकर कैसे दमक उठा। उसने मुझे बांहों में भरा और कस कर गले से लगाया। मेरे लिए आंसू रोकना मुश्किल हो गया। मेरा दोस्त। केट यहां नहीं है और उसके सिवा मेरा कोई और दोस्त नहीं है। आंखें छलक ही उठीं।

"एना! मुझे तुम्हारे आने से बहुत खुशी हुई।" वह मेरे कान में बोला और मुझे अपने से थोड़ा दूर करते हुए ताकने लगा।

"क्या?"

"तुम ठीक तो हो? तुम कितनी अजीब यानी कमजोर दिख रही हो।"

मैं आंसू संभाले।

"ओह नहीं, जोंस! मैं ठीक हूं। इस शो के लिए बधाई।" उसके चेहरे पर मेरे लिए चिंता है पर मुझे खुद को संभालना ही होगा।

"तुम यहां कैसे आईं?"

"मैं क्रिस्टियन के साथ आई हूं।"

मेरे इतना कहते ही जोंस दो कदम पीछे हो गया।

"कहां है?" उसका चेहरा स्याह हो गया था।

"वहां है। ड्रिंक्स लेने गया है।" मैंने क्रिस्टियन की ओर इशारा किया तो देखा कि वह वहां लाइन में खड़े कुछ लोगों को अभिवादन कर रहा था। अचानक हमारी नज़रें मिलीं और मैं यही सोचकर सन्न रह गई कि यह खूबसूरत इंसान मुझे चाहता है। हम कुछ पलों तक एक-दूसरे को यूं देखते रहे।

"एना! मुझे तुम्हारे आने से खुशी हुई पर मैं तुम्हें चेताना चाहता था..

अचानक ही वह लाल लिपस्टिक वाली टपकी- "ओसे! पोर्टलैंड प्रिंट्ज़ के पत्रकार मिलने आए हैं। आ जाओ।" उसने मुझे विनीत सी मुस्कान दी।

"ये सब नाम-वाम कमाना कितना अच्छा लगता है।" वह मुस्कुराया और मैं भी उसके लिए खुश हुई।

"एना! बाद में मिलते हैं।" उसने मेरा गाल चूमा और एक ओर बढ़ गया।

जोंस की तस्वीरें हर ओर दिख रही हैं। कुछ तो बहुत बड़े कैनवस पर लगाई गई हैं। वे काली-सफ़ेद और रंगीन दोनों तरह की हैं। इन लैंडस्केप की सुदंरता भी अपने-आप में अनूठी और दिव्य होती है। एक तो वैंकूवर के पास झील की तस्वीर है। गुलाबी बादल झील के ठहरे पानी में कितने प्यारे दिख रहे हैं। मैं कुछ पल के लिए उसकी शांति और सहजता के बीच खोई रह गई। ये तो अद्भुत हैं।

क्रिस्टियन भी आ गया और मेरे हाथ में सफेद वाइन थमा दी।

"कैसी लगी?"

"वाइन"

"नहीं, ये तस्वीर"

"हां, लड़के में दम तो है।" क्रिस्टियन भी तस्वीर की सुदंरता को निहारने लगा।

"तभी तो मैंने तुम्हारी तस्वीरों के लिए इसे चुना था।" मेरी आवाज़ में गर्व झलक उठा। उसकी आंखें अचानक ही तस्वीर से हट कर मुझ पर आ जमीं।

"क्रिस्टियन ग्रे? पोर्टलैंड प्रिंट्ज़ का पत्रकार एकदम सामने आ गया। सर! क्या मैं एक तस्वीर ले सकता हूं?"

"क्यों नहीं?" क्रिस्टियन ने अपनी खीझ छिपाते हुए कहा। मैंने कदम पीछे हटाया तो उसने मुझे हाथ से पकड़कर अपनी ओर खींच लिया। फोटोग्राफर ने हम दोनों की तस्वीर ली पर अपनी हैरानी नहीं छिपा सका।

"मि. ग्रे! धन्यवाद! उसने एक और तस्वीर ली। मिस...?" उसने पूछा।

"एना स्टील!" मैंने जवाब दिया।

"धन्यवाद मिस स्टील!" उसने अन्दर की बात निकाल ली थी।

"मैंने इंटरनेट पर तुम्हारी तस्वीरें देखी थीं। तुम किसी लड़की के साथ नहीं दिखे। तभी तो केट को लगा था कि तुम समलैंगिक हो।"

क्रिस्टियन के चेहरे पर मुस्कान खेल गई। तभी तुमने ऐसा बेतुका सवाल पूछा था। "नहीं, एनेस्टेसिया! मैं किसी लड़की के साथ डेट पर नहीं जाता। बस तुम्हारे साथ ही गया हूं। और तुम यह बात जानती हो।" उसने पूरी सच्चाई से कहा।

"तो तुम कभी अपनी. ......बांदियों को बाहर नहीं ले गए?" मैंने आसपास झांका कि किसी ने सुन तो नहीं लिया।

"कभी-कभी। पर इसे डेट नहीं कह सकते। मैं उन्हें खरीदारी के लिए ले जाता था।" उसने कंधे झटके। आंखें लगातार मुझ पर ही जमी हैं।

अरे नहीं, उसके प्लेरूम में या फिर अपार्टमेंट में? समझ नहीं आ रहा कि मुझे यह सुनकर क्या महसूस होना चाहिए।

"एनेस्टेसिया! बस तुम।"

मैं शरमा कर अपनी अंगुलियां देखने लगी। वह अपने ही तरीके से, मेरी परवाह और कद्र करता है।

"लगता है कि तुम्हारा दोस्त लैंडस्केप ज्यादा खींचता है। पोट ग्रेट नहीं दिख रहे। चलो उस ओर देखें।"

हम यहां-वहां घूमे और देखा कि एक जोड़ा मुझे देखकर मुस्कुरा रहा था मानो मुझे पहचानता हो। शायद मैं क्रिस्टियन के साथ हूं इसलिए... पर वे लोग अजीब तरीके से घूर रहे थे।

हम कोने में मुड़े तो कुछ और लोगों की ऐसी ही निगाहों का सामना करना पड़ा। वहीं दीवार पर मुझे अपने सात पोट्रेट दिखाई दिए।

मैं हैरानी से उन्हें ही घूरती रही। ये क्या है! चेहरे का सारा खून जैसे सूख गया था।

मैं... (मेरी तस्वीरें) होंठ फुलाते हुए, हंसते हुए, मुंह बनाते हुए, गंभीर, चकित, उत्सुक..। सभी क्लोज़अप ब्लैक एंड व्हाइट में थे।

हाय! याद आया कि एकाध बार ओसे कैमरा घर लाया था और मैंने व केट ने यूं ही मस्ती में पोज़ दिए थे। मुझे तो लगा कि वह स्नैप शॉट ले रहा था। इतने सुंदर फोटो!

क्रिस्टियन हर तस्वीर को हैरानी से घूर रहा है।

"ऐसा लगता है कि मैं ही तुम्हारा दीवाना नहीं हूं।" वह बोला।

"मुझे लगता है कि वह गुस्से में है।"

"एक्सक्यूज़ मी!" वह मुझे वहीं छोड़कर रिसेप्शन की ओर चला गया।

अब क्या हो गया? वह छोटे बाल और लाल लिपिस्टक वाली से कुछ बात कर रहा है। फिर उसने पर्स से अपना कार्ड निकाला।

ओह! लगता है कि वह उनमें से एक खरीद लेगा।

"हे। तुम्हारी तस्वीरें तो गजब की हैं।" मैं अचानक एक लाल बालों वाले की बातें सुनकर चौंकी। तभी अपनी कोहनी पर क्रिस्टियन का स्पर्श महसूस हुआ।

"तुम किस्मत वाले हो।" उसने क्रिस्टियन से कहा और क्रिस्टियन ने उसे ठंडी निगाहों से घूरा।

"हां मैं हूं!" उसने कहा और मुझे एक ओर खींच ले गया।

"क्या तुमने एक तस्वीर खरीद ली?"

"इनमें से एक।" वह मुझ पर से नज़रें नहीं हटा पा रहा।

"तुमने एक से ज्यादा तस्वीरें लीं?"

उसने आंखें नचाईं।

"एनेस्टेसिया ! मैंने सारी ले लीं। मैं नहीं चाहता कि कोई अपने घर के एकांत में तुम्हारी तस्वीरों को घूरता रहे।"

पहले तो दिल चाहा कि मैं हंस दूं।

"तो तुम ऐसा करना चाहते हो?"

उसने मेरी छिपी हंसी को भांप कर कहा

"हां, सच मैं यही करना चाहता हूं।"

“बिगड़ैल कहीं के!” मैंने मुंह बनाया और अपनी मुस्कान रोकने के लिए होंठ काट लिया। उसने कुछ सोचते हुए अपनी चिबुक पर हाथ फिराया।

“एनेस्टेसिया! मैं तुमसे इस बहस में नहीं जीत सकता।”

“वैसे मैं आगे जा कर इस बारे में बात करूंगी पर मैंने कुछ कागजात पर साइन किए हुए हैं इसलिए...”

“ओह! मैं तुम्हारे इस बड़ बोले पन का क्या करूं?”

मैंने आह भरी और मैं जानती हूं कि उसके कहने का मतलब क्या है? तुम बड़े ही रूखे हो। वह तो कोई सीमाएं ही नहीं जानता।

वह दबी हंसी हंसा, खुश हुआ और फिर त्यौरी चढ़ा ली।

“एनेस्टेसिया! तुम इन तस्वीरों में कितनी सहज और शांत दिख रही हो। तुम अक्सर ऐसी क्यों नहीं लगतीं?”

क्या? ओह? एकदम से बात बदल दी- एकदम गंभीर हो गया।

मैंने घबरा कर अपनी अंगुलियां देखीं। उसने अपनी गर्दन तिरछी कर मेरी अंगुलियां थाम लीं और मैं चहक उठी।

“मैं चाहता हूं कि तुम मेरे साथ भी इतनी ही सहज रहो।” वह हौले से बोला। उसके चेहरे से सारी हंसी गायब हो चुकी थी।

अन्दर ही अन्दर वह खुशी उमगने लगी है पर ऐसा हो भी कैसे सकता है। हम अपने ही मुद्दों से उलझ रहे हैं।

“अगर ऐसा चाहते हो तो मुझे धमकाना-डराना बंद करना होगा।” मैंने झट से कहा।

“तुम्हें भी अपने मन की बात कहना सीखना होगा ताकि मैं जान सकूं कि तुम क्या महसूस करती हो।” वह भी उसी अंदाज में बोला

मैंने गहरी सांस ली। “क्रिस्टियन तुम मुझे एक सेक्स गुलाम के तौर पर चाहते हो। यही तो सबसे बड़ी मुश्किल है। तुमने ही तो सेक्स गुलाम की परिभाषा देते हुए कहा था कि वह अपने मालिक के आगे मुंह नहीं खोलती, विनम्र भाव से हर बात मानती है। मुझे तो तुम्हारी ओर देखने की भी मनाही है। तुम्हारी मर्जी के बिना तुमसे बात तक नहीं कर सकती। तुम क्या उम्मीद रख सकते हो?”

उसकी त्यौरियां और भी गहरा गईं।

“तुम्हारे साथ रहना किसी उलझन से कम नहीं है। तुम चाहते हो कि मैं तुम्हारे सामने बढ़-चढ़ कर न आऊं और साथ ही मेरे बड़बोलेपन को भी चाहते हो। तुम मुझसे अपने हुक्म का

पालन भी करवाना चाहते हो और न करने पर सज़ा भी देना चाहते हो। मैं समझ नहीं पा रही कि किस रूप में तुम्हारे साथ रहूं?"

उसने आंखें सिकोड़ीं- "मिस स्टील! हमेशा की तरह पते की बात कही। चलो, कुछ खाने चलें।"

"हमें यहां आए आधा घंटा ही हुआ है।"

"तुमने फोटो देख लिए और उस लड़के से बात भी कर ली।"

"उसका नाम जोंस है।"

"तुमने जोंस से बात भी कर ली। वही इंसान, जिससे मैं पिछली बार मिला तो वह वह तुम्हारी मर्जी के बिना तुम्हें चूमने की कोशिश कर रहा था जबकि तुम नशे में और बीमार थीं।" वह तीखे शब्दों में बोला।

"उसने कभी मुझ पर हाथ नहीं उठाया।" मैंने भी ज़हर उगला।

क्रिस्टियन का पोर-पोर सुलग उठा- "एनेस्टेसिया..."

वह गुस्से से पगला कर बालों में हाथ फिराने लगा और मैंने उसे घूरा।

"मैं तुमसे खाने के लिए चलने को कह रहा हूं और तुम जाने क्या-क्या बक रही हो। उस लड़के से मिलो और अलविदा कह कर आओ।"

"प्लीज़, क्या हम कुछ देर और नहीं ठहर सकते?"

"नहीं। जाओ। उसे बाय कह कर आओ।"

मैंने भी उसे घूरा और मेरा खून खौलने लगा। बड़ा आया सबको अपने काबू में रखने वाला सनकी। बेशक गुस्सा होना अच्छी बात है। रुआंसे होने से तो कहीं बेहतर है।

मैंने उससे नज़रें हटाईं और कमरे में ओसे को यहां-वहां ताका। वह युवतियों के एक समूह से बात कर रहा है। मैं सीधा वहीं चल दी। वह मुझे यहां लाया है इसलिए उसके कहे पर ही चलना होगा। वह अपने-आप को कौन सा फन्ने खां समझता है?

लड़कियां जैसे ओसे के एक-एक शब्द को पी रही हैं। मेरे जाते ही उनमें से एक पीछे हट गई। शायद वह मुझे तस्वीर के कारण पहचानती है।

"जोंस"

"एना! एक्सक्यूज़ मी गर्ल्स।" जोंस उन्हें देखकर मुस्कुराया और मेरे गले में बांह डाल दी। मैं खुश हूं, वह लड़कियों पर असर डालने में कामयाब रहा।

"तुम नाराज़ दिख रही हो।" वह बोला।

"मुझे जाना होगा।" मैंने किसी तरह हिम्मत बटोर कर कहा।

"तुम अभी तो आई हो।"

"पता है पर क्रिस्टियन को वापिस जाना है। तस्वीरें तो गजब की हैं। उस तुम कमाल हो।"

वह दमका-"तुमसे मिलकर बहुत अच्छा लगा।"

जोंस ने मुझे बांहों पकड़कर गोल घुमाया तो मुझे गैलरी में खड़ा क्रिस्टियन

दिख गया। बेशक उसे मुझे जोंस की बांहों में देखकर बुरा लग रहा था। मैंने झट से जोंस के गले में बांहें डाल दीं और देखकर लगा कि क्रिस्टियन की जान ही निकलने वाली है। वह धीरे-धीरे हमारी ओर आने लगा।

"मुझे तुमने मेरी उन तस्वीरों के बारे में पहले ही बता दिया था। उसके लिए मेहरबानी।"

"ओह! हाय मुझे तुम्हें पहले बता देना चाहिए था। दिमाग से ही निकल गया। क्या तुम्हें पसंद आईं?"

"उम्म...पता नहीं।" मैंने ईमानदारी से कहा।

"वैसे सारी बिक गईं इसका मतलब है कि किसी को तो पसंद आईं हैं। कितनी अच्छी बात है। तुम एक पोस्टर गर्ल हो।" उसने मुझे कस कर गले से लगा लिया। क्रिस्टियन उसी ओर आ गया और शुक्र है कि ओसे2/13/2017 की नज़र उस पर नहीं पड़ी थी।

जोंस ने मुझे छोड़ दिया।

"एना! अजनबी मत बनो। ओह मि. ग्रे, गुड इवनिंग।"

"मि. जोंस, बहुत अच्छे।" क्रिस्टियन ने ठंडे पर विनीत स्वर में कहा।

"सॉरी हम ज्यादा देर नहीं रुक सकते। हमें सिएटल वापिस जाना है। चलें एनेस्टेसिया।"

उसने 'हमें' शब्द पर जोर दिया और मेरा हाथ थाम लिया।

"बाय जोंस! एक बार फिर से बधाई हो।" मैंने उसे गाल पर चूमा और इससे पहले कि मैं कुछ जान पाती। क्रिस्टियन मुझे खींचते हुए इमारत के बाहर तक ले आया था। मैं जानती हूं कि वह क्या चाहता है पर मैं भी तो वही चाहती हूं।

वह अचानक ही मुझे एक सुनसान कोने में खींच ले गया और दीवार के साथ सटा दिया। उसने मेरा चेहरा दोनों हाथों में थामकर मुझे ऊपर देखने को मजबूर कर दिया। मैंने आह भरी और उसका मुंह मेरे मुंह से आ मिला। वह मुझे दीवानों की तरह चूमने लगा। कुछ ही पलों में उसकी जीभ मेरे मुंह में थी।

मेरे पूरे शरीर में वासना और चाह की लहर दौड़ गई। मैं भी उसी उमंग और जोश से उसे चूमने लगी। मेरे हाथ उसके बालों में थे और उन्हें जोरों से खींच रहे थे। उसके गले से एक धीमा सेक्सी सुर निकला, जिसमें मेरा सुर भी शामिल हो गया। उसके हाथ मेरी देह पर रेंगते हुए जांघों तक आ गए और अंगुलियां मेरे मांस में गड़ने लगीं। वह बोला-एना.

तुम मेरी... हो।

मैंने अपने इस चुंबन में पिछले कुछ दिनों का सारा गुस्सा, दुख और बचैनी निकाल कर रख दिए, और उसी पल में मुझे एहसास हुआ कि वह भी यही कर रहा था। उसे भी पिछले दिनों वही एहसास हुआ था, जो मैंने महसूस किया था।

उसने हांफते हुए चूमना बंद किया। उसकी आंखें वासना से चमक रही हैं और वह घुटनों पर हाथ रख कर खड़ा हो गया मानो कहीं से मैराथन छोड़कर आया हो।

मैं भी दीवार के साथ सट कर अपने शरीर का संतुलन साध रही हूं। अपनी खोई सांसें लौटाने की कोशिश कर रही हूं।

"सॉरी!" मैंने अपने-आपको संभालते ही कहा।

"तुम्हें अफ़सोस होना ही चाहिए। मैं जानता हूं कि तुम क्या कर रही थीं। एनेस्टेसिया! क्या तुम फोटोग्राफर को चाहती हो? उसके मन में भी तुम्हारे लिए कुछ है?"

मैंने अपनी गर्दन हिलाई। "नहीं, वह तो एक दोस्त है।"

"मैंने अपना पूरी किशोरावस्था इस तरह के भावों से बचते हुए बिताई है... तुम मेरे मन में ऐसे भावों को पैदा कर रही हो... एना, मेरे लिए ये भावनाएं बिल्कुल अनजानी हैं। ये सब..ये सब मुझे बुरी तरह से बेचैन कर रहा है।"

"एना! मुझे हर चीज़ को अपने काबू में रखना पसंद है और पता नहीं क्यों......तुम सामने आती हो तो वह नियंत्रण मेरे हाथ से कहीं फिसल जाता है।" उसने हवा में हाथ लहराते हुए बालों में घुमाए और गहरी सांस ली। उसने मेरे हाथ जकड़ लिए।

"आओ, हमें बात करनी है और उससे भी पहले तुम्हारा कुछ खाना ज़रूरी है।

अध्याय 2

वह मुझे एक छोटे और प्यारे से रेस्तरां में ले गया।

“यह जगह ठीक रहेगी।” क्रिस्टियन बोला

“हमारे पास ज्यादा समय नहीं है।”

मुझे तो रेस्तरां ठीक लगा। लकड़ी की कुर्सियां, लिनन के मेजपोश और कमरे की दीवारों का रंग क्रिस्टियन के प्लेरूम की दीवारों जैसा था। मोमबत्तियां और छोटे फूलदानों में सजे सफेद गुलाब! कुल मिला कर अच्छा ही लगा। कहीं धीमे स्वर में एक रोमानी गीत चल रहा है।

वेटर हमें एक कोने में बने मेज पर ले गया। मैं वहां बैठकर यही सोचने लगी कि क्रिस्टियन क्या बात करने वाला है।

“हमारे पास ज्यादा वक्त नहीं है। हम मध्यम आंच पर पके सिरलोन स्टीक, बीयरनेससॉस, फ्राईज़ लेंगे या जो भी हरी सब्जियां रसोईए के पास हों। मुझे वाइन लिस्ट लाकर दो।” क्रिस्टियन ने बैरे से कहा।

“जी सर!” बैरा उसके इस बर्ताव से सकते में आ गया। क्रिस्टियन ने अपना फोन मेज पर रखा। ओह! अब तो बात हो कर रहेगी। क्या मेरी खाने में कोई पसंद नहीं हो सकती?

“अगर मैं स्टीक न खाऊ तो?”

“एनेस्टेसिया! बेकार का तमाशा मत करो।”

“क्रिस्टियन! मैं कोई बच्ची नहीं हूं।”

“तो फिर बचकानी हरकतें क्यों कर रही हो?”

ऐसा लगा मानो उसने मुंह पर तमाचा दे मारा हो। तो हमारी बहस और लड़ाई के बाद एक रोमानी समझौता होने जा रहा था पर रोमांस का इससे कोई लेन-देन नहीं था।

“मैं बच्ची हूं क्योंकि मैं स्टीक पसंद नहीं करती?” मैंने अपनी चोट को छिपाते हुए कहा।

“तुम जानबूझ कर मुझे जलाना चाह रही थीं। ये कितनी बचकानी बात है। क्या तुम्हें अपने दोस्त की भावनाओं की भी कद्र नहीं है? उस पर कैसे झुकी जा रही थीं?”

क्रिस्टियन ने होंठ भींचे और वाइन की लिस्ट लाए बैरे को देखकर मुंह बनाया। मैं खिसिया गई। मैंने तो इस नज़रिए से सोचा ही न था। बेचारा जोंस, मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था। अचानक ही मेरा मन डर सा गया। क्रिस्टियन की बात में दम है- मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था। उसने वाइन की लिस्ट पर नज़र मारी।

"क्या तुम वाइन चुनना चाहोगी?" उसने एक भौं नचा कर पूछा।

उसे पता है कि मैं इस बारे में कुछ नहीं जानती।

"तुम ही चुन लो।" मैंने कहा।

दो गिलास बरोसा वैली शिराज़ प्लीज़।"

"ओह... वह वाइन तो बोतल में ही देते हैं सर।"

"तो बोतल ले आओ।" क्रिस्टियन झपटा।

"सर!" बैरा चौंक गया। बेशक कोई बात तो है जो फिफ्टी को खाए जा रही है। शायद यह सब मेरी वजह से हो। सयानी लड़की ने लंबी नींद से जाग कर अंगड़ाई ली। जाने कब की सोई हुई थी।

"तुम कितने चिड़चिड़े हो।"

मैं भी नहीं समझ पाता कि ऐसा क्यों है?

"बेहतर होगा कि अपने आने वाले कल के बारे में बात करने के लिए हम थोड़ा मीठा और अपनेपन से भरा सुर अपनाएं।" मैंने कहा।

उसने अपनी मुस्कान जबरन रोकनी चाही।

"सॉरी।" वह बोला।

"सॉरी कबूल हो गई और मैं बता दूं कि मैंने पिछले खाने के बाद से शाकाहारी बनने का फ़ैसला नहीं लिया है।"

"वैसे अहम बात है कि तुमने आखिरी बार खाया कब था?"

"मतलब।"

फिर वह बालों में हाथ फिरा कर बोला

"एना... पिछली बार तुम मुझे छोड़कर चली गईं... मैं अब घबराया हुआ हूं। मैंने कहा था कि मैं तुम्हें वापिस चाहता हूं पर तुम बिना कुछ कहे चली गईं थीं।"

ओह समझ नहीं आ रहा कि मैं क्या जवाब दूं।

“क्रिस्टियन, मैंने तुम्हें पिछले दिनों में बहुत याद किया है।...ये दिन मुझ पर भारी पड़े।” मैंने थूक गटका और गले में कुछ अटक सा गया। मैंने याद किया कि उसे छोड़कर आने के बाद से मैं कितनी बुरी तरह से बिखर गई थी।

“ये पिछला सप्ताह मेरी जिंदगी का एक ऐसा दौर रहा था जब दर्द की इंतहा हो गई थी। और कुछ हो न हो पर हकीकत मेरे सामने आ गई।”

“कुछ नहीं बदला। क्रिस्टियन! तुम मुझे जिस रूप में चाहते हो, मैं वैसी बन नहीं सकती।” मैंने किसी तरह मुंह से शब्द निकाले।

“तुम वही हो, जिसे मैं चाहता हूं।” उसके सुर में अपनापन था।

“नहीं क्रिस्टियन, ऐसा नहीं है।”

“तुम पिछली घटना से परेशान हो। दरअसल हम दोनों ने ही अक्लमंदी से काम नहीं लिया। तुम्हें सुरक्षा कोड का इस्तेमाल करना चाहिए था। एनेस्टेसिया! इस बार उसके सुर में आरोप की गंध थी।”

“क्या?” इसने तो बात की दिशा ही बदल दी।

“जवाब दो।”

“पता नहीं। मैं भावुक हो गई थी। मैं वही बनने की कोशिश कर रही थी, जो तुम मुझे बनाना चाहते हो। पता है......मैं भूल गई थी।” मैंने हौले से कहा और शर्मिंगदी से कंधे झटके। “शायद हम इस सारी सिरदर्दी से बच सकते थे।” ओह! इसे तो फिर से गुस्सा आ गया। सयानी लड़की ने आंखें तरेरी- पागल कहीं की,

सारी बात अपने सिर ले ली?

“मैं तुम पर कभी भरोसा कर सकता हूं?”

तभी बैरा वाइन ले कर आ गया। जब तक उसने हमारे गिलासों में वाइन डाली। हम बहुत से अनकहे शब्दों से घिरे बैठे रहे। क्रिस्टियन ने गिलास से एक घूंट भरा।

“अच्छी है।”

बैरा जाने से पहले बोतल को हमारे पास ही छोड़ गया। क्रिस्टियन की आंखें लगातार मुझ पर ही लगी रहीं। मैंने ही उस संपर्क को तोड़ा और अपना गिलास उठा कर मुंह से लगा लिया। मुझे स्वाद पसंद नहीं आया।

“मुझे माफ़ कर दो।” मैं हौले से बोली और अचानक ऐसा लगा कि मैं कितनी पागल थी। मैं वहां से आई क्योंकि मुझे लगा था कि हमारी नहीं निभने वाली पर वह कह रहा है कि मैं उसे रोक सकती थी।

“सॉरी किसलिए?” वह चौंका।

“मैंने सुरक्षा कोड का इस्तेमाल नहीं किया।”

उसने चैन से आंखें बंद कर लीं।

“हम ये सारी परेशानी नजरअंदाज कर सकते थे।”

“तुम तो ठीक दिख रहे हो। जितने दिखते हो उससे कहीं ज्यादा।”

“अक्सर छवियां धोखा दे जाती हैं। मैं बिल्कुल ठीक नहीं हूं। ऐसा लग रहा है कि पांच दिन से सूरज ही नहीं उगा है। एना! मैं उस दिन से रात के अँधेरे में ही हूं।” मैं उसकी बातों से हिल गई। ओह, वह भी मेरे जैसा ही महसूस कर रहा है। “तुमने तो कहा था कि कभी नहीं छोड़कर जाओगी। फिर क्यों चली गईं? “मैंने तो ऐसा नहीं कहा।” “तुमने उस दिन अपनी नींद के दौरान यही कहा था एना! मैंने कितने समय से इससे ज्यादा राहत देने वाली बात नहीं सुनी थी। यह सुनकर मेरे दिल को सुकून आ गया था।”

मेरा कलेजा कचोट उठा और मैंने वाइन की तरफ हाथ बढ़ाया।

“तुमने कहा कि तुम मुझे प्यार करती हो। क्या अब वह बीते कल की बात हो गई?”

“नहीं क्रिस्टियन, ऐसा नहीं है।

उसने गहरी सांस छोड़ी, “शुक्र है।”

मैं उसके इन शब्दों को सुनकर दंग हूं। उसका दिल बदल गया है। पहले जब मैंने अपने प्यार का इज़हार किया था तो वह डर गया था। बैरा लौट आया। उसने हमारे आगे प्लेटें रखीं और चला गया।

ओह! खाना भी तो खाना है।

“खाओ।” क्रिस्टियन ने हुक्म दिया।

अन्दर ही अन्दर मैं जानती हूं कि मुझे भूख लगी पर इस समय पेट में खाना नहीं जाने वाला। मैं एक ऐसे इंसान के साथ बैठी हूं जो मेरी जिंदगी का पहला और इकलौता प्यार है और हमारे बीच एक अनिश्चित भविष्य की चर्चा चल रही है। ऐसे में खाने की किसे सूझती है। मैंने खाने को संदेह भरी नज़रों से देखा।

“एनेस्टेसिया! अगर खाना न खाया तो सच कहता हूं कि रेस्तरां में यहीं सबके सामने तुम्हारी पिटाई हो जाएगी। जिसका मेरी काम संबंधी संतुष्टि से कोई लेन-देन नहीं होगा। खाओ!”

सयानी लड़की आधे गोल चश्मों के फ्रेम से मुझे झांकते हुए धमका रही है। आज तो वह भी फिफ्टी शेड्स के हक में है।

"अच्छा! मैं खा रही हूं। तुम अपनी खुजाती हथेली को ज़रा दूर ही रखो।"

वह मुस्कुराया नहीं, बस मुझे देखता ही रहा। मैंने बेमन से कांटा-छुरी उठा कर खाना शुरू किया। ओह! ये तो बड़ा ही स्वादिष्ट है। मुंह में पानी आ गया। मुझे भूख लगी है। सच्ची, बड़ी जोर की भूख लगी है। मैंने खाना चबाना शुरू किया तो उसके चेहरे पर सुकून छा गया।

हमने ख़ामोशी के बीच अपना खाना खाया। संगीत बदल गया है। किसी महिला गायिका के सुर फिजा में गूंज रहे हैं और मेरी ही सोच से जुड़े हैं। बेशक जब से वह मेरी जिंदगी में आया है, मैं भी पहले जैसी नहीं रही।

मैंने फिफ्टी को ताका। वह खाते हुए मुझे ही देख रहा है। भूख, चाह, बेचैनी और तड़प.. उन हॉट नज़रों में जैसे सारी झलक दिख रही है।

"क्या तुम्हें पता है कि कौन गा रहा है?" मैंने बातचीत जारी रखने के लिहाज़ से पूछा।

क्रिस्टियन ने उस ओर कान लगाए और गर्दन हिलाते हुए बोला... "पता नहीं, पर जो भी है, अच्छा गा रही है।"

"मुझे भी अच्छा लगा।"

अचानक ही उसके चेहरे पर वही राज़ से भरी मुस्कान आ गई।

"क्या?" मैंने पूछा।

उसने गर्दन हिलाई- "कुछ नहीं, खाओ।"

मैंने अपनी प्लेट का तकरीबन आधा खाना खा लिया है। अब और नहीं खा सकती। मैं ये सौदबाज़ी कैसे करूंगी?

"मैं और नहीं खा सकती। सर! मैंने काफी खा लिया है।"

उसने मुझे बिना कोई जवाब दिए घूरा और फिर घड़ी पर नज़र मारी।

"सच्ची पेट भर गया।" मैंने स्वादिष्ट शराब का घूंट भरा।

"हमें जल्दी जाना होगा। टेलर आ गया और सुबह तुम्हें काम पर भी जाना है।"

"तुम्हें भी तो जाना है।"

"एनेस्टेसिया! मेरा गुज़ारा तो थोड़ी नींद से भी हो जाता है। कम से कम तुमने कुछ खाया तो सही। शुक्र है!"

"क्या हम चार्ली टैंगो से वापिस नहीं जा रहे?"

"नहीं। मुझे लगा कि मैंने शराब पी होगी। टेलर हमें ले जाएगा। वैसे भी इस तरह मुझे कार में तुम्हारे साथ कुछ घंटे अकेले बिताने का मौका मिल जाएगा। हम बात तो कर ही सकते

हैं।”

अच्छा इसने ये सोचा हुआ था।

क्रिस्टियन ने इशारे से बिल मंगवाया और ब्लैकबेरी उठा कर फोन किया।

“हम ली पिकोटीन, साउथवेस्ट तीसरे एवेन्यू में हैं।” उसने फोन रख दिया।

वह अब भी फोन पर दो-टूक बात ही करता है।

“तुम टेलर और तकरीबन अपने लोगों के साथ इतनी अजीब तरीके से क्यों पेश आते हो?”

“एनेस्टेसिया ! मैं काम की बात करने में यकीन रखता हूं।”

“आज शाम तो तुमने ऐसा नहीं किया। क्रिस्टियन, कुछ भी तो नहीं बदला।”

“मेरे पास तुम्हारे लिए एक प्रस्ताव है।”

“ये सब एक प्रस्ताव से ही तो शुरू हुआ था।”

“एक अलग तरह का प्रस्ताव।”

वेटर लौटा तो क्रिस्टियन ने बिल पर नज़र तक नहीं मारी और कार्ड उसके हाथ में रख दिया जब वेटर कार्ड स्वाइप कर रहा था तो वह संदेह भरी नज़रों से मुझे ही घूर रहा था। क्रिस्टियन का फोन फिर से बजा और उसने उसमें झांका।

उसके पास एक प्रस्ताव है। वह कहना क्या चाहता है? मेरे दिमाग में एक दो विचार घुमड़ने लगे; अपहरण, उसके लिए काम करना । नहीं-नहीं कोई तुक नहीं बनी। क्रिस्टियन ने भुगतान का काम निबटा लिया।

“आओ। टेलर बाहर आ गया है।”

हम उठ खड़े हुए और उसने मेरा हाथ थाम लिया।

“एनेस्टेसिया! मैं तुम्हें खोना नहीं चाहता।” उसने मेरी हथेली के ऊपरी हिस्से को प्यार से चूमा और उसके होठों की उस छुअन ने पूरे शरीर को सहला दिया।

बाहर ऑडी इंतज़ार में है। क्रिस्टियन ने मेरे लिए दरवाजा खोला। मैं भीतर जा कर उसकी आलीशान सीट पर पसर गई। वह ड्राइवर सीट की ओर गया; टेलर से कुछ बात की। अक्सर वे इस तरह बातें नहीं करते। मैं उत्सुक हूं। वे क्या बातें कर रहे हैं? कुछ ही देर में वे दोनों अपनी जगह आ गए और क्रिस्टियन के चेहरे पर वही विरक्त भाव आ गया।

मैंने मन ही मन उसे प्यार से निहारा; सीधी नाक, गढ़े हुए होंठ, माथे पर झलक आए बाल। बेशक ये दिव्य पुरुष मेरे लिए तो नहीं हो सकता।

कार के पिछले हिस्से में हल्का संगीत गूंज उठा। टेलर ने कार आगे बढ़ा दी।

क्रिस्टियन ने मेरी ओर मुंह घुमाया

“हां तो मैं कह रहा था कि मेरे पास तुम्हारे लिए एक प्रस्ताव है।”

मैंने घबराहट से टेलर को देखा।

“उसकी चिंता मत करो। वह तुम्हें नहीं सुन सकता।” क्रिस्टियन ने दिलासा दिया।

“कैसे?”

“टेलर!” क्रिस्टियन ने पुकारा। टेलर ने कोई जवाब नहीं दिया। उसने फिर से बुलाया पर कोई जवाब नहीं आया। क्रिस्टियन ने आगे झुककर उसका कंधा थपथपाया तो टेलर ने कानों से ईयरबेंड निकाले, शायद मैं पहले उन्हें देख नहीं सकी थी।

“जी सर?”

“धन्यवाद टेलर। ठीक है! तुम अपना संगीत सुनते रहो।”

“सर।”

“अब खुश हो। वह अपने आईपॉड पर संगीत सुन रहा है। भूल जाओ कि वह यहां है। मैं भी भूल गया हूं।”

“क्या तुमने जानबूझ कर उसे ऐसा करने को कहा?”

“हां।”

“ओह! अच्छा कैसा प्रस्ताव?”

क्रिस्टियन के चेहरे पर बड़े पेशेवर भाव आ गए। ओह! लगता है कि कोई सौदेबाजी करने जा रहे हैं। मैं पूरे कान लगा कर सुनने लगी।

“मैं पहले तुमसे कुछ पूछना चाहता हूं। क्या तुम चाहती हो कि हम किसी भी तरह से अजीब किस्म के शारीरिक संबंध रखने की बजाए वनीला किस्म के संबंध रखें?”

मेरा मुंह खुला का खुला रह गया।

“अजीब किस्म के शारीरिक संबंध।”

“हां, मैं यही कहना चाहता हूं।”

“मुझे तो यकीन नहीं होता कि ये बात तुमने कही है।”

“खैर! मुझे जवाब दो।” उसने शांत लहजे में कहा।

मैं खिसिया गई। भीतर बैठी लड़की घुटनों के बल बैठी गिड़गिड़ा रही है।

"मुझे तुम्हारे अजीब किस्म के शारीरिक संबंध बनाने पर कोई ऐतराज़ नहीं है।" मैं हौले से बोली।

"मैंने भी यही सोचा था। तो तुम्हें क्या पसंद नहीं आता?"

यही कि तुम मुझे खुद को छूने नहीं देते... मेरे दर्द का मज़ा लेते हो... बेल्ट की तीखी चुभन..

"बेरहम और अलग किस्म की सजा की धमकी।"

"क्या मतलब?"

" खैर! तुम्हारे प्लेरूम में दुनिया जहान की छड़ियां, कोड़े और चाबुक रखे हैं और उन्हें देखकर ही मेरी जान आधी हो जाती है। मैं नहीं चाहती कि तुम उन चीज़ों का मुझ पर इस्तेमाल करो।"

"अच्छा! कोड़ों, चाबुक या छड़ी का इस्तेमाल नहीं होगा या फिर बेल्ट का भी नहीं।"

मैंने उसे उलझन के बीच देखा। "क्या तुम कठोर सीमाओं को नए सिरे से गढ़ना चाह रहे हो?"

"नहीं, ये बात नहीं है। मैं तुम्हें समझने की कोशिश में हूं और तुम्हारी पसंद-नापसंद जानना चाहता हूं।"

"क्रिस्टियन! बुनियादी तौर पर तुम मुझे दर्द देने के बाद जो मज़ा पाते हो, वह मुझसे सहन नहीं हो रहा। और वह भी इसलिए कि मैंने तुम्हारे हिसाब से कोई मनमानी की हो।"

"पर नियम तो साफ-साफ लिखे हैं।"

"मैं कोई नियम नहीं चाहती।"

"कोई भी नहीं?"

कोई भी नहीं! मैंने कह तो दिया पर कलेजा मुंह को आ गया। वह इन बातों के सिरे कहां ले जाना चाह रहा है।

"पर जब मैंने तुम्हारे पिछवाड़े पर मारा तो तुम्हें बुरा नहीं लगा था।"

"किससे मारा था?"

"इससे।" उसने अपना हाथ दिखाया।

मैंने बेचैनी से पहलू बदला-"ओह! खास बुरा नहीं था......उन रूपहली गोलियों के साथ तो बिल्कुल नहीं। शुक्र है कि वहां अंधेरा था वरना उस रात को याद करते ही मेरा पूरा चेहरा लाल हो गया है। हां......वह तो मैं फिर से करना चाहूंगी" ।

वह दबी हंसी हंसा। "उसमें तो मज़ा आया था।

"मज़े से भी ज्यादा।" मैंने हिम्मत बटोर कर कहा

"तो तुम थोड़ा दर्द तो सह सकती हो?"

"हां, शायद। मैंने कंधे झटके। ओह, वह इन बातों के तार कहां ले जा रहा है?" मेरी बेचैनी बढ़ती जा रही है।

उसने चिबुक थपथपाई और बोला, "एनेस्टेसिया ! मैं फिर से शुरूआत करना चाहता हूं। मेरे साथ वनीला संबंध रखो और हो सकता है कि तुम मुझ पर भरोसा करने लगो। मुझे भी भरोसा हो जाए कि तुम ईमानदारी से दिल की बात कह रही हो तो शायद हम मेरे बातों को कुछ आगे तक ले जा सकेंगे।"

मैंने उसे फटी आंखों से घूरा और दिमाग में कोई ख्याल नहीं है। जैसे कोई कंप्यूटर ठप्प हो गया हो। शायद वह भी बेचैन है पर अँधेरे की वजह से कुछ दिख नहीं पा रहा। बेशक बात तो यही है।

वह भी रोशनी चाहता है पर क्या मैं उसे अपने लिए ऐसा करने को कह सकती हूं?

क्या मैं अंधेरा पसंद नहीं करती। शायद कभी-कभी करती हूं।

"पर सज़ा का क्या होगा?"

"कोई सज़ा नहीं होगी।" उसने गर्दन हिलाई

"और नियम?"

"नहीं, नियम भी नहीं होंगे।"

"कोई नहीं? पर तुम्हारी जरूरतें?"

"एनेस्टेसिया ! मुझे उन सबसे ज्यादा तुम्हारी ज़रूरत है। ये पिछले कुछ दिन नर्क से भी बदतर रहे। मेरा मन यही कहता रहा कि तुम्हें अपने से दूर कर दूं क्योंकि मैं तुम्हारे लायक नहीं हूं।"

"वे तस्वीरें जो उस लड़के ने लीं......मैं देख सकता हूं कि वह तुम्हें किस नज़रिए से देखता है। तुम उनमें कितनी सहज और सुंदर दिख रही हो। ऐसा नहीं कि तुम अभी सुंदर नहीं हो पर यहां मैं तुम्हारे दर्द को देख पा रहा हूं। बेशक मैं यह भी जानता हूं कि इसकी वजह भी मैं ही हूं इसलिए इसे देखना और भी मुश्किल लगता है।"

"पर मैं एक स्वार्थी इंसान हूं। जब से तुम मेरे ऑफिस में आईं। मैं तुम्हें चाहने लगा था। तुम बहुत ही निराली, ईमानदारी, अपनेपन से भरपूर, मजबूत, चतुर और मासूम हो या कह

सकते हैं कि ये सूची अंतहीन है। मैं तुम पर मुग्ध हो उठा हूं। मैं तुम्हें चाहता हूं और तुम किसी दूसरे की हो जाओ, यह सोच ही मेरी बुरी और काली आत्मा में छुरा भोंकने जैसी है।”

मेरा मुंह सूख गया। हाय! अगर ये प्यार का इज़हार नहीं तो और क्या है? मैंने किसी तरह कहा

“क्रिस्टियन, तुम अपने बारे में ऐसी बुरी सोच क्यों रखते हो? मैं तो ऐसा कभी न कहती। भले ही उदास हो पर एक अच्छे इंसान हो। मैं देख सकती हूं......तुम्हारी दरियादिली......नेकी और तुम कभी झूठ नहीं बोलते।”

“पिछला शनिवार मेरे पूरे तंत्र के लिए किसी झटके से कम नहीं था। मानो मैं नींद से जगा। मुझे एहसास हुआ कि तुम मेरे साथ कितनी रियायत से पेश आते आ रहे हो पर मैं वह नहीं बन सकती जो तुम चाहते हो। फिर तुमसे अलग होने के बाद मैंने जाना कि तुमने मुझे जो दर्द दिया था, उसके मुकाबले तुमसे बिछुड़ने का दर्द कहीं ज्यादा था। मैं तुम्हें खुश करना चाहती हूं पर ये आसान नहीं है।”

“तुम हमेशा मुझे खुश ही रखती हो। वह हौले से बोला। मुझे तुम्हें ये बात कितनी बार बतानी होगी।”

“मैं कभी जान नहीं पाती कि तुम क्या सोचते हो। कभी तो इतने पास आ जाते हो और कभी...। तुम मुझे डरा देते हो। तभी तो मैं चुप हो जाती हूं। मुझे तुम्हारे मूड का पता ही नहीं चलता। ये हमेशा यहां से वहां झूमता रहता है। पल में माशा तो पल में तोला। ये बहुत उलझन से भरा है। फिर तुम मुझे अपने को छूने की इजाज़त तक नहीं देते। मैं तुम्हें दिखाना चाहती हूं कि मैं तुम्हें कितना चाहती हूं।”

उसने अँधेरे में अजीब से तरीके से पलकें झपकाईं। मैंने अपनी सीट बेल्ट खोली और उसकी गोद में जा उसे हैरान कर दिया। अब उसका सिर मेरे हाथों में था।

“क्रिस्टियन ग्रे! मैं तुमसे प्यार करती हूं और तुम मेरे लिए ये सब करने को तैयार हो। मैं ही तुम्हारे लायक नहीं हूं और मुझे अफसोस है कि मैं तुम्हारे लिए वह सब नहीं कर सकती, जो तुम मुझसे चाहते हो। हो सकता है कि वक्त बीतने के साथ-साथ...... पता नहीं.....पर हां, मुझे तुम्हारा प्रस्ताव मंजूर है। बोलो हस्ताक्षर कहां करने हैं?”

उसने अपनी बांह से मेरे आसपास घेरा कसा और मुझे भींच लिया।

“ओह एना!” वह मेरे बालों में मुह दिए-दिए बोला।

हम एक-दूसरे की बांहो में लिपटे संगीत सुनते रहे। ये बहुत ही प्यारी पिआनो धुन थी, जो इस कार में मौजूद भावों को ही बयां कर रही थी। मैं उसकी बांहों में कुनमुनाई और उसकी गर्दन के कोने पर अपना सिर टिका दिया। उसने हौले से मेरी पीठ थपथपाई।

“एनेस्टेसिया ये स्पर्श मेरे लिए कठोर सीमा है।”

"मैं जानती हूं। काश मैं जान पाती कि ऐसा क्यों है?"

कुछ देर बाद उसने आह भरी और बोला, "मेरा बचपन बहुत भी भयंकर और घिनौना रहा है। रंडी के दलालों में से एक ने......। उसकी आवाज़ कांप उठी और पूरा शरीर एक अनजाने से भय से सिहर गया। मैं आज भी वह सब याद कर सकता हूं।" वह कांपते सुर में बोला।

मुझे अचानक ही उसकी चमड़ी पर सिगरेट से जलने के दाग याद आ गए। "ओह क्रिस्टियन!" मैंने अपनी बांहों का घेरा और भी कस दिया। "क्या वह जुल्म ढाती थी? तुम्हारी मां?" मेरी आवाज़ छिपाए गए आंसुओं से भर्राई हुई है।

"यह तो याद नहीं पर उसने कभी मेरी परवाह नहीं की। उसने मुझे अपने दलाल से भी नहीं बचाया। शायद मैंने उसकी देख रेख की। जब उसने अपनी जान ले ली तो लोगों को यह पता लगने में चार दिन लग गए थे कि वह नहीं रही......... मुझे याद है, मैं उस दौरान उसके साथ था।"

मैं अपने डर को छिपा कर नहीं रख सकी। पेट में अजीब सी उथलपुथल होने लगी।

"ओह! ये तो सचमुच बड़ा ही घिनौना और भयानक अनुभव है।"

"हां, जिंदगी के कड़वे अनुभवों में से एक!"

मैंने अपने होंठ उसकी गर्दन पर दबा दिए और इस तरह दिलासा लेने और देने की कोशिश की। आंखों के आगे एक छोटा-सा गंदा और भूरी आंखों वाला बच्चा नाच उठा, जो अपनी मां की लाश के पास खोया-खोया और अकेला बैठा है।

ओह क्रिस्टियन! मैंने उसकी गंध सूंघी। उसकी सुगंध दिव्य है, दुनिया में मेरी सबसे प्रिय गंध! उसने मुझे जोर से भींचा और बाल चूम लिए। मैं उसके आलिंगन में बैठी रही और टेलर ने कार तेज़ कर दी।

जब मेरी आंख खुली तो हम सिएटल पहुंच गए थे।

"हे।" क्रिस्टियन हौले से बोला।

"सॉरी।" मैंने हौले से कहा और आंखें खोलने की कोशिश की। मैं अब भी उसकी बांहों के घेरे में गोद में बैठी हूं।

"एना! मैं तो जन्मों-जन्मों तक तुम्हें यूं ही सोते देख सकता था।"

"क्या मैंने कुछ कहा?"

"नहीं। हम तुम्हारे यहां पहुंचने ही वाले हैं।"

"ओह? तुम्हारे यहां नहीं जा रहे?"

"नहीं।"

मैंने उठ कर उसे घूरा। "क्यों?"

"क्योंकि कल तुम्हें काम पर जाना है।"

"ओह!" मैंने मुंह बनाया।

"क्यों, क्या तुम्हारे दिमाग में कुछ था?"

"हो सकता है।"

उसने चुटकी ली- "एनेस्टेसिया स्टील! जब तक तुम मेरे आगे गिड़गिड़ाओगी नहीं, तब तक मैं तुम्हें हाथ नहीं लगाने वाला।"

"क्या?"

"ताकि तुम मुझसे दिल खोल कर अपनी बात कहना सीखो। अगली बार जब भी संबंध बनाएंगे तो तुम साफ शब्दों में बारीकी के साथ बताओगी कि तुम क्या चाहती हो?"

ओह! टेलर ने घर के बाहर गाड़ी रोकी तो उसने मुझे गोद से उतार दिया।

क्रिस्टियन ने मेरे लिए कार कर दरवाजा खोला।

"मेरे पास तुम्हारे लिए कुछ है।" वह कार के पास गया और बड़ा-सा डिब्बा ले आया, जो रंगीन कागज़ में लिपटा था। *ये क्या है भई?*

"जब अन्दर चली जाओ, तब इसे खोलना।"

"तुम नहीं आ रहे?"

"नहीं एनेस्टेसिया"

"मैं तुमसे कब मिल सकती हूं?"

"कल"

"बॉस चाहता है कि मैं उसके साथ ड्रिंक्स के लिए जाऊं।"

क्रिस्टियन का चेहरा सख्त हो आया।

"वह चाहता है कि मेरे काम के पहले सप्ताह का जश्न मनाया जाए।"

"कहां?"

"पता नहीं।"

"मैं तुम्हें वहीं से ले सकता हूं।"

“अच्छा……मैं ई-मेल या मैसेज कर दूंगी।”

“अच्छा।”

वह लॉबी के दरवाजे के पास तक आया और मैं पर्स से चाबियां खोजती रही। उसने आगे झुककर मेरा चिबुक थामा और सिर पीछे की ओर कर दिया। फिर आंखें बंद कर चेहरे के एक कोने से दूसरे कोने तक चुंबनों की बरसात करता चला गया।

मेरे मुंह से हल्की-सी कराह निकली और ऐसा लगा कि मैं वहीं खड़े-खड़े पिघल जाऊंगी।

“कल मिलते हैं।” उसने गहरी सांस छोड़ी।

“क्रिस्टियन गुडनाइट!” मैं अपने ही सुर में छिपी चाह को पहचान सकती थी।

वह मुस्कुराया।

“तुम अन्दर जाओ। मैं हाथ में वह रहस्यमयी पैकेट लिए अन्दर चली गई।

“बाद में बेबी! वह प्यार से बोला और वापिस चल दिया।

मैंने अपार्टमेंट में जा कर बॉक्स खोला तो उसमें से मैकबुक प्रो लैपटॉप, ब्लैकबैरी और एक आयाताकार डिब्बा निकला। इसमें क्या है? मैंने रंगीन कागज़ हटाया तो अन्दर से एक पतला काला चमड़े का केस दिखा।

केस को खोला तो उसमें आईपैड नज़र आया। सफेद कार्ड पर क्रिस्टियन की लिखाई में एक संदेश लिखा था:

एनेस्टेसिया - यह तुम्हारे लिए है।
मैं जानता हूं कि तुम क्या सुनना चाहती हो।
मेरी ओर से यह संगीत तुम्हारे लिए..
क्रिस्टियन

मैंने आई पैड के रूप में क्रिस्टियन की पसंद के गाने भी पा लिए। बेशक वह एक कीमती चीज़ थी पर मुझे बड़ी पसंद आई। ऑफिस में जैक के पास भी था इसलिए मैं जानती थी कि उसे कैसे चलाते हैं।

मैंने उसे ऑन किया तो वॉलपेपर पर एक छोटे से ग्लाईडर की तस्वीर आ गई। ओह! ये तो वही उपहार है, जो मैंने क्रिस्टियन को दिया था। वह कांच के स्टैंड पर टिका था और मैं सोच रही थी कि क्या वह उसके ऑफिस की मेज़ थी? मैंने उसे आंखें फाड़-फाड़ कर देखा।

उसने बनाया! उसने सचमुच बनाया होगा यानी इसके हिस्से जोड़े होंगे। मुझे याद आया कि उसने फूलों वाले नोट में इस बात का भी जिक्र किया था। मैं एक ही पल में जान गई कि उसने यह उपहार देने में कितना दिमाग लगाया होगा।

मैंने स्क्रीन को अनलॉक किया तो हमारी ग्रेजुएशन टैंट वाली फोटो दिखी। जो सीटल टाइम्स में भी छपी थी। क्रिस्टियन कितना सुंदर दिख रहा है और मेरे चेहरे पर बड़ी-सी मुस्कान है। हां, और वह मेरा है।

मैंने झट से कुछ आईकॉन दबाए और कई तरह के नए बटन सामने आ गए। कई तरह के एप्प, ई-पुस्तकें, वर्ल्डस- इसमें तो बहुत कुछ था।

ब्रिटिश लाईब्रेरी? मैंने आईकॉन को छुआ तो एक मेन्यू सामने आ गया। ऐतिहासिक संग्रह! फिर मैं अठारहवीं और उन्नीसवीं सदी के उपन्यासों पर नज़र मारी। एक और मेन्यू। हेनरी जेम्स की ' द अमेरिकन'। हाय! ये तो 1879 का शुरूआती संस्करण है। यह मेरे आईपैड पर है। उसने तो पूरी ब्रिटिश लाईब्रेरी ही मेरे आगे रख दी है।

मैं वहां से बाहर आ गई क्योंकि मुझे पता था कि वहां तो किताबें पढ़ने के लिए सात जन्म भी कम थे। फिर मैंने 'गुड फूड' वाले एप्प को देखकर आंखें नचाईं और इसके अलावा बहुत कुछ था। मैंने मेन स्क्रीन में आकर प्लेलिस्ट निकाली। थॉमस टालिस- मैं इसे इतनी आसानी से नहीं भूलने वाली। मैंने उस अलॉगर के साथ इसे दो बार जो सुना था। मार्सेलो की उदास धुन, जैफ बकले, स्नो पैटन्त्रोल, प्रिंसीपल्स ऑफ लस्ट...... वाह पोज़ेशन......अरे हां,फिफ्टी शेड्स जो ठहरा।

मैंने एक गाना चुन कर चला दिया। यह नैली फरटैडो का 'ट्राई' था। वह गाने लगी और मैं उसकी आवाज़ के रेशमी एहसास में खो सी गई। मैं पलंग पर लेट गई। क्या इसका मतलब है कि क्रिस्टियन अपनी ओर से कोशिश कर रहा है? इस नए संबंध को आज़माना चाहता है? मैं गाने के बोल सुनते हुए इन्हीं बातों के बारे में सोचती रही। उसने मुझे याद किया। मैंने उसे याद किया। उसके मन में मेरे लिए कुछ तो भावनाएं रही होंगीं। ज़रूर रही होंगीं। ये आई पैड, ये गाने , ये एप्प- वह मेरी परवाह करता है। वह सचमुच परवाह करता है। मेरी छाती गर्व से फूल उठी।

गाना खत्म हुआ तो मेरी आंख से एक आंसू टपक गया। मैंने झट से कोल्डप्ले का 'द साइंटिस्ट' लगा दिया। ये केट के मनपसंद बैंड में से है। मैं धुन तो जानती हूं पर बोल कभी नहीं सुने। मैंने आंखें बंद कीं और बोल सुनने लगी।

मेरे आंसू बहने लगे। मैं उन्हें दबा नहीं सकती। अगर ये माफ़ी नहीं तो क्या है? ओह क्रिस्टियन!

या ये एक न्यौता है? क्या वह मेरे सवालों का जवाब देगा? क्या मैं इस बात को ज्यादा गंभीरता से ले रही हूं?

मैंने आंसुओं को बहने दिया। मुझे उसे मेल करके धन्यवाद कहना है। पलंग से उतर कर लैप ऑन किया।

मैं पलंग पर टांगें मोड़ कर बैठी रही और कोल्डप्ले के बोल गूंजते रहे। मैक ऑन होते ही मैंने लॉगइन किया।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: आई पैड
डेट: 9 जून 2011 23:56
टू: क्रिस्टियन ग्रे
तुमने मुझे फिर से रूला दिया।
मुझे आईपैड पसंद आया।
मुझे गाने पसंद आए।
मुझे ब्रिटिश लाइब्रेरी वाला एप्प पसंद आया।
मैं तुमसे प्यार करती हूं।
थैंक्स
गुडनाइट
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: आई पैड
डेट:10 जून 2011 00:03
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मुझे खुशी है कि तुम्हें यह पसंद आया। मैंने अपने लिए लिया था।
अब अगर मैं वहां होता तो तुम्हारे आंसू चूम लेता।
पर मैं वहां नहीं हूं इसलिए तुम सोने जाओ।
क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,
ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

उसका जवाब पढ़ कर मेरे चेहरे पर मुस्कान आ गई। अब भी वही रूप है, वही तानाशाही क्रिस्टियन। क्या ये कभी बदलेगा? मुझे उसी पल में एहसास हो गया कि ऐसी उम्मीद भी नहीं करनी चाहिए। मैं उसे इसी रूप में चाहती हूं- जब तक मैं उसके साथ सज़ा के डर के बिना खड़ी रह सकती हूं।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: श्रीमान तुनकमिजाज़
डेट: 10 जून 2011 00:07
टू: क्रिस्टियन ग्रे
मि. ग्रे आप हमेशा की तरह वही तानाशाह और तुनकमिज़ाज लग रहे हैं।
मैं कुछ ऐसा जानती हूं जो आपके तनाव को पिघला सकता है पर चूंकि आप यहां नहीं हैं- मुझे वहां रहने नहीं देंगे और मुझसे विनती की उम्मीद रखेंगे..
सर, सपने ही देखते रहें
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: ज़ेन जैसी शांति
डेट: 10 जून 2011 00:10
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मेरी डियरस्ट मिस स्टील
पता है, वनीला संबंधों में भी ठुकाई लगाई जाती है। अक्सर यह सेक्स के लिहाज़ से और आपसी रज़ामंदी से होता है......... पर मैं अपवाद के लिए भी खुशी से राज़ी हूं। अब सोने जाओ क्योंकि कल तुम्हें ज्यादा नींद नहीं मिलने वाली। वैसे, एक बात कहूं। सचमुच तुम मेरे आगे गिड़गिड़ाओगी। और मैं इसी इंतज़ार में हूं।
क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,
ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: गुड नाइट! मीठे सपने लें।
डेट: 8 जून 2011 14:32
टू: क्रिस्टियन ग्रे
चूंकि आपने इतने प्यार से कहा है और मैं आपकी धमकी पसंद करती हूं इसलिए मैं आईपैड से लिपट कर सोने जा रही हूं। जिसमें मुझे लाइब्रेरी की सारी किताबें और आपके मनपसंद गाने मिल गए हैं।
ए......

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: एक और विनती
डेट: 10 जून 2011 00:15
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मेरे सपने देखना
क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,
ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

क्रिस्टियन ग्रे! मैं हमेशा तुम्हारे ही सपने देखती हूं।

मैंने झट से पजामा बदल कर ब्रश किया और पलंग पर आ गई। कानों में ईयर प्लग लगा कर तकिए के नीचे से फुस्स पड़ा चार्ली टैंगो निकाला और गले से लगा लिया।

मैं खुशी से दमक रही हूं और चेहरे पर बड़ी-सी मुस्कान आ है। एक ही दिन में कितना बदलाव आ सकता है। क्या मुझे नींद भी आएगी?

जोंस गोंसाल्विज़ के गीत के बोल गूंज उठे और मैं सोचने लगी कि एक ही शाम में सब कुछ कैसे बदल गया और मैं सोचने लगी कि क्या मुझे भी क्रिस्टियन के लिए गानों की प्लेलिस्ट बनानी चाहिए?

अध्याय 3

लापरवाह होने का एक फायदा यह है कि मैं ऑफिस जाते समय बड़े आराम से बस में बैठकर आईपैड पर क्रिस्टियन के दिए गाने सुन सकती हूं और वह सुरक्षित रूप से मेरे पर्स में है। वहां पहुंचने तक मेरे चेहरे पर बड़ी-सी मुस्कान थी।

जैक मुझे देखते ही आगे आ गया।

"गुडमामोर्निंग एना...... तुम तो चमक रही हो।" मैं कोई जवाब नहीं दे सकी। जवाब देती भी क्या?

" कल रात नींद अच्छी आई। धन्यवाद जैक"

"क्या तुम इन्हें मेरे लिए पढ़ कर, दोपहर तक रिपोर्ट बना सकती हो?" उसने मुझे चार पांडुलिपियां दीं। मेरे चेहरे पर छाया डर देखकर बोला-" तुम्हें पहला-पहला चैप्टर ही पढ़ना होगा।"

"अच्छा!" मेरे चेहरे पर राहत छा गई। वह एक चौड़ी सी मुस्कान दे कर लौट गया।

मैंने कंप्यूटर ऑन करने के साथ-साथ एक केला खाया और लाते कॉफी पी। वहां क्रिस्टियन का एक ई-मेल आया हुआ है:

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: मेरी मदद करो......
डेट: 10 जून 2011 08:05
टू: एनेस्टेसिया स्टील
उम्मीद करता हूं कि तुमने नाश्ता कर लिया होगा।
मैंने कल रात तुम्हें बहुत याद किया।
क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,
ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: पुरानी किताबें......
डेट: 10 जून 2011 08:33
टू: क्रिस्टियन ग्रे

मैं टाइप करते हुए केला खा रही हूं। मैंने कई दिन से नाश्ता नहीं किया था इसलिए इसे एक कदम आगे माना जा सकता है। मुझे ब्रिटिश लाईब्रेरी वाला एप्प पसंद आया। मैंने रॉबिन्सन क्रूसों पढ़ना शुरू कर दिया है......और मैं तुमसे प्यार करती हूं।

अब मेरा पीछा छोड़ो। मुझे काम भी करना है।

एनेस्टेसिया स्टील जैक हाइड की सहायिका

संपादक, एसआईपी

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: बस यही नाश्ता?
डेट: 10 जून 2011 08:36
टू: एनेस्टेसिया स्टील तुम इससे बेहतर कर सकती हो। तुम्हें मेरे आगे गिड़गिड़ाने के लिए अपनी अर्जी की ज़रूरत होगी।

क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,
ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: बहुत खूब
डेट: 10 जून 2011 08:39
टू: क्रिस्टियन ग्रे

मि. ग्रे

मैं आजीविका के लिए काम करने की कोशिश कर रही हूं और मैं नहीं आप मेरे आगे गिड़गिड़ाएंगे।

एनेस्टेसिया स्टील जैक हाइड की सहायिका
संपादक, एसआईपी

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे

सब्जैक्ट: देखते हैं……
डेट: 10 जून 2011 08:36
टू: एनेस्टेसिया स्टील
क्यों मिस स्टीले? मुझे चुनौती पसंद है।
क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,
ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

मैं अहमकों की तरह बैठी स्क्रीन को देखकर दांत निकालती रही। पर मुझे जैक का काम भी तो करना है। फिर मैं लगातार काम करती रही। दोपहर को मैंने एक सैंडविच के साथ आईपॉड के गानों का मज़ा लिया। पहला गीत किसी नितिन साहनी की 'होमलैंड्स' से था। मुझे अच्छा लगा। मि. ग्रे की रूचि संगीत के मामले में बड़ी अलग है। कभी क्लासिकल सुनने को मिलता है तो कभी बिल्कुल आज के ज़माने की धुनें……। मेरे चेहरे पर आज जैसे एक मुस्कान चिपक सी गई है। जाने का नाम ही नहीं ले रही।

दोपहर किसी तरह बीत गई। मैंने पता नहीं क्यों अचानक क्रिस्टियन को मेल करने का मन बना लिया।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील सब्जैक्ट: बोर हो रही हूं……
डेट: 10 जून 2011 16:05
टू: क्रिस्टियन ग्रे

मैं तो अंगूठे चटका रही हूं।

तुम कैसे हो?
क्या कर रहे हो?

हां, मेरे फिफ्टी शेड्स पर किसी
संपादक, एसआईपी
फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: तुम्हारे अंगूठे……
डेट: 10 जून 2011 16:15
टू: एनेस्टेसिया स्टील
तुम्हें मेरा काम करने आना चाहिए।
तब तुम्हें अंगूठे चटकाने का वक्त नहीं मिलेगा।
मुझे उम्मीद है कि मैं उनसे कोई और बेहतर काम ले सकता हूं।

दरअसल मैं कई तरह के विकल्पों के बारे में सोच सकता हूं। मैं हमेशा की तरह मिल्कियत और जायदादों के मसलों के बीच जूझ रहा हूं।ये सब बड़ा पकाऊ है।

एसआईपी में तुम्हारे ई-मेल पर नज़र रखी जा रही है। क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,

ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

हाय! मुझे तो इसका अंदाजा तक नहीं था पर इसे कैसे पता चला? मैंने स्क्रीन को देखते हुए तेवर दिखाए और झट से भेजे गए मेलों को मिटा दिया।

करीब साढ़े पांच होते ही, जैक आ पहुंचा। आज शुक्रवार है इसलिए वह जींस और काली कमीज़ में है।

“ड्रिंक एना? हम लोग सड़क पार वाले बार में अक्सर सारे जाते हैं।”

“हम?” मैंने उम्मीद के साथ पूछा

“हां। हममें से तकरीबन जाते हैं......तुम आ रही हो?”

“पता नहीं क्यों मुझे पूरी बात सुनकर सुकून सा आ गया। हमें अकेले नहीं जाना था।

“मैं भी जाना चाहूंगी। बार कौन सा है?”

“फिअटीज़”

“तुम मज़ाक कर रहे हो?”

“नहीं! पर तुम्हें कोई फर्क पड़ता है क्या?”

“नहीं सॉरी! मैं बाद में वही आकर मिलती हूं।”

“क्या पीना चाहोगी?”

“मैं बीयर लूंगी प्लीज़!”

“बढ़िया!”

मैं तरोताज़ा होने चल दी और ब्लैकबैरी से क्रिस्टियन को ई-मेल किया:

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील

सब्जैक्ट: तुम्हारे लिए सही जगह है......

डेट: 10 जून 2011 17:36

टू: क्रिस्टियन ग्रे

हम फिअटीज़ नाम के बार में जा रहे हैं।

मैं इस नाम से कितना मज़ा ले सकती हूं। इसका तुम अंदाजा भी नहीं लगा सकते।

मैं आपसे वहीं मिलूंगी। मि. ग्रे।

ए.

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: दिक्कतें
डेट: 10 जून 2011 17:38
टू: एनेस्टेसिया स्टील
ज्यादा मस्ती भी अच्छी नहीं होती। मिस स्टील।
क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,
ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: दिक्कतें?
डेट: 10 जून 2011 17:40
टू: क्रिस्टियन ग्रे
आप कहना क्या चाहते हैं?

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: कुछ खास नहीं......
डेट: 10 जून 2011 17:42
टू: एनेस्टेसिया स्टील मिस स्टील! तुम मज़े करो। मैं वही मिलता हूं।
जल्दी से जल्दी पहुंचता हूं।

क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ,

ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

मैंने खुद को शीशे में देखा। एक ही दिन में कितना उतर आ गया है। गालों के गुलाब खिल गए हैं और आंखें दमक रही हैं। ये क्रिस्टियन ग्रे का असर है। उसका ई-मेल भी किसी लड़की पर ऐसा असर डाल सकता है। मैंने शीशे में दांत निकालते हुए हल्के नीले शर्ट को सीधा किया, जो मेरे लिए टेलर ने खरीदा था। आज मैंने अपनी मनपसंद जींस भी पहनी है। यहां तकरीबन औरतें जींस या फिर लंबी स्कर्टें पहनती हैं। लगता है कि मुझे भी एक-दो लेनी होंगी। क्रिस्टियन ने मेरी बीटल वांडा के लिए जो चैक दिया था, वही भुना लूंगी।

मैं इमारत के बाहर आई तो किसी को अपना नाम लेते सुना।

"मिस स्टील?"

मैंने मुड़कर देखा तो एक मनहूसियत से भरे चेहरे वाली युवती को अपनी ओर ताकते पाया। उसका चेहरा पीला पड़ा हुआ था। "मिस एनेस्टेसिया स्टील ?" उसने अपनी बात को दोहराया। बोलने के बावजूद उसके चेहरे के भावों में उतर नहीं आया।

"हां?"

वह रुकी और मुझे तीन फीट की दूरी से देखा। मैं भी वहीं खड़ी हैरानी से ताकती रही। कौन है यह? क्या चाहती है मुझसे? "क्या मैं तुम्हारी कोई मदद कर सकती हूं?" मैंने पूछा। ये मेरा नाम कैसे जानती है? "नहीं......बस तुम्हें देखना चाहती थी।" उसकी आवाज़ कितनी कोमल है। वह दिखने में काफी हद तक मेरे जैसी है। गोरा रंग, काले बाल, भूरी उदास आंखें। मानो बेजान हो गई हों। उसका सुंदर चेहरा दुख से पीला और मुरझाया हुआ दिखा।

"सॉरी- मैंने आपको पहचाना नहीं।" मैंने बोल कर उसे अनदेखा करना चाहा पर मेरी रीढ़ की हड्डी में सिरहन दौड़ गई थी। उसका कोट और कपड़े शरीर से दुगुने माप के लग रहे थे।

वह एक अजीब सी हंसी हंसने लगी जिसने मेरे बदन का खून ही सोख लिया।

"तुम्हारे पास ऐसा क्या है, जो मेरे पास नहीं है?" उसने तीखेपन से पूछा।

"मैं सहम गई। तुम हो कौन?"

मैं? कोई नहीं?" उसने कंधों तक आ रहे बालों को पीछे करने के लिए हाथ उठाया तो कोट के नीचे से कलाई पर भारी पट्टी बंधी दिखी।

"हाय ये क्या!"

"गुड डे मिस स्टील!" वह मुड़ी और भीड़ में ओझल हो गई। मैं वहीं बुत बनी खड़ी रही। भीड़ में जाती उस लड़की की पीठ को बड़ी देर तक ताकती रही।

ये सब क्या था?

इसी उलझन के बीच मैंने सड़क पार की और बार की ओर जाते समय इन बातों के सिरे जोड़ने की कोशिश करती रही। अचानक ही अन्दर से सयानी लड़की ने ज़हर उगला- *इस लड़की का क्रिस्टियन से कोई लेन-देन ज़रूर है।*

फिअटीज़ में कदम रखा तो एक अलग ही एहसास मिला। दीवारों पर पोस्टर लगे थे और सजावट कुछ ख़ास नहीं थी। जैक वहां एलिजाबेथ, कोटर्नी, वित्त विभाग के दो लोगों, एक संपादक और रिसेप्शन पर बैठने वाली क्लेयर के साथ खड़ा था। उसने अपनी वही बड़ी-बड़ी गोल रूपहली बालियां पहनी हुई हैं।

"हाय एना!" जैक ने मुझे एक बोतल बड पकड़ा दी।

“चीयर्स......थैंक्स।” मैं हौले से बोली। ध्यान तो अब भी उस भूतिया सी लड़की में टिका है।

चीयर्स!” हमने बोतलें टकराईं। वह एलिजाबेथ से बात करने लगा। क्लेयर मुझे देखकर प्यार से मुस्कुराईं।

“तो यहां का पहला सप्ताह कैसा रहा?”

“अच्छा, थैंक्स! यहां का माहौल दोस्ताना है।”

“तुम आज बहुत खुश दिख रही हो।”

आज शुक्रवार है इसलिए....... मैंने किसी तरह कहा- “तो इस सप्ताह के अंत के लिए तुम्हारी क्या योजनाएं हैं?”

मेरी ध्यान भटकाने की तकनीक काम आई और जान बच गई। क्लयेर सात भाई-बहन हैं और वह टाकोमा में अपने परिवार से मिलने जा रही है। वह तो काफी मज़ाकिया है। और मुझे एहसास हुआ कि केट के जाने के बाद से मैंने किसी हमउम्र लड़की से बात तक नहीं की है।

अचानक ही केट और.........इलियट का ख़याल आ गया। मुझे क्रिस्टियन से याद से पूछना है कि क्या इलियट का कोई फोन आया। ओह, केट का भाई ईथन! वह अगले मंगलवार तक आ जाएगा और हमारे ही अपार्टमेंट में रहने वाला है। मुझे नहीं लगता कि क्रिस्टियन को यह जान कर खुशी होगी। फिर अचानक उस लड़की के बारे में सोचने लगी जो अभी मिली थी।

क्लेयर से बातचीत के दौरान ही एलिजाबेथ ने एक और बीयर थमा दी।

“थैंक्स!” मैं मुस्कुराई।

क्लेयर से बात करना आसान है। उसे बात करना पसंद है और इससे पहले कि मैं जान पाती मैं वित्त विभाग के एक लड़के की ओर से एक और बीयर आ गई।

जब एलिजाबेथ और कोटर्नी चले गए तो जैक क्लेयर और मेरे पास आ गया। क्रिस्टियन कहां है? *क्लेयर किसी और से बात करने लगी।*

“एना तुमने यहां आकर गलत फैसला नहीं किया?” जैक ने कोमल सुर में कहा और वह मुझसे काफी सट कर खड़ा है। वैसे मैंने देखा है कि वह अक्सर सबके साथ ऐसे ही पेश आता है। उसका यही अंदाज है।

“मैंने इस सप्ताह काम का पूरा आनंद लिया। धन्यवाद जैक! हां, मेरा यहां आने का फैसला भी सही था।”

“एना! तुम बड़ी होशियार हो। देखना एक दिन नाम कमाओगी।”

मैं लजाई-"धन्यवाद!" इसके अलावा कुछ कह ही नहीं सकी।

"क्या तुम दूर रहती हो?"

"पाइक मार्केट डिस्टिन्त्रक्ट।"

"मेरे घर से दूर नहीं है।" वह मुस्कुराया और पास आ गया। उसने बार के पास झुकते हुए मुझे घेरने की कोशिश की। "क्या इस सप्ताह के लिए कोई योजना है?"

"खैर...उम्म!"

ओह! मैं उसे देखने से पहले ही उसकी मौजूदगी महसूस कर सकती हूं। मानो मेरा पूरा शरीर उसके आने से सजग हो उठा हो। यह एक साथ ही सहज और बेचैन हो जाता है। यह हमारे बीच एक अजीब-सा विरोधाभास है। मैं हमारे बीच पनपने वाले एहसास को जानती हूं।

क्रिस्टियन ने मेरे कंधों को इस तरह घेरा, जैसे कि अक्सर अपना लगाव या प्यार जताने वक्त किया जाता है। हालांकि मैं जानती हूं कि वह अपना लगाव नहीं बल्कि दावा जताने के लिए ऐसा करेगा। बेशक इस समय तो यह भी भला लग रहा है। उसने धीरे से मेरे बाल चूमे।

"हैलो बेबी!"

मैंने उसकी बांह के घेरे में खुद को सुरक्षित और उमंग से भरपूर पाया। वह जैक को बेलाग नज़रों से घूर रहा है। उसने मेरी तरफ देखते हुए छोटा-सा चुंबन दिया। उसने जींस के साथ बारीक धारियों वाली नीली जैकेट और लिनन की सफेद कमीज़ पहनी है। जी में आ रहा है कि गप्प से उठा कर मुंह में धर लो।

जैक ने बेचैनी से पहलू बदला।

"जैक! ये क्रिस्टियन है।" मैंने माफी मांगने के सुर में कहा।

मैं माफ़ी क्यों मांग रही हूं। "क्रिस्टियन, जैक"

"मैं ब्वायफ्रेंड हूं।" क्रिस्टियन ने छोटी सी मुस्कान के साथ कहा जो उसकी आंखों के छोरों तक नहीं पहुंची और जैक से हाथ मिलाया। मैंने जैक को देखा जो अपने सामने खड़े पुरुषत्व के इस नायाब नमूने को मन ही मन तौल रहा था।"मैं बॉस हूं।" वह घमंड से बोला। "एना तो कह रही थी कि उसका एक्स-ब्वायफ्रेंड है।"

ओह! दफा हो जा। तू क्रिस्टियन से ऐसा खेल नहीं खेल सकता।

"ओह! नहीं, अब ऐसा नहीं रहा। आओ! बेबी जाने का वक्त हो गया।"

"प्लीज! हमारे साथ एक ड्रिंक के लिए रुको।" जैक ने हौले से कहा

मुझे तो ये बात बिल्कुल नहीं जंच रही। मैंने क्लेयर को देखा जो बेशक क्रिस्टियन के नशे में बेसुध मुंह खोले खड़ी है। पता नहीं दूसरी औरतों पर क्रिस्टियन के असर के बारे में मेरी

चिंता कहां खत्म होगी।

“मुझे नहीं लगता कि ऐसा हो पाएगा क्योंकि हमारे अपने कुछ प्लांस हैं।” क्रिस्टियन ने अपनी रहस्य से भरी मुस्कान दी।

“हां, ऐसा ही है।” मेरे पूरे शरीर में सिरहन सी दौड़ गई।

“फिर कभी......आओ चलें ।” उसने मेरा हाथ थामकर कहा।

“अच्छा सोमवार को मिलते हैं।” मैं जैक को देखकर मुस्कुराई। क्लेयर और दूसरे लोगों को भी एक मुस्कान दी, जैक के चेहरे पर आ गए बुरे से भावों को अनेदखा किया और क्रिस्टियन के साथ वहां से बाहर निकल आई।

टेलर ऑडी के पास इंतज़ार में है।

“ऐसा क्यों लगा कि वहां कोई होड़ चल रही थी?” मैंने पूछा।

“क्योंकि वहां यही हो रहा था।” क्रिस्टियन ने मेरे लिए कार कर दरवाजा खोला।

“हैलो टेलर!” मैंने टेलर से नज़रें मिलते ही कहा।

“मिस स्टील!” उसने अपनी दिलासे से भरी मुस्कान दी।

क्रिस्टियन मेरे साथ वाली सीट पर आ गया और हथेली चूम कर बोला, हाय!”

मेरे गाल गुलाबी हो गए। टेलर हमारी बातें सुन सकता है। शुक्र है कि उसे क्रिस्टियन की वासना से भरी नज़रें नहीं दिख रहीं क्योंकि उसका मुंह आगे की ओर है। बस यही सोचकर, मैं लपक कर क्रिस्टियन की गोद में खुद को जाने से रोक सकी।

ओह! कार की पिछली सीट पर ......उफ!

हाय! मेरा मुंह सूख गया।

“आज शाम क्या करना चाहोगी?”

“मुझे लगा कि तुम्हारे पास कोई प्लान है।”

“ओह! मुझे तो पता है कि मैं क्या करना चाहता हूं पर एनेस्टेसिया! मैं तुमसे पूछ रहा हूं।”

मैं उसे देखकर मुस्कुराई।

समझ गया। उसके चेहरे पर शरारत से भरी दुष्ट मुस्कान खेल गई। तो... फिर मेरे आगे हाथ-पैर जोड़ने होंगे। उसने एक और गर्दन झुका अपनी सबसे सेक्सी मुस्कान दी।

“मि. ग्रे! हम बदलाव के लिए मेरे अपार्टमेंट में चल सकते हैं।” मैंने जान कर अपना होंठ काटा और उसके चेहरे का रंग और भी गहरा गया।

“टेलर! मिस स्टील के घर चलो।”

“सर!” उसने हामी दी।

“तो आज का दिन कैसा रहा?” उसने पूछा

“अच्छा! तुम्हारा?”

“अच्छा रहा। धन्यवाद।”

अचानक ही उसने मेरा हाथ फिर से चूम लिया।

“तुम प्यारी लग रही हो।”

“तुम भी तो लग रहे हो।”

“तुम्हारा बॉस, जैक हाइड। काम के मामले में कैसा है?”

ओह! बात ही बदल दी। “क्यों? तुम्हें इससे मतलब?” क्रिस्टियन दबी हंसी हंसा। “वह आदमी तुम्हें अपने साथ बिस्तर में ले जाना चाहता है

एनेस्टेसिया।” मैंने अचानक घबरा कर टेलर को देखा। “ओह! वह जो जी में आए सोच सकता है। ...हम यहां ये बात क्यों कर रहे हैं? तुम्हें

पता है कि मैं तुम्हारे सिवा किसी भी चीज़ में दिलचस्पी नहीं रखती और वह केवल मेरा बॉस है।”

“यही तो बात है। वह वही चाहता है, जो मेरा है। मुझे ये पता लगाना है कि वह अपने काम में सही है या नहीं?”

मैंने कंधे झटके, “लगता तो यही है।”

वह कहना क्या चाहता है।

“बेहतर होगा कि तुम्हें अकेला छोड़ दे वरना खुद को फुटपाथ पर पड़ा पाएगा।”

“ओह क्रिस्टियन! तुम क्या कह रहे हो? उसने कुछ गलत नहीं किया... बस थोड़ा सट कर खड़ा था।”

“जरा सा भी चूं-चां करे तो मुझे बताना। इसे यौन शोषण कहा जाता है।”

“वह तो काम के बाद एक ड्रिंक के लिए ही कहने आया था।”

“मेरे कहने का भी कुछ मतलब है। उसकी एक गलती, उसे सड़क पर ला देगी।”

“तुम्हारे पास ऐसी ताकत नहीं है। सच्ची! इससे पहले कि मैं अपनी आंखें नचाती।

अचानक ही आंखों के आगे सारी हकीकत आ गई। “क्या तुमने क्रिस्टियन...?”

क्रिस्टियन ने अपनी रहस्यमयी मुस्कान दी।

"तुम कंपनी खरीदने जा रहे हो?" मैंने भयभीत हो कर पूछा

उसके होठों पर मुस्कान तिर आई- "नहीं, ऐसा भी नहीं कह सकते।"

"तुमने इसे पहले से ही खरीद लिया है?"

उसने मुझे देखकर पलकें झपकाईं, "हो सकता है।"

"तुमने ऐसा किया है या नहीं?"

"किया है?"

"दफा हो जाओ तुम! क्यों?

ऐसा क्यों किया। ओह! ये तो हद ही हो गई।"

"क्योंकि एनेस्टेसिया! मैं तुम्हारी सुरक्षा चाहता हूं।"

"पर तुमने ये भी तो कहा था कि मेरे कैरियर में दखल नहीं दोगे।"

"हां, मैं नहीं दूंगा।"

मैंने अपना हाथ पीछे खींच लिया।

"क्रिस्टियन...।" मुंह से शब्द नहीं निकल रहे।

"क्या तुम मुझसे नाराज़ हो?"

"हां, बेशक! मैं गुस्से में हूं। मुझे तो ये समझ नहीं आता कि तुम कैसे जिम्मेदार व्यवसायी हो, जिस लड़की के साथ शारीरिक संबंध बनाए हुए हो, उसके अनुसार ही व्यावसायिक फैसले लेते हो।" मैंने कहने के बाद टेलर को ताका जो पूरे दिल से हमें अनदेखा और अनसुना कर रहा था।

ओह! ये बात मेरे मुंह से कैसे निकल गई।

क्रिस्टियन ने मुंह खोला, बंद किया और मुझे देखकर मुंह बनाया। कार का रोमानी माहौल जाने कहां चला गया।

ये भी अच्छा हुआ कि जल्द ही इस तकलीफदेह सफ़र का अंत हो गया। टेलर ने मेरे अपार्टमेंट के बाहर कार रोकी।

मैं कार से बाहर आ गई और किसी के दरवाजा खोलने का इंतज़ार तक नहीं किया।

मैंने क्रिस्टियन को टेलर से कहते सुना- "तुम मेरा यहीं इंतज़ार करो।"

जब मैं पर्स में चाबियां देखने लगी तो पाया कि वह मेरे पीछे ही खड़ा था।

"एनेस्टेसिया !" उसने ऐसे सीधे स्वर में कहा मानो मैं कोई जंगली जानवर हूं।

मैंने आह भरी और उसकी ओर मुंह घुमाया। मैं उससे गुस्सा हूं। मैं अन्दर ही अन्दर सहमी हुई हूं।

"पहले तो मैंने काफी समय से तुम्हारे साथ संबंध नहीं बनाए। कम से कम मुझे तो यही लगता है और दूसरे मैं खुद ही प्रकाशन के काम में हाथ डालना चाहता था। सिएटल की चार प्रकाशन कंपनियों में से एसआईपी ही सबसे ज्यादा लाभ दे सकती है पर इसे स्थानीय प्रभाव से मुक्त करना होगा। इसकी और शाखाएं खोलनी होंगी।"

मैं उसे ठंडी निगाहों से घूर रही हूं। उसकी आंखें गहराई से धमकी देती हुए दिख रही हैं पर साथ ही सेक्सी भी लग रही हैं। मैं इन गहराईयों में हमेशा के लिए खो सकती हूं।

"तो अब तुम मेरे बॉस हो।" मैंने गुस्से से कहा।

"तकनीकी तौर पर कहें तो... मैं बॉस के बॉस का भी बॉस हूं।"

"और तकनीकी रूप से देखा जाए तो मैं अपने बॉस के बॉस के भी बॉस से शारीरिक संबंध बना रही हूं। वाह क्या नैतिक आचरण है!"

"इस समय तो तुम उससे बहस रही हो।" क्रिस्टियन ने मुंह बनाया।

ऐसा इसलिए है कि वह बिल्कुल गधा है।" मैं फुंफकारी।

क्रिस्टियन हैरानी से दो कदम पीछे हट गया। *ओह! ये मैंने क्या किया। कुछ ज्यादा ही बोल गई।*

"एक गधा?" वह हौले से बोला और चेहरे पर मंद हास्य छा गया।

ओअफोह......अब मैं तुमसे नाराज़ हूं......मुझे हंसाने की कोशिश मत करो। मैं नहीं हंसने वाली।

"हां।" मैंने अपना पक्ष बनाए रखने की कोशिश की।

"एक गधा?" क्रिस्टियन फिर से बोला। इस बार उसके होठों पर दबी मुस्कान खेल ही गई।

"जब मैं गुस्सा दिखाऊं तो मुझे हंसाने की ज़रूरत नहीं है।" मैं चिल्लाई।

और वह अपनी अमेरिकन छोकरा टाइप पूरी बत्तीसी निपोरने लगा...अब मैं कुछ नहीं कर सकती। मैं भी खीसें निपोर रही हूं... दांत निकाल रही हूं। मैं उसकी मुस्कान में छिपी खुशी से कैसे अछूती रह सकती हूं?

"मेरे चेहरे पर बेवकूफ़ी से भरी मुस्कान है। तुम इसका ये मतलब नहीं लगा सकते कि मैं तुमसे नाराज़ नहीं हूं।" मैंने अपनी हाईस्कूल की चीयरलीडर टाइप खी-खी को दबाते हुए हौले

से कहा। हालांकि मैं कभी चीयरलीडर नहीं रही-दिमाग में अचानक ही यह कड़वी सच्चाई कौंध गई।

वह आगे झुका और मुझे लगा कि वह चूमने जा रहा है पर उसने ऐसा नहीं किया। मेरे बालों को नाक से सहलाते हुए गहरी सांस ली। "मिस स्टील! तुम हमेशा की तरह नए-नए रूप में सामने आती हो। तुम्हारे बारे में कोई अंदाजा लगाए भी तो कैसे?" उसकी आंखों में मस्ती नाच रही है। "अब तुम मुझे अन्दर भी बुलाओगी या एक अमेरिकन नागरिक, उद्यमी और उपभोक्ता को अपनी खरीददारी के लिए भी सज़ा भुगतनी होगी?"

"क्या तुमने इस बारे में डॉ. फिल्न से बात की?"

वह हंसा-"एनेस्टेसिया! मुझे घर में आने भी दोगी या नहीं" ?

मैंने अपने होंठ काटते हुए नाराज़गी वाली मुस्कान देनी चाही पर नाकामयाब रही। मैं दरवाजा खोलते हुए मुस्कुराने लगी। क्रिस्टियन ने टेलर को हाथ से अलविदा कहा और ऑडी वहां से चली गई। आज क्रिस्टियन ग्रे को अपने घर में देखकर बड़ा ही अजीब-सा लग रहा है। यह जगह इसके हिसाब से कितनी छोटी लगती है।

मैं अब भी नाराज़ हूं। इसने तो हदें पार कर दी हैं। अब मुझे समझ आया कि इसे कैसे पता कि मेरे ऑफिस के ई-मेल पर निगरानी रखी जाती है। शायद ये तो मेरे ऑफिस के बारे में मुझसे भी ज्यादा जानता है। ये ख़याल ही मन को कड़वाहट से भर गया।

मैं क्या कर सकती हूं? उसे मुझे इतना सुरक्षित रखने की क्या ज़रूरत है? मैं कोई दूधपीती बच्ची तो नहीं हूं! मैं इसे दिलासा देने के लिए क्या कर सकती हूं?

मैंने उसे देखा, वह कमरे में किसी पिंजरे में बंद आदम खोर की तरह चक्कर लगा रहा है और मेरा गुस्सा जाता रहा। अपनी दोस्ती खत्म होने के उस एहसास के बाद आज उसे अपने घर में पा कर कितने अपनेपन का एहसास हो रहा है। मैं उससे प्यार करती हूं और यही एहसास दिल को पिघला देने के लिए बहुत है। उसने आसपास की चीज़ों पर नज़र मारी।

"जगह अच्छी है।"

"केट के माता-पिता ने ले कर दी है।"

उसने सिर हिलाया और उसकी भूरी नज़रें अचानक ही मुझ पर आ टिकीं।

"क्या तुम कुछ पीना चाहोगे?" मैंने अपनी घबराहट पर काबू पाना चाहा।

"नहीं एनेस्टेसिया।" उसकी आंखें गहरा उठीं।

"मैं इतनी घबरा क्यों रही हूं?"

"एना! मैं तो जानता हूं कि मैं क्या करना चाहता हूं पर तुम क्या करना चाहोगी?"

मैं पीछे-पीछे हटते हुए रसोई की शेल्फ से जा टकराई।

“मैं अब भी तुमसे नाराज़ हूं।”

“मैं जानता हूं।” उसने कहा और मैं पिघल गई।

“कुछ खाना चाहोगे?”

“हां......तुम्हें।” मैं तो उसकी आवाज़ पर ही मर मिटती हूं और आज अदा भी कातिलाना है। मेरे बचने की गुंजाईश ही कहां है।

वह मेरे सामने खड़ा है, मुझे हाथ तक नहीं लगा रहा। बस उसकी नज़रें ही मुझे तरसाने के लिए काफी हैं। उसके शरीर की गरमाहट मुझ तक आ रही है और मेरी टांगें जैसे वहीं बेजान हो गई हैं। मैं उसे अभी और यहीं पाना चाहती हूं।

“क्या आज तुमने कुछ खाया।” वह हौले से बोला।

“लंच में सैंडविच लिया था। मैं अभी खाने की बात नहीं करना चाहती।”

उसने आंखें सिकोड़ीं, “तुम्हें कुछ खाना होगा।”

“मुझे अभी बिल्कुल भूख नहीं है... खाने की तो बिल्कुल भी नहीं।”

“मिस स्टील, किस चीज़ की भूख है?”

“मि. ग्रे! मुझे लगा था कि आप जानते हैं।”

वह झुका और मुझे लगा कि वह चूमेगा पर उसने ऐसा नहीं किया।

“एनेस्टेसिया ! क्या तुम चाहती हो कि मैं तुम्हें चूमूं?” वह हौले से मेरे कान में बोला

“हां।” मैंने सांस ली।

“कहां?”

“हर जगह”

“तुम्हें हर बात खोल कर बतानी होगी। मैंने कहा था न कि जब तक तुम अपने मुंह से नहीं कहोगी कि तुम क्या चाहती हो तब तब मैं तुम्हें हाथ नहीं लगाऊंगा। तुम्हें मेरे आगे विनती करनी होगी।”

मैं खोई हुई हूं। वह मेरे साथ अच्छा नहीं कर रहा।

“प्लीज़!” मैंने हौले से कहा

“प्लीज़ क्या?”

“मुझे छुओ।”

"कहां, बेबी?"

"मैं उसकी देह से आती गंध से महदोश हो रही हूं। मैं आगे बढ़ी तो उसने झट से कदम पीछे हटा लिया।

"नहीं, नहीं!" उसने चिढ़ाया और आंखों में एकदम ही चौकन्ना सा भाव आ गया।

"क्या?"

"नहीं... वापिस आओ।"

"नहीं।" उसने अपना सिर इनकार में हिलाया।

"बिल्कुल नहीं?" मैं अपनी तड़प छिपा नहीं सकी।

उसने मुझे अनिश्चितता से देखा। मेरे आगे आते ही उसने कदम पीछे हटा लिए और बचाव की मुद्रा में दोनों हाथ उठा दिए।

"देखो एना, ये एक चेतावनी है।" उसने बालों में हाथ फिराया पर चेहरे पर मुस्कान बनी रही।

कभी-कभी तो तुम बुरा नहीं मानते। शायद मुझे एक मार्कर पैन ले कर तुम्हारे शरीर पर रेखाएं लगा लेनी चाहिए ताकि मैं जान सकूं कि तुम्हें कहां छू सकते हैं और कहां नहीं।"

उसने एक भौं उठाई, "ख़याल बुरा नहीं है एना। तुम्हारा सोने का कमरा कहां है?"

मैंने उस दिशा में गर्दन हिलाई। क्या वह जानबूझ कर बात बदल रहा है?

"क्या तुम अपनी गोली ले रही हो?"

ओह! मारे गए आज तो...।

"नहीं।" मैंने हौले से कहा

"अच्छा। उसके होंठ भिंच गए। आओ, चलो कुछ खाएं।"

"मैंने सोचा कि हम पलंग पर जा रहे थे। मैं तुम्हारे साथ बिस्तर में जाना चाहती हूं।"

"जानता हूं बेबी!" वह मस्कुराया और अचानक ही मुझे खींच कर अपने से सटा लिया।

"पहले मुझे और तुम्हें कुछ खाना चाहिए। वैसे भी इंतज़ार का भी अपना ही मज़ा है। अभी तो मैं इस तड़प को बढ़ाना चाहता हूं।"

"हुंह? तुम्हें कब से ऐसा करना आ गया?"

"मैं तड़प रही हूं और तुम्हें अभी चाहती हूं। मैं तुम्हारे आगे विनती करूंगी -प्लीज़!"

मैंने अजीब से सुर में कहा।

वह प्यार से मुस्कुराया।

"पहले कुछ खाओ। कितनी दुबला गई हो।" उसने माथा चूम कर मुझे अपने से अलग कर दिया।

ये भी एक खेल है। उसकी किसी दुष्ट योजना का एक हिस्सा! मैंने उसे देखकर मुंह बनाया।

"मैं तुमसे अब भी नाराज़ हूं कि तुमने मेरी कंपनी खरीद ली और मैं इसलिए भी नाराज़ हूं कि तुम मुझे तड़पा रहे हो।" मैंने होंठ सिकोड़े।

"ओह! छोटी सी गुस्सैल मैडम। तुम्हें खाने के बाद बेहतर महसूस होगा।"

"मुझे पता है कि क्या पाने के बाद बेहतर होगा।"

"एनेस्टेसिया स्टील! मैं तो सदमे में हूं।" उसने हल्के मखौल में कहा।

"मुझे सताना बंद करो। तुम यह अच्छा नहीं कर रहे।"

उसने निचला होंठ काट कर अपनी मुस्कान रोकी। आज कितना प्यारा लग रहा है.. मेरा खिलंदड़ क्रिस्टियन! आज मुझे ही तरसाने पर तुला है। काश मैं भी उसे बेहतर तरीके से लुभा पाती। वैसे मैं जानती हूं कि क्या करना चाहिए पर उसे न छूने की शर्त भी तो बीच में है।

मेरे भीतर बैठी लड़की भी ताव में है। हम दोनों को मिलकर इस बारे में कुछ करना होगा।

क्रिस्टियन और मैं एक-दूसरे को ताक रहे हैं और उसी पल में मुझे एहसास हुआ कि घर में तो खाने को कुछ है ही नहीं।

"मैं कुछ पका सकती थी पर हमें सामान लेने जाना होगा।"

"सामान?"

"हां! घर में सामान खत्म है।"

"तुम्हारे पास घर में खाने को कुछ नहीं है।" उसके चेहरे के भाव सख्त हो गए।

मैंने इंकार में सिर हिलाया। ओह! वह तो नाराज़ हो गया।

"चलो सामान लेने चलें।" वह मेरे लिए दरवाजा खोल कर बाहर निकल गया।

"वैसे तुम आखिरी बार सुपरमार्केट कब आए थे?"

क्रिस्टियन इस जगह के हिसाब से बड़ा अजीब दिख रहा है पर बड़े ही सलीके से टोकरी लिए मेरे साथ डोल रहा है।

"मैं याद नहीं कर सकता।"

"क्या मिसेज जोंस अकेले ही खरीदारी करती हैं?"

"शायद टेलर मदद करता हो। मैं कह नहीं सकता।"

"क्या तुम्हें स्टिर-फ्राई चलेगा? ये जल्दी बन जाएगा।"

"सुनने में तो अच्छा लगा।" क्रिस्टियन ने दांत निकाले। वह जानता है कि मैं जल्दी बनने वाले व्यंजन की बात क्यों कर रही हूं।

"क्या वे तुम्हारे लिए काफी समय से काम कर रहे हैं?"

"टेलर चार साल से है। शायद मिसेज जोंस को भी इतना ही समय हो गया होगा। तुम्हारे घर में खाने को कुछ क्यों नहीं है?"

"तुम जानते हो क्यों?"

"पर मेरा क्या कसूर, उल्टा तुम मुझे छोड़ आई थीं।"

"जानती हूं। मैं उन बातों को दोहराना नहीं चाहती।"

हमने बिल भरा और मैं सोचने लगी।

अगर मैं न आई होती तो क्या उसने वनीला संबंधों की पेशकश रखी होती?

"क्या घर में पीने को कुछ है?" वह मुझे वर्तमान में खींच लाया।

"बीयर......शायद।"

"मैं वाइन लाता हूं"

"ओह! शायद यहां वाइन नहीं मिलेगी।" क्रिस्टियन मायूस हो कर लौट आया।

"पास ही एक अच्छी वाइन शॉप है।" मैंने झट से कहा।

"देखें, वहां क्या मिलता है।"

शायद उसके यहां चले जाते तो यह सब न करना पड़ता। मैंने उसे सहजता से स्टोरसे निकलते देखा और दो औरतें खड़ीं घूरने लगीं। अरे... हां, मेरे फिफ्टी शेड्स पर किसी और की नज़रें!

मैं चाहती हूं कि अपने बिस्तर में उसके साथ......पर वह साथ नहीं दे रहा। शायद मुझे भी यही करना चाहिए पर भीतर बैठी लड़की ऐसा कुछ करने के मूड में नहीं है... मैंने उसे समझाया और हमने एक योजना बना ली।

हम्म.....

क्रिस्टियन सामान वाला थैला अपार्टमेंट में ले आया।

आज वह कहीं का सीईओ नहीं दिख रहा।

"तुम बड़े घरेलू किस्म के दिख रहे हो।"

"आज तक किसी ने मुझ पर यह इल्ज़ाम नहीं लगाया।" मैं सामान निकालने लगी तो उसने बोतल निकाली और उसे खोलने के लिए ओपनर देखने लगा। "ये जगह अब भी मेरे लिए नई है। शायद वहां दराज में होगा।" मैंने अपनी चिबुक से संकेत किया।

ये कितना सामान्य लग रहा है... दो लोग एक-दूसरे को जानने की प्रक्रिया में हैं और एक साथ खाना खाने जा रहे हैं। पर फिर भी कितना अजीब है। मुझे आज उसकी मौजूदगी से लगने वाला डर भी नहीं सता रहा। हम एक-दूसरे के साथ कितना कुछ कर चुके हैं कि सोचने से ही शरम आती है पर मैं अभी उसे अच्छी तरह जानती तक नहीं हूं।

"क्या सोच रही हो?" क्रिस्टियन ने अपनी जैकेट उतार कुर्सी पर टांगते हुए पूछा।

"मैं तुम्हें कितना कम जानती हूं।"

मुझे नहीं लगता कि ये सच है।" अचानक ही मेरे दिमाग में मिसेज रॉबिन्सन आ गईं।

"एनेस्टेसिया! ऐसा ही है। मैं एकांत पसंद करने वालों में से हूं। मैं ज्यादा लोगों से नहीं घुलता-मिलता।"

उसने मुझे एक गिलास सफेद वाइन दी।

"चीयर्स!" उसने कहा

"चीयर्स।" मैंने कहा और उसने बाकी बोतल फ्रिज में रख दी।

"क्या मैं कोई मदद कर सकता हूं?" वह बोला।

"नहीं। ठीक है... तुम बैठो।"

"मैं मदद करना चाहूंगा।" उसने गंभीरता से कहा

"तुम सब्जियां काट सकते हो?"

"मैं खाना नहीं पकाता।" उसने हाथ के चाकू को उलट-पुलट कर देखा।

"तुम्हें कभी पकाना भी न पड़े।" मैंने सब्जी काटने का बोर्ड और लाल शिमला मिर्च उसके आगे रख दी। उसने उन्हें उलझन के साथ देखा।

"तुमने कभी सब्जी नहीं काटी।"

"नहीं"

मैंने अपनी हंसी रोकी।

"क्या तुम मुझ पर हंस रही हो?"

"ऐसा लगता है कि ये काम मैं कर सकती हूं और तुम नहीं कर सकते। क्रिस्टियन! सच्चाई का सामना करो। मैं तुम्हें सिखाती हूं कि ये कैसे करते हैं। ये भी तुम्हारी जिंदगी में पहली बार होगा।"

मैं उससे टकराई तो वह पीछे हट गया।

भीतर बैठी लड़की ने इस बात को ध्यान से देखा।

"ऐसे।" मैंने बीज निकालने के बाद मिर्च काट कर दिखाई।

"ये तो आसान लगता है।"

"तुम्हें मुश्किल नहीं होगी।"

वह भी मैदान में आ गया और मैं चिकन कतरने लगी। ओह! हम दोनों के पास पूरी रात पड़ी है।

मैंने हाथ धोए और कड़ाही, तेल वगैरह बाकी सामान इकट्ठा कर लिया। इस दौरान मैं बार-बार जान-बूझ कर उसके कंधे, पीठ या हाथों से टकराती रही। हल्के मासूमियत से भरे स्पर्श!

"एनेस्टेसिया! मैं जानता हूं कि तुम क्या कर रही हो?" वह अभी पहली मिर्च ही काट रहा है।

मैं तो शायद खाना पका रही हूं। मैंने अपनी पलकें झपकाईं और दूसरा चाकू ले कर वहीं बैठ गई। मैंने झट से लहसुन, हरा प्याज, बींस वगैरह काट-छील लिए और साथ-साथ उससे बार-बार टकराने का दिखावा भी करती रही।

"तुम ये काम बढ़िया कर लेती हो।" उसने दूसरी मिर्च काटनी शुरू की।

"सब्जियां काटना? मैं सालों से ये काम करती आ रही हूं। मैं उससे एक बार फिर से सट कर निकली और वह थोड़ा ठिठक सा गया।

"एनेस्टेसिया! अगर एक बार और ऐसा किया तो मैं यहीं रसोई के फर्श पर......।"

ओह वाह! ये तरीका तो काम कर रहा है। पहले तुम्हें मेरे आगे विनती करनी होगी।"

"क्या ये एक चुनौती है?"

"हो सकता है।"

उसने चाकू नीचे रखा और मेरे पास से निकलते हुए गैस बंद कर आया। कड़ाही के तेल की खदबद एकदम शांत हो गई।

"शायद मैं बाद में कुछ खाना पसंद करूंगा। वह बोला। चिकन को फ्रिज में रख दो।"

मैंने क्रिस्टियन के मुंह से कभी ऐसी बात सुनने की उम्मीद नहीं की थी और आज तो उसकी एक-एक बात कितनी हॉट लग रही है। मैंने झट से चिकन के डोंगे को प्लेट से ढ़ककर फ्रिज में रख दिया। मुड़ी तो उसे अपने पीछे खड़ा पाया।

"तो तुम विनती करने जा रहे हो।" मैंने कहा।

"नहीं एनेस्टेसिया। ऐसा कुछ नहीं होगा।" हम एक-दूसरे के आमने-सामने खड़े हैं।

हमारे बीच का माहौल एकदम ही बदल गया है। मैं इस आदमी के लिए तरस रही हूं और मैंने इसी सोच के साथ अपना होंठ काटा। अन्दर ही अन्दर मेरी सांसें उथली होती जा रही हैं। मैं साफ देख सकती हूं कि मेरे भावों की प्रतिक्रिया वहां भी दिख रही है।

उसने झटके से मुझे अपने पास खींचा और अब उसका मुंह मेरे मुंह पर झुका हुआ है। उसने मुझे फ्रिज की ओर धकेला तो अन्दर से बोतलें टकराने की आवाज़ सुनाई दी। बाहर हमारी जीभें आपस में टकरा रही हैं। मैं उसके मुंह में ही कराही और इस आवेग से भरे चुंबन के बीच उसके हाथ मेरे अंगों पर नाच रहे हैं।

"एनेस्टेसिया! तुम क्या चाहती हो?" उसने दम लिया

"तुम्हें"

"कहां?"

"बिस्तर में।"

उसने झट से मुझे बांहों में भरा और मेरे सोने के कमरे की ओर चल दिया। पलंग के पास मुझे उतारा और कमरे में लैंप जला दिया। फिर उसने कमरे में एक नज़र मारी और झट से पर्दे लगा दिए।

"अब क्या करें?" उसने हौले से पूछा

"मुझसे प्यार करो।"

"कैसे?"

ओह! अब क्या कहूं!

"बेबी! यह तो तुम्हें बताना ही होगा।"

" *हाय!* मेरे कपड़े उतारो।" मैं पहले से ही बेदम हो चली हूं।

वह मुस्कुराया और मेरी कमीज़ में अपनी अंगुली घुसाते हुए अपनी ओर खींच लिया।

"अच्छी बच्ची!" उसने मुझ पर नज़रें जमाए-जमाए, मेरी शर्ट के बटन खोल दिए।

मैंने खुद को साधने के लिए अचानक अपने हाथ उसके बाजुओं पर रखे। जब उसने बटन खोल दिए तो कंधों से ऊपर ले जाते हुए शर्ट उतार फेंकी। मैंने उसे ज़मीन पर गिरने दिया। उसकी बाजुओं को छुआ जा सकता है। फिर उसने पैंट की ओर हाथ बढ़ाए।

"एनेस्टेसिया! मुझे बताओ कि तुम क्या चाहती हो?" उसकी सांसें भारी होती जा रही हैं।

"मुझे यहां से यहां तक चूमो।" मैंने अपने कान से गर्दन तक इशारा किया। उसने प्यार से बाल हटाए और चुंबनों की मीठी सी झड़ी लगा दी।

"मेरी जींस और बाकी कपड़े।" मैं हौले से बोली और वह मेरे सामने घुटनों के बल बैठ गया। मैं अपने-आप को कितना ताकतवर महसूस कर रही हूं। शरीर पर केवल ऊपरी अंतर्वस्त्र रह गया है।

"एनेस्टेसिया! अब क्या करूं?"

"मुझे चूमो।" मैंने धीरे से कहा।

"कहां?"

"तुम जानते हो कहां?"

"कहां?"

ओह! आज तो ये निराले ही मूड में है। मैंने शर्मिंदगी के साथ अपनी टांगों की ओर संकेत किया और उसके चेहरे पर दुष्टता से भरी मुस्कान तिर आई। उसकी छुअन ही मुझे बेकाबू करने के लिए बहुत थी। मैंने कस कर उसके बाल थाम लिए। वह रुकना नहीं चाहता और मैं अपनी दुनिया में खोई जाने कहां-कहां भटक रही हूं। ओह, ये सब कब तक चलेगा?

"क्रिस्टियन प्लीज़ ! मैं ज्यादा देर खड़ी नहीं रह सकती। बदन में इतनी जान नहीं है।"

"प्लीज़ अर्स्टियन"

"एनेस्टेसिया क्या?"

"मुझे प्यार करो।"

"मैं कर रहा हूं। हाज़िर हूं।"

"नहीं, तुम मेरे भीतर समा जाओ।"

"क्या तुम यकीन से कह रही हो?"

"हां"

वह अब भी अपने मीठे अंदाज में तड़पाने से बाज नहीं आ रहा। मैं जोर से कराही

"क्रिस्टियन... प्लीज़।"

ओह ये सब कितना हॉट होता जा रहा है। मानो वह एक-एक पल के साथ उस उत्तेजना को बढ़ाता जा रहा है।

“ओह पर..

“पर क्या?”

“मैं तो अब भी कपड़ों में हूं।”

मैंने उसे उलझन से देखा।

“मेरे कपड़े उतारो।” हां! मैं ऐसा कर सकती हूं। मैं उसकी शर्ट पर हाथ ले गई तो वह एक कदम पीछे हट गया

अरे नहीं। ओह वह केवल पैंट के लिए कह रहा था।

अचानक ही मुझे एक उपाय सूझा और मैंने एक झटके में उसे पैंट से आज़ाद कर दिया।

वह बहुत ही हैरानी से मुझे ताक रहा है। शायद उसे अंदाजा नहीं था कि मैं उसे मुख-मैथुन का सुख देना चाह रही हूं।

ओह! इसका भी अपना ही नशा है।

वह अपने होश खोने लगा और मैं खुश हूं कि मैं उसे इस तरह खुशी देने का तरीका जानती हूं।

“एना! बस करो......... वरना।”

ग्रे! अभी ऐसे कैसे बस हो जाएगा। तुम्हें भी मेरे हाथ-पांव जोड़ने होंगे।

“एना! बस अब मत करो।”

मैं झट से उठी तो उसने मुझे पलंग पर पटक दिया। उसने अपनी शर्ट उतारी और हमेशा की तरह पूरी मुस्तैदी से अपना जिरहबख्तर पहना। बेशक वह उनके बिना कभी नहीं निकलता होगा। वह भी मेरी तरह हांफ रहा है।

मैंने उसके कहने पर सारे कपड़े उतार दिए और वह मेरे निर्वस्त्र देह की खूबसूरती निहारने लगा।

वह मेरे पूरे शरीर पर चुंबन देते हुए वक्षों से खेलने लगा। अपने हाथों की छुअन से उन्हें जगाने लगा, तरसाने लगा... ।

“नहीं... कुछ मत करो। मैं तुम्हें चाहती हूं।”

“क्रिस्टियन प्लीज़!”

“प्लीज़ क्या?”

“मैं चाहती हूं कि हम एक हो जाएं।”

वह एक ही झटके से मेरे पास आ गया और लगातार मुझे ही देख रहा है। मैंने उसकी उस छुअन का एहसास पाते ही आंखें मूंद लीं ताकि उसे भरपूर महसूस कर सकूं। वह आज बहुत धीरे-धीरे खेल रहा है और मुझसे अब सहा नहीं जाता।

“क्रिस्टियन! प्लीज़ जल्दी... तेज... और तेज़...”

उसने मुझे विजयी नज़रों से देखा और मेरी अर्जी मंजूर कर ली गई। अब वह अपने पूरे रूप में खुल कर सामने है। मैं भी पूरी तरह से मुकाबले के लिए तैयार हूं। खेल अपनी चरम सीमा पर है और मैं उस सुख के एक-एक कतरे को पी रही हूं...उसने भी ज़ोर से मेरा नाम लेते हुए मेरी गर्दन में अपना मुंह धंसा दिया

ओह... एना... ये सब कितना... । आगे के शब्द हम दोनों ने न कहे और न ही सुने.. सुध ही किसे बची थी?

अध्याय 4

सुध लौटी तो मैंने उस चेहरे को निहारा, जिसे मैं दिल से चाहती हूं। क्रिस्टियन के चेहरे पर भी कितने मुलायम और प्यारे से भाव हैं। उसने अपनी नाक से मेरी नाक टकराई और मेरे हाथों को सिर के पीछे ले जाते हुए थाम लिया। यह सोचकर मन उदास हो आया कि उसने खुद को मेरी छुअन से बचाने के लिए ऐसा किया होगा।

"मैं यह सब बहुत याद कर रहा था।" वह बोला

"मैं भी!"

उसने मेरी चिबुक थामकर गहरा सा चुंबन लिया। एक आवेग से भरा चुंबन। मैं नहीं जानती कि वह कहना क्या चाहता है। उसने मुझे बेदम कर दिया है।

"मुझे छोड़कर मत जाना।" अब उसके चेहरे पर फिर से गंभीरता दिख रही है।

"अच्छा!" मैं हौले से बोल कर मुस्कुराई।

उसके चहरे पर बड़े ही सुकून और राहत से भरी मुस्कान पसर गई। उसने ऐसी नज़र से देखा जो किसी पत्थरदिल को भी पिघलाने की ताकत रखती थी। "आईपैड के लिए धन्यवाद!"

"एनेस्टेसिया! तुम्हारा हमेशा स्वागत है।"

"उसमें तुम्हारे मनपसंद गाने कौन से हैं?" मैंने पूछा

"अब तुम्हें गाने पूछने हैं। भई पहले कुछ खिलाओ। भूख से जान जा रही है।"

"... जी हां! मैडम जान जा रही है।"

मैंने बत्तीसी दिखाई और बोली।

"सर! आप इतने प्यार से कह रहे हैं तो खिलाना ही होगा"

मैंने बिस्तर से उतरते हुए तकिया हटाया तो उसे वह चार्ली टैंगो वाला गुब्बारा दिख गया। क्रिस्टियन बड़ी उलझन के साथ उसे देखने लगा।

"ये मेरा है।" मैंने अपना गाउन पहनते हुए कहा। *हे भगवान! क्या ये इसके हाथ लगना जरूरी था?*

"तुम्हारे बिस्तर में क्या कर रहा है......?"

"हां... ये मेरा साथी बना हुआ था"

"लकी चार्ली टैंगो।" वह हैरानी से बोला

हां ग्रे! मैं ऐसी ही भावुक हूं क्योंकि मैं तुमसे प्यार करती हूं।

"मेरा गुब्बारा।" मैंने फिर से कहा और रसोई की ओर चल दी। वह वहीं बैठा खीसें निपोर रहा है।

क्रिस्टियन और मैं केट के पर्शियन कालीन पर बैठे स्टिर फ्राई चिकन के साथ नूडल्स खा रहे हैं। सफेद चाइना बाउल में चॉपस्टिक्स से खाने में मज़ा आता है और साथ में चिल्ड वाइन चल रही है। क्रिस्टियन काउच की टेक लगा कर बड़े ही बेपरवाह अंदाज में बैठा खा रहा है; बिखरे बाल, जींस और टी-शर्ट...... वह बड़े ही सहज भाव से टांगें पसारे हुए है और उसके आईपॉड से संगीत की मीठी धुन सुनाई दे रही है।

"ये अच्छा है।" उसने खाने का स्वाद लेते हुए कहा।

मैं भी वहीं आलथी-पालथी लगाए खाने और उसकी नज़रों का स्वाद ले रही हूं।

"मैं अक्सर खाना पकाती हूं। केट इस मामले में अनाड़ी है।"

"क्या मॉम ने तुम्हें सिखाया?"

"नहीं। जब तक मैं सीखने की उम्र में आती, मॉम अपने पति नंबर तीन के साथ टेक्सास में थीं। और रे, अगर मैं न होती तो वे बाजार के खाने और टोस्ट पर ही जिंदगी काट लेते।"

क्रिस्टियन ने पूछा- "तुम मॉम के साथ टेक्सॉस में क्यों नहीं रहीं?"

"उनके पति स्टीव और मेरी आपस में नहीं बनी... और मैं रे को भी बहुत याद करती थी। स्टीव से उनकी शादी ज्यादा नहीं चली। शायद उन्हें जल्दी ही होश आ गया। वे कभी उसकी बात नहीं करतीं।" मैंने झट से कहा।

"तो तुम वाशिंगटन में अपने सौतेले पिता के साथ रहती थीं?"

"मैं टेक्सास में थोड़ा वक्त ही रही और फिर रे के पास ही आ गई।"

"ऐसा लगता है कि तुम उनकी देखरेख करती थीं।" उसने कोमल स्वर में कहा

"शायद!" मैंने कंधे झटके।

"तुम लोगों की देखरेख करने की आदी हो।"

मैंने उसकी बात सुनकर चौंक कर देखा।

"क्या?" मैंने हैरानी से कहा

"मैं तुम्हारी देखरेख करना चाहता हूं।" उसकी आंखें एक अनकहे भाव से चमक उठीं।

मेरा दिल धड़क उठा।

"मैंने देखा है। तुम अक्सर अजीब तरीकों से ऐसा करते हो।"

उसकी भवें सिकुड़ीं- "मैं तो काम करने का यही तरीका जानता हूं।"

"मैं अब भी नाराज़ हूं कि तुमने एसआईपी को खरीद लिया।"

वह मुस्कुराया- "पता है पर बेबी तुम्हारा गुस्सा भी मुझे ऐसा करने से रोक नहीं सकता।"

"मैं अपने साथ काम करने वालों या जैक से क्या कहूंगी।"

उसने आंखें सिकोड़ीं- "बेहतर होगा कि वह कमीना अपने-आप को संभाले।"

"क्रिस्टियन! वह मेरा बॉस है।" मैंने फटकारा।

क्रिस्टियन का चेहरा बुरी तरह से भिंच गया। ऐसा लगा कि वह कोई ढीठ स्कूली लड़का हो।

"उन्हें मत बताना।" वह बोला।

"उन्हें क्या न बताऊं।"

"... कि मैं कंपनी का मालिक हूं। कल ही समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। इस खबर को चार सप्ताह के लिए रोका जाएगा ताकि प्रबंधन एसआईपी में कुछ बदलाव ला सके।"

ओह... क्या मेरी नौकरी भी चली जाएगी?मैंने सतर्कता से पूछा।

"नहीं, मुझे तो नहीं लगता।" क्रिस्टियन ने चिढ़ाया।

"अच्छा! अगर मैं कोई दूसरी कंपनी में नौकरी कर लूं तो? क्या उसे भी खरीद लोगे?"

"तुम छोड़ने की तो नहीं सोच रहीं न?"

उसने सावधानी से पूछा।

"शायद क्योंकि तुमने मेरे पास कोई और विकल्प भी नहीं छोड़ा।"

"हां। मैं वह कंपनी भी खरीद लूंगा।" वह बड़ा ही हठी है।

मैंने उसे देखकर मुंह बनाया। यहां मैं उससे जीत नहीं सकती।

"क्या तुम्हें नहीं लगता कि तुम ज़रूरत से ज्यादा ही बचाव करना चाहते हो?"

"हां! मैं इस बारे में अच्छी तरह से जानता हूं।"

मैं कुछ कहती, इससे पहले वह अपना कटोरा ले कर उठ खड़ा हुआ। नहीं, मुझे इससे लड़ना नहीं है।

“क्या मीठे में कुछ लेना चाहोगे?”

अच्छा जी! तुम पूछ रही हो।” उसके चेहरे पर बड़ी-सी मुस्कान खेल गईं।

मैं नहीं? मैं क्यों नहीं? मेरे भीतर बैठी लड़की झट से कान खोल कर तैयार हो गई।

“हमारे पास वनीला आइसक्रीम है।” मैंने कहा।

“सच्ची!” क्रिस्टियन की मुस्कान और भी फैल गई।

“शायद हम उसके साथ कुछ कर सकते हैं।”

“क्या? वह उठा तो मैं हैरानी से उसे देखती रही। वह चाहता क्या है?”

“क्या मैं यहां रुक सकता हूं?” उसने पूछा।

“मतलब?”

“रात को।”

“मुझे तो लगा कि तुम रुक रहे थे।”

“बढ़िया! आइसक्रीम कहां है?”

“ओवन में।” मैं प्यार से मुस्कुराई।

उसने एक और गर्दन झुका कर कहा- “मिस स्टील! ऐसे तानेबाज़ी करना अच्छा नहीं होता।”

“ओह! इसके दिमाग में क्या चल रहा है?”

“मैं अब भी तुम्हें घुटनों के नीचे दबा कर दो लगा सकता था।”

मैंने कटोरे सिंक में रखे।

“क्या वे सिल्वर गोलियां भी लाए हो?”

उसने अपने कपड़ों की जांच करने का दिखावा किया और नकली आह भरी-"हाय!

मैं उनका अतिरिक्त सैट क्यों नहीं रखता? वैसे ऑफिस में उनकी ज़रूरत नहीं पड़ती न इसलिए...।”

“मुझे सुनकर खुशी हुई मि. ग्रे! अभी तो सुना था कि किसी को व्यंग्यबाण पसंद नहीं हैं।”

"ओह एनेस्टेसिया! मेरा तो यही मानना है कि अगर तुम उन्हें हरा नहीं सकते तो उनके दल में शामिल हो जाओ।"

मैंने उसे निहारा-यकीन नहीं आता। ये बात इसने कही और वह कितना खुश भी दिख रहा है। उसने फ्रिज में से बेन एंड जैरी वनीला का पिंट निकाला।

"ये बढ़िया रहेगा। बेन एंड जैरी एंड एना!" उसने एक-एक शब्द को मुंह से ऐसे निकाला मानो उनका स्वाद ले रहा हो।

ओह! मेरा क्रिस्टियन! मुझे लगा कि जबड़ा खुल कर नीचे ही गिर जाएगा। उसने चम्मच वाले दराज से एक चम्मच निकाला। उसने मेरी ओर देखा तो जीभ दांतों पर फिराने लगा। ओह! वह जीभ!

मैंने खुद को गहरे सुकून के बीच पाया। अचानक उसी सुकून के बीच एक गहरी चाह की हिलोर उठी और नसों का लहू उबाल खा गया। आज हम उस आइसक्रीम के साथ खेलने जा रहे थे।

"आओ! तुम्हें यह आइसक्रीम खिला कर शीतल कर दूं।" उसने अपना हाथ आगे कर दिया। उसने बेडरूम में जा कर कटोरा कोने में रखा और पलंग से कंबल व तकिए उतार कर नीचे रख दिए।

"तुम्हारे पास बदलने के लिए चादर होगी न?"

मैंने हामी भरी। उसने चार्ली टैंगो उठा लिया।

"मेरे गुब्बारे से पंगा मत लेना।" मैंने कहा।

"बेबी! मैं तो सपने में भी ऐसा करने की नहीं सोच सकता पर मैं तुमसे और इस चादर से पंगा लेना चाहूंगा।"

मेरी देह सिहर उठी।

"मैं तुम्हें बांधना चाहता हूं।"

"ओह! ठीक है।" मैं बुदबुदाई।

"बस तुम्हारे हाथ पलंग से बांधने हैं। मैं चाहता हूं कि तुम बिना हिले-डुले लेटी रहो।"

"अच्छा।" अब मैं कुछ और बोल नहीं पा रही।

"हम इसे इस्तेमाल करेंगे।" उसने मेरे चोंगे की कपड़े की बेल्ट को धीरे से निकाल लिया।

मेरा चोंगा खुल कर गिर गया और अब मैं उसके सामने निर्वस्त्र हूं। उसने हौले से चेहरे को छुआ पर उसकी सिरहन पूरे शरीर में दौड़ गई।

“पलंग पर मुंह ऊपर करके लेट जाओ।” वह जलती आंखों के साथ बुदबुदाया।

वैसे मेरे घर में एनर्जी बचाने के लिए कम पॉवर की लाइटें लगी हैं पर आज उसके सामने अपने-आप को पेश करते समय ये भी भली लग रही हैं। कम से कम अपने-आप को कुछ तो छिपा ही सकती हूं।

“एना! मैं तो तुम्हें इस रूप में सदियों तक देख सकता था।” वह मेरे पलंग के पास सरक आया।

अब उसने मेरे ही चोंगे और उसकी बेल्ट से मेरे हाथों को बांधने में देर नहीं की।

मुझे बांधने के बाद वह काफी निश्चिंत सा दिखा। उसे मुझे इसी रूप में रखना पसंद है। दरअसल इस तरह उसे कोई डर नहीं रहता कि कहीं मैं उसे छू न दूं। मुझे एहसास हुआ कि उसकी पिछली किसी सेक्स गुलाम को भी कभी उसे छूने का मौका नहीं मिला होगा और न ही कभी मिल सकेगा। वह हमेशा इसी तरह उन्हें भी काबू रखता होगा और उसे यही भाता है। इन नियमों में उसकी जान बसती है।

वह मेरे ऊपर आ गया और झट से होठों पर एक चुंबन दिया। फिर अपनी जींस और शर्ट उतार कर भी फर्श पर ढेर कर दी।

उसका यह रूप मेरे होश उड़ाने के लिए बहुत है। अन्दर बैठी लड़की को कुलांचे भरने का मौका मिल गया है। उसका गठा शरीर देखकर कहा जा सकता है कि वह ज़रूर कसरत करता होगा। उसने पलंग के कोने के पास जा कर मेरे पांव इस तरह खींचे कि मेरे बाजू सिर के परे चले गए और अब मैं अपनी मर्जी से हिल भी नहीं सकती

“ये ठीक रहेगा।” वह हौले से बोला

उसने धीरे से आइसक्रीम का पिंट खोला और उसमें चम्मच भरा

“ हम्म.........अब भी काफी जमी हुई है। उसने एक चम्मच वनीला भर कर मुंह में डाल लिया। उसने होठों पर जीभ फिराई। वाह! वनीला भी कितनी स्वाद लग सकती है। उसने मुझे घूरा- और लोगी?”

वह कितना जवां, बेपरवाह और अनूठा लग रहा है। वह मुझ पर बैठा आइसक्रीम खा रहा है। उसके चेहरे की चमक देखते ही बन रही है। ओह! पता नहीं वह मेरे साथ करने क्या जा रहा है? मैं कुछ नहीं कह सकती।

उसने मुझे एक और चम्मच खिला दिया।

फिर एक और चम्मच मेरे पास लाया और अपने मुंह में डाल लिया।

“वाह! मिस स्टील! तुम्हारे साथ तो वनीला भी कितना स्वाद दे रही है।”

“मैं भी लूंगी।”

“अच्छा! आज तुमने मेरा दिल खुश कर दिया है इसलिए एक चम्मच पेश करता हूं।” इस बार उसने मुझे खिला ही दिया। फिर मैंने एक और चम्मच आइसक्रीम का स्वाद लिया। एक और...एक और! बस हो गया!!!

“हम्म! वैसे तुम्हें जबरन कुछ भी खिलाने का यह तरीका मस्त है।” वह बोला

इस बार वह चम्मच में आइसक्रीम भर कर लाया तो मैंने मुंह ही नहीं खोला। पिघली आइसक्रीम का चम्मच मेरे गले और वक्षस्थल पर बिखरता चला गया। उसने उसे अपने होठों से चाटा और मेरा पूरी देह तड़प उठी।

“मम्म! मिस स्टील, अब तो ये और भी स्वादिष्ट हो गई है।” मैंने हाथ-पैर हिलाने चाहा पर ऐसा नहीं कर सकी। वासना से पूरा शरीर सुलग उठा है। इस बार उसने चम्मच में आइसक्रीम भर कर वक्षस्थल पर डाल दी और उसे फैला दिया। ओह... ये कितनी ठंडी लग रही है। वनीला के ठंडे स्पर्श से वक्षस्थल संवेदनशील हो उठे।

“ठंडी है?” उसने पूछा और फिर उसे अपने होठों से चाट लिया। आइसक्रीम के मुकाबले उसका मुंह कहीं गरमाहट से भरा है।

ये तो अजीब सी यातना है।

“और खाना चाहोगी?”

इससे पहले कि मैं कोई जवाब देती। उसकी जीभ मेरे मुंह में थी। उसका स्वाद और आइसक्रीम का स्वाद मिलकर गजब ढ़ा रहे हैं कितनी मदमस्त कर देने वाली खुशबू है।

अचानक वह उठा और नया ही खेल शुरू कर दिया। उसने मेरी नाभि में आइसक्रीम भर दी। ठंडी आइसक्रीम का स्पर्श भी जलन पैदा कर रहा है।

“अब तुम्हें बिना हिले-डुले लेटना होगा वरना यह सारे पलंग पर बिखर जाएगी।” वह वक्षस्थल व निप्पलों को चूमते हुए नाभि तक जा पहुंचा और वहां से आइसक्रीम चाटने लगा।

मैंने इस गर्म और सर्द स्पर्श के बीच शांत रहना चाहा पर मेरा पूरा शरीर इस लय पर थिरकना चाह रहा है। अब वह नाभि के निचले हिस्से पर चम्मच से आइसक्रीम डाल कर वही खेल खेल रहा है। वह तो कहीं रुक ही नहीं रहा। मैं बेदम हो रही हूं। मेरे शरीर का रोम-रोम उसकी इस छुअन के लिए तड़प रहा है।

मैंने जोर से आह भरी तो उसने चुप करा दिया। वह इतना जालिम क्यों है? प्रतिक्रिया तक नहीं देने देता। अब उसका मुंह मेरे पूरे शरीर को चूम रहा है, चाट रहा है और अंगुलियां दूसरे अंगों को सता रही हैं। मानो मेरे सांस लेने के लिए भी गुंजाईश नहीं है।

मैं सुलग रही हूं। अचानक ही मैं चरम सुख तक पहुंची और अपनी इस प्रतिक्रिया को छिपा नहीं पाई।

फिर उसने अपना जिरहबख्तर पहना और मैदान में आ पहुंचा। हमारे चारों ओर पिघली आइसक्रीम की चिपचिपाहट और मदहोश कर देने वाली गंध है। अचानक ही उसने खुद को बाहर खींचा और मुझ पलट दिया।

"आज ऐसे करेंगे। *ओह इसके नए-नए तरीके!*

उसने आगे आकर मेरे हाथ खोले और इस तरह खींचा कि अब मैं उसके ऊपर बैठी हूं। उसके हाथ मेरी छातियों और निप्पलों से खेल रहे हैं। मैं अपने आनंद से भीगे सुरों को थाम नहीं पा रही। यह सब इतना आनंददायक क्यों है?

"क्या तुम जानती हो कि तुम मेरे लिए क्या मायने रखती हो?" वह हौले से बोला।

"हां... मैं जानती हूं"

वह मुस्कुराया और गर्दन पर एक चुंबन दिया।

"मैं तुम्हें अपने से दूर नहीं जाने दूंगा। एना... तुम... मेरी... हो"

"हां, मैं तुम्हारी हूं।"

"मैं अपनी हर चीज़ का ध्यान रखता हूं।" उसने मेरे कान पर हौले से काटा और मेरे मुंह से आह निकली।

"बेबी! मैं तुम्हारी आवाज़ सुनना चाहता हूं।"

इस बार उसने पूरी लय के साथ सहवास आरंभ किया और मैंने खुल कर अपनी भावनाएं प्रकट कीं। उसकी इजाज़त जो मिल गई थी। उसकी सांसें उथली होती जा रही हैं। मैं अपने अन्दर वही जानी-पहचानी ऐंठन महसूस कर रही हूं।

ओह! यह किस तरह मेरे पूरे शरीर को जगा कर उसे अपने बस में कर लेता है। मुझे उसके नशे और जादू के सिवा कुछ सूझता ही नहीं। मानो मैं उसके जाल में फंसी कोई तितली हूं। मैं उसकी हूं... पूरी तरह से उसकी...।

ओह बेबी! हम दोनों एक साथ ही उस चरम आनंद की सीमा तक पहुंचे।

मैं चिपचिपी चादर पर उसकी बांहों में लिपटी हुई हूं पर अब भी मेरा मुंह आगे की ओर है। मैं चाह कर भी उसकी छाती से लिपट नहीं सकती। उसने अचानक मुझे चूम कर कहा।

"एना! तुम्हारे जाने के बाद मैंने जो महसूस किया, ऐसा तो कभी महसूस नहीं हुआ था। मैं कभी नहीं चाहूंगा कि जिंदगी में फिर कभी ऐसे एहसास से जूझना पड़े।"

मैंने उसे फिर से चूमा। क्रिस्टियन ने ही माहौल को हल्का कर दिया।

"क्या तुम आज मेरे साथ पापा की समर पार्टी में चलोगी। मैं उन्हें हामी दे चुका हूं।"

मैंने शरमाते हुए मुस्कान दी।

हां, मैं तुम्हारे साथ चलूंगी। पर मेरे पास पहनने के लिए अच्छे कपड़े नहीं हैं।”

“क्या”

“कुछ नहीं है?”

“नहीं!”

क्रिस्टियन पल भर के लिए बेचैन दिखा।

“चिंता मत करो। तुम्हारे लिए घर में वे कपड़े वैसे ही धरे हैं। उनमें से कुछ पहन सकती हो।”

वैसे अब मैं लड़ने के मूड में नहीं हूं। मैं नहाने जाना चाहती हूं।

मेरे जैसी दिखने वाली लड़की ने मुझे घेरा हुआ है। अरे ये तो मैं ही हूं। बिखरे गंदे बाल, मुरझाया चेहरा। उसने मेरे कपड़े पहने हैं और दमक रही है। मैं उसे किसी गरीब भिखारिन की तरह देख रही हूं।

तुम्हारे पास क्या है, जो मेरे पास नहीं है।

“तुम कौन हो? मैं कोई नहीं हूं”

“मैं भी कोई नहीं हूं... क्या तुम भी कोई नहीं हो?”

“तभी तो हम दोनों एक सी हैं... वे हमें सज़ा देंगे। वह मुस्कुराई और उसकी उस ठंडी मुस्कान को देख मेरे हाथ-पैर जाम हो गए। मैं चिल्लाने लगी...।

“बेबी, तुम ठीक तो हो? कोई बुरा सपना देख रही थीं?”

“ओह”

उसने लैंप जलाया तो हम हल्की-सी रोशनी में नहा गए। उसने मुझे घूरा। चेहरे पर चिंता झलक रही है।

“वह लड़की।” मैं हौले से बोली।

“ये क्या है? कौन-सी लड़की?” उसने मुझे शांत करते हुए पूछा।

“आज शाम जब मैं ऑफिस से निकली तो वहां एक लड़की मिली। वह काफी हद तक दिखने में मेरी जैसी थी... ।”

क्रिस्टियन पूरे मन से मेरी बात सुन रहा था। अचानक ऐसा लगा कि उसका चेहरा राख हो गया हो।

“ये कब की बात है?” वह हौले से बोला और बैठकर मुझे ही ताकने लगा।

“मैं आज शाम काम से लौट रही थी। मैंने दोहराया। क्या तुम जानते हो कि वह कौन थी?”

“हां।” उसने बालों में हाथ फिराया।

“कौन?” मैंने दवाब दिया।

“वह लीला है।”

मैंने थूक निगला। कोई पुरानी सेक्स गुलाम! मुझे याद आया कि क्रिस्टियन ने ग्लाइडिंग पर जाने से पहले उसके बारे में मुझसे बात की थी। उसके चेहरे पर तनाव की रेखाएं दिखने लगीं। कुछ तो बात है।

“वही लड़की जिसने तुम्हारे आई पॉड में ‘टॉक्सिक’ डाला था?”

उसने मुझे बेताबी से देखा।

“हां। क्या उसने कुछ कहा?”

अत: उसने कहा तुम्हारे पास क्या है, जो मेरे पास नहीं है। और जब मैंने उससे पूछा कि तुम कौन हो तो उसने कहा कि मैं कोई नहीं हूं।”

क्रिस्टियन ने ऐसे आंखें बंद कर लीं मानो गहरी पीड़ा से गुज़र रहा हो। क्या हुआ? वह उसके लिए क्या मायने रखती है?

मेरी खोपड़ी चकराने लगी। अगर वह उसके लिए इतने मायने रखती है तो इसका मतलब होगा कि वह उसे अब भी याद करता है। मैं उसके अतीत के बारे में कितना कम जानती हूं। ..उसके संबंधों के बारे में कितना कम जानती हूं। उसने भी अनुबंध पर हस्ताक्षर किए होंगे, वही किया होगा जो वह चाहता होगा और वही दिया होगा, जिसकी उसे हमेशा ज़रूरत रहती है।

अरे नहीं- जबकि मैं नहीं दे सकती। इसी ख़याल से मेरा जी मितलाने लगा।

क्रिस्टियन ने पलंग से उतरते ही अपनी जींस पहनते हुए दूसरे कमरे का रुख किया। मेरी अलार्म घड़ी में सुबह के पांच बज रहे थे। मैं पलंग से उतरी और उसकी सफेद कमीज़ पहन कर पीछे चल दी।

ओह! वह तो फोन पर बात कर रहा है।

“हां। एसआईपी के बाहर। कल... शाम को। उसने चुपचाप कहा और मुड़कर मुझसे पूछा- “उस समय वक्त क्या रहा होगा?”

“करीब पौने छह।” मैं बुदबुदाई।

वह इस समय किसे फोन कर रहा है? लीला ने क्या किया है? वह मुझे पर नज़रें गड़ाए-गड़ाए किसी को सारी जानकारी दे रहा है।

"पता लगाओ... खोजो उसे... हां। मैं ऐसा नहीं कहता पर मुझे पता नहीं था कि वह ऐसा भी कर सकती है। उसने आंखें बंद कर लीं मानो गहरी पीड़ा में हो। समझ नहीं आता कि यह मामला कैसे निपटेगा। हां, मैं उससे बात करूंगा... हां... मुझे पता है। पता लगा कर मुझे ख़बर दो। उसे खोजो, वेल्क! वह मुश्किल में है।" उसने फोन रख दिया।

"क्या चाय लोगे?" मैंने पूछा।

चाय। रे के हिसाब से हर मुश्किल का हल और रसोई में वह इसी चीज़ के माहिर हैं। मैंने केतली में पानी चढ़ा दिया।

"दरअसल मैं सोना चाहूंगा।" उसकी नज़रें कह रही हैं कि बात सिर्फ़ सोने की नहीं है।

"खैर। मैं चाय लेना चाहती हूं। तुम एक कप से साथ देना चाहोगे।" मैं सब जानना चाहती हूं और वह केवल सेक्स के साथ इस बात को दरकिनार नहीं कर सकता।

उसने परेशानी के साथ बालों में हाथ फिराए, "हां प्लीज़...!"

पर उसकी शक्ल बता रही है कि वह खीझ गया है।

मैंने खुद को चाय के कप और बर्तन धोने के काम में व्यस्त कर लिया। कौतूहल बढ़ता जा रहा है। क्या वह मुझे अपनी मुश्किल के बारे में बताएगा या मुझे ही खोजबीन करनी होगी?

मैंने देखा कि उसकी आंखें मुझ पर ही थीं।

मैंने प्यार से पूछ ही लिया- "क्या चल रहा है?"

उसने गर्दन हिलाई।

"तुम बताने नहीं जा रहे?"

उसने आंखें बंद कर कहा- "नहीं।"

"क्यों?"

"क्योंकि मैं नहीं चाहता कि तुम इस बात से परेशान हो। मैं नहीं चाहता कि तुम इस उलझन में पड़ो।"

"मुझे इससे चिंता नहीं होनी चाहिए पर हो रही है। उसने मुझे ऑफिस के बाहर घेरा। उसे मेरा पता कैसे चला? शायद मुझे यह सब जानने का अधिकार तो होना चाहिए।"

उसने बालों में हाथ फिराए जैसे मन ही मन किसी फ़ैसले से जूझ रहा हो।

"प्लीज़!" मैं कोमलता से कहा।

उसके चेहरे पर कड़ी रेखाएं खिंच गईं और उसने मुझे देखकर आंखें नचाईं।

"अच्छा। उसने हथियार डाल दिए। मैं नहीं जानता कि उसने तुम्हारा पता कहां से लगाया? हो सकता है कि हमारे पोर्टलैंड वाले फोटो से कुछ सुराग मिला हो। मैं नहीं जानता।" उसने आह भरी।

मैं बड़े ही धीरज से आगे की बात जानने का इंतज़ार कर रही थी और साथ ही केतली में चाय का पानी खदबदा रहा था।

"जब मैं तुम्हारे साथ जार्जिया में था तो लीला अचानक ही बिना बताए मेरे घर में घुस गई और गैल के सामने तमाशा कर दिया।"

"गैल?"

"मिसेज जोंस"

"तुम कहना क्या चाहते हो, तमाशा कर दिया?"

उसने मुझे ताका।

"बताओ! क्या छिपा रहे हो?" मेरी आवाज़ का डर छिप नहीं पा रहा था।

उसने मुझे देखकर हैरानी से पलकें झपकाईं-"एना मैं..."

"बोलो न"

"उसने अपनी कलाई की नस काटने की कोशिश की।"

"अरे नहीं। तभी उसकी कलाई पर पट्टी बंधी थी।"

"गैल उसे अस्पाल ले गई पर लीला ने मेरे वहां से पहुंचने से पहले ही छुट्टी ले ली और गायब हो गई।"

"ओह! इसका क्या मतलब है? आत्महत्या? पर क्यों?"

"उसकी देखरेख करने वाले का कहना है कि यह सही मायनों में खुदकुशी नहीं बल्कि मेरा ध्यान अपनी ओर खींचने का एक तरीका था। पर मुझे यकीन नहीं आया और मैं तभी से उसे तलाश रहा हूं ताकि उसकी मदद कर सकूं।"

"क्या उसने मिसेज जोंस से कुछ कहा?"

"नहीं, कुछ खास नहीं।" वह धीरे से बोला पर मैं समझ गई कि वह मुझे हर बात नहीं बता रहा।

मैंने चाय के प्याले भरे। तो लीला क्रिस्टियन की जिंदगी में वापिस आना चाहती है और उसने उसका ध्यान बंटाने के लिए आत्महत्या का सहारा लिया। क्रिस्टियन उसके लिए जार्जिया से भागा आया पर वह उससे पहले ही गायब हो गई। कितनी अजीब बात है?

"तुम उसका पता नहीं लगा सकते? उसका परिवार कहां है?"

"वे नहीं जानते कि वह कहां है। उसका पति तक नहीं जानता।"

"पति?"

"हां, वह दो साल से शादीशुदा जिंदगी जी रही थी।"

"क्या? वह शादी के बाद भी तुम्हारे साथ थी?"

हाय! इसकी तो हद है।

"ओह! हे जीसस! नहीं, वह तो मेरे साथ तीन साल पहले थी। फिर मुझसे अलग होने के बाद उसने शादी कर ली।"

"तो अब वह तुमसे क्या चाहती है?"

उसने उदासी से गर्दन हिलाई। "पता नहीं। बस यही पता लगा कि वह चार महीने पहले अपने पति से भी अलग हो गई।"

"सीधी बात पर आओ। वह तीन साल से तुम्हारी सेक्स गुलाम नहीं है।"

"करीब ढाई साल से।"

"और वह तुमसे कुछ और, कुछ ज्यादा चाहती थी?"

"हां"

"पर तुमने नहीं दिया?"

"तुम ये जानती हो।"

"इसलिए उसने तुम्हें छोड़ दिया।"

"हां"

"तो अब वह क्या करने आई है?"

"यही तो पता नहीं।" पर उसकी आवाज़ से लग रहा है कि वह कुछ तो जानता ही है।

"पर तुम्हें शक है..."

"हां, मुझे शक है कि इसका तुमसे कुछ लेन-देन है।"

मैं? वह मुझसे क्या चाहती है? तुम्हारे पास ऐसा क्या है, जो मेरे पास नहीं है?

मैंने अपने फिफ्टी को ताका जो अपने शरीर के ऊपरी हिस्से में कुछ नहीं पहने हुए था। मेरे पास वह है। वह मेरा है। मेरे पास यही है और वह मेरे जैसी भी दिखती है- वैसे ही बाल और वही चेहरा-मोहरा। हां... मेरे पास ऐसा क्या है, जो उसके पास नहीं है?

"तुमने मुझे कल क्यों नहीं बताया?" उसने कोमलता से पूछा।

"मैं इस बारे में भूल गई थी। तुम्हें तो पता ही है। काम के बाद बार चली गई और फिर वहां तुम आ गए... जैक से तुम्हारी होड़ और फिर हम यहां आ गए। बात दिमाग से निकल गई। तुम अक्सर मुझे बातें भुला देते हो।"

"अच्छा जी, मुझे देखकर सब भूल गईं और वह जैक से होड़?"

"जी हां।"

"मैं तुम्हें अभी दिखाता हूं कि सब भूलना किसे कहते हैं।"

ओह! उसकी आंखें वासना से जलने लगी हैं। वह मुझे उन नज़रों से देख रहा है, जो चीख-चीख कर कह रही हैं- मैं तुम्हें चाहता हूं, अभी और यहीं...।

उसे भूल जाओ। आओ मेरे साथ। उसने अपना हाथ आगे कर दिया।

मेरे भीतर बैठी लड़की ने जिम के फ़र्श पर तीन गुलाटियां मारीं... बेशक यहां जीत मेरी होती है।

मैं उठी तो खुद को निर्वस्त्र क्रिस्टियन की बांहों में आराम से लिपटा पाया। गहरी नींद के बावजूद उसने मुझे कस कर थामा हुआ है और पर्दे से छन कर हल्की रोशनी अन्दर आ रही है। मेरा सिर उसकी छाती पर है, टांगें आपस में गुंथी हैं और बांहें पेट पर टिकी हैं।

मैंने हौले से सिर उठाया, कहीं उसकी नींद ही न खुल जाए। वह अपनी नींद में कितना जवान और सुकून से भरा दिख रहा है। वह मेरा है।

हम्म......मैंने धीरे से अंगुलियों की मदद से उसकी छाती के बाल सहलाए और वह नहीं हिला। मैं यकीन नहीं कर सकती। वह सचमुच मेरा है- इन बेशकीमती पलों में वह मेरा है। मैं झुकी और प्यार से उसकी छाती पर दिख रहे एक दाग को चूम लिया। वह हौले से कराहा पर उठा नहीं और मैं मुस्कुराई। मैंने एक और बार चूमा पर इस बार उसकी आंख खुल गई।

"हाय!" मैं थोड़ी शर्मिंदगी के साथ मुस्कुराई।

"हाय!" उसने जवाब दिया। तुम कर क्या रही हो?

"तुम्हें देख रही हूं।" उसने मेरा हाथ थामा और आंखें सिकोड़ीं। फिर चेहरे पर सुकून से भरी मुस्कान आ गई। मैंने भी चैन की सांस ली। मेरा उसे छूने का राज़ खुलने से बच गया।

“ओह…तुम मुझे अपने-आप को छूने क्यों नहीं देते?”

अचानक ही उसने करवट बदली और मेरे ऊपर आ गया। वह मेरे हाथों को अपने नीचे दबा कर चेतावनी सी दे रहा था। फिर अपनी नाक से मेरी नाक सहलाई।

“मिस स्टील! तुम किसी काम की नहीं हो।” उसने इल्ज़ाम लगाया और साथ ही मुस्कुराता भी रहा।

“मुझे अच्छा लगता था कि जब तुम आसपास हो तो मैं यूं ही नाकारा हो जाऊं।”

“ऐसा है?” उसने पूछा और होठों पर हल्का सा चुंबन जड़ दिया। सेक्स या नाश्ता?”

उसकी आंखों में मज़ाक हिलोरें ले रहा है। उसके शरीर के उस हिस्से की चुभन महसूस की जा सकती है। मैंने भी शरीर के निचले हिस्से को ऊपर उठाते हुए अपना स्पर्श दिया।

“ओह, चुनाव तो अच्छा है।” वह हौले से बोला और मेरी छाती तक चुंबन बरसाता चला गया।

मैं अपनी अलमारी के पास खड़ी, शीशे में देख रही हूं ताकि बालों को किसी तरह सलीके से संवारा जा सके। सच्ची, ये ज्यादा ही लंबे हैं। मैंने एक जींस और टी-शर्ट पहने हैं और क्रिस्टियन भी नहा-धो कर कपड़े पहन रहा है। मैंने उसके शरीर को प्यासी नज़रों से देखा।

“तुम अक्सर कितनी देर तक कसरत करते हो?” मैंने पूछा

“हर रोज़।” उसने पैंट के बटन बंद करते हुए कहा

“तुम करते क्या हो?”

“दौड़, भार उठाना, किक बॉक्सिंग।” उसने कंधे झटके।

“किक बॉक्सिंग?”

“हां, मेरे पास एक निजी ट्रेनर है, एक भूतपूर्व ओलंपिक प्रतियोगी, वही मुझे सिखाता है। उसका नाम क्लॉड है। वह बहुत अच्छा है। तुम्हें पसंद आएगा।”

वह सफेद शर्ट के बटन बंद करने लगा तो मैं उसे देखने के लिए मुड़ी।

“तुम कहना क्या चाहते हो कि वह मुझे पसंद आएगा?”

“तुम उसे एक ट्रेनर के तौर पर पसंद करोगी।”

“मुझे एक निजी ट्रेनर की ज़रूरत क्यों पड़ने लगी? मुझे फिट रखने के लिए तुम जो हो।”

उसने अचानक ही मुझे बांहों के घेरे में ले कर अपनी गहरी वासना से भरी आंखों से घूरा।

“पर बेबी! मेरे दिमाग में तुम्हारे लिए जो है, उसके लिए तुम्हारा पूरी तरह से फिट होना ज़रूरी है।”

मैं प्लेरूम की उन यादों को सोचकर खिसिया गई। हां... उस कमरे में जा कर मुझे कितनी थकान हो जाती है। क्या वह मुझे फिर से वहां ले जाना चाहता है? क्या मैं फिर से वहां जाना चाहती हूं?

बेशक तुम जाना चाहती हो। मेरे भीतर बैठी लड़की चिल्लाई।

मैंने उसकी सम्मोहक जादुई आंखों में निहारा।

तुम जानती हो कि तुम क्या चाहती हो?

मैंने होंठ भींचे और अचानक ही मेरी आंखों के आगे लीला का चेहरा नाच उठा। मन कसैला सा हो आया।

क्रिस्टियन ने लगाव से पूछा- "क्या हुआ?"

"कुछ नहीं मैं ठीक हूं। मैं क्लॉड से मिल लूंगी।"

"तुम मिलोगी।" क्रिस्टियन के चेहरे की हैरानी और खुशी देखने लायक थी। उसे देखकर मेरे चेहरे पर मुस्कान खेल गई। ऐसा लगा कि उसकी लॉटरी निकल आई हो हालांकि उस जैसे बंदे को तो कभी लॉटरी का टिकट तक खरीदने की ज़रूरत महसूस नहीं हुई होगी।

"हां। अगर तुम्हें इससे ख़ुशी मिलती है तो?"

उसने बांहों का घेरा और भी कस कर मुझे चूम लिया और बोला।

"आज क्या करना चाहोगी?"

"मुझे बाल कटवाने हैं... चेक भुना कर अपने लिए कार लेनी है।

"ओह!" उसने झट से अपनी जींस की जेब से मेरी ऑडी की चाबी निकाल ली।

"ये लो।" उसके चेहरे पर अनिश्चित से भाव थे।

"तुम कहना क्या चाहते हो। कार यहां है? ओह!" मैंने गुस्सा दिखाया। मैं गुस्से में हूं। उसने हिम्मत कैसे की?

"टेलर कल इसे वापिस ले आया था।"

मैंने मुंह खोला और फिर से यह प्रक्रिया दोहराई। मुंह से शब्द ही नहीं निकले । वह मेरी कार वापिस दे रहा है। हो गया कचरा! यह बात मेरे दिमाग में पहले क्यों नहीं आई? मैंने जींस की जेब से उसके चेक वाला लिफाफ़ा निकाल लिया।

"ये तुम्हारे हैं।"

क्रिस्टियन ने मुझे हैरानी से देखा फिर लिफाफ़ा पहचान कर दोनों हाथ उठा कर पीछे हट गया।

"अरे नहीं। ये तो तुम्हारे पैसे हैं।"

"नहीं। ये नहीं हैं। मैं तुमसे कार खरीदना चाहूंगी।"

उसके चेहरे के भाव एकदम बदल गए। चेहरे पर एकदम गुस्सा छलक उठा।

"नहीं, एनेस्टेसिया कार और पैसे दोनों तुम्हारे हैं।"

"वह तो तुम्हारी ग्रेजुएशन का उपहार थी।"

"अगर उपहार में एक पेन दिया होता तो वह जायज़ माना जाता। तुमने मुझे उपहार में ऑडी दी।"

"अब तुम इस बारे में भी बहस करना चाहती हो?"

"नहीं।"

"ठीक है, ये लो चाबियां।" उसने उन्हें दराज पर रख दिया।

"एनेस्टेसिया बहस ख़त्म। मेरा दिमाग मत खाओ।"

मैंने उसे देखकर मुंह बनाया और अचानक ही एक आइडिया आ गया। मैंने लिफाफ़ा लिया और उसके दो-तीन टुकड़े कर कूड़ेदान में डाल दिए। ओह! कितना बेहतर महसूस हो रहा है।

क्रिस्टियन ने चुपचाप देखा लेकिन मैं समझ सकती हूं कि मैंने आग में घी डाल दिया है और अब तन कर खड़े रहना होगा। वह खड़ा चिबुक सहलाता रहा।

"मिस स्टील तुम हमेशा की तरह अड़ियल और किसी चुनौती से कम नहीं हो।" वह सीधा दूसरे कमरे में चल दिया। मैंने ऐसी प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं की थी। मुझे तो जंग होने के पूरे आसार लग रहे थे। मैंने खुद को शीशे में देखकर कंधे झटके और यही तय किया बालों की पोनीटेल बांध ली जाए।

मेरा कौतूहल बढ़ रहा है। फिफ्टी कर क्या रहा है? मैं कमरे में उसके पीछे गई तो वह फ़ोन पर व्यस्त दिखा।

"हां। चौबीस हजार डॉलर। बिल्कुल!"

उसने मुझे बेलाग नज़रों से ताका।

"अच्छा... सोमवार... बढ़िया... नहीं, हो गया आंद्रिया।"

उसने झट से फोन बंद कर दिया।

"सोमवार को तुम्हारे बैंक खाते में जमा हो जाएंगे। मेरे साथ खेल मत खेलो।" वह बुरी तरह से उबल रहा है पर मुझे परवाह नहीं है।

चौबीस हजार डॉलर। मैं लगभग चिल्लाई- “तुम्हें मेरे खाते का नंबर कैसे पता चला?”

“एनेस्टेसिया! मैं तुम्हारे बारे में सब कुछ जानता हूं।” उसने चुपके से कहा।

“मेरी कार किसी भी हाल में इतनी महंगी नहीं बिकी होगी।”

“मैं भी मान लेता पर तुम्हें पता होना चाहिए कि किसी पागल ने मौत के उस जाल के लिए इतना पैसा दिया क्योंकि वह क्लासिक चीज़ थी। अगर यकीन न हो तो टेलर से पूछ लेना।”

मैंने उसे घूरा। दो जिद्दी और गुस्सैल एक-दूसरे को घूर रहे हैं।

और मैं इसे महसूस कर सकती हूं... हमारे बीच का वह खिंचाव... अचानक ही वह मुझे बुरी तरह से अपनी जकड़ में ले कर चूमने लगा। मेरी अंगुलियां उसके बालों में हैं और मैं उसे लगातार अपनी ओर खींच रही हूं। उसने अपने पूरे शरीर का भार मुझ पर डाल दिया है मानो मुझे अपने भीतर बसा लेना चाहता हो। मैं से महसूस कर सकती हूं। मैं महसूस कर सकती हूं कि वह मेरे लिए कितना उत्तेजित हो रहा है। मैं उसे उत्तेजित करने की ताकत रखती हूं।

“तुम... तुम हमेशा मुझे नीचा क्यों दिखाती हो?” वह गर्मागर्म चुंबनों के बीच बोला।

मेरी नसों में खून उबलने लगा। क्या वह हमेशा मुझे इसी तरह बस में करता रहेगा। और क्या मैं भी... ?

“क्योंकि मैं ऐसा कर सकती हूं।” मैं बेदम हो गई हूं। उसने मुस्कुरा कर मेरे माथे के साथ अपना माथा जोड़ दिया।

“हे भगवान! मैं तुम्हारे साथ अभी संबंध बनाना चाहता हूं कंडोम खत्म हो गए हैं। पता नहीं तुमसे मेरा मन कभी भरेगा भी या नहीं? तुम एक दीवानी लड़की हो।”

“और तुम दीवाना बनाते हो। हर तरह से...”

उसने गर्दन हिलाई। “चलो नाश्ते के लिए चलें। मुझे एक जगह पता है जहां तुम अपने बाल भी कटवा सकती हो।”

“अच्छा।” मैं उठी और हमारी लड़ाई वहीं खत्म हो गई।

“मैं इसे भरूंगी”। मैंने झट से नाश्ते का बिल उठा लिया।

क्रिस्टियन ने मुंह बनाया।

“मि. ग्रे! यहां आपको फुर्ती दिखानी चाहिए थी।”

“हां, वह तो तुमने ठीक कहा।”

"वैसे तुम्हें पता होना चाहिए कि आज मेरे पास कल के मुकाबले कितना ज्यादा पैसा है। मैं अमीर हो गई हूं।"

मैंने बिल पर नज़र डाली- नाश्ते के लिए बाईस डॉलर और सिक्सटी सेवन सेंट्स।

"धन्यवाद।" उसने खीझ के साथ कहा। चिड़चिड़ा स्कूली छोकरा लौट आया है।

"अब कहां चलें?"

तुम सचमुच बाल कटाना चाहती हो?"

"हां। देखो तो सही इन्हें।"

"तुम तो मुझे हर हाल में प्यारी लगती हो।"

मैं शरमा कर अपनी गोद में गुंथी अंगुलियों को देखने लगी। "आज तो तुम्हारे पिता का वह समारोह भी है।"

"याद रखना, ये आलीशान होगा।"

"कहां है?"

"मेरे माता-पिता के घर में। वहां वे भारी शमियाना लगवा रहे हैं।"

"यह चैरिटी या दानराशि किनके लिए है?"

क्रिस्टियन ने बेचैनी से जांघों पर हाथ रगड़े।

"यह छोटे बच्चों वाले मां-बाप के लिए ड्रग रीहैब कार्यक्रम है। इसका नाम है 'कोपिंग टुगेदर'।"

"लगता है कि कोई भला काज है।"

"आओ। चलें।" उसने बात को वहीं रोक मेरा हाथ थाम लिया। मैंने हाथ आगे किया तो उसने कस कर अंगुली थाम ली।

कितनी अजीब बात है। कई बार कितनी तानाशाही दिखाता है और कई बार कितने अपनेपन का एहसास दिलाता है। वह मुझे रेस्तरां के बाहर ले गया और हम सड़क पर चलने लगे। बहुत प्यारी और हसीन सुबह है। सूरज चमक रहा है और हर तरफ से कॉफ़ी व ताजी बेक की गई ब्रेड की गंध आ रही है।

"हम कहां जा रहे हैं?"

"सरप्राइज़।"

"ओह ठीक। पर सच कहूं तो मुझे सरप्राइज़ इतने पसंद नहीं आते।"

हम दो ब्लॉक और आगे गए तो अनेक स्टोर दिखायी दिए। हमें अभी तक इस इलाके में अच्छी तरह घूमने का मौका ही कहां मिला था। केट बड़ी खुश होगी। उसके फैशन की दीवानेपन को पूरा करने के लिए यहां कई स्टोर हैं। दरअसल मुझे भी ऑफिस में पहनने के लिए एक-दो स्कर्ट लेने हैं।

क्रिस्टियन एक बड़े से ब्यूटी सैलून के बाहर रुका और मेरे लिए दरवाजा खोला। इसका नाम एस्कलावा था। सारा इंटीरियर सफेद है और इसकी बनावट में चमड़े का प्रयोग किया गया है। सफेद रंग के रिसेप्शन मेज पर लाल बालों वाली युवती सफेद वर्दी में बैठी है। हमारे अन्दर आते ही उसने झांका।

गुडमोर्निंग मि. ग्रे। उसके गालों के गुलाब खिल गए और उसने पलकें झपकाईं। क्या ये ग्रे का असर है? पर वह उसे जानती है पर... कैसे?

"हैलो ग्रेटा!"

और वह भी उसे जानता है। यह क्या हो रहा है?

"सर! क्या ये आम विजिट है?" गुलाबी लिपस्टिक वाली ग्रेटा ने पूछा।

"नहीं।" उसने झट से कहा और घबरा कर मुझे देखा।

"आम विजिट?" मुझे कुछ समझ नहीं आया।

ओह! यह तो नियम नंबर छह वाला ब्यूटी सैलून है। वही वैक्सिंग-शैक्सिंग वाली बकवास! ....शिट! वह अपनी सारी गुलामों को यहीं लाता है। शायद लीला को भी लाया होगा। मैं यहां क्या भाड़ झोंक रही हूं?

"मिस स्टील बताएंगीं कि वे क्या चाहती हैं?"

मैंने उसे घूरा। वह चोरी से सारे नियम लागू कर रहा है। मैंने पहले निजी ट्रेनर की हामी दे दी और अब यह?

"हम यहां क्यों आए हैं।" मैंने गुस्से से कहा।

"मैं इस और इसके जैसी तीन और जगहों का मालिक हूं।"

"तुम इसके मालिक हो।" मैंने हैरानी से पूछा। ओह, मैंने यह सुनने की उम्मीद नहीं की थी।

"हां! साइड बिज़नेस कह सकते हैं। तुम जो जी में आए करवा सकती हो। किसी भीतर की मालिश; स्वीडिश, शिआत्सू, गर्म पत्थर, रिफ्लैक्सोलॉजी, सीवीड बाथ, कई तरह के फेशियल और वही सब जो औरतें पसंद करती हैं- सब कुछ। यहां सब कुछ होता है।" उसने अपनी लंबी अंगुलियां लहराईं।

"वैक्सिंग?"

वह हंसा- "हां वैक्सिंग भी, सब कुछ।" वह हौले से बोला और मेरी बेचैनी का मज़ा लेने लगा।

मैंने शरमा कर ग्रेटा को देखा जो मुझे उम्मीद भरी निगाहों से ताक रही थी।

"मैं बाल कटवाना चाहूंगी। प्लीज़!"

"क्यों नहीं मिस स्टील!"

ग्रेटा ने बड़ी तत्परता से कंप्यूटर का स्क्रीन देखा।

"फ्रेंकों पांच मिनट में आ रहा है।"

"फ्रेंकों ठीक रहेगा।" क्रिस्टियन ने मुझे दिलासा दिया। मैं इस जानकारी को हजम करने की कोशिश में हूं। क्रिस्टियन ग्रे, सीईओ; ब्यूटी सैलून शृंखला चलाता है।।

मैंने उसे देखा और पता नहीं क्यों अचानक ही उसका रंग पीला पड़ गया। मैंने देखा कि दरवाजे के पास एक अधेड़ सुनहरे बालों वाली युवती प्रकट हुई और वहां आकर एक हेयर स्टाइलिस्ट से बात करने लगी।

वह लंबी, पतली लेकिन बहुत प्यारी है। मुश्किल से चालीस के करीब होगी-कह नहीं सकते। उसने भी ग्रेटा जैसे कपड़े पहने हैं पर उसकी वर्दी काली है। वह ज़बरदस्त दिख रही है। उसके बाल चमक रहे हैं। जैसे ही वह मुड़ी तो क्रिस्टियन को देखकर मुस्कुराई, प्यार और अपनेपन से भरी मुस्कान।

"मैं अभी आया।" क्रिस्टियन बाहर निकल गया।

वह जल्दी से कदम रखता हुआ उसी ओर चल दिया और वहां के स्टाफ और हेयर स्टाइलिस्ट को पार करते हुए सीधा उसके पास पहुंच गया। वे मुझसे इतनी दूरी पर थे कि मैं बातचीत नहीं सुन सकती थी। उस महिला ने बड़े ही प्यार से स्वागत किया, उसके दोनों गाल चूमे और बांहों के ऊपरी हिस्से पर हाथ टिका दिए और वे आपस में घुल-मिलकर बातें करने लगे।

"मिस स्टील?"

ग्रेटा ने मेरा ध्यान अपनी ओर खींचना चाहा।

"एक मिनट प्लीज़।" मैं मंत्रमुग्ध भाव से क्रिस्टियन को ताक रही हूं।

उस महिला ने मेरी ओर देखा और वैसी ही प्यार और अपनेपन से भरी मुस्कान दी मानो मुझे जानती हो। मैंने भी उसी विनम्रता से मुस्कान लौटा दी।

क्रिस्टियन किसी बात से उखड़ा हुआ लगा। वह उससे बहस रहा है और वह उस पर बाहें उठा कर कुछ कह रही है। बेशक... दोनों के बीच गहरी जान-पहचान दिखती है। हो सकता है कि वे लंबे अरसे से एक साथ काम करते आए हों। शायद वह इस जगह को चलाती हो, दिखने में तो मालकिन ही लगती है।

तभी अचानक ही दिमाग में एक ख़याल कौंध गया और मैं अन्दर ही अन्दर जान गई कि वह महिला कौन है। मैं उसे जानती हूं। यह तो वही है..... ज़बरदस्त खूबसूरत और अधेड़ महिला।

मिसेज रॉबिन्सन!

अध्याय 5

"ग्रेटा! मि. ग्रे किससे बात कर रहे हैं?" मेरा दिल कह रहा है कि वहां से भाग निकलूं। भीतर बैठी सयानी लड़की भी चीख-चीख कर यही कह रही है पर मैंने उसे अनसुना कर वहीं रुकना तय किया।

"ओह! वे तो मिसेज लिंकन हैं। मि. ग्रे के साथ इस जगह की मालकिन हैं।" ग्रेटा को यह बता कर बड़ी ख़ुशी मिली।

"मिसेज लिंकन?" मैंने तो सोचा था कि औरत ने तलाक ले लिया था पर हो सकता है कि किसी बेचारे को फंसा कर दोबारा शादी कर ली हो।

"हां, वे अक्सर नहीं आतीं पर आज एक टेक्नीशियन की तबीयत ख़राब है तो उसकी जगह काम संभालने आई हैं।"

"क्या तुम इनका पहला नाम जानती हो?"

ग्रेटा ने भवें सिकोड़ कर मुझे देखा और अपने गुलाबी होंठ भींच लिए। ओह! लगता है कि मैंने ज्यादा ही पूछ लिया। "एलीना।" उसने बेमन से बताया। मेरी रीढ़ की हड्डी में अचानक ही सुकून की लहर दौड़ गई। मेरा अंदाजा गलत नहीं था।

वे अब भी गहरी बातचीत में मग्न हैं। क्रिस्टियन लगातार बोल रहा है और वह मुंह बना-बना कर हाथ नचाते हुए अपने भाव-भंगिमा प्रकट कर रही हैं। उसने अचानक क्रिस्टियन की बांह थामकर दिलासा सा दिया और अपना होंठ काट लिया। एक बार हामी भरी और मुझे देखकर मुस्कुराई।

मैं केवल उसके चेहरे को घूर सकती हूं। लगता है मुझे भारी धक्का लगा है। क्रिस्टियन ने मुझे यहां लाने की हिम्मत कैसे की?

वह उसे देखकर कुछ बुदबुदाई। वह मेरी ओर मुड़ा और फिर उससे कोई बात करने लगा। उसने सहमति में गर्दन हिलाई और शायद लगा कि उसे शुभकामनाएं दे रही है पर अभी इतनी दूर से किसी के हिलते होंठ देखकर उसकी बात समझने की कला में मैं इतनी माहिर नहीं हूं।

फिफ्टी शेड्स मेरे पास लौटा तो चेहरे पर उद्वेग दिखाई दिया। बिल्कुल ठीक। मिसेज रॉबिन्सन दरवाजा बंद कर पिछले कमरे में चली गई।

क्रिस्टियन ने त्योरी चढ़ाई- "तुम ठीक हो?" उसने बड़े ही सतर्क और चौकन्ने स्वर में पूछा।

"नहीं। तुमने मुझे उससे मिलवाया नहीं?" मैंने ठंडे स्वर में पूछा।

उसका मुंह खुला का खुला रह गया मानो मैंने उसके पैरों तले से ज़मीन खिसका दी हो।

"पर मैंने सोचा..."

"...मैं जाना चाहूंगी। प्लीज़..."

"क्यों?"

"तुम जानते हो क्यों?" मैंने आंखें नचाईं।

उसने मुझे घूरा। उसकी आंखें गुस्से से जल रही हैं।

"सॉरी एना! मुझे पता नहीं था कि वह यहां आ जाएगी। वह यहां नहीं आती। उसने ब्रार्वन सेंटर में एक नई शाखा खोली है और अक्सर वहीं होती है। आज कोई बीमार था इसलिए..."

मैं सीधा दरवाजे की ओर चल दी।

"ग्रेटा! हमें फ्रेंकों की ज़रूरत नहीं है।" हम बाहर की ओर निकले तो क्रिस्टियन ने कहा। मुझे भागने की इच्छा को दबाना पड़ा। मैं तेज़ी से भाग जाना चाहती थी। रोने की बड़ी इच्छा हो रही थी। मैं इन सब बातों के जंजाल से कहीं परे चली जाना चाहती थी।

क्रिस्टियन एक भी शब्द कहे बिना मेरे पीछे आता रहा। मैं बांहों से खुद को घेरे हुए चलती रही। उसने मुझे हाथ भी नहीं लगाया। मेरे दिमाग में ऐसे कई सवाल चक्कर काट रहे हैं, जिनके जवाब मेरे पास नहीं हैं। क्या मि. ग्रे जवाब देना चाहेंगे?

"तुम यहां अपनी सेक्स गुलामों को लाते थे?" मैंने पूछा।

"हां उनमें से कुछ को लाया था।" उसने हौले से कहा।

"लीला?"

"हां"

"ये जगह तो नई दिखती है।"

"कुछ समय पहले ही काम हुआ है।"

"अच्छा। तो मिसेज रॉबिन्सन तुम्हारी सारी गुलामों से मिलती थी?"

"हां"

"क्या वे उसके बारे में जानती थीं?"

"नहीं, बस तुम जानती हो।"

"पर मैं तो तुम्हारी बांदी नहीं हूं।"

"नहीं, बेशक तुम नहीं हो।"

मैं रुकी और उसकी तरफ मुंह करके खड़ी हो गई। उसकी आंखें डर से फैल गई हैं। उसके होंठ बुरी तरह से भिंचे हुए हैं।

"क्या तुम्हें ये सब करना अच्छा लगा?" मैंने सख्ती से पूछा।

"मुझे माफ़ कर दो।"

"मैं बाल कटवाना चाहूंगी, कोई ऐसी जगह जहां तुमने स्टाफ या मालिक के साथ शारीरिक संबंध न बनाए हो।"

वह सिकुड़ सा गया।

"अब मुझे माफ़ कर दो।"

"क्या तुम भाग रही हो? कहीं ये सच तो नहीं?"

"नहीं! मैं अपने बाल कटवाना चाहती हूं। कहीं जहां मैं आंखें बंद कर अपना सिर धुलवाऊं। बाल कटवाऊं और कुछ देर के लिए यह सारी बकवास भूल सकूं।"

उसने बालों में हाथ फिराए। "मैं फ्रेंकों को तुम्हारे या मेरे अपार्टमेंट में बुलवा सकता हूं।" वह झट से बोला।

"वह तो बड़ी आकर्षक है।"

"हां, सो तो है।" उसने पलकें झपकाईं

"क्या वह शादीशुदा है?"

"नहीं, पांच साल पहले तलाक हो गया।"

"तुम उसके साथ क्यों नहीं हो?"

"क्योंकि हमारे बीच सब ख़त्म हो गया है। मैं पहले भी बता चुका हूं।" उसकी भवें सिकुड़ गईं। उसने जेब से फ़ोन निकाला। शायद वाइब्रेशन पर होगा, तभी मैं सुन नहीं सकी।

"वेल्क..... हम दूसरे एवेन्यू पर खड़े हैं..."

लोग हमारे पास से निकल रहे हैं। वे अपने ही जीवन की उलझनों में खोए हैं। मैं सोच रही थी कि क्या किसी के जीवन में भी यह सब होता होगा, जो इस समय मेरे साथ हो रहा था।

"एक कार दुर्घटना में मारा गया, कब?" क्रिस्टियन की आवाज़ से मेरा ध्यान टूटा।

अरे नहीं, कौन? मैंने और कान लगाया।

"तभी वह कमीना आगे नहीं आया। क्या उसके मन उसके लिए कोई एहसास नहीं हैं?" क्रिस्टियन ने बड़े दुख से गर्दन हिलाई। अच्छा अब बात समझ आ रही है....।

क्रिस्टियन ने अपने आसपास नज़रें घुमाईं और मैं भी उसके साथ यहां-वहां देखने लगी। कुछ भी तो नहीं दिखा: आते-जाते लोग, पेड़ और गाड़ियां।

वह यहीं कहीं है.... वह लगातार हमें देख रही है..... हां... नहीं... चौबीस घंटे... मुझे तो समझ नहीं आ रहा... क्रिस्टियन ने मेरी ओर देखा।

"क्या.... अच्छा... कब? हाल ही में......कैसे? कोई ई-मेल, नाम-पता या फोटो....आपस में संपर्क रखो। टेलर से बात करो।" क्रिस्टियन ने फोन रख दिया।

"वेल्क था"

"वह कौन है?"

"मेरा सुरक्षा सलाहकार।"

"अच्छा! तो क्या हुआ?"

"लीला अपने पति को छोड़कर तीन महीने पहले एक लड़के के साथ भाग आई थी जो पिछले महीने किसी कार से कुचल कर मारा गया।"

"ओह"

"गधे अभी तक यही पता लगा सके हैं।" उसने दुख से कहा और मेरा हाथ पकड़कर बोला-चलो।"

"रुको! हम तो मिसेज रॉबिन्सन और तुम्हारे बारे में बात नहीं कर रहे थे?"

क्रिस्टियन का चेहरा कड़ा हो गया- "वह मेरी मिसेज रॉबिन्सन नहीं है। हम मेरे घर जा कर इस बारे में बात कर सकते हैं।"

"मैं वहां नहीं जाना चाहती। मुझे बाल कटवाने हैं।" मैं चिल्लाई। काश! मैं किसी एक बात पर अपना ध्यान लगा पाती....।

उसने जेब से फोन निकाल कर एक नंबर मिलाया। "ग्रेटा! क्रिस्टियन ग्रे बोल रहा हूं। मैं चाहूंगा कि फ्रेंकों एक घंटे में मेरे घर आ जाए। मिसेज लिंकन से पूछ लो... ठीक है। बढ़िया।" उसने फोन रख कर कहा-वह एक बजे तक आएगा।"

"क्रिस्टियन!"

“एनस्टेशिया! लीला किसी दिमागी बीमारी को झेल रही है। पता नहीं, हम दोनों में से कौन, किसके पीछे है और ये भी नहीं पता कि वह किस हद तक जा सकती है। हम तुम्हारे यहां चल कर सामान लेंगे और उसका पता चलने तक तुम मेरे यहां रह सकती हो।”

“मैं ऐसा क्यों करूंगी?”

ताकि मैं तुम्हें सही-सलामत रख सकूं।”

“पर”

उसने मुझे घूरा- “तुम्हें मेरे अपार्टमेंट चलना होगा चाहे मुझे तुम्हें बालों से घसीट कर ही क्यों न ले जाना पड़े।”

मैंने उसे हैरानी से देखा... ये तो फिफ्टी शेड्स की भी हद है। वह आज टेक्नीकलर फिफ्टी शेड्स हो गया है।

“मुझे लगता है कि तुम ज्यादा ही प्रतिक्रिया दे रहे हो।”

“नहीं, मैं ऐसा नहीं कर रहा। हम मेरे यहां चल कर अपनी बातचीत जारी रख सकते हैं।”

मैं अपनी बाजुएं मोड़ कर खड़ी हो गई और उसे घूरने लगी। ये तो हद ही हो गई है।

“नहीं। मैंने अड़ियलपन से कहा। मुझे अपनी बात का मान रखना होगा।

“तुम चल सकती हो या तुम्हें उठा लूं। एनस्टेशिया! मुझे ऐसा करने में भी कोई परेशानी नहीं होगी।”

“तुम ऐसी हिम्मत मत करना।” मैंने उसे देखकर मुंह बनाया। बेशक वह इस सड़क पर तमाशा नहीं करना चाहेगा।

वह हौले से मुस्कुराया पर उसकी मुस्कान आंखों के छोरों तक नहीं पहुंची।

“ओह बेबी! तुम्हारे लिए कुछ भी...”

उसने एक ही झटके में मुझे अपने कंधे पर लाद लिया। इससे पहले कि मैं कुछ समझ पाती। मैं उसके कंधे पर झूल रही थी।

“मुझे नीचे उतारो।” मैं चिल्लाई। ओह, चिल्लाना कितना अच्छा लग रहा है।

वह मुझे अनसुना कर तेज़ी से आगे जाने लगा। उसने मेरी जांघों के आसपास बांहों का घेरा कस कर लगाया हुआ है। फिर उसने दूसरे हाथ से पिछले हिस्से पर ज़ोर से चपत लगाई।

“क्रिस्टियन!” मैं चिल्लाई। लोग घूर रहे हैं। क्या यह इससे ज्यादा अपमानजनक हो सकता है? मैं चलूंगी। उतारो नीचे।”

उसने मुझे नीचे उतारा और मैं पांव पटकते हुए अपने अपार्टमेंट की ओर चल दी। उसे पूरी तरह से अनदेखा कर दिया। बेशक वह एक मिनट में मान जाता पर मैंने उसे अनदेखा करने में ही भलाई समझी। मैं क्या करने जा रही हूं? मैं गुस्से में तो हूं पर ये समझ नहीं आ रहा कि आखिर गुस्सा किस बात का है?

मैंने घर जाते समय मन ही मन लिस्ट बनाई:

1. कंधों पर उठाना- छह साल की उम्र से बड़े व्यक्ति को कभी गंवारा नहीं होगा।
2. मुझे ऐसे सैलून में ले जाना, जहां उसकी पिछली प्रेमिका भागीदार थी-वह इतना बेवकूफ़ कैसे हो सकता है?
3. यह वही जगह थी जहां वह अपनी सेक्स गुलामों को ले जाता था। यहां भी वही बेवकूफ़ी।
4. उसे एहसास तक नहीं कि यह इतनी बड़ी गलती है- वैसे अपने को बड़ा सयाना बनता है।
5. मेरे बैंक खाते का नंबर पता लगाना।
6. पागल किस्म की गर्लफ्रेंड्स रखना पर इसमें उसकी क्या गलती? मैं गुस्से में हूं। हां, बहुत गुस्से में हूं।
7. मेरी कंपनी खरीदना- नवाबजादे के पास ज्यादा ही पैसा है।
8. अपने साथ रहने का इसरार करना- लगता है कि लीला की धमकी में असर है- वैसे उसने कल बताया नहीं था।

अचानक ही मुझे कुछ समझ आया। कुछ बदलाव सा महसूस हुआ। मैं रुकी तो क्रिस्टियन भी वहीं रुक गया।

“क्या हुआ?”

उसने भवें सिकोड़ी- “मतलब?”

“लीला के साथ?”

“मैंने बताया था।”

“नहीं, तुमने नहीं बताया। बात कुछ और है वरना कल तो तुम्हारे यहां जाने की जिद नहीं की थी। तो क्या हुआ?”

वह बेचैनी से हिला।

“क्रिस्टियन मुझे बताओ।” मैं झपटी।

“उसने कहीं से छिपाए गए हथियारों का परमिट ले लिया है।”

ओह! मैंने उसे देखा और चेहरे का लहू सूख गया। मैं बेहोश भी हो सकती हूं। मान लो कि वह उसे मारना चाहती हो तो? नहीं!

“मतलब वह एक गन ले सकती है।”

“एना। मुझे नहीं लगता कि वह ऐसी कोई गलती करेगी पर मैं तुम्हारे नाम पर कोइ ख़तरा मोल नहीं लेना चाहता।” उसने कंधों पर हाथ रखते हुए मुझे अपने पास खींच लिया।

“मैं भी नहीं ले सकती...मुझे तुम्हारी चिंता है।” मैंने हौले से कहा

मैंने उसे कस कर बांहों में बांधा और छाती में सिर छिपा लिया। शायद उसने बुरा नहीं माना।

“चलो वापस चलें।” वह आगे आया और मेरे बाल चूम लिए। मेरा गुस्सा जा चुका है पर भूला नहीं है। वह एक अजीब से डर के पीछे छिप गया है। कोई क्रिस्टियन को चोट पहुंचाए, यह बात ही मेरी सहनशक्ति के बाहर है।

मैंने बड़े ही सलीके से अपना मैक, फोन, आई-पैड और चार्ली टैंगो गुब्बारा पैक कर लिए।

“चार्ली टैंगो भी चल रहा है?” क्रिस्टियन ने पूछा

मैंने सिर हिलाया तो उसने प्यारी सी मुस्कान दी।

“मंगलवार को ईथन आ रहा है।” मैंने कहा

“ईथन?”

“केट का भाई। वह सिएटल में जगह मिलने तक यहीं रहने वाला है।”

क्रिस्टियन मुझे खाली नज़रों से ताकता रहा पर मैं उसकी आंखों में पसर आए ठंडेपन को भांप गई थी।

“ये तो अच्छा है कि तुम मेरे साथ रहने जा रही हो। उसे ज्यादा जगह मिल जाएगी।” उसने हौले से कहा।

“पता नहीं कि उसे चाबियां कहां से मिलेंगीं। तब मुझे लौटना होगा।”

क्रिस्टियन ने कुछ नहीं कहा

“सब हो गया?”

उसने मेरा बैग पकड़ा और हम दरवाजे से बाहर आ गए। हम पार्किंग लॉट की तरफ चले तो ऐसा लगा कि मुझ पर नज़र रखी जा रही है। पता नहीं ये मेरा डर है या सचमुच ऐसा हो रहा है। क्रिस्टियन ने ऑडी का दरवाजा खोल कर मुझे सवालिया निगाहों से देखा।

"क्या तुम बैठ नहीं रहीं?"

मैंने सोचा कि मैं गाड़ी चला रही थी।" मैंने कहा।

"नहीं, मैं चलाऊंगा।"

"मेरे चलाने में क्या ख़राबी है? ये मत बताना कि तुम मेरे ड्राईविंग टेस्ट के नंबर भी जानते हो... वैसे अब मुझे तुम्हारी इन बातों से हैरानी भी नहीं होती।" हो सकता है कि उसे पता हो कि मैं लिखित परीक्षा में लुढ़क गई थी।

"एनेस्टेसिया! कार में बैठो।" वह गुस्से से बोला।

"अच्छा।" मैं झट से बैठ गई। सच! ये इंसान भी हद है।

शायद वह भी मेरी तरह अजीब सी बेचैनी महसूस कर रहा होगा। उसे भी लग रहा होगा कि उस लीला नाम की लड़की की आंखें कहीं न कहीं से हम पर नज़र रखे हैं.... ।

क्रिस्टियन ने गाड़ी चला दी।

"क्या तुम्हारी सारी सेक्स गुलाम काले या भूरे बालों वाली गोरियां रही हैं?"

उसने तेवर दिखाए- "हां।" बेशक वह सोच रहा होगा कि मैं क्या पता लगाना चाहती हूं।

"मैं यही सोच रही थी।"

"मैंने कहा न कि मैं उन्हें ही रखना पसंद करता था।"

"मिसेज रॉबिन्सन तो ऐसी नहीं हैं।"

"यही तो वजह है।"

"तुम मज़ाक कर रहे हो?"

"हां, मैं मज़ाक कर रहा हूं।"

मैं खिड़की से बाहर झांकने लगी कि शायद कहीं लीला दिख जाए।

तो उसे केवल भूरे या काले बालों वाली युवतियां ही पसंद हैं। मैं यही सोच रही थी कि ऐसा क्यों? क्या उसकी पसंद का मिसेज रॉबिन्सन से कोई लेना-देना है? मैंने गर्दन झटकी।

"मुझे उसके बारे में बताओ।"

तुम क्या जानना चाहती हो। क्रिस्टियन की भवों में बल आ गए और उसके स्वर का चौंकन्नापन छिपा न रहा।

“मुझे अपने व्यावसायिक अनुबंध के बारे में बताओ।”

उसे यह जान कर अच्छा लगा कि मैं केवल काम की ही बात करना चाहती थी।

“मैंने केवल पैसा लगाया है। मैं ब्यूटी सैलून के काम में नहीं आना चाहता था पर उसने इसे काफी फैलाया और सफल बना दिया। मैंने तो बस निवेश किया था ताकि उसकी मदद हो सके।”

“क्यों?

“मैं उसका एहसानमंद था।

“ओह?

“जब मैं हावर्ड़ से बाहर आया तो उसने मुझे मेरा काम शुरू करने के लिए काफी पैसा दिया था।”

“ओह.... वह अमीर भी है!”

“तुमने पढ़ाई छोड़ी थी?”

“हां, मेरी पटरी नहीं बैठ रही थी। मैं वहां दो साल रहा। बदकिस्मती से मां-बाप भी कुछ समझना नहीं चाहते थे।”

मैंने त्यौरी चढ़ाई। मि. ग्रे और डॉ. ग्रेस के बारे में यह क्या सुन रही हूं। मैं तो सोच भी नहीं सकती।

“वैसे तुम ऐसे लगते तो नहीं हो। क्या ले रखा था?”

“मैं राजनीति और अर्थशास्त्र पढ़ता था।”

++
+++++

“हम्म... आंकड़े”

“तो वह पैसे वाली है।” मैंने हौले से कहा।

“एनेस्टेसिया! वह एक दौलतमंद पति की बीबी थी जो जिंदगी से अबी हुई थी। उसके आदमी ने टिम्बर के काम में बहुत कमाया। वह उसे काम नहीं करने देता था। पता है, उसे किस तरह बस में रखता था। कुछ मर्द होते ही ऐसे हैं।” उसने एक तिरछी मुस्कान के साथ कहा

“सच्ची? ऐसे मर्द तो बड़े ही पौराणिक किस्म के जीव होते हैं।” मुझे नहीं लगता कि इससे ज्यादा व्यंग्यबाण चलाया जा सकता था।

क्रिस्टियन की मुस्कान और भी फैल गई।

“उसने तुम्हें अपने पति का पैसा उधार दिया।”

उसने हामी भरी और होठों पर एक नटखट मुस्कान खेल गई।

“ओह! क्या बात है?”

“उसे उसका पैसा वापस मिल गया।” क्रिस्टियन ने एस्काला के भूमिगत गैराज में गाड़ी लगाते हुए कहा।

“ओह?”

“कैसे?”

क्रिस्टियन ने ऐसे गर्दन हिलाई मानो किसी कड़वी याद को दोहराने की कोशिश कर रहा हो। फिर उसने गाड़ी पार्किंग में लगा दी। “आओ फ्रेंकोज़ आने वाला होगा।”

लिफ्ट में उसने मुझसे पूछा- “अब भी नाराज़ हो।”

“हां, मैं नाराज़ हूं।”

“अच्छा।” उसने कहा और आगे चल दिया।

बरामदे में टेलर मिला। ओह, ये हमेशा यहीं रहता है क्या? इसे आने का पता कैसे चल जाता है? उसने मेरा बैग ले लिया।

“वेल्क से बात हो रही है?” क्रिस्टियन ने पूछा।

“जी सर?”

“और?”

“सब ठीक है?”

“बढ़िया! तुम्हारी बेटी कैसी है?”

“वह ठीक है। धन्यवाद सर!”

“अभी एक हेयरस्टाइलिस्ट आने वाला है। फ्रेंकों डि लूका”

“मिस स्टील!” टेलर ने गर्दन हिलाई।

“हाय टेलर! क्या तुम्हारी एक बेटी है?”

"जी मैम।"

"कितने साल की है?"

सात साल की है।"

क्रिस्टियन ने मुझे अधीरता से घूरा।

"वह अपनी मॉम के साथ रहती है।" टेलर ने बताया।

"ओह, अच्छा।"

टेलर मुस्कुराया। ये तो नई बात सुनने को मिली। टेलर एक बच्ची का बाप है। मैं क्रिस्टियन के पीछे-पीछे कमरे में पहुंची।

मैंने आसपास झांका। यहां से जाने के बाद जैसे सब भूल सा गया था।

"क्या तुम्हें भूख लगी है?"

मैंने इंकार में गर्दन हिलाई। क्रिस्टियन ने एक पल के लिए ताका और शायद बहस न करने का मन बना लिया।

"मुझे कुछ कॉल करनी हैं। तुम आराम से बैठो।"

"अच्छा।"

क्रिस्टियन अपनी स्टडी में चला गया और मैं इस बड़े से कमरे में अकेली खड़ी हूं। वह इस बड़ी-सी आर्ट गैलरी को घर कहता है। मैं समझ नहीं पा रही कि अब करूं क्या?

कपड़े! मैंने अपना बैग लिया और अपने कमरे में जा कर अलमारी खोली। ये तो कपड़ों से भरी थी। सारे कोरे कपड़े हैं और अभी तो कीमतों के लेबल भी नहीं उतरे। तीन लंबे ईवनिंग गाउन, तीन कॉकटेल ड्रिंक्स, और तीन रोज़मर्रा के पहनने के लिए। ये तो अच्छे ख़ासे महंगे रहे होंगे।

मैंने एक ड्रिंक्स की कीमत देखी तो दिमाग चकरा गया। 2,998 डॉलर। हाय! मैं तो गई काम से!

ये तो मैं नहीं हूं। मैंने अपना सिर हाथों में थामा और पिछले कुछ घंटों को मन ही मन तोलने लगी। ये सब कितना थका देने वाला रहा था। क्यों, क्यों मैं किसी ऐसे इंसान को चाहने लगी हूं जो बिल्कुल दीवाना है- सुंदर, सेक्सी, पैसे वाला...

मैंने जेब से ब्लैकबैरी निकाल कर मॉम को फोन लगाया।

"एना हनी! कितने दिन बाद बात हो रही है। कैसी हो डार्लिंग?"

"ओह, पता है..."

“क्या हुआ? क्रिस्टियन के साथ बात बनी या नहीं?”

“मॉम, बात अभी थोड़ी उलझी हुई है। मुझे लगता है कि उसका दिमाग घूमा हुआ है और शायद यहीं सबसे बड़ी दिक्कत आ रही है।”

“मुझे बताओ बेटा! कई बार मर्दों को जानना आसान नहीं होता। बॉब सोच रहा है कि क्या हमारा जार्जिया आना एक सही फ़ैसला था?”

“क्या?”

“हां, वह अब भी वेगास लौटने के बारे में सोच रहा है।”

ओह? दूसरे लोग भी परेशानियों में हैं। मैं ही एक नहीं हूं।

क्रिस्टियन दहलीज़ के पास दिखाई दिया। “तुम यहां हो। मुझे तो लगा कि भाग गईं।” उसके चेहरे पर सुकून दिखा।

मैंने इशारे से बताया कि फ़ोन पर हूं। “सॉरी मॉम! रखती हूं। बाद में बात करेंगे।" मैंने फोन रख कर फिफ्टी को देखा। वह अजीब से तरीके से माथे में बल डाले खड़ा है।

“तुम यहां आकर क्यों छिप गईं?” उसने पूछा।

“मैं तो नहीं छिप रही पर हैरान हो रही हूं।”

“हैरान किसलिए?”

“ये सब क्या है क्रिस्टियन!” मैंने अलमारी की ओर संकेत किया।

“क्या मैं अन्दर आ सकता हूं?”

“तुम्हारा ही घर है।”

“वह मेरे आगे पालथी लगा कर बैठ गया।

“ये तो बस कपड़े हैं। अगर पसंद न आए तो वापिस हो जाएंगे।”

“तुम्हें और काम नहीं है क्या?”

उसने अपनी चिबुक खुजाई और मेरी अंगुलियों में... हरकत होने लगी। ओह! मैं भी ऐसा करना चाहती हूं। उसे छूना चाहती हूं।

“क्रिस्टियन! तुम यह सब क्यों कर रहे हो?”

“तुम जानती हो कि क्यों कर रहा हूं।” उसकी आंखें फैलीं और वही अजीब-सी नज़र लौट आई।

“नहीं, मैं नहीं जानती।”

उसने बालों में हाथ फिराया- “सच! तुम बड़ी खपाअ किस्म की औरतों में से हो।”

“तुम एक भूरे बाल वाली सेक्स गुलाम रख सकते थे। जब भी तुम उससे उछलने को कहते और अगर उसे बोलने की इजाज़त होती तो वह बस यही पूछती-कितना ऊंचा सर? तो क्रिस्टियन मैं ही क्यों? मैं यही तो समझ नहीं पा रही।”

उसने मुझे एक पल के लिए घूरा और मैं अंदाज नहीं लगा पा रही कि वह क्या सोच रहा है।

“एनेस्टेसिया! तुमने मुझे दुनिया को एक अलग नज़रिए से देखना सिखाया है। तुम मुझे पैसे के लिए नहीं चाहतीं। तुमने मुझे... उम्मीद दी है।” उसने कोमल सुर में कहा

“उम्मीद..., कैसी उम्मीद?”

उसने कंधे झटके-"कुछ और पाने की उम्मीद। और तुम ठीक कहती हो। मैं औरतों से कभी भी, कहीं भी और कोई भी मनचाहा काम करवाने का आदी हो गया था। ये सब जल्द ही पुराना और बासी लगने लगता है। एना! तुममें कुछ बात है, जिसे मैं समझ नहीं पाता। मैं बस.... किसी भी कीमत पर तुम्हें खोना नहीं चाहता। उसने आगे आ मेरा हाथ थाम लिया-प्लीज़ मुझे छोड़कर मत जाना। मुझे पर भरोसा और धीरज रखना। प्लीज़!”

आज वह कितना बिखरा और टूटा हुआ लग रहा है...। मैं घुटनों के बल झुकी और होठों पर हौले से चुंबन जड़ दिया।

“अच्छा। भरोसा और धीरज। मैं इनके साथ जी सकती हूं।”

“अच्छा है क्योंकि फ्रेंकों आ गया है।

फ्रेंकों नाटे कद और गहरे रंग का एक समलैंगिक सा दिखने वाला युवक है। मुझे अच्छा लगा।

“कितने......सुंदर बाल.........!” वह बनावटी इतालवी लहज़े में बोला। बेशक वह बाल्टीमोर या उसके आसपास का ही होगा पर उसके उत्साह की छूत मुझे भी लग गई। क्रिस्टियन पहले हमें बाथरूम में ले गया और बाहर चला गया। जब वह लौटा तो उसके हाथ में एक कुर्सी थी।

“अब तुम लोग यह काम संभाल लो।” वह बोला

फ्रेंकों मेरी ओर मुड़ा- “एनेस्टेसिया! देखें तुम्हारे बालों का क्या कर सकते हैं।”

क्रिस्टियन काउच पर बैठा बड़े-बड़े काग़ज़ उलट-पुलट रहा है कमरे में हल्का, मीठा और प्यारा सा गीत गूंज रहा है। वह मुझे देखकर मुस्कुराया।

“देखा! मैंने कहा था न कि उन्हें पसंद आएंगे।” फ्रेंकों बोला।

“एना! तुम बड़ी प्यारी दिख रही हो।” क्रिस्टियन ने तारीफ़ की।

“मेरा काम हो गया सर!” फ्रेंकों बोला।

क्रिस्टियन उठ कर हमारी ओर आ गया। “धन्यवाद फ्रेंकों!”

फ्रेंकों ने अचानक मुड़कर एक बड़ी-सी गलबांही दी और मेरे दोनों गाल चूम लिए। “एना डियर! कभी किसी और को अपने बाल मत काटने देना।”

मैं उसके इस अपनेपन पर हंस दी। क्रिस्टियन उसे बाहर तक छोड़कर पल भर में लौट आया।

“मुझे खुशी है कि तुमने इन्हें छोटा नहीं करवाया।” उसने कहा और एक लट अंगुलियों के बीच थाम ली।

“कितने मुलायम हैं। क्या तुम अब भी मुझसे नाराज़ हो?”

मैंने हामी दी और वह मुस्कुराने लगा।

“वैसे तुम मुझसे किस बात पर नाराज़ हो?”

“एक लंबी लिस्ट है।”

“एक लंबी लिस्ट?”

“क्या हम बिस्तर में बात कर सकते हैं?”

“नहीं।” मैंने किसी बच्चे की तरह मुंह चिढ़ाया।

“अच्छा लंच के समय? मुझे भूख लगी है और सिर्फ़ खाने की भूख नहीं है।” उसने मुझे टेढ़ी सी मुस्कान दी।

“मैं नहीं चाहती कि तुम अपनी सेक्सी अदाओं से मुझे अपने बस में करो।”

उसने एक और मुस्कान दी। “वैसे मिस स्टील! आपके दिमाग में क्या बात चल रही है? उसे कह ही डालो।”

“अच्छा”

“मुझे क्या बात खाए जा रही है? तुम मेरी गोपनीयता को बुरी तरह से भंग कर रहे हो। तुम मुझे वहीं ले गए जहां तुम्हारी पिछली रख़ैल काम करती है और तुम अपनी सारी सेक्स गुलामों को भी वैक्सिंग जैसे अल्लम-गल्लम कामों के लिए वहीं ले जाते थे और फिर तुमने सड़क पर मेरे साथ बेरुख़ी दिखाई। मेरे साथ ऐसा बर्ताव किया जैसा अक्सर लोग छोटे बच्चों के साथ भी नहीं करते। तुमने मुझे ऐसे उठा लिया जैसे कोई छह साल की बच्ची हो। और

सबसे बड़ी बात यह है कि तुमने मिसेज रॉबिन्सन को तुम्हें छूने की इजाज़त दे रखी है।” मेरा सुर अचानक ही तेज़ हो गया।

उसने एक भौं नचाई और उसकी सारी मस्ती हवा हो गई।

“वैसे लिस्ट तो लंबी है पर ये बता दूं कि मिसेज रॉबिन्सन ‘मेरी मिसेज रॉबिन्सन’ नहीं है।”

“वह तुम्हें छू सकती है।” मैंने बात दोहराई।

उसने होंठ भींचे वह “जानती है कि कहां छूना है।”

“मतलब?”

उसने अपने बालों में हाथ फिराते हुए पल भर के लिए आंखें मूंद लीं मानो किसी तरह की दैवीय मदद मांग रहा हो। फिर उसने थूक गटका।

“मेरे और तुम्हारे बीच कोई नियम नहीं है और मैंने आज तक नियमों के बिना किसी के साथ कोई रिश्ता नहीं रखा। मैं कभी जान नहीं पाता कि तुम मुझे किस हिस्से में छूने जा रही हो। इससे मुझे घबराहट होती है। तुम्हारी छुअन पूरी तरह से......। वह रुक कर शब्द तलाशने लगा। ....इसका मतलब होता है ज्यादा......और ज्यादा।”

ज्यादा? उसके जवाब ने पूरी तरह से मेरे पांव ज़मीन से उखाड़ दिए। यह नन्हा सा शब्द अपने भारी-भरकम अर्थ के साथ हमारे बीच झूल रहा है।

मेरे स्पर्श का मतलब है...ज्यादा। जब वह ऐसी बातें करता है तो मेरे लिए खुद पर काबू रखना मुश्किल हो जाता है। ग्रे की आंखें मुझे ही देख रही हैं।

मैंने हाथ आगे किया और वह दो कदम पीछे हट गया।

“कठोर सीमा।” वह हौले से बोला। उसके चेहरे पर मुझे दर्द की गहरी रेखाएं दिखीं।

मैं एक अजीब सी दिल को मसोस देने वाली मायूसी महसूस कर रही हूं। “अगर तुम्हें मुझे छूने की इजाज़त न दी जाती तो तुम कैसा महसूस करते?”

“बुरी तरह से बिखरा हुआ और वंचित।” वह झट से बोला

ओह मेरा फिफ्टी शेड्स! मैंने उसे दिलासे से भरी मुस्कान दी।

“प्लीज़! तुम्हें मुझे एक दिन बताना ही होगा कि दरअसल कठोर सीमा क्या है?”

“एक दिन।” वह हौले से बोला

वह इतनी जल्दी कैसे अपने भाव बदल लेता है। ये बात मेरी समझ के बाहर है।

“तो लिस्ट में क्या रहा......तुम्हारी गोपनीयता को भंग करना...क्योंकि मैं तुम्हारे बैंक का खाता नंबर जानता हूं।”

“हां। ये बड़ी बेहिसाब सी बात है।”

“मैं अपनी सारी सेक्स गुलामों के साथ ऐसा ही करता आया हूं।” मैं तुम्हें दिखाता हूं। वह अपनी स्टडी में चला गया।

मैं उसके पीछे चल दी। उसने ताले वाली अलमारी से एक बड़ा लिफाफा निकाला। उस पर लिखा था- एनेस्टेसिया रोज़ स्टील।

हाय भगवान!!!! मैंने उसे हैरानी से घूरा।

उसने कंधे झटके। “तुम इसे वापिस ले सकती हो।”

“अच्छा जी मेहरबानी!” मैंने झट से उसे थाम लिया और अन्दर झांका। उसने मेरे जन्म के प्रमाणपत्र, कठोर सीमाओं, हस्ताक्षर किए गए एनडीए, अनुबंध, मेरा सोशल सिक्योरिटी नंबर, बायोडाटा, रोज़गार रिकॉर्ड वगैरह सबकी प्रतिलिपि रखी हुई है।

“तो तुम जानते थे कि मैं क्लेटन में काम करती थी?”

“हां।”

“तो तुम वहां संयोग से नहीं आए थे?”

“नहीं।”

“समझ नहीं आ रहा कि ये जान कर ख़शी दिखाऊं या गुस्सा?”

“ये तो बड़ी हद हो रही है। जानते हो तुम?”

“मैं इसे इस नज़र से नहीं देखता। मैं जो करता हूं, उसके लिए बड़ा-सोच-समझकर चलना होता है।”

“पर ये तो सारी गोपनीय जानकारी है।”

“मैं कभी ऐसी जानकारी का दुरुपयोग नहीं करता। एनेस्टेसिया! नियंत्रण रखने के लिए मुझे इस जानकारी की आवश्यकता होती है। मैं हमेशा ऐसे ही काम करता आया हूं।” उसने मुझे देखा और उसकी नज़रों में लिखी इबारत मुझे समझ नहीं आई।

“तुम जानकारी का दुरुपयोग करते हो। तुमने मेरे बैंक में चौबीस हज़ार डॉलर डाले, जो मैं नहीं लेना चाहती थी।”

उसके चेहरे पर गंभीर रेखाएं खिंच गईं। “मैंने कहा न कि टेलर को कार के यही दाम मिले हैं। बेशक यकीन नहीं आता पर यही सच है।”

"पर ऑडी..."

"एनेस्टेसिया! तुम्हें कोई अंदाज़ा भी है कि मैं कितना पैसा कमाता हूं?"

मैं खिसिया गई। "मुझे क्यों पता होना चाहिए? क्रिस्टियन! मुझे तुम्हारे खातों में जमा पैसे के बारे में जानने का कोई शौक नहीं है।"

उसकी आंखें मुलायम हो आईं। "मैं जानता हूं और यह तुम्हारी उन खूबियों में से एक है, जिन पर मैं मरता हूं।"

मैंने उसे हैरानी से देखा। *मरता हूं.....*

"एनस्टेशिया! मैं तकरीबन एक घंटे में एक लाख डॉलर कमाता हूं।"

मेरा मुंह खुला का खुला रह गया। इसके पास इतना पैसा है?

"चौबीस हज़ार डॉलर तो कुछ भी नहीं हैं। कार, टैस की किताबें, कपड़े...ये तो कुछ भी नहीं हैं।" उसने मुलायम स्वर में कहा।

मैंने उसे घूरा। सच्ची इसका तो अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। बड़ा असाधारण किस्म का जीव है।

"अगर मेरी जगह तुम होते और तुम्हें कोई इस तरह सामान से लाद देता......तो तुम कैसा महसूस करते?" मैंने पूछा

उसने मुझे खाली नज़रों से घूरा। उसकी यही तो दिक्कत है। एक पल में तोला और एक पल में माशा! हमारे बीच ख़ामोशी पसर गई

अंत में उसने कंधे झटके और बोला- "पता नहीं, कह नहीं सकता।"

मेरा दिल डूब सा गया। यही तो फिफ्टी शेड्स की दिक्कत है, वह अपने-आप को मेरी जगह रख कर देख ही नहीं सकता। खैर, अब तो मैं समझ ही गई हूं

"मुझे ये अच्छा नहीं लगता। मतलब तुम्हारी ये दरियादिली मेरे लिए शर्मिंदगी का कारण बनती है। मैंने तुम्हें पहले भी बताया है।"

उसने आह भरी। "एनेस्टेसिया मैं सारी दुनिया तुम्हारे कदमों में डाल देना चाहता हूं।"

"क्रिस्टियन! मैं बस तुम्हें चाहती हूं। मेरा इन चीज़ों से कोई वास्ता नहीं है।"

"ये सब उस अनुबंध का एक हिस्सा हैं। मैं जो भी हूं, यह सब उसका एक हिस्सा है।"

"ओह! ये बात तो कहीं नहीं जा रही।"

"क्या हम कुछ खा लें?"

उसने आंखें सिकोड़ी- "पक्का!"

"मैं पकाऊंगी। फ्रिज में कुछ है या नहीं?"

"मिसेज जोंस तो सप्ताहांत में यहां नहीं होतीं तो तुम क्या खाकर काम चलाते थे?"

"एनेस्टेसिया! मेरी सेक्स गुलाम खाना पकाती थीं।"

ओह बेशक! मैं इतनी पागल कैसे हो सकती हूं। इतनी सी बात नहीं समझी। "सर! आप क्या खाना चाहेंगे?"

"मैम को पकाने के लिए जो भी मिल जाए।" उसने कहा

मैंने फ्रिज के सामान पर नज़र मारने के बाद स्पेनिश ऑमलेट बनाने की सोची। यहां तो ठंडे आलू भी हैं। बन गई बात! ये झटपट बन भी जाएगा। क्रिस्टियन अपनी स्टडी में है। बेशक किसी बेचारे गरीब की गोपनीयता भंग करने के लिए दस्तावेज़ बटोर रहा होगा यह सोचते ही मुंह में कड़वाहट-सी घुल गई। मेरा दिमाग चकरा रहा है। ये तो जैसे कोई सीमाएं जानता ही नहीं।

मुझे खाना पकाने के लिए थोड़ा संगीत चाहिए। तभी मैं खाना पका सकती हूं और मुझे एहसास होगा कि मैं उसकी सेक्स गुलामों में से नहीं। मैंने आईपॉड डॉक से क्रिस्टियन का आई-पॉड उठा लिया। मैं शर्त लगा सकती हूं कि इसमें लीला की पसंद के गाने ज्यादा होंगे। मैं इस सोच से ही घबरा गई।

वह कहां है? मैंने सोचा। वह चाहती क्या है?

मैंने कंधे झटके। क्या विरासत है? मैं तो कुछ समझ नहीं पा रही।

मैंने लिस्ट पर नज़र मारी...ये तो क्रिस्टियन की पसंद नहीं लगती। हम्म......अच्छा 'क्रेजी इन लव' ठीक रहेगा। वाह! सही चीज़ मिल गई। मैंने रिपीट बटन दबाया और उसे ज़ोर से लगा दिया।

फिर मैं रसोई में लपकी। एक डोंगे में अंडे तोड़े और उन्हें नाचते-नाचते फेंटती रही।

एक बार फिर फ्रिज का चक्कर लगाया और वहां से आलू, हैम और मटर निकाल लिए। ये सब काम आ जाएंगे। मैंने पैन को गैस पर रख कर थोड़ा ऑलिव ऑयल डाला और गानों की जादुई दुनिया में खो सी गई।

काश केट घर में होती, वह भी यह सब जान जाती। वह कितने समय से बारबाडोज़ में है। उसे इलियट के साथ बढ़ाई गई छुट्टियां मनाने के बाद भी इस सप्ताह के अंत तक लौट आना चाहिए। मैं सोच रही थी क्या अब भी वे केवल वासना के रिश्ते में बांधे थे या यह सच्चा प्यार था?

"मुझे तुम्हारी बहुत सी खूबियों में से ये बात बहुत पसंद है।"

मैंने अंडे फेंटते हुए हाथ रोक दिया। ये बात उसने कही? तो इसका मतलब और बातें भी हैं। मैंने मिसेज रॉबिन्सन को देखने के बाद से पहली बार हल्की और सहज मुस्कान दी। क्रिस्टियन ने अचानक गले में बांह डाल दी और मैं उछल पड़ी।

“बड़ा अच्छा गाना चुना है। तुम्हारे बालों से कितनी प्यारी महक आ रही है।"उसने मेरे बालों में नाक घुसाते हुए उन्हें सूंघा और गहरी सांस ली। मैंने उसे देखा और तन में कोई चाह सुलग उठी। नहीं, मैंने खुद को उससे अलग कर लिया।

“मैं अब भी तुमसे नाराज़ हूं।”

“कब तक रहोगी?”

“जब तक कुछ खा नहीं लेती”

उसके होठों पर हंसी खेल गई।। उसने रिमोट उठाया और गाना बंद कर दिया।

“क्या इसे तुमने आई पॉड में डाला?” उसने इंकार किया तो मैं जान गई कि जवाब क्या था।

“क्या तुम्हें नहीं लगता कि वह इनके ज़रिए तुमसे कुछ कहना चाहती थी?”

“हां, हो सकता है।”

भीतर बैठी लड़की ने बाजुएं मोड़ीं और मुंह बनाकर बैठ गई।

“ये अब भी इसमें क्यों है?”

“ मुझे गाना पसंद है पर तुम्हें पसंद नहीं तो हम हटा देंगे।”

“नहीं, ठीक है। मुझे खाना बनाते हुए संगीत सुनना पसंद है।”

“तुम क्या सुनना चाहोगी?”

“मुझे सरप्राइज़ दो।”

वह आई पॉड की ओर मुड़ा और मैं अपना काम करने लगी।

कछ ही देर बाद कमरे में नीना सिमोन की मीठी और आत्मा को भी छू लेने वाली आवाज़ गूंज उठी। ये तो रे का मनपसंद गीत है। “मैंने तुम पर जादू डाला।”

मैंने घबरा कर क्रिस्टियन को देखा। वह कहना क्या चाहता है। उसने तो जाने कब से अपने जादू से मुझे बस में कर रखा है। ओह......उसके चेहरे के भाव बदल रहे हैं......आंखों में वही जाना-पहचाना भाव उतर आया है।

मैं उसे देख रही हूं मानो कोई शिकारी धीरे-धीरे अपने शिकार की ओर रेंगता आ रहा हो वह नंगे पांव है और खुले बटन की सफेद कमीज़ के साथ जींस पहनी हुई है।

जैसे ही वह मेरे पास आया। उसकी मंशा और साफ हो गई।

नीना के शब्द चारों ओर गूंज रहे हैं।

"क्रिस्टियन प्लीज़!"

"क्या प्लीज़?"

"ऐसा मत करो।"

"क्या न करूं?"

"यह मत करो।"

वह सामने खड़ा मुझे घूर रहा है।

"क्या पक्का कह रही हो।" उसने हौले से मेरे हाथ का डोंगा मेज पर रख दिया। मेरा कलेजा उछलकर मुंह को आ गया। मैं यह नहीं चाहती। मैं यह सब दिल से चाहती हूं। वह कितना हॉट और मदमस्त कर देने वाला लग रहा है। मैंने खुद को उसकी सम्मोहक नज़रों से परे करना चाहा।

"एनेस्टेसिया! मैं तुम्हें चाहता हूं। मैं प्यार और नफ़रत करता हूं और मुझे तुमसे बहस करना पसंद है। यह मेरे लिए नई बात है। मैं जानना चाहता हूं कि हमारे बीच सब ठीक है या नहीं? मेरे पास जानने का इसके सिवा कोई उपाय ही नहीं है।"

"मेरे मन में तुम्हारे लिए वही भावनाए हैं।" मैंने हौले से कहा।

उसका साथ मुझ पर हावी हो रहा है। वही जाना-पहचाना सा खिंचाव......मेरा पूरा शरीर उसकी ओर खिंचता जा रहा है। भीतर बैठी लड़की के बारे में तो पूछो ही मत..। मैंने उसकी शर्ट से झांकते छाती के बालों को देखकर गहरी चाह के साथ होंठ काटा- मैं इस जगह से उसका स्वाद लेना चाहती हूं।

वह मेरे बहुत पास है पर मुझे छू नहीं रहा। उसके शरीर का ताप मुझे छू रहा है।

"जब तक तुम हां नहीं कहोगी, मैं तुम्हें नहीं छूने वाला। उसने कोमलता से कहा। पर अभी इस मनहूस सुबह के बाद मैं तुम्हारे भीतर उतरकर, हम दोनों के सिवा बाकी सब कुछ भुला देना चाहता हूं।"

ओह! हम दोनों!!!

कितना जादुई शब्द है। मैंने मुंह उठाकर उस सुंदर पर गंभीर चेहरे को देखा।

"मैं तुम्हारे चेहरे को छूने जा रही हूं।" मैंने कहा और पाया कि उसके चेहरे पर हामी देने से पहले हैरानी के भाव तिर आए थे।

मैंने अपने हाथ से उसका गाल सहलाया और दाढ़ी पर अंगुलियां फिराने लगी। उसने आंखें बंद कर गहरी सांस ली और मेरे हाथ की ओर अपना चेहरा झुका दिया।

वह आगे आया और हमारे होंठ आपस में जुड़ गए। वह मुझे पर झुकता चला गया।

"एनेस्टेसिया! हां या न?"

वह धीरे-धीरे चूमते हुए मुझे अपनी ओर खींच रहा है। उसका हाथ मेरे शरीर के पिछले हिस्से, बालों व पीठ पर घूम रहा है। मुझे पूरी तेजी से अपनी ओर खींच रहा है। मैंने हौले से आह भरी।

"मि. ग्रे!" टेलर खांसा और क्रिस्टियन ने मुझे झट से अलग कर दिया।

"टेलर!" उसने ठंडे स्वर में कहा।

मैंने घूमकर देखा तो टेलर को बड़ी बेचैनी के साथ कमरे की दहलीज़ पर खड़ा पाया। क्रिस्टियन और टेलर ने एक-दूसरे को घूरा और उनकी आंखों ही आंखों में कुछ बातें हुईं।

"मेरी स्टडी में आओ।" क्रिस्टियन ने कहा और टेलर उस ओर चल दिया।

"फिर मिलते हैं।" क्रिस्टियन ने बाहर जाते हुए मुझसे कहा।

मैंने एक गहरी व स्थिर सांस ली। क्या मैं उसे एक मिनट के लिए भी उसके आकर्षण से नहीं बच सकती? टेलर का शुक्र है कि उसने आकर बाधा दे दी। हालांकि शर्मिंदगी भी हुई।

मैं सोच रही थी कि टेलर ऐसी क्या बात करने आया है। उसने ऐसा क्या देख लिया? मैं इस बारे में बात तक नहीं करना चाहती। लंच। मैं लंच तैयार करूंगी।

मैंने खुद को आलू काटने में मग्न कर लिया। टेलर क्यों आया है? लीला के बारे में बात करने?

दस मिनट बाद वे बाहर आए तो ऑमलेट तैयार था। क्रिस्टियन ने मुझे ताका तो थोड़ा परेशान दिखा।

"मैं उन्हें दस मिनट बाद समझाता हूं।" उसने कहा।

"हम तैयार रहेंगे।" टेलर बोला।

मैंने दो गर्म प्लेटें निकालीं और मेज पर रख दीं।

"लंच?"

"प्लीज़।" क्रिस्टियन ने कहा और मुझे बड़ी सतर्क निगाहों से देखने लगा।

"कोई मुश्किल?"

"नहीं।"

मैंने मुंह बनाया। वह मुझसे बात छिपा रहा है। मैंने लंच को प्लेटों में डाला और उसके पास बैठ गई। तय किया कि मुझे बात न ही पता चले तो ठीक है।

"ये अच्छा बना है।" क्रिस्टियन ने एक कौर खाते ही कहा। क्या तुम एक गिलास वाइन लेना चाहोगी?"

"नहीं धन्यवाद। ग्रे!" मुझे तुम्हारे आसपास अपने दिमाग को ज़रा ठिकाने रखना होता है।

स्वाद तो अच्छा है। मुझे भूख नहीं है पर जानती हूं कि अगर न खाया तो क्रिस्टियन टोकेगा इसलिए मैं भी खाने लगी। क्रिस्टियन धीरे-धीरे अपनी ख़ामोशी के बीच से बाहर आया और वही गाना लगा दिया जो मैं पहले सुन रही थी।

"ये क्या है?" मैंने पूछा।

"इसे बेलेरो कहते हैं।"

"यह कौन-सी भाषा में है?"

"यह पुरानी फ्रेंच-ऑकीटन में गाया गया है।"

"तुम फ्रेंच बोल लेते हो। तुम्हें समझ भी आती है?" मुझे याद आ गया कि उसने अपने घर में कैसे धाराप्रवाह फ्रेंच बोली थी..

"कुछ शब्द, हां! मेरी मॉम का एक मंत्र था- संगीत वाद्य, विदेशी भाषा और मार्शलआर्ट्स। इलियट स्पेनिश जानता है; ईया और मैं फ्रेंच बोलते हैं। इलियट गिटार बजाता है, ईया, सैलो और मैं पिआनो बजाता हूं।"

"वाऊ और मार्शल आर्ट्स?"

"इलियट जूडो का अभ्यास करता है। ईया ने बारह साल की उम्र में यह सब करने से इंकार कर दिया था।" वह इस याद पर मुस्कुरा दिया।

काश मेरी मॉम भी इतनी ही व्यवस्थित होती।

"मिसेज ग्रे बच्चों की उपलब्धियों के मामले में कभी समझौता नहीं करती थीं।

"उन्हें तुम पर गर्व रहा होगा। मुझे भी होता।"

अचानक ही क्रिस्टियन के चेहरे पर काले साए से लहरा गए और वह एक पल के लिए बेचैन-सा दिखा। उसने मुझे ऐसे घूरा मानो मैंने किसी वर्जित स्थान पर कदम रख दिया हो।

"क्या तुमने तय कर लिया कि कल शाम को क्या पहनने जा रही हो या मैं कुछ मदद कर दूं?" अचानक ही उसका सुर बदल गया है।

ओह! इसे तो गुस्सा आ गया। पर क्यों? मैंने ऐसा क्या कह दिया?

"उम्म......नहीं, अभी नहीं। क्या ये कपड़े तुमने चुने हैं?"

"नहीं एनेस्टेसिया! मैंने नहीं चुने। मैंने नीमन मार्कस के पर्सनल शॉपर को तुम्हारा माप भेज दिया था। ये कपड़े फिट होंगे। वैसे तुम्हें भी पता होना चाहिए कि मैंने आज शाम और अगले कुछ दिन के लिए अतिरिक्त सुरक्षा का प्रबंध किया है।"

"लीला का कुछ पता नहीं, कब और कहां सिएटल की सड़कों पर मिल जाए। मैं चाहूंगा कि तुम इन दिनों अकेले कहीं मत जाओ। ठीक है?"

मैंने पलकें झपकाईं अच्छा। *अब वह ग्रे कहां गया, जो फ़िदा होने को तैयार बैठा था?*

"अच्छा। मैं ज़रा उनसे मिलकर आता हूं। ज्यादा देर नहीं लगेगी।"

"वे यहां हैं?"

"हां।"

कहां?

क्रिस्टियन ने अपनी प्लेट सिंक में रखी और कमरे से ओझल हो गया। ये सब क्या था। इसे देखकर तो लगता है कि एक ही शरीर में जाने कितने इंसान रहते हैं। कहीं ये सीज़ोफर्निया का शिकार तो नहीं? मुझे गूगल पर देखना चाहिए।

मैंने नाश्ता निबटाकर प्लेट साफ की और अपना बैग व मैक लेकर कमरे में चली गई। अलमारी में तीन ईवनिंग गाउन टंगे हैं। अब इनमें से कौन-सा चुनूं?

मैंने पलंग पर लेटे-लेटे अपने मैक, आई-पैड और ब्लैकबैरी को निहारा। मैं तो इन तकनीकों से घिरी हुई हूं। मैंने क्रिस्टियन की प्ले-लिस्ट को आई पैड से मैक में डाला और फिर नेट सर्फ करने के लिए गूगल ऑन कर दिया।

क्रिस्टियन अन्दर आया तो मैं मैक पर ही व्यस्त थी।

"क्या कर रही हो?" उसने प्यार से पूछा।

पहले तो मैं घबरा गई कि उसने मेरा वेबपेज देख लिया तो क्या सोचेगा-मैं देख रही थी कि मल्टीपल पर्सनेलिटी डिसऑर्डर के क्या लक्षण होते हैं?

"यहां क्यों देखा जा रहा है? कोई खास वजह?" उसने पूछा।

ओह आनंदी क्रिस्टियन लौट आया है। मैं इससे कैसे पार पाऊंगी, समझ नहीं आता।

"रिसर्च! मुश्किल व्यक्तित्व को जानने के लिए।"

उसके होठों पर हैरानी से भरी मुस्कान खेल गई।

"मेरा अपना घरेलू प्रोजेक्ट है।"

“मैं अब घरेलू प्रोजेक्ट हो गया हूं? मतलब एक साइडलाइन या फिर एक विज्ञान के प्रयोग की तरह जबकि मिस स्टील! मैं तो यही समझ रहा था कि मैं तुम्हारे लिए सब कुछ था। तुमने तो मेरे दिल को चोट पहुंचा दी।”

“तुम्हें कैसे पता कि मैं तुम्हारी बात कर रही हूं।”

“बस अदांज़ा लगाया।”

“ये सच है कि तुम ही ऐसे झक्की, सनकी और सबको काबू में रखने वाले मर्द हो जिसे मैं बहुत पास से जानती हूं।”

“मैंने तो सोचा था कि मैं वह इकलौता मर्द हूं जिसे तुम अंतरंगता से जानती हो।” उसने एक भौं नचाई।

मैं खिसिया गई-"हां यह भी सच है।”

“क्या तुम किसी नतीजे पर पहुंचीं?”

मैंने उसे मुड़कर घूरा। वह पलंग पर कोहनी टिकाए लेटा है।

“लगता है कि तुम्हें इलाज की सख्त जरूरत है।”

वह आगे आया और मेरे बाल कानों की पीछे कर दिए।

“मुझे लगता है कि मुझे तुम्हारी ज़रूरत है। यहीं और अभी।” उसने मेरे हाथ में एक लिपस्टिक थमा दी।

मैंने उसे देखकर त्यौरी चढ़ाई। मैं परेशान थी। मैं तो लाल रंग की लिपस्टिक नहीं लगाती।

“तुम चाहते हो कि मैं इसे लगाऊं?” मैं चिंहुकी।

वह हंसा। “नहीं एनेस्टेसिया, जब तक तुम न चाहो। मुझे नहीं पता कि यह रंग तुम्हें पसंद भी है या नहीं?

वह पलंग पर आलथी-पालथी मारकर बैठ गया और अपनी शर्ट सिर के ऊपर खींचते हुए उतार दी। ओह! मैं तो गई काम से..... “मुझे तुम्हारा रोड मैप वाला आइडिया पसंद आया।”

मैंने उसे खाली-खाली नज़रों से घूरा- “रोड मैप?”

“वही ‘नो-गो एरिया’ मतलब तुम किन हिस्सों का छू सकती हो और किन हिस्सों को नहीं छू सकती।”

“नहीं, मैं तो मज़ाक कर रही थी।”

“मैं नहीं कर रहा।”

“तुम चाहते हो कि मैं लिपस्टिक से तुम्हारे शरीर पर रेखाएं बनाऊं?”

“ये धीरे-धीरे उतर जाएगी।”

मतलब मैं उसे आराम से कहीं भी छू सकती थी। मेरे होठों पर विस्मय से भरी मुस्कान खेल गई।

“कोई तीखी चीज़ से अगर स्थायी निशान बना सकें तो?”

“मैं टैटू बनवा सकता हूं।” उसकी आंखों में मस्ती नाच उठी।

क्रिस्टियन ग्रे और टैटू! उसके शरीर पर निशान? जबकि उसके शरीर पर पहले से ही इतने निशान हैं। बिल्कुल नहीं!

“टैटू कभी नहीं।” मैंने हंसी के बीच अपने डर को छिपाना चाहा।

“फिर लिपस्टिक चलने दो।” वह बोला

मैंने मैक बंद कर कोने में रख दिया। बड़ा मज़ा आने वाला था।

“आओ। उसने मेरी ओर हाथ बढ़ाया। मेरे ऊपर बैठ जाओ।”

मैंने अपनी चप्पलें उतारीं और बैठी हुई मुद्रा में उसके ऊपर आ गई। वह पलंग पर लेटा पर घुटने मुड़े हुए ही रखे।

“लगता है कि तुम इस खेल के लिए रोमांचित हो।” वह बोला।

“जी मि. ग्रे! आप भी निश्चिंत रहें क्योंकि मैं जानती हूं कि मेरी सीमाएं कहां तक हैं?”

उसने गर्दन हिलाई मानो उसे खुद ही यकीन नहीं आ रहा कि उसने मुझे अपने शरीर पर निशान लगाने की इजाज़त दे दी है।

“लिपस्टिक खोलो।” उसने हुक्म दिया।

ओह, फिर से तानाशाही रवैया! पर मुझे परवाह नहीं है।

“मुझे अपना हाथ दो।”

मैंने दूसरा हाथ थमा दिया।

“लिपस्टिक वाला हाथ।” उसने आंखें नचाईं।

“क्या तुम आंखें नचा रहे हो?”

“हां।”

"मि. ग्रे! ये तो अभद्रता है। मुझे तो कुछ ऐसे लोगों के बारे में भी पता है जो इस तरह की हरकत करने पर भारी सजा देते हैं।"

"अब बस भी करो। अपना हाथ दो।"

मेरा हाथ थामते ही वह अचानक उठ बैठा और हम एकदम आमने-सामने हो गए।

"तैयार?" उसने हौले से ऐसे नशे के साथ कहा कि शरीर की सारी मांसपेशियां ऐंठ गईं। ओह वाह!

"हां।" मैंने हौले से कहा। उसका साथ कितना लुभावना है। मेरे शरीर की गंध के साथ क्रिस्टियन की सेक्सी और मदमस्त कर देने वाली गंध मिल गई है। वह मेरे हाथ को अपने कंधे के मोड़ तक ले गया।

"नीचे लाओ।" मेरा हाथ उसके कंधे से होते हुए, बाजू और फिर छाती के कोने तक लकीर खींचता चला गया। उसने पसलियों के पास ले जा कर हाथ रोक दिया और फिर पेट की ओर संकेत किया। वह बुरी तरह से तनाव में दिख रहा है। भले ही नजरें मुझ पर हैं पर उनमें छिपी झिझक और बेचैनी छिप नहीं पा रही।

मेरा हाथ कस कर थामा हुआ है और जबड़े की रेखाएं गहरी हैं। आंखों के आसपास भी तनाव जमा दिख रहा है। अपने पेट के बीच तक रेखा जाते ही हौले से बोला-दूसरी ओर ऊपर।" उसने मेरा हाथ छोड़ दिया।

मैंने बाईं ओर खिंची रेखा की तरह ही दूसरी रेखा बनाई। बेशक उसने आज मुझ पर बड़ा भरोसा किया है पर हकीकत यह भी है कि मैं इस घमंड के पीछे छिपे दर्द को पहचान सकती हूं। उसकी छाती पर सात छोटे गोल निशान दिख रहे हैं और उसके खूबसूरत शरीर पर किसी की भद्दी हरकत के इन निशानों को देखना बहुत दुखदायी है। एक बच्चे के साथ कोई ऐसा कैसे कर भी कैसे सकता था?

"ये हो गया।" मैं अपने भावों को छिपाते हुए हौले से बोली

"नहीं ......अभी नहीं हुआ।" उसने जवाब दिया और अपनी लंबी ऊंगली से गर्दन के निचले हिस्से में रेखा सी खींच दी। मैं उसकी आंखों की गहराई में खोई हुई हूं।

"अब मेरी पीठ।" वह हौले से बोला। वह उठा ताकि मैं उसके ऊपर से हट सकूं। फिर वह पलंग पर मुड़ा और मेरी ओर पीठ कर आलथी-पालथी लगाकर बैठ गया

"मेरी छाती से दूसरे कोने तक उसी रेखा के हिसाब से चलो।" उसने भारी और नशीले सुर में कहा।

मैंने वही किया और उसकी पीठ पर लाल रंग की लकीर उभरती चली गई। इस दौरान मुझे उसके शरीर पर कुछ और निशान दिखे। कुल मिला कर नौ!

हाय! मुझे इन निशानों को चूमने की इच्छा और अपनी आंखों से टपकने को तैयार आंसुओं पर काबू पाना होगा। वह कैसा वहशी दरिंदा रहा होगा? उसका सिर झुका हुआ है और जब मैं पीठ वाला घेरा पूरा कर रही थी तो उसका पूरा शरीर तनाव से अकड़ा हुआ था।

"क्या तुम्हारी गर्दन के आसपास भी?" मैंने धीरे से पूछा।

उसने हामी दी और मैंने बालों के निचले हिस्से में गर्दन के पास भी रेखा खींच दी।

"हो गया।" उसे देखकर लग रहा था कि उसने लाल रंग की लकीरों वाली अजीब सी बनियान पहन ली हो।

अचानक उसके कंधे शिथिल हो आए और उसने मेरी ओर चेहरा घुमा लिया।

"ये सीमाएं हैं।" उसने शांत भाव से कहा......जाने आंखें क्यों गहरा रही हैं?- भय या वासना? मैं उसका स्पर्श पाना चाहती हूं पर मैंने खुद को रोका और उसे हैरानी से ताकने लगी।

"मैं इनके साथ जी सकती हूं पर अभी के लिए तो मैं खुद को तुम्हें सौंप देना चाहती हूं।" मैंने कहा।

उसने मुझे एक दुष्टता से भरी मुस्कान दी और अपना हाथ आगे कर दिया।

"ओह मिस स्टील! मैं पूरी तरह से तुम्हारी सेवा में हाज़िर हूं।"

मैं बच्चों की तरह किलकारी भरते हुए उसकी बांहों में समा गई और उसे झटके से पलंग पर गिरा दिया। उसने भी एक बड़ी बचकानी सी हंसी दी। शायद उसका तनाव छंट गया है। कुछ ही देर में मैं पलंग पर उसके नीचे थी।

"अब। फिर हो जाए।" वह अपना मुंह मेरे मुंह के पास ले आया।

अध्याय 6

मेरे हाथों ने उसके बालों को मुट्ठियों में भींच रखा हैं और मेरा मुंह, उसके मुंह पर झुका हुआ है। मैं पूरी तरह से अपने क्रिस्टियन का एहसास ले रही हूं। मैं अपनी जीभ के साथ उसकी जीभ टकराने के एहसास को महसूस कर सकती हूं। और वह भी ऐसा ही कर रहा है। ओह! ये एहसास कितना नशीला है...।

अचानक ही उसने मुझे ऊपर खींचा और मेरी टी-शर्ट उतारकर फेंक दी।

"मैं तुम्हें महसूस करना चाहता हूं।" उसने मुझे ललचाई नज़रों से देखते हुए कहा और दूसरे हाथ से मेरी ब्रा का हुक खोलने लगा। एक ही झटके में, मेरे शरीर का ऊपरी हिस्सा उसके सामने निर्वस्त्र था।

उसने मुझे पलंग पर धकेल दिया और मैं गद्दे में धंस कर रह गई। मेरे हाथ उसके बालों में हैं और वह अपने मुंह और हाथों से मेरे वक्षस्थल से खेल रहा है। उसने अपने होठों से उन्हें जोर से काटा तो मेरे मुंह से न चाहने पर भी हल्की-सी चीख निकल गई।

पूरे शरीर में एक अजीब सी सनसनी फैलती जा रही है। उसने मुझे अपने बस में कर लिया है।

"हां बेबी! मैं तुम्हारी ऐसी ही आवाजें सुनना चाहता हूं।" वह हौले से मेरे तपते बदन के पास आकर बोला।

ओह! मैं इसे अभी अपने अन्दर समा लेना चाहती हूं वह अपने मुंह से बार-बार चूमते हुए मेरे बदन से खेल रहा है और पता नहीं क्यों मुझे ऐसा लगा कि यहां उसकी चाह के साथ मानो मेरे लिए पूजा भी शामिल हो। मानो वह मेरी पूजा कर रहा है।

उसने मुझे अपने अंगुलियों से मसलते हुए सताया। उसके स्पर्श से वक्षस्थल का रोंया-रोंया जाग उठा है। अब उसके हाथ मेरी जींस की ओर बढ़े। उसने झट से जिप खोली और अपना हाथ अन्दर ले गया।

अब उसका हाथ दूसरी ही जगह पर हरकतें कर रहा है और मैं इस एहसास के बीच बेदम हुई पड़ी हूं।

"ओह बेबी! लगता है कि तुम मेरे लिए पूरी तरह से तैयार हो।" वह हौले से बोला।

“मैं तुम्हें चाहती हूं।” मैं बुदबुदाई।

उसका मुंह एक बार फिर मेरे मुंह से आ लगा और मैंने अपने लिए उसकी भूख, उसकी चाह को महसूस किया।

ये सब कितना नया है- एक बार पहले भी ऐसा ही हुआ था, जब मैं जॉर्जिया से आई थी। उसके शब्दों ने अचानक मेरा ध्यान भटका दिया- *मैं जानना चाहता हूं कि हमारे बीच सब ठीक है या नहीं? मेरे पास यह जानने का इसके सिवा कोई दूसरा तरीका नहीं है।*

मैं उस पर इस तरह का असर डाल सकती हूं या उसके मन को दिलासा दे सकती हूं.. मुझे ये बात याद रखनी होगी। उसने एक-एक कर मेरे शरीर के निचले वस्त्र भी उतार दिए। उसकी आंखें मुझ पर टिकी रहीं और इसी दौरान उसने अपनी जेब से कंडोम का पैकट निकाल कर, मेरी ओर उछाल दिया। फिर उसने एक ही झटके में अपनी जींस उतार दी।

मैंने पैकेट खोला और धीरे से कंडोम पहना दिया। उसने मेरे दोनों हाथ थामे और पीछे ले गया।"आज तुम ऊपर रहोगी। मैं तुम्हें देखना चाहता हूं।”

ओह!

उसने मुझे सहारा दिया और मैं एक हिचक के साथ उसके ऊपर आ गई। उसने पूरी तरह से अपने-आपको मेरे भीतर समाते हुए गहरी सांस ली और उसका मुंह खुला रह गया।मैंने मुंह ऊंचा किया। मैं इस ताकत को महसूस कर सकती हूं। मैंने अपने हाथ उसके कंधों पर टिका दिए और उसके बदन के इस एहसास को महसूस करने लगी।

“ओह!” मेरे मुंह से सिसकारी निकली।

“हां। बेबी! मुझे महसूस करो।” उसने कहा।

अब हम दोनों एक लय और ताल में झूम रहे हैं और मैं इस आनंद नगरी के बीच कहीं खोई हुई हूं। *ऊपर और नीचे... फिर से... एक बार और... अरे हां...* मैंने अपनी आंखें खोलकर उसे देखा। वह भी मुझे ही घूर रहा है।

“मेरी एना।” वह बोला।

“हां। हमेशा।” मैंने कहा।

उसने जोर से आह भरी और जैसे खुद को किसी भार से मुक्त कर दिया। मैं भी चरमसीमा पर आते ही वहीं उसके ऊपर ही लेट गई।

उसने मुझे कस कर थामा हुआ है।

मेरा सिर उसकी छाती के नो-गो एरिया में टिका है। मेरे गाल उसकी छाती के बालों को चूम रहे हैं। मैं हांफ रही हूं और किसी तरह उसके छाती के बालों को चूमने की इच्छा को मन

ही मन रोक रही हूं। मैंने किसी तरह अपनी उखड़ी सांसों पर काबू पाया। उसने अपने हाथ से मेरे बाल सहलाए और दूसरे हाथ से पीठ सहलाने लगा।

"तुम बहुत सुंदर हो।"

वह झट से उठ बैठा और हम एक-दूसरे के आमने-सामने थे।

"तुम बहुत सुंदर हो।"

"और तुम बड़े प्यारे हो।" मैंने उसे प्यार से चूमा।

"तुम जानती भी हो कि तुम कितनी आकर्षक हो।" उसने कहा और अपने-आप को बाहर खींच लिया।

मैं शरमा गई। वह ऐसी बातें क्यों कर रहा था?

"वे सब लड़के जो तुम्हारे पीछे थे। क्या तुम्हें तब भी पता नहीं चला"?

"लड़के? कौन से लड़के?"

"अब लिस्ट सुनना चाहती हो। वही फोटोग्राफर, हार्डवेयर स्टोर वाला छोकरा, तुम्हारी सहेली का भाई, तुम्हारा बॉस।" वह कड़वाहट से बोला।

"ओह क्रिस्टियन! ये सच नहीं है।"

"मुझ पर भरोसा करो। वे सब तुम्हें पाना चाहते हैं। वे उसे पाना चाहते हैं, जो मेरी है।" उसने मुझे अपनी ओर खींच लिया और मैंने अपने हाथ उसके कंधों से हटाकर बालों में डाल दिए। मैं उसे मुग्ध भाव से देख रही थी।

"तुम मेरी हो।" उसने दोहराया और उसकी आंखें गहराई से चमक रही हैं।

"हां, मैं तुम्हारी हूं।" मैंने मुस्कुराते हुए आश्वासन सा दिया। मैं शनिवार दोपहर की, जगमगाती रोशनी के बीच, उसकी गोद में निर्वस्त्र बैठी अपने-आप को पूरी तरह से आरामदेह महसूस कर रही हूं और वह पूरी तरह से शांत है। किसने सोचा था कि ऐसा भी हो सकता है? अब भी उसके बदन पर लिपस्टिक के निशान दिख रहे हैं। मुझे चादर पर भी कुछ निशान दिखे और मैं सोचने लगी कि भला मिसेज जोंस हमारे बारे में क्या सोचेंगी।

"यह लाइन अब भी दिख रही है।" मैंने पूरी बहादुरी से अपनी अंगुली कंधे वाले निशान पर फिराई। उसका बदन अकड़ गया और मुझे हैरानी से देखने लगा।

"मैं थोड़ा घूमना चाहती हूं।"

उसने संदेह से देखा।

"मेरा अपार्टमेंट?"

"नहीं। मैं सोच रही थी हमने जो मैप बनाया है। उसमें मैं अपने लिए खुले इलाकों में सैर करूं। मैं हर उस जगह को छूना चाहती हूं। जहां-जहां मुझे छूने की इजाजत मिली है।"

क्रिस्टियन ने मेरी तर्जनी अपने मुंह में लेकर हल्की-सी दबा दी।

"ओह!" मैंने विरोध किया तो वह मुस्कुराने लगा

"अच्छा।" वह बोला। उसके सुर में हल्की घबराहट दिख रही है।

"ठहरो!" उसने मुझे पीछे हटाया और अपना कंडोम उतारकर नीचे फेंक दिया।

"मुझे इन चीज़ों से नफ़रत है। डॉ. ग्रीन को बुलाकर तुम्हें कोई गोली दिलवानी होगी।"

"तुम्हें क्या लगता है कि सिएटल की टॉप महिला रोग विशेषज्ञा तुम्हारे एक इशारे पर दौड़ी चली आएगी?"

"मैं चाहूं तो कुछ भी कर सकता हूं।" वह हौले से मेरे बालों को छूकर बोला

"फ्रेंकों ने कमाल किया है। मुझे ये लटें पसंद आईं।"

"क्या?"

बात मत बदलो।

"अच्छा! तुम छू सकती हो।" वह अपनी घबराहट छिपाने की पूरी कोशिश कर रहा है। मैंने उसके पेट की मांसपेशियों के पास अपनी अंगुली फिराई और वह अचानक सिहर उठा। मैंने झट से हाथ हटा लिया।

"मैं नहीं करूंगी।" मैंने धीरे से कहा।

"नहीं-नहीं! ठीक है। बस थोड़ा संभलने के लिए वक्त चाहिए... मुझे किसी ने एक लंबे अरसे से नहीं छुआ है।"

"मिसेज रॉबिन्सन?" न चाहने पर भी मुंह से निकल ही गया पर मैंने पूरी कोशिश की कि सुर में कड़वहाट न आए।

उसने हामी भरी।

"मैं उनके बारे में बात नहीं करना चाहता। इससे तुम्हारा मूड खराब हो जाता है।"

"मैं संभाल सकती हूं।"

"नहीं, तुम नहीं कर सकतीं। एना! जब भी मैं उसका नाम लेता हूं तो तुम्हारा चेहरा लाल हो जाता है। मेरा अतीत मुझसे जुड़ा है। यह एक हकीकत है। मैं इसे बदल नहीं सकता। मैं खुशकिस्मत हूं कि तुम्हारा ऐसा कोई अतीत नहीं है क्योंकि अगर ऐसा होता तो शायद मैं पागल हो गया होता।"

उसके होंठ तिरछे हो आए-"मैं तुम्हारा दीवाना हूं।”

मेरा दिल बाग-बाग हो गया।

“क्या मैं डॉ. फिल्न को फोन करूं?”

“मुझे नहीं लगता कि उसकी जरूरत होगी।” उसने शुष्क सुर में कहा।

मैंने उसके पेट पर अंगुली रखी और उसे घुमाती चली गई। वह एक बार और ठिठका।

“मुझे तुम्हें छूना अच्छा लगता है।” मेरी अंगुलियां उसकी नाभि के नीचे के बालों पर सरसराती जा रही हैं। अचानक ही उसकी सांस उथली हुई और मैं अपने नीचे उसके अंग के उभार को महसूस कर सकती हूं। ओह! राउंड टू।

“फिर से?” मैंने धीरे से कहा।

“जी हां! मिस स्टील!”

शनिवार की दोपहर बिताने का क्या रोमानी अंदाज है। मैं शॉवर के नीचे खड़ी नहा रही हूं। बालों को भीगने से बचाने के लिए पीछे बांध लिया है और पिछले दो घंटों के बारे में सोच रही हूं। लगता है कि क्रिस्टियन और वनीला का साथ अच्छा निभ रहा है।

आज उसने कितना कुछ बताया है। मैं उसकी बातों को हजम करने की कोशिश में हूं-उसका वेतन-ओह! वह तो अमीरज़ादा है और किसी जवान के लिए इस उम्र में ये सब हासिल करना!! और उसने मेरी और पिछली सेक्स गुलामों की सारी जानकारी ले रखी है। मैं सोच रही थी कि क्या सबकी फाइलें वहीं होंगी?

भीतर बैठी लड़की ने आंखें तरेरीं- वहां जाने की सोचना भी मत! बस एक नज़र तो मार सकते हैं।

और फिर वह लीला! उसकी बंदूक-आई पॉड में उसके बेहूदे गाने अब भी भरे हैं। और वह मिसेज रॉबिन्सन! मैं उसके बारे में सोचना तक नहीं चाहती। मैं नहीं चाहती कि वह हमारे रिश्ते के बीच बदनुमा धब्बा बनकर उभरे। उसने ठीक कहा, रॉबिन्सन का नाम आते ही मेरे चेहरे पर कड़वाहट आ जाती होगी।

मैंने खुद को सुखाया और अचानक ही जोर से गुस्सा आने लगा।

पर उसे छोड़ा क्यों जाए? क्या कोई साधारण इंसान पंद्रह साल के लड़के के साथ वह सब करेगा? क्रिस्टियन के ताजा हालात में उसी का तो हाथ है। मैं उसे समझ नहीं पा रही। इस पर बदतर बात यह है कि वह कहता है कि उसने इसकी मदद की। ओह!!!

मैं उसके डरावने बचपन से जुड़े दागों को याद कर सकती हूं। मेरा प्यारा और उदास फिफ्टी शेड्स! आज उसने कितनी प्यारी बातें कीं। उसने खुद को मेरा दीवाना कहा।

मैं अपनी परछाईं देखते हुए मुस्कुरा दी। दिल खुशी से झूम उठा और चेहरे पर एक अलग सी आब आ गई। शायद हमारा रिश्ता आगे जा सके। पर वह कब तक मुझे मेरी किसी गलती पर मारने के शौक़ को दबाकर यह सब कर सकेगा?

मेरी मुस्कान वहीं धूमिल हो गई। यही तो मैं नहीं जानती। ये छाया तो हमेशा हमारे बीच आ जाती है। हां, अजीब तरह के शारीरिक संबंध- वे तो मैं बना सकती हूं पर उनसे आगे?

मेरे भीतर बैठी सयानी लड़की मुझे कोई सलाह दिए बिना खाली-खाली नज़रों से घूर रही है। मैं कपड़े पहनने के लिए बेडरूम में चल दी।

क्रिस्टियन तैयार होने नीचे गया है। इसलिए मैं अपनी मर्जी से तैयार हो सकती हूं। मेरे पास नई पोशाकों के अलावा नए अधोवस्त्र भी हैं। मैंने एक काले रंग का सेट चुना जिसपर 540 डॉलर का टैग लगा था। इसके चारों ओर सिल्वर किनारी लगी थी। जांघों तक ऊंची स्टॉकिंग्स, वह भी सिल्क में त्वचा के रंग से मेल खाती हुई। ओह *क्या एहसास है! ये तो अपने-आप में काफी हॉट हैं।*

मैं पोशाक पहनने ही जा रही थी कि क्रिस्टियन अचानक दरवाजे पर आ गया। ओह! तुम दरवाजा खटखटा नहीं सकते थे? वह वहीं खड़ा मुझे अपलक ताकता रहा। उसकी आंखें एक अनजानी सी चाह से सुलग उठीं। मैं तो लाल पड़ गई। उसने काले सूट की पैंट के साथ सफेद कमीज पहनी है। कमीज का गले का बटन खुला है।। मैं अब भी लिपस्टिक का निशान देख सकती हूं। वह अब भी मुझे घूरे जा रहा है।

"मि. ग्रे! क्या मैं आपकी मदद कर सकती हूं? बेशक आप मुझे यूं ही ताकने की बजाए किसी मकसद से ही आए होंगे।"

"मिस स्टील! मुझे आपको इस तरह देखने में भी मज़ा आ रहा है। वह हौले से बोला और मुझे आंखों ही आंखों में पीने लगा। "मुझे याद दिलाना कि कैरोलीन एक्टोन को अपनी ओर से धन्यवाद नोट भेजना है।"

मैंने त्यौरी चढ़ाई- अब वह कौन है?

"वही जिसने तुम्हारे लिए खरीदारी की।" उसने बिना कहे ही मेरी बात का जवाब दे दिया।

"ओह!"

मेरा ध्यान पता नहीं कहां है।"

"मैं देख सकती हूं। क्रिस्टियन, तुम क्या चाहते हो?" मैंने उसे बेवकूफ़ों की तरह ताका।

उसने भी दुष्ट सी मुस्कान के साथ रूपहली गोलियां जेब से निकाल लीं। ओह! क्या वह मुझे फिर से नितंबों पर मारना चाहता है? अभी? क्यों?

"ऐसा कुछ नहीं है, जो तुम सोच रही हो।" वह झट से बोला।

"तो जल्दी से बताओ।" मैंने कहा।

"मैं सोच रहा था कि तुम इन्हें अपने अन्दर रखकर पार्टी में जातीं।"

मैं अजीब से भावों से घिर गई।

"इस समारोह में?" मैं बुरी तरह से हिल गई हूं। उसने गहरी आंखों के साथ हामी भरी।

हे भगवान!

"फिर तुम बाद में मुझे मारोगे?"

"नहीं"

एक पल के लिए हल्की-सी मायूसी भी महसूस हुई।

उसने चुटकी ली- "क्या तुम चाहती हो कि मैं ऐसा करूं?"

मैंने थूक निगला। "मैं इस बारे में जानना ही नहीं चाहती।"

"खैर, मैं तुम्हें आज वैसे छूने नहीं वाला। तुम कहोगी तो भी नहीं...।"

ओह! ये तो ख़बर है।

"क्या तुम ये खेल खेलना चाहोगी? जब जी चाहे, इन्हें अपने अन्दर से निकाल सकती हो।"

मैंने उसे घूरा। आज वह कितना दुष्ट, बिगड़ैल, सेक्सी और मदहोश कर देने वाला दिख रहा है।

"अच्छा।" मन ही मन, अन्दर रहने वाली लड़की छत पर चिल्ला-चिल्लाकर हामी दे रही है।

"गुड गर्ल! क्रिस्टियन ने खीसें निपोरीं। आओ। जब तुम अपने सैंडिल पहन लोगी तो मैं इन्हें तुम्हारे अन्दर रख दूंगा।"

मेरे सैंडिल? मैंने मुड़कर देखा तो मेरी चुनी गई पोशाक से मेल खाते सैंडिल भी वहीं धरे थे। मैंने क्रिस्टियन का हाथ थामकर उसके मंगाए हुए लोबोटिन सैंडिलों में कदम रखे, 3295 डॉलर!! कम से कम पांच इंच कद बढ़ गया होगा। वह मुझे पलंग के पास ले गया पर बैठा नहीं, उसने कमरे में रखी इकलौती कुर्सी लाकर मेरे सामने रख दी।

"जब मैं इशारा दूं तो तुम इस कुर्सी को थामकर झुक जाना।" समझीं? उसने भारी सुर में कहा।

"हां।"

"गुड! अब अपना मुंह खोलो।" उसने अब भी धीमे सुर में हुक्म दिया।

मैंने वही किया और सोचा कि शायद गोलियों को चिकना बनाने के लिए मेरे मुंह में डालना चाहता है पर उसने तो अपनी तर्जनी मेरे मुंह में डाल दी।

ओह.....

"इसे चूसो।" उसने कहा। मैंने उसका हाथ थामा और वही किया जो कहा गया था। देखा, अगर मैं चाहूं तो कितनी आज्ञाकारी बन सकती हूं।

उसके हाथ से साबुन की गंध आ रही है......हम्म। मैंने चूसा तो उसकी आंखें चौड़ी हो आईं व होंठ खुल गए। ऐसे तो मुझे किसी भी तरह की चिकनाई की जरूरत नहीं होगी। उसने इस दौरान वे गोलियां अपने मुंह में डाल लीं और मेरी जीभ उसकी अंगुली से खेल रही है। जब उसने उसे निकालना चाहा तो मैंने अपने दांत गड़ा दिए।

वह मुस्कुराया और दांत निपोर दिए। फिर आंखों से फटकारा। मैं अंगुली छोड़कर कुर्सी पर झुक गई। उसने बहुत धीरे से मेरे शरीर में एक अंगुली डालकर घुमाई ताकि मैं उसे महसूस कर सकूं। न चाहने पर भी होठों से आह निकल गई।

उसने धीरे से एक-एक करके गोलियां अन्दर डालनी शुरू कर दीं। उन्हें रखने के बाद उसने मेरे कपड़े सीधे किए और पिछले हिस्से पर चूम लिया। मेरी टांगों पर टखनों से जांघों तक हाथ फिराया और फिर दोनों जांघों को हौले से चूम लिया।

"मिस स्टील! तुम्हारी टांगें बहुत सुंदर हैं।" वह हौले से बोला।

उसने खड़े होकर मुझे अपने से सटा लिया ताकि मैं उसकी उत्तेजना को महसूस कर सकूं।

"हो सकता है कि हम घर आकर यह मुद्रा अपनाएं, एना। अब तुम खड़ी हो सकती हो।"

अब गोलियों का भार शरीर को महसूस हो रहा है। क्रिस्टियन ने पीछे से मेरे कंधे चूम लिए।

"मैंने इन्हें तुम्हारे लिए खरीदा था ताकि तुम पिछले शनिवार की दावत में पहन सको।" उसने मेरे आसपास बांह का घेरा कसा और अपना हाथ आगे कर दिया। उसकी हथेली में एक छोटी सी लाल डिबिया थी, जिस पर कार्टियर लिखा था। पर तुम मुझे छोड़कर चली गईं और मुझे इसे तुम्हें देने का मौका ही नहीं मिला।

"ओह!"

"यह मेरे लिए दूसरा मौका है।" वह हौले से बोला और उसके सुर में एक अनजाना सा भाव सुनाई दिया। वह घबराया हुआ है।

मैंने डिबिया को हाथ में लेकर खोला। उसमें एक जोड़ा ईयररिंग चमक रहे थे। हरेक में चार हीरे जड़े थे। एक आधार में और फिर थोड़ी खाली जगह के बाद तीन सुंदर से हीरे एक

के बाद एक लटक रहे थे। यह बहुत ही सुंदर, प्यारी और क्लासिक चीज़ थी। अगर मुझे ऐसी दुकान में से कुछ लेने का मौका मिलता तो मैं क्या चुनती।

“ये बहुत प्यारे हैं। मैंने धीरे से कहा और चूंकि ये दूसरे चांस वाले ईयररिंग्स हैं इसलिए मेरे दिल के करीब हैं। धन्यवाद!”

उसके शरीर का तनाव धुल गया और उसने फिर से मेरा कंधा चूम लिया।

“तुम साटिन की सिल्वर पोशाक पहन रही हो।” उसने पूछा।

“हां, ये ठीक रहेगी?”

“बेशक! अब मैं जाता हूं ताकि तुम तैयार हो सको।” वह पीछे देखे बिना दरवाजे से बाहर हो गया।

मैं एक नई ही दुनिया में आ गई हूं। शीशे में झांक रही नवयुवती तो लाल कालीन पर चलने लायक लग रही है। उसका फर्श को चूमता हुआ, बिना फीतों का गाउन जबरदस्त दिख रहा है। मेरे शरीर के सभी उभारों को खूबसूरती से निखार रहा है। शायद मुझे खुद भी पोशाक चुनने वालों को धन्यवाद देना चाहिए।

मेरे बाल चेहरे पर लटों के रूप में बिखरे हैं और कंधों से होते हुए वक्षस्थल तक फैल गए हैं। मैंने उन्हें एक ओर से कान के पीछे कर दिया है ताकि मेरे नए झुमके दिखाई दे सकें। मेकअप को बिल्कुल कम रखने की कोशिश की। आईलाइनर, मस्कारा, हल्का-सा गुलाबी ब्लश और हल्की गुलाबी लिपस्टिक। सारा मेकअप नेचुरल है।

वैसे आज मुझे गालों पर लाली लगाने की जरूरत ही नहीं है। मैं गोलियों की हल्की सनसनी से वैसे ही लाल पड़ गई हूं। बेशक आज वे मेरे गालों को गुलाबी बनाए रखेंगी। मैंने क्रिस्टियन के ऐसे अजीब सेक्सी किस्म के आइडिया के बारे में सोचकर सिर झटका। फिर अपना साटिन का रैप और क्लच पर्स ले कर अपने फिफ्टी शेड्स की खोज में चल दी।

वह टेलर और तीन दूसरे लोगों के साथ गलियारे में खड़ा बात कर रहा है और मेरी ओर पीठ की हुई है। उन लोगों की चकित और प्रशंसा भरी निगाहों ने क्रिस्टियन को मुड़कर देखने के लिए विवश कर दिया। वह मुड़ा और मैं उसे मुंह फाड़े देखती रह गई।

मेरा मुंह सूख गया। वह कितना ज़बरदस्त दिख रहा है……काला डिनर सूट, काली बो टाई और उसकी कातिल अदा। वह मेरे पास आया और बाल चूम लिए।

“एना कितनी प्यारी लग रही हो।”

मैं टेलर और दूसरे लोगों के सामने अपनी तारीफ़ सुनकर लजा गई।

“जाने से पहले एक गिलास शैंपेन हो जाए।”

“प्लीज़!” मैंने झट से कहा।

क्रिस्टियन ने अन्दर आते-आते उन तीनों को देखकर हामी दी।

फिर उसने फ्रिज से शैंपेन की एक बोतल निकाली।

“हमारी सुरक्षा टीम?” मैंने पूछा।

“हां। ये लोग टेलर के अधीन हैं। वह भी इस मामले में प्रशिक्षित है।” उसने मुझे शैंपेन का गिलास थमाया।

“वह काफ़ी हुनरमंद है।”

हां, सो तो है। एना! तुम बड़ी प्यारी दिख रही हो।”

उसने गिलास को मेरे गिलास से टकराया। शैंपेन हल्के गुलाबी रंग की और स्वादिष्ट है।

“कैसा लग रहा है?”

“अच्छा! थैंक्स।” मैं प्यार से मुस्कुराई और इस बात को अनदेखा कर दिया कि वह तो उन गोलियों के बारे में पूछ रहा था।

“ये लो! आज तुम्हें इनकी जरूरत भी होगी। उसने मुझे एक बड़ा-सा रेशमी थैला दिया जो वहीं किचन की मेज पर रखा था। इसे खोलो।” उसने शैंपेन पीते हुए कहा।

मैंने उसे खोला तो उसमें से सिल्वर रंग का मास्क निकला, जिसके ऊपरी हिस्से पर नीले रंग के पंखों का गुच्छा लगा था।

“आज हम मास्क बॉल में जा रहे हैं।” उसने कहा।

अच्छा। मास्क तो बहुत प्यारा है। इसके किनारों पर एक रूपहला रिबन गुंथा है और आंखों के आसपास के हिस्से पर रूपहली कारीगरी की गई है।

“एनेसटेसिया! ये तुम्हारी खूबसूरत आंखों को और भी खूबसूरत दिखाएगा।”

मैं शरमाकर मुस्कुराई।

“क्या तुम भी पहनोगे?”

“हां, ये काफी हद तक अच्छे भी रहते हैं।” उसने कहा।

ओह! बड़ा मज़ा आने वाला है।

“आओ! मैं तुम्हें कुछ दिखाना चाहता हूं"। वह मेरा हाथ थामकर सीढ़ियों के पास बने एक कमरे में ले गया। वह कमरा उसके प्लेरूम जितना ही बड़ा रहा होगा। इसमें सारी किताबें भरी थीं। वाह! फर्श से ले कर छत तक किताबें ही किताबें। इसके बीच में एक बिलियर्ड टेबल थी जिसके ऊपर बड़ा-सा तिकोना प्रिज़्म आकार का लैंप लटक रहा था।

“तुम्हारे पास लाईब्रेरी भी है।” मैंने बड़े आश्चर्य के बीच भावुक होते हुए पूछा।

"हां। इलियट इसे बॉल्स रूम कहता है। इस अपार्टमेंट में बहुत जगह है। आज मुझे एहसास हुआ कि मैंने अभी तुम्हें पूरा घर तो दिखाया ही नहीं। अभी हमारे पास वक्त नहीं है पर मुझे लगा कि ये कमरा तो दिखा ही दूं और हो सकता है कि आने वाले वक्त में बिलियर्ड की एक-एक गेम भी हो जाए।"

मैंने खीसें निपोरीं।

"हो जाए। मैंने खुद को ख़ुशी से गले लगा लिया। जोंस और मेरा लगाव पूल पर ही हुआ था। हम पिछले तीन साल से खेलते आ रहे हैं। मुझे जोंस ने बहुत अच्छे से खेलना सिखाया है।"

"क्या? क्रिस्टियन ने चौंककर पूछा।

ओह! मुझे इस तरह अपने हर भाव को प्रकट करने की आदत छोड़ देनी चाहिए। अचानक ही यह एहसास हुआ कि ऐसा करना ही सही होगा। मैंने खुद को फटकारा।

"कुछ नहीं।" मैंने झट से कहा।

क्रिस्टियन ने आंखें सिकोड़ीं।

"खैर, हो सकता है कि आज डॉक्टर फिल्न से तुम्हें कुछ सवालों के जवाब मिलें। वे भी आने वाले हैं।"

"वह महंगा वाला नीम-हकीम?"

"हां, वही। तुमसे मिलने को मरे जा रहे हैं।"

क्रिस्टियन ऑडी में बैठे-बैठे भी मेरे हाथ को हौले-हौले से सहलाता रहा, मैं सिकुड़ी और अपने बदन में सनसनी सी महसूस की। टेलर सामने था, उसने आज आई पॉड नहीं लगा रखा था और उसके साथ सिक्योरिटी का एक और बंदा भी बैठा था। उसका नाम स्वेयर था। मैं चाह कर भी आहें नहीं भर सकी।

मेरे पेट में उन गोलियों की वजह से मीठी व हल्की-सी ऐंठन महसूस होने लगी है। मैं सोचने लगी कि कब तक इस एहसास को झेल सकूंगी? ओह!! मैंने अपनी टांग पर टांग रख ली।

"तुम्हें लिपस्टिक कहां से मिली?" मैंने क्रिस्टियन से पूछा।

उसने आगे की ओर संकेत किया-टेलर।

मैं जोर से हंस दी और एकदम चुप हो गई-गोलियों की याद आ गई।

मैंने अपना होंठ काटा। क्रिस्टियन मुस्कुराया और उसकी आंखें दुष्टता से चमक रही हैं। वह जानता है कि मैं क्या महसूस कर रही हूं। सेक्सी जानवर कहीं का!! "रिलैक्स......अगर

ये ज्यादा महसूस होने लगे तो......।” फिर वह मेरी छोटी अंगुली मुंह में लेकर चूसने लगा।

मैं जानती हूं कि वह जानबूझकर ऐसा कर रहा है। एक गहरी चाह पूरे शरीर में सरसराने लगी तो मैंने आंखें मूंद लीं। मैंने खुद को उस एहसास के बीच ही छोड़ दिया और अपने शरीर के भीतर होने वाली उस ऐंठन को महसूस करने लगी।

जब मैंने आंखें खोलीं तो क्रिस्टियन को अपनी ओर घूरते हुए ही पाया। मेरा डार्क प्रिंस!! हो सकता है कि बो टाई और जैकेट का असर रहा हो पर आज वह और भी गजब लग रहा है। अपनी उम्र से कहीं बड़ा, सलीकेदार और हैंडसम लग रहा है। उसने मेरे होश उड़ा दिए हैं। मैं उसके नशे में मदमस्त हूं और अगर उसकी बात पर भरोसा करूं तो वह मेरा है। इस सोच से ही चेहरे पर मुस्कान आ गई।

“तो हम आज शाम क्या उम्मीद रख सकते हैं?”

“ओह! वही हमेशा की तरह।” क्रिस्टियन ने हवा में बात उड़ाई।

“पर मेरे लिए ये सब आम नहीं है।” मैंने उसे याद दिलाया।

क्रिस्टियन लगाव से मुस्कुराया और मेरा हाथ चूम लिया बहुत से लोग अपने नकद का दिखावा करेंगे, फिर नीलामी, नाच-गाना और खाना-पीना; मेरी मॉम को पता है कि दावत कैसे देते हैं। वह मस्कुराया और पूरे दिन में पहली बार मैंने खुद को इस पार्टी के लिए उत्साहित महसूस किया।

ग्रे मैंशन के बाहर कतारों में एक से एक महंगी गाड़ियां खड़ी हैं। गाड़ियों की ड्राइव में लंबी हल्की गुलाबी कागज़ की लालटेनें टंगी हैं। हम ऑडी में आगे बढ़े तो मुझे सब कुछ साफ दिखने लगा। शाम की रोशनी के बीच सब जादुई दिख रहा था, मानो हम किसी जादुई दुनिया में आ गए हों। मैंने क्रिस्टियन पर नज़र मारी। मेरे प्रिंस के लिए यह जगह कितनी सही है- और मैं सब भुला कर बच्चों की तरह किलक उठी।

“मास्क पहन लो।” क्रिस्टियन ने भी अपना मास्क पहन लिया और मेरा राजकुमार और भी हैंडसम और हॉट दिखने लगा।

अब मैं उसके चेहरे पर बस एक सुंदर सा मुंह और मजबूत जबड़ा ही देख सकती हूं। उसे देखते ही दिल धड़कना भी भूल गया। मैंने मास्क पहना और अपने शरीर में कहीं गहराई से उठ रही चाह को दबा दिया।

टेलर ने गाड़ी रोकी और एक दरबान ने क्रिस्टियन के लिए दरवाजा खोला। स्वेयर ने लपककर मेरा दरवाजा खोला।

“तैयार?” क्रिस्टियन ने पूछा।

“जैसे कि मैं हमेशा रहती हूं।”

“एनेस्टेसिया! तुम बड़ी प्यारी लग रही हो।” उसने मेरा हाथ चूमा और कार से बाहर निकल गया।

घर के एक ओर, बड़ा-सा हरा कालीन बिछा है जो पिछली ओर बने सुंदर बगीचों की तरफ ले जा रहा है। क्रिस्टियन और मैं बड़े ही सभ्य तरीके से उस कालीन से होते हुए चलने लगे तो उसने मेरी कमर को अपने हाथ से घेर लिया। दो फोटोग्राफर वहां आने वाले लोगों की सुंदर पृष्ठभूमियों में तस्वीरें उतार रहे हैं। “मि. ग्रे!” उनमें से एक ने पुकारा। क्रिस्टियन ने उसे हामी देते हुए मुझे अपने पास खींच कर पोज़ दिया। उसे कैसे पता चला कि वह ग्रे है? बेशक उसके बिखरे तांबई बालों से पता चला होगा।

“दो फोटोग्राफर?” मैंने क्रिस्टियन से पूछा।

“एक तो सिएटल टाइम्स से है और दूसरा सोवनियर से है। हम बाद में उसकी कॉपी भी ले सकते हैं।”

ओह! मेरी तस्वीर फिर से प्रेस में होगी। एक पल के लिए लीला दिमाग में नाच गई। उसने इसी तरह तो मुझे पहचाना था। हालांकि मैं अपने मास्क में सुरक्षित हूं पर ये सोच ही डराने के लिए बहुत है।

लाइन के अंत में, सफेद पोशाकों में सजे बैरे हाथों में शैंपेन की ट्रे थामे खड़े हैं। क्रिस्टियन ने एक गिलास मुझे थी थमा दिया। शुक्र है कि मेरा ध्यान तो भटका।

हम बड़े से सफेद मंडप के पास पहुंचे, जिसके साथ कागज की बहुत सारी लालटेनें टंगी हैं। उसके नीचे काले-सफेद चैक में डांस फिलोर बना है, जिसके तीन ओर हल्की-सी घेराबंदी की गई है। हर प्रवेश द्वार पर बर्फ से बने हंसों की सुंदर मूर्तियां हैं। मंडप के चौथी ओर एक बड़ा-सा स्टेज है। शायद वह बैंड के लिए है जो अभी आया नहीं है। क्रिस्टियन हाथ थामकर मुझे उसी ओर ले गया जहां मेहमान गिलास खनकाते हुए बातचीत कर रहे हैं।

विशाल शमियाने के एक कोने से मुझे वह जगह भी दिखाई दे रही है जहां औपचारिक रूप से मेज और कुर्सियां लगे हैं। काफी सारी हैं!

“कितने लोग आ रहे हैं?” मैंने क्रिस्टियन से पूछा।

“शायद तीन सौ के करीब होंगे। तुम्हें मेरी मॉम से पूछना होगा।”

“क्रिस्टियन!”

तभी पीछे से एक नवयुवती निकलकर आई और उसके गले में बांहें डाल दीं। मैं जान गई कि वह ईया ही हो सकती थी। उसने हल्के गुलाबी रंग में लंबा शिफॉन का गाउन पहना था जिसके साथ एक खूबसूरत वेनेटियन मास्क गजब ढ़ा रहा था।

वह बहुत ही प्यारी दिख रही है और मैंने मन ही मन क्रिस्टियन का आभार प्रकट किया कि उसने मेरे लिए इतनी प्यारी पोशाक मंगवाई।

"एना! ओह डार्लिंग, तुम कितनी प्यारी लग रही हो।" उसने मुझे एक गलबांही दी। "आओ आकर मेरी दोस्तों से मिलो। उनमें से किसी को भी यकीन ही नहीं होता कि क्रिस्टियन की कोई गर्लफ्रेंड भी हो सकती है।"

मैंने झट से क्रिस्टियन की ओर एक डरी हुई नज़र डाली और उसने मजबूर हो कर कंधे झटक दिए। उसके चेहरे पर कुछ ऐसे भाव थे- मैं जानता हूं कि वह ऐसी ही है और मैं बरसों से उसके साथ ऐसे ही रहता आया हूं! वह मुझे चार युवतियों के समूह में ले गई। सभी महंगे कपड़ों में सजी और निखरी दिख रही थीं।

ईया ने झट से मुझे उनसे मिलवाया। उनमें से तीन तो प्यारी और दिल की अच्छी दिखीं पर लिली अपने लाल मास्क के नीचे से मुझसे ज़रा कड़वाहट से पेश आई।

"बेशक, हमें तो लगता था कि क्रिस्टियन समलैंगिक है।" उसने एक झूठी मुस्कान के साथ तोप का गोला दागा।

ईया ने उसे देखकर मुंह बनाया।

"लिली! तमीज़ से पेश आओ। ये तो साफ है कि वह औरतों के मामले में बहुत ही सभ्य रुचि रखता है। वह अपने लिए एक सही पसंद की तलाश में था और वह तुम नहीं थीं!" लिली का रंग अपने मास्क की तरह ही लाल पड़ गया। मेरा भी यही हाल था। क्या ये सब इससे भी बदतर हो सकता था?

"लेडीज़! क्या मैं अपनी डेट को आपसे वापिस ले सकता हूं?" क्रिस्टियन ने मेरी कमर में अपनी बांह डालते हुए मुझे अपनी ओर खींचा। क्रिस्टियन की जादुई मुस्कान के असर से वे चारों लड़कियां घबराईं, मुस्कुराईं और पूरी तरह से फ़िदा हो गईं। ईया ने मुझे देखकर आंखें नचाईं और मेरी हंसी छूट गई।

"तुमसे मिलकर अच्छा लगा।" उसने कहा और मुझे अपने साथ खींच ले गया।

"धन्यवाद!" मैंने कुछ दूरी पर आने के बाद क्रिस्टियन से कहा।

"मैंने देखा ईया के साथ लिली भी खड़ी थी। वह भी अजीब बला है।"

"वह तुम्हें पसंद करती है।" मैंने हौले से कहा।

उसने कंधे झटके- "मैं तो पसंद नहीं करता। आओ, तुम्हें कुछ लोगों से मिलवाता हूं।"

मैंने अगला आधा घंटा तरह-तरह के लोगों से मिलते हुए बिताया। मैं दो हॉलीवुड अभिनेताओं, दो और सीईओ तथा कई तरह के डॉक्टरों से मिली। बेशक मुझे उनमें से एक का भी नाम याद नहीं रहने वाला था।

क्रिस्टियन ने मुझे अपने साथ ही रखा, जिसके लिए मैं उसकी शुक्रगुजार हूं। सच कहूं तो उस समारोह की शानो-शौकत और रौब ने मुझे भयभीत कर दिया था। मैं अपनी जिंदगी में

पहले कभी ऐसे समारोह में नहीं गई थी।

दरबान बड़ी आसानी से बढ़ती भीड़ के बीच भी शैंपेन के गिलास लिए चले जा रहे थे और मैं बार-बार एक ही बात दोहरा रही थी कि मुझे ज्यादा नहीं पीनी चाहिए, *मुझे ज्यादा नहीं पीनी चाहिए* पर मेरा सिर चकराने लगा था और पता नहीं ये शैंपेन का असर था या फिर उस माहौल के रहस्य, मास्क से पैदा उत्तेजना या छिपी हुई रूपहली गोलियों का कमाल था।

अब कमर के नीचे होने महसूस होने वाले हल्के से दर्द को अनदेखा करना मुश्किल हो रहा था।

"तो तुम एसआईपी में काम करती हो?" एक गंजे आदमी ने अपने आधे मास्क के साथ पूछा, पता नहीं उसका मास्क भालू का था या कुत्ते का? "सुना था कि उसका तो टेकओवर होने वाला है।"

मैं घबरा गई। ये काम ऐसा इंसान करने जा रहा है जिसके पास बुद्धि से ज्यादा पैसा है और जो किसी के भी बारे में सब पता लगाने की खूबी रखता है।

"मि. एक्लीज़! मैं तो एक निचले पद की सहायिका हूं। मुझे इन बातों के बारे में कुछ पता नहीं है।"

क्रिस्टियन बिना कुछ कहे उसे देखकर मुस्कुराता रहा।

"लेडीज़ एंड जैंटलमैन!" काले-सफेद मास्क वाले मास्टर ऑफ सेरेमनी ने हमारा ध्यान अपनी ओर खींचा।

"आप अपनी सीटों पर जाएं। डिनर परोसा जा रहा है।"

क्रिस्टियन ने मेरा हाथ थामा और हम शमियाने की ओर चल दिए।

वहां की सजावट देखने लायक थी। तीन बड़े व उथले फानूस छत व दीवारों की रेशमी झालर पर इंद्रधनुषी रंग की रोशनी बिखेर रहे हैं। वहां करीब मेज रहे होंगे और उन्हें देखकर मुझे हीथमैन के उस होटल की याद आ गई-क्रिस्टल के गिलास, कुर्सियों व मेजों को ढकने वाली चटक सफेद लिनन और बीच में हल्के गुलाबी फूलों की बहार। उसके पास ही सामान से भरी टोकरी है, जिसे रेशम में लपेटा गया है।

क्रिस्टियन ने बैठने की योजना के बारे में पूछा और कोने की मेज़ पर ले गया। ईया और ग्रेस ट्रेवलियन एक ऐसे युवा के साथ बैठी बात कर रही हैं, जिसे मैं नहीं जानती। ग्रेस ने मेल खाते मास्क के साथ हरे रंग का गाउन पहना है। वे सुंदर लग रही हैं। उन्होंने बड़ी गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया।

"एना! तुम्हें देखकर खुशी हुई। तुम कितनी प्यारी लग रही हो।"

"मॉम!" क्रिस्टियन ने उनके दोनों गाल चूमे।

“ओह! क्रिस्टियन! इतनी औपचारिकता।” उन्होंने प्यार से फटकारा।

ग्रेस के माता-पिता ट्रेवलियन भी हमारे मेज पर आ गए वे बहुत ही उमंग से भरपूर और जिंदादिल लग रहे हैं। वे क्रिस्टियन को देख उमग उठे।

“नानी मां, नाना जी! मैं आपको एनेस्टेसिया स्टील से मिलवाना चाहूंगा।”

मिसेज ट्रेवलियन दिल खोल कर मिलीं। “ओह! तो तूने किसी को अपने लिए खोज ही लिया। सच्ची ! ये तो बड़ी प्यारी और सुंदर है। उम्मीद करती हूं कि तुम इसका साथ निभाओगी।” उन्होंने मुझसे हाथ मिलाया।

ओह! शुक्र है कि मैंने मास्क पहन रखा है।

“मॉम! एना को शर्मिंदा मत करो।” ग्रेस मुझे बचाने आ गईं।

“डियर! इस बुढ़िया की बातों पर ध्यान मत देना।” नाना जी ने हाथ मिलाते हुए कहा। “ये सोचती है कि बुढ़िया होने के नाते, इसके दिल में जो आए, बक सकती है।”

“एना! ये मेरे साथ हैं, सिआन।” ईया ने अपने साथ बैठे युवक से मेरा परिचय करवाया उसने मुझे दुष्टता से देखा और हमने हाथ मिलाए तो उसकी आंखें बोल उठीं।

“सिआन! आपसे मिलकर अच्छा लगा।”

क्रिस्टियन ने उससे बेदिली से हाथ मिलाया। बेचारी ईया भी अपने भाई के इस बर्ताव को झेलती है। मैंने ईया को देखकर सहानुभूति से भरपूर मुस्कान दी। ग्रेस के दोस्त, लांस और जैनी हमारे मेज का आखिरी जोड़ा थे पर कैरिक का कोई पता नहीं है।

तभी माइक्रोफ़ोन पर कैरिक का स्वर सुनाई दिया। आसपास से आते स्वर सुनाई देने बंद हो गए। कैरिक हाथ में माइक लिए मंच पर खड़े हैं और बहुत ही प्यारा मास्क पहना हुआ है।

“लेडीज एंड जैंटलमैन! हमारे चैरिटी बॉल में आप सबका स्वागत है। उम्मीद करता हूं कि आप आज रात भरपूर आनंद लेंगे और कोपिंग टुगेदर के लिए दिल खोल कर दान देंगे। जैसा कि आप सब जानते हैं कि ये नेक काम मेरे और मेरी पत्नी के दिल के कितना करीब है।”

मैंने घबराकर क्रिस्टियन को झांका । जो स्टेज पर अपलक ताक रहा था। उसने मुझे कनखियों से देखते हुए मुस्कुराहट दी। "अब मैं मास्टर ऑफ सेरेमनी को यह भार देता हूं। अघ्पया बैठ जाएं और प्रोग्राम का आनंद लें।” कैरिक ने अपनी बात खत्म की।

हल्की तालियों के बाद टैंट में खुसर-पुसर शुरू हो गई। मैं क्रिस्टियन और उसके नाना जी के बीच बैठी हूं। मैंने सफेद रंग के कार्ड पर, रूपहली कैलीग्राफी में लिखे अपने नाम को सराहा। एक वेटर ने बीच में रखी बड़ी मोमबत्ती जला दी। कैरिक भी आ गए और मेरे दोनों गाल चूमकर मुझे हैरत में डाल दिया।

"एना! तुमसे दोबारा मिलकर बहुत अच्छा लगा।" वे सचमुच अपने सुनहरे मास्क में असाधारण रूप से खूबसूरत लग रहे हैं।

एम सी ने कहा- लेडीज एंड जैटलमैन: आप अपने मेज के हैड के लिए नाम दें।

"ओह- मैं! मैं!" ईया ने खुशी से उछलते हुए कहा।

"मेज के बीच आपको एक लिफाफा पड़ा मिलेगा। अपनी ओर से इसमें कोई भी बिल डालें और मेज हैड इसे संभाल कर रखें। हमें बाद में जरूरत होगी।" मैं भी अजीब पागल हूं, ये चैरिटी शो है और मैं खाली हाथ हूं।

क्रिस्टियन ने अपने पर्स में से दो बिल निकाले।

"ये लो"

"ये क्या?"

"मैं बाद में दे दूंगी।" मैंने धीरे से कहा।

उसका मुंह तिरछा हो आया। मैं जानती हूं कि उसे सुनकर अच्छा नहीं लगा होगा। मैंने उसके फाउंटेन पैन से अपना नाम लिखा-काले पैन के ढक्कन पर सफेद फूल का मोटिफ बना है। ईया ने लिफाफे को सबके बीच घुमा दिया।

मेरे सामने एक और कार्ड पड़ा है जिस पर कैलीग्राफी में हमारा मेन्यू लिखा गया है।

कोपिंग टुगेदर के लिए हो रहे मास्क्ड बॉल का मेन्यू

सॉलमन टार्टड विद क्रीम फ्रेक एंड
कुकंबर ऑन टोस्टिड ब्रोक
एल्बन एस्टेट रोसाने 2006
रोस्टिड मस्कोवी डक ब्रेस्ट
क्रीम जेरुशलाम आर्टीचोक प्यूरी
थाइम रोस्टिड, बिंज चैरीज़, फोई ग्रास
चैटेनफ-डु-पेप विलीज़ विग्नेज 2006
डोमेन डि ला जैनेस

शुगर अर्स्टिड वालनट शिफॉन
कैंडिड फिग्स, साबायॉन, मेपल आइसक्रीम
विन डि कास्टांस 2004 लिन कांस्टेनिया

सलेक्शन ऑफ लोकल चीज़ एंड ब्रेड
एल्बन एस्टेट ग्रीनेक 2006

कॉफी एंड पैटिस फोर्स

मेरे सामने कई तरह के क्रिस्टल गिलासों का ढेर लग गया है। हमारा वेटर वापिस आकर पानी और वाइन परोस रहा है। मेरे पीछे टैंट का वह हिस्सा है, जहां से हम आए थे, उसे बंद कर दिया गया है। आगे की ओर से दो दरबान कैनवस को पीछे खींचे हुए हैं, जहां सेसिएटल व मैडेनबोर खाड़ी के ऊपर सूर्यास्त दिखाई दे रहा है।

यह तो सचमुच होश उड़ा देने वाला नज़ारा है, दूर से सिएटल की रोशनियां जगमग कर रही हैं और यहां सुनहरी सांझ ने आकाश व खाड़ी को नए ही रंग में रंग दिया है। वाह! ये सब कितना शांत व सहज लग रहा है।

दस व्यक्ति परोस रहे हैं और उनमें से हरेक हमारे बीच प्लेट लिए खड़ा है। वे जाने किसके इशारे पर हमें स्नैक्स परोस कर ओझल हो गए। सालमन स्वादिष्ट लग रहा है और शायद मुझे भूख भी लगी है।

"भूख लगी है?" क्रिस्टियन ने हौले से पूछा जो शायद मेरे सिवा किसी को नहीं सुना होगा। मुझे पता है कि वह किसी भूख की बात कर रहा है और मेरे पेट की मांसपेशियों में ऐंठन होने लगी।

"बहुत।" मैंने जवाब दिया और क्रिस्टियन ने गहरी आह भरी।

हा! देखा......हम दोनों यह खेल कितना अच्छा खेल सकते हैं।

क्रिस्टियन के नाना ने मुझे झट से बातों में लगा लिया। वे एक प्यारे से बुर्जुग हैं जिन्हें अपनी बेटी और तीन दोहते-दोहतियों पर गर्व है।

क्रिस्टियन की किसी बच्चे के रूप में कल्पना करना भी अजीब लगता है। अचानक ही मेरे दिमाग में उसके शरीर पर जले के निशान आ गए पर मैंने झट से उस सोच को परे कर दिया। मैं इस बारे में सोचना नहीं चाहती और विडंबना यही है कि इस पार्टी का कारण भी यही है।

काश केट और इलियट यहां होते। वह यहां के लिए बिल्कुल फिट थी- उसे अपने सामने रखे चाकू-छुरियों से डर न लगता और वह बड़े मज़े से पूरी मेज़ को अपने काबू में कर लेती। मैं कल्पना कर रही हूं कि वह ईया के साथ सिर भिड़ा कर यह तय कर रही होती कि मेज़ का हैड किसे बनाया जाए। इसी सोच ने मुझे मुस्कुराने पर मजबूर कर दिया।

मेज़ पर कई तरह की बातचीत जारी है, ईया अपने ही अंदाज में सबका मन बहला रही है, सिआन मेरी तरह चुप है। क्रिस्टियन की नानी अपने पति के बारे में चुटकियां लेने से बाज़ नहीं आ रहीं। मुझे तो उनके लिए थोड़ा अफसोस भी होने लगा।

क्रिस्टियन और लांस क्रिस्टियन की कंपनी द्वारा बनाए जा रहे एक यंत्र की बात कर रहे हैं जिसे ई एफ स्कूमेशर के 'स्माल इज़ ब्यूटीफुल' के नियम से प्रेरित होकर बना रहे हैं। उनके साथ मैं क्या बात करती। लगता है कि क्रिस्टियन को ऐसी तकनीकों से बेहद लगाव है जिन्हें वह छोटे-बड़े समुदायों के बीच आसानी से प्रसारित कर सके और उन्हें चलाने के लिए किसी तरह की बिजली, बैटरी या देखरेख की आवश्यकता न हो।

उसे मनोयोग से ऐसी बातें करते देखना अच्छा लगता है। वह गरीबों की जिंदगियों को और बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध लगता है। ओह, उसकी टेलीकम्यूनिकेशन कंपनी ने भी तो यही किया था।

वाह! मैं तो यही सोचती थी कि वह दुनिया के गरीबों और भूखों को सस्ती दरों पर खाना दिलवाना चाहता है पर वह तो कमाल है.....

लांस को क्रिस्टियन की यह योजना पसंद नहीं आ रही कि तकनीक को परे रखते हुए उसका पेटेंट न कराया जाए। मैं सोचने लगी कि अगर क्रिस्टियन इसी तरह से निर्णय लेता है तो वह पैसा कैसे बनाता होगा?

सारे डिनर के दौरान मास्क पहने कई सभ्य पुरुष क्रिस्टियन से हाथ मिलाने और हाल-चाल लेने आते रहे। उसने कईयों से मुझे मिलवाया भी पर सबसे नहीं मिलवाया। मैं सोचने लगी कि वह उनमें उतर कैसे कर पा रहा होगा।

ऐसी ही एक बातचीत के दौरान ईया मेरे पास झुककर बोली।

"एना, क्या तुम बोली में मदद करोगी?"

"बेशक!" मैं भी तो यही चाहती थी।

जब तक मीठा परोसा जाता और रात परवान चढ़ती, मेरी बेचैनी बढ़ती गई। मुझे उन गोलियों से छुटकारा पाना है। इससे पहले कि मैं उठ पाती, हमारी मेज़ पर कई तरह के समारोह शुरू हो गए और ये क्या- ये तो वही है मिस यूरोपियन दो चोटियों वाली।

क्या नाम था इसका? हैंसल......ग्रेटल......ग्रेचन

उसने मास्क पहन रखा है पर मुझे पता है कि ये वही है क्योंकि उसकी नज़रें क्रिस्टियन से हट ही नहीं रहीं। वह शरमाई और मुझे इस बात की खुशी हुई कि क्रिस्टियन को उसके बारे में पता ही नहीं चला।

एमसी ने हमारे लिफाफे लिए और बड़ी ही सधी हुई दक्षता के साथ ग्रेस से विजेता का नाम निकालने को कहा। सिआन का नाम आया और उसे रेशम में लिपटी टोकरी उपहार में दी गई।

मैंने भी तालियां बजाईं पर अब सहा नहीं जा रहा।

"माफ कीजिए।" मैंने क्रिस्टियन को देखा।

उसने मुझे गहरी नज़रों से घूरा।

"क्या तुम वाशरूम जाना चाहती हो?"

मैंने हामी दी।

"मैं ले चलता हूं।" वह उठ खड़ा हुआ।

मैं उठी तो मेज़ पर बैठे सभी पुरुष खड़े हो गए। ओह क्या मैनर्स हैं।

"नहीं, क्रिस्टियन ! एना को मैं ले जाती हूं।" ईया बोली।

क्रिस्टियन के किसी भी विरोध से पहले ईया साथ जाने को तैयार थी। उसके जबड़े तन गए। वह खुश नहीं लगा और सच कहूं तो मुझे भी यह सुनकर अच्छा नहीं लगा। मैंने उसे देखकर माफी मांगते हुए कंधे झटके और वह हथियार डालकर बैठ गया।

हम लौटे तो मैं बेहतर महसूस कर रही थी हालांकि उतना आराम नहीं आया था जितना मेरे हिसाब से गोलियां निकालने के बाद महसूस होना चाहिए था पर फिर भी बेहतर लग रहा था और वे मज़े से मेरे पर्स में आराम फरमा रही थीं।

मुझे ऐसा क्यों लगा था कि मैं उन्हें पूरी शाम सह सकती हूं। अब भी दिल तो मचल ही रहा है। काश! मैं क्रिस्टियन को बोटहाउस पर जाने के लिए लुभा सकूं। इस सोच से ही मैं खिसिया सी गई। वह मुझे ही घूर रहा है और होठों के कोनों पर नटखट मुस्कान तैर रही है।

ओह! शुक्र है कि वह गोलियां निकालने वाली बात पर नाराज़ नहीं है। जबकि मुझे ऐसा करके अच्छा नहीं लग रहा। क्रिस्टियन ने मेरा हाथ दबाया और हम दोनों ही ध्यान से कैरिक को सुनने लगे जो स्टेज से कोपिंग टुगेदर के बारे में बता रहे हैं। क्रिस्टियन ने मुझे एक और कार्ड दिया- वह नीलामी के पुरस्कारों की सूची है। मैंने झट से नज़र मारी।

नीलामी उपहार तथा कोपिंग टुगेदर के लिए उदार दानी

मैरीनर्स का हस्ताक्षरयुक्त बेसबॉल बैट
डॉ. एमिली मेनवारिंग

गुकी पर्स, वालेट व चाबी का छल्ला-एंड्रिया वाशिंगटन

एस्कालावा के ब्रावर्न सेंटर में दो लोगों के लिए एक दिन का वाउचर
एलिना लिंकन
लैंडस्केप व गार्डन डिज़ाइन-जिआ माटिओ

कोको डि मेर कॉफ्रेट एंड परफ्यूम ब्यूटी स्लैक्शन
एलिजाबेथ ऑस्टिन

वेनेटियन मिरर-मि. एंड मिसेज जे बेली

एल्बन एस्टेट से आपके दो मनपसंद वाइन केस
एल्बन एस्टेट्स

एक्सटीवाई इन कांसर्ट के दो वीआई टिकट-मिसेज एल येशयोव
डेटोना में रेस डे-ईएमसी ब्रिट

जेन ऑस्टिन की प्राइड एंड प्रेजुडाइस, पहला संस्करण
डॉ. ए एफ एम लेसफील्ड

एक दिन के लिए एस्टन मार्टिन डीबी 7 की ड्राइव
मिसेज व मि. एल डब्लयू नोरा

'इनटू द ब्ल्यू', जे टूटॉन का तैल चित्र्-केली टूटॉन

ग्लाईडिंग लैसन-सिएटल एरिया सोरिंग सोसायटी

हीथमैन होटल में दो के लिए सप्ताहांत अवकाश
पोर्टलैंड-हीथमैन होटल

एस्पेन, कोलोराडो में एक सप्ताहांत का अवकाश
मिस सी ग्रे

द सूसीक्यू यॉट , (विदेश में) एक सप्ताह तक रहने की छूट (छह बर्थ) -डॉ. एंड मिसेज लॉरीन

लेक एंड्रिया, मोन्टाना (आठ जन) में एक सप्ताह
मि. व डॉ. ग्रे

"हाय! मैंने क्रिस्टियन को ताका।

"एस्पेन में भी तुम्हारी जायदाद है? अभी बोली चल रही है इसलिए मुझे सुर नीचा रखना पड़ा।

उसने हैरानी से गर्दन हिलाई और मुझे चुप रहने का संकेत किया।

"क्या कहीं और भी प्रापर्टी ले रखी है?" मैं हौले से बोली।

उसने हामी दी और चुप रहने को कहा।

सारे कमरे में तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी। एक प्राइज़ की बोली 12000 डॉलर गई है।

“बाद में बात करेंगे। वैसे मैं तुम्हारे साथ आना चाहता था।” क्रिस्टियन का मूड खीझा हुआ दिखा।

मैं भी खीझी हुई हूं। उदार दानियों की सूची में मिसेज रॉबिन्सन का नाम जो दिख गया है।

मैंने टैंट में नज़र मारी पर दिखाई नहीं दी। वैसे अगर वह यहां होती तो क्रिस्टियन ने मुझे पक्का पहले ही बता दिया होता। मैं चुपचाप तालियों के बीच नीलामी होती सुन रही हूं।

एस्पेन में क्रिस्टियन की जगह की नीलामी 20000 डॉलर तक पहुंच गई है।

“बीस हजार एक! बीस हजार दो!”

एस सी ने कहा।

पता नहीं मुझे क्या हुआ कि मैंने अपना ही स्वर गूंजता सुना।

“चौबीस हजार डॉलर”

मेज़ का हर मास्क मेरी ओर हैरानी से घूम गया। मैं क्रिस्टियन की प्रतिक्रिया भी भांप सकती थी, वह बुरी तरह से खीझ गया होगा।

“चौबीस हज़ार डॉलर,” सिल्वर पोशाक वाली महिला ने बोली दी है।

“चौबीस हजार डॉलर एक! चौबीस हजार डॉलर।

“ दो!.........बिक गया!!!!”

अध्याय 7

हाय! क्या ये शब्द अभी मेरे मुंह से निकले? ये शराब का असर रहा होगा। मैंने शैंपेन के अलावा चार अलग तरह की वाइन पी रखी थी। मैंने क्रिस्टियन को ताका, जो तालियां बजाने में मग्न है। हो गया कबाड़ा! वह मुझसे बहुत नाराज होने वाला है। हमारे बीच की खाई फिर से चौड़ी हो जाएगी।

क्रिस्टियन मेरी ओर झुका और उसके चेहरे पर एक नकली मुस्कान चिपकी हुई है। उसने मेरे गाल चूमे और कान में बोला।

"समझ नहीं आता कि तुम्हारी पूजा करूं या पिछवाड़े पर मार-मार कर तुम्हें अधमरा कर दूं?"

ओह! मैं जानती हूं कि अभी मुझे क्या चाहिए मैंने उसे मास्क से देखते हुए पलकें झपकाईं। काश मैं उसकी आंखें पढ़ पाती!

"प्लीज! मैं दूसरा विकल्प लेना चाहूंगी।" मैंने उसे दीवानावार कहा, उसने होंठ खोलते हुए गहरी आह भरी। *ओह! मैं इसे अभी अपने लिए चाहती हूं। मैं उसके लिए तरस रही हूं।* उसने मुझे एक ऐसी मुस्कान दी जिसने मुझे बेदम कर दिया।

"परेशान हो, है न? हम देखते हैं कि इस बारे में क्या कर सकते हैं?" वह मेरे जबड़े के पास अंगुली फिराते हुए बोला।

उसका स्पर्श कहीं गहराई तक जा कर मुझे छू रहा है। मैं अभी उससे लिपट जाना चाहती हूं पर चुपचाप बैठी नीलामी की कारवाई देखती रही।

मैं स्थिर नहीं बैठ पा रही। क्रिस्टियन की बांह मेरे कंधे पर रखी है और वह अपने अंगूठे से मेरी पीठ सहला रहा है, पूरे शरीर में सनसनाहट हो रही है। उसने दूसरे हाथ से मेरे हाथ को अपने होंठ के पास ले जाकर चूमा और फिर उसे गोद में रख लिया।

हालांकि मुझे उसका खेल देर से समझ आया। उसने मेरा हाथ अपने उभार पर टिका दिया और मेरी आंखें डर के मारे सिकुड गईं। पर मेज की सभी आंखें मंच पर हैं। शुक्र है कि मैंने मास्क पहन रखा है।

मैंने भी मौके का फायदा उठाया और हौले से अंगुलियों को उस हिस्से पर घूमने दिया। उसके हाथ ने मेरी अंगुलियों की इस हरकत को छिपा रखा है और अपने दूसरे हाथ से मेरी

गर्दन के पीछे सहला रहा है। मेरे स्पर्श को महसूस करते हुए उसने एक आह भरी। मेरे लिए यह बहुत मायने रखता है। वह मुझे चाहता है। मेरी नाभि के आसपास का हिस्सा सिकुड़ सा गया। अब तो यह तड़प सही नहीं जाती।

मोंटाना में एंड्रियाना झील के पास एक सप्ताह बिताने वाली नीलामी के साथ यह कार्यक्रम खत्म हुआ बेशक मि. व डॉ. ग्रे का घर मोंटाना में भी है, बोली काफी ऊपर तक गई पर मेरा ध्यान वहां नहीं था। मैं उसके उभार को और भी गहराई से महसूस कर पा रही हूं और इससे मुझे एक अजीब सी ताकत का एहसास हो रहा है।

नीलामी की राशि सुनते ही सभी तालियां बजाने लगे और हमें भी अपना खेल रोक कर तालियां बजानी पड़ीं।

वह मेरे पास मुड़कर बोला- "तैयार?"

"हां!" मैंने भी जवाब दिया।

"एना। ईया बोली। चलो वक्त हो गया।"

क्या? अब नहीं? "किस चीज़ का वक्त हो गया?

"पहले नाच की नीलामी। आओ।" वह उठी और मेरा हाथ थाम लिया।

मैंने क्रिस्टियन को देखा, जो शायद ईया को देखकर मुंह बना रहा है और मुझे समझ नहीं आ रहा कि हंसू या रोऊं? मैंने स्कूली लड़कियों की तरह किलकारी भरी और ईया ग्रे के साथ चल दी। क्रिस्टियन के चेहरे पर खिसयानी सी मुस्कान है।

"पहला नाच मेरे साथ होगा और यह डांस फिलोर पर नहीं होगा।" वह मेरे कान में बोला। यह सुनते ही मेरी किलकारी गले में ही सूख गई। ओह हां! भीतर बैठी लड़की को अपने आइस स्केट्स में जौहर दिखाने का मौका मिल गया।

"मैं इंतजार करूंगी।" मैंने आगे बढ़ कर उसके गाल पर छोटा-सा और प्यारा चुंबन दे दिया।

मुझे एहसास हुआ कि हमारे मेज के मेहमान यह देखकर हैरान हो रहे हैं। बेशक उन्होंने आज से पहले क्रिस्टियन को कभी किसी लड़की के साथ नहीं देखा। उसने एक बड़ी-सी मुस्कान दी और वह खुश दिख रहा है।

"आओ एना!" ईया बोली। मैं उसका हाथ थामकर मंच पर पहुंच गई। जहां दस नवयुवतियां पहले से मौजूद हैं और मैंने देखा कि उनमें लिली भी थी।

"जेंटलमैन! आज का खास आकर्षण।" एम सी ने कहा।

"आप सभी जिस पल के इंतजार में थे। वह आ पहुंचा है। ये बारह लड़कियां अपने पहले नाच की नीलामी के लिए आई हैं। देखते हैं कि सबसे बड़ी बोली कौन लगाता है?"

अरे नहीं! मेरा चेहरा लाल हो गया। मुझे पहले समझ नहीं आया था कि इस बात का मतलब क्या था। ये तो बड़ा अपमानजनक लग रहा है।

"ये सब अच्छे काम के लिए है।" ईया ने कान में कहा। वैसे भी क्रिस्टियन ही जीतेगा। मैं तो सोच भी नहीं सकती कि वह अपने आगे किसी को टिकने देगा। सारी शाम से उसकी आंखें तुम पर ही टिकी हुई हैं।" ईया ने आंखें नचाईं।

हां, ये भले काम के लिए है और क्रिस्टियन किसी को जीतने नहीं देगा। मैंने इन दोनों बातों को मन में दोहराया।

पर इसका मतलब होगा, तुम पर और पैसा लगाना। अन्दर बैठी सयानी लड़की ने अपना दिमाग लगाया। पर मैं किसी और के साथ नाचना नहीं चाहती- मैं किसी और के साथ नाच ही नहीं सकती। वह मुझ पर पैसा नहीं लगा रहा। दान में दे रहा है। जैसे कि अभी उसके चौबीस हजार डॉलर गए हैं। सयानी लड़की ने आंखें सिकोड़ीं।

ओह ! मैंने इतनी बेतुकी नीलामी क्यों दी ?

"आएं श्रीमान! देखें कि आप किसके साथ पहला नाच करना चाहेंगे। ये बस आपके सामने खड़ी हैं।"

ओह! ऐसा लग रहा है कि मैं बाजार में बिकने आई हूं। करीब बीस मर्द आगे बढ़े और क्रिस्टियन भी बड़ी सहजता से लोगों को हैलो बोलता हुआ, मेजों के बीच से निकलता आ रहा है। जब सभी बोली लगाने वाले आ गए तो एम सी ने शुरूआत की।

"लेडीज एंड जैंटलमैन हम मास्क बॉल की परंपरा को बरकरार रखते हुए इन मास्क के पीछे छिपे राज को राज ही रहने देंगे और केवल पहले नाम का ही प्रयोग होगा। सबसे पहले मिलें प्यारी सी जाडा से!"

जाडा भी स्कूली लड़कियों की तरह खिलखिलाई। ओह! मेरी जैसी और भी लड़कियां हैं। उसने मेल खाते मास्क के साथ नेवी रंग की पोशाक पहनी है। उसके लिए दो नवयुवक आगे आए। लकी जाडा!

"जाडा धाराप्रवाह जापानी बोलती है। फाइटर प्लेन उड़ाती है और ओलंपिक जिमनास्ट भी है।"

अच्छा! फेंक रहा है!!!!

"तो मैं क्या बोली लगाऊं ?"

"एक हजार।"

और जल्दी से बोली 5000 तक पहुंच गई।

"तो ये बोली गई मास्क वाले जैंटलमैन के खाते में!" एम सी ने कहा और सभी हंसने लगे क्योंकि वहां तो सभी मास्क में ही थे। जाडा अपने खरीदार को देखकर दमकी और स्टेज से परे हो गई।

"देखा! मजा आया न! उम्मीद करती हूं कि क्रिस्टियन तुम्हें जीत ले। मैं नहीं चाहती कि वह यहां किसी से झड़प करे।"

"झड़प।" मैं भयभीत हो गई।

"हां, जब वह जवान था तो अक्सर उसकी लोगों से हाथापाई होती थी।" उसने कंधे झटके।

क्रिस्टियन और हाथापाई? इतना संभला हुआ, सलीकेदार इंसान और लड़ाई। मैं तो कल्पना तक नहीं कर सकती। एम सी की आवाज से मेरी तंद्रा टूटी। लंबे काले बालों और लाल पोशाक वाली एक लड़की आगे आई।

"मैं आपका परिचय मारिया से कराना चाहता हूं। अब आपको मारिया के बारे में क्या बताएं। ये कांसर्ट स्टैंडर्ड का सैलो बजाती है, पोल वाल्ट की चैंपियन है और मैं इस प्यारी सी मारिया के साथ नाच के लिए क्या बोली शुरू करूं?"

मारिया ने एम सी को देखा और कोई जोर से चिल्लाया। "तीन हजार डॉलर।" लाल बालों वाले बंदे ने यह बोली दी थी।

तभी किसी और ने बोली दी और मारिया का नाच 4000 डॉलर में बिका।

क्रिस्टियन की नजरें मुझ पर जमी हुई हैं। *ओह लड़ाका क्रिस्टियन,* भला कौन जानता था?

"क्रिस्टियन कितने साल पहले यह सब करता था?" मैंने ईया से पूछा।

"अपनी किशोरावस्था में! उसने तो मॉम-डैड की नाक में दम कर दिया था। अकसर कटे होंठ और सूजी आंखों के साथ घर आता। दूसरों को भी काफी चोट पहुंचा देता था।"

मैं उसे ताकती रही।

"उसने तुम्हें नहीं बताया? उसने आह भरी। मेरे दोस्तों के बीच तो वह काफी बदनाम था पर जब वह पंद्रह-सोलह का हुआ तो सब ठीक होता चला गया।"

ओह! पहेली का एक और टुकड़ा हाथ आ गया।

"चार हजार डॉलर।" एक और नीलामी की आवाज सुनाई दी। मैं तो किसी और ही दुनिया में आ गई थी।

"अच्छा क्रिस्टियन का स्वभाव स्कूली दिनों में ऐसा ही था। पर क्यों?" मैंने उसे ताका और लिली हमें बहुत पास से देख रही है।

"अब मैं आपको खूबसूरत एना से मिलवाना चाहता हूं।" ओह ये तो मेरा नाम है।

मैंने ईया को देखा जिसने मुझे स्टेज के बीच धकेल दिया। मैं गिरी तो नहीं पर वहां खड़े-खड़े पानी-पानी हो गई। जब मैंने क्रिस्टियन को देखा तो वह कनखियों से मुस्कुरा रहा था। कमीना कहीं का!

"प्यारी सी एना छह वाद्य यंत्र बजा लेती है। धाराप्रवाह मैंड्रिन बोलती है और योग भी करती है...।" उसकी बात पूरी होने से पहले ही क्रिस्टियन बोल उठा।

"दस हजार डॉलर"

"ओह! ये क्या?"

"पंद्रह"

"हैं? हम सबने एक साथ मुड़कर देखा तो एक लम्बे से बंदे को बोली बढ़ाते देखा। "शिट!" क्रिस्टियन के लिए डर लगने लगा पर वह तो उस अजनबी से चिढ़ने की बजाए उसे देखकर अपनी चिबुक खुजा रहा है। शायद आपस में परिचित हैं।

"ओह! आज तो इस शाम को रंगीन बनाने के लिए बोली लगाने वालों की कमी नहीं है। तो हम अब क्या करें।"

लोगों के लिए ये शो था और मैं शो-पीस बनी हुई थी।

"बीस!" क्रिस्टियन बोला।

वह लंबा आदमी बोला "पच्चीस!"

"ओह! इससे शर्मनाक हालात क्या होंगे?

क्रिस्टियन उसे लगातार ताक रहा है पर उसके चेहरे पर हंसी भी है। सबकी निगाहें क्रिस्टियन पर टिकी हैं। वह क्या करने जा रहा है? मेरा कलेजा मुंह को आ गया।

"एक लाख डॉलर!" उसने कहा और उसकी आवाज पूरे शमियाने में गूंज उठी।

ये क्या! लिली मेरे पीछे से फुंफकारी और चारों तरफ खुसर-पुसर होने लगी।

"प्यारी एना के लिए एक लाख डॉलर! एक... फाइनल!!!" उस अजनबी ने झुकने और सलाम ठोंकने का दिखावा किया। चारों तरफ तालियां गूंज उठीं। क्रिस्टियन ने हाथ दिया और मुझे मंच से उतारने में मदद की। उसने मेरा हाथ चूमा और मुझे भीड़ के बीच रास्ता बनाते हुए टैंट से बाहर ले चला।

"वह कौन था?" मैंने पूछा।

उसने मुझे घूरा। "कोई ऐसा, जिससे तुम बाद में मिल सकती हो। अभी तो मैं तुम्हें कुछ दिखाना चाहता हूं। हमारे पास ये नाच शुरू होने से पहले तीस मिनट हैं। हमें तब तक लौटना होगा ताकि मैं उस नाच का आनंद ले सकूं, जिसके लिए मैंने ये भुगतान किया है।"

“इतना महंगा नाच ?”

“नहीं! इसकी तो एक-एक पाई वसूल होगी।”

वह दुष्टता से मुस्कुराया और मेरे बदन की वह मीठी-सी तड़प लौट आईं।

हम लॉन से बाहर हैं। मुझे लगा कि हम बोटहाउस की ओर जा रहे थे पर वह तो मुझे उस टेंट की ओर ले गया। जहां लोग सिगरेट फूंक रहे हैं और बैंड अपनी तैयारी कर रहा है। चूंकि लोग ज्यादा नहीं थे इसलिए किसी ने हमें नहीं देखा।

वह मुझे घर के पिछले हिस्से में ले गया और एक फ्रेंच विंडो खोली, उसके अन्दर तो पूरा एक कमरा था, जो मैंने पहले नहीं देखा था। वह मुझे सीढ़ियों से होते हुए तीसरी मंजिल पर ले गया। एक सफेद दरवाजा खोलते ही सोने का कमरा आ गया।

ये मेरा कमरा था। उसने दरवाजे को बंद करते हुए कहा।

वह एक बड़ा कमरा था जिसमें ज्यादा सामान नहीं था। दीवारें और फर्नीचर सफेद रंग में हैं। एक पलंग, मेज-कुर्सी और शेल्फों में भरी किताबें। किक बॉक्सिंग के लिए मिली ट्राफियां! दीवारों पर फिल्मों के पोस्टर टंगे थे- द मेट्रिक्स, फाईट क्लब। दो किकबॉक्सरों के फ्रेम किए हुए चित्र भी दिखे पर मैंने उन्हें पहचाना नहीं।

वैसे सफेद रंग का बुलेटिन बोर्ड अचानक ही नजर में आ गया और उस पर कई तस्वीरों के बीच क्रिस्टियन की जवानी की तस्वीर दिखाई दी। अचानक ही मेरी नजर उस अद्भुत व्यक्ति पर आ टिकी जो कमरे के बीचो-बीच खड़ा था। उसने मुझे भूखी और सुलगती निगाहों से देखा।

“मैं यहां कभी किसी लड़की को नहीं लाया।”

“कभी नहीं ?” मैं हौले से बोली।

उसने गर्दन हिलाई।

मैंने थूक निगला और पिछले कुछ घंटों से शरीर में होने वाली मीठी ऐंठन ने जोर पकड़ लिया है। उसे शाही नीले कालीन पर मास्क के साथ खड़ा देख रही हूं, क्या दुनिया में इससे कामोत्तेजक दृश्य भी होता होगा। *मैं उसे चाहती हूं।* अभी और यहीं चाहती हूं। मैं उसकी ओर लपकी और अपने-आप को उसके हवाले कर दिया।

वह मुझे सहलाते हुए बोला “एना! मैं इस समय तुम्हारे लिए बेचैनी महसूस कर रहा हूं और ज्यादा देर तक तुमसे दूर नहीं रह सकता। दूसरी बात यह भी है कि इस समय हमारे पास इतना वक्त नहीं है। तुम घूम जाओ। मैं तुम्हें इस पोशाक से निकाल दूं"।

मैंने मुड़कर दरवाजे की ओर देखा। शुक्र है कि उसने इसे बंद कर दिया था वह हौले से बोला- “अपना मास्क मत उतारना।”

मेरे मुंह से सिसकारी सी निकली। उसने मुझे अभी हाथ तक नहीं लगाया है।

उसने मेरी पोशाक ऊंची की और उसकी अंगुलियां बदन पर रेंगने लगीं। एक ही झटके में उसने वह जिप खींच दी। उसने मुझे पोशाक से बाहर आने में मदद की और उसे सहेजकर कुर्सी की टेक पर रख दिया। मैं उसके सामने मेल खाते अंतर्वस्त्रों में खड़ी हूं और उसकी सनसनीखेज निगाहों का मजा लूट रही हूं।

"तुम्हें पता है एनेस्टेसिया! जब तुमने हमारी जगह वाली नीलामी खरीदी तो मुझे बहुत गुस्सा आया। दिमाग में बहुत कुछ मंडराने लगा। मुझे खुद को याद दिलाना पड़ा कि हमारे बीच सजा का कोई काम नहीं है पर फिर तुमने खुद ही उसके लिए हामी दे दी। तुमने ऐसा क्यों किया?" उसने बो उतार कर शर्ट के तीन बटन खोलते हुए कहा।

"मैंने हामी दी। पता नहीं क्यों। कुंठा... ज्यादा शराब...नेक काज। *शायद उसका ध्यान अपनी ओर खींचने के लिए।*

मुझे अब उसकी जरूरत है। मेरी तड़प हद पार कर चुकी है। मैं जानता हूं कि मैं इसे कैसे दूर कर सकती हूं। जब तक हम दोनों की तड़प नहीं मिलेगी, तब तक मुझे चैन नहीं आएगा। उसने अपनी जीभ को होठों पर फिराया। वह जीभ तो मैं अपने जिस्म पर चाहती हूं।

"मैंने खुद से कसम खाई थी कि कभी तुम पर हाथ नहीं उठाऊंगा, भले ही तुम कितना भी इसरार क्यों न करो।"

"प्लीज!" मैंने विनती की।

"पर फिर मुझे एहसास हुआ कि तुम उस समय बेचैन थीं और तुम इसकी आदी नहीं हो।" कमीना कहीं का, कनखियों से मुस्कुराया पर मैं जानती हूं कि वह झूठ नहीं बोल रहा।

"हां!" मैंने आह भरी।

"तो.. पहले मुझसे एक वादा करना होगा।"

"कौन सा?"

"अगर जरूरत हुई तो तुम सेफवर्ड का प्रयोग करोगी और मैं तुम्हें अपना साथ दूंगा।"

मैं उसके लिए तरस रही हूं और वह जाने कौन-कौन से वादे ले रहा है।

उसने थूक निगला और पलंग की ओर चल दिया।

उसने कंबल नीचे डाला और मुझे गोद में इस तरह से डाल लिया कि मेरा शरीर पलंग पर है। छाती तकिए पर टिकी है और चेहरा एक ओर है। उसने मेरी गर्दन से बाल एक ओर हटाए।

"अपने हाथ पीछे ले आओ।" वह हौले से बोला और मेरे हाथ बांध दिए।

"एनेस्टेसिया! तुम सचमुच ऐसा करना चाहती हो?"

मैंने अपनी आंखें बंद कर लीं। उससे मिलने के बाद आज पहली बार यह सब करने की जरूरत महसूस हो रही है।

"हां।" मैंने धीरे से कहा।

"क्यों? उसने मेरे नितंबों को हौले से सहलाते हुए पूछा।

मैंने उसके हाथ का स्पर्श पाते ही सिसकारी भरी। *पता नहीं क्यों... तुमने मुझे ज्यादा सोचने को मना किया है। आज जैसे दिन के बाद- पहले तो पैसे के लिए चिक-चिक, लीला, मिसेज रॉबिन्सन, रोड मैप, पार्टी, मास्क, शराब, वे गोलियां, नीलामी.. मैं ये अपने लिए चाहती हूं।*

"क्या मुझे कोई वजह देने की जरूरत है?"

"नहीं बेबी! ऐसा करने की कोई जरूरत नहीं है। मैं तो तुम्हें समझने की कोशिश कर रहा हूं।" उसने अचानक पिछले हिस्से पर जोर से चपत दे मारी। वह दर्द मेरे पेट की मांसपेशियों की ऐंठन से जा मिला।

ओह.. मैंने जोर से आह भरी। उसने फिर से उसी जगह धुल जमाई।

"दो। वह बोला। हम बारह तक गिनेंगे।"

हाय! यह एहसास तो पिछले एहसास से कितना अलग है। वह मेरे पिछले हिस्से को अपनी लंबी अंगुलियों से सहला रहा है और मैं अपनी मर्जी से, उसकी दया पर, बिस्तर में मुंह गाड़े पड़ी हूं। उसकी एक-एक चपत मेरे शरीर की तड़प को और भी जगाती चली गई। मैंने खुद को उन चोटों के हवाले कर दिया और उनका आनंद लेने लगी।

"बारह।" उसने धीमे और गंभीर सुर में कहा। उसने फिर से पिछले हिस्से को सहलाया और इस बार हाथ को मेरे बदन के उस हिस्से पर ले आया, जहां मैं उसे बहुत देर से चाह रही थी।

उसने अपने हाथों से मेरी बदन की जरूरत को पूरा किया और बोला।

"नहीं एनेस्टेसिया! अभी ये कहानी खत्म नहीं हुई।" उसने हाथ खोल दिए और अब मैं पलंग पर झुकी हुई हूं। उसने कंडोम पहना और मेरे नितंबों को सहलाते हुए मेरी वह ख्वाहिश पूरी की, जिसके लिए मैं कितने घंटों से तरस रही थी।

उसकी एक-एक छुअन से वह मीठी ऐंठन खत्म हो रही है। मेरे शरीर को सुकून मिल रहा है और इसी तरह खेलने के बाद हम कुछ मिनटों में पलंग पर बेदम हुए पड़े थे। जाने हम कब तक पड़े रहे। मेरे पेट में अब कोई ऐंठन या दर्द नहीं रहा।

क्रिस्टियन मेरी पीठ चूमकर बोला- "मिस स्टील! अभी हमारा डांस बाकी है।"

"हम्म।" मैंने अपनी सांसें काबू करते हुए कहा।

वह पलंग पर बैठा और मुझे गोद में खींच लिया। "हमारे पास ज्यादा वक्त नहीं है। आओ।" उसने मेरे बाल चूमे और मुझे जबरन खड़ा कर दिया।

मैं लड़खड़ाते हुए उठी और अपने कपड़े पहनने लगी और क्रिस्टियन ने भी कपड़े पहनते ही पलंग की चादर व कंबल सहेज दिए। इसी दौरान मेरी नजर वहां की तस्वीरों पर गई जिनमें मुझे ग्रे अलग-अलग देशों के पर्यटक स्थलों के बाहर खड़ा दिखाई दिया। ओह! तो जनाब ने दुनिया देखी हुई है।

वहां कई तरह के कंसर्ट के टिकट भी लगे हैं। इसके अलावा एक युवती की तस्वीर भी दिखी। वह जानी-पहचानी सी लगी पर मैं नहीं चाहती कि उसे मिसेज रॉबिन्सन का नाम दूं।

"कौन है?" मैंने पूछा।

"कोई खास नहीं।" उसने कपड़े ठीक करते हुए कहा।

"तुम्हारी जिप लगा दूं?"

"प्लीज! पर वह तुम्हारे बोर्ड पर क्यों लगी है?"

"जरा देखना। मेरी टाई कैसी लग रही है।" उसने स्कूली लड़के की तरह मुंह उठाया।

"अब ठीक है।"

"तुम्हारी तरह।" वह हौले से बोला और मुझे लपकते हुए एक जुनून से भरा चुंबन दे दिया। "बेहतर महसूस कर रही हो?"

"हां मि. ग्रे! आपकी मेहरबानी।"

"मिस स्टील! मुझे भी खुशी हुई।"

मेहमान डांस फिलोर पर आ रहे हैं। "हम समय पर ही आ गए। ज्यादा देर नहीं लगी।"

"लेडीज एंड जेंटलमैन! पहले डांस की बारी है।"

"मि. व डॉ. ग्रे! क्या आप तैयार हैं?" कैरिक ने हामी दी और अपनी बांहें ग्रेस के गले में डाल दीं।

ईया किसी और के साथ है, जिसे मैं नहीं जानती। पता नहीं सिआन का क्या हुआ?

"तो हो जाए शुरू!"

आई हैव गॉट यू अंडर माई स्किन के शब्द चारों ओर गूंज उठे और क्रिस्टियन मुझे बांहों में ले कर नाचने लगा। वह कितना अच्छा नाचता जानता है। जब वह मुझे गोल चक्कर देने लगा तो हम अहमकों की तरह खिलखिलाने लगे।

"मुझे ये गाना पसंद है।" अब वह हंस नहीं रहा।

"हां, मुझे भी इसके बोल पसंद हैं।"

उसने मेरी बात सुनकर अपने होंठ भींच लिए और मुस्कुराहट दबाने की कोशिश की।

"मिस स्टील! मुझे पता नहीं था कि आप भी ऐसी बातें कर सकती हैं।" उसने मुझे फटकारा।

"मि. ग्रे! मैंने भी कभी नहीं सोचा था पर आजकल मैं जिनसे सीख रही हूं, ये उन्हीं की शिक्षा का कमाल है।"

"हां, सही कहा।" क्रिस्टियन बोला और हम दोनों बैंड की धुन के बीच अपने ही दायरे में मग्न नाचते रहे।

गाना खत्म हुआ तो हम दोनों ने तालियां बजाईं। सैम और सिंगर ने झुककर सलाम किया और अपने बैंड का परिचय दिया।

"क्या मैं इनके साथ नाच सकता हूं।" क्रिस्टियन ने उस बंदे को खा जाने वाली नजरों से देखा पर साथ ही वह मस्ती करता भी दिखा।

"एनेस्टेसिया! मेरी मेहमान बनो। मैं जॉन फिल्न हूं। फिल्न, एनेस्टेसिया!!"

"ओह!"

क्रिस्टियन मुस्कुराया और मंच के कोने में चला गया।

"कैसी हो एनेस्टेसिया?" उसने पूछा और मैं समझ गई कि वह ब्रिटिश था।

"हैलो!" मैं हकलाई।

बैंड एक और गाना गाने लगा और डॉ. फिल्न ने मुझे बांहों में खींच लिया। ये तो मेरी सोच से भी जवान निकला। हालांकि उसका चेहरा नहीं दिख रहा। उसने भी क्रिस्टियन जैसा मास्क पहन रखा है। वह लंबा है पर क्रिस्टियन जितना लंबा नहीं और उसे उसकी तरह सलीके से नाचना भी नहीं आता।

मैं इससे क्या कहूं? क्रिस्टियन का स्वभाव ऐसा क्यों है? उसने मुझ पर बोली क्यों लगाईं? क्या मैं यही पूछना चाहती हूं हालांकि ये पूछना बुरा लगेगा।

"एनेस्टेसिया! मुझे तुमसे मिलकर खुशी हुई। क्या तुम्हें मजा आ रहा है?"

"जी आ रहा था।" मैंने हौले से कहा

"उम्मीद करता हूं कि मैंने खलल नहीं डाला होगा"। उसने भीनी सी मुस्कान के साथ मुझे सहज कर दिया।

बातों-बातों में ही मैंने उन्हें बताया कि मैं उनसे क्रिस्टियन के बारे में कुछ जानना चाहती थी।

वे मुस्कुराए। "मैं तो इस समय काम पर नहीं हूं और मैं तुमसे उसके बारे में बात भी नहीं कर सकता। हमें क्रिसमिस तक का समय चाहिए।"

मैंने उन्हें हैरानी से देखा तो वे हंस दिए

"एनेस्टेसिया! मैं तो मजाक कर रहा था।"

"आपने अभी-अभी क्रिस्टियन से पता किया है न कि मैंने आपको महंगा नीम-हकीम कहा था?"

उन्होंने ठहाका लगाया। "बेशक मैंने पूछा था।"

"क्या आप ब्रिटिश हैं।"

"हां मैं। लंदन से हूं।"

"आप यहां कैसे आए?"

"हालात ले आए।"

"आप ज्यादा बताना पसंद नहीं करते?"

"ऐसी बात नहीं है। दरअसल बताने लायक कुछ है ही नहीं।"

"ये हमारे स्वभाव में ही होता है। वैसे एना! मैं यही इल्जाम तुम पर भी लगा सकता हूं।"

"डॉक्टर! क्या मैं भी नीरस लोगों में से हूं।"

"नहीं एना! तुम भी ज्यादा नहीं बोलती।"

"ऐसा तो नहीं है।"

अचानक गाना खत्म हुआ और क्रिस्टियन हमारी बात के बीच आ गया।

"एना! तुमसे मिलकर अच्छा लगा।" वे बोले और मुझे लगा कि मैं उनकी परीक्षा में खरी उतरी।

"जॉन!" क्रिस्टियन ने संकेत किया और वे मुझे छोड़कर भीड़ में ओझल हो गए।

क्रिस्टियन ने अगले नाच के लिए मुझे अपनी बांहों में खींच लिया।

"ये तो मेरे अंदाजे से कहीं छोटी उम्र के हैं।" मैंने कहा।

"अच्छा जी। क्या कहा उन्होंने?" क्रिस्टियन बोला।

"ओह हां! उसने मुझे सब कुछ बता दिया।" मैंने चिढ़ाया।

क्रिस्टियन तनाव में आ गया और बोला। "फिर तो तुम्हारा बैग मंगा लेते हैं। मुझे पक्का यकीन है कि सब जानने के बाद तो तुम मेरे साथ नहीं रहना चाहोगी।"

"नहीं! उसने मुझे कुछ नहीं बताया।" मेरे सुर में शरारत थी।

क्रिस्टियन के चेहरे पर सुकून पसर आया। उसने मुझे बांहों में खींच लिया। "चलो नाच का मजा लें।" फिर उसने मुझे एक गोल चक्कर कटा दिया।

उसे ऐसा क्यों लगा कि मैं उसे छोड़कर चली जाउंगी। कुछ समझ नहीं आता। हमने दो और गानों पर डांस किया और इसके बाद मुझे वाशरूम जाने की जरूरत महसूस हुई।

"मैं अभी आई। देर नहीं करूंगी।"

मैं उस ओर जाने लगी तो याद आया कि पर्स तो डिनर टेबल पर ही रह गया था। मैं टेंट की ओर चल दी। वहां नीम अंधेरा था और बस एक जोड़ा बैठा दिखा जिन्हें एकांत की जरूरत थी। मैंने अपना पर्स उठा लिया।

"एनेस्टेसिया?"

मैं एक आवाज़ सुनकर चौंकी, एक लंबे, कसे हुए और काले मखमली गाउन में एक औरत दिखाई दी। उसने ऐसा मास्क पहना है जिसने नाक तक चेहरा व बाल भी ढक रखे हैं। ये तो सुनहरी झालर के साथ और भी प्यारा दिख रहा है।

"मुझे खुशी है कि तुम अकेली मिल गईं मैं पूरी शाम से तुम्हारे साथ बात करने का मौका खोज रही थी।"

"सॉरी! मैं नहीं जानती कि आप कौन हैं?"

उसने अपना मास्क उतार दिया।

ओह! ये तो मिसेज रॉबिन्सन है

"सॉरी! मैंने तुम्हें चौंका दिया।"

मैंने उसे घूरा। ये औरत मुझसे चाहती क्या है?

पता नहीं कि ऐसे कार्यक्रमों में बाल शोषण करने वालों का क्या काम है? उसने मुस्कुराते हुए मुझे वहीं बैठने का संकेत किया। मुझे कुछ समझ नहीं आया तो वहीं बैठने का फैसला लिया।

मैंने अपना मास्क नहीं उतारा।

"एनेस्टेसिया! मैं ज्यादा वक्त नहीं लूंगी। मुझे पता है कि तुम मेरे बारे में क्या सोचती हो। क्रिस्टियन ने मुझे सब बता दिया है।"

मुझे सुनकर अच्छा लगा कि वह अपने बारे में मेरी राय जानती है। शुक्र है कि मुझे अपने मुंह से नहीं बताना पड़ा। मैं यह सोचकर भी हैरान हूं कि वह मुझसे क्या बात करना चाहती है।

वह बोली। "टेलर हमें देख रहा है।"

मैंने झांका तो टेलर और स्वेयर को हमारी ओर ताकते पाया।

"देखो! हमारे पास ज्यादा वक्त नहीं है। यह तो तुम भी जान गई होगी कि क्रिस्टियन तुम्हें चाहने लगा है। तुमसे प्यार करता है। मैंने उसे आज तक इस रूप में नहीं देखा।" उसने अंतिम शब्दों जोर दिया।

क्या? मुझसे प्यार करता है? नहीं। वह मुझे यह सब क्यों कह रही है? तसल्ली देने के लिए? मैं कुछ समझी नहीं।

"वह तुम्हें नहीं बताएगा क्योंकि शायद उसे खुद को इस बात का एहसास ही नहीं होगा। हालांकि मैंने उसे समझाया है पर वह तो क्रिस्टियन है। उसके पास सकारात्मक सोच और भावनाओं का अभाव है। वह अपनी नकारात्मकता के साथ बहुत आगे तक निकल गया है। वैसे तुमने भी तो अंदाजा लगाया ही होगा कि वह खुद को किसी के लायक नहीं मानता।"

मेरा सिर चकरा रहा है। क्रिस्टियन मुझसे प्यार करता है। उसने तो कहा नहीं और ये महिला मुझे इस बारे में बता रही है कि वह कैसा महसूस करता है। वाह क्या बात है!

मेरे दिमाग में सैंकड़ों तस्वीरें नाच उठीं; आई पैड, ग्लाईडिंग, मुझे देखने के लिए उड़ान भर कर आना, उसकी हरकतें, उसका अपनापन जताने का तरीका। एक डांस के लिए इतनी बड़ी बोली। क्या ये प्यार है?

बेशक इस औरत के मुंह से यह सब सुनकर मुझे अच्छा नहीं लग रहा। काश मैं इसे क्रिस्टियन के मुंह से सुन पाती।

मेरा दिल कचोट उठा। वह अपने-आपको लायक क्यों नहीं मानता। क्यों?

"मैंने उसे इतना खुश कभी नहीं देखा और ये साफ है कि तुम भी उसके लिए कुछ भावनाएं रखती हो। ये अच्छी बात है और मैं तुम दोनों को अपनी शुभकामनाएं देती हूं पर मैं कहना यह चाहती हूं कि अगर तुमने दोबारा उसके दिल को ठेस पहुंचाई तो मैं तुम्हें छोड़ूंगी नहीं और वो हश्र करूंगी जो तुम्हें कभी पसंद नहीं आएगा।"

उसने मुझे ठंडी नीली आंखों से घूरा। उसकी धमकी सुनकर मेरी तो अचानक ही हंसी छूट गई। मैं तो जाने क्या-क्या सोचे बैठी थी और इसे मुझसे यही बात करनी थी?

"एनेस्टेसिया! तुम्हें मजाक सूझ रहा है?" वह हैरानी से बोली।

"तुमने पिछले शनिवार उसकी हालत नहीं देखी।"

मेरा चेहरा गहरा गया। क्रिस्टियन की उदासी की बात सुनना मुझे अच्छा नहीं लगता और पिछले शनिवार तो मैं उसे छोड़कर चली गई थी। वह उसके पास ही गया होगा। मेरा माथा घूम गया। मैं यहां बैठी, इस औरत की बेहूदी बातें क्यों सुन रही हूं? मैं उसे घूरते हुए धीरे से उठ गई।

"मिसेज लिंकन! मैं तो आपकी बेहूदगी पर हंस रही हूं। क्रिस्टियन और मेरा आपसे कोई लेन-देन नहीं है। अगर मैंने उसे छोड़ा और आप मुझे देखने आईं तो बेशक मैं आपका इंतज़ार करूंगी और आपको आपके ही वार से घायल कर दूंगी जैसे आपने पंद्रह साल के लड़के के साथ किया था।"

उसका मुंह खुला का खुला रह गया।

"माफ करें! मुझे आपके साथ समय बर्बाद करने की बजाए और भी कई जरूरी काम करने हैं।" मैं गुस्से से पलटी और टेंट से बाहर निकल गई। वहां मुझे टेलर के पास ही क्रिस्टियन खड़ा दिखा जो काफी खिसयाया हुआ और चिंतत दिखा।

"तुम यहां हो।" उसने मुझसे कहा और एलीना को देखकर त्यौरियां चढ़ाईं। मैं बिना कुछ कहे उसके पास से निकल गई और उसे मौका दिया कि वह मुझे या उस औरत में से किसी एक को चुन ले। उसने सही चुनाव किया।

"एना!" उसने पुकारा। मैं उसे देखने के लिए मुड़ी।

"क्या हुआ?" उसने पूछा।

"अपनी एक्स से क्यों नहीं पूछते?" मैंने गुस्से में कहा।

उसकी आंखें गुस्से से लाल हो गईं, "मैं तुमसे पूछ रहा हूं।"

हम एक-दूसरे को घूर रहे हैं।

अच्छा! मैं देख सकती हूं कि अगर मैंने उसे न बताया तो हमारी यहीं लड़ाई हो जाएगी। "वह मुझे धमकी दे रही है कि अगर मैंने दोबारा तुम्हारा दिल दुखाया तो वह मुझे छोड़ेगी नहीं और शायद उसके हाथ में एक चाबुक भी होगा।"

उसके चेहरे पर सुकून सा छा गया और वह मुस्कुराने लगा। बेशक वह अपनी हंसी दबाने की कोशिश में था।

"क्रिस्टियन! ये कोई मजाक नहीं है।"

"नहीं! तुम ठीक कह रही हो। मैं उससे बात करूंगा।" उसने फिर से अपना चेहरा गंभीर बनाने की कोशिश की।

"तुम ऐसा कुछ नहीं करोगे।" मैंने अपनी बांहें अपने आसपास लपेटते हुए कहा।

उसने मुझे देखकर पलकें झपकाईं।

देखो, मैं जानती हूं कि तुम उससे दीवानावार जुड़े हो। पर...। ये क्या मैं क्या कहने लगी थी कि वह उससे मिलना छोड़ दे? क्या मैं ऐसा कर सकती हूं?

मैंने बात बदल दी। "क्या मैं वाशरूम जा सकती हूं?" मेरे चेहरे पर गंभीर रेखाएं थीं।

उसने आह भरी और अपना सिर एक ओर झुका दिया। *ओह! क्या वह इससे ज्यादा हॉट लग सकता है? ये मास्क का कमाल है या उसका?*

"प्लीज! नाराज मत हो। मुझे नहीं पता था कि वह यहां है।" वह ऐसे बोला मानो किसी बच्चे को फुसला रहा हो। उसने मेरे फूले हुए होंठ पर अंगुली फिराईं।

"प्लीज एनेस्टेसिया! एलीना को हमारी शाम बर्बाद मत करने दो। वह तो एक पुरानी खबर है।"

उसने एक छोटा-सा चुंबन दिया और मैंने हामी भर दी। उसने अपनी बांह आगे कर दी।

"मैं तुम्हें छोड़कर आता हूं ताकि वह तुम्हें रास्ते में फिर न रोक ले।"

वह मुझे लग्जरी वाशरूम तक ले गया। ईया ने बताया था कि वे खास तौर पर मंगवाए गए थे पर ये पता नहीं था कि वे इतने आलीशान भी हो सकते हैं।

"बेबी! मैं यहीं इंतजार करूंगा।"

जब मैं बाहर आई तो मूड संभल गया था और मैंने तय कर लिया था कि मिसेज रॉबिन्सन की वजह से शाम खराब नहीं होने दूंगी क्योंकि शायद वह यही तो चाहती है। क्रिस्टियन कुछ दूरी पर खड़ा फोन पर बातें कर रहा है और आसपास लोग बातें करते हुए खिलखिला रहे हैं। मैं पास गई तो उसकी आवाज़ सुनाई देने लगी। वह काफी तनाव में दिखा।

"तुमने अपना मन क्यों बदला? मुझे तो लगा था कि हमारा समझौता हो गया था खैर..अब उसे अकेला छोड़ दो।...मैं पहली बार किसी से नियमित संबंध बनाने जा रहा हूं और मैं नहीं चाहता कि तुम्हारे इस बेवजह लगाव और चिंता के कारण मैं इसे खो दूं।"

"एलीना! उसे अकेला छोड़ दो और मेरी बात का मतलब समझो।" उसने कुछ सुना और फिर बोला- "नहीं, बेशक नहीं!"

अचानक ही उसकी नज़र मुझ पर पड़ी और वह बोला।

"अच्छा रखता हूं। मुझे जाना होगा। गुडनाइट!"

मैंने अपनी गर्दन एक और झुकाई और एक भौं उठाकर देखा। वह उसे फोन क्यों कर रहा है?

“पुरानी ख़बर कैसी है?”

“वही मनहूस। क्या तुम यहां और ठहरना चाहोगी या हम चलें?” उसने घड़ी पर नज़र मारी। आतिशबाज़ी पांच मिनट में शुरू होने वाली है।

“मुझे तो उसे देखना बहुत पसंद है।”

“तो हम देखकर ही जाएंगे।” उसने मेरी कमर में बांह डाली और मुझे पास खींच लिया। प्लीज़! उसे हमारे बीच मत आने देना।

“वह तुम्हारी परवाह करती है।” मैंने हौले से कहा।

“हां... मैं भी करता हूं पर एक दोस्त की तरह!”

“पर मुझे लगता है कि उसके लिए यह बात दोस्ती से ज्यादा मायने रखती है।”

उसने भवें नचाईं। “एना! एलीना और मैं.. बात काफी उलझी हुई है। हमारा एक इतिहास रहा है जो अब बीते कल की बात है। जैसा कि मैंने कई बार कहा, वह मेरे लिए एक अच्छी दोस्त भर है। बस, प्लीज! उसके बारे में भूल जाओ।”

उसने मेरे बालों को चूमा और मैंने अपनी शाम को खराब होने से बचाने के लिए बात को वहीं खत्म कर दिया। मैं समझने की कोशिश कर रही हूं।

हम डांस फिलोर के पीछे हाथों में हाथ डाले भटकते रहे। बैंड अब भी जोरों से बज रहा है।

“एनेस्टेसिया!”

मैं मुड़ी तो कैरिक को पीछे खड़े पाया।

“मैं सोच रहा था कि क्या मैं अगला डांस तुम्हारे साथ कर सकता हूं? कैरिक ने अपना हाथ आगे कर दिया। क्रिस्टियन कंधे झटक कर मुस्कुराया और मेरा हाथ छोड़ दिया। मैं और कैरिक डांस फिलोर की ओर चल दिए।” बैंडलीडर सैम ने ‘कम अलाई विद मी’ की धुन छेड़ी और कैरिक ने मेरी कमर में हाथ डाल कर मुझे हौले से गोल घुमा दिया।

“एनेस्टेसिया! तुमने आज अपनी ओर से जो उदार धनराशि दान में दी है। मैं उसके लिए तुम्हारा धन्यवाद करना चाहूंगा।”

उनके सुर से तो यही लगा मानो वे पक्का करना चाह रहे थे कि मैं इतने पैसे दे भी सकूंगी या नहीं?

“मि. ग्रे”

“एना प्लीज़! मुझे कैरिक कहो।”

"मुझे खुशी है कि आज मैं यह राशि दान में दे सकी। यह अचानक ही अनपेक्षित रूप से मुझे मिल गई थी। मुझे इसकी ज़रूरत नहीं थी और ये कितना नेक काम है।"

वे देखकर मुस्कुराए और मैंने कुछ छोटी-मोटी बातें जानने का यह मौका लपक लिया। अन्दर से सयानी लड़की ने आंखें तरेरीं पर मैंने किसी की कब मानी है।

"क्रिस्टियन से मुझे उसके अतीत के बारे में थोड़ा-सा पता लगा था इसलिए मुझे लगा कि कम से कम इस काम के लिए तो मुझे भी दान देना ही चाहिए।" मुझे लगा कि इस तरह कैरिक मुझे अपने रहस्यमयी बेटे के अतीत के बारे में कुछ और बता सकेंगे।

कैरिक हैरान रह गए। "क्या उसने ऐसा किया? ये तो बड़ी अनहोनी सी बात है। बेशक तुम उस पर काफी सकारात्मक प्रभाव डाल रही हो। मुझे नहीं लगता कि हमने उसे कभी इतना जीवंत देखा होगा।"

मैं शरमा गई।

"सॉरी! मैं तुम्हें शर्मिंदा नहीं करना चाहता था।"

"जहां तक मेरा अनुभव कहता है। वह एक बड़ा अलग सा इंसान है।" मैंने कहा

"हां, वह ऐसा ही है।" कैरिक बोले।

"क्रिस्टियन ने मुझे जो बताया, उस हिसाब से तो शायद उसका अतीत और भी अधिक दुखदायी रहा होगा।"

कैरिक ने भौं नचाई तो मैं सहम गई। कहीं मैंने ज्यादा तो नहीं बोल दिया।

"जब पुलिस उसे लाई तो उस समय मेरी पत्नी ही काम पर थी। उसकी हड्डियां निकली हुई थीं और शरीर में पानी की कमी हो गई थी। वह बोलता नहीं था।" कैरिक ने भौं नचाई और उन यादों के बीच खो गए। अब वे वहां गूंज रहे संगीत से कहीं परे थे। "दरअसल वह करीब दो साल तक नहीं बोला था। पियानो बजाते-बजाते धीरे-धीरे वह बोलने लगा और ईया के आने से भी फर्क पड़ा।" वे मुझे देखकर लगाव से मुस्कुराए।

"वह बहुत अच्छा पियोना बजाता है। आपको उसकी उपलब्धियों पर गर्व होना चाहिए।" मेरा दिमाग भटका हुआ था। हाय! दो साल तक बोला ही नहीं था।

"हां! हमें उस पर गर्व है। दरअसल वह अपने संकल्प का पक्का है। एक होनहार युवक है। पर एनेस्टेसिया! एक बात कहूं, इसे अपने तक ही रखना; आज शाम उसे इतना बेपरवाह, अपनी उम्र के हिसाब से पेश आते देखकर मैं और उसकी मां बहुत रोमांचित हैं। हमें बहुत अच्छा लग रहा है। हम आज इसी बारे में बात कर रहे थे। शायद हमें इस बात के लिए तुम्हारा शुक्रिया अदा करना चाहिए।"

ओह! मैं तो शर्म से लाल पड़ गई। अब यहां क्या कहती?

“वह हमेशा से ही अकेला रहने वालों में से रहा है। हमने कभी सोचा भी नहीं था कि उसे किसी के साथ देख पाएंगे। तुम उसके लिए जो भी कर रही हो, बस वही करती रहो। हम उसे खुश देखना चाहते हैं।” वे अचानक ही बोलते ठिठक गए मानो उन्हें लगा कि कुछ ज्यादा हो रहा है। फिर बोले- “सॉरी! मैं तुम्हें परेशान नहीं करना चाहता था।”

मैंने गर्दन हिलाई-"मैं भी उसे खुश देखना चाहती हूं।”

“तुम यहां आईं, मुझे बहुत अच्छा लगा। सच्ची, तुम दोनों को एक साथ देखकर बड़ी खुशी हुई।” जैसे ही गाना खत्म हुआ तो वे मेरे आगे झुके और मैंने भी वैसे ही जवाब दिया। “चलो, बूढ़े के साथ बहुत नाच हो गया।” क्रिस्टियन मेरे पास आ गया और कैरिक हंसने लगे।

“बेटा भी तो बूढ़ा ही है। वैसे मुझे अपने तरीके से एंजॉय करने वालों में से जाना जाता है।” कैरिक ने आंख दबाई और भीड़ में चल दिए।

“लगता है कि डैड को तुम पसंद हो।” क्रिस्टियन ने उन्हें भीड़ में जाते देखकर कहा।

“न पसंद करने वाली बात ही क्या है?” मैंने पलकें झपकाईं।

“मिस स्टील! बहुत खूब कहा।” उसने मुझे बांहों में भर लिया और एक नई धुन बजने लगी।

“मेरे साथ नाचोगी।” उसने सेक्सी अंदाज में कहा।

“मि. ग्रे! खुशी से...।” मैं भी मुस्कुराई और वह मुझे भीड़ के बीच खींच ले गया।

रात को हम शमियाने और बोटहाउस के बीच बने तट पर पहुंचे जहां आतिशबाजी होने वाली थी। हमें मास्क हटाने ही इजाजत मिल गई थी ताकि आराम से सब देख सकें। क्रिस्टियन ने मुझे बांह से घेरा था पर मुझे अंदाजा था कि टेलर और स्वेयर आसपास ही होंगे क्योंकि इस समय हम काफी भीड़ में थे। वे दोनों डॉक साइड में देख रहे थे जहां दो तकनीशियन काले कपड़ों में सजे फाइनल तैयारी कर रहे थे। टेलर को देखते ही मुझे लीला की याद आ गई। शायद वह यहां भी हो। हाय! अचानक ही मेरी रीढ़ की हड्डी में कंपकंपी दौड़ गई और मैंने क्रिस्टियन को अपने पास खींच लिया। उसने मुझे घूरा और अपने पास को ले लिया।

“तुम ठीक तो हो, ठंड लग रही है?”

“मैं ठीक हूं।” मैंने अपनी पीछे झांका तो दो और सिक्योरिटी वाले दिखे, उनके नाम मुझे याद नहीं आ रहे थे। क्रिस्टियन ने मुझे अपने से आगे की ओर किया और मेरे कंधों पर हाथ रख लिए।

अचानक ही आकाश में तेज़ आवाज़ के साथ दो रॉकेट जाते दिखे और आसपास सफेद और संतरी रोशनी बिखर गई। उनका प्रतिबिंब पानी में पड़ा तो और भी सुंदर दिखने लगा।

और भी कई रॉकेट कई तरह की रोशनियों के जलवे आकाश में बिखेरने लगे तो मेरा मुंह खुला का खुला रह गया।

मैंने तो आज से पहले ये सब टी वी में ही देखा था। खाड़ी के पानी में तरह-तरह के रंग अपना जलवा बिखेर रहे हैं। संगीत के साथ आतिशबाजी का मजा दुगना हो गया।

लगातार मुंह फाड़े देखने से मेरे जबड़े दुखने लगे हैं। क्रिस्टियन को ताका तो वह भी इसी तरह सब कुछ भुलाकर इन नजारों का मजा लेता दिखाई दिया। लोग जोश और उमंग से उछल रहे हैं और तालियां बजा रहे हैं।

लेडीज एंड जेंटलमैन!

"आज की इस हसीन शाम के लिए आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद! आप लोगों ने हमारे नेक काम के लिए जो दिल खोल कर दान दिया, हम उसके लिए आपके आभारी हैं। आज हमने एक मिलियन से ज्यादा की राशि एकत्र की है।

लगातार बजती तालियों के बीच सुनाई दिया।

"कोपिंग टुगेदर की ओर से आप सबको धन्यवाद!" पानी पर चारों ओर रोशनी के रंग बिखरे हैं।

"ओह.. क्रिस्टियन! ये तो लावजाब था।" मैं उसे देखकर मुस्कुराई और उसने झुककर मुझे चूम लिया।

"जाने का वक्त हो गया।" उसके चौड़े चेहरे पर खूबसूरत सी मुस्कान खेल रही है।

अचानक ही मैं थकान महसूस कर रही हूं।

उसने फिर से देखा तो टेलर पास ही दिखा और भीड़ छितरा रही है। वे कुछ बोले नहीं पर आंखों में ही कुछ बातें हो गईं।

"एक पल के लिए यहीं ठहरो। टेलर चाहता है कि हम भीड़ छंटने तक इंतज़ार करें।"

"ओह ..."

"लगता है कि इस शो ने उसे सौ साल बूढ़ा कर दिया है।" उसने कहा।

"क्या उसे आतिशबाजी पसंद नहीं?"

क्रिस्टियन ने प्यार से देखते हुए सिर हिला दिया पर ज्यादा कुछ नहीं कहा।

"तो एस्पेन?" उसने कहा। मैं जानती हूं कि वह किसी बात से मेरा ध्यान हटाना चाह रहा है और तरीका कारगर रहा।

"ओह... मैंने तो अभी बोली के पैसे भी नहीं दिए।" मैंने आह भरी।

"तुम चेक दे सकती हो। मेरे पास पता है।"

"तुम गुस्से में थे?"

"हां, मैं नाराज़ था।"

मैंने खीसें निपोरीं "मैं तो तुम्हें और तुम्हारे खिलौनों को दोहरा देना चाहूंगी।"

"मिस स्टील! तुमसे पार पाना मुश्किल है। सचमुच.. वैसे मैं पूछ सकता हूं कि वे हैं कहां?"

"सिल्वर बॉल्स? मेरे पर्स में हैं।"

"मैं उन्हें वापिस लेना चाहूंगा। मैं नहीं चाहता कि वे किसी अनाड़ी के पल्ले पड़ें।"

"अच्छा! तुम्हें चिंता है कि मैं कहीं किसी दूसरे के साथ उनका इस्तेमाल न कर लूं।"

उसकी आंखें खतरनाक तरीके से चमक उठीं।

"उम्मीद करता हूं कि ऐसा नहीं होगा पर नहीं एना! मैं तुम्हारा सारा आनंद पाना चाहता हूं।"

"ओह! क्या मुझ पर भरोसा नहीं?"

"बेशक करता हूं। अब क्या उन्हें वापिस ले सकता हूं?"

"मैं इस बारे में सोचूंगी।"

उसने अपनी आंखें सिकोड़ीं।

एक बार फिर से संगीत गूंज उठा पर इस बार डी जे बहुत ही जोरदार तेज धुन बजा रहा है।

"क्या नाचना चाहोगी?"

"मैं थक गई हूं। अगर तुम्हें ठीक लगे तो घर चलें।"

क्रिस्टियन ने टेलर को देखा और उसके हामी भरने पर हम घर की ओर चल दिए। हमारे आगे एक पियक्कड़ अतिथि जोड़ा है। जब क्रिस्टियन ने मेरे हाथ थामे तो अच्छा लगा। ऊंचे और कसे हुए सैंडिल पहनने की वजह से पैर बहुत दुख रहे हैं। ईया अचानक ही उछलती हुई आ गई। "नहीं-नहीं, तुम अभी नहीं जा सकते। असली म्यूजिक तो अब शुरू हुआ। एना आओ न।" उसने मेरा हाथ खींचा। "ईया! क्रिस्टियन ने फटकारा। एनेस्टेसिया थकी हुई है। हम घर जा रहे हैं। वैसे भी कल कई जरूरी काम निपटाने हैं।" "अच्छा! ऐसा क्या?"

ईया ने होंठ तो फुलाए पर हमें जबरन रोका नहीं।

"तुम अगले हफ्ते आना। हम किसी मॉल में चलेंगे।"

पक्का ईया! मैंने मन ही मन सोचा कि मुझे तो जीवित रहने के लिए काम भी करना होता है।

उसने झट से मुझे चूमा और क्रिस्टियन से कस कर गले मिलते हुए हम दोनों को हैरत में डाल दिया। सबसे हैरानी की बात तो यह थी कि वह उसकी जैकेट हाथों में थामे खड़ी थी और वह उसे बड़े ही लगाव से देख रहा था।

“मुझे तुम्हें खुश देखना अच्छा लगता है।” उसने शरमाते हुए कहा और उसके दोनों गाल चूम लिए। बाय! मजे करो दोस्तों! वह अपनी इंतजार कर रही सहेलियों की ओर चल दी, जिनके बीच खड़ी लिली अपना मास्क उतारने के बाद और भी कड़वी नजरों से देख रही थी।

मैं यूं ही सोचने लगी कि सिआन कहां है।

“आओ, जाने से पहले मेरे माता-पिता को गुडनाइट कह दें।” क्रिस्टियन मुझे मेहमानों की खिलखिलाहट के बीच ग्रेस और कैरिक के पास ले गया जिन्होंने हमें भावभीनी विदाई दी।

“एनेस्टेसिया! प्लीज़ दोबारा आना। आज तुम्हें यहां पा कर बहुत अच्छा लगा।” मैं उन दोनों की प्रतिअिर्या देखकर विभोर हूं। शुक्र है कि उनके माता-पिता चले गए वरना उनका उछाह भी देखना पड़ता।

मैं बड़े ही सहज भाव से क्रिस्टियन के हाथों में हाथ डाले घर से बाहर की ओर जा रही हूं। वहां असंख्य कारें अपने मालिकों को ले जाने के इंतजार में खड़ी हैं। मैंने अपने फिफ्टी को कनखियों से देखा। वह खुश दिख रहा है और उसे इस तरह खुश देखना अच्छा लगता है। हालांकि आज के दिन की घटनाओं के बाद भी उसका खुश दिखना हैरानी की वजह है।

“क्या तुम ठीक हो। ठंड तो नहीं लग रही?” उसने पूछा।

“हां धन्यवाद!” मैंने अपनी साटिन की शाल को जकड़ लिया।

“एनेस्टेसिया! सच आज बहुत मजा आया। धन्यवाद।”

“मुझे भी और कुछ हिस्सों को उससे भी ज्यादा।” मैंने कहा।

उसने हंसकर आंखें सिकोड़ीं और बोला “अपने होंठ मत काटो।” उसने ऐसे चेतावनी दी कि मेरा खून ही जम गया।

“कल का दिन बड़ा क्यों है। कोई खास बात?” मैंने पूछा।

“डॉ. ग्रीन आने वाली हैं। मेरे पास तुम्हारे लिए एक सरप्राइज़ भी है।”

“डॉ. ग्रीन? मैं थम गई।”

“हां”

“क्यों?”

“क्योंकि मैं कंडोम से नफ़रत करता हूं।” उसने हौले से कहा। उसकी आंखें कागज़ की लालटेनों से छन कर आती रोशनी के बीच मेरी प्रतिक्रिया भांप रही हैं।

“यह मेरा शरीर है।” मैंने हौले से कहा। मुझे खीझ हो रही थी कि उसने पहले मुझसे पूछा क्यों नहीं?

“यह मेरा भी है।” वह फुसफुसाया।

कई मेहमान हमारे पास से निकल गए और मैंने उसे घूरा। हां, वह कह तो सही रहा था। मेरा शरीर उसका भी है.. वह इसे मुझसे बेहतर जानता है।

मैं आगे आई और उसकी बो टाई को कोने से खींच कर कमीज़ का पहला बटन खोल दिया।

“तुम ऐसे हॉट लगते हो।” मैंने धीरे से कहा दरअसल वह तो हमेशा ही हॉट लगता है पर ऐसे ज्यादा लगता है।

वह मुस्कुराया, “तुम्हें घर ले जाना होगा। चलो।”

कार में स्वेयर ने क्रिस्टियन को एक लिफाफा दिया। उसने त्यौरी चढ़ाकर मुझे देखा। टेलर ने मेरे लिए दरवाजा खोला। वह थोड़ा निश्चिंत लग रहा था। जब सभी गाड़ी में बैठ गए तो क्रिस्टियन ने बंद लिफाफा मुझे थमा दिया।

“ये तुम्हारे नाम है। स्टाफ में से किसी ने स्वेयर को दिया। बेशक किसी दिलवाले का ख़त है।” क्रिस्टियन को ये बात पसंद नहीं आई थी।

मैंने कागज़ को देखा। भला किसने भेजा होगा? उसे खोलकर झट से धीमी रोशनी में पढ़ा। ओह! यह तो उसने लिखा था! वह मुझे अकेला क्यों नहीं छोड़ देती?

“ हो सकता है कि मैंने तुम्हें सही न परखा हो और तुमने तो निश्चित रूप से मुझे गलत परखा है। अगर तुम हमारे बीच की किसी दूरी को भरना चाहो तो मुझे कॉल करना- हम एक साथ लंच ले सकते हैं। क्रिस्टियन नहीं चाहता कि मैं तुमसे बात करूं पर मुझे मदद करने से खुशी होगी। मुझे गलत मत समझो। मेरा भरोसा करो- पर अगर उसे चोट पहुंचाई तो.... वह पहले ही बहुत सह चुका है। मुझे फोन करना- (206) 279-6261. -मिसेज रॉबिन्सन”

ओह! उसने साइन भी वही किए हैं। ज़रूर क्रिस्टियन ने बताया होगा। कमीना कहीं का।

“तुमने उसे बताया है?”

“किसे, क्या बताया है?”

“यही कि मैं उसे मिसेज रॉबिन्सन कह कर बुलाती हूं।” मैं झपटी।

"ये एलीना का है?" क्रिस्टियन बुरी तरह से चौंक गया। ये तो हद हो गई। वह भुनभुनाया और बालों में हाथ फेरा। मैं बता सकती हूं कि वह खीझ गया है।

"मैं उससे कल निपटूंगा या सोमवार को।" वह कड़वाहट के साथ बुदबुदाया।

हालांकि कहने में थोड़ी शर्मिंदगी भी महसूस हो रही है पर मन के किसी कोने में खुशी भी महसूस हुई। मेरे भीतर बैठी लड़की ने भी हामी दी। एलीना उसे चिढ़ा रही है और ये मेरे लिए तो अच्छा ही है। मैंने तय किया कि कुछ भी कहे बिना एलीना के नोट को पर्स में रख लिया जाए और साथ ही उसके मूड को अच्छा बनाने के लिए मैंने वे गोलियां भी उसके हाथ पर रख दीं।

"अगली बार तक।" मैं बोली।

उसने मुझे देखा पर अँधेरे में कुछ दिखा नहीं। उसने मेरा हाथ पकड़कर दबा दिया। मैं कार से बाहर अँधेरे में ताकत हुए आज के लंबे दिन के बारे में गौर करने लगी। आज उसके बारे में बहुत कुछ जाना था। बहुत सी कड़ियां जोड़ी थीं। सैलून, रोड-मैप, उसका बचपन पर अब भी जानने के लिए कितना कुछ बाकी है। और मिसेज आर? बेशक वह उसकी बहुत कद्र करती है। वह भी उसकी कद्र करता है पर दूसरे तरीके से। अब समझ नहीं आ रहा था कि किस बारे में सोचूं। इन बातों ने मेरा दिमाग चकरा कर रख दिया था।

जब एस्काला के बाहर पहुंचे तो क्रिस्टियन ने मुझे जगाया। "क्या मैं तुम्हें अन्दर ले चलूं।" उसने हौले से पूछा।

मैंने नींद में ही सिर हिलाया- "नहीं।"

मैंने लिफ्ट में अपना सिर उसके कंधे से टिका दिया। हमारे आगे खड़ा स्वेयर बेचैनी से पहलू बदलता रहा।

"एनेस्टेसिया! आज का दिन बहुत थकाने वाला रहा न?"

मैंने हामी भरी।

"थक गई?"

मैंने सिर हिलाया।

"क्या हुआ? कुछ बोल नहीं रहीं?"

मैंने हामी भरी तो वह मुस्कुराने लगा।

"आओ! तुम्हें लिटा आऊं।" वह मुझे हाथ थामकर ले जाने लगा ही था कि स्वेयर ने हाथ के इशारे से रोक दिया। उसी एक पल में झटके से मेरी नींद खुल गई। वह अपनी बाजू में बंधी किसी चीज़ से बात करने लगा। शायद उसने रेडियो पहना हुआ था।

"हम करेंगे। टी। मि. ग्रे! मिस स्टील की कार के टायर पंचर हैं और कार पर किसी ने पेंट फेंका हुआ है।"

हाय! मेरी कार! किसने किया होगा? अचानक ही मेरे दिमाग में एक नाम कौंध गया- लीला। मैंने क्रिस्टियन को देखा, उसका रंग पीला पड़ गया था।

"टेलर को चिंता है कि कहीं वह अपार्टमेंट में ही न हो। वह तसल्ली कर लेना चाहता है।"

"अच्छा! टेलर का क्या प्लान है?" क्रिस्टियन ने पूछा।

"वह अपने लोगों के साथ आ रहा है। वे लोग सब देखने के बाद हमें अन्दर जाने देंगे। सर! मुझे आपके साथ ही इतंज़ार करने को कहा है।"

"धन्यवाद स्वेयर!" क्रिस्टियन ने मेरे आसपास बांह का घेरा कस दिया।

"ये दिन तो और भी बदतर होता जा रहा है। उसने गुस्से में कहा। स्वेयर! मैं यहां खड़े होकर इंतज़ार नहीं कर सकता। तुम यहां मिस स्टील का ध्यान रखो और खतरा टलने तक इन्हें अन्दर मत जाने देना। मुझे पक्का यकीन है कि टेलर कुछ ज्यादा ही डर रहा है। ऐसी कोई बात नहीं। वह अपार्टमेंट में नहीं जा सकती।"

"क्या? नहीं क्रिस्टियन- तुम्हें मेरे पास रुकना होगा।" मैंने विनती की।

क्रिस्टियन ने मुझे छोड़ दिया- "जो कहा है, वही करो। एनेस्टेसिया, यहीं इंतजार करो।"

"नहीं !"

"स्वेयर?" क्रिस्टियन ने कहा।

स्वेयर ने बरामदे का दरवाजा खोलकर क्रिस्टियन को अन्दर जाने दिया और दरवाजा बंद करके उसके आगे खड़ा हो गया फिर वह बेचैनी से मुझे ही ताकने लगा।

ओह गॉड! क्रिस्टियन ! मेरे दिमाग में कई तरह के डरावने ख़यालात चक्कर काटने लगे पर अभी तो मैं यही कर सकती हूं कि यहीं खड़ी रहकर इंतज़ार करूं।

अध्याय 8

स्वेयर फिर से अपनी बाजू में मुंह सटाते हुए बोला,

“टेलर! मि. ग्रे अपार्टमेंट में गए हैं।” अचानक ही उसने अपने कान से ईयरपीस निकाल दिया। शायद टेलर की ओर से गहरी लताड़ मिली है।

अरे नहीं-टेलर चिंता में है इसका मतलब?

“प्लीज! मुझे भी अन्दर जाने दो।” मैंने विनती की। “सॉरी! मिस स्टील। ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।” स्वेयर ने दोनों हाथ खड़े कर दिए। टेलर और बाकी लोग अपार्टमेंट में आ ही रहे हैं।

मैं खुद को असहाय पा रही हूं। मैं वहीं पत्थरों की तरह खड़ी हर आवाज, हर आहट पर कान लगाने लगी। अपनी सांसों के सिवा कुछ नहीं सुन पा रही। मेरा दिमाग चकरा रहा है। मुंह सूख गया है और लगता है कि मैं बेहोश हो जाउंगी। प्लीज! *भगवान क्रिस्टियन को सही-सलामत रखना।* मैंने मन ही मन प्रार्थना की।

पता नहीं कितनी देर हो गई और हमें कोई आवाज सुनाई नहीं दी। मैं अपना दिमाग दूसरी ओर लगाने के लिए वहां लगी तस्वीरें देखने लगी।

मैंने आज से पहले उन पर नज़र तक नहीं मारी थी। मैडोना और बच्चे, सोलह के सोलह, धार्मिक तस्वीरें। क्रिस्टियन तो धार्मिक नहीं है, क्या वह है? अन्दर वाली तस्वीरें तो अलग हैं पर ये ऐसी क्यों हैं? *वैसे अभी क्रिस्टियन कहां है?*

मैंने स्वेयर को देखा। वह मुझे बेलाग नजरों से ताक रहा है।

“क्या हो रहा है?”

“कोई खबर नहीं है। मिस स्टील।”

अचानक ही दरवाजा हिला और स्वेयर ने तेजी से घूमते हुए अपने हॉलस्टर से बंदूक निकाल ली। मैं तो वहीं जम गई। दरवाजे पर क्रिस्टियन दिखाई दिया। “सब ठीक है।” उसने कहा और स्वेयर ने अपनी बंदूक पीछे करते हुए, मुझे आगे जाने दिया।

“टेलर ज्यादा ही परेशान हो रहा है।” वह बड़बड़ाया। और अपना हाथ आगे किया। मैं बिना हिले-डुले उसे ताक रही हूं: उसके बिखरे बाल, आंखों के आसपास का कसाव, कसे हुए

जबड़े, शर्ट के पहले दो खुले बटन। शायद मेरी उम्र दस साल बढ़ गई है। क्रिस्टियन ने मुझे चिंता से निहारा।

"बेबी ! सब ठीक है।" वह मेरे पास आया और बांहों में भर कर माथा चूम लिया। आओ! तुम थकी हुई हो। सोने चलें।

"मुझे बहुत चिंता हो रही थी।" मैं उसकी छाती से लगी, बदन से आती भीनी-भीनी महक का आनंद ले रही हूं।

"जानता हूं। हम सभी परेशान हो गए थे।"

स्वेयर कहीं अपार्टमेंट में ही ओझल हो गया है।

"सच्ची! मि. ग्रे, आपकी एक्स तो किसी सिरदर्द से कम नहीं हैं।" मैंने माहौल को हल्का करना चाहा।

"हां, सो तो है।"

वह मुझे बड़े कमरे में ले गया।

टेलर और उसके आदमी सारी अलमारियां देख रहे हैं। उन्हें लगता है कि वह यहीं-कहीं छिपी है।

"वह यहां क्यों होने लगी ? मुझे तो कोई तुक समझ नहीं आती।"

"सही कहा।"

"वह अन्दर आ सकती थी ?"

"मुझे तो नहीं लगता पर पता नहीं टेलर कई बार जरूरत से ज्यादा सावधान क्यों हो जाता है ?"

"क्या तुमने प्लेरूम में देखा ?" मैं हौले से बोली।

क्रिस्टियन ने मुझे घूरते हुए कहा- "उसमें ताला था पर मैंने और टेलर ने वहां भी देखा है।"

मैंने एक गहरी सांस ली।

"कुछ पीना चाहोगी ?" क्रिस्टियन ने पूछा

"नहीं। मैं सोना चाहूंगी।" पूरे शरीर में थकान पसर गई है।

"आओ। मैं तुम्हें लिटा देता हूं। तुम थकी दिख रही हो।" क्रिस्टियन के भाव मुलायम हो उठे।

मैंने त्यौरी चढ़ाई। *क्या वह नहीं आ रहा ? क्या वह अकेले सोना चाहता है ?*

जब वह मुझे अपने कमरे में ले गया तो मुझे चैन आया। मैंने अपना पर्स वहीं दराज के कोने में खाली किया तो मिसेज रॉबिन्सन का नोट दिखाई दिया।

"ये लो! मैंने उसे क्रिस्टियन को सौंप दिया। मुझे नहीं पता कि तुम इसे पढ़ना चाहोगे या नहीं। मेरे लिए तो ये बकवास है।"

क्रिस्टियन ने उसे एक बार देखा और उसके जबड़े सख्त हो आए।

"मुझे समझ नहीं आ रहा कि वह कौन से खाली कोने भरना चाहती है। मैं टेलर से बात करने जा रहा हूं। लाओ, पहले तुम्हारी ड्रिंक्स खोल दूं।"

"क्या तुम कार के लिए पुलिस को बुलाओगे।" मैंने मुड़ते हुए कहा

उसने मेरे बाल पीछे हटाए और गर्दन को नंगा करते हुए, गाउन की जिप खोल दी।

"नहीं, मैं पुलिस को बीच में नहीं डालना चाहता। लीला को पुलिस की नहीं मदद की जरूरत है। मैं नहीं चाहता कि पुलिस यहां आए। बस हमें उसे तलाशने की कोशिश को दुगना करना होगा।" वह आगे की ओर झुका और मेरे कंधों पर मीठा सा चुंबन दे दिया।

"सोने जाओ।" उसने कहा और कमरे से बाहर चला गया।

मैं लेटी छत को घूरती रही और उसके आने का इंतजार करती रही। आज कितना कुछ घटा है। कितनी बातें हुई हैं। कहां से शुरूआत करूं?

मैं एक झटके से उठ बैठी। क्या मैं सो गई थी? मैंने हल्की रोशनी के बीच थोड़ा-सा खुला दरवाजा देखा। तो क्या क्रिस्टियन बिस्तर पर नहीं है? वह कहां है? मैं उसे देखने के लिए उठने लगी तो मुझे बिस्तर के पास एक साया दिखाई दिया। एक औरत? हो सकता है। काले कपड़ों में? पक्का नहीं कह सकते।

हो सकता है कि मैं नींद में हूं। मैंने आगे आकर लाइट जलाई और मुड़कर देखा तो वहां कोई नहीं था। क्या यह मेरी कल्पना थी? क्या मैं कोई सपना देख रही थी?

मैंने पूरे कमरे में नजर मारी और पता नहीं क्यों, पूरे शरीर में एक अजीब-सा डर और बेचैनी पसर गए।

मैंने अपना चेहरा मला। वक्त कितना हुआ है। क्रिस्टियन कहां है? घड़ी में तो रात के सवा दो बजे हैं।

मैं लड़खड़ाते कदमों से उठी और उसे खोजने चल दी। पता नहीं अभी क्या देख लिया था। शायद आज की नाटकीय घटनाओं का असर रहा होगा।

बड़ा कमरा खाली है। बस नाश्ते की मेज पर हल्की रोशनी आ रही है। उसका स्टडी रूम खुला है और फोन पर बात करने की आवाज आ रही है।

"मुझे समझ नहीं आता कि तुम इस वक्त फोन क्यों कर रही हो? मुझे तुमसे कुछ नहीं कहना.. खैर अब तुम बताओ। तुम्हें मैसेज छोड़ने की क्या पड़ी थी?

मैं वहीं बुत बनी खड़ी हूं। वह किससे बात कर रहा है?

"नहीं, तुम सुनो। मैंने कहा न कि पहले तुम मेरी सुनो। उसे अकेला छोड़ दो। उसका तुमसे कोई लेन-देन नहीं है। समझी कि नहीं?"

वह काफी गुस्से में दिखा। मेरी दरवाजा खटखटाने की हिम्मत नहीं हुई।

"मैं जानता हूं कि तुम करती हो पर एलीना मेरी बात का भी कोई मतलब है। उसे अकेला छोड़ दो। मैं ये बात कितनी बार कहूंगा? क्या तुम सुन रही हो? गुड... गुड नाइट।" उसने डेस्क पर फोन पटक दिया।

ओ शिट! मैं दरवाजे पर आहट की।

कौन है?

वह हाथों में सिर दिए डेस्क पर बैठा है। मुझे देखते ही उसके चेहरे के भाव नरम हो आए। उसकी आंखें गुस्से से सुलग रही हैं। अचानक ही वह कितना थका हुआ दिख रहा है। मेर दिल कचोट उठा।

उसने पलकें झपकाईं और उसकी आंखें मेरी खुली टांगों व पीठ पर रेंगती चली गईं। मैं उसकी ही एक टी-शर्ट में हूं।

"एना! तुम्हें तो सिल्क या साटिन में होना चाहिए पर तुम मेरी टी-शर्ट में भी प्यारी लगती हो।"

ओह! अचानक ही तारीफ मिल गई। "मैं तुम्हें याद कर रही थी। आओ, सोने चलें।"

वह कुर्सी से उठा। वह अब भी रात वाले कपड़ों में है। आंखों में चमक लौट आई है पर चेहरे पर अभी भी उदासी के साए हैं। वह मेरे आगे खड़ा है पर मुझे छू नहीं रहा।

"क्या तुम जानती हो कि तुम मेरे लिए क्या मायने रखती हो?" वह हौले से बोला

"अगर मेरी वजह से तुम्हें कुछ हो गया तो...." उसका सुर कांप गया और चेहरे पर दर्द की रेखाएं तैर गईं। उसका डर छिपाए नहीं छिप रहा।

"मुझे कुछ नहीं होगा।" मैंने उसे दिलासा दिया। मैंने उसके चेहरे पर अपनी अंगुलियां फेरी। वह कितना नरम है। "तुम्हारी दाढ़ी कितनी जल्दी उग जाती है।" मैंने उसका ध्यान बंटाने के लिए हौले से कहा।

मैं गर्दन तक उस हिस्से को छूती चली गई, जिसे छूने की इजाजत थी। वह मुझे हाथ लगाए बिना ही घूरता रहा। मैंने उस लाइन के पास छूना चाहा तो उसने अपनी आंखें मूंद लीं।

उसकी सांसें तेज होती चली गईं। मेरा हाथ उसकी कमीज के बटन पर चला गया।

"मैं तुम्हारा स्पर्श नहीं करूंगी। बस ये बटन खोल रही हूं।"

वह चुपचाप खड़ा रहा और मुझे ऐसा करने से रोका भी नहीं मैं धीरे-धीरे एक -एक कर सारे बटन खोले।

मैं उसे छूना नहीं चाहती। मैं उसे छूना चाहती हूं पर हाथ नहीं लगाऊंगी! चौथे बटन के बाद लिपस्टिक की हल्की-सी रेखा दिखी तो मेरे चेहरे पर शर्मीली सी मुस्कान आ गई। फिर मैंने एक-एक कर कफलिंक्स खोले।

"क्या मैं ये शर्ट उतार सकती हूं?"

उसने हामी दी और मैंने शर्ट कंधो से नीचे उतार दी। अब वह मेरे सामने केवल पैंट में खड़ा है।

"मेरी पैंट का क्या करना है, मिस स्टील?" उसने चुटकी ली।

"बैडरूम में चल कर देखेंगे। मैं तुम्हें अभी और इसी वक्त बिस्तर में चाहती हूं।"

"क्या अभी? मिस स्टील! क्या आपका मन नहीं भरता?"

मैं इस समय कुछ नहीं सोच सकती। मैंने उसका हाथ थामा और सोने के कमरे की ओर ले चली। कमरे में ठंडक है।

"क्या तुमने बालकनी का दरवाजा खोला था?" उसने मुझसे पूछा।

"नहीं! मैंने तो नहीं खोला। मुझे याद आया कि जब मैं उठी तो मैंने कमरे में नजर मारी थी। तब तो दरवाजा बंद था।"

ओह शिट ...मेरे बदन का सारा लहू जैसे चेहरे पर आ गया। मैं खुले मुंह से क्रिस्टियन को ताकने लगी।

"क्या हुआ?" वह झपटा।

जब मैं उठी... तो वहां कोई था।" मैंने हौले से कहा।

मुझे लगा था कि मेरी कल्पना थी।

"क्या?" वह डरा हुआ दिखा और बालकनी के दरवाजे की ओर लपका। फिर वह अन्दर आया और दरवाजा बंद कर दिया।

"क्या तुम्हें पक्का यकीन है। वहां कौन था?"

"एक औरत। शायद!" उस समय अंधेरा था और मैं उनींदी थी।

"कपड़े पहनो। जल्दी करो!"

“मेरे कपड़े ऊपर हैं।”

उसने झट से अपने दराज से एक पैंट निकाली।

“इसे पहनो।”

वह काफी बड़ी है पर अभी बहस की गुजाईश नहीं है। उसने भी टी-शर्ट निकाली और फोन के दो बटन दबाए।

“वह अब भी यहीं है।” वह फोन पर बोला।

करीब तीन सेकेंड बाद टेलर और उसके बंदे वहीं आ गए। क्रिस्टियन ने उन्हें कम शब्दों में बता दिया, जैसा मैंने देखा था।

“कितनी देर पहले।” टेलर ने व्यावसायिक लहजे में पूछा। वह अब भी जैकेट में है। क्या ये बंदा कभी सोता नहीं है?

“बस दस मिनट?” पता नहीं क्यों पर मैं शर्मिंदगी महसूस कर रही हूं।

“वह इस अपार्टमेंट को अच्छी तरह जानती है। मैं एना को यहां से ले जा रहा हूं। वह यहीं कहीं छिपी है।। उसे खोजो। क्या गेल आ गया?”

“कल शाम को आएगा, सर।”

“जब तक यह जगह सुरक्षित नहीं हो जाती। एना यहां नहीं आएगी। समझे?”

क्रिस्टियन ने गुस्से से कहा।

“जी सर! क्या आप बैलूवे जाएंगे?”

“नहीं, मैं ये परेशानी अपने मां-बाप पर नहीं लादना चाहता। मेरे लिए कहीं कमरा बुक कर दो।”

“हां, मैं तुम्हें फोन करूंगा।”

“क्या हम जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया नहीं दे रहे?”

क्रिस्टियन ने मुझे घूरा, “उसके पास बंदूक हो सकती है।”

“क्रिस्टियन वह पलंग के पास ही थी। अगर वह मुझे मारना चाहती तो उसी समय मार सकती थी।” क्रिस्टियन ने किसी तरह अपने को संयत किया और प्यार से बोला। “एनेस्टेसिया! मैं किसी तरह का खतरा मोल नहीं ले सकता। टेलर! एना के लिए जूते लाओ।”

क्रिस्टियन अपनी अलमारी में से सामान निकालने लगा और वह सिक्योरिटी वाला मुझे ताक रहा है। उसका नाम भूल रही हूं... शायद रेयान था। वह बार-बार नीचे की खिड़कियों व

बालकनी में देख रहा है। क्रिस्टियन थोड़ी देर में बाहर आया तो अपनी जींस और बारीक धारियों वाले कोट में था। उसने एक डेनिम की जैकेट मेरे कंधों के आसपास लपेट दी।

“आओ।” उसने मेरा हाथ कस कर थाम लिया और मुझे लगभग भागते हुए उसके लंबे कदमों के साथ ताल मिलानी पड़ी।

“मैं तो यकीन नहीं कर सकती कि वह यहीं छिपी होगी।” मैंने बालकनी के दरवाजों को देखते हुए कहा

“ये एक बड़ी जगह है और तुमने अभी सारी देखी भी नहीं है।”

“तुम उसे फोन क्यों नहीं करते? उससे कहो कि तुम बात करना चाहते हो।”

“एनेस्टेसिया! इस समय उसका दिमाग घूमा हुआ है। और उसके पास हथियार भी हो सकता है।” उसने खीझकर कहा।

“तो क्या हम भाग रहे हैं?”

अभी के लिए तो कहूंगा-"हां।”

“अगर उसने टेलर को गोली मारनी चाही तो?”

“टेलर को सब संभालना आता है। वह उससे ज्यादा फुर्ती दिखा सकता है।”

“रे सेना में थे। उन्होंने मुझे शूट करना सिखाया है।”

क्रिस्टियन ने एक पल के लिए भौं ऊंची की और हैरानी से बोला “तुम और बंदूक?”

“जी हां। मैं गोली चला सकती हूं। मि. ग्रे आप बचकर रहना। आपको केवल पागल सेक्स गुलामों की चिंता नहीं करनी है।”

“जी मिस स्टील! मैं याद रखूंगा।” उसने शुष्क सुर में कहा पर साथ ही चेहरे पर मुस्कान भी आ गई। मुझे अच्छा लगा कि इतने तनावपूर्ण माहौल में भी मैं उसके चेहरे पर मुस्कान लाने में सफल रही।

टेलर हमें बरामदे में मिला और मेरे हाथ में मेरा छोटा सूटकेस और काले कन्वर्स स्नीकर पकड़ा दिए। मैं देखकर दंग हूं कि उसने मेरे कुछ कपड़े भी पैक कर दिए हैं। मैंने कृतज्ञता से भरी मुस्कान दी तो उसने दिलासा से भरी मुस्कान पेश कर दी। इससे पहले कि मैं खुद को रोक पाती। मैंने उसे कसकर गले से लगा लिया। वह तो हैरान रह गया। जब मैंने उसे छोड़ा तो उसके दोनों गाल गुलाबी हो गए थे।

“संभलकर रहना।” मैंने हौले से कहा।

“जी, मिस स्टील!” उसने शर्मिंदगी से कहा।

क्रिस्टियन ने मुझे देखकर भौं नचाई और टेलर को सवालिया निगाहों से देखा जो हल्के से मुस्कुराकर अपनी टाई ठीक करने लगा।

“मुझे बताओ कि मैं कहां जा रहा हूं।” वह बोला।

टेलर ने अपने पर्स से एक क्रेडिट कार्ड निकाला और क्रिस्टियन को थमा दिया।

“आप वहां जा कर इसे इस्तेमाल कर सकते हैं।”

“अच्छी सोच है।” क्रिस्टियन ने कार्ड संभाल लिया।

रेयान भी वहीं आ गया। उसने टेलर से कहा स्वेयर और रेनॉल्डस को कुछ नहीं मिला।

“मिस स्टील और मि. ग्रे को गैराज तक छोड़ आओ। टेलर ने हुक्म दिया।

गैराज सूना पड़ा है। सुबह के तीन बजे हैं। क्रिस्टियन ने मुझे अपनी आर 8 की सीट पर बैठाते ही सारा सामान अन्दर रखा। मेरी गाड़ी के टायर पंक्चर हैं, सारी गाड़ी पर सफेद पेंट बिखरा है और उसकी हालत खराब हुई पड़ी है। देखकर ही डर लग रहा है। शुक्र है कि क्रिस्टियन मुझे कहीं और ले जा रहा है।

“इसकी जगह सोमवार को दूसरी गाड़ी आ जाएगी।” उसने अपनी सीट पर बैठते हुए मेरे अनकहे सवाल का जवाब दे दिया।

“उसे कैसे पता चला कि यह मेरी गाड़ी थी?”

उसने मुझे देखकर आह भरी। उसके पास भी ऑडी 3 थी। मैं अपनी सभी सेक्स गुलामों को यही गाड़ी ले कर देता हूं क्योंकि ये अपने-आप में सुरक्षित मानी जाती है। “ओह, तो ये ग्रेजुएशन का तोहफा नहीं था?” “एनेस्टेसिया! चाहे मैंने जो भी उम्मीद की हो पर तुम कभी मेरी सेक्स गुलाम नहीं रहीं इसलिए तकनीकी रूप से देखा जाए तो वह ग्रेजुएशन का ही तोहफा था।” उसने पार्किंग स्पेस से गाड़ी निकालकर भगा दी। उसकी उम्मीद के बावजूद... सयानी लड़की ने मुंह बनाया। “ओह! हमारी बात हमेशा घूम-फिर कर यहीं क्यों आ जाती है?”

“क्या तुम अब भी उम्मीद कर रहे हो?” मैंने हौले से कहा।

तभी कार का फोन बजा। ग्रे!

“फेयरमान्ट ओलंपिक! मेरे नाम से।”

“धन्यवाद टेलर। अपना ख्याल रखना।” टेलर ने कहा।

“जी सर” और क्रिस्टियन ने फोन रख दिया।

सिएटल की सड़कें वीरान पड़ी हैं। वह तेजी से अपनी मंजिल की ओर बढ़ रहा है और गाड़ी की गति काफी तेज है।

मैंने उसे झांका। वह अपनी ही सोच में गुम है। उसने मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया। उसने पिछले शीशे में झांका और मैं समझ गई- वह जांच रहा था कि कहीं कोई हमारा पीछा तो नहीं कर रहा।

मैंने खिड़की से बाहर देखते हुए अपने थके और बेचैन दिमाग को राहत देनी चाही। गर वह मुझे चोट पहुंचाना चाहती तो आज उसके पास भरपूर मौका था। “नहीं। मैं अब इन चीजों की और उम्मीद नहीं रख सकता। मुझे लगा कि तुम्हें समझ आ गया था।” तभी क्रिस्टियन की आवाज से मेरा ध्यान टूटा। मैंने उसे देखकर पलकें झपकाईं और अपने आसपास जैकेट को कसकर लपेट लिया। पता नहीं मुझे ठंड लग रही है या भीतर से डर की झुरझुरी पैदा हो रही है।

“मुझे चिंता है कि... मैं तुम्हारे लिए काफी नहीं हूं”

“तुम मेरे लिए जरूरत से भी ज्यादा हो। एना! मुझे तुम्हें इस बात का यकीन दिलाने के लिए क्या करना होगा।”

मुझे अपने बारे में बताओ। मुझसे कहो कि तुम मुझे प्यार करते हो।

“तुम्हें ऐसा क्यों लगा कि डॉ. फिल्न की बातें सुनने के बाद मैं तुम्हें छोड़ दूंगी।” उसने आह भरते हुए एक पल के लिए आंखें मूंदीं और बोला “एना। तुम मेरी जिंदगी की कमियों की गहराईयों को नहीं समझ सकतीं और मैं तुम्हें इसमें हिस्सेदार बनाना भी नहीं चाहता।

“तुम्हें लगता है कि मैं जान लेती तो तुम्हें छोड़ जाती?” मैंने जोर से कहा। वह समझता क्यों नहीं कि मैं उससे प्यार करती हूं। क्या मेरे बारे में यही राय रखते हो?

“मैं जानता हूं कि तुम चली जाओगी।” उसने उदासी से कहा।

“क्रिस्टियन.. ऐसा नहीं है। मैं तो तुम्हारे बिना जीने की कल्पना... तक नहीं कर सकती।”

“तुम मुझे एक बार छोड़ गई थीं...। मैं वह सब दोबारा नहीं चाहता।

“एलीना ने कहा कि तुम पिछले शनिवार उससे मिले थे।” मैंने हौले से कहा।

“वह तो नहीं मिली।”

“तुम मेरे आने के बाद उससे मिलने नहीं गए थे।”

“मैंने कहा न कि मैं नहीं गया था और मुझे बिल्कुल पसंद नहीं कि कोई मुझे पर शक करे। मैं पिछले सप्ताह कहीं नहीं गया और घर में बैठा ग्लाईडर बनाता रहा जो तुम मेरे लिए छोड़ गई थीं

मेरा दिल कचोट उठा। मिसेज रॉबिन्सन कह रही थी कि वह उससे मिली थी।

क्या वह मिली थी या नहीं ? क्या वह झूठ बोल रही थी? क्यों?

"एलीना जो भी सोचती रहे पर मैं अपनी हर परेशानी के लिए दूसरों के पास भागने का आदी नहीं हूं। तुम्हें पता कि मैं इतनी आसानी से दूसरों के आगे अपना दिल नहीं खोलता।" उसने स्टीयरिंग व्हील पर अपने अंगुलियों की पकड़ कस दी।

"कैरिक ने बताया कि तुम पूरे दो साल तक बोले नहीं थे।"

"क्या उन्होंने आज बताया?" क्रिस्टियन के चेहरे पर गंभीर रेखाएं खिंच गईं।

"मैंने ही किसी तरह घुमा-फिराकर उनसे बातें निकलवाई थीं।" मैंने शर्मिंदा होते हुए कहा।

"तो डैडी ने और क्या कहा?"

"उन्होंने कहा कि जब तुम्हें तुम्हारे अपार्टमेंट से अस्पताल लाया गया तो तुम्हारी मॉम ही वह डॉक्टर थीं जिन्होंने तुम्हारा परीक्षण किया था।"

क्रिस्टियन सूनी नज़रों से ताकता रहा... पर चौकन्ना भी दिखा।

"उन्होंने कहा कि पियानो सीखने और ईया के आने से तुम्हारे बर्ताव में उतर आया।"

उसके होठों पर बहन का नाम आते ही मुस्कान आ गई।

"हां, जब वह आई तो करीब छह माह की थी। इलियट को तो मेरा साथ मिल गया था पर मेरे लिए ईया का आना एक खुशी की बात थी। वह बहुत प्यारी थी। वैसे अब इतनी नहीं रही।" मैं समझ गई कि आज ईया ने बार-बार उसके और मेरे मिलन की राह में बाधा दी थी शायद वह उसी बात को याद करके कह रहा होगा। मैं हंसने लगी।

क्रिस्टियन ने मुझे घूरा- "मिस स्टील! तुम्हें ये बात मज़ाकिया लगी?"

"आज तो जैसे उसने हमें अलग रखने की ही ठान ली थी।"

वह भी हंस दिया। "हां। वह काफी हद तक कामयाब भी रही। पर हमने अपनी मंजिल पा ही ली।"

उसने पीछे नजर मारी। "उम्मीद करता हूं कि कोई हमारा पीछा नहीं कर रहा होगा।"

लाल बत्ती पर ठहरते ही मैंने कहा- "क्या मैं एलीना के बारे में कुछ पूछ सकती हूं?"

"हां, अगर इतना ही जरूरी है तो पूछ लो।" उसने खीझकर कहा।

मैंने अपनी हिम्मत टूटने नहीं दी।

"तुमने मुझे बहुत पहले बताया था कि वह तुम्हें जिस तरह प्यार करती थी, वह तरीका तुम्हें पसंद था। उसका क्या मतलब था?"

"ये तो साफ नहीं है?"

"मुझे समझ नहीं आया।" मैंने कहा।

"मैं नियंत्रण के बाहर था। मैं किसी का स्पर्श सह नहीं सकता था। मैं अब भी नहीं सह सकता। चौदह-पंद्रह साल के लड़के लिए ये एक मुश्किल वक्त था। उसने मुझे अपनी भड़ास निकालने का तरीका दिखाया।"

"ओह! ईया ने बताया कि तुम किसी से भी झड़प कर लेते थे?"

"ओह! मेरा परिवार इतना बातूनी कब से हो गया? दरअसल ये सब तुम्हारी वजह से हो रहा है। तुम अक्सर लोगों से बातें निकलवा लेती हो।"

"ईया ने अपने-आप बताया था। दरअसल उसे लग रहा था कि अगर तुमने नीलामी में मुझे न जीता तो तुम किसी से लड़ बैठोगे।" मैंने लगाव से कहा

"ओह बेबी! इसका तो कोई सवाल ही नहीं पैदा होता। मैं ऐसे कैसे किसी और को तुम्हारे साथ नाचने देता।"

"पर तुमने डॉक्टर को तो नहीं रोका।"

क्रिस्टियन ने पत्थर के फव्वारे के पास, फेयर मौन्ट ओलंपिक होटल की ड्राईव-वे में गाड़ी रोक दी।

"आओ।" उसने गाड़ी से बाहर आकर हमारा सामान निकाला। एक दरबान भागता आया- बेशक उसे इस बेवक्त के मेहमानों को देखकर हैरानी हो रही थी। क्रिस्टियन ने कार की चाबियां उसकी ओर उछाल दीं।

"टेलर का नाम लिखो।" उसने कहा। दरबान ने हामी दी और आर 8 में बैठ पाने के खुशी को छिपा नहीं सका। हम हाथ थामकर लॉबी की ओर चल दिए।

मैं रिसेप्शन डेस्क पर उसके साथ खड़ी बिल्कुल जाहिल दिख रही हूं। मैं सिएटल के सबसे महंगे और नामी होटल में, इस शानदार ग्रीक देवता जैसे इंसान के साथ एक बड़े साइज की डेनिम जैकेट, खुली पैंट और पुरानी टी-शर्ट में खड़ी हूं। बेशक रिसेप्शनिस्ट को भी यह बेमेल जोड़ा देखकर हैरानी हुई। वह भी क्रिस्टियन के आकर्षण से बच नहीं सकी। मैंने उसे लाल पड़ते देख आंखें नचाईं। उसके तो हाथ भी कांप रहे हैं।

"क्या आपको... बैग उठाने के लिए मदद चाहिए? मि. टेलर?" उसने लाल पड़ते चेहरे के साथ पूछा "नहीं! मिसेज टेलर और मैं ले जाएंगे।"

मिसेज टेलर! पर मैंने तो अंगूठी भी नहीं पहनी। मैंने अपने हाथ पीछे कर लिए।

"मि. टेलर! आप ग्यारहवीं मंजिल पर कैसकेड सुईट में हैं। हमारा लड़का सामान छोड़ देगा।"

"नहीं, हम चले जाएंगे। लिफ्ट कहां है?"

लाल चेहरे वाली ने संकेत किया और हम आगे चल दिए। एक काले बालों वाली औरत सोफे पर बैठी, अपने पालतू को कुछ खिलाती दिखी। तो क्या यहां पालतू जानवर ला सकते है? इतने बड़े होटल में इसकी इजाजत होती होगी। वह हमें देखकर मुस्कुराई।

सुईट में दो बेडरूम, एक औपचारिक ड्राइंग रूम और बड़ा-सा पियानो है। बड़े कमरे में आग जल रही है। यह तो मेरे अपार्टमेंट से भी बड़ा है।

"मिसेज टेलर! आपका तो पता नहीं पर मैं एक ड्रिंक लेना चाहूंगा।" क्रिस्टियन ने दरवाजे को बंद करते हुए कहा।

उसने बेडरूम में सामान रखा और हम बड़े कमरे में चले गए। मैं आग के पास हाथ सेंकने लगी और वह बार के पास चला गया।

"आरमैन्यक?"

"प्लीज"

उसने मुझे क्रिस्टल ब्रांडी गिलास थमा दिया।

"आज का दिन तो बहुत ही व्यस्त रहा। ओह!"

मैंने हामी भरी और उसकी आंखों में चिंता दिखी।

"मैं ठीक हूं। तुम अपनी कहो।" मैंने दिलासा दिया।

"अभी तो यही चाहता हूं कि पहले इसे खत्म करूं। हम बिस्तर पर चलें और अगर तुम ज्यादा थकी नहीं हो तो मैं खुद को तुम्हारे भीतर डूबो देना चाहूंगा।"

"मि. टेलर! शायद ये इंतजाम हो सकता है।" मैं उसे देखकर मुस्कुराई और उसने अपने जूते और जुराबें उतार दिए।

"मिसेज टेलर! अपना होंठ काटना बंद करें।" वह बुदबुदाया।

मैं शरमा गई। ब्रांडी ने मेरे गले को तर कर दिया है। जब मैं क्रिस्टियन को देखा तो वह अपनी ब्रांडी पीते हुए भूखी नज़रों से मुझे ही ताक रहा था।

"एनेस्टेसिया! मैं तो तुम्हें देखकर हैरान हूं। कल और आज की इतनी घटनाओं के बाद भी तुम कितनी बहादुरी से डटी हुई हो। कोई और होती तो कब की भाग गई होती। सचमुच तुम मुझे हैरत में डाल देती हो। तुम बड़ी दिलेर हो।"

"तुम ही तो मेरे यहां होने का कारण है और वह अपने-आप में काफी मजबूत है। क्रिस्टियन! मैंने तुमसे कहा न कि मैं कहीं नहीं जा रही और चाहे तुम जो भी करो। मैं तुम्हारे साथ हूं। तुम जानते हो कि मैं तुम्हारे बारे में क्या महसूस करती हूं।"

उसकी भवें सिकुड़ गईं मानो उसे ये शब्द सुनने भी भारी पड़ रहे थे। ओह! "क्रिस्टियन मैं तुम्हें अपनी भावनाओं का एहसास दिलाने के लिए क्या करूं?"

उसे इजाजत दे कि वह तुझे पीटे। सयानी लड़की ने अन्दर से आवाज निकाली और मैंने उसे देखकर मुंह बना दिया।

"तुम मेरे जोंस वाले पोट्रेट कहां लगाने वाले हो?" मैंने माहौल को हल्का बनाना चाहा।

"यह तो निर्भर करता है।"

"किस पर?"

"हालात पर। उसका शो खत्म नहीं हुआ इसलिए ये बात बाद में भी तय हो सकती है।"

मैंने अपनी गर्दन एक ओर ले जाते हुए आंखें सिकोड़ी।

"मिसेज टेलर! तुम चाहे जितनी मर्जी सख्ती दिखा लो, मैं कुछ नहीं कहने वाला।" उसने चिढ़ाया।

"मैं तुम्हें सता कर सच निकलवा सकती हूं।"

उसने भौं नचाई। "अच्छा एना! तुम्हें ऐसे वादे नहीं करने चाहिए जो तुम पूरे न कर सको।"

ओह! मैंने अपना गिलास मेज पर रखा और उसका गिलास अपने आगे रखते हुए उसे हैरानी में डाल दिया।

"हम देखेंगे।" ब्रांडी के असर से बहादुरी आ गई थी। मैं उसका हाथ थामकर बेडरूम की ओर चल दी। फिर मैं पलंग के पास जा कर रुकी और क्रिस्टियन विमुग्ध भाव से देख रहा है।

"एना! तुम मुझे यहां ले तो आईं पर तुम मेरे साथ क्या करना चाहती हो।" उसने हौले से पूछा।

"मैं तुम्हारे कपड़े उतारने से शुरूआत करूंगी। जो काम पहले शुरू किया था, उसे अब निपटाना चाहती हूं।" मैंने अपने हाथ उसके जैकेट पर रखे और कोशिश की कि उसे छुए बिना ही जैकेट उतार दूं। इस बार उसने बदन तो नहीं सिकोड़ा पर सांस थामे खड़ा है।

मैंने जैकेट उतारी और उसकी जलती निगाहें मुझे घूर रही हैं... मेरे लिए चाह दिख रही है। इसकी नज़रें भी हर बार अलग मायने रखती हैं। पता नहीं वह सोच क्या रहा है? मैंने जैकेट उतार कर वहीं रख दी।

"अब तुम्हारी टी-शर्ट।" मैंने धीरे से कहा और उसने अपने हाथ ऊपर करते हुए, उसे उतारने में मदद की। वह लगातार मुझे ही ताक रहा है और जींस उसकी कमर से झूल रही है। उसके बॉक्सर ब्रीफ का बैंड दिख रहा है।

मेरी आंखें उसके पेट पर लगे हल्के लिपस्टिक के निशानों पर रेंग रही हैं। मैं तो बस यही चाहती हूं कि उसकी छाती के बालों पर जीभ फिराते हुए, उसका दैवीय स्वाद चख लूं।

"अब क्या करोगी?"

उसने हौले से पूछा।

"मैं तुम्हें यहां से यहां तक चूमना चाहती हूं।" मैंने उसके पेट पर अंगुली फिराते हुए कहा।

"मैं तुम्हें नहीं रोकने वाला। जो जी में आए करो।"

"तो तुम लेट जाओ।" मैंने उसका हाथ थामकर कहा। वह हैरान है और मुझे समझ आ रहा है कि आज तक उसके साथ किसी ने भी इस तरह प्यार ही नहीं किया। *उसने भी नहीं? ओह इस वक्त उसकी बात मत कर।*

वह कंबल हटाकर कोने में बैठ गया और गंभीर भाव से मुझे ही देखने लगा। मैंने उसके सामने ही अपने जैकेट और पैंट उतार दिए।

उसने अपनी अंगुलियों के छोरों से अंगूठे मले। बेशक वह मुझे छूने की इच्छा को दबा रहा है। मैंने गहरी सांस ली और हिम्मत बटोरते हुए अपनी टी-शर्ट भी उतार दी। अब मैं उसके सामने निर्वस्त्र हूं। उसने गहरी सांस भरी और होंठ खुल गए।

"एना! तुमसे पार पाना मुश्किल है। तुम तो शोला हो शोला..."

मैंने उसका चेहरा अपने हाथों में लिया और उसे चूमने के लिए झुकी। उसके मुंह से एक हल्की-सी आह निकली।

उसने अचानक मुझे नितंबों से थामा और... और मैं पता नहीं कैसे, अगले ही पल पलंग पर उसके नीचे दबी हुई थी। वह मुझे दीवानों की तरह चूम रहा है। उसके हाथ शरीर के सभी अंगों पर रेंग रहे हैं। वे मेरे पेट से होते हुए छातियों तक आ पहुंचे और मैं उनके स्पर्श में मग्न हो गई।

मैंने सिसकारी भरी और उसके शरीर के उभार को अपने अंग पर महसूस किया। उसने मुझे चूमना बंद किया और बेदम होकर ताकने लगा। उसका उभार मेरे शरीर को बिल्कुल सही जगह पर छू रहा है। हां-हां, बिल्कुल ठीक!

मैं आंखें बंद कर कराही और उसने दोबारा ऐसा किया। उसने एक बार और चूमा और धीरे-धीरे मुझे अपने शरीर से सहलाता रहा। एक ही पल में मैं अपनी सारी चिंताएं और परेशानियां भूल गईं जैसे उसके नशे ने सराबोर कर दिया हो। नसों में खून उबाले ले रहा है। मेरे कानों में हम दोनों की बेदम सांसों के सुर गूंज रहे हैं। मैंने उसे बालों से पकड़ा और अपने मुंह के पास ले आई। फिर जाने कैसे मेरी अंगुलियां उसकी जींस के भीतर खिसकती चली गईं और हम दोनों को और कुछ याद नहीं रहा।

"एना! तुम तो मुझे जंगली बना दोगी।" वह हौले से बोला और अचानक अपने-आप को अलग करते हुए घुटनों के बल बैठ गया उने झट से अपनी जींस उतारी और कंडोम का पैकेट मुझे थमा दिया।

"बेबी! तुम मुझे चाहती हो और मैं तुम्हें चाहता हूं। तुम्हें पता है कि अब तुम्हें करना क्या है?"

मैंने अपना काम किया और उसने अपना काम करने में देर नहीं की। मैं उसके एहसास को अपने भीतर महसूस कर रही हूं। वह धीरे-धीरे मेरे बदन के हर अंग को अपनी अंगुलियों की छुअन से तरसा रहा है, जगा रहा है। बड़ा ही मीठा सा एहसास है।

"तुम मुझे सब कुछ भुला देती हो। तुमसे इच्छा इलाज तो कोई हो ही नहीं सकता।" वह बहुत हौले से मेरे बदन के भीतर खलबली पैदा कर रहा है।

आज उसे कोई जल्दी नहीं है। आज वह मेरे शरीर का पूरा रस पी लेना चाहता है। उसने एक बार फिर मेरे होठों से अपने होंठ जोड़ दिए। हल्की सिसकारियों के बीच हमारा मिलन पूरा हुआ और उसने मेरा नाम लेते हुए एक गहरा चुंबन दे दिया।

ओह मेरी एना!

उसका सिर मेरे पेट पर टिका है। बाजुएं आसपास लिपटी हैं। मेरी अंगुलियां उसके बिखरे बालों में घूम रही हैं और मैं क्रिस्टियन ग्रे के साथ प्यार में भीगे पल बिताने के बाद आराम से लेटी हूं। चेहरे की उजास बता रही है कि आज हम दोनों ने शायद सेक्स नहीं किया, शायद ये प्यार का ही एक रूप था!

वह भी मेरी तरह, थोड़े से ही वक्त में बहुत दूर निकल आया है। सब कुछ इतनी तेजी से होता जा रहा है कि मैं उसके साथ अपने इस ईमानदार और सादे सफ़र के बारे में भी नहीं सोच सकी।

"तुम्हें प्यार करके तो दिल नहीं भरता। मुझे कभी छोड़कर मत जाना।" उसने हौले से कहा और मेरे पेट को चूम लिया।

"क्रिस्टियन! मैं कहीं नहीं जाने वाली और याद दिला दूं कि मुझे तुम्हारे पेट पर चूमना था।" मैंने उनींदे सुर में कहा।

वह हंसकर बोला "तो तुम्हें कौन रोक रहा है?"

"पर मैं तो हिल भी नहीं सकती... बहुत थक गई हूं।"

वह मेरे पास खिसक आया और कंबल ओढ़ा दिया।

"अब सो जाओ, बेबी!" उसने मेरे बाल चूमे और मुझे बांहों के घेरे में सुला लिया।

जब आंखें खुलीं तो कमरे में हल्की रोशनी के बीच मेरी पलकें झपक गईं। मेरा सिर नींद की कमी से चकरा रहा है। *मैं कहां हूं? ओह! ये तो होटल है।*

"हाय।" क्रिस्टियन बड़े प्यार से बोला। वह मेरे साथ लेटा है और सारे कपड़े पहन रखे हैं। वह यहां कब से है? क्या वह मुझे ताक रहा था? अचानक ही मुझे उसकी उन नज़रों से शर्म आने लगी।

"हाय। तुम मुझे कब से ताक रहे थे?"

"एनेस्टेसिया! मैं तो तुम्हें इस तरह सोते हुए घंटों देख सकता हूं पर अभी यहां आए पांच मिनट ही हुए हैं।" वह आगे झुककर बोला।

"डॉ. ग्रीन किसी भी समय आने वाली होगी।

ओह! मैं तो क्रिस्टियन की इस घुसपैठिया किस्म की बेजा हरकत के बारे में भूल ही गई थी।

"नींद अच्छी आई? खर्राटे तो खूब ले रही थीं।"

ओह! मेरा आनंदी क्रिस्टियन लौट आया!

"मैं खर्राटे नहीं मारती।" मैंने मुंह बिचकाया।

"नहीं। तुम नहीं लेती।" वह हंसकर बोला और उसकी गर्दन के पास लिपिस्टक का हल्का सा निशान अब भी दिख रहा है।

"क्या तुम नहा लिए?"

"तुम्हारा इंतजार कर रहा था।"

"ओह... अच्छा"

"अभी क्या वक्त है?"

"दस बजकर पंद्रह मिनट! तुम्हें नींद से जगाने को मन नहीं हुआ।"

"तुमने कहा था कि तुम्हारे पास मन है ही नहीं।"

वह उदासी से मुस्कुराया पर कोई जवाब नहीं दिया। नाश्ता आ गया है। पैनकेक और बेकन तुम्हारे लिए। आओ। मैं यहां अकेला पड़ गया हूं। उसने मेरे पिछवाड़े पर एक धौल जमाई। मैं उछल कर बैठ गई।

हम्म... क्रिस्टियन का प्यार जताने का तरीका!

अंगड़ाई लेते समय पता लगा कि पूरा बदन दुख रहा है। ..बेशक ये नाच, सेक्स और ऊंची एड़ी के सैंडिल का कमाल है। मैं पलंग से उतरकर बाथरूम की ओर चली तो कल की

सारी घटनाएं एक-एक कर आंखों के आगे कौंध गईं। बाहर आई तो मैंने खुद को वहां टंगे एक चोगे में लपेट लिया।

लीला- मेरे जैसी दिखने वाली लीला? वह क्रिस्टियन कमरे में क्या कर रही थी? वह चाहती क्या है? क्रिस्टियन को? मुझे? किस लिए? उसने मेरी कार तहस-नहस क्यों की?

क्रिस्टियन ने कहा कि मुझे एक और ऑडी मिलेगी जैसे उसकी सब सेक्स गुलामों के पास थी। यह सोच ही मन दुखाने के लिए काफी है। मैंने पहले ही उसके पैसे से इतनी उदारता दिखा दी है कि अब कुछ कर भी तो नहीं सकती।

मैं सुइट के बड़े कमरे में पहुंची तो वहां क्रिस्टियन नहीं दिखा। आखिर में, डाईनिंग रूम में दिखा। मेरे आगे स्वादिष्ट नाश्ता तैयार है। क्रिस्टियन कॉफी पीते हुए अखबार देख रहा है। उसका नाश्ता हो चुका है। वह मुझे देखकर मुस्कुराया।

" खाओ। आज तुम्हें बहुत ताकत की जरूरत होगी।" उसने चिढ़ाया।

"और क्यों? क्या तुम मुझे कमरे में बंद करने वाले हो?"

भीतर बैठी सयानी लड़की एक झटके से मुंह के बल औंधी जा पड़ी।

"आइडिया तो मस्त है पर आज नहीं। आज तो हम ताजी हवा खाने बाहर चलेंगे।"

"क्या ये सुरक्षित रहेगा?" मैंने बड़े भोलेपन से पूछा

क्रिस्टियन के चेहरे पर कड़ी रेखाएं खिंच गईं- "ये इस बात पर निर्भर करता है कि हम कहां जा रहे हैं। मैं किसी ऐसी जगह जाने के बारे में सोच भी नहीं सकता, जहां तुम सुरक्षित न हो।"

मैं चुपचाप नाश्ते को देखती रही और फिर बिना कुछ कहे नाश्ता करने लगी। अब तक तो मुझे समझ जाना चाहिए था कि वह मेरी सुरक्षा के बारे में किसी तरह का मजाक भी नहीं सह सकता। यह मसला उसके लिए बहुत मायने रखता है।

अच्छा! मैं तो कल की थकान से अधमरी हुई पड़ी हूं। ये फूल की तरह तरोताजा क्यों दिख रहा है? ये तो कोई बात न हुई।

तभी दरवाजे पर आहट हुई।

"ओह! ये डॉक्टर होगी।"

"क्या हमारी सुबह शांत और सहज नहीं हो सकती।" मैं नाश्ता बीच में छोड़कर डॉक्टर से मिलने चल दी।

डॉ. ग्रीन मेरे साथ बैडरूम में हैं और मुझे अपने खुले मुंह से लगातार घूर रही हैं। आज वह ज्यादा औपचारिक कपड़ों में नहीं आईं। काली पैंट के साथ गुलाबी टॉप पहना है और बाल

भी खुले हैं।

"और तुमने उन्हें अचानक लेना बंद कर दिया? बस यूं ही?"

मैं खिसिया गई। मैं खुद को अहमक महसूस कर रही हूं।

"हां।" क्या मैं इससे धीमा सुर निकाल सकती थी।

"तुम गर्भवती हो सकती थीं।"

"क्या!" इन शब्दों ने अचानक मुझ पर वार किया। मेरे भीतर बैठी सयानी लड़की तो धड़ाम से गिर पड़ी और मुझे लगता है कि शायद मैं भी बीमार पड़ने वाली हूं। नहीं! "ये लो, इसमें बाथरूम करके लाओ।" आज वह पूरे बिजनेस टाइप मूड में है। मैंने उसके हाथ से प्लास्टिक की छोटी सी बोतल ली और वाशरूम की ओर चल दी। *नहीं, नहीं, नहीं, ये नहीं हो सकता।*

मेरा फिफ्टी क्या कहेगा? मेरा रंग पीला पड़ गया। वह तो भन्ना जाएगा।

नहीं प्लीज! मैंने मन ही ईश्वर को याद किया।

मैंने डॉ. को अपना सैंपल दिया और उन्होंने उसमें सफेद रंग की स्टिक डाली।

"तुम्हारे पीरियड कब आए थे?"

इस सफेद स्टिक को लगातार घूरते हुए, ऐसी बातें याद भी कैसे रखी जा सकती हैं? "ओह.. बुधवार! इससे पहले वाले बुधवार। जून के पहले सप्ताह में..

"तुमने गोलियां लेना कब बंद किया?"

"रविवार। पिछले रविवार।"

उसने होंठ भींचे।

"तब तो ठीक ही होना चाहिए। तुम्हें देखकर तो लग रहा है कि अनचाही गर्भावस्था तुम्हारे लिए कोई अच्छी खबर नहीं होने वाली। तो अगर तुम रोज गोली लेना याद नहीं रख सकतीं तो मैडरॉक्सीप्रोजेस्टेरॉन एक अच्छा उपाय है।" उसने मुझे सख्त निगाहों से घूरते हुए राय दी। सफेद स्टिक को बोतल से निकाला गया।

"बिल्कुल ठीक। अभी तुम गर्भ से नहीं हो। अगर आगे से ध्यान रखोगी तो ये नौबत नहीं आएगी। अब मैं तुम्हें इस बारे में थोड़ा-सा समझा दूं। पिछली बार हमने इसके साइड इफेक्टस की वजह से इसे छोड़ दिया था पर अनचाहा बच्चा पाना कहीं बड़ी परेशानी बन सकता है।" वह अपने ही चुटकुले पर मुस्कुराई पर मैं जवाब नहीं दे सकती। मैं सुन्न पड़ी हुई हूं।

डॉ. ग्रीन ने मुझे आधे घंटे का लेक्चर पिलाया पर मैं तो एक भी शब्द नहीं सुन रही। मैं अपने बिस्तर के आसपास बहुत सी अजीब औरतों को खड़ा देखना तो सह सकती हूं पर

क्रिस्टियन को यह बताने की हिम्मत नहीं रखती कि मैं गर्भवती हो सकती थी।

"एना! चलो इसे निपटा लें।" डॉ. ने कहा और मैंने अपनी बांह आगे कर दी।

क्रिस्टियन ने डॉ. को विदा करते ही मुझसे पूछा।

"सब ठीक है न?"

मैंने हौले से हामी दी और उसने अपना सिर एक ओर झुका लिया। उसका चेहरा चिंता से तनावग्रस्त हो आया।

"एनेस्टेसिया! ये क्या है? डॉ. ने क्या कहा?"

मैंने अपना सिर हिलाया। "सात दिन में ठीक हो जाएगा।"

"सात दिन?"

"हां"

"एना, क्या हुआ?"

मैंने थूक निगला। "क्रिस्टियन चिंता की कोई बात नहीं है। छोड़ो इसे।"

क्रिस्टियन मेरे आगे झुक आया। उसने मेरी चिबुक थामी और आंखों में आंखें डालते हुए, मेरे डर को घटाने की कोशिश की।

"मुझे बताओ।" वह बोला

"बताने लायक कुछ नहीं है। मैं कपड़े बदलने जा रही हूं।"

उसने आह भरी और मेरे बालों में हाथ फिराकर बोला।

"आओ नहाते हैं।"

"बेशक!" मैंने किसी तरह हिम्मत बटोरकर कहा।

"आओ।" उसने मेरा हाथ कस कर थाम लिया वह बेडरूम की ओर चला और मैं पीछे-पीछे चल दी। केवल मेरा ही मूड उखड़ा हुआ नहीं है। क्रिस्टियन ने शॉवर ऑन करते ही कपड़े उतारने में देर नहीं की और मेरा गाउन उतारते हुए बोला।

"पता नहीं तुम इतनी परेशान क्यों हो या फिर नींद की कमी से ऐसा हो रहा है पर मैं चाहता हूं कि तुम मुझसे इस बारे में बात करो। मैं अपनी अटकलें नहीं लगाना चाहता।"

मैंने अपनी आंखें नचाईं और उसने अपनी आंखें सिकोड़ लीं। "ओ के... तो सुनो"

"डॉ. ने मुझे गोली न लेने के लिए फटकारा। उन्होंने कहा कि मैं गर्भवती हो सकती थी।"

"क्या?" उसका रंग पीला पड़ गया और हाथ अचानक वहीं जम गए।

“पर ऐसा नहीं है। उन्होंने टेस्ट करके देखा है। बस मैं इसी सदमे में थी। मैं तो यकीन नहीं कर सकती कि मैंने इतनी बड़ी गलती की थी।”

उसका तनाव थोड़ा हल्का हो आया।

“बेशक तुम ऐसी नहीं हो।”

“हां”

उसने गहरी सांस ली। “चलो, मैं समझ सकता हूं कि यह सुनकर तुम्हारी क्या हालत हुई होगी।”

“मुझे तो इस बात की ज्यादा चिंता थी कि तुम क्या कहोगे?”

“मैं क्या कहता? भई मेरी ओर से तो ये लापरवाही की हद और अभद्रता कहलाती है।”

“तो हमें इससे दूर रहना चाहिए।” मैंने गुस्से से कहा।

“ओह! आज तो तुम्हारा मूड ज्यादा ही खराब है।”

“बस सदमे से उबरने की कोशिश में हूं।”

उसने मुझे अपनी बांहों में भर लिया, मेरे बाल चूमे और मेरा मुंह अपनी छाती से सटा लिया। मेरे गालों पर उसकी छाती के बाल चुभ रहे हैं। ओह! काश मैं उनमें अपना मुंह छिपा पाती।

“एना! मैं इन चीजों का आदी नहीं हूं। शायद मैं तुम पर सख्ती से पेश आता।”

“ओह! नहीं, मैं तुम्हारी सख्ती की आदी नहीं हूं।” मैंने उसे और भी कसकर थाम लिया और हम जाने कब तक यूं ही खड़े रहे। वह कपड़ों के बिना था और मैंने गाउन पहना हुआ है। मैं आज एक बार फिर उसकी ईमानदारी की कायल हो गई हूं। उसे रिश्तों के बारे में कुछ नहीं पता और मैं भी बस वही जानती हूं, जो उससे सीखा है। खैर, उसने मुझसे भरोसे और धीरज की मांग की है और मुझे उसी को ध्यान में रखना चाहिए।

“आओ, नहा लेते हैं।” क्रिस्टियन ने मुझे अपने से अलग करते हुए कहा। उसने मुझे मेरे गाउन से बाहर निकाला और मैं उसके साथ बौछार के रूप में गिरते पानी के नीचे आ गई। उसने शैंपू से अपने बाल धोए और शैंपू मुझे दे दिया। मैंने भी ऐसा ही किया।

ओह! कितना अच्छा लग रहा है। मैंने आंखें बंद कीं और बालों से शैंपू धोने लगी। तभी मुझे अपनी पीठ पर उसके हाथों का स्पर्श महसूस हुआ। वह मेरे कंधों, बाजुओं, बाजुओं के नीचे, छाती और पीछे साबुन मल रहा है। फिर अपनी ओर मेरी पीठ घुमाते हुए शरीर के दूसरे अंगों पर भी साबुन लगाने लगा। मैं इस भींने से एहसास में खो गई हूं। फिर उसने मेरा मुंह अपनी ओर किया और बॉडीवाश देकर बोला।

"मैं चाहता हूं कि तुम मेरे शरीर पर लगे लिपिस्टक के निशान साफ कर दो।"

"प्लीज! उन लाइनों से आगे मत जाना।" उसने कहा।

"अच्छा।" मैं हौले से बोली और इस बात को सोचने लगी कि उसने मुझे शरीर के उन हिस्सों के कोने छूने की इजाजत दी है, जिन पर उसे कोई छुअन बर्दाश्त नहीं होती।

मैंने हाथों में थोड़ा-साबुन लेकर मला और कंधों पर हाथ ले जाते हुए, दोनों ओर से लिपिस्टक का निशान हटाने लगी। वह बिना हिले-डुले खड़ा रहा और अपनी आंखें बंद कर लीं। वह तेजी से गहरी सांसें ले रहा है और मैं जानती हूं कि ये वासना के कारण नहीं बल्कि भय से हो रहा है। मेरा मन कचोट उठा।

मैंने कांपती अंगुलियों से बाकी निशान हटाने शुरू किए। उसके जबड़े कस कर भिंचे हुए हैं। ओह मेरा दम घुट रहा है। अरे नहीं! मुझे रोना आ रहा है। मैंने अपने हाथ रोक दिए ताकि वह चैन की सांस ले सके। मैं उससे नजरें नहीं मिला सकती। मैं उसे ऐसा दर्द सहते नहीं देख सकती। ये तो हद है।

"तैयार?" मैंने हौले से कहा।

"हां।" उसकी आवाज में छिपा भय मुझसे छिपा नहीं है।

मैंने धीरे से उसकी छाती के दोनों ओर हाथ रखे और वह फिर से जैसे पत्थर हो गया।

मैं अपने पर उसके भरोसे को देख भावुक हो उठी हूं। मैं उसके भय को देख भावुक हो उठी हूं। उसके इस खूबसूरत जिस्म की किसी ने कैसी दशा की है। मेरी आंखों से आंसू छलक उठे और पानी में मिलने लगे। ओह क्रिस्टियन! तुम्हारे साथ ऐसा किसने किया?

उसका शरीर उथली सांसों के बीच शिथिल है और मैं उन निशानों को धीरे-धीरे हटा रही हूं। काश मैं उसके इस दर्द को घटाने के लिए कुछ कर पाती- मैं किसी भी हद तक चली जाती। वैसे तो मैं बस इतना चाहती हूं कि मुझे उन निशानों को एक-एक कर चूमने की इजाजत मिल जाए। मैं बीते जमाने की उपेक्षा के उस दंश को धो-पोंछकर बहा दूं। पर मैं जानती हूं कि मैं ऐसा नहीं कर सकती और मेरे आंसू गालों पर लुढ़कते जा रहे हैं।

"नहीं, प्लीज़ तुम रोओ मत।" उसने मुझे अपनी बांहों में भरते हुए कहा। मैं जोर-जोर से सुबकियां लेने लगी। मैंने अपना सिर उसकी गर्दन पर टिका दिया और आंखों के आगे एक नन्हें लड़के का चित्र उभर आया जो दर्द और तकलीफ के समुद्र में खोया है, डरा हुआ है, उपेक्षित है और दुनिया का सताया हुआ है- ये सारे दर्द उसकी हदों के बाहर हैं ।

उसने मुझे पीछे करते हुए, दोनों हाथों से मेरे सिर को पीछे करते हुए माथा चूम लिया।

"एना! प्लीज़ रोना बंद करो। मैं भी जाने कब से तुम्हारा स्पर्श पाने को तरस रहा हूं पर मैं इसे सह नहीं सकता प्लीज! तुम रोना बंद करो।"

“क्रिस्टियन तुम नहीं जानते कि मैं तुम्हें छूने के लिए किस कदर तरसती हूं... क्रिस्टियन! मैं तुम्हें इस तरह डरा हुआ और बेचैन नहीं देख सकती... इससे मेरे दिल को चोट लगती है।... मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं।”

उसने मेरे निचले होंठ पर ऊंगूठा फिराया। “मैं जानता हूं। मैं जानता हूं।”

“तुम्हें प्यार करना कितना आसान है। तुम समझते क्यों नहीं।”

“नहीं बेबी! मुझे कोई प्यार नहीं कर सकता।”

“नहीं, तुम गलत सोचते हो। मैं और तुम्हारा परिवार तुमसे कितना प्यार करते हैं। एलीना और लिली भी करती हैं पर उनका प्यार जताने का तरीका थोड़ा अलग है। तुम सबके प्यार के लायक हो।”

“बस करो। मैं यह सब नहीं सुन सकता। एनेस्टेसिया! मैं कुछ नहीं हूं। मैं तो बेजान पुतला हूं। मेरे पास दिल नहीं है।”

“हां, तुम्हारे पास दिल है। मैं बस तुमसे वही चाहती हूं। क्रिस्टियन तुम एक अच्छे इंसान हो और इस बारे में कभी संदेह मत करना। देखो तुमने क्या किया है? देखो तुमने क्या पाया है? तुमने मेरे लिए क्या किया है? तुमने मेरे आगे अपना दिल खोल दिया है। मैं जानती हूं कि तुम मेरे बारे में कैसा महसूस करते हो। वह विस्फारित नेत्रों से मुझे ही देख रहा है और हम बहते पानी के स्वर के सिवा कुछ नहीं सुन पा रहे।

“तुम मुझसे प्यार करते हो।” मैंने हौले से कहा।

उसकी आंखें और भी फैल गईं और मुंह खुला रह गया। उसने एक गहरी सांस ली।

और वह हौले से बोला- “हां, मैं तुमसे प्यार करता हूं।”

अध्याय 9

मैं अपनी खुशी पर काबू नहीं पा सकती। भीतर बैठी सयानी लड़की हैरानी से आंखें फाड़े मुझे देख रही है। मैं एक बड़ी-सी मुस्कान के साथ क्रिस्टियन को लगातार ताक रही हूं।

उसके मुंह से निकले ये तीन शब्द मेरे लिए स्वर्ग से उतरे शब्दों के बराबर हैं। वह भी दिल की गहराईयों से मुझे चाहने लगा है। मेरी आंखों से एक बार फिर आंसू छलक उठे। *हां, मैं जानती हूं। मैं जानती हूं कि तुम मुझे प्यार करते हो।*

ये जानकर मेरा मन झूम उठा है। ये खूबसूरत, दुनिया का सताया इंसान- मेरा रोमानी हीरो है क्योंकि उसमें एक हीरो होने की सारी खूबियां मौजूद हैं। उसके साथ ही ये उतना ही नाजुक भी है। जरा सी बात इसे ठेस लगा देती है। ये तन्हा है और अपने-आप को मिटाने पर तुला है। मेरा दिल उसके दर्द से टीस उठा। और मैं जानती हूं कि इस पल में, मेरे दिल में हम दोनों के लिए बहुत जगह है। सचमुच बहुत सारी जगह!

मैं उसके प्यारे से चेहरे के पास गई और हाथों में भरकर चूम लिया। इसके साथ ही मैंने उसके लिए महसूस किए जा रहे प्यार को भी उडेल दिया। मैं चाहती थी कि गर्म पानी की बौछार तले अपना सारा प्यार उस पर निछावर कर दूं। क्रिस्टियन ने आह भरी और मुझे अपनी बांहों में ले लिया। मुझे ऐसे थाम लिया मानो मैं ही वह हवा हूं, जो उसे सांस लेने की ताकत देती है।

“ओह एना! मैं तुम्हें लेना चाहता हूं पर यहां नहीं!”

“हां।” मैंने उसके मुंह के पास मुंह ले जाकर कहा।

उसने एक तौलिया उठाया और मुझे पानी से हटाकर एक बाथगाउन में लपेट दिया। उसने एक तौलिया अपनी कमर में लपेटा और फिर एक छोटे से तौलिए से मेरे बाल पोंछने लगा। जब उसे तसल्ली हो गई तो उसने तौलिए को मेरे सिर पर ऐसे लपेट दिया, मानो मैंने कोई पर्दा कर रखा हो। वह मेरे साथ खड़ा है और हमारी आंखें शीशे में मिलीं।

“क्या मैं भी ऐसा कर सकती हूं।” मैंने पूछा।

उसने हामी तो दी पर भवें सिकुड़ गईं। मैंने वहां रखे तौलियों के ढेर से एक और तौलिया उठा लिया और उसके आगे उचककर खड़ी हो गई। फिर मैंने उसके बाल सुखाने शुरू किए।

उसने आगे झुककर काम को और भी आसान बना दिया। मैं अपना काम करते-करते उस पर नज़र भी मार रही थी। मैं देख सकती हूं कि वह किसी छोटे बच्चे की तरह दांत निपोर रहा था।

“एक लंबे अरसे से किसी ने मेरे लिए यह सब नहीं किया... एक लंबे अरसे से।” वह हौले से बोला- “मुझे तो लगता है कि कभी किसी ने मेरे बाल इस तरह सुखाए ही नहीं।”

“बेशक ग्रेस ने किया होगा। जब तुम छोटे होगे तो वे तुम्हारे बाल सुखाती होंगी?”

उसने इंकार के साथ ही मेरे हाथ वहीं रोक दिए।

“नहीं। वे पहले दिन से ही मेरी सीमाओं को मान देती आई हैं, हालांकि यह सब उनके लिए भी तकलीफदेह था। मैं बचपन से ही आत्मनिर्भर था।” उसने झट से कहा।

मुझे ऐसा लगा मानो किसी ने पसलियों में घूंसा जड़ दिया हो। एक तांबई बालों वाला बच्चा अपनी देख-रेख खुद करता है क्योंकि उसे संभालने वाला कोई नहीं है। ये सोच ही मन को उदास कर गई पर मैं अपनी उदासी को इन अंतरंग पलों पर हावी नहीं होने देना चाहती।

“ओह, मैं आपकी एहसानमदं हूं।” मैंने उसे हौले से चिढ़ाया।

“मिस स्टील! शायद मैं आपका एहसानमंद हूं।”

“मि. ग्रे! इसमें कहने की तो कोई बात ही नहीं है।” मैंने कहा।

मैंने सिर सुखाने के बाद एक और तौलिया लिया और पीठ पोंछने के लिए आई। शीशे में नज़रें मिलीं तो मैंने पूछा।

“क्या मैं कुछ और भी आज़मा सकती हूं?”

उसने एक पल के बाद हामी दे दी। मैंने बहुत हौले से उसकी बाईं बांह के नीचे बहते पानी को पोंछा। फिर शीशे में उसके भाव देखे। उसने मुझे देखकर आंख मारी। उसकी आंखें सुलग रही हैं।

मैंने आगे झुककर उसके मुश्कें चूम लिए तो उसके होंठ एक झटके से अलग हो गए। मैंने उसी तरह दूसरी बाजू भी सुखाई। उसी तरह चुंबनों की बरसात की और उसके होठों पर प्यारी सी मुस्कान खेल गई। मैंने लिपिस्टक के हल्के निशान के नीचे से पीठ को पोंछा। मुड़ने लगी तो उसने पूछा।

“सारी पीठ पोंछ रही हो? तौलिए से पोंछना।” उसने गहरी सांस ले कर आंखें मूंद लीं। मैंने तौलिए से सब पोंछा और यह ध्यान रखा कि उसकी त्वचा से स्पर्श न हो।

उसकी पीठ कितनी सुंदर व सुडौल है। कंधों की मांसपेशियां तक गिनी जा सकती हैं। सचमुच वह अपना बहुत ध्यान रखता है। बस ये नज़ारा उन निशानों की वजह से बुरा दिखता है।

मैंने मुश्किल से उन्हें अनदेखा किया और उन्हें चूमने की इच्छा को भरसक दबा दिया। जब मैंने काम निपटाया तो उसने सांस छोड़ी और मैंने उसके कंधे पर एक चुंबन दिया। मैंने अपनी बांहों का घेरा उसके आसपास डालते हुए पेट को पोंछा। शीशे में एक बार फिर से नजरें मिलीं और उसके चेहरे पर हल्की उलझन के भाव दिखे।

"ये लो। मैंने उसे मुंह पोंछने के लिए छोटा तौलिया देते हुए कहा। याद है, जार्जिया में तुमने मुझे अपने हाथों से छूने दिया था?"

उसके चेहरे का रंग गहरा उठा पर मैंने अनदेखा कर दिया। शीशे में देखा तो ऐसा लगा मानो ओल्ड टेस्टामेंट की किसी पेंटिंग से निकलकर कोई जोड़ा बाहर आ गया हो। उसकी सुंदरता, उसकी नग्नता और मैं ढ़के हुए बालों के साथ!

उसने मेरा हाथ तौलिए समेत छाती पर रखा और मैंने बहुत संभलते हुए उस हिस्से को दो बार पोंछा। उसका पूरा शरीर अकड़ा हुआ है और आंखें मेरे हाथ पर टिकी हैं।

भले ही उसके पूरे शरीर में तनाव पसरा हुआ है पर वह मेरा साथ देने की पूरी कोशिश कर रहा है। मैं उसकी आंखों में देखते हुए सोचने लगी, क्या यह वही जगह है, जहां मैं जाना चाहती हूं? क्या मैं इसके भीतर रहने वाले राक्षसों का सामना कर सकती हूं?

"मेरे हिसाब से अब तुम सूख गए हो" मैंने धीरे से कहा और वह तेजी से सांसें लेने लगा।

"एनेस्टेसिया! मुझे तुम्हारी जरूरत है।"

"मुझे भी तुम्हारी जरूरत है।" ये शब्द कहते हुए मैं जानती हूं कि इनमें कितनी गहरी सच्चाई छिपी है। मैं तो क्रिस्टियन के बिना अपनी कल्पना तक नहीं कर सकती।

"मैं तुमसे प्यार करना चाहता हूं।" उसने भारी सुर में कहा।

मैंने अपने-आप को उसके हवाले कर दिया और हम वह मुझे बाहों में भींचकर इस तरह सहलाने लगा मानो मेरी पूजा कर रहा हो।

हम एक-दूसरे को देख रहे थे और उसकी अंगुलियां मेरी रीढ़ की हड्डी में सिहरन पैदा कर रही थीं। हम एक साथ जा लेटे, वह साथ में लेटा है और मैं उसके दैवीय स्पर्श का आनंद ले रही हूं। मैं जानती हूं कि इस समय वह मेरी छुअन का प्यासा है। मैं उसके लिए तसल्ली देने वाले और राहत पहुंचाने वाले बाम का काम करती हूं। मैं उसे इस बात के लिए मना कर भी कैसे सकती हूं? मैं भी तो उसके बारे में यही महसूस करती हूं।

"तो तुम इतने सौम्य तरीके से भी पेश आ सकते हो?"

"हम्म......लगता तो यही है मिस स्टील"

"पहली बार तुम्हारा बर्ताव ऐसा नहीं था।"

"जब मैंने तुमसे तुम्हारा कुंआरापन छीना था।"

"नहीं, इसे छीनना नहीं कह सकते। जहां तक मुझे याद है, मैं भी तुम्हें पाना चाहती थी। मैंने उन पलों का भी भरपूर आनंद लिया था।" मैं शरमा कर मुस्कुराई और अपना होंठ काट लिया।

"हां, मिस स्टील! खुशी देना ही हमारा लक्ष्य है। ...और इसका मतलब है कि तुम पूरी तरह से मेरी हो।" उसके चेहरे की हंसी जाने कहां चली गई।

"हां, मैं तुम्हारी हूं। मैं तुमसे कुछ पूछना चाहती हूं।"

"पूछो।"

"तुम्हारे जन्म देने वाले पिता... क्या तुम जानते हो कि वे कौन थे?" मेरे मन में जाने कब से ये बात थी। उसकी भवें सिकुड़ीं और वह सिर हिलाते हुए बोला, "मुझे कुछ नहीं पता। बस वह दलाल नहीं था जो मेरी मां के साथ था।"

"तुम्हें कैसे पता?"

"मुझे मेरे डैड...... कैरिक से पता चला था।"

मैंने अपने फिफ्टी को निहारा।

"एनेस्टेसिया! तुम हमेशा सब कुछ जानने के लिए बेचैन रहती हो। दलाल ने उस लाश को खोजने के बाद पुलिस को फोन किया पर तब तक चार दिन बीत गए थे। वह जाते समय दरवाजा बंद कर गया था... मुझे उसकी लाश के पास छोड़ गया था।" क्रिस्टियन की आंखें धुंधला सी गईं।

मैंने गहरी सांस ली। बेचारा नन्हा बच्चा! *हम तो उसकी दशा का अंदाजा भी नहीं लगा सकते।*

"पुलिस ने बाद में उसका इंटरव्यू लिया तो वह साफ मुकर गया कि उसका मुझसे कोई लेन-देन नहीं था। कैरिक ने कहा कि वह मुझ जैसा दिखता भी नहीं था।"

"क्या तुम्हें याद है कि वह कैसा दिखता था?"

"एनेस्टेसिया! यह मेरे जीवन का वह हिस्सा है, जिसके बारे में मैं अक्सर ज्यादा नहीं सोचता। हां, मुझे याद है कि वह कैसा दिखता था। मैं यह कभी भूल नहीं सकता।" क्रिस्टियन की आंखें गुस्से सुलग उठीं।

"क्या हम किसी और विषय में बात कर सकते हैं?"

"माफ करना। मैं तुम्हें परेशान नहीं करना चाहती थी।"

उसने अपनी गर्दन हिलाई, "एना! ये पुरानी खबर है। मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहता।"

"तो इसमें हैरानी की क्या बात है?" इससे पहले कि वह मुझे अपने पचासों रंग दिखा देता, मैंने बात को बदलना चाहा उसके चेहरे के भाव हल्के हो गए।

"क्या हम थोड़ी ताजी हवा के लिए बाहर जा सकते हैं? मैं तुम्हें कुछ दिखाना चाहता हूं।"

"क्यों नहीं?"

मैं सोच रही थी कि ये एकदम अपना चोला बदल लेता है। अब तो उसके चेहरे पर सत्ताईस साला मुस्कान खेल रही थी। मेरा कलेजा उछलकर मुंह को आ गया। यह तो तय है कि यह बात उसके दिल के करीब है। उसका उत्साह देखते ही बन रहा है। उसने मेरे पिछवाड़े पर एक धौल जमाया।

"कपड़े पहनो। जींस ठीक रहेगी। शायद टेलर ने पैक की होगी।"

वह उठा और झट से अपना बॉक्सर ब्रीफ पहन लिया। ओह......मैं तो सारा दिन बैठे-बैठे इसे यूं ही देख सकती थी। वह यहां-वहां डोलते हुए तैयार हो रहा है।

"उठो। उसने तानाशाही हुक्म सुनाया।" मैंने उसे दांत निपोरते हुए घूरा।

"बस मैं तो नजारा ले रही थी।"

उसने आंखें नचाईं।

हमने कपड़े पहने तो मैंने महसूस किया कि हम दोनों, ऐसे दो इंसानों की तरह पेश आ रहे थे, जो एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते हैं और अक्सर तैयार होते-होते एक-दूसरे को लजीली मुस्कानें देते हैं और हौले-हौले से छू जाते हैं। मैंने जाना कि मेरी तरह उसके लिए भी ये एक नई खबर थी।

"अपने बाल सुखाओ।" क्रिस्टियन ने हुक्म दागा।

"ओह तानाशाही रवैया!" मैंने कहा और वह मेरे बाल चूमकर बोला।

"बेबी! ये तो हमेशा ऐसा ही रहेगा। मैं नहीं चाहता कि तुम बीमार पड़ो।"

मैंने उसे देखकर आंखें नचाईं और उसके चेहरे पर हैरानी आ गई।

"मिस स्टील! मेरी हथेलियां खुजा रही हैं।"

"मि. ग्रे! सुनकर खुशी हुई। मुझे तो लगने लगा था कि आपकी हथेलियों ने खुजाना बंद कर दिया।"

"अगर तुम चाहो तो ऐसा कभी नहीं हो सकता।" वह बोला। उसने अपने बैग से क्रीम रंग का स्वेटर निकाल कर कंधों पर डाल लिया। सफेद टी-शर्ट, जींस और बिखरे बालों के साथ वह ऐसा बंदा लग रहा हो जैसे कोई किसी ग्लॉसी पत्रिका के पन्नों से बाहर निकल आया हो।

किसी को भी इतना सुंदर नहीं दिखना चाहिए। पता नहीं मैं उसकी सुंदरता में खोई हुई उसके प्यार में, पर आज उसकी धमकी से भी मुझे डर नहीं लगा। ये मेरा फिफ्टी शेड्स है और बस यह ऐसा ही है।

मैं बाल सुखाने लगी तो आशा की एक किरण जाग उठी। हम एक मध्यम मार्ग खोज लेंगे। हमें एक-दूसरे की जरूरतें पहचान कर उन्हें पूरा करना होगा और बेशक मैं ऐसा कर सकती हूं।

मैंने खुद को शीशे में निहारा। मैंने टेलर की दी हल्की नीली कमीज पहनी है। बाल बिखरे हैं, चेहरे पर लाली और होंठ सूजे हैं। मैंने उन्हें छुआ तो क्रिस्टियन के जुनून से भरे चुंबन याद आ गए। मैं चाह कर भी अपनी मुस्कान नहीं रोक सकी।

"हां, यह मैंने किया।" वह पीछे से आकर बोला।

"हम जा कहां रहे हैं?" मैंने लॉबी में गाड़ी का इंतजार करते हुए पूछा।

क्रिस्टियन ने नाक का कोना खुजाया और मुझे आंख मारी। लगता है कि उससे अपना उत्साह छिपाए नहीं छिप रहा था। बड़ी अजीब बात है। ये तो फिफ्टी के बर्ताव का हिस्सा नहीं है।

जब हम ग्लाईडिंग के लिए गए थे, तब भी वह ऐसे ही पेश आया था। शायद वहीं जा रहे हों। उसने आगे झुककर मुझे प्यार से चूमा।

"क्या तुम्हें अदांजा भी है कि तुम्हारा साथ मुझे कितनी खुशी देता है?" वह बोला।

"हां...... मैं जानती हूं क्योंकि तुम भी मेरे लिए यही करते हो।"

तभी वॉलेट उसकी कार ले आया और चाबियां देते हुए बोला

"सर! ग्रेट कार।"

क्रिस्टियन ने उसे आंख मारी और बड़ी-सी टिप दे दी।

मैंने उसे देखकर त्यौरी चढ़ाई। सच्ची कह रही हूं।

जब टैन्त्रफिक के बीच से निकले तो क्रिस्टियन अपनी सोच में खो गया। उसकी कार में एक मधुर संगीत गूंज रहा है। मैं उन उदास और मीठे सुरों में खो सी गई।

"मुझे दूसरी ओर से जाना होगा। इसमें ज्यादा देर नहीं लगेगी।" उसने कहा और मैं अपने ख्यालों से जागी।

"पर क्यों?"

उसने अचानक कार को एक बड़े से कार शोरूम के आगे रोका और बोला, "हमें तुम्हारे लिए एक नई कार लेनी है।"

"आज संडे को? यह क्या बकवास है? यह तो साब (कार बनाने वाली एक कंपनी) का डीलर है।"

"हम ऑडी नहीं लेंगे क्या?" मैं इससे ज्यादा बेवकूफाना सवाल नहीं पूछ सकती थी और इसने उसे शर्मिंदा कर दिया।

क्रिस्टियन और शर्मिंदा! ये भी पहली बार हुआ है।

"मुझे लगा कि तुम शायद कुछ और लेना चाहो।"

"ओह प्लीज..." मैं उसे खिझाने का ये मौका कैसे छोड़ दूं।

"एक साब?"

"हां, एक 9-3। आओ।"

"तुम्हारी विदेशी गाड़ियों का क्या हुआ?"

"एना! जर्मन और स्वीड दुनिया की सबसे सुरक्षित गाड़ियां बनाते हैं।"

"अच्छा! मुझे तो लगा था कि तुमने पहले से ही एक ऑडी 3 का ऑर्डर कर दिया होगा।"

"मैं उसे रद्द कर सकता हूं।" वह आगे आया और मेरी ओर से दरवाजा खोला।

"मैं तुम्हें ग्रेजुएशन का तोहफा देना चाहता था।" उसने अपना हाथ आगे करते हुए कहा।

"क्रिस्टियन तुम्हें ऐसा करने की जरूरत नहीं है।"

"नहीं, मैं ऐसा करना चाहता हूं।"

मैंने खुद को उसकी मर्जी के हवाले कर दिया एक साब? क्या मैं अपने लिए एक साब गाड़ी चाहती हूं? मुझे तो ऑडी भी पसंद ही थी।

बेशक! पर अब वह टनों सफेद पेंट के नीचे दबी है। मैंने कंधे झटके.... और अभी वह भी वहीं है।

मैंने क्रिस्टियन का हाथ थामा और हम शोरूम में चल दिए।

ट्राय टरनियेंसकी नामक का सेल्समैन हमें देखते ही लपका। वह सेल्स को भांप सकता है। उसकी बोली सुनकर तो लगता है कि ब्रिटिश होगा। पर कुछ कहा नहीं जा सकता।

"एक साब (कार बनाने वाली एक कंपनी) गाड़ी? पुरानी?" उसने दोनों हाथ मले।

"नई।" क्रिस्टियन ने होंठ भींच लिए।

"नई!"

"सर! आपके दिमाग में कोई मॉडल है?" उसे बात निकलवानी आती है।

“9-3 2.0 टी स्पोर्ट सीडन”

“वाह क्या पसंद है? सर”

“एनेस्टेसिया, कौन सा रंग?” क्रिस्टियन ने मुझसे पूछा।

“अरर... काला” मैंने कंधे झटके। वैसे तुम्हें इसे लेने की जरूरत ही क्या है?”

उसने त्यौरी चढ़ाई, “काला रंग रात को आसानी से नहीं दिखता।”

हाय! मुझे अपना लालच रोकने के लिए आंखें नचानी पड़ीं।

“तुम्हारे पास भी तो काली कार है।”

उसने मुझे देखकर मुंह बनाया।

“अच्छा। केनरी पीला।”

क्रिस्टियन ने सुनकर मुंह बनाया। शायद उसे ये रंग पसंद नहीं।

“तुम्हारे हिसाब से मुझे कौन सा रंग लेना चाहिए?” मैंने उससे ही पूछा जैसे किसी बच्चे को बहलाते हैं। देखा जाए तो वह कई मायनों में बच्चा ही तो है। ये सोच ही मन को उदास रंगों से रंग गई।

“सिल्वर या सफेद?”

“सिल्वर। वैसे सुनो। मैं तो वह ऑडी ही ले लूंगी।”

ट्राय को लगा कि बाजी हाथ से जा रही है। उसका रंग पीला पड़ गया। “मैम! शायद आप कनवर्टिबल कार लेना चाहें?” उसने उत्सुकता से हाथों की ताली बजाई।

सयानी लड़की को ये सब बिल्कुल नहीं भा रहा पर भीतर बैठी लड़की तो उसकी बात सुनते ही उछल पड़ी। *वाह! ऐसी कार और मेरे लिए?*

क्रिस्टियन ने एक भौं नचाते हुए कहा “कनवर्टिबल?”

ओह! लगता है कि इसे एक मिनट में मेरे मन की बात पता चल जाती है। कई बार तो अजीब भी लगता है। मैं अपने हाथों को घूरने लगी।

क्रिस्टियन ट्राय की ओर मुड़ा। “कनवर्टिबल के सुरक्षा मापदंडों के बारे में क्या राय है?”

बात तो जाहिर सी है कि वह मुझे हर हाल में सही-सलामत रखना चाहता है। उसके लिए ये बात बहुत मायने रखती है। वह हर बात गौर से सुनने लगा। फिफ्टी मेरा बहुत ख़याल रखता है।

हां, मैं करता हूं। मुझे उसके वे शब्द याद आ गए और मेरी नसों में जैसे शहद सा घुल गया। ये पुरुष- यह दिव्य पुरुष मुझे चाहता है!

जब उसने मुझे देखा तो मैं खीसें निपोर रही थी। वह मुझे देखकर उलझन में पड़ गया। मैं खुशी से अपने-आप को ही बांहों में समेट लेना चाहती हूं।

"मिस स्टील! क्या मैं जान सकता हूं कि आप किस नशे में मग्न हैं?" उसने मुझे चुंबन दिया और धीरे से बोला "कार लेने के लिए धन्यवाद! ये सब पिछली बार से आसान था।"

"वैसे ये ऑडी 3 नहीं है।"

"वह तुम्हारे लिए नहीं थी।"

"वह मुझे पसंद थी।"

"सर। 9-3। वह हमारे बेवरली हिल्स डीलरशिप के पास है। हम दो दिन में ला सकते हैं।" ट्राय खुशी से फुदका। "सबसे अच्छी रेंज वाली लाना।"

"जी सर।"

"बढ़िया!"

क्रिस्टियन ने कार्ड दिया। पता नहीं उसका था या टेलर का? मेरा दिमाग अचानक वहीं चला गया। टेलर कैसा है? क्या लीला अब भी वहीं है? मैंने माथा रगड़ा।

"मि. ग्रे... ! क्या आप इस ओर आएंगे?"

क्रिस्टियन ने मेरे लिए दरवाजा खोला और मैं पैसेंजर सीट में जा बैठी।

"धन्यवाद!" वह साथ वाली सीट पर बैठा तो मैंने शुक्रिया कहा।

वह मुस्कुराया।

"एनेस्टेसिया! तुम्हारा स्वागत है।"

क्रिस्टियन ने कार चालू की तो संगीत भी बजने लगा।

"ये कौन है?"

"ईवा कैसेडी?"

"उसकी आवाज कितनी प्यारी है?"

"हां? सो तो है।"

"वह कम उम्र में ही चल बसी।"

"ओह!"

"क्या तुम्हें भूख लगी है? सुबह नाश्ता भी अधूरा रह गया था?" उसने पूछा।

“ओह! हां।”

“तो चलो, पहले लंच ही कर लें।”

क्रिस्टियन ने पानी वाले इलाके की ओर गाड़ी मोड़ दी। यह सिएटल के खूबसूरत दिनों में से एक है और मेरे लिए पिछले कई सप्ताह के मुकाबले कुछ ज्यादा ही अच्छा रहा है।

:::::::

क्रिस्टियन कार में गूंजती आवाज के बीच शांत और संतुष्ट दिख रहा है। क्या मैंने आज तक खुद को उसके साथ इतना सहज पाया है? मैं नहीं जानती।

मैं अब उसके मूड से इतना नहीं घबराती। मुझे भरोसा हो गया है कि वह मुझे सजा नहीं देगा और वह भी मेरे साथ काफी सहज रहने लगा है। उसने कार को बाएं मोड़ते हुए कोस्ट रोड की ओर ले लिया और फिर मरीना के सामने पार्क कर दिया।

“हम यहीं लंच लेंगे। मैं तुम्हारे लिए दरवाजा खोलूंगा।” उसने ऐसे सुर में कहा कि मैं समझ गई कि वहां से न हिलने में ही भलाई है। मैंने उसे कार के दूसरी ओर जाते देखा। क्या ये सब कभी पुराना होगा?

हम पानी के सामने बांहों में बांहों में डाले टहलते रहे और हमारे सामने दूर-दूर तक फैला समुद्र दिख रहा है।

“कितनी सारी नावें हैं।” मैंने कहा। वहां कई रंगों व आकारों में सैंकड़ों नावें खड़ी हैं। हवा में जाने कितने ही पाल यहां-वहां लहरा रहे हैं। हवा में हल्की तुर्शी लगी तो मैंने जैकेट को थोड़ कस लिया।

“ठंड लग रही है?” उसने मुझे अपने और पास खींच लिया।

“नहीं, मैं तो ये नज़ारा ले रही हूं।”

“मैं तो सारा दिन देखकर भी न थकूं। आओ, इस ओर से चलें।”

क्रिस्टियन मुझे एक बहुत बड़े से बार में ले गया और हम कांउटर की ओर बढ़े। वहां की न्यू इंग्लैंड साज-सज्जा देखने लायक थी। हल्की पीली दीवारें, हल्का नीला सामान और दीवारों पर तरह-तरह की नावों के मॉडल। कुल मिला कर बड़ी प्यारी जगह लगी।

“मि. ग्रे!” बारमैन ने क्रिस्टियन का अभिवादन किया। “मैं आज दोपहर आपको क्या पिला सकता हूं?”

“दांते! गुड आफटरनून। मेरे साथ एनेस्टेसिया स्टील हैं।” हम बार स्टूल पर बैठने लगे तो क्रिस्टियन ने मेरा परिचय दिया।

“आपका स्वागत है।” बारमैन ने दोस्ताना मुस्कुराहट दी।

वह एक लंबा, काला और खूबसूरत इंसान था। एक कान में चमक रहे हीरे ने मेरा ध्यान अपनी ओर खींचा और वह मुझे अच्छा ही लगा।

“एनेस्टेसिया! आप क्या लेना चाहेगी?”

मैंने क्रिस्टियन को ताका। वह भी मुझे ही देख रहा था। आज वह चाहता है कि मैं अपने लिए वाइन खुद चुनूं।

“प्लीज़ मुझे एना कहें और मैं वही लूंगी जो क्रिस्टियन लेंगे।” मैंने लजीली सी मुस्कान के साथ कहा। फिफ्टी को वाइन की मुझसे कहीं गहरी समझ है।

“मैं तो बीयर लेने लगा हूं। सिएटल में यही एक जगह है जहां आपको एडनैम्स एक्सप्लोरर मिल सकती है?”

“बीयर?”

“हां। दांते! दो एक्सप्लोरर देना।”

“ये बड़ा स्वादिष्ट सीफूड चॉडर भी बनाते हैं।” उसने कहा।

“बीयर और चॉडर, सुनकर तो अच्छा ही लग रहा है।” मैं बोली।

“दो चॉडर्स।” दांते ने पूछा।

“प्लीज!” क्रिस्टियन ने जवाब दिया।

हम खाने के वक्त इस तरह बातें करते रहे, जितनी हमने पहले कभी नहीं की थीं। क्रिस्टियन पूरी तरह से शांत और संतुष्ट दिख रहा है और कल की घटना के बावजूद कितना खुश और मग्न लग रहा है। उसने मुझे अपने इंटरप्राइज के इतिहास के बारे में बताया और उसकी बातों से मुझे एहसास हुआ कि उसे कंपनी की समस्याएं सुलझाने तकनीक को विकसित करने और तीसरी दुनिया के लिए उत्पादकता में वृद्धि का कितना जुनून है। मैं उसे पूरे ध्यान से सुनती रही। वह मज़ाकिया, चतुर, परोपकारी और खूबसूरत है और सबसे बड़ी बात यह है कि वह मुझसे प्यार करता है।

उसने मुझे रे और मॉम के बारे में सवाल पूछे और ये पूछा कि मोंटीसेनो के जंगलों में मेरा बचपन कैसा रहा? फिर टेक्सास और वेगास के बारे में कुछ बातें हुईं। उसने मुझसे मेरी मनपसंद किताबों और फिल्मों के बारे में जानना चाहा और मुझे ये देखकर हैरानी हुई कि हमारी पसंद कितनी मिलती थी।

बातचीत के दौरान ही मुझे एहसास हुआ कि थोड़े ही वक्त में उसका चरित्र कितनी तेजी से बदला है।

क्रिस्टियन ने खाने के बाद बिल दिया और दांते ने हमें भावभीनी विदाई दी।

“ये जगह अच्छी थी। लंच के लिए थैंक्स।” क्रिस्टियन मेरा हाथ थामकर बाहर आ गया तो मैंने कहा।

“हम फिर से आएंगे।” उसने कहा और हम फिर से वहीं टहलने लगे।

“मैं तुम्हें कुछ दिखाना चाहता हूं।”

“मैं जानती हूं। अब मुझसे भी सब्र नहीं हो रहा।” मैंने कहा।

हम हाथों में हाथ डाले मरीना पर डोलते रहे। ये बड़ी प्यारी दोपहर है। लोग इतवार का भरपूर आनंद उठा रहे हैं। कुत्तों के साथ टहल रहे हैं, नावों को निहार रहे हैं, अपने बच्चों को उछल-कूद करते देख रहे हैं।

हम मरीना की ओर बढ़े तो नावें और पास आती दिखाई दीं। क्रिस्टियन मुझे एक बड़े से पोत के पास ले गया।

“मुझे लगा कि आज नाव में सैर की जाए। यह मेरी बोट है।”

ओह ये क्या! वह तो कम से कम चालीस-पचास फीट होगी। दो पतले ढांचे, एक डैक,एक बड़ा-सा केबिन, एक ऊंचा ओवरहेड और मस्तूल। मैं नावों के बारे में कुछ नहीं जानती पर देखकर कह सकती हूं कि ये एक खास चीज़ है।

“वाह!” मैंने हैरानी से कहा।

“इसे मेरी कंपनी ने बनाया है।” उसने गर्व से कहा और मेरा दिल झूम उठा।

“इसे सबसे बेहतरीन नेवल कारीगरों व आर्किटेक्टों ने तैयार किया है और यह सिएटल में हमारे ही यार्ड में तैयार हुई। इसमें हाईब्रिड इलेक्ट्रानिक ड्राइव, आलीशान डैगर बोर्डस और भी बहुत कुछ है...।”

“अच्छा......मैं तो बुरी तरह इंप्रेस हो गई। क्या बोट है।” मैंने कहा।

उसने खीसें निपोरी, “हां, ये बहुत खास दिखती है।

“बिल्कुल मि. ग्रे, दिखने में भी ताकतवर है।”

“हां, मिस स्टील, आपने सही कहा।”

“इसका नाम क्या है?”

उसने मुझे कोने में ले जा कर नाम दिखाया। “द ग्रेस!”

मैं हैरान रह गई “तुमने इसे अपनी मॉम का नाम दिया है?”

“हां” उसने हैरानी से सिर एक ओर झुका दिया। “इसमें हैरानी की क्या बात है?”

मैंने कंधे झटके- *पर वह हमेशा अपनी मॉम की मौजूदगी में खुद को अजीब महसूस करता है।*

“मॉम! मैं अपनी मॉम से बहुत प्यार करता हूं इसलिए इस बोट का नाम उनके नाम पर रखा।”

“नहीं-नहीं, ये बात नहीं...।” मैं खिसिया गई। दरअसल मैं सही तरह से अपनी बात कह नहीं पाई थी।

“एना! ग्रेस ट्रेवलियन ग्रे ने मेरी जान बचाई थी। यह सब उन्हीं की देन है।”

मैंने उसे ताका। आज मैंने पहली बार जाना है कि उसे अपनी मॉम से कितना प्यार है पर उनके सामने खुल कर अपनी भावनाओं को प्रकट क्यों नहीं करता?

“क्या तुम आना चाहोगी?” उसने चमकीली आंखों से प्यार छलकाते हुए कहा।

“हां प्लीज!” मैं मुस्कुराई।

वह खुश दिखा और मेरा हाथ थामकर बोट पर ले गया।

हम डैक पर खड़े हैं जहां एक ओर मेज है और जिसके आसपास आठ लोग आराम से बैठ सकते हैं। मैंने जैसे ही केबिन के इंटीरियर को देखने के लिए नजर मारी तो वहां किसी को देखकर उछल पड़ी। वहां से एक सांवला, घुंघराले बालों वाला लंबा आदमी बाहर आया, जिसने हल्की गुलाबी रंग की पोलो कमीज, शॉर्ट और जूते पहने हुए थे। वह तीस के करीब रहा होगा।

“मैक!” क्रिस्टियन उसे देखकर दमका।

“मि. ग्रे! स्वागत है।” उन्होंने हाथ मिलाए।

“एनेस्टेसिया! ये लिआम मैकनिल हैं। लिआम, ये मेरी गर्लफ्रेंड है, एनेस्टेसिया स्टील।

“गर्लफ्रेंड!!” भीतर बैठी लड़की ने एक कलाबाजी खाई है। वह तो अभी कन्वर्टिबल कार के बारे में सुनकर ही मस्त है। खैर, मुझे इन शब्दों का आदी होना होगा। उसने पहली बार ऐसा नहीं कहा पर जब भी वह कहता है तो मैं रोमांचित हो उठती हूं।

“कैसी हैं आप?” मैंने और लिआम ने हाथ मिलाए।

“मुझ मैक कहें प्लीज़।” उसने प्यार से कहा।

“मिस स्टील! बोट में आपका स्वागत है।”

“एना प्लीज!” मैंने हौले से कहा। उसकी आंखें गहरी भूरी हैं।

“मैक! काम कैसा चल रहा है?” क्रिस्टियन ने झट से टांग अड़ा दी।

“सर! ये तो रॉक एंड रोल करने को तैयार है।” मैक ने कहा।

“बोट और मैं......भई वाह!''

“चलो फिर हो जाए।”

“आप इन्हें साथ ले जा रहे हैं?”

“हां।” क्रिस्टियन बोला और मुझे देखकर कहा।

“एना! हो जाए एक छोटा-सा टूर।”

“हां प्लीज!”

हम केबिन के अन्दर चले गए। हमारे सामने एल आकार का क्रीम लेदर सोफा रखा है और खिड़की से मरीना का सुंदर दृश्य दिख रहा है। बाईं ओर रसोई है- वहां सब कुछ मौजूद है।

“ये गैलरी के अलावा मेन सैलून है।” क्रिस्टियन ने रसोई की ओर इशारा करते हुए कहा।

वह मुझे हाथ थामकर मेन केबिन में ले गया। वहां तो बहुत जगह थी। सब कुछ आधुनिक तकनीक से बना है पर देखकर लगता है क्रिस्टियन ने उसे बनवाने के लिए अपना समय नहीं दिया।

“दोनों ओर बाथरूम हैं।” क्रिस्टियन ने कहा और फिर एक अजीब-सा दिखने वाला दरवाजा खोला, उसे खोलते ही हम एक आलीशान बेडरूम में आ गए। वाह!

वहां बड़े आकार का केबिन बेड था और उसके एस्काला वाले बेडरूम की तरह ही चारों ओर हल्का नीला लिनन और हल्के रंग की लकड़ी दिख रही थी। बेशक यह थीम उसे बड़ी प्यारी है।

“यह मास्टर केबिन है।” उसने मुझे चमकीली आंखों से घूरा। परिवार के अलावा, यहां आने वालों में तुम पहली लड़की हो। वे इस गिनती में नहीं आते।

मैं उसकी नज़रों की ताब न ला सकी। ओह! *एक और पहली बार...* उसने मुझे बाहों में खींच लिया और बालों को पकड़कर गहराई से एक चुंबन दिया। जब उसने छोड़ा तो हम दोनों ही बेदम हो चुके थे।

“हमें इस पलंग का मुहूर्त करना होगा।” वह मेरे मुंह के पास आकर बोला।

वाह समुद्र में! क्या कहने।

“पर अभी नहीं आओ! मैक हमें खोज रहा होगा।” वह मुझे सैलून की ओर ले गया तो मुझे हल्की-सी मायूसी हुई। उसने एक और दरवाजे की ओर संकेत किया।

"यहां और वहां दो ऑफिस बने हैं और उसके अलावा दो और केबिन हैं।"

"तो बोट पर कितने लोग सो सकते हैं?"

"वैसे तो ये छह बर्थ वाली है। मैं अकेला ही जाता हूं इसलिए परिवार कभी साथ नहीं होता। अब तुम मेरे साथ हो तो मुझे तुम पर भी नज़र रखनी होगी।"

उसने अलमारी से लाल रंग की लाइफ जैकेट निकाल ली।

"ये लो।" उसने मुझे लाइफ जैकेट में कसा तो होठों पर भीनी सी मुस्कान थी।

"तुम्हें मुझे इस तरह तनियों में बांधना पसंद है, है न?"

"हां, किसी भी तरह से।" उसने एक दुष्टता भरी मुस्कान के साथ कहा।

"बिगड़ैल कहीं के।" मैंने मुंह बनाया।

"मैं जानता हूं।" उसने खीसें निपोरीं।

"मेरा बिगड़ैल।" मैं हौले से बोली।

"हां, तुम्हारा।"

उसने सारी तनियां कसने के बाद मुझे एक बार और चूमा और बोला।

"हमेशा के लिए तुम्हारा!"

हमेशा! ओह, ये मैंने क्या सुना।

"आओ।" वह मेरा हाथ थामकर एक ऊपर डेक पर ले गया, जहां एक छोटा-सा कॉकपिट दिखाई दिया। वहीं बोट पर मैक रस्सियों के साथ कुछ कर रहा है।

"क्या तुमने भी अपनी रस्सी की ट्रिक यहीं से सीखी हैं?" मैंने क्रिस्टियन से भोलेपन से पूछा।

"हां, ये काफी काम आती हैं। मिस स्टील! आपको सब कुछ जानने की बड़ी भूख रहती है। मुझे आपकी यह आदत पसंद है। मुझे अपनी रस्सी की कुछ तरकीबें दिखाने में ज्यादा मजा आएगा।" उसने कहा और मैंने उसे ऐसे देखा, जैसे उसने मुझे कुछ बुरा कह दिया हो। उसका मुंह लटक गया और मैं चिल्लाई- वो मारा!

वह खीसें निपोरने लगा और आंखें सिकोड़कर बोला- "तुमसे बाद में निबटूंगा पर अभी तो मुझे अपनी बोट चलानी है। वह कंटन्त्रोल के पास बैठा, बटन दबाया और इंजन गरजने लगा।"

मैक मुझे देखकर मुस्कुराया और डेक पर जाकर कुछ और रस्सियां खोलने लगा। शायद उसे भी कुछ तरकीबें आती होंगीं। यह विचार मन में आते ही मैं खिसिया गई।

मैंने फिफ्टी को देखा और दमक उठी। उसने रिसीवर उठाया और रेडियो ऑन किया। वहां से मैक ने ऐलान किया कि हम जाने के लिए तैयार थे।

एक बार फिर, मैं इस काम में क्रिस्टियन की होशियारी देखकर दंग रह गई। क्या कोई काम ऐसा है जो यह इंसान नहीं कर सकता। फिर याद आया कि वह पिछले सप्ताह मेरे घर में बैठा शिमला मिर्च काटने की प्रैक्टिस कर रहा था। यह बात याद आते ही मेरे चेहरे पर मुस्कान आ गई।

क्रिस्टियन ने बोट को धीरे से पानी में उतार दिया। हमारे पीछे डॉकसाइड पर एक भीड़ दिख रही है। जो हमें हाथ हिलाकर विदा दे रही है। छोटे बच्चों को हाथ हिलाते देख, मैंने भी हाथ हिला दिया।

क्रिस्टियन ने अचानक ही मुझे अपने पास खींच लिया और उन बटनों की ओर इशारा करके बोला-"व्हील संभालो।" उसने हुक्म दिया और मैंने झट से मान लिया।

हे...हे... मैं कैप्टन हूं।

उसने मेरे हाथों पर हाथ रखे और कुछ ही देर में हमारी बोट खुले समुद्र में आ गई। यहां हवा तेज़ थी और समुद्र भी ठाठें मार रहा था।

मैं क्रिस्टियन का उत्साह देखकर अपनी मुस्कान नहीं रोक सकी। सच बड़ा मजा आ रहा था। हमने एक बड़ा-सा मोड़ लिया और ओलंपिक पेनिनसुला की ओर चल दिए।

सेल टाइम! क्रिस्टियन जोर से चिल्लाया। "देखो! तुम्हें बस यहीं ध्यान देना है।"

क्या मैं? अकेले? वह मेरा डर देखकर मुस्कुराया।

"बेबी! ये बड़ा आसान है। बस व्हील थाम लो और सामने क्षितिज पर नजर रखो। तुम कर सकती हो, तुम हमेशा से अच्छा करती हो। जब सेल ऊपर की ओर होगा तो तुम्हें हल्का खिंचाव महसूस होगा। इसे स्थिरता से थामे रहना मैं ऐसे संकेत करूंगा।" उसने अंगूठे से इशारा करके दिखाया- "तब तुम इंजिन बंद कर सकती हो। ये रहा बटन।" उसने एक बड़े से काले बटन की ओर संकेत कर पूछा-"समझी?"

"हां।" मैंने घबराहट के साथ गर्दन हिला दी। ओह! मैंने तो कभी ये सब करने के बारे में सोचा तक नहीं था।

उसने मुझे झट से चूमा और कैप्टन की कुर्सी से उतर गया। फिर वह मैक की मदद के लिए बोट के अगले हिस्से में चला गया। वे दोनों मिलकर जाने-जाने क्या बोलते हुए,एक टीम की तरह काम करने लगे और फिफ्टी को किसी के साथ इस तरह बेपरवाह हो कर काम करते देखना अच्छा लग रहा है।

शायद मैक इसका दोस्त हो। जहां तक मुझे पता है, इसके ज्यादा दोस्त नहीं हैं। मेरे भी तो नहीं हैं। हां, सिएटल में नहीं हैं। मेरी दोस्त तो इस समय बारबाडोस में है।

अचानक ही केट की याद सताने लगी। मैं उसे बुरी तरह से याद कर रही हूं। इतनी याद तो कभी नहीं आई थी। काश वह ईथन के साथ और रुकने की बजाए वापिस आ जाए।

क्रिस्टियन और मैक ने मेन सेल लहरा दिया। अचानक ही बोट तेजी से उछलने लगी और मैं व्हील के जरिए इसे महसूस कर सकती थी।

वे जब मस्तूल पर काम करने लगे तो मुझे देखकर बड़ा अच्छा लगा। हवा ने उसे एक पल में तान दिया।

"बेबी! कस कर थामे रहो और इंजन बंद कर दो।" क्रिस्टियन ने इंजन बंद करने का संकेत दिया। मैं केवल उसका स्वर सुन सकी पर समझ गयी। मैंने सर हिलाकर हामी भरी।

बटन दबाते ही इंजन की गड़गड़ाहट बंद हो गई और ग्रेस पानी पर ऐसे तैरने लगी मानो उड़ रही हो। मैं चीखना और चिल्लाना चाहती थी क्योंकि ये मेरे जीवन के रोमांचक अनुभवों में से एक था। शायद इस लिस्ट में ग्लाईडिंग व पीड़ा का लाल कमरा भी आते हैं।

ओह! ये बोट अपने-आप चल सकती है। क्रिस्टियन एक बार फिर मेरे पीछे है और उसने मेरे हाथों पर अपने हाथ रखे हुए हैं।

"कैसा लग रहा है?"

"क्रिस्टियन! ये तो अद्भुत है।"

वह मुस्कुराते हुए बोला-"स्पिनी के ऊपर जाने तक इंतजार करो"। उसने मैक की ओर इशारा किया। उसके हाथ में लाल रंग का कपड़ा देखकर मुझे रेड रूम याद आ गया।

"रंग बड़ा प्यारा है।"

उसने मुझे बड़ी-सी मुस्कान दी और आंख दबा दी।

ओह! ये तो हद हो रही है। आज क्रिस्टियन कौन से रंग में है?

अब ग्रेस पूरी गति से दौड़ रही है। मैंने मुड़कर देखा तो सिएटल को अपने से दूर जाते हुए पाया।

सच्ची! उस दूर से दिख रहे शहर के लैंडस्केप ने मुझे मोह लिया। इस शांत दोपहर में पानी के बीच दौड़ रही नाव में हम और वहां से दिखता शहर का नज़ारा! सब कुछ कितना प्यारा लग रहा था।

"हम कितनी तेजी से जा रहे हैं?"

"ये पंद्रह नॉट ले रही है?"

"मतलब?"

"सत्तर मील प्रति घंटा।"

"अच्छा? मुझ तो बहुत तेज लग रही थी।"

उसने मेरा हाथ दबाया और मुस्कुराकर बोला, "एनेस्टेसिया! तुम बड़ी प्यारी लग रही हो। गालों में हल्की लाली उतर आई है। ...ये शर्म की लाली नहीं। आज तुम वैसी ही खूबसूरत लग रही हो जैसी जोंस की तस्वीरों में लग रही थीं।"

मैंने मुड़कर उसे चूम लिया।

"मि. ग्रे! आपको पता है कि किसी लड़की का दिल कैसे जीता जाता है।"

"मिस स्टील! खुशी देना ही हमारा लक्ष्य है।" उसने मेरी गर्दन से बाल हटाए और चूम लिया। रीढ़ की हड्डी में एक सनसनाहट सी दौड़ गई।

"मुझे तुम्हें खुश देखना अच्छा लगता है।" उसने हौले से कहा और मुझे बांहों में कस लिया।

मैं नीले पानी को देखते हुए यही सोचने लगी कि मैंने ऐसा क्या किया होगा कि आज किस्मत मुझ पर मेहरबान है और मुझे इस आदमी का साथ मिला है।

भीतर बैठी सयानी लड़की बोली- बेशक किस्मत मेहरबान है पर ये सब कितने दिन चलेगा? वह हमेशा के लिए वनीला संबंधों से संतुष्ट नहीं रहने वाला... तुझे समझौता करना ही होगा। मैंने अपनी सोच को परे झटका और क्रिस्टियन की छाती से माथा टिका दिया। अन्दर ही अन्दर मैं जानती हूं कि वह गलत नहीं कह रही पर मैं आज की शाम बर्बाद नहीं करना चाहती।

एक घंटे बाद हम एक छोटे से द्वीप बेनब्रिज आईलैंड में हैं। मैक एक छोटी सी डोंगी में बैठकर किनारे पर गया, पता नहीं क्यों गया है? पर उसके निकलते ही क्रिस्टियन मुझे हाथ थामकर केबिन में ले गया। लगता है कि वह किसी मिशन पर था।

अब वह मेरे सामने खड़ा, लाइफजैकेट उतार रहा है। उसे उतारकर वह मेरी आंखों में गहराई से ताकने लगा। मैं तो अभी उसके छुए बिना ही पूरी तरह से खो गई हूं। उसने अपना हाथ मेरे चेहरे और गर्दन से ले जाते हुए ब्लाउज के पहले बटन पर रोक दिया और मेरे खुले होंठों पर एक चुंबन जड़ दिया।

"मैं तुम्हें देखना चाहता हूं।" उसने कहा और बटन खोल दिया।

मैं उसकी खूबसूरती और सेक्सी अदाओं की गिरफ्त में जकड़ी हुई हूं। पूरे केबिन में जैसे उसकी मौजूदगी छाई हुई है। बोट हौले-हौले झूम रही है।

"मेरे लिए अपने कपड़े उतार दो।" वह हौले से बोला।

मैं लगातार उसे ताकते हुए अपना एक-एक बटन खोलने लगी। ओह! उसके चेहरे से उसकी चाह कैसे झलक रही है!

मैंने अपनी शर्ट को नीचे गिरने दिया और जींस की तरफ हाथ बढ़ाए।

"रुको। बैठ जाओ।" उसने हुक्म दिया।

मैं पलंग के कोने में बैठ गई और वह मेरे सामने घुटनों के बल बैठकर जूते और जुराबें खोलने लगा। उसने मेरा बायां पांव हाथ में लेकर चूमा और फिर उसके अंगूठे को दांतों से हौले-हौले काटने लगा।

ओह! मैंने अपने शरीर में सनसनाहट सी महसूस की। वह झटके से उठ खड़ा हुआ और मुझे खड़े कर बोला अब तुम अपना काम जारी रख सकती हो।

मैंने धीरे से अपनी डेनिम जींस की जिप खोलकर उतार दी।

पता नहीं उस दिन मुझे उसके सामने ऐसा करते हुए बिल्कुल भी शर्मिंदगी महसूस नहीं हुई। मैं उस आदमी के लिए सेक्सी दिखना चाहती थी। वह इसका हकदार है-वह मुझे सेक्सी होने का एहसास दिलाता है। बेशक, मेरे लिए ये सब नया है पर मैं उससे धीरे-धीरे सब सीख रही हूं। उसके लिए भी तो ये सब कितना नया है। हम दोनों ही एक नये तरीके से संतुलन साधना सीख रहे हैं।

मैंने आज नए अंतर्वस्त्र पहने हैं। उनकी कीमत के टैग ही मेरे होश उड़ा देने के लिए काफी थे पर खूबसूरती भी कमाल थी। अब मैं जींस से बाहर आकर उसकी दी हुई लिंगरी में खड़ी हूं पर मैं खुद को ओछा या घटिया महसूस नहीं कर रही। मैं उसे महसूस कर रही हूं।

मैंने अपना हुक खोला और कपड़ों को आसानी से खुलने दिया। कुछ ही देर में मैं उसके सामने निर्वस्त्र थी।

आज मैं उसके सामने बिना किसी हिचक के निर्वस्त्र खड़ी हूं और इसकी वजह यही है कि वह मुझे प्यार करता है। मुझे उससे कुछ भी छिपाने की जरूरत नहीं है। उसने कुछ नहीं कहा, बस मुझे घूरता रहा। मैं उसकी आंखों की गहराई में आज वासना के सिवा और भी बहुत कुछ देख पा रही हूं- उसकी आंखों में आज मेरे लिए प्यार झलक रहा है।

उसने अपना स्वेटर और टी-शर्ट उतार दिए और उसकी नंगी छाती दिखने लगी। इसके बाद उसने जूते-जुराबें उतार दिए। जब वह जींस उतारने लगा तो मैं बोली।

"मुझे उतारने दो।" उसके चेहरे पर हैरानी सी छा गई पर प्यार से बोला, "अच्छा! जैसा तुम चाहो।

मैं आगे आई और जींस में हाथ डाल कर उसे अपनी ओर खींच लिया। मैंने बटन तो खोल दिया पर जींस उतारने की बजाए अपने हाथों से उस उभार को महसूस करने लगी। उस पर अपना हाथ फिराने लगी। उसने अपनी आंखें बंद कीं और मेरी छुअन से झूम उठा।

"एना! तुम बड़ी बिंदास हो रही हो। हौंसले बुलंद होते जा रहे हैं।" वह हौले से बोला और मुझे एक गहरा चुंबन दिया।

मैंने भी उसके नितंबों पर अपने हाथ टिकाए और चुंबन का जवाब देने के बाद उसकी जींस उतार दी। मेरी अंगुलियां तेजी से उस उभार को महसूस करती जा रही हैं और अचानक मैंने उसे कस कर थाम लिया।

उसके गले से एक कराह सी निकली और उसने मुझे प्यार से चूम लिया। उसने एक हाथ मेरे बालों में रखा और दूसरे हाथ से मेरे अंग-अंग को सहलाने लगा।

"ओह! बेबी, मैं तुम्हें कितना चाहता हूं।" उसने एक ही पल में अपने बचे हुए कपड़े भी उतार दिए। अब मैं उसके शरीर के एक-एक इंच को गहराई से देख सकती हूं।

वह कितना परफेक्ट है। बस उसकी खूबसूरती में वे निशान भद्दे दिखते हैं। वे उसकी चमड़ी में जैसे गहराई तक खुदे हैं।

"एना! क्या हुआ?" वह हौले से बोला और अपनी हथेलियों के उलटे हिस्से से मेरे गाल सहलाने लगा।

"कुछ नहीं। मुझे बहुत सारा प्यार करो।"

उसने मुझे अपनी बांहों में खींचा और चूमते हुए बालों में अपने हाथ कस दिए। हमारी जीभें आपस में मिलीं और वह मुझे पलंग पर लिटाकर, साथ ही लेट गया।

उसने मेरे जबड़े के पास अपना नाक फिराया तो मेरे हाथ उसके बालों में चले गए।

"एना! तुम्हें पता है कि तुम्हारी गंध कितना मदहोश कर देती है? ये मुझे दीवाना बना देती है।"

उसके शब्दों ने मेरे पूरे शरीर में सिरहन पैदा कर दी और हमेशा की तरह मैं सब भुलाकर उसकी हो जाने के लिए तरसने लगी।

"तुम कितनी सुंदर हो।" वह मेरे वक्षस्थल को सहलाते हुए बोला।

मैंने सिसकारी भरी और पलंग पर ही तिरछी हो गई।

"मैं तुम्हारे मुंह से निकली आवाज़ें सुनना चाहता हूं।"

उसके हाथ मेरी कमर की ओर बढ़े और मैं उन हाथों की छुअन एक बार फिर अपने अंगों पर गहराई से महसूस कर पा रही हूं। उसकी लंबी अंगुलियां मेरे पूरे शरीर पर तैरती जा रही हैं।

अचानक ही उसने एक झटके से मेरा घुटना पकड़ा और मुझे पलट दिया। इसके बाद उसने जेब से कंडोम का पैकेट निकाल कर मेरे हाथ पर रख दिया। मैंने उसे इस्तेमाल करने से

पहले कुछ और करने का इरादा बना लिया। कुछ की पलों में क्रिस्टियन मुख मैथुन के आनंद में खोया हुआ था और मैं उसे दीवानों की तरह चूम रही थी।

उम्म......उसका स्वाद कितना अच्छा है। इसके बाद मैंने झट से कंडोम का पैकेट खोला और उसे इस्तेमाल के लिए तैयार कर दिया। उसने भी देर नहीं की। उसकी .टके से की गयी पहल से मेरी चीख निकल गयी।

हम दोनों ही उस गहरी संतुष्टि के बीच मग्न हैं... यह सब कितना दैवीय लग रहा है। इन संबंधों के बीच चाह की गहरी खाईयां ही नहीं बल्कि हमारे प्रेम का समंदर भी लहरा रहा है।

ओह......ये कितना अच्छा लग रहा है।

ओह बेबी! वह अचानक इस तरह उठ बैठा कि हम आमने-सामने हो गए। मैंने उसे बांहों से थाम लिया और वह मेरी आंखों में ताकने लगा।

"एना! तुम मुझे किस दुनिया में पहुंचा देती हो।" उसने मुझे गहराई से चूम लिया और मैंने भी उसी जुनून के बीच चुंबन का जवाब दिया।

"ओह! मैं तुमसे कितना प्यार करती हूं।" मैं हौले से बोली। वह ऐसे कराहा मानो उसे मेरे ये शब्द सुनकर तकलीफ हुई हो। वह उसी मुद्रा में पलटा तो मैं उसके नीचे आ गई। मैंने अपनी टांगें उसकी कमर के आसपास लपेट दी।

उसने मुझे हैरानी से देखा और जब मेरा हाथ उसका चेहरा सहलाने के लिए आगे बढ़ा तो उसके चेहरे की हैरानगी और भी बढ़ गई। हिचकोले खाती नाव और केबिन के सन्नाटे के बीच हमारी बेदम सांसें, वह बहुत ही सीधे तरीके से अलग हुआ। उसने एक हाथ से मेरे बाल सहलाए और फिर झुककर मुझे चूम लिया।

मैंने उसकी सीमाओं को याद रखते हुए, शरीर के उन-उन हिस्सों को छुआ, जिन्हें मैं छू सकती थी। उसके बाजू, उसके बाल, उसकी पीठ का निचला हिस्सा...। वह मेरे मुंह, चिबुक और जबड़े को चूमते हुए कानों को कुतर रहा है। मैं हर बार उसके शरीर के भार के साथ सांसों की लय को भी सुन सकती हूं।

मेरा पूरा शरीर कांप रहा है *...ओह! अब तो ये एहसास मेरे लिए नया नहीं रहा...प्लीज..एना!* उसके मुंह से निकले इन शब्दों ने मुझे सुख की चरम सीमा तक पहुंचा दिया।

मैं उफनती सांसों के बीच बोली, क्रिस्टियन.........और हम दोनों एक साथ डूब कर पार उतरे।

अध्याय 10

"मैक आता ही होगा।"

ओह! मैं तो उसकी आंखों का रंग देखकर चौंक गई हूं। समुद्र के पानी का रंग भी मानो उन्हीं में घुल गया हो।

"दिल तो आता है कि सारी दोपहर तुम्हारे साथ यहीं पड़ा रहता पर डोंगी को बोट पर लाने में उसे मदद की जरूरत होगी। क्रिस्टियन ने प्यार से चूमते हुए कहा, "एना! तुम इस बिखराव के बीच भी कितनी सेक्सी और प्यारी दिख रही हो। जी कर रहा है, तुम्हारे साथ ही रहूं।" वह मुस्कुराया और पलंग से उठा। मैं पेट के बल लेटी नजारा ले रही हूं।

"कैप्टेन! तुम इतने बुरे भी नहीं हो।" मेरी तारीफ सुनकर वह मुस्कुरा दिया।

मैं उसे कपड़े पहनते देखती रही। इस इंसान ने अभी मुझे इतना प्यार दिया है। मैं तो अपनी किस्मत पर यकीन नहीं कर सकती। यकीन नहीं आता कि ये शख्स मेरा है वह मेरे पास बैठा और जूते पहन लिए।

"कैप्टन? मैं तो इस बोट का मालिक हूं।"

मैंने अपनी गर्दन एक ओर झुकाई, "मि. ग्रे! आप मेरे दिल के मालिक हैं और मेरे शरीर के *...मेरी आत्मा के !"*

उसने गर्दन झटकी और मुझे चूम लिया। "मैं डैक पर हूं। अगर नहाना चाहो तो नहा सकती हो। कुछ पीना चाहोगी?" उसने फिर से अपने सीधे लहजे में पूछा और मैं उसके बदलते रूपों को देखती रही। पल में तोला तो पल में माशा।

"क्या?" उसने मेरी हंसी देखकर पूछा।

"तुम?"

"मैं क्या?"

"तुम कौन हो और तुमने क्रिस्टियन का क्या किया?"

उसके होठों पर उदास सी मुस्कान खेल गई।

"बेबी! वह बहुत दूर नहीं है।" उसके सुर ने मुझे अपनी बात पूछने के लिए शर्मिंदा कर दिया पर उसने बात को हवा में उड़ा दिया। "तुम उसे जल्द ही देखोगी। अगर जल्दी से उठी नहीं तो अभी देख लोगी।" उसने जोर से एक धौल जमाया और मैं चिल्लाने के साथ-साथ हंसने लगी।

"तुमने तो मुझे चिंता में डाल दिया था?"

"क्यों? वैसे तुम भी तो मिले-जुले संकेत देती हो। इंसान करे भी तो क्या? वह चूमकर बोला, मिलते हैं बेबी!"

जब मैं डैक पर गई तो मैक लौट आया था पर मेरे सैलून का दरवाजा खोलते ही वह कहीं ओझल हो गया। क्रिस्टियन अपने फोन पर किसी से बात कर रहा है। किससे? उसने मुझे पास खींच कर चूम लिया।

"अच्छी खबर! बहुत खूब! बढ़िया। हां, हां आज रात।"

उसने फोन बंद किया और मैं इंजन चालू होने की आवाज से चौंक गई। मैक कॉकपिट में होगा।

"वापसी का वक्त हो गया।" क्रिस्टियन ने मुझे लाइफ जैकेट पहना दी।

हम मरीना की ओर लौटे तो सूरज का गोला नीचे उतर रहा था और आज मैंने अपने उस्ताद से बोट चलाने से जुड़े कई कामों का प्रशिक्षण लिया और सारी ट्रेनिंग के दौरान उसकी सख्ती बरकरार रही।

"मैं तुझे एक दिन ऐसे ही बांध दूंगी।" मैंने मसखरी की।

वह बोला, "पहले मुझे पकड़ना होगा। मिस स्टील।"

मेरे दिमाग में पिछली तस्वीरें कौंध गईं। पर उसके बाद हम बिछुड़ भी तो गए थे।

अब तो उसने प्यार का इजहार भी किया है तो क्या मैं फिर उसे छोड़ जाऊंगी। मैंने उसकी आंखों में झांका। क्या मैं इसे कभी छोड़कर जा सकूंगी-भले ही वह मेरे साथ कुछ भी करे। क्या मैं उसे कभी धोखा दे सकूंगी। कभी नहीं!

उसने मुझे बोट के सारे हिस्से दिखाए और मैंने सुना कि उसने कितनी अच्छी तकनीकों का इस्तेमाल किया था। मुझे हमारी पहली मुलाकात याद आ गई। मैंने जहाजों के लिए उसके जुनून की बात की थी पर मुझे ये पता नहीं था कि उसकी कंपनी बड़े जहाजों के सिवा ऐसी प्यारी नावें बनाने में भी निपुण है।

मैं उसके प्यार करने के अंदाज पर फिदा हूं। वह एक असाधारण प्रेमी है। बेशक, उसका कोई मुकाबला नहीं कर सकता। केट यहां होती तो बात बेशक कुछ और हुई होती!

खैर, ये सब उसके लिए कब तक काफी होगा? मैं कुछ नहीं जानती पर यह खयाल बड़ा ही कड़वा है।

अब वह बैठ गया और मैं उसकी बांहों के घेरे में सुरक्षित खड़ी रही। ग्रेस सिएटल के पास आ रही है। मैं व्हील पर हूं और क्रिस्टियन बीच-बीच में सुझाव देता जा रहा है।

"जलयात्र की यह कविता दुनिया जितनी ही पुरानी है।'' वह मेरे कान में बोला

"ये तो किसी का कहा हुआ लगता है।"

"हां, एंटोनी डि सेंट एक्सपुरी।"

"ओह......मुझे भी लिटिल प्रिंस बेहद पसंद है।"

"मुझे भी।"

शाम अभी ढली नहीं है। आसपास की नावों से रोशनी आने लगी है। तट पर लगी भीड़ को देखकर अंदाज लगाया जा सकता है कि वे सब सूर्यास्त देखने आए हैं।

क्रिस्टियन ने बोट को एक कोने में खड़ा कर दिया ओर डॉकसाइड के पास भीड़ इकट्ठा हो गई है। उसने बड़े ही आराम से ये काम किया और मैक ने नीचे आकर ग्रेस को बांध दिया।

"लौट आए।" वह बोला।

"धन्यवाद! आज की दोपहर अद्भुत रही।"

मैंने कहा।

क्रिस्टियन बोला, "बेशक! जी में आ रहा है कि किसी सेलिंग स्कूल में तुम्हारा नाम लिखवा दूं। फिर हम दोनों अकेले ही जलयात्रा पर जाएंगे।"

"मुझे बहुत मजा आएगा और हम बार-बार उस पलंग और कमरे का......"

मेरी बात अधूरी छूट गई और वह मेरा कान चूम कर हौले से बोला, "एनेस्टेसिया! मैं इस बात का ध्यान रखूंगा।" उसका यह सुर ही मेरे रोंगटे खड़े कर देने के लिए काफी था।

"यह ऐसे कैसे कर लेता है।"

"आओ, अपार्टमेंट में कोई नहीं है। हम चल सकते हैं।"

"होटल का सामान?"

"वह टेलर ने ले लिया है।"

ओह कब?

"उसने पहले ग्रेस को चेक किया था और फिर होटल चला गया था।"

“क्या वह बेचारा कभी सोता भी है?”

“नींद? एना, वह अपना काम कर रहा है। जेसन अपने काम में माहिर है।”

“जेसन?”

“जेसन टेलर।”

मैंने सोचा कि टेलर उसका पहला नाम था। ये नाम उसे सूट करता है। मजबूत और भरोसेमंद।

मेरे चेहरे की मुस्कान देखकर क्रिस्टियन बोला,"क्या टेलर पर दिल आ गया है?”

“शायद!”

उसने भवें सिकोड़ी।

“मेरा दिल उस पर नहीं आया। तुम अपनी भवें सिकोड़ना बंद करो।”

“तुम्हें टेलर पसंद है?”

“हां, पसंद तो है।”

क्रिस्टियन ने मुंह बना लिया।

“वह मुझे बड़ा भरोसेमंद लगता है और ऐसा लगता है कि वह हमारे किसी बुजुर्ग की तरह देख-रेख करता है।”

“हैं?” क्रिस्टियन हैरान हो गया।

“बेशक अजीब बात है पर सच यही है।” मैंने कहा।

क्रिस्टियन के चेहरे पर अब भी अजीब से भाव हैं।

“क्रिस्टियन प्लीज़, कुछ तो सयाने बनो!”

“हां, कोशिश कर रहा हूं।” उसने कहा।

“कोशिश अच्छी है।” मैंने आंखें नचाईं।

“वैसे ऐसा करने से तुम्हें क्या याद आता है, एना?”

मैंने मुस्कुराते हुए कहा, “अगर तुम अच्छी तरह पेश आए तो हम उन यादों को दोहरा सकते हैं।”

उसके चेहरे पर हंसी खेल गई। “मैं अच्छे से पेश आऊं? वैसे मिस स्टील! आपको ऐसा क्यों लगा कि मैं उन यादों को दोहराना चाहता हूं।”

"जब मैंने ये कहा तो तुम्हारी आंखों की चमक देखने लायक थी।"

"तुम तो मुझे बहुत अच्छी तरह से जान गई हो।"

"मैं और अच्छी तरह जानना चाहूंगी।"

"मैं भी ऐसा ही करना चाहता हूं एना।" वह मुलायम सुर में बोला।

क्रिस्टियन ने डैक पर आकर मैक से हाथ मिलाया। "धन्यवाद मैक।"

"मि. ग्रे! मुझे भी खुशी हुई। एना! गुडबाय, तुमसे मिलकर अच्छा लगा।"

मैंने भी हौले से सिर हिलाया। उसे पता होगा कि जब वह किनारे पर गया था तो बोट में क्या हो रहा था।

"गुड डे मैक धन्यवाद!"

उसने मुस्कुराकर आंख दबाई तो मैं खिसिया गई।

"मैक कहां से है।" मैंने कुछ देर बाद क्रिस्टियन से पूछा।

"आयरलैंड...नॉर्दन आयरलैंड।" उसने हैरानी से जवाब दिया।

"क्या वह तुम्हारा दोस्त है?"

"मैक? वह मेरे लिए काम करता है। उसने ग्रेस बनाने में मदद की है।"

"क्या तुम्हारे बहुत से दोस्त हैं?"

"नहीं, कोई खास नहीं। मैं ज्यादा दोस्त नहीं बनाता। बस एक ही है।" मैं जानती थी कि वह किसका नाम लेने वाला था।

"भूख लगी है?" उसने बात बदल दी।

मैंने हामी दी। दरअसल भूख से जान निकल रही थी।

"हम वहीं खाएंगे, जहां कार खड़ी है आओ।"

इसके बाद हम एक छोटे से इतालवी बिस्टन्त्रो में गए। उसका नाम था 'बीज़'। मुझे पोर्टलैंड वाली जगह याद आ गई। हम दोनों मेन्यू देखते हुए लजीज़ फ्रास्कटी पीते रहे। वह मुझे देखकर बोला, "एना! तुम बहुत प्यारी लग रही हो। घर से बाहर आकर तुम और भी निखर जाती हो।"

मैं शरमा गई। उसे धन्यवाद दिया पर अपनी वही जिज्ञासा दोबारा उठा दी। उसका मूड ठीक लग रहा था और मैंने पूछ ही लिया।

"तुम्हारे ज्यादा दोस्त क्यों नहीं हैं?"

“मैंने कहा न कि मेरे पास वक्त ही कहां है। काम से जुड़े लोगों से जान-पहचान है पर वे दोस्त नहीं हैं। मेरे पास मेरा परिवार और एलीना हैं बस!”

“तुम्हारे पास कोई पुरुष दोस्त नहीं, जिनके साथ थोड़ा मूड बदलने के लिए मौज-मस्ती कर सको।”

“एनेस्टेसिया! तुम जानती हो कि ऐसा करने के लिए मैं क्या करता हूं। काम का भी कितना दबाव रहता है। फिर कभी-कभी उड़ान भरता हूं या जलयात्रा पर निकल जाता हूं।”

“कॉलेज में भी कोई दोस्त नहीं थे?”

“नहीं।”

“बस एलीना?”

उसने चिंता के साथ गर्दन हिलाई।

“बिल्कुल अकेले रहते होगे?”

उसके होठों पर तिरछी मुस्कान खेल गई। “तुम क्या खाना चाहोगी।” उसने एकदम बात बदल दी।

“मैं रिसोट्टो लूंगी।”

“अच्छी पसंद है।” उसने कहा। वेटर को बुलाकर ऑर्डर दिया और बात वहीं खत्म हो गई।

मैं मन ही मन सोच रही थी कि अगर आज वह बात करने के मूड में है तो क्यों न कुछ पिछली बातें की जाएं।

मुझे उसकी उम्मीदों और मांगों के बारे में भी तो पता लगाना है।

“एनेस्टेसिया! क्या हुआ बोलो?”

मैंने उसके चिंतित चेहरे को निहारा।

“बोलो न क्या हुआ?” उसकी चिंता किसमें बदल रही है। गुस्सा या भय?

मैंने गहरी सांस ली, “मुझे चिंता है कि ये सब तुम्हारे लिए काफी नहीं है। तुम्हारा केवल इससे काम नहीं चलेगा।”

उसके जबड़े कस गए और आंखें सुलग उठीं, “क्या मैंने कोई ऐसा ईशारा दिया कि यह सब काफी नहीं है।”

“नहीं।”

“तो तुम ऐसा क्यों सोचती हो?”

"मुझे पता है कि तुम कैसे हो? तुम क्या चाहते हो?" ...मैं हकलाई।

उसने आंखें बंद की और लंबी अंगुलियों से माथा सहलाने लगा।

"मुझे क्या करना होगा?" उसने कुछ ऐसे सुर में कहा जैसे ताव खा गया हो।

"नहीं, तुम समझे नहीं। तुम्हारी ओर से कोई कमी नहीं है। और मैं जानती हूं कि अभी कुछ ही दिन हुए हैं। मैं उम्मीद करती हूं कि मैं तुम्हें मजबूरन कोई ऐसा इंसान बनने का दबाव नहीं डाल रही, जो तुम नहीं हो।"

"एना! मैं अब भी वही हूं। जिंदगी की कड़वाहटों के पचासों रंगों वाला इंसान। मुझे दूसरों को काबू में रखने की अपनी लत पर काबू करना पड़ रहा है। ...पर ये मेरा स्वभाव है और मैं जिंदगी से इसी तरह पेश आता आया हूं। हां, तुमसे एक निश्चित बर्ताव की उम्मीद करता हूं और अगर तुम ऐसा नहीं करतीं तो यह मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और तरोताज़गी देने वाला हो सकता है। हम अब भी वही करते हैं, जो मुझे करना पसंद है। कल तुमने मुझे अपनी उस बोली के बाद धौल जमाने की इजाजत दी।" वह मुस्कुरा कर बोला, "मुझे तुम्हें सजा दे कर अच्छा लगा। मुझे नहीं लगता कि यह इच्छा कभी खत्म होगी......पर मैं कोशिश कर रहा हूं और ये सब उतना मुश्किल भी नहीं है, जितना मैंने सोचा था।"

मैं उसके बचपन वाले कमरे में घटी उस घटना को याद कर खिसिया गई।

मैंने हौले से शरमाकर कहा, "मैंने भी उसका बुरा नहीं माना।"

"मुझे पता है और मैंने भी नहीं माना। पर एना, तुमसे एक बात कहना चाहता हूं, यह सब मेरे लिए नया है और मेरी जिंदगी के कुछ पिछले दिन सबसे बेहतर दिनों में से रहे हैं। मैं कुछ भी बदलना नहीं चाहता।

ओह!

"ये मेरी जिंदगी के भी बेहतरीन दिन थे।" मेरे भीतर बैठी लड़की ने भी मुस्कुरा कर सिर हिलाया। वह भी मुझसे सहमत है।

"तो क्या तुम मुझे अपने प्लेरूम में नहीं ले जाना चाहते?"

उसने थूक निगला। चेहरा पीला पड़ गया और सारी हंसी सूख गई।

"मैं नहीं ले जाना चाहता।"

मुझे इस जवाब की उम्मीद नहीं थी। अन्दर बैठी लड़की तो किसी बच्चे की तरह मुंह फुलाए, बांहें मोड़ कर खड़ी हो गई।

"जब हम पिछली बार वहां थे तो तुम मुझे छोड़कर चली गई थीं।" उसने कहा, "मैं ऐसा कोई काम नहीं करना चाहता, जो हमें फिर से जुदा कर दे। जब तुम चली गईं तो मैं पूरी तरह

से टूट गया था। मैंने तुम्हें बताया था कि मैंने तुम्हारे बारे में कैसा महसूस किया था।” उसकी आंखों में ईमानदारी झलक रही थी।

“पर ये सही नहीं लगता। तुम लगातार यही ध्यान रखते रहोगे कि मैं कैसा महसूस करती हूं। तुमने मेरे लिए ये सब बदलाव किए हैं......मुझे लगता है कि मुझे भी तुम्हारे लिए कुछ करना चाहिए... कुछ रोल-प्ले करने चाहिए।” मेरा चेहरा उसके प्लेरूम की दीवारों जैसा सुर्ख हो उठा।

इस बारे में बात करना इतना मुश्किल क्यों है? मैंने इस आदमी के साथ कितने ही अलग तरह से सेक्स किया है और कुछ हफ्ते पहले तक तो इन बातों के बारे में सुना तक नहीं था। न ही कभी सोचा था कि ये सब संभव हो सकता है पर इस बारे में इससे बात करना कितना मुश्किल है।

“एना, तुम जितना जानती हो, उससे कहीं ज्यादा भावनाएं प्रकट करती हो। प्लीज़-प्लीज़ ऐसा महसूस मत करो।”

वह बेपरवाह क्रिस्टियन कहां गया? अब तो उसके चेहरे पर अजीब-सा भाव दिख रहा है, “बेबी! अभी मुश्किल से एक वीकएंड हुआ है। हम दोनों को थोड़ा वक्त दो जब तुम चली गईं तो मैंने हम दोनों के बारे में बहुत सोचा। हमें वक्त चाहिए। तुम्हें मुझ पर और तुम्हें मुझ पर भरोसा करना होगा। हो सकता है कि आने वाले वक्त में हम कुछ करें पर अभी तो तुम जैसी हो, मुझे वैसी ही पसंद हो। मुझे तुम्हें खुश, बेपरवाह और बिंदास देखना पसंद है। तुम्हारी खुशी के लिए कुछ भी... हमें दौड़ने से पहले एक साथ चलना होगा।” अचानक ही वह हंस दिया।

“इसमें कौन-सी मज़ाकिया बात है?”

“फिल्न! वह हमेशा यही कहता है और मैंने सोचा नहीं था कि मैं एक दिन उसके ही शब्द दोहरा दूंगा।”

“अच्छा डॉक्टर का भूत सवार है।”

क्रिस्टियन हंसा, “बिल्कुल सही कहा।”

वेटर हमारे लिए स्नैक्स और ब्रुसचेट्टा ले आया। हमारी बात वहीं थम गई।

जब हमारे सामने खाना परोसा जा रहा था तो मैं सोचने लगी कि आज कितने दिन बाद क्रिस्टियन को फिर से शांत मूड में देखा है। मैंने चैन की सांस ली और वह मुझसे पूछने लगा कि मैंने कहां-कहां की सैर की हुई है। बात जल्दी ही खत्म हो गई क्योंकि मैं तो कांटीनेंटल यूएस के सिवा कहीं गई ही नहीं। उसने सारी दुनिया देखी हुई है। हम बड़े आराम से उसकी देखी हुई जगहों के बारे में चर्चा करने लगे।

हमारे स्वादिष्ट और संतुष्टिदायक भोजन के बाद, क्रिस्टियन और मैं एस्काला लौट आए। कार के मधुर संगीत के बीच मैं अपने ही ख्यालों में मग्न हो गई। आज का दिन तो जबरदस्त

रहा था- डॉ. ग्रीन, हमारा शॉवर, क्रिस्टियन के प्यार का इजहार, बोट और होटल में हमारे शारीरिक संबंध और कार की खरीद। क्रिस्टियन खुद भी कितना बदला-बदला लगा। मानो वह किसी चीज को नए सिरे से तलाश रहा था। वह क्या थी, यह मुझे भी नहीं पता था।

कौन जानता था कि वह इतने प्यार से पेश आ सकता था।

मैंने उसे देखा तो वह भी अपनी सोच में गुम था। मुझे अचानक ही याद आया कि उसने कभी एक स्वाभाविक किशोरावस्था की जिंदगी जी ही नहीं। मैंने गर्दन झटकी।

मेरा दिमाग उसकी आशंका की ओर चला गया। उसे बॉल गेम में डर था कि कहीं डॉक्टर की बातें सुनकर मैं उसे छोड़कर न चली जाऊं। क्रिस्टियन अब भी मुझसे कुछ छिपा रहा है। अगर वह ऐसा ही महसूस करता रहा तो हम आगे कैसे बढ़ेंगे।

उसे लगता है कि असलियत जानते ही हमारा साथ खत्म हो जाएगा। ओह! ये आदमी कितना उलझा हुआ है।

घर पास आने लगा तो उसका तनाव और भी बढ़ता गया उसने चारों ओर नजर मारी और मुझे पता है कि वह लीला को देख रहा है। मैं भी देखने लगी। हर युवती को परखने के बाद भी हम लीला को नहीं खोज सके।

वह गैराज में आया तो चेहरे पर तनाव की रेखाएं और भी गहरी थीं। मैं सोचने लगी कि अगर उसे इतना ही परेशान होना था तो यहां आने की जरूरत ही क्या थी। कुछ दिन होटल में ही बिता लेते। कम से कम इतना तनाव तो न होता। स्वेयर गैराज में पैटन्रोलिंग कर रहा है। मेरी ऑडी वहां से गायब है। क्रिस्टियन ने एसयूवी खड़ी की तो स्वेयर दरवाजा खोलने आ गया।

"हैलो स्वेयर।" मैंने धीरे से कहा।

"मिस स्टील! मि. ग्रे।"

"कुछ पता चला।" उसने पूछा।

"कुछ पता नहीं सर।"

क्रिस्टियन ने सहमति में सिर हिलाया और मेरा हाथ थामकर लिफ्ट की ओर चल दिया। मैं जानती हूं कि इस समय उसका दिमाग चकराया हुआ है। वह मेरी ओर मुड़कर बोला, "तुम यहां से किसी भी कीमत पर अकेली बाहर नहीं जाओगी। समझी तुम?"

"ओ के।" उसका यह रवैया देखकर मुझे हंसी छूट गई। मैं अपने-आप को गले लगा लेना चाहती हूं। ये इंसान, तानाशाही रवैए वाला इंसान, मुझे किस कदर चाहता है। मैं हैरान हूं कि इस सप्ताह पहले ही इसका यह सुर सुनकर मेरी जान निकल जाती थी पर अब इसे इतना जान गई हूं कि इसके इस बर्ताव का कारण समझती हूं। इस समय यह लीला के कारण तनाव में है, मुझसे प्यार करता है और मेरा बचाव करना चाहता है।

“इसमें मज़ाक की क्या बात है?” उसने हैरानी से पूछा।

“तुम?”

“मैं? मिस स्टील? मुझमें हैरानी की क्या बात है?”

“मुंह मत फुलाओ।”

“क्यों?” वह और भी हैरान हो गया।

“क्योंकि मेरे होंठ काटने से तुम पर जो असर होता है, तुम्हारे मुंह फुलाने से मुझ पर भी वैसा ही असर होता है।”

“सच्ची!” उसने फिर से मुंह बनाया और मुझे एक छोटा-सा चुंबन दे दिया।

मैंने भी अपने होंठों को उसके होठों की ओर बढ़ाने में देर नहीं की और हमारा छोटा-सा चुंबन एक गहरे आवेग और दीवानगी से भरे चुंबन में बदल गया।

अचानक ही मेरी अंगुलियां उसके बालों में घूमने लगीं और उसने मुझे लिफ्ट की दीवार सेसटा दिया। हमारी जीभें आपस में टकरा रही हैं। पता नहीं लिफ्ट की चारदीवारी का असर है या कुछ और। मुझे उसका आवेग, उसकी जरूरत और चाह और भी गहरी हकीकत लग रहे हैं।

ओह! मैं भी तो उसे अभी और यहीं चाहती हूं।

अचानक ही लिफ्ट रुकी और दरवाजा खुल गया। क्रिस्टियन ने अपना मुंह पीछे कर लिया अब भी उसके उस अंग का उभार महसूस कर सकती हूं।

“ओह!” वह बेदम होकर बोला"उर्फ!” मैंने भी एक गहरी सांस भर कर खुद पर काबू पाना चाहा।

उसने मुझे घूरा, “एना! तुम मेरे साथ ये कर क्या रही हो?” उसने अपने अंगूठे से मेरे निचले होंठ को छुआ।

मैंने आंख के कोने से देखा कि टेलर दो कदम पीछे हो गया था। वह अब भी दिखाई नहीं दे रहा। मैं आगे आई और अपने राजकुमार के सुंदर गढ़न वाले मुंह के एक कोने को चूम लिया।

“क्रिस्टियन! तुम मुझे क्या कर देते हो?”

वह पीछे हटा और हाथ थामकर हुक्म दिया, “चलो।”

टेलर अब भी बरामदे में खड़ा हमारा इंतजार कर रहा है।

“गुड ईवनिंग टेलर!” क्रिस्टियन ने अपनेपन से कहा।

"मि. ग्रे! मिस स्टील!"

"मैं कल मिसेज टेलर थी।" मैं उसे देखकर मुस्कुराई और वह लजा गया।

"हां, उसके लिए एक अंगूठी कम से कम चाहिए थी।" टेलर ने कहा।

"मुझे भी यही लगा था।" मैंने कहा।

क्रिस्टियन ने मेरा हाथ कसकर थाम लिया और बोला, "तुम दोनों के किस्से हो गए हों तो क्या मैं बात कर सकता हूं।"

टेलर एकदम पहलू बदलकर संभल गया और मैं अन्दर ही अन्दर सिकुड़ गई। मैंने लाइन क्रास कर दी थी।

"सॉरी!" मैंने क्रिस्टियन की ओर मुड़ने से पहले, टेलर से कहा और उसने कंधे झटकते हुए एक दयालु-सी मुस्कान दी।

"मैं अभी आया। मिस स्टील से कुछ बात करनी है।" क्रिस्टियन ने टेलर से कहा और मैं जान गई कि आज तो मेरी शामत आ गई।

क्रिस्टियन मुझे बेडरूम में ले गया और दरवाजा बंद कर लिया।

"एनेस्टेसिया! स्टाफ के साथ अलर्ट मत करो।" उसने फटकारा।

मैंने कुछ कहने के लिए मुंह खोला और फिर बंद कर लिया। फिर हिम्मत जुटाकर बोली, "मैं ऐसा कुछ नहीं कर रही थी। यह एक दोस्ताना रवैया है और दोनों बातों में उतर है।"

"स्टाफ के साथ इन दोनों में से कोई बर्ताव मत रखो। मुझे बिल्कुल पसंद नहीं है।"

ओह! मेरा बेपरवाह क्रिस्टियन गया कहां?

"सॉरी!" मैंने किसी तरह कहा और अपनी अंगुलियों को घूरने लगी। आज पूरा दिन उसने मुझसे इस तरह का बर्ताव नहीं किया था। उसने मेरी चिबुक पकड़कर मुंह उठाया।

"तुम जानती हो कि मैं कितना जलनखोर हूं।" वह हौले से बोला।

"क्रिस्टियन! इसमें जलन वाली बात कहां से आ गई। तुम मेरे शरीर और आत्मा पर पूरा हक रखते हो।" उसने पलकें झपकाईं और मुझे चूमा पर इस चुंबन में पहले वाली गरमाहट नहीं थी।

"मुझे देर नहीं लगेगी। तुम आराम करो।" वह मुझे अपने बेडरूम में अकेला छोड़कर झट से निकल गया।

"इसे टेलर से जलने की क्या पड़ी है?" मैंने अविश्वास से सिर झटका।

घड़ी देखी तो पता चला कि अभी आठ ही बजे थे। मैंने कल के लिए कपड़े निकालने की सोची और अपने कमरे में जा कर अलमारी खोल ली। वह खाली थी। सारे कपड़े कहां गए? अरे नहीं! क्रिस्टियन ने मेरी बात मानते हुए सारे फेंक दिए।

मेरे भीतर बैठी सयानी लड़की हैरानी से देख रही है। मैंने फटकारा, *तू और तेरी जुबान, बड़ी आई...।*

उसने मेरी बात क्यों सुनी? मुझे मॉम की बात याद आ गई। मर्द सारी बातों का वही मतलब समझते हैं, जो साफ दिखता है। मैंने खाली जगह देखकर मुंह बनाया। उनमें कुछ सुंदर कपड़े भी थे। वह बॉल ड्रिंक्स कितनी सुंदर थी।

मैं कमरे में टहलने लगी। *ये क्या! मेरा मैक कहां गया?* हैं! सबसे पहले दिमाग में यही आया कि हो न हो लीला ने चुरा लिया होगा।

मैं झट से नीचे उसके कमरे में गई तो देखा कि मेज पर मेरा मैक, आई-पैड और बैग रखा था।

मैंने अलमारी खोली तो देखा कि सारे कपड़े क्रिस्टियन के कपड़ों के साथ जगह बनाकर रख दिए गए थे। यह कब हुआ? वह ऐसे काम करने से पहले बताता क्यों नहीं?

मैं मुड़ी तो उसे दहलीज पर खड़ा पाया।

"ओह! उन्होंने यह सब कर दिया?" उसने बेख्याली में कहा।

"क्या हुआ?" उसका मुंह बना हुआ था।

"टेलर को लगता है कि लीला इमरजेंसी सीढ़ियों से आई थी और उसके पास उनकी चाबी हो सकती है। अब सारे ताले बदल दिए गए हैं। टेलर की टीम ने एक-एक कमरा छान मारा है। वह यहां नहीं है।" उसने बालों में हाथ फिराया।

"काश मैं जान पाता कि वह कहां है। उसने हमारी सारी खोजबीन पर पानी फेर दिया है। उसे मदद की जरूरत और जाने कहां छिपती फिर रही है।" मैंने उसके गले में बांहें डाल दीं और उसने मुझे बांहों के घेरे में कस लिया।

"जब वह मिल जाएगी तो क्या करोगे?"

"डॉक्टर फिल्न के यहां जगह है।"

"उसके पति का क्या हुआ?"

"उनके बीच अब कुछ नहीं बचा। उसका परिवार कनेक्टीकुट में है। मुझे लगता है कि वह यहां अकेली ही है।"

"कितने खेद की बात है।"

“तुम्हें यहां सामान होने से दिक्कत तो नहीं? मैं चाहता हूं कि तुम मेरे कमरे में रहो।”

वाह! कैसे बात बदल दी।

“हां।”

“मैं चाहता हूं कि तुम साथ ही सोओ। तुम साथ सोती हो तो मुझे रात को डरावने सपने नहीं आते।”

“तुम्हें डरावने सपने आते हैं?”

“हां।”

मैंने उसका हाथ कसकर थाम लिया। मेरा दिल इस इंसान के लिए और भी दुखी गया।

इसके जीवन में कितना दुख है। “मैं तो कल काम पर जाने के लिए अपने कपड़े निकाल रही थी।” मैंने किसी तरह हिम्मत बटोरकर कहा।

“काम।” क्रिस्टियन ने यह सुनकर मुझे ऐसे घूरा मानो कोई गंदा शब्द सुन लिया हो।

“हां..., काम।” मैंने भी उसकी प्रतिक्रिया से उतना ही भ्रमित होते हुए कहा।

उसने चिंता से कहा, “पर लीला, वह बाहर कहीं भी मिल सकती है। मैं नहीं चाहता कि तुम काम पर जाओ।” उसने एक पल रुकने के बाद कहा।

“क्या? क्रिस्टियन ये क्या बात हुई? मुझे काम पर जाना है।”

“नहीं, तुम नहीं जाओगी।”

ये कहना क्या चाहता है।

“मेरी नई नौकरी है और बेशक मुझे पसंद भी है। मुझे तो काम पर जाना ही होगा।”

“तुम्हें क्या लगता है कि तुम सारी दुनिया जीतने निकल पड़ो और मैं यहां बैठी अंगुलियां चटकाती रहूं।”

“शायद......हां।”

ओह! फिफ्टी! फिफ्टी! फिफ्टी! ....मुझे हिम्मत दो।

“क्रिस्टियन! मुझे काम पर लौटना है।”

“नहीं, तुम्हें कहीं नहीं जाना।”

“हां, मुझे जाना है।” मैंने किसी बच्चे की तरह हौले से कहा।

उसने मुंह बनाया, “यह सुरक्षित नहीं है।”

“क्रिस्टियन! मुझे अपनी आजीविका चलाने के लिए नौकरी करनी है और मेरा कोई नुकसान नहीं होगा।”

“नहीं, तुम्हें आजीविका के लिए काम पर जाने की जरूरत नहीं है- तुम्हें कैसे पता कि तुम ठीक रहोगी?” वह लगभग चिल्ला रहा था।

वह कहना क्या चाहता था? *वह मुझे सहारा देगा?* ओह! ये तो हद हो गई। मेरी उसकी जान-पहचान अभी है ही कितनी- मुश्किल से पांच सप्ताह!

अब वह गुस्से में दिखा और आंखें आग उगलने लगीं पर मैंने परवाह नहीं की।

“क्रिस्टियन! जरा सोचो। उस दिन लीला पलंग के पास थी। अगर वह मुझे कुछ करना चाहती तो उसी समय कर सकती थी। और हां, मुझे काम तो करना ही होगा। मैं तुम्हारी दया पर नहीं पलना चाहती और मुझे अपने स्टूडेंट लोन भी तो अदा करने हैं।”

उसके चेहरे पर मायूसी की रेखाएं खिंच गईं। मैंने भी ठान लिया है कि पीछे नहीं हटूंगी।

“मैं नहीं चाहता कि तुम काम पर जाओ।”

“क्रिस्टियन! यह फैसला तुम नहीं ले सकते।”

उसने बालों में हाथ फिराया और हम दोनों एक दूसरे को घूरने लगे।

“स्वेयर तुम्हारे साथ आएगा।”

“क्रिस्टियन यह जरूरी नहीं है। तुम बेकार की बात कर रहे हो।”

“बेकार की बात? या तो वह तुम्हारे साथ जाएगा या मैं मनमर्जी करते हुए, तुम्हें यही रख लूंगा। काम पर जाने ही नहीं दूंगा।”

वह ऐसा नहीं करेगा। क्यों..., क्या वह करेगा?

“अच्छा, कैसे?”

“ओह! एनेस्टेसिया! मुझे सब तरीके आते हैं। मुझे मजबूर मत करो।”

“ओ के।” मैंने अपने हाथ खड़े कर दिए।

हम दोनों खड़े एक-दूसरे को घूर रहे हैं।

“अच्छा! अगर तुम्हें ठीक लगता है तो यही सही, स्वेयर मेरे साथ आएगा।”

मैंने अपनी आंखें नचाई और वह मेरी ओर एक कदम बढ़ आया।

मैंने कदम पीछे हटाया तो वह और आगे आ गया। उसने मेरा हाथ थाम लिया। मैं जान गई कि उसका मूड बदल गया था।

"क्या मैं तुम्हें घुमा लाऊं।" उसने कहा।

मैं तो सुनकर ही चकरा गई कि वह कहां जाने के लिए कह रहा था। वह हाथ थामकर बोला, "मैं तुम्हें डराना नहीं चाहता था।"

"तुम डराने की बात करते हो। मेरा तो दिल कर रहा था कि यहां से भाग जाऊं।"

"भागने का मन हो रहा था?" क्रिस्टियन की आंखें फैल गईं।

"मज़ाक कर रही हूं बाबा!"

वह मुझे अलमारी के पास ले गया और मुझे अपने-आप को शांत करने में समय लगा। अब भी नसों में उबाल आ रहा है। इससे लड़ना कोई आसान काम नहीं है। उसने मुझे अपार्टमेंट में घुमाते हुए सारे कमरे दिखाए। उसके प्लेरूम और तीन सोने के कमरों के अलावा टेलर और मिसेज जोंस को भी पूरे अलग विंग मिले हुए थे, जिसमें उनके लिए रसोई, लिविंग एरिया और एक-एक सोने का कमरा था। मिसेज जोंस पोर्टलैंड में रहने वाली बहन के यहां से लौटी नहीं थीं।

नीचे उसकी स्टडी के पास ही एक टीवी रूम दिखा जिसमें एक बड़े से प्लाज़्मा स्क्रीन के अलावा कई गेमिंग कंसोल भी थे। वह अचानक ही अच्छे मूड में दिखा।

"तो तुम्हारे पाए एक्स-बॉक्स भी है।"

"हां, पर मैं इसमें बिल्कुल फिसड्डी हूं। इलियट हमेशा मुझे हरा देता है। जब तुमने मेरे इस कमरे को प्लेरूम समझा था तो मुझे बड़ी हंसी आई थी।"

"मुझे खुशी हुई कि आपको मेरी वजह से हंसने का मौका मिला। मि. ग्रे।" मैंने अकड़ से कहा।

"हां, मिस स्टील। जब आप खिझाने वाले मूड में नहीं होतीं तो अक्सर ऐसा होता है।"

"जब कोई नाजायज तरीके से हावी होता हो तो मैं खिझाने वाले मूड में आ जाती हूं।" मैंने कहा

"मैं और नाजायज बात करने वाला?"

"जी हां, मि. ग्रे, मेरा तो दिल करता है कि ये शब्द आपके नाम से जोड़ दूं।"

"हां, मिस स्टील! इसके बारे में तो विचार करना होगा।"

"वैसे मुझे लगा था कि ट्रेवलियन तुम्हारा मिडिल नाम था?"

"नहीं, मेरा सरनेम है।"

"पर तुम इस्तेमाल नहीं करते।"

“बहुत लंबा है!”

“आओ।” उसने कहा और फिर हम एक वाइन सेलर से होते हुए टेलर के ऑफिस में पहुंच गए। काफी बढ़िया जगह थी और एक मेज के आसपास छह कुर्सियां लगाई गई थीं वहीं मुझे सीसीटीवी के सारे इंतज़ाम दिखे। मुझे नहीं पता था कि अपार्टमेंट में इसकी व्यवस्था भी है।

“हाय टेलर! मैं एना को ये दिखाने लाया था।”

टेलर ने मुझे विनम्र मुस्कान दी और खड़ा हो गया।

क्रिस्टियन मेरा हाथ थामकर लाइब्रेरी की ओर ले आया।

“यहां तो तुम आ ही चुकी हो।”

मैंने बड़ा-सा हरा बिलियर्ड मेज देखकर पूछा, “खेलें क्या?”

क्रिस्टियन हैरानी से मुस्कुराया।

“हां, पर क्या पहले कभी खेला है?”

“दो-तीन बार।” मैंने असली बात दबा दी।

“एना ! झूठ तुम्हारे बस का नहीं है। या तो तुम कभी नहीं खेली या...”

एक छोटे से मुकाबले से डर गए। मैंने अपने होंठों पर जीभ फिराया।

“मैं और पिद्दी सी छोकरी से डर गया?”

“कभी नहीं!”

“मि. ग्रे! लगी शर्त?”

“हां-हां, मिस स्टील! इतना भरोसा है? क्या शर्त लगी?”

“अगर मैं जीती तो तुम मुझे प्लेरूम में वापिस ले जाना।” वह तो सुनकर ही गश खा गया।

जब अपने को संभाल लिया तो बोला, “अगर मैं जीता तो?”

“तो जो तुम्हारा दिल करे, वही करना।”

“अच्छा डील!”

वह दबी हंसी के साथ बोला, “क्या खेलोगी? पूल, इंग्लिश स्नूकर या कैरम बिलियर्ड?”

“पूल प्लीज़! मैं तो बाकी खेल जानती ही नहीं।”

उसने एक बड़ा-सा चमड़े का डिब्बा निकाला। जिसमें सारी गेंदे मखमल पर सजी थीं उसने झट से बॉल सजा दी। मुझे तो याद नहीं कि मैंने कभी इतने बड़े मेज पर कभी खेला होगा। उसने मेरे हाथ में क्यू और चॉक पकड़ा दिया।

"क्या तुम ब्रेक करना चाहोगी?" उसने विनम्रता से पूछा। वह खेल का मज़ा ले रहा है। उसे लगता है कि जीत तो उसकी ही होगी।

मैंने अपना अपने क्यू के छोर पर लगे फालतू चॉक को फूंक से उड़ाकर कनखियों से क्रिस्टियन को देखा। उसकी आंखों में एक नया ही रंग उतर रहा है।

मैंने सफेद बॉल पर निशाना साधा और एक ही झटके में धारीदार गेंद को दाएं गोले में गिरा कर बाकी गेंदें बिखेर दीं।

"मैं धारीदार गेंदें चुनती हूं।" मैंने हल्के संकोच के साथ कहा और क्रिस्टियन के चेहरे पर हंसी खेल गई।

"अच्छा जी! जो हुक्म"

मैंने एक के बाद एक तीन गेंदें पॉकेट में डाल दीं। मन ही मन जोंस को धन्यवाद दे रही हूं कि उसने मुझे इतनी अच्छी तरह से खेलना सिखाया। क्रिस्टियन हैरानी से मेरा खेल देख रहा है और अब उसके चेहरे पर हंसी नहीं रही। मैं हरी गेंद पर आकर चूक गई।

"एनेस्टेसिया! एक बात कहूं। मैं तो तुम्हें सारी रात इसी तरह खेलते देख सकता हूं। बिलियर्ड टेबल पर झुककर शॉट लगाती एनेस्टेसिया!"

मैं शरमा गई। शुक्र है कि मैंने जींस पहनी हुई है। कमीना कहीं का, वह खेल से मेरा ध्यान हटाना चाहता है। उसने अपना स्वेटर उतार कर कुर्सी पर रख दिया और पहला शॉट लगाने को तैयार हो गया।

वह मेज पर झुका तो मेरा मुंह ही सूख गया। अब समझ आया कि उसका मतलब क्या था! वह सफेद टी-शर्ट और टाइट जींस के साथ मेज पर झुका है......मेरी तो धड़कन ही थम गई। मेरी सोच का दायरा भटक सा गया उसने चार सादी गेंदें निकालने के बाद फाउल कर दिया।

"मि. ग्रे! यह कैसी गलती की?" मैंने पूछा।

"ओह! मिस स्टील! मैं तो एक मूर्ख प्राणी हूं। आपकी बारी।"

"तुम हारने की कोशिश तो नहीं कर रहे?"

"अरे नहीं। मेरे दिमाग में जो स्कीम है उसके लिए मेरा जीतना जरूरी है और वैसे भी मुझे हमेशा से ही जीतने की आदत रही है।"

मैंने आंखें सिकोड़ीं। आज मैं हल्के नीले ब्लॉउज में थी जिसका गला निचली काट का है। मैंने मेज पर झुककर ऐसा दिखावा किया मानो मुझे अपने दिखते उभारों की परवाह ही न हो। ओह! इस खेल का भी अपना ही मजा है।

"मुझे पता है तुम क्या कर रही हो।" वह मेरे कान के पास आकर बोला।

मैंने अपनी गर्दन झटकी और अपने क्यू पर हौले से हाथ फिराया।

"मैं तो सोच रही थी कि अगला शॉट कहां से लूं।" मैंने हौले से कहा

मैंने झुककर संतरे रंग की गेंद को निशाना बनाया और फिर अगले निशाने के लिए मेज पर पूरी तरह से झुक गई। क्रिस्टियन ने गहरी सांस ली और मैं निशाना चूक गई।

वह मेरे पास आया और मेरी कमर के निचले हिस्से पर अपने हाथ रख दिए।

"मिस स्टील! आप मुझे लुभाने के लिए ये कमर मटका रही हैं?" उसने एक धौल भी जमा दिया।"

"हां। क्योंकि यही सच है। "

"बेबी! जरा सोचकर ऐसी इच्छा जताना।"

मैंने अपना पिछला हिस्सा मला और मेज के दूसरे कोने पर आ गई। उसने लाल गेंद को निशाना बनाकर कमाल दिखाया पर पीली गेंद पर चूक गई और मैंने दांत निपोर दिए।

"रैड रूम! हम आने वाले हैं।" मैं चिल्लाई।

उसने त्यौरी चढ़ाई और खेलने का इशारा किया। मैंने हरी गेंद निकाली और आखिर में संतरी गेंद ही रह गई है।

क्रिस्टियन बोला, "अपनी पॉकेट का नाम बताओ।" ऐसा लगा मानो वह किसी और शरारत के बारे में पूछ रहा हो।

"बाईं ओर, ऊपर वाली।" मैंने काली पर निशाना साधा पर चूक गई। ओह! हो गया कचरा।

क्रिस्टियन दुष्टता से मुस्कुराया और मेज पर झुक अपनी दो बची गेंदों को निबटाने लगा। मैं उसके गठे बदन को मेज पर झुके हुए देख रही हूं। उसने खड़े हो कर क्यू पर चॉक रगड़ा और मुझे गहरी वासना भरी नजरों से घूरने लगा।

"अगर मैं जीता...।"

ओह हां?

"मैं इसी मेज पर पहले तुम्हारे पीछे धौल जमाऊंगा और फिर बिलियर्ड मेज पर ही शारीरिक संबंध बनाऊंगा।"

ओह! मेरी नाभि के आसपास की हर मांसपेशी खिंचती चली गई।

"सबसे ऊपर वाली!" उसने काली की ओर संकेत किया और शॉट लगाने के लिए झुक गया।

अध्याय 11

क्रिस्टियन ने बड़े ही प्यार से सफेद बॉल पर निशाना लगाया जिसने एक अदा से, काली गेंद को चूमा और वह बिलियर्ड टेबल के पॉकेट में जा गिरी।

हद हो गई!

वह उठा और चेहरे पर विजयी मुस्कान खेल गई। उसने क्यू नीचे रखा और मेरी ओर आया। वह बिखरे बालों, जींस और सफेद टी-शर्ट में कोई सीईओ लगने की बजाए बिगड़ैल छोकरा दिख रहा है। हाय! ये इतना सेक्सी क्यों है।

“बेशक तुम हारोगी और तुम्हारे पिछवाड़े पर मार के निशान होंगे। तुम्हें क्या लगता है?” वह अपनी मुस्कान रोक नहीं पा रहा।

“हां, वह तो इस बात पर निर्भर करता है कि तुम मुझे कितने धौल जमाओगे।” मैंने अपनी छड़ी के सहारे खड़े होते हुए कहा। उसने मेरी शर्ट में एक अंगुली फंसाई और मुझे अपने पास खींच लिया।

“ खैर! मिस स्टील, आपकी बदतमीजियां गिना देता हूं। तुमने मुझे मेरे ही स्टाफ से जलन पैदा करने की वजह दी, काम के मामले में मुझसे बहस की और तीसरे तुम पिछले बीस मिनट से मेरे सामने जान-जान कर कमर मटका रही हो।”

उसने अपनी नाक से मेरी नाक रगड़ी।

“मैं चाहता हूं कि तुम इसी वक्त इस शर्ट और जींस से बाहर आ जाओ।” उसने मेरे होठों पर मीठा-सा चुंबन जड़ दिया और खुद जाकर दरवाजा बंद कर आया

जब वह मुड़ा तो उसकी आंखों में वासना की हिलोरें उठ रही थीं। मैं जैसे वहीं जम सी गई, दिल तेजी से धड़कने लगा और नसों में लहू उबाले मार रहा था, मैं अपने हाथ-पांव तक नहीं हिला पा रही।

यह सब इसके लिए है....यह सब इसके लिए है...... मैं एक मंत्र की तरह रटती जा रही हूं।

“कपड़े एना- तुमने अभी तक पहन रखे हैं। तुम उतारोगी या मुझे उतारने होंगे?”

“तुम उतारो।” मैंने हौले से कहा।

अचानक ही मैं उत्तेजित हो उठी। क्रिस्टियन तो अपनी एक नज़र और फुट्टे की झलक से ही मुझे दीवाना बनाने की ताकत रखता है। उसने उसे जींस में रखा और एक भी शब्द कहे बिना मेरे आगे घुटनों के बल बैठ गया। उसने मेरे जूते और जुराबें उतार दिए। मैं मेज का सहारा ले कर झुकी रही। मैं उस इंसान के लिए अपने मन की भावनाओं को तौलते हुए मुग्ध हो उठी। इसके लिए तो मैं कुछ भी कर सकती हूं।

"एना! आज तुम्हारे साथ थोड़ा रूखाई से पेश आने वाला हूं। अगर तुम्हें लगे कि बात हद से ज्यादा बाहर जा रही है तो तुम्हें मुझे बताना होगा।" उसने सांस ली।

ओह... उसने मुझे उस जगह...चूम लिया।

"सुरक्षित शब्द।" मैं हौले से बोली

"नहीं, कोई सेफवर्ड नहीं होगा। तुम जब रुकने को कहोगी, मैं तभी रुक जाऊंगा। बोलो?"

"हां, मैं तुम्हारी बात समझ गई।"

"एना! तुम सुबह से ही मुझे मिले-जुले संकेत देती आ रही हो। तुमने कहा कि कहीं मैं अपना हुनर न भूल जाऊं और मैं कह नहीं सकता कि तुमने यह सब किस भाव से कहा पर हम वही सब करने जा रहे हैं। मैं प्लेरूम में नहीं जाना चाहता इसलिए हम यहीं इसे करेंगे पर अगर तुम इसे पसंद न करो तो वादा करो कि उसी समय बता दोगी।" उसके जवाब से मेरे भीतर भी कोई आग सी सुलग उठी।

वाह! क्रिस्टियन तुम निश्चिंत रहो। "मुझे अगर सही नहीं लगा तो मैं उसी वक्त बोल दूंगी। हमें कोई सेफवर्ड नहीं चाहिए।"

"हां, एनेस्टेसिया! हम प्रेमी हैं और प्रेमियों को इन चीज़ों की जरूरत नहीं होती। वे एक-दूसरे के मन को समझते हैं।"

मैं अभी कहां समझती हूं पर मैंने हामी भरी।

वह मुझे प्यार करता है और यह जानने के बाद मैं उसके लिए खुशी से कुछ भी करने को तैयार हूं। मेरे लिए ये बड़ी बात नहीं और मैं इस बारे में ज्यादा माथापच्ची भी नहीं करना चाहती।

उसके चेहरे पर भीनी सी मुस्कान खेल गई और वह मेरी शर्ट के बटन खोलने लगा। हालांकि उसने उसे उतारा नहीं और फिर क्यू उठा लिया।

ओह अब ये क्या करने जा रहा है। मेरे शरीर में डर की लहर सी दौड़ गई।

"मानना पड़ेगा मिस स्टील! आप गजब खेलती हैं। मैं तो हैरान ही रह गया। आप उस काली गेंद को क्यों नहीं लेतीं।" मैं समझ गई कि ये सेक्सी कमीना चाहता क्या है। अन्दर बैठी

लड़की ने दो कलाबाजियां खाईं और हंसते-हंसते बेदम हो गई।

मैंने सफेद गेंद की पोजीशन ली। जैसे ही मैं शॉट लेने झुकी तो वह मेरे पीछे आ गया। उसने मेरी पीठ पर अपना हाथ रखा और शरीर के अंगों को हौले से सहलाने और थपथपाने लगा।

"अगर तुम ऐसा करोगे तो मैं निशाना चूक जाउंगी।" मैंने आंखें बंद कीं और उसकी छुअन का एहसास लेते हुए कहा।

"मुझे तुम्हारे हिट या मिस की परवाह नहीं है बेबी! मैं तो बस तुम्हें इन आधे-अधूरे कपड़ों के साथ मेरे बिलियर्ड मेज पर झुके देखना चाहता था। क्या तुम्हें पता भी है कि तुम इस समय कितनी हॉट दिख रही हो?"

मैं शरमा गई और अन्दर बैठी लड़की दांतों में गुलाब के फूल की टहनी दबाए नृत्य कर रही है। मैंने एक गहरी सांस ली और सब भुला कर एक शॉट लगाया। ये तो मुश्किल है। वह लगातार मेरे नितंबों को सहला रहा है।

"ऊपर वाली बाईं पॉकेट!" मैंने हौले से कहा और सफेद गेंद पर निशाना लगाया। उसने अचानक ही मुझे पिछले हिस्से पर चुटकी काट दी।

यह इतना अचानक हुआ कि मेरे मुंह से चीख निकली और मेरी काली गेंद मेज से नीचे जा गिरी।

"ओह! तुम फिर से कोशिश कर सकती हो। एनेस्टेसिया! खेल पर पूरा ध्यान दो।"

मैं इस खेल से उत्तेजित हो कर हांफ रही हूं। वह मेज के कोने पर आया और काली गेंद उठा ली। उसे जगह पर रखा और सफेद गेंद मेरी ओर लुढ़का दी। मैं उसकी गहरी चाह से भरी मुस्कान को देखे जा रही हूं। क्या इसे देख-देखकर कभी मेरा दिल भरेगा? शायद नहीं! मैंने गेंद को सही जगह पर रखा।

"ओह! जरा ठहरो।" वह मेरे पास आया और पीछे खड़ा हो गया। जैसे ही उसने मेरे पिछले हिस्से को छुआ मैंने अपनी आंखें बंद कर लीं।

"निशाना लगाओ।" वह बोला।

उसने पीछे से अपने शरीर का भार मुझ पर डाला तो मैं आह भरे बिना नहीं रह पाई। मैंने ये सोचने की कोशिश की कि गेंद को कहां से निशाना लगाऊं। मेरे निशाना लगाते ही उसने अपनी हरकत फिर से दोहराई और निशाना चूक गया।

ओह बेबी! तुम फिर से कोशिश क्यों नहीं करतीं?"

एक बार फिर से सारी तैयारी की गई।

"तुम कर सकती हो।" उसने फुसलाया।

ओह- ऐसे हालात में तो बिलकुल भी नहीं। मैंने अपने को उसकी ओर धकेला और उसने मुझे फिर से एक चुटकी भरी।

"मिस स्टील! बड़ी बेचैनी हो रही है।"

हां, मैं तुम्हारे पास आना चाहती हूं।

"खैर चलो इन्हें भी उतारो।" उसने जल्दी से मुझे निर्वस्त्र कर दिया।

मुझे पता था कि अब तो निशाना लगने का सवाल ही नहीं पैदा होता और वही हुआ। मैं इस बार भी चूकी और उसने मुझे पेट के बल मेज पर ही लिटा दिया। फिर मेरे हाथ से छड़ी ले कर कोने में रख दी और बोला

"अपने हाथ ऊपर कर लो। तुम हार गईं।" मैंने वही किया, जो उसने कहा था।

उसने मुझे लिटाकर एक हाथ कमर पर रखा और दूसरे हाथ से नितंबों पर रूलर लहरा दिया। दर्द इतना तीखा नहीं था। क्रिस्टियन तेज़ और गहरी सांसें भर रहा है। उसने मुझे बार-बार मारा और मैं कराहती रही। पता नहीं कि उसने ऐसा कितनी बार किया होगा पर मैं ये सब सह सकती हूं। उसे यह सब करने दे सकती हूं क्योंकि मैं जानती हूं कि इससे हम दोनों कितने उत्तेजित हो रहे हैं। बेशक मैं उसके प्लेरूम में भी एक बार यही सब अनुभव कर चुकी हूं।

अचानक ही मेरे मुंह से स्टॉप निकला और क्रिस्टियन ने रूलर फेंककर मुझे छोड़ दिया।

"बहुत हुआ?"

"हां"

"अब मैं चाहता हूं तुम्हारे भीतर समा जाऊं।" मैं जानती हूं, उसने पहले ही बता दिया था कि आज वह मुझसे कड़ाई से पेश आने वाला है। बेशक उसके अजीब से बर्ताव का एक अंग है पर वह ऐसा ही है। वह धीरे से मेरे पास आया और हम दोनों अपनी जानी-पहचानी दुनिया की आनंददायक सागर में खो गए। जब दोनों एक साथ, उस दुनिया से बाहर आए तो दोनों ही फर्श पर लेट गए और उसने मुझे बांहों में भर लिया

"थैंक्स बेबी!" उसने मेरे मुंह पर मीठे चुंबनों की बौछार कर दी। मैंने आंखें खोल कर उसे देखा और उसे अपनी बांहों में कैद कर लिया।

"तुम्हारे गाल लाल हो गए हैं। कैसा रहा?"

"बहुत अच्छा क्रिस्टियन! मुझे तो तुम्हारे साथ हर तरह से, सब कुछ अच्छा लगता है। भले ही वह नरमी से हो या कड़ाई से...।"

उसने आंखें बंद कीं और मुझे कस कर गले से लगा लिया।

ओह! मैं तो थकान से अधमरी हुई पड़ी हूं।

"एना! तुम कभी किसी मौके पर पीछे नहीं हटतीं। तुम बहुत ही सुंदर, प्यारी, होनहार, मजेदार, चुनौतीपूर्ण, बहादुर और बिंदास हो। शुक्र है कि उस दिन इंटरव्यू के लिए कैथरीन की बजाए तुम आईं।" उसने मेरे बाल चूम लिए। मैंने उसकी छाती के पास मुंह ले जाकर जंभाई ली तो वह बोला, "तुम थक गई हो। चलो नहा कर सोने चलें।"

हम दोनों एक दूसरे की ओर मुंह किए, क्रिस्टियन के बाथ में, झाग में डूबे बैठे हैं और हमारे आसपास जैस्मीन की भीनी गंध छाई हुई है। क्रिस्टियन एक-एक कर मेरे पांवों की मालिश कर रहा है। ये सब इतना अच्छा लग रहा है। मैंने अपने आप से पूछा यह सब जायज नहीं हो सकता।

"क्या मैं कुछ पूछ सकती हूं।" मैंने हौले से कहा।

"बेशक एना! तुम जानती हो। तुम कुछ भी पूछ सकती हो।"

मैंने गहरी सांस ली और थोड़ा संभलकर बैठ गई।

"कल- जब मैं काम पर जाउंगी तो क्या हो सकता है कि स्वेयर मुझे केवल गेट तक छोड़े और वापसी पर ऑफिस के गेट से ही ले? प्लीज़ क्रिस्टियन प्लीज़!"

उसके हाथ थम गए और भवें सिकुड़ गईं। "मैंने सोचा था कि बात पहले तय हो गई थी।"

"प्लीज़ मैंने विनती की"

"लंच में क्या होगा?"

"मैं घर से ही कुछ बनाकर रख लूंगी ताकि मुझे बाहर न जाना पड़े।"

उसने मेरे पांव चूम लिए। "तुम्हें इंकार करना बड़ा मुश्किल है। तुम बाहर नहीं जाओगी?"

"पक्का! मैं बाहर नहीं जाऊंगी।"

"ठीक है।"

"धन्यवाद! मैं दमकी।"

"मिस स्टील! आपका स्वागत है। वैसे पिछवाड़े का क्या हाल है?"

"सूजन है पर इतनी बुरी भी नहीं। पानी से आराम आ रहा है।"

"मुझे खुशी है कि तुमने मुझे रुकने को कहा।" उसने मुझे ताकते हुए कहा।

"हां, पिछला हिस्सा भी इस बात से खुश है।"

वह हंसने लगा।

मैंने बिस्तर में अंगड़ाई ली। बहुत थक गई हूं। अभी रात के साढ़े दस बजे हैं और लगता है कि रात के तीन बजे हैं। यह मेरी जिंदगी के सबसे थका देने वाले सप्ताहांतों में से एक था।

"क्या मिस एक्टन ने कोई नाइटवियर नहीं दिया?" क्रिस्टियन ने मुझे घूरते हुए पूछा।

"पता नहीं। मुझे तुम्हारे टी-शर्ट पहनना पसंद है।" मैंने उनींदी थी।

उसका चेहरा मुलायम हो आया और उसने मेरा माथा चूम लिया।

"मुझे काम करना है पर तुम्हें अकेला भी नहीं छोड़ना चाहता। क्या मैं तुम्हारे लैपटॉप पर ऑफिस में लॉग इन कर सकता हूं? अगर मैं यहां काम करूं तो तुम्हें परेशानी तो नहीं होगी?"

"नहीं, कोई परेशानी नहीं होगी।"

"नहीं!"

अचानक ही अलार्म की आवाज़ से आंख खुली। क्रिस्टियन मेरे पास ही सो रहा है। मैंने आंखें मल कर टाइम देखा। घड़ी में साढ़े छह बजे हैं।

बाहर बारिश हो रही है और रोशनी हल्की व धुंधली दिख रही है। मैं क्रिस्टियन के साथ आराम से बिस्तर में हल्की गुनगुनाहट के बीच लेटी हूं। मैंने अंगड़ाई ली और अपने साथ लेटे उस प्यारे से इंसान की ओर मुंह घुमा लिया। उसकी आंखें अचानक खुल गईं और उसने नींद में पलकें झपकाईं।

"गुडमोर्निंग।" मैं मुस्कुराई और झुककर उसे चूम लिया।

"गुडमोर्निंग बेबी! अक्सर तो मैं अलार्म बजने से पहले ही उठ जाता हूं।" वह हैरानी से बोला।

"ये जल्दी का लगा हुआ था।"

"हां मिस स्टील! मुझे जल्दी उठना था।" वह झट से उठ बैठा और मैंने करवट बदल ली क्रिस्टियन के साथ सुबह अलार्म के साथ उठने का भी अपना ही मज़ा है। यह सब कैसे हो गया? मुझे अचानक ही झपकी आ गई।

"आओ! चलो जल्दी करो। नींद की शहजादी!" क्रिस्टियन मुझ पर झुका है। उसके चेहरे से ताजी शेव की गंध आ रही है। सफेद कमीज और काले सूट पर टाई नहीं पहनी।

सीईओ लौट आया है।

"क्या?" उसने पूछा।

"काश तुम भी पलंग में आ जाते।"

वह मेरी बात सुनकर हैरान रह गया और शरमाते हुए मुस्कुराया।

“मिस स्टील! आप तो कभी नहीं अघातीं। पर क्या करूं, साढ़े आठ बजे मीटिंग है। मुझे तो निकलना ही होगा।”

“ओह! मैं एक घंटे से सो रही थी। मैं भी पलंग से उछलकर उतरी और क्रिस्टियन दंग रह गया।

मैंने नहा कर झट से वे कपड़े पहने जो कल ही निकालकर रख लिए थे। एक पूरी तरह से फिट ग्रे पेंसिल स्कर्ट, हल्की ग्रे सिल्क शर्ट तथा काले रंग के पंप जूते! ये सब मेरी नई अलमारी की देन है। मैंने बालों में ब्रश फेरा और उन्हें बांध लिया। मैं बड़े कमरे की ओर चल दी। समझ नहीं आ रहा कि आज काम संभालूंगी कैसे?

क्रिस्टियन नाश्ते की मेज के पास बैठा कॉफी पी रहा है। मिसेज जोंस रसोई में पैनकेक और बेकन बना रही हैं।

“एना! तुम प्यारी लग रही हो।” क्रिस्टियन ने मुझे एक बांह से घेरा और हौले से बोलते हुए चूम लिया मैंने कनखियों से मिसेज जोंस को मुस्कुराते देख लिया था। मैं शरमा गई।

“गुडमोर्निंग मिस स्टील!” उन्होंने मेरे आगे पैनकेक और बेकन रखते हुए कहा।

“ओह थैंक्स! गुडमोर्निंग।” मैं हौले से यही कह सकी।

“मि. ग्रे ने कहा कि आप लंच ले जाना चाहती हैं। क्या खाना चाहेगी?”

मैंने कनखियों से क्रिस्टियन को देखा जो किसी तरह अपनी मुस्कान रोकने की कोशिश में है। मैंने उसे देखकर आंखें सिकोड़ीं।

“कोई सैंडविच... सलाद। कुछ भी चलेगा।” मैंने कहा।

“मैम! मैं झट से कुछ पैक कर देती हूं।”

“प्लीज़ मिसेज जोंस! मुझे एना कहें।”

“एना!” उन्होंने मुस्कुराकर मुझे चाय थमा दी।

वाह... ये ठीक है।

मैंने मुड़कर क्रिस्टियन को चुनौती दी- “अब मुझ पर मिसेज जोंस के साथ अलर्ट करने का इल्ज़ाम लगाओ।”

“बेबी! मैं चलता हूं। टेलर आकर तुम्हें स्वेयर के साथ छोड़ आएगा।”

“दरवाजे तक।”

“हां, दरवाजे तक।”

मैंने झांका तो टेलर को बाहर खड़े पाया। क्रिस्टियन ने मेरी चिबुक थामकर चूम लिया।

"मिलते हैं फिर!"

"डियर! हैव ए गुड डे इन ऑफिस!" मैंने पीछे से कहा। वह मुड़ा और मीठी-सी मुस्कान देकर चल दिया। मिसेज जोंस के साथ मैं खुद को अकेले में पाकर अटपटा महसूस करने लगी। "क्रिस्टियन के लिए कब से काम कर रही हैं?" मैंने बात शुरू करने के लिहाज़ से कहा।

"चार साल हो गए।" उन्होंने लंच पैक करते हुए खुशी-खुशी कहा।

"ये मैं कर सकती हूं।" मैंने अपने काम को उनके हाथों होते देखकर कहा।

"एना! आप नाश्ता करो। ये मेरा काम है। वैसे भी यहां मि. ग्रे और टेलर के लिए काम करने के अलावा किसी तीसरे के लिए कुछ करने का मौका ही कब मिलता है।" वह प्यार से मुस्कुराईं।

मेरे गाल लाल हो गए और दिल में आया कि उन पर सवालों की बौछार कर दूं। वे फिफ्टी के बारे में बहुत कुछ जानती होंगी। अपनेपन और प्यार के बावजूद वह काफी प्रोफेशनल किस्म की लगती हैं। अगर वे न बता पाईं तो बेशक हम दोनों को ही शर्मिंदगी का सामना करना होगा। मैंने उसी चुप्पी के बीच अपना नाश्ता निबटाया और खाने के बारे में आम बातचीत ही हुई।

पच्चीस मिनट बाद स्वेयर दाखिल हुआ। मैंने ब्रश कर लिया है जाने के इंतज़ार में हूं। मैंने अपना लंच हाथ में ले लिया। याद नहीं आता कि कभी मॉम ने भी ऐसे लंच दिया होगा- मैं स्वेयर के साथ अपार्टमेंट से निकल पड़ी। ऑडी में टेलर इंतज़ार कर रहा है और मैं स्वेयर के दरवाजा खोलते ही पिछली सीट पर जा बैठी।

"गुडमोर्निंग टेलर!" मैंने कहा।

"मिस स्टील!"

"टेलर! कल के लिए सॉरी। उम्मीद करती हूं कि मैंने तुम्हारे लिए परेशानी खड़ी नहीं की होगी।"

टेलर ने अपनी भवें सिकोड़ी और मुस्कुरा दी। फिर वह बोला।

"मिस स्टील! मैं कभी मुश्किल में नहीं पड़ता।"

"शायद क्रिस्टियन ने इसे न कहा हो। बस मुझसे कहा हो।" ओह मन में खटास सी आ गई।

"टेलर, सुनकर खुशी हुई।" मैं मुस्कुराई।

मैं अपने डेस्क की ओर बढ़ी तो जैक दिख गया।

"हैलो एना? वीकएंड अच्छा रहा?"

"हां, थैंक्स और आपका?"

"अच्छा था। मेरे पास तुम्हारे लिए काम है।"

मैंने सिर हिलाया और अपने कंप्यूटर पर जा बैठी। लगता है कि काम किए सालों बीत गए। मैंने कंप्यूटर चलाकर, ई-मेल खोल लिया और बेशक वहां क्रिस्टियन का मेल इंतज़ार में था।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: बॉस
डेट: जून 13 2011 08:24
टू: एनेस्टेसिया स्टील
गुडमार्निंग, मिस स्टील।
मैं सारे नाटक के बावजूद इस अद्भुत सप्ताहांत के लिए धन्यवाद देना चाहता था।
उम्मीद करता हूं कि तुम कभी छोड़कर नहीं जाओगी।
मैं तुम्हें याद दिलाना चाहता था कि एसआईपी वाली खबर अभी लोगों से छिपाई गई है इसलिए इस ई-मेल को पढ़ते ही मिटा देना।
तुम्हारा
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक और तुम्हारे बॉस के बॉस का भी बॉस

ओह समझ नहीं आता कि इसके मन में इतनी असुरक्षा का भाव क्यों है। मैंने यही सोचते हुए झट से डिलीट बटन दबा दिया।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: तानाशाही रवैया!
डेट: 13 जून 2011 09:03
टू: क्रिस्टियन ग्रे
डियर मि. ग्रे,
आप मुझसे किस बारे में बात करना चाह रहे हैं। क्या आप साथ रहने के लिए कह रहे हैं? हां, मुझे याद है कि यह बात अभी किसी को नहीं बतानी है। क्या मैं आपके डैड को

कोपिंग टुगेदर वाला चेक भेज दूं? इस ई-मेल को मिटाना मत और मुझे जवाब देना।
एनेस्टेसिया स्टील
एसआईपी संपादक, जैक हाइड की सहायिका।

"एना!" जैक की आवाज़ सुनते ही मैं एकदम उछल पड़ी।

"हां।" जैक ने मुझे देखकर त्यौरी चढ़ाई।

"सब ठीक है?"

"जी।" मैंने अपनी नोटबुक ली और उसके ऑफिस की ओर चल दी।

"गुड। जैसा कि तुम्हें याद होगा कि मैं वीरवार को न्यूयार्क में हो रहे फिक्शन सिंपोजियम में भाग लेने जा रहा हूं। मेरा टिकट और आरक्षण हो चुका है पर मैं चाहूंगा कि तुम भी साथ चलो।"

"न्यूयार्क?"

"हां, हम बुधवार जाकर वहीं रहेंगे और तुम्हारे लिए भी यह अच्छा अनुभव रहेगा।" यह कहते हुए उसके चेहरे के भाव गहरा गए पर भीनी सी मुस्कान बनी रही। "क्या तुम सारे जरूरी इंतजाम कर लोगी। उसी होटल में एक और कमरा बुक कर दो, जहां मैं ठहरने वाला हूं। शायद मेरी पुरानी पी ए सबरीना ने सारी जानकारी कहीं रखी होगी।"

"अच्छा।" मैंने उसे देखकर मुस्कराई।

हो गया कचरा! मैं अपने डेस्क पर वापिस आ गई। फिफ्टी इसे बर्दाश्त नहीं करने वाला पर हकीकत यह है कि मैं भी जाना चाहती हूं यह एक अच्छा मौका है और मुझे पक्का यकीन है कि जैक ने बदनीयती दिखाई तो उसे परे रखना मुझे आता है। वहां मुझे ई-मेल का जवाब पढ़ने को मिला।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: तानाशाही रवैया?
डेट: जून 13 2011 09:07
टू: एनेस्टेसिया स्टील
हां, प्लीज।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक।

वह मुझे अपने साथ फिर से चाहता है। अभी तो मैं पिछली घटनाओं को ही पूरी तरह से हजम नहीं कर सकी। मुझे एक पल के लिए भी अकेले बैठकर उन पर विचार करने का समय नहीं मिला।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: डॉक्टर फिल्न से मिलना होगा
डेट: 13 जून 2011 09:20
टू: क्रिस्टियन ग्रे
डियर मि. ग्रे,
दौड़ने से पहले चलने वाले वादे का क्या हुआ?
क्या हम आज रात बात कर सकते हैं, प्लीज़।
मुझे वीरवार को न्यूयार्क में हो रही कांफ्रेंस में जाने के लिए कहा गया है। जहां मुझे एक रात रहना होगा।
बस सोचा कि तुम्हें बता दूं।
एनेस्टेसिया स्टील
एसआईपी संपादक, जैक हाइड की सहायिका

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: क्या?
डेट: जून 13 2011 09:21
टू: एनेस्टेसिया स्टील
हां, शाम को बात करते हैं।
क्या तुम अकेली जा रही हो?
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जैक्ट: सोमवार सुबह चीख-चिल्लाहट न करें
डेट: 13 जून 2011 09:30
टू: क्रिस्टियन ग्रे
क्या हम आज शाम को बात कर सकते हैं?

एनेस्टेसिया स्टील
एसआईपी संपादक, जैक हाइड की सहायिका

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: तुमने अभी चीख-चिल्लाहट देखी कहां है?
डेट: जून 13 2011 09:35

टू: एनेस्टेसिया स्टील
मुझे बताओ।
अगर तुम्हें अपने बॉस के साथ जाना है तो मेरी तरफ से इंकार है। तुम्हें मेरी लाश होकर जाना होगा।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइज़िस होल्डिंग्स, इंक

मेरा दिल डूब गया। हे भगवान- ये इंसान तो मेरे डैड जैसा है!

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: नहीं, तुमने अभी चीख-चिल्लाहट देखी कहां है?
डेट: 13 जून 2011 09:46
टू: क्रिस्टियन ग्रे

हां, जैक के साथ ही जाना है।
मैं जाना चाहती हूं। मुझे बहुत कुछ सीखने का मौका मिलेगा।
तुम बीच में पंगा मत डालो।
एनेस्टेसिया स्टील
एसआईपी संपादक, जैक हाइड की सहायिका

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जैक्ट: नहीं, तुमने अभी चीख-चिल्लाहट देखी कहां है?
डेट: जून 13 2011 09:50

टू: एनेस्टेसिया स्टील,
एनेस्टेसिया
मैं कोई पंगा नहीं डाल रहा।
मेरा जवाब है 'नहीं'
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

नहीं! मैं कंप्यूटर को देखकर चिल्लाई और सारा ऑफिस घूर-घूरकर मुझे ही देखने लगा। जैक ने अपने ऑफिस से झांका।

"एना! सब ठीक तो है?"

"हां सॉरी......मैं इतना ही कह सकी एक डॉक्यूमेंट सेव नहीं किया था इसलिए.... ।"

मैं शर्मिंदगी से मरी जा रही हूं। वह देखकर मुस्कराया पर चेहरे पर उलझन थी मैंने बहुत से गहरी सांसें लेने के बाद जवाब टाइप किया। मैं भी अजीब दीवानी हूं।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: फिफ्टी शेड्स
डेट: 13 जून 2011 09:55
टू: क्रिस्टियन ग्रे
क्रिस्टियन
तुम्हें ये बात समझनी होगी।

चाहे दुनिया की सारी दौलत भी क्यों न मिल जाए। मैं जैक का बिस्तर नहीं गर्म करने वाली।

मैं तुमसे प्यार करती हूं। जब लोग एक-दूसरे को प्यार करते हैं तो अक्सर ऐसा ही होता है।

वे एक-दूसरे पर भरोसा रखते हैं।

मैं भी यही मानकर चलती हूं कि अब तुम किसी दूसरी के साथ अपनी बेहूदी हरकतों वाला सेक्स नहीं करोगे। मैं तुम पर पूरा विश्वास रखती हूं। तुम भी रखो।

मैं तुमसे यही उम्मीद रखती हूं।

एना

एनेस्टेसिया स्टील

एसआईपी संपादक, जैक हाइड की सहायिका

मैं बैठी उसके जवाब की राह देखती रही पर कोई जवाब नहीं आया। मैंने एयरलाइन को फोन किया और अपने लिए टिकट बुक कर ली। यह भी देख लिया था कि मैं जैक वाली उड़ान में ही चलूं। मुझे एक ई-मेल आने का स्वर सुनाई दिया

फ्रॉम: लिंकन, एलीना
सब्जेक्ट: लंच डेट
डेट: 13 जून 2011 10:15
टू: एनेस्टेसिया स्टील
डियर एनेस्टेसिया,

मैं तुम्हारे साथ लंच करना चाहूंगी। शायद हमारे बीच की कड़वाहट कुछ कम हो सके। क्या तुम इस सप्ताह में कभी समय निकाल सकोगी?

एलीना लिंकन

ओह- इस बार मिसेज रॉबिन्सन नहीं लिखा। उसे मेरा ई-मेल पता कहां से मिला? मैंने अपना सिर हाथों में थाम लिया। क्या यह दिन इससे भी बुरा हो सकता था? मेरे फोन की घंटी बजी तो मैंने मुंह उठाया। अभी दस बजकर बीस मिनट हुए हैं और मुझे लग रहा है कि क्रिस्टियन के पलंग से उठकर आना ही नहीं चाहिए था।

"जैक हाइड ऑफिस।" एना स्टील बोल रही हूं।

एक अजीब-सी दर्द भरी आवाज़ ने मुझे घेर लिया, "क्या तुम मुझे भेजा हुआ आखिरी ई-मेल डिलीट कर दोगी और कोशिश करोगी कि मुझे ऑफिस की मेल से इस भाषा के मेल न भेजो? मैंने कहा था कि मेल पर नज़र रखी जाती है। कुछ भी गड़बड़ हो सकती है।" उसने फोन रख दिया।

हाय... मैं बैठी फोन को घूरती रही। क्रिस्टियन ने मुझ पर फोन पटक दिया। ये बंदा मेरी पूरी जिंदगी काबू करता जा रहा है। मेरे कैरियर को बिगाड़ देना चाहता है और मुझ पर फोन पटका? मैंने बेजान रिसीवर को घूरा। मैं जानती हूं कि मेरे गुस्से से ये भी कांप उठेगा।

मैंने ई-मेल खोले और उसे भेजे गए मेल डिलीट कर दिए ये इतना बुरा भी नहीं है। मैंने उसके बारे में कुछ खास तो नहीं लिखा था। अगर उसे अपनी हरकतों पर शर्म आती है तो ऐसे

काम करता ही क्यों है? मैंने अपना ब्लैकबेरी उठाकर उसे फोन लगाया।

"क्या?" वह झपटा।

"मैं न्यूयार्क जा रही हूं। भले ही तुम चाहो या न चाहो।"

"तुम न..."

मैंने झट से फोन रख दिया। पूरे शरीर में गुस्से की लहर दौड़ रही है।

मैंने गहरी सांस ली और खुद को शांत करना चाहा। मैंने आंखें बंद करके कल्पना की कि मैं किसी खुशनुमा जगह पर हूं... उसके साथ बोट के केबिन में! ओह उसी पर गुस्सा और उसी के साथ खुशी भी? मैंने आंखें खोलीं और किए जाने वाले काम पर नजर मारी। अपने-आप को सहज किया।

"एना।" जैक की आवाज़ ने मुझे चौंका दिया।

"वह फ्लाइट बुक मत करना।"

"ओह! वह तो मैंने कर दी।" वह ऑफिस निकल कर आया तो मैंने बताया। वह गुस्से में था।

"देखो, यह हो क्या रहा है। पता नहीं, अचानक यह क्या तय हुआ कि स्टाफ के सारे होटल और यात्रा व्यय, वरिष्ठ प्रबंधन से पास होंगे। ये आदेश ऊपर से आया है। मैं रॉक से मिलने जा रहा हूं। अचानक ये क्यों किया गया? मैं समझ नहीं पा रहा।" जैक ने अपनी नाक खुजलाई और पल भर के लिए आंखें मूंद लीं।

"मेरे फोन ले लेना। देखता हूं कि रॉक क्या कहता है।" उसने आंख दबाई और अपने बॉस के ऑफिस की ओर चल दिया। -बॉस के बॉस के ऑफिस की ओर नहीं!

हद हो गई। क्रिस्टियन ग्रे! मेरे खून में उबाल आने लगा।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: ये तुमने क्या किया?
डेट: 13 जून 2011 10:43
टू: क्रिस्टियन ग्रे
प्लीज, मुझे कहो कि तुम मेरे काम में दखल नहीं दोगे।
मैं वहां जाना चाहती हूं। मुझे बहुत कुछ सीखने का मौका मिलेगा।
मुझे तुमसे पूछना ही नहीं चाहिए था। मैंने वे ई-मेल हटा दिए हैं।
एनेस्टेसिया स्टील एसआईपी संपादक, जैक हाइड की सहायिका

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: तुमने क्या किया?
डेट: जून 13 2011 10:46
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मैं तो बस अपनी चीज की हिफाजत कर रहा हूं।
मैंने तुम्हारे और मेरे भेजे गए सारे मेल अभी सर्वर से हटा दिए हैं।
वैसे बता दूं कि मैं तुम पर पूरा भरोसा रखता हूं पर मुझे उस पर भरोसा नहीं है।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

मैंने मेल देखे तो हैरान रह गई। सिस्टम में उसका कोई मेल नहीं था। ये बंदा कितना असरदार है। उसने ये कैसे किया? वह किसे जानता है जिसने एसआईपी के सर्वर में घुसकर मेल ही डिलीट कर दिए? मैं तो खुद को बड़ा असहज पा रही हूं।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: जरा बड़े हो जाओ
डेट: 13 जून 2011 10:48
टू: क्रिस्टियन ग्रे
क्रिस्टियन
मुझे अपने ही बॉस से सुरक्षा की जरूरत नहीं है।
वह अगर कुछ कहेगा भी तो मैं साफ मना कर दूंगी।
तुम दखल नहीं दे सकते। ये गलत है और किसी को कई तरह से काबू करने की चाल है।
एनेस्टेसिया स्टील
एसआईपी संपादक, जैक हाइड की सहायिका

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: मेरा जवाब है नहीं!
डेट: जून 13 2011 10:50
टू: एनेस्टेसिया स्टील

मैंने देखा है कि तुम अनचाहे लोगों को दूर हटाने में कितनी तेज हो। मुझे याद है कि मुझे तुम्हारे साथ पहली रात किस रूप में बिताने का मौका मिला था। उस फोटोग्राफर के मन में तुम्हारे लिए कुछ भावनाएं तो थीं पर यह कमीना तो औरतों का रसिया है और तुम्हें लुभाने की कोई कोशिश नहीं छोड़ेगा। उससे पूछो कि उसकी पिछली और उससे भी पिछली पी ए के साथ क्या हुआ था।

मैं इस बारे में लड़ाई नहीं चाहता।

अगर तुम न्यूयार्क जाना चाहती हो तो मैं ले जाऊंगा। हम इस सप्ताह के अंत में जा सकते हैं। वहां मेरी एक मीटिंग भी है।

क्रिस्टियन ग्रे

सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

ओह क्रिस्टियन! बात ये नहीं है। हां, हो सकता है कि उसकी वहां कोई मीटिंग हो पर ये समझ नहीं आता कि इसकी जायदाद कहां-कहां है। वह जोंस वाली बात को वह कभी भूल सकेगा? उस दिन मैं नशे में थी पर मैं जैक के साथ शराब नहीं लूंगी।

मैंने स्क्रीन को देखकर गर्दन हिलाई पर उससे मेल पर बहस नहीं कर सकी। मुझे आज शाम का इंतज़ार करना होगा। मैंने दरवाजा देखा। जैक अभी लौटा नहीं था और मुझे एलीना से भी निबटना है। मैंने उसका मेल फिर से पढ़ा और तय किया कि उसे सीधा क्रिस्टियन को भेज दिया जाए। इस तरह उसका ध्यान भी बंट जाएगा।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: लंच डेट या बेकार की सिरदर्दी
डेट: 13 जून 2011 11:15
टू: क्रिस्टियन ग्रे
क्रिस्टियन

जब तुम बड़े ही दिल से मेरे करियर में अपनी टांग अड़ा रहे थे तो उस दौरान मुझे यह मेल मिला। मैं उससे नहीं मिलना चाहती- अगर चाहती भी तो भी, मुझे तो यहां से कहीं जाने की इजाजत ही नहीं है। उसे मेरा ई-मेल पता कहां से मिला? तुम्हारे हिसाब से क्या करना चाहिए। उसका मेल भी भेज रही हूं।

डियर एनेस्टेसिया,

मैं तुम्हारे साथ लंच करना चाहूंगी। शायद हमारे बीच की कड़वाहट कुछ कम हो सके। क्या तुम इस सप्ताह में कभी समय निकाल सकोगी?

एलीना लिंकन
एनेस्टेसिया स्टील
एसआईपी संपादक, जैक हाइड की सहायिका

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: बेकार की सिरदर्दी
डेट: जून 13 2011 11:23
टू: एनेस्टेसिया स्टील मुझसे नाराज मत हो।
मैं तो हमेशा तुम्हारा भला ही चाहता हूं।
अगर तुम्हें कुछ हो गया तो मैं कभी खुद को माफ नहीं कर सकूंगा।
मैं मिसेज लिंकन से निपट लूंगा। क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: ठीक है, बाद में देखते हैं
डेट: 13 जून 2011 11:32
टू: क्रिस्टियन ग्रे
क्रिस्टियन
क्या हम आज रात इस बारे में बात कर सकते हैं?
मैं काम करने की कोशिश कर रही हूं और तुम्हारी दखलंदाजी से काम में रुकावट आ रही है।
एनेस्टेसिया स्टील
एसआईपी संपादक, जैक हाइड की सहायिका

जैक दोपहर के बाद लौट आया और मुझे बताया कि मैं न्यूयार्क नहीं जा सकती हालांकि वह अब भी जा रहा था और वह इस नीति को बदलने के लिए कुछ नहीं कर सकता। उसने अपने ऑफिस का दरवाजा पटककर मारा। वह इतने गुस्से में क्यों है?

अन्दर ही अन्दर मैं जानती हूं कि उसकी नीयत ठीक नहीं है पर मुझे यकीन है कि मैं उससे निपट सकती हूं और हैरानी तो इस बात की है कि क्रिस्टियन उसकी पुरानी पी ए के बारे में क्या जानता है। मैंने काम में मन लगाया पर साथ ही यह भी तय किया कि क्रिस्टियन की सोच को बदलने की कोशिश करनी होगी।

एक बजे के करीब जैक ने ऑफिस से गर्दन बाहर निकाली।

"एना! प्लीज़ मेरे लिए लंच में कुछ ला सकती हो?"

"जी। क्या लेना चाहेंगे?"

"पास्त्रामी! उसमें मस्टर्ड मत डलवाना। तुम आओगी तो पैसे दे दूंगा।"

"कुछ पीने के लिए लाऊं?"

"कोक चलेगी। थैंक्स एना।" वह ऑफिस में चला गया और मैंने पर्स उठाया।

ओह तेरे की! मैंने तो क्रिस्टियन से वादा किया था कि लंच टाइम में बाहर नहीं जाऊंगी। खैर, उसे क्या पता चलेगा। मैं अभी गई और अभी आई।

मैंने रिसेप्शन से छतरी ले ली क्योंकि अब भी बारिश हो रही थी। मैंने बाहर निकल कर जैकेट पहनी और आसपास नज़र दौड़ाई। उस भूतिया लड़की के कोई दर्शन नहीं हुए।

मैं तेजी से डेल की ओर चल दी। पता नहीं क्यों, ऐसा लग रहा था कि किसी ने मुझ पर नज़र रखी हुई है। कहीं लीला गन लेकर न खड़ी हो।

यह तेरी कल्पना है। तुझे कौन मारना चाहेगा?

पंद्रह मिनट में मैं सही-सलामत वापिस थी और मैंने मन ही मन क्रिस्टियन को कोसा कि उसने बेकार में इतनी पहरेदारी लगा रखी है।

मैं जैक का लंच देने गई तो वह फोन से झांका।

"एना थैंक्स। तुम मेरे साथ नहीं आ रहीं इसलिए आज देर रात तक काम करना होगा। कुछ जरूरी काम हैं। उम्मीद करता हूं कि तुम रुक सकती हो।"

"नहीं, ऐसा कुछ नहीं है।" मैंने एक मुस्कान और डूबते दिल के साथ कहा।

ये बात नहीं बनेगी। मैं जानती हूं कि क्रिस्टियन भन्ना जाएगा।

मैंने सोचा कि उसे अभी नहीं बताती वरना उसे दखल देने का मौका मिल जाएगा। मैं अपने लंच से चिकन सलाद सैंडविच खाने लगी। ये स्वादिष्ट है। वे अच्छे सैंडविच बनाती हैं।

बेशक! अगर मैं क्रिस्टियन के साथ रहने आ गई तो वे रोज़ ऐसे ही लंच देंगी। मैंने तो ऐसी जिंदगी के बारे में कभी सोचा ही नहीं था। मैं तो बस प्यार चाहती थी-सिर्फ प्यार! कोई

ऐसा जो प्यार तो दे पर मेरी आजादी में बाधा न दे। तभी बेल बजी।

"जैक हाइड ऑफिस"

"तुमने तसल्ली दी थी कि तुम बाहर नहीं जाओगी।" क्रिस्टियन ठंडे और ठहरे सुर में कहा।

मेरा दिल आज के दिन में करोड़ वीं बार बैठ गया। इसे कैसे पता चला?

"जैक ने लंच लाने भेजा था। मना कैसे करती? क्या मुझ पर नज़र रखी हुई है?" मेरी खोपड़ी चकरा गई। तभी कहूं, ऐसा क्यों लग रहा था कि कोई मुझे देख रहा था।

"यही वजह है कि मैं तुम्हें काम पर नहीं जाने देना चाहता था।" क्रिस्टियन गुस्से से बोला।

"क्रिस्टियन प्लीज़! मेरा दम मत घोंटो।"

"मैं तुम्हारा दम घोंट रहा हूं।" उसने हैरानी से कहा।

"हां। तुम्हें ये सब बंद करना होगा। मैं शाम को बात करती हूं। आज मुझे देर तक काम करना होगा क्योंकि मैं जैक के साथ न्यूयार्क नहीं जा सकती।"

"एना! मैं तुम्हारा दम नहीं घोंटना चाहता। मुझे भी काम करना है। बाद में बात करते हैं।" उसने कहकर फोन रख दिया।

इतना अच्छा वक्त एक साथ बिताने के बाद नंगी हकीकत आंखों के सामने खड़ी है। ऐसा लग रहा है कि मैं जिंदगी में तेजी से दौड़ रही हूं। अगर मैं थोड़ा चल पाती तो इस इंसान के बारे में आराम से कुछ सोचने का मौका तो मिल जाता। एक स्तर पर मैं यह जानती हूं कि वह बुरी तरह से बिखरा हुआ है और मैं साफ तरह से देख सकती हूं कि यह सब दिल को तोड़ देने वाला रहा होगा। उसने मुझे अपनी जिंदगी के जो छोटे टुकड़े दिए हैं, उन्हें जानकर तो लगता है कि मैं उसे समझती हूं। एक ऐसा बच्चा जिसे प्यार नहीं मिला; एक बहुत ही बुरा माहौल; एक मां जो उसकी रक्षा न कर सकी; जिसकी वह रक्षा न कर सका और उसने बेटे के सामने ही दम तोड़ दिया।

मैंने कंधे झटके। बेचारा फिफ्टी! मैं उसकी हूं पर वह मुझे सलाखों में कैद नहीं रख सकता। मैं यह सब कैसे सह सकती हूं।

मैंने भारी दिल से जैक की भेजी पांडुलिपि उठाई और उसे पढ़कर सारांश तैयार करने लगी इस समय तो मुझे क्रिस्टियन के इस काबू करने वाले बर्ताव का कोई उपाय नहीं दिख रहा। मुझे उससे आमने-सामने बैठकर बात करनी होगी।

आधे घंटे बाद, जैक ने मुझे एक डॉक्यूमेंट भेजा जिसे निखारकर उसकी कांफ्रेंस के लिए तैयार करना था। इस काम में सारी दोपहर और शाम लग गई। मैंने सब निपटा दिया। मुंह उठाया तो सात बजे थे और ऑफिस वीरान था। जैक के ऑफिस की लाइट जल रही थी। मैंने

देखा ही नहीं कि सभी पर जा चुके थे पर मेरा काम भी बस खत्म ही है। मैंने जैक को काम भेजा और उसकी मंजूरी के लिए अपना इनबॉक्स देखने लगी। क्रिस्टियन की ओर से कुछ नहीं आया। मैंने ब्लैकबेरी पर नज़र मारी तो उसका फोन आ गया।

"हाय!" मैंने हौले से कहा।

"हाय। तुम्हारा काम कब खत्म होगा?"

"शायद साढ़े सात तक।"

"मैं बाहर ही मिलूंगा।"

"ठीक है।"

वह थोड़ा घबराया हुआ लगा। क्यों? मेरी प्रतिक्रिया को ले कर चिंता में है।

"मैं तुमसे अब भी नाराज़ हूं। समझे? हमें बहुत सी बातें करनी हैं।"

"मुझे पता है। थोड़ी देर में मिलते हैं।"

जैक ऑफिस से बाहर आ गया।

"मैं रखती हूं।" मैंने फोन बंद कर दिया।

मैंने देखा कि जैक इसी ओर आ रहा था।

"मुझे कुछ सुधार करवाने हैं। ई-मेल तुम्हें वापस भेजा है।"

मैं डॉक्यूमेंट देखने लगी तो वह मेरे ऊपर झुक गया। उसकी बाजू मेरी बाजू से टकरा रही है। मैं सिकुड़ गई पर उसने ऐसे दिखाया मानो उसे पता ही न चला हो। उसकी दूसरी बाजू मेरी कुर्सी की पीठ पर टिकी है और मेरी पीठ को छू रही है। मैं थोड़ा सीधा होकर बैठ गई।

"पेज सोलह और तेईस, इन्हें ऐसे कर दो।" वह मेरे कान के पास अपना मुंह लाकर हौले से बोला।

मेरा पूरा शरीर विद्रोह कर रहा है पर मैंने अनदेखा करने की कोशिश की और कांपते हाथों से पन्नों पर बदलाव करने लगी। वह अब भी मुझ पर झुका है और मेरी सारी इंद्रियां सचेत हो गई हैं। अन्दर ही अन्दर मैं डर गई हूं और जोर से चिल्लाने को जी कर रहा है- *पीछे हट जाओ!*

"यह हो जाए तो प्रिंट में डाल देना। तुम इसे कल संभाल देना। एना! आज देर तक रुक कर काम करने के लिए थैंक्स!" उसने इतने प्यार से कहा जैसे किसी घायल पशु को सहला रहा हो। मेरे पेट में खलबली सी होने लगी।

"मुझे तो लगता है कि तुम्हें इनाम में एक ड्रिंक पिलाना चाहिए। तुम इसकी हकदार हो।" उसने अचानक ही मेरे बालों की खुली लट पीछे सहेज दी। मैंने अपने दांत पीसे और सिर झटक दिया। शिट! क्रिस्टियन सही कह रहा था। *मुझे हाथ मत लगा!*

"दरअसल आज नहीं हो सकता! जैक, फिर कभी चलेंगे।"

"बस देर नहीं होगी। फटाफट।" उसने फुसलाया।

"नहीं। मैं नहीं जा सकती। थैंक्स।"

जैक मेरी डेस्क के कोने पर बैठा और त्यौरियां चढ़ा लीं। मेरे दिमाग में खतरे की घंटी बजने लगी। मैं ऑफिस में अकेली हूं। मैं जा नहीं सकती। मैंने घबराकर घड़ी को देखा। बस क्रिस्टियन के आने में पांच मिनट रह गए हैं।

"एना। मुझे तो लगता है कि हम एक अच्छी टीम बनाते। सॉरी! यह न्यूयार्क वाला दौरा जमा नहीं। यह तुम्हारे बिना अधूरा रहेगा।"

"बेशक! सही कह रहे हो!" मैं हौले से मुस्कुराई क्योंकि कुछ कहने के लिए सूझा ही नहीं। पूरे दिन में पहली बार मन को सूकून-सा आया कि मैं नहीं जा रही।

"तो वीकएंड कैसा रहा?" उसने सहज भाव से पूछा।

"हां थैंक्स, अच्छा था। यह कहना क्या चाहता है।?"

अपने ब्वायफ्रेंड से मिलीं?"

"हां।"

"वह क्या करता है?"

अपने काम से मतबल रख गधे!

"वह बिजनेस में है।"

"वाह! कैसा बिजनेस?"

"ओह! उसने तो कई जगह पांव पसारे हुए हैं।"

जैक ने एक ओर गदर्न झुकाई और मेरे पास झुक आया।

"एना! तुम बहुत शर्मीली हो।"

"वह टेलीकम्युनिकेशन, निर्माण व कृषि के क्षेत्र से जुड़ा है।"

जैक ने भौं नचाई।

"इतने काम। वह किसके लिए काम करता है?"

“वह अपने लिए काम करता है। ....अगर आपका काम हो गया तो मैं जाना चाहूंगी।”

वह पीछे झुक गया और मैंने खुद को सुरक्षित महसूस किया।

“बेशक सॉरी! मैं तुम्हें फालतू रोकना नहीं चाहता था।” उसने कहा।

“ये इमारत कब तक खुली रहती है?”

“सिक्योरिटी ग्यारह बजे तक होती है।”

मैंने कंप्यूटर बंद करते हुए चैन की सांस ली। हम इस इमारत में अकेले नहीं हैं। मैंने पर्स उठाया और जाने के लिए तैयार हो गई।

“तुम अपने ब्वायफ्रेंड को पसंद करती हो?”

“मैं उससे प्यार करती हूं।” मैंने जैक की आंखों में आंखें डालकर कहा।

“अच्छा। उसका सरनेम क्या है?”

मैं खिसिया गई।

फिर हौले से बोली, “ग्रे, क्रिस्टियन ग्रे”

जैक का मुंह खुला का खुला रह गया। “सिएटल का सबसे अमीर कुंआरा। वही क्रिस्टियन ग्रे?”

“हां, वही।”

हां, वही क्रिस्टियन ग्रे! *जो तुम्हारा होने वाला बॉस है और अगर उसे पता चल गया कि तुमने मुझ पर हाथ डालने की कोशिश की तो वह तुम्हें अपने नाश्ते में कच्चा खा जाएगा।*

“मैं भी सोच रहा था कि उसे कहीं देखा लग रहा था।” जैक ने अपनी भवें सिकोड़ी, बड़ा किस्मतवाला है।

मैंने पलकें झपकाईं। और कहती भी क्या।

“एना गुड ईवनिंग।” जैक मुस्कराया पर ये मुस्कान खोखली थी। वह पीछे देखे बिना, सीधा ऑफिस की ओर चल दिया।

मैंने चैन की सांस ली। शायद समस्या हल हो गई है। फिफ्टी ने फिर से अपना जादू दिखा दिया है। उसका नाम ही मेरे लिए किसी जादुई मंत्र से कम नहीं है और वह बंदा अपनी दुम दबाए कैसा भागा! मैंने एक विजयी मुस्कान दी। देखा क्रिस्टियन ग्रे! तुम्हारा नाम ही मेरा बचाव करने के लिए बहुत है। तुम्हें बार-बार मेरे बचाव के लिए सामने आने की जरूरत नहीं है। मैंने मेज संभालकर घड़ी देखी। क्रिस्टियन बाहर आ गया होगा।

ऑडी बाहर कोने में खड़ी दिखी। टेलर ने झट से आकर दरवाजा खोला। मैं उसे देखकर खुश हुई और पिछली सीट पर लपकी।

क्रिस्टियन पिछली सीट पर बैठा, मुझे ही घूर रहा है। वह अपने तने जबड़े के साथ मेरा गुस्सा झेलने के लिए तैयार है।

"हाय!" मैंने हौले से कहा।

"हाय।" उसने सावधानी से कहा। उसने मेरा हाथ थामकर हौले से दबा दिया। मैंने तो अभी सोचा भी नहीं कि उससे बात क्या करनी है।

"क्या अब भी नाराज़ हो।" उसने पूछा।

"पता नहीं।" मैंने कहा। उसने हौले से मेरे हाथ को चूम लिया।

"आज का दिन बड़ा ही बकवास रहा।"

"हां। सो तो है।" सुबह से पहली बार मैंने अपने-आप को आरामदेह महसूस किया। शायद उसकी संगति का असर था। मैं जैक की सारी बातें, ई-मेल की झड़पें और एलीनाका पंगा भी भूल गई। बस कार के पिछले हिस्से में मैं और मेरा फिफ्टी!

हम दोनों खामोशी के बीच बैठे हैं और लग रहा है कि उसे भी बेहतर महसूस हो रहा है।

टेलर ने हमें अपार्टमेंट की इमारत के बाहर उतारा और हम बारिश से बचते हुए अन्दर लपके। क्रिस्टियन ने लिफ्ट के बाहर खड़े कर मेरा हाथ थाम लिया और उसकी आंखें इमारत के बाहरी हिस्से की तलाशी ले रही हैं।

"लगता है कि तुम्हें अभी तक लीला का पता नहीं मिला।"

"नहीं। वेल्क अब भी खोज रहा है।"

लिफ्ट आते ही हम भीतर चले गए। क्रिस्टियन ने मुझे अजीब ही नज़रों से ताका। वह कितना प्यारा दिख रहा है। बिखरे बाल, सफेद कमीज, काले रंग का सूट और अचानक जाने कहां से हमारे बीच वासना की लहर दौड़ गई। अगर वह दिखाई देती तो बेशक हम दोनों के बीच नीले रंग की आभा सी दिखती। यह बड़ी मजबूत है। मुझे ताकते हुए उसके होंठ खुल गए।

"क्या तुम इसे महसूस कर सकती हो?" उसने पूछा।

"हां।"

"ओह एना!" उसने झट से मुझे बांहों में भर लिया। उसका एक हाथ मेरी गर्दन पर था और होंठ मेरे होठों से जा जुड़े थे। मेरी अंगुलियां उसके बालों में घूमते हुए, गालों को सहला रही हैं और उसने मुझे लिफ्ट की दीवार के साथ सटा दिया है।

"मुझे तुम्हारे साथ बहस करना सख्त नापसंद है।" वह मेरे मुंह के पास अपना मुंह ले आया। मेरे पूरे शरीर में वासना की हिलोरें उठने लगीं और ऐसा लगा मानो सारे दिन के तनाव को बाहर निकलने का रास्ता मिल रहा हो। हमारी जीभें आपस में मिलीं, सांसें गुंथ गईं और हम पसीने से भीग गए। उसके हाथ मेरी स्कर्ट के पास हैं और वह उसे ऊपर उठाने की कोशिश कर रहा है।

"ओह! तुमने स्टॉकिंग्स पहनी हैं।" उसने उन्हें प्यार से छुआ और बोला।

"मैं इन्हें देखना चाहता हूं।"

मैंने स्कर्ट ऊंची की और उसने लिफ्ट का स्टॉप बटन दबाकर उसे वहीं रोक दिया। इस वक्त हम बाइस और तेइसवीं मंजिल के बीच हैं। हम दोनों बुरी तरह से हांफ रहे हैं। शुक्र है कि मुझे पीछे से टेक मिल गई है और मैं उसे उसके इस अनूठे रूप के बीच देख सकती हूं।

"अपने बाल खोल दो।" उसने भारी सुर में कहा। मैंने बाल खोले तो वे काले बादलों की तरह मेरे वक्षस्थल और कंधों पर बिखर गए।

"अपनी शर्ट के पहले दो बटन खोलो।" वह हौले से बोला।

वह मुझे बिल्कुल ही सेक्सी बना देता है। मैंने धीरे-धीरे बटन खोले तो मेरे उभार झांकने लगे।

उसने थूक निगला। "तुम नहीं जानतीं कि इस समय तुम्हें देखकर मुझे कैसा महसूस हो रहा है।"

मैंने जान-बूझकर अपना होंठ काटा और इंकार में सिर हिला दिया। उसने मेरे आसपास लिफ्ट की दीवार के दोनों ओर अपने हाथ रख दिए। वह मुझे छुए बिना भी, मेरे कितना नजदीक है।

मैंने उसे घूरा और उसने अपनी नाक से मेरी नाक रगड़ी। हम दोनों के बीच यही संपर्क है। मैं इस समय अपने-आप को हॉट महसूस कर रही हूं। मैं उसे अभी और यहीं चाहती हूं।

"मिस स्टील! तुम मुझे असभ्य और दीवाना बना देती हो।"

"क्या मैं ऐसा करती हूं?" मैंने पूछा।

"एनेस्टेसिया! तुम प्रेम की देवी हो।" अचानक ही उसने आगे आकर मेरी एक टांग को अपनी कमर के आसपास लपेट दिया और इस तरह अब मैं एक टांग के बल खड़ी हूं। मैं उसकी ओर झुकी हुई हूं और हम दोनों ही एक-दूसरे की जरूरत को महसूस कर सकते हैं। उसने मेरी गर्दन पर अपने होंठ फिराए। मैं कराही और उसकी गर्दन के आसपास हाथों का घेरा कस दिया।

"मैं अभी तुम्हारे साथ यौन संबंध बनाना चाहता हूं।" उसने कहा और अपने-आप को भी इसके लिए तैयार कर लिया। फिर जाने कहां से एक फॉयल पैकेट निकालकर मेरे मुंह के पास ले आया। मैंने उसे दांतों में पकड़ा और उसके खींचते ही वह बीच में से फट गया।

"गुड गर्ल।" उसने कंडोम पहनते हुए कहा। "ओह! मैं अगले छह दिनों का इंतजार नहीं कर सकता। उम्मीद करता हूं कि तुम इन्हें उतारने से बुरा नहीं मानोगी।" उसने मेरे अंतर्वस्त्रों की ओर संकेत किया। उसने एक झटके से उन्हें उतार दिया। मैं बुरी तरह से हांफ रही हूं।

उसके शब्द जैसे मेरे लिए किसी नशे का काम करते हैं। मैं अपने सारे दिन का तनाव भूल गई हूं। उसकी आंखें लगातार मेरे चेहरे पर बनी हैं। मेरा शरीर सहज भाव से उसकी ओर झुका है और मैं उसकी निकटता के इस एहसास को हौले-हौले पी रही हूं।

"एनेस्टेसिया! तुम मेरी हो।" वह मेरी गर्दन के पास मुंह लाकर बोला। "हां, मैं तुम्हारी हूं। तुम्हें इस बात का यकीन कब आएगा?" मैं हांफने लगी। मैंने खुद को पूरी तरह से उसके हवाले कर दिया है

इस तरह मैं खुद को ताकतवर और मजबूत पा रही हूं। मैं हैरान हूं कि ये दिलकश और मोहक छवि वाला इंसान मुझे चाहता है और मैं भी इसे उतनी ही शिद्दत से चाहती हूं। अचानक उसने मेरा नाम लिया और धावा बोल दिया....।

जब तूफान थमा तो उसने शांत होकर मुझे चूमा। अब उसकी सांसें संभल गई हैं। उसने मुझे अपने हाथों से थाम रखा है।

"ओह एना! मैं तुम्हारे बिना जी नहीं सकता।" उसने मेरा माथा चूम लिया।

मैंने भी धीरे से यही शब्द कहे।

मैं थकान से बेदम हूं। उसने मुझे संभलने में मदद की और लिफ्ट ऑन कर दी। लिफ्ट चलने के झटके से मैं अचानक उसकी बांहों में आ गिरी।

"टेलर सोच रहा होगा कि हम कहां गए।" उसने दुष्टता से भरी मुस्कान दी।

ओह! हो गया कचरा! मैंने अपने बिखरे बाल हाथों से सहेजने की कोशिश की। फिर उन्हें पोनीटेल में बांध लिया।

क्रिस्टियन ने भी सब कुछ सहेज लिया और वह फिर से अपने उद्यमी अवतार में आ गया। बाल तो उसके हमेशा से ही ऐसे दिखते हैं। बस उतर इतना है कि अब उसके चेहरे पर एक मुस्कान खेल रही है। क्या सभी मर्द इस अनुभव के बाद ऐसा ही महसूस करते हैं?

टेलर वहीं इंतजार करता मिला।

"लिफ्ट में दिक्कत हो गई थी।" क्रिस्टियन ने कहा और मैं उन दोनों के चेहरे देखने की हिम्मत नहीं जुटा सकी। मैं झट से क्रिस्टियन के बेडरूम की ओर लपकी ताकि साफ कपड़े

पहन सकूं।

जब मैं लौटी तो क्रिस्टियन नाश्ते की मेज पर बैठा मिसेज जोंस बात कर रहा था वे मुझे देखकर मुस्कुराईं और हम दोनों के आगे गर्म खाने की दो प्लेटें रख दीं। वाह! क्या खुशबू है। मुझे तो कस कर भूख लगी है।

"खाने का आनंद लें। मि. ग्रे व एना।" वह बोलकर चली गईं।

क्रिस्टियन ने फ्रिज से सफेद वाइन की बोतल निकाल ली और खाते समय बताने लगा कि वह जल्दी ही सोलर पावर से चलने वाले मोबाइल तैयार करवा लेगा। वह पूरी योजना के बारे में उत्साहित है और मैं जानती हूं उसका दिन बुरा नहीं गया।

उसकी जायदाद के बारे में पूछने पर पता चला कि उसके पास केवल न्यूयार्क, एस्पेन और एस्काला में ही अपार्टमेंट हैं। और कहीं नहीं हैं। मैं खाने के बाद अपनी प्लेटें सिंक में ले गई।

"वहीं छोड़ दो। गेल देख लेगी।" उसने कहा और मुझे गहराई से ताकने लगा। क्या मैं कभी इन बातों की आदी हो सकूंगी कि कोई मेरे लिए काम करे।

"मिस स्टील! अब आप थोड़ी घरेलू हो गई हैं तो आज के बारे में बात कर सकते हैं?"

"मैंने तो सोचा था कि तुम ज्यादा घरेलू हो और मैं तुम्हें पालतू बनाने के काम में होशियार हूं।"

"मैं और पालतू?" मैंने सिर हिलाया तो उसने ऐसे पलके सिकोड़ीं मानो मेरे ही शब्दों को प्रतिबिंबित कर रहा हो।

"हां, हो सकता है एना।"

तुमने जैक के बारे में सही कहा था।" मैंने आगे झुककर कहा। उसका चेहरा सुनते ही राख हो गया।

"क्या उसने कोई बेज़ा हरकत की?"

मैंने इंकार करते हुए कहा। "नहीं, मैंने उसे बता दिया कि मैं तुम्हारी गर्लफ्रेंड हूं और वह पीछे हट गया।"

"पक्का। नहीं तो मैं एक मिनट में उसे निकाल दूंगा।"

मैंने अपना गिलास थामकर कहा। "क्रिस्टियन मुझे अपनी समस्याओं से खुद निपटने दो। तुम हमेशा मेरे बचाव के लिए पीछे नहीं रह सकते। मैं तुम्हारे इस दखल के साथ कभी तरक्की नहीं कर सकती। मुझे कुछ आजादी चाहिए। मैं तो तुम्हारे मामलों में टांग अड़ाने के बारे में सोचूंगी भी नहीं।"

उसने पलकें झपकाईं- “एना! मैं तो बस तुम्हारी सलामती चाहता हूं। अगर तुम्हें कुछ हो गया तो मैं...."- वह थम गया।

“मैं जानती हूं कि तुम मेरी सलामती के लिए इतना आग्रह क्यों रखते हो? मेरे मन का एक हिस्सा इस बात को पसंद भी करता है। मैं जानती हूं कि मुझे कोई जरूरत पड़ने पर तुम हमेशा मेरे पास रहोगे जैसे कि मैं तुम्हारे लिए हूं। पर अगर हमें आने वाले कल के लिए कोई उम्मीद रखनी है तो तुम्हें मुझ पर और मेरे फैसलों पर भरोसा रखना सीखना होगा। हां, कई बार मैं गलत होती हूं पर मैं अपनी गलतियों से सीखना चाहूंगी।”

वह मुझे घूरता रहा और मैं उसकी टांगों के बीच जा खड़ा हुई। वह स्टूल पर बैठा था। मैंने उसके हाथ उठाकर अपनी कमर के आसपास रख दिए और अपने हाथ उसके कंधों पर रख दिए।

“तुम मेरी नौकरी में दखल नहीं दे सकते। ये अच्छी बात नहीं है। मैं नहीं चाहती कि तुम हर जगह मेरा बचाव करने आते रहो। मैं जानती हूं कि तुम्हें हर चीज पर काबू पाना पसंद है और ये भी जानती हूं कि ऐसा क्यों है पर मैं नहीं चाहती कि तुम ऐसा करो। ऐसा कभी नहीं हो सकता.... तुम्हें भी दूसरों को आजादी देना सीखना होगा।” मैंने उसका चेहरा हाथों में भर लिया।

“अगर तुम ऐसा कर सके। ये आजादी दे सको तो मैं तुम्हारे साथ रहने आ सकती हूं।”

उसने हैरानी से गहरी सांस ली, “तुम ऐसा करोगी?”

“हां।”

“पर तुम मुझे नहीं जानतीं।” अचानक उसका गला भर्रा गया। फिफ्टी तो ऐसा नहीं था।

“क्रिस्टियन मैं तुम्हें बहुत अच्छी तरह जानती हूं। तुम्हारे बारे में कोई भी बात मुझे तुमसे दूर नहीं ले जा सकती। पर तुम्हें मेरे साथ नरमी का बर्ताव रखना होगा।”

“एनेस्टेसिया! मैं कोशिश कर रहा हूं। मैं कभी नहीं देख सकता कि तुम उस हरामी के साथ न्यूयार्क चली जाओ। उसके बारे में सब जानते हैं। उसकी कोई पी ए तीन माह से ज्यादा नहीं टिकती और कंपनी उन्हें दोबारा कभी काम पर नहीं लेती। बेबी! मैं नहीं चाहता कि तुम्हारे साथ भी ऐसा हो। मैं नहीं चाहता कि तुम्हारे साथ कभी भी, कुछ भी बुरा हो। तुम्हें चोट पहुंचने के ख्याल से ही मेरे दिल में कचोट उठती है। मैं ये वादा नहीं कर सकता कि तुम्हारे काम में दखल नहीं दूंगा। अगर कहीं तुम्हारे लिए डर की बात होगी तो मैं दखल दिए बिना नहीं रह सकूंगा।” वह रुका और एक गहरी सांस ले कर बोला।

“एनेस्टेसिया! मैं तुमसे प्यार करता हूं। मैं अपनी ओर से तुम्हारी सलामती के लिए कोई कसर नहीं उठा रखूंगा। मैं तुम्हारे बिना अपनी जिंदगी की कल्पना तक नहीं कर सकता।”

ओह! मेरे भीतर बैठी लड़की और सयानी लड़की दोनों ही दीदे फाड़-फाड़कर अपने फिफ्टी को देख रही हैं।

उसने कहा-"आई लव यू!" मेरी दुनिया स्थिर हुई, एक ओर झुकी और फिर एक नई धुरी पर घूमने लगी। मैं उसकी सुंदर भूरी आंखों को ताकते हुए इन पलों को जी रही हूं।

"क्रिस्टियन मैं भी तुमसे प्यार करती हूं"। मैंने आगे झुककर उसे चूमा और फिर चुंबन गहरा होता चला गया ।

अचानक टेलर ने गला खंखारा। क्रिस्टियन ने मुझे पीछे किया और कमर में बांह डालकर टेलर पर झपटा।

"हां बोलो।"

"मिसेज लिंकन आई हैं, सर।"

"क्या?"

टेलर ने माफी मांगने के अंदाज में कंधे झटके। क्रिस्टियन ने गहरी सांस लेकर सिर हिलाया।

"खैर! देखते हैं।" उसने मुझे देखकर शरारती मुस्कान दी।

हाय! ये औरत हमें अकेला क्यों नहीं छोड़ देती।

अध्याय 12

जब मैं और क्रिस्टियन मिसेज रॉबिन्सन के आने का इंतज़ार कर रहे थे तो मैंने उससे पूछा, “क्या आज तुमने उससे बात की थी?”

“हां।” “तुमने क्या कहा?”

“मैंने कहा कि तुम उससे नहीं मिलना चाहतीं और मैं समझता हूं कि इसकी क्या वजह है। मैंने उसे यह भी कहा कि मुझे उसका यह रवैया बिल्कुल नहीं भाया।”

ओह बहुत अच्छे! “उसने क्या कहा?”

उसने यह बात इस तरह हवा में उड़ा दी जो सिर्फ एलीना ही कर सकती है। उसका चेहरा एक टेढ़ी-सी मुस्कान से सज गया।

“तुम्हें क्या लगता है, वह यहां क्यों आई है?”

“कुछ कह नहीं सकता।” उसने कंधे झटके।

टेलर ने बड़े कमरे में कदम रखा... “मिसेज लिंकन...” उसने ऐलान किया।

और वह आ गई... यह इतनी आकर्षक क्यों दिखती है? वह पूरी काली पोशाक में है। टाइट जींस और शर्ट जो उसकी गठन को पूरी तरह से उभारते हैं और साथ ही चमकीले बालों का असर भी दिखता है।

क्रिस्टियन ने मुझे अपने पास खींच लिया।

वह उलझे सुर में बोला, “एलीना?”

एलीना ने मुझे देखा और वहीं जड़ हो गई।

“सॉरी! क्रिस्टियन मुझे नहीं पता था कि तुम किसी के साथ हो पर आज तो सोमवार है।” उसने इस तरह कहा मानो अपने आने की सफाई दे रही हो।

“मैं अपनी गर्लफ्रेंड के साथ हूं।” क्रिस्टियन ने गर्दन तिरछी करते हुए एक मोहक मुस्कान के साथ कहा।

एलीना के चेहरे पर भी एक उजली-सी मुस्कान खेल गई पर मुझे अजीब-सा लगने लगा।

"बेशक! हेलो एनेस्टेसिया! मुझे नहीं पता था कि तुम यहां हो। मुझे पता है कि तुम मुझसे बात नहीं करना चाहतीं और मुझे यह बात मंजूर है।"

"अच्छा?" मेरे कड़े लहज़े ने अचानक ही सबको सकते में डाल दिया। भवों पर हल्का-सा बल डालते हुए वह कमरे में आ गई।

"हां, तुम्हारा संदेश मिल गया था। मैं तुमसे मिलने नहीं आई। क्रिस्टियन सप्ताह के बीच किसी से नहीं मिलता इसलिए मुझे लगा कि आज वह अकेला ही होगा। मुझे एक परेशानी है और इसी बारे में बात करना चाहती थी।"

"ओह? क्या तुम एक ड्रिंक लेना चाहोगी?" क्रिस्टियन ने पूछा।

"हां प्लीज!" उसने कहा।

क्रिस्टियन गिलास लाने चल दिया और हम दोनों एक अजीब-सी खामोशी के बीच हैं। वह अपने हाथ की अंगूठी से खेल रही है और मुझे समझ नहीं आ रहा कि कहां देखूं? अंत में मुझे एक भिंचे होठों की मुस्कान देने के बाद वह कोने के स्टूल पर जा कर बैठ गई। वह इस घर के कोने-कोने को जानती है।

क्या मैं यहीं ठहरूं? क्या मैं कमरे में जाऊं? ओह! ये सब कितना मुश्किल है! भीतर बैठी लड़की सामने वाली औरत को कड़वी नज़रों से ताक रही है।

मैं इसे कितना कुछ कहना चाहती हूं पर उसमें से कुछ भी शोभनीय नहीं है। पर मैं कर भी क्या सकती हूं। वह क्रिस्टियन की इकलौती दोस्त है। और मुझे अपनी कड़वाहट के बावजूद शांत बने रहना होगा। मैंने भी वहीं बैठने का फैसला लिया और क्रिस्टियन वाले स्टूल पर बैठ गई। क्रिस्टियन ने गिलासों में वाइन परोसी और हमारे बीच आ बैठा। क्या उसे ये सब अजीब नहीं लगता?

"क्या हुआ बोलो?" उसने पूछा।

एलीना ने घबराहट से मुझे देखा और क्रिस्टियन ने मेरा हाथ थाम लिया।

"एनेस्टेसिया अब मेरे साथ है।" उसने कहा और मेरा हाथ छोड़ दिया। मैं शरमा गई और भीतर बैठी लड़की भी अपनी कड़वाहट भुलाकर उसे देखकर दमकी।

एलीना का चेहरा मुलायम हो उठा मानो उसके लिए खुश हो गई हो। ओह! मैं तो सचमुच इस औरत को समझ नहीं सकी। मैं इसकी मौजूदगी में इतनी परेशान क्यों हो जाती हूं।

उसने गहरी सांस ली और परेशान दिखी। फिर बार-बार अपनी अंगूठी को अंगुली में घुमाने लगी।

इसे हुआ क्या? मेरे होने से परेशानी है? क्या मैं इस पर ऐसा असर डालती हूं? क्योंकि मैं भी ऐसा ही महसूस करती हूं और उसे यहां नहीं चाहती। उसने सिर उठाया और क्रिस्टियन

की आंखों में झांक कर बोली।

"मुझे ब्लैकमेल किया जा रहा है।"

ओए ये क्या! मैंने उसके मुंह से यह सुनने की तो उम्मीद नहीं की थी। क्रिस्टियन का शरीर तन गया। क्या किसी को एलीना की करतूतों का पता चल गया? भीतर बैठी लड़की ने खुशी से हाथ मले। इसके साथ अच्छा हुआ!

"कैसे?" मैं क्रिस्टियन की आवाज में छिपा डर भी भांप सकती हूं।

उसने चमड़े के बड़े से डिजाईनर पर्स से एक नोट निकाला और उसे देने लगी।

"इसे वहां नीचे रखो।" क्रिस्टियन ने चिबुक से बारस्टूल की ओर संकेत किया।

"तुम इसे छूना नहीं चाहते?"

"हां, अंगुलियों के निशान हो सकते हैं।"

"क्रिस्टियन! तुम जानते हो कि मैं इसे ले कर पुलिस के पास नहीं जा सकती।"

मैं ये सब क्यों सुन रही हूं? क्या आजकल ये किसी और बेचारे लड़के को अपना निशाना बना रही है?

क्रिस्टियन झुककर कागज़ पढ़ने लगा।

"ये पांच हजार डॉलर मांग रहा है। कोई अंदाजा है कि कौन है? शायद कोई आसपास का बंदा?"

"नहीं।"

"लिंक।"

हैं! ये कौन है?

"क्या- नहीं। भला वह ऐसा क्यों करेगा?"

"क्या इसाक जानता है?"

"मैंने उसे नहीं बताया।"

इसाक कौन?

शायद उसे बता देना चाहिए। ओह! अब तो मैं यहां से जाना चाहती हूं। मैंने इन बातों से क्या लेना है।

अपना हाथ छुड़ाना चाहा तो क्रिस्टियन ने और भी कसकर थाम लिया और बोला

"क्या हुआ?"

“मैं थक गई हूं। सोने जाना चाहती हूं।”

उसकी आंखें मेरे भाव जानने के लिए बेचैन हैं।

“अच्छा। मैं थोड़ी देर में आया।” वह बोला।

उसने मुझे छोड़ा और एलीना अजीब से तरीके से देखने लगी। मैंने बिना कुछ कहे उसी सख्ती से उसकी ओर देखा।

“गुडनाइट एनेस्टेसिया!” उसने एक छोटी-सी मुस्कान दी।

“गुडनाइट!” मैंने ठंडे स्वर में कहा और जाने के लिए मुड़ी। ये तनाव अब सहा नहीं जा रहा। मैं कमरे से बाहर आई तो वे फिर से बातें करने लगे।

“एलीना! मुझे नहीं लगता कि मैं इसमें कुछ खास मदद कर सकता हूं। अगर सवाल पैसे का है.... मैं वेल्क से पता लगाने को कह सकता हूं।”

“नहीं क्रिस्टियन, मैं बस तुम्हें बताना चाहती थी।” वह बोली।

मैं कमरे से निकली तो उसे कहते सुना, “तुम बहुत खुश दिख रहे हो।”

“हां मैं ख़ुश हूं।” क्रिस्टियन ने जवाब दिया।

“तुम्हें खुश होने का पूरा हक है।”

“काश ये सच होता।”

“क्रिस्टियन!” उसने फटकारा।

मैं वहीं खड़ी सुनती रही। सुने बिना नहीं रह सकती।”

“क्या वह जानती है कि तुम अपने बारे में कितनी नकारात्मक राय रखते हो, अपने मसलों के बारे में?”

“वह मुझे किसी भी दूसरे इंसान से ज्यादा जानती है।”

“आउच! सुनकर बुरा लगा।”

“यही सच है एलीना! मुझे उसके साथ कोई छल-छंद नहीं करने पड़ते और मेरी बात के कोई मायने हैं। उसे अकेला छोड़ दो।”

उसकी परेशानी क्या है?

“तुम... हम जो भी थे। हमने जो भी किया। वह नहीं समझती।”

“उसे समझाओ।”

“एलीना, वह बीता कल था। मैं उसे अपने उस कड़वे अतीत में क्यों शामिल करूं? वह बड़ी ही प्यारी, भोली और मासूम है। ...और जाने कैसा चमत्कार है कि वह मुझसे प्यार भी करती है।”

“क्रिस्टियन यह कोई करिश्मा नहीं है। अपने पर भरोसा रखना सीखो। तुम सचमुच इस लायक हो। मैंने तुम्हें पहले भी कई बार कहा है और वह भी प्यारी लगती है। वह मजबूत है। कोई ऐसी, जो तुम्हारा सहारा बन सकती है।”

मैं क्रिस्टियन का जवाब नहीं सुन सकती। क्या मैं मजबूत हूं? मैं तो ऐसा महसूस नहीं करती।

“क्या तुम उसे याद नहीं करते?” एलीना ने पूछा।

“किसे?”

“अपने प्लेरूम।

मैंने अपनी सांस रोक ली।

“इस बात से तुम्हारा कोई लेना-देना नहीं है।” क्रिस्टियन गुस्से से बोला।

“ओह!”

“सॉरी!” एलीना ने कहा।

“शायद अब तुम्हें जाना चाहिए और आने से पहले एक फोन करना चाहिए।”

“क्रिस्टियन सॉरी! तुम इतने संवेदनशील कब से हो गए?”

“एलीना! हम दोनों व्यावसायिक संबंधों में हैं और उनसे हम दोनों को ही लाभ हुआ है। इन्हें इसी रूप में रहने दो। हमारे बीच जो भी था, वह बीता हुआ कल है। एना मेरा आने वाला कल है। मैं उसे बर्बाद नहीं करना चाहता इसलिए तुम बेकार की बकवास मत करो।”

मैं उसका आने वाला कल!

“अच्छा।”

“देखो! मैं तुम्हारी मुश्किल समझ रहा हूं। तुम्हें पुलिस को उनके बारे में बता देना चाहिए।” इस बार क्रिस्टियन का सुर थोड़ा नरम था।

“क्रिस्टियन! मैं तुम्हें खोना नहीं चाहती।”

“एलीना! मैं तुम्हारा नहीं हूं।”

“मैं यह नहीं कहना चाहती थी।”

“तो क्या कहना चाहती हो।” अबकी क्रिस्टियन आपे से बाहर हो गया।

“देखो। मैं तुमसे बहस नहीं करना चाहता। मेरे लिए तुम्हारी दोस्ती मायने रखती है। एना का पीछा छोड़ो। मेरी मदद की जरूरत हो तो मैं हाज़िर हूं। मैं हमेशा तुम्हारी मदद करूंगा।”

“एना को लगता है कि तुम पिछले शनिवार मुझसे मिली थीं। तुमने यह सब कहा? तुमने झूठ क्यों कहा?”

“मैं उसे जताना चाहती थी कि उसके जाने के बाद तुम्हारा क्या हाल हो गया था। मैं नहीं चाहती कि वह दोबारा तुम्हारे दिल को ठेस पहुंचाए।”

“वह जानती है। मैंने उसे बताया है। तुम दखल देना बंद करो। सच कह रहा हूं, तुम तो मुर्गी की तरह मुझे अपने डैनों में समेटने के लिए बेचैन हो रही हो।” एलीना हंसी। उसकी हंसी में जैसे उदासी घुली थी।

“मैं जानती हूं। सॉरी। मुझे तुम्हारी बहुत परवाह है पर क्रिस्टियन मैंने यह कभी नहीं सोचा था कि तुम भी किसी से प्यार कर सकते हो। ये देखना तो अच्छा लगता है पर वह तुम्हारा दिल दुखाए, इसे मैं सह नहीं सकती।”

“मैं अपने-आप देख लूंगा। अब तुम यह कहो कि वेल्क की मदद लेनी है या नहीं?”

उसने आह भरी, “इससे कोई नुकसान तो नहीं होगा।”

“अच्छा! मैं उसे कल बुला लेता हूं।”

वे दोनों पुराने दोस्तों की तरह बातें करते हैं। वह उसकी बहुत ज्यादा परवाह करती है। खैर ऐसा कौन होगा जो उसे जानने के बाद उसकी परवाह न करे?

“धन्यवाद क्रिस्टियन और अचानक आने के लिए सॉरी! आगे से फोन करके हीआऊंगी।”

“अच्छा।”

वह जा रही है। शिट! मैं झट से क्रिस्टियन के कमरे में पलंग पर जा बैठी कुछ ही पल में वह अन्दर आ गया।

“वह गई।” उसने मेरे भाव जानने चाहे।

मैंने उसे घूरा और पूछा, “क्या तुम मुझे उसके बारे में बताओगे? मैं यह समझने की कोशिश कर रही हूं कि तुम्हारे हिसाब से उसने तुम्हारी मदद कैसे की? मुझे लगता है कि उसने तो तुम्हें अंधाधुंध नुकसान पहुंचाया है। तुम्हारा कोई दोस्त नहीं था। क्या उसने तुम्हें उनसे दूर रखा?”

उसने आह भरी और बालों में हाथ फिराया।

“तुम उसके बारे में क्यों जानना चाहती हो? वह अक्सर मेरे साथ सख्ती से पेश आती थी और मैंने उसके साथ इतनी तरह से शारीरिक संबंध बनाए हैं कि तुम सोच भी नहीं सकतीं।

बात खत्म।"

मैं घबरा गई। उसे गुस्सा आ गया था।

"तुम इतने गुस्से में क्यों हो?"

"क्योंकि वह जो कुछ भी था, सब खत्म हो चुका है।"

मैंने अपने दोनों हाथ गोद में रख लिए और उसकी बात का मतलब समझने की कोशिश करने लगी।

वह मेरे पास आ बैठा, "तुम क्या जानना चाहती हो?"

"तुम मत बताओ। मैं जबरदस्ती नहीं करना चाहती।"

"एनेस्टेसिया! यह बात नहीं है। मुझे इस बारे में बात करना पसंद नहीं है। मैं सालों से एक ऐसे बुलबुले में कैद रहा जहां मुझ पर किसी का कोई असर नहीं होता था और न ही मुझे कभी किसी को अपनी सफाई देनी पड़ी। वह हमेशा मेरी भरोसेमंद बनी रही और अब मेरा अतीत और भविष्य आपस में ऐसे टकरा रहे हैं, जैसा मैंने कभी सोचा भी नहीं था।"

"एना! मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मेरा भी किसी के साथ कोई भविष्य हो सकता है। तुमने मुझे उम्मीद दी और सारी संभावनाओं पर गौर करने का हौंसला भी दिया।"

"मैं सब सुन रही थी।" मैंने हौले से कहा।

"क्या?"

"तुम दोनों की बातचीत।"

"अच्छा।"

"वह तुम्हारी परवाह करती है।"

"हां, वह करती है। मैं भी अपने तरीके से करता हूं पर इसका मेरी भावना से कोई मतलब नहीं है।"

मैं जलनखोर नहीं हूं। मैंने खुद को समझाया।

"क्या तुम उससे प्यार नहीं करते, क्रिस्टियन?"

"मैं कभी, बहुत पहले उसे प्यार किया करता था।"

"ओह! जब हम जार्जिया में थे तो तुमने कहा था... तुमने कभी उसे प्यार नहीं किया।"

"वह भी ठीक था।"

मैंने त्यौरी चढ़ाई।

“एनेस्टेसिया! मैंने तुमसे प्यार किया है। तुम ही इकलौती इंसान हो जिससे मिलने के लिए मैं तीन हजार मील का सफर तय करके गया था।”

ओह! फिर भी यह मुझे अपनी सेक्स गुलाम की तरह क्यों चाहता है।

“मेरे मन में तुम्हारे लिए जो भाव हैं, वह एलीना के लिए कभी नहीं आए।”

“तुम्हें कब पता चला कि तुम मुझे चाहते हो।”

“मुझे इस बात का एहसास दिलाने वाली भी एलीना ही थी। उसने ही मुझे जार्जिया जाने को कहा था।”

मैं जानती थी। मैं सवाना में जानती थी।

अब मैं क्या करूं। वह मेरी ओर भी है और चिंता भी करती है कि मैं क्रिस्टियन के दिल को चोट न दूं। यह सोच ही दुखदायी है। मैं उसे कभी दुख क्यों देना चाहूंगी। वह ठीक कहती है- क्रिस्टियन पहले ही बहुत सताया हुआ है।

शायद वह इतनी बुरी भी नहीं है। मैंने अपनी गर्दन हिलाई। मैं दोनों का कोई नाता नहीं चाहती थी। जो भी हो, उसने एक किशोर से उसकी जवानी छीनी है, भले ही वह इस चीज़ को किसी भी रूप में पेश करे।

“तो जब तुम किशोर थे तो तुम उसकी चाहना रखते थे?”

“हां।”

“ओह!”

“उसने मुझे बहुत कुछ सिखाया। उसने मुझे खुद पर भरोसा रखना सिखाया।

“ओह, पर वह तुम्हारे साथ सख्ती से भी तो पेश आती थी।”

“हां, वह ऐसा भी करती थी।”

“तुम्हें ये पसंद था?”

“जब मैं करता हूं, तब अच्छा लगता है।”

“इतना पसंद है कि तुम दूसरों पर आजमाना चाहते हो।”

“हां।”

“क्या इस काम में उसने तुम्हारी मदद की?”

“हां।”

“क्या वह तुम्हारी गुलाम रही?”

"हां।"

"ओह! क्या तुम चाहते हो कि मैं भी उसे पसंद करूं।"

"जरूरी नहीं पर अगर ऐसा कर पातीं तो मेरी जिंदगी काफी हद तक आसान हो जाती। मैं तुम्हारी नफ़रत की वजह नहीं समझ पा रहा।"

"क्रिस्टियन! अगर वह तुम्हारा बेटा होता तो तुम्हें कैसा लगता?"

उसने ऐसे पलकें झपकाईं मानो सवाल ही समझ न आया हो। फिर माथे पर बल डाल कर बोला, "मुझे उसके साथ रहना नहीं पड़ा था। एनेस्टेसिया! यह मेरा अपना चुनाव था।"

"ये बात मुझे बिल्कुल समझ नहीं आ रही।"

"लिंक कौन है?"

"उसका पुराना पति।"

"लिंकन टिंबर?"

"हां, वही।"

"और इसाक?"

"उसका नया सेक्स गुलाम।"

"ओह नहीं।"

"वह पच्चीस के करीब होगा। एनेस्टेसिया! वह एक वयस्क है।"

"तुम्हारी उम्र का।" मैंने कहा।

"देखो एनेस्टेसिया, जैसा कि मैंने उसे भी बताया कि वह मेरे अतीत का एक हिस्सा है। तुम मेरा आने वाला कल हो। उसे हमारे बीच मत आने दो। वैसे इन बातों मन भर गया है। मैं कुछ काम करने जा रहा हूं। चलो उठो, प्लीज।"

मैं उसे घूरती रही।

"ओह, तुम्हें बताना ही भूल गया। कल तुम्हारी कार आ गई थी वह गैराज में है और चाबियां टेलर के पास हैं।"

"वाह... साब? क्या मैं कल चला सकती हूं।?"

"नहीं।"

"क्यों नहीं?"

“तुम जानती हो कि क्यों नहीं। इससे मुझे याद आ गया कि अगर तुम्हें ऑफिस से बाहर जाना हो तो मुझे बता देना। स्वेयर वहीं था और तुम पर नज़र रखे हुए था। ऐसा लगता है कि मैं तुम्हारी देखभाल के लिए तुम पर भरोसा नहीं कर सकता।” उसने मुझे ऐसे फटकारा मानो मैं कोई शरारती बच्चा हूं। वैसे तो मैं बहस कर सकती थी पर एलीना वाले मामले में आज काफी बहस हो चुकी थी इसलिए मैंने चुप रहने में ही भलाई समझी।

उसने पल भर के लिए आंखें बंद कीं और अपने पर काबू पाते हुए बोला।

“मुझे थोड़ा काम है।”

मैंने गहरी सांस छोड़ी। मुझे पता ही नहीं था कि मैं सांस रोके बैठी थी। मैं पलंग पर लेट कर छत को ताकने लगी।

क्या हम कभी बहस किए बिना, सामान्य बातचीत कर सकेंगे? इससे बहुत थकान हो जाती है।

हम तो एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते भी नहीं हैं। क्या मैं इसके साथ रहने आना चाहती हूं? मुझे तो यह भी नहीं पता कि ये काम के दौरान कोई चाय या कॉफी भी लेना पसंद करता है या नहीं? क्या मुझे उसे परेशान ही नहीं करना चाहिए? मुझे इसकी पसंद-नापसंद भी तो नहीं पता।

साफ है कि वह एलीना की राम कहानी से अब गया है। वह ठीक कहता है, मुझे भी इस बात को भुलाकर आगे बढ़ जाना चाहिए। खैर, उसे यह कोशिश तो नहीं करनी चाहिए कि मैं एलीना से दोस्ती कर लूं। उम्मीद करती हूं कि अब वह भी मुझे मीटिंग के लिए नहीं कहेगी।

मैं बिस्तर से उठकर खिड़की के पास गई। बालकनी का दरवाजा खोला और कांच की रेलिंग के पास टहलने लगी। उसकी पारदर्शिता मुझे बेचैन कर रही है। हवा में ठंडक है और मैं ऊंचाई पर हूं।

मैंने सिएटल के चमकते सितारों को देखा। वह सारी दुनिया से कटा, अपने दुर्ग में बंद है। उसे किसी को जवाब नहीं देना होता। उसने मुझसे अभी प्यार का इजहार किया और फिर औरत की वजह से यह हंगामा हो गया। मैंने आंखें नचाईं। इस आदमी की जिंदगी कितनी उलझी हुई है। यह आदमी कितना उलझा हुआ है।

मैंने भारी सांस के साथ देखा, सारा सिएटल शहर मेरे कदमो में बिछा है। मैंने रे को फोन करने की सोची। कितने दिनों से बात नहीं हुई है। चाहे थोड़ी देर के लिए ही बात होगी पर मुझे यकीन हो जाएगा कि वे ठीक-ठाक हैं और मैं उनके एक खास सॉकर मैच में दखलंदाजी कर रही हूं।

“उम्मीद करता हूं क्रिस्टियन के साथ सब ठीक चल रहा होगा।” उन्होंने कहा और मैं जानती हूं कि वे कोई बात निकलवाना चाह रहे हैं पर उन्हें उससे कोई उतर नहीं पड़ता।

"हां, हमारे बीच सब ठीक चल रहा है। मैं उसके साथ ही रहने आ रही हूं। हालांकि अभी बाकी बातें तय नहीं हुईं।"

"लव यू डैड।"

"लव यू एनी।"

मैंने फोन रखा और घड़ी देखी। अभी तो दस बजे हैं और आज की बहस के कारण मैं बेचैनी-सी महसूस कर रही हूं। मैं नहाई और एक्टोन द्वारा भेजी गई रात की पोशाकों में से कोई एक पहनने की सोची। क्रिस्टियन हमेशा मेरी टी-शर्टों के बारे में बिसूरता रहता है।

मैंने हल्की गुलाबी पोशाक चुनी और पहन ली। उसका कपड़ा मेरे शरीर से चिपक गया और आसपास बिखर-सा गया। ये कितना आलीशान और प्यारा लग रहा है। साटिन की बात ही कुछ और होती है। मैंने शीशे में देखा तो लगा कि तीस के दशक की कोई नायिका है। ये काफी लंबा और शानदार है पर मैं अक्सर ऐसी पोशाकें नहीं पहनती

मैंने मेल खाता चोगा लिया और लाईब्रेरी से कोई किताब खोजने चल दी। मैं आई-पैड पर भी पढ़ सकती थी पर इस समय मुझे किसी किताब के स्पर्श की सख्त जरूरत है। इस तरह अकेलेपन का एहसास घट जाएगा। क्रिस्टियन को अकेला छोड़ना ही ठीक है, उसका मूड भी संभल जाएगा और वह काम भी कर लेगा।

उसकी लाईब्रेरी में किताबों का ढेर लगा है। मैंने देखा कि तकरीबन किताबों के पहले संस्करण ही रखे हुए थे। तभी बिलियर्ड की मेज और रूलर पर नजर गई और मैं शरमा गई। मैंने अपने लिए रिबेका चुनी, वहीं आरामकुर्सी पर पढ़ने लगी।

अचानक ही क्रिस्टियन ने मुझे बांहों में उठाया तो मेरी आंख खुली।

"हे! तुम सो गई थीं। मैं तुम्हें वहां खोज रहा था।" मैंने नींद-नींद में ही उसके गले में बांहें डालीं और उसके बदन की गंध ने मुझे मदहोश कर दिया। वह मुझे सोने के कमरे में ले गया और पलंग पर लिटाकर चादर ओढ़ा दी।

"सो जाओ बेबी!" उसने मेरा माथा चूम लिया।

मैं एक सपने से अचकचाकर उठ बैठी। बिस्तर पर वह नहीं था। बड़े कमरे से पिआनो के स्वर सुनाई दिए।

क्या बजा है। घड़ी देखी तो रात के दो बजे थे। क्या क्रिस्टियन सोने ही नहीं आया? मैंने चोगे में उलझी टांगें निकालीं और पलंग से उतर गई।

बड़े कमरे में चारों ओर धुन गूंज रही है और क्रिस्टियन एक रोशनी के बुलबुले में कैद अपनी ही दुनिया में मग्न है। वह अक्सर अपने हुनर से मुझे हैरान क्यों कर देता है?

उसने मुझे देखा और अपनी आंखों से पीने लगा। उसके पास पहुंची तो उसने हाथ रोक दिए।

“तुमने बंद क्यों कर दिया? कितना अच्छा बजा रहे थे।”

“क्या तुम्हें पता भी है कि तुम इस समय कितनी दिलकश दिख रही हो।” उसने मुलायम स्वर में कहा।

“ओह! पलंग पर चलो।” मैंने कहा। उसने हाथ आगे किया और मुझे अपनी गोद में खींच लिया। वह मेरी गर्दन के पीछे अपनी नाक से गुदगुदी करने लगा।

“हम लड़ते क्यों हैं?” उसने दांतों से मेरा कान कुतरते हुए कहा।

मेरा दिल तो जैसे धड़कना ही भूल गया।

“क्योंकि हम एक-दूसरे को जानने की कोशिश कर रहे हैं और तुम ढीठ, अड़ियल, मूडी और कठोर किस्म के लोगों में से हो।”

“मिस स्टील! आपने सही कहा। हैरानी की बात है कि आप मेरे साथ कैसे टिकी हुई हैं।”

उसने अचानक ही मेरा चोगा उतार दिया और उसके हाथ मेरे बदन पर रेंगने लगे। उसकी छुअन से पूरा शरीर जाग उठा। वह लगातार मेरे शरीर को सहलाने लगा।

“तुम इन कपड़ों में कितनी सेक्सी दिख रही हो। मैं शरीर का एक-एक अंग देख सकता हूं।” उसने एक हाथ गर्दन के पीछे रखा और दूसरे हाथ से बाकी अंगों को छूने लगा। मैंने सिसकारी भरी और उसके चेहरे को चूम लिया। उसने मुझे एक गहरा चुंबन दिया और हाथों की सरगोशियां बढ़ती चली गईं।

उसने अचानक मुझे उठाकर पिआनो पर बिठा दिया। मेरे पांव पिआनो की कीज़ से टकराए, जिनसे बेमेल से सुर निकलने लगे। उसने हुक्म दिया, “पीठ के बल लेट जाओ।”

पिआनो के ढक्कन पर लेटने से बेचैनी सी महसूस हुई और पांव सुरों से खेलने लगे।

ओह! पता नहीं, ये क्या करने जा रहा है। उसकी चुंबनों की बौछार टांगों से होते हुए ऊपरी हिस्सों तक जाने लगी तो मैं कराही। मैंने अपनी टांगें पसार दीं।

“क्रिस्टियन ओह क्रिस्टियन! तुम ये सब क्या कर रहे हो।” उसने मेरी बात सुने बिना अपने ही तरीके से मेरे शरीर से खेलना जारी रखा।

“एना! ये मेरा बदला लेने का तरीका है। तुम मुझसे बहस करो और मैं तुम्हारे शरीर से खेलकर अपनी रंजिश निकाल लूंगा” उसने मेरे पेट, जांघों और टांगों पर चुंबनों की बरसात सी कर दी।

ओह! ये इसका कैसा मीठा-सा बदला है! मेरा पूरा शरीर पिआनो पर तिरछा हो आया। यह सब सहा नहीं जा रहा।

"क्रिस्टियन, क्रिस्टियन!" मैंने उसे अपने पास बुलाने के लिए सिसकारी भरी।

उसने मुझ पर तरस दिखाते हुए हाथ रोक दिया और अपना हथियार निकाल लिया। मैं वहीं लेटी, बेदम होकर उसे ताक रही हूं और वह मेरे पास आने के लिए जिरहबख्तर पहन रहा है। मुझे तो पता ही नहीं चला कि उसने कब अपने कपड़े उतारे।

उसकी आंखों में प्यार और वासना के मिले-जुले भाव हैं, जो उसे और भी सेक्सी बना रहे हैं।

"मैं तुम्हें दिल से चाहता हूं।" उसने कहा और..

मैं वहीं पिआनो पर पसरी हूं और सभी अंग शिथिल हुए पड़े हैं। मैंने सावधानी से अपने को उसकी छाती से दूर रखते हुए, अपना गाल टिका दिया और हम दोनों स्थिर पड़े रहे। सांसें धीरे-धीरे सामान्य हो गईं। उसने हौले से मेरे बाल सहलाए।

"तुम शाम को चाय या कॉफी में से क्या लेते हो?" मैंने नींद में पूछा।

"ये कैसा सवाल है?"

"मुझे लगा कि स्टडी में चाय लेकर आऊं पर यह नहीं पता था कि तुम शाम को क्या लेते हो।"

"ओह! एना, मैं शाम को वाइन या पानी लेता हूं। हालांकि मैं चाय लेने की कोशिश भी कर सकता हूं।"

उसके हाथ मेरी पीठ को लगातार सहलाने लगे।

"हम सचमुच एक दूसरे को कितना कम जानते हैं।" मैं बुदबुदाई।

"मुझे पता है।" उसने उदासी के साथ कहा। मैं उठ बैठी।

"क्या हुआ क्रिस्टियन!"

उसने गर्दन झटक दी। मानो किसी नापसंद सोच को अपने से दूर कर देना चाहता हो। उसने मेरे गाल सहलाए और बोला, "मैं तुमसे प्यार करता हूं, एना स्टील।"

सुबह छह का अलार्म बजा तो मैं चौंककर जाग गई।

मैं एक अजीब से सपने के असर से घिरी हूं। आंखें खुलीं तो पाया कि क्रिस्टियन मुझे जकड़े हुए है और गहरी नींद में सो रहा है। उसका चेहरा देखते ही मेरे मन में बेतरह प्यार उमड़ आया। जैसे ही उसके बालों में हाथ फिराने लगी। वह हिला और आंखें खोल लीं

“गुडमोर्निंग, जान।”

“गुडमोर्निंग, डियर।” उसने मुझे चूमा और कोहनी के बल लेट कर मुझे देखने लगा। “नींद अच्छी आई?”

“जी, कल रात की बाधा के बावजूद अच्छी नींद आई।

उसकी मुस्कान और भी चौड़ी हो गई। “हम्म, आप जब भी चाहें, ऐसी बाधा दे सकते हैं। अपने बारे में बताएं मि. ग्रे।”

“एनेस्टेसिया! मुझे तुम्हारे साथ सोने से अच्छी नींद आती है।”

“डरावने सपने तो नहीं आते?”

“बिल्कुल नहीं।”

“वैसे ये सपने किस बारे में होते हैं?”

उसकी भवें सिकुड़ गईं। *आग लगे मेरे कौतूहल को।*

“वे मेरे बचपन की परछाईयां हैं। डॉ. तो यही कहते हैं। कुछ बहुत साफ हैं और कुछ धुंधली हैं।” ऐसा लगा कि उसकी आवाज़ कहीं दूर से आ रही हो। वह अपनी अंगुली मेरी गर्दन के पास फिराने लगा और मेरा ध्यान बंट गया।

“क्या तुम कभी रोते या चिल्लाते हुए भी नींद से जगे हो?” मैंने मजाक करना चाहा।

उसने उलझन से देखा। “नहीं एनेस्टेसिया। मैं कभी नहीं रोया।”

ओह! मैं भी कैसी बेवक्त की बीन छेड़ देती हूं।

“क्या बचपन की कुछ खुशनुमा यादें भी हैं?”

“मुझे याद है कि वह केक बेक करती थी। मुझे उस बेक की खुशबू याद है। शायद मेरे जन्मदिन के लिए बेक हुआ था। फिर मॉम और डैड के साथ मिआ आई। मॉम को चिंता थी कि मैं कैसे पेश आऊंगा पर मैंने उसे दिल से अपनाया। मेरे मुंह का पहला शब्द ही मिआ था। मुझे अपना पहला पिआनो सबक याद है। मेरी टीचर मिस कैथी बहुत प्यारी थी। उसके पास घोड़े भी थे।”

“तुमने कहा कि मॉम ने तुम्हारी जान बचाई। वो कैसे?”

वह अपने सपने से जगा और बोला, “उन्होंने मुझे गोद लिया था। पहली बार मिलीं तो ऐसा लगा कि वे कोई एंजिल हैं। वे सफेद कपड़ों में थीं और उन्होंने बड़ी ही कोमलता से मेरा परीक्षण किया। अगर वे मुझे न अपनाती तो...।” उसने कंधे झटके और घड़ी देखी। “सुबह के हिसाब से ये बहुत ज्यादा हो गया।”

"मैंने भी तो तुम्हें बेहतर जानने की कसम खाई है।"

"अच्छा मिस स्टील! मेरे हिसाब से तो आप जानना चाहती थीं कि मैं चाय लेना पसंद करता हूं या कॉफी? वैसे मुझे जानने का एक और तरीका भी हो सकता है।" उसने अपने बदन को मेरे बदन से सटा दिया।

"वैसे उस तरीके से तो मैं तुम्हें बहुत बेहतर जान चुकी हूं।" मैंने कहा।

यह सुनकर उसका चेहरा और भी खिल गया।

"मुझे लगता है कि तुम्हें जानने के लिए, रोज सुबह तुम्हारे साथ सोकर उठने से बेहतर विकल्प हो ही नहीं सकता।" उसने अपने मादक सुर में कहा।

"क्या तुम्हें उठना नहीं है।"

"नहीं, मिस स्टील! इस समय तो मैं बस एक ही जगह रहना चाहता हूं।"

"क्रिस्टियन!"

अचानक ही वह पलटकर मेरे ऊपर आ गया और मेरे हाथ पलंग पर पीछे ले जा कर, गले को चूमने लगा।

"ओह मिस स्टील। मैं तुम्हारा क्या करूं।" उसके हाथ मेरी रेशमी पोशाक पर फिसलने लगे और मैं अपनी सुध खो बैठी।

मिसेज जोंस ने मेरे लिए बेकन और पैनकेक का नाश्ता लगा दिया है और क्रिस्टियन ऑमलेट व बेकन ले रहा है। हम दोनों प्यारी-सी खामोशी के बीच नाश्ता ले रहे हैं।

"मैं तुम्हारे ट्रेनर क्लॉड से कब मिल सकती हूं।" क्रिस्टियन ने सुना तो चेहरे पर बड़ी-सी मुस्कान खेल गई।

"यह तो तुम पर ही निर्भर करता है कि तुम इस वीकएंड न्यूयार्क जाना चाहती हो या नहीं? मैं एंडिन्त्रया से कहकर उसका शेड्यूल पता लगाता हूं।"

"एंर्डिया ?"

"मेरी पी ए!"

"ओह, हां। वही तुम्हारी सुनहरे बालों वाली गोरी।"

"वह मेरी नहीं है। वह मेरे लिए काम करती है। तुम मेरी हो।"

"मैं भी तुम्हारे लिए काम करती हूं।" मैंने कड़वाहट से कहा।

उसके चेहरे की हंसी मिट गई। "हां, तुम करती हो।" फिर उसने पहले से भी बड़ी मुस्कान दी और मुझे भी उसकी हंसी की छूत लग गई।

"शायद क्लॉड मुझे किक बॉक्सिंग सिखा दे।" मैंने चेतावनी दी।

"ओह हां! ताकि तुम मुझसे अपने बदले ले सको।"

क्रिस्टियन ने मजे से एक भौं ऊंची करके कहा, "तो हो जाए मिस स्टील।"

आज वह बहुत ही खिलंदड़े मूड में है। शायद सेक्स का कमाल है या... शायद यही चीज़ इसे इतना जिंदादिल बना देती है।

मैंने पिआनो को देखा तो रात की यादें ताजा हो गईं।

पिआनो और उसकी मस्ती!

मिसे जोंस ने अचानक ही लंच मेरे पास रखा तो मैं शर्मिंदा हो गई।

"एना! ट्यूना खा लोगी न?"

"ओह हां! थैंक्स मिस जोंस। मैंने एक शर्मीली-सी मुस्कान दी और वे शायद हमें एकांत में कुछ समय देने के लिहाज से बाहर चली गईं।

"क्या मैं कुछ पूछ सकती हूं।" मैंने मुड़कर क्रिस्टियन से पूछा।

"बेशक।"

"तुम गुस्सा तो नहीं करोगे?"

"एलीना की तो कोई बात नहीं है?"

"नहीं।"

"तब मैं गुस्सा नहीं करूंगा।"

"पर मेरे पास एक और सवाल है।"

"ओह? जो उसके बारे में है।"

उसने आंखें नचाईं, "क्या?" अब वह परेशान-सा दिखा।

"तुम उसकी बात करते ही भन्ना क्यों जाते हो?"

"सच्ची बताऊं?"

"मुझे तो लगता था कि तुम हमेशा सच ही बताते हो।" मैंने मुंह बनाया।

"कोशिश तो करता हूं।"

मैंने आंखें सिकोड़ीं, "जवाब उलझा हुआ है।"

"एना! मैं तुमसे सच ही कहता हूं और तुमसे किसी तरह के खेल नहीं खेलना चाहता।"

"तो तुम मुझसे किस तरह के खेल खेलना चाहते हो?"

वह अपना सिर एक ओर झुकाकर हंसा,"मिस स्टील! तुम्हारा ध्यान बंटाना बड़ा आसान है।"

मैं भी हंस दी। वह ठीक कह रहा है। "मि ग्रे! आपको तो लोगों को काबू करने की सारी अदाएं आती हैं।" मैं खिलखिलाने लगी।

"एना! मेरे लिए दुनिया में तुम्हारी खिलखिलाहट ही सबसे मीठा सुर है। वैसे तुम पूछ क्या रही थीं?"

मैं हंसोड़ क्रिस्टियन के स्वभाव का आनंद ले रही हूं। आप तो जानते ही हैं कि उसका मूड बदलते देर नहीं लगती।

"अच्छा! क्या तुम उन सेक्स गुलामों से केवल सप्ताह के अंत में ही मिलते थे?"

"हां, ये ठीक है।" उसने घबराहट से कहा।

मैं मुस्कुराईं, तो ठीक है, "सप्ताह के बीच में कुछ नहीं होगा।"

वह हंसा, "तो अच्छा यह बात इसलिए हो रही थी।"

"तुमने यह क्यों सोचा कि मैं हर रोज वर्कआउट करता हूं।"

अब तो वह सचमुच मेरा मज़ाक उड़ा रहा था पर मुझे परवाह नहीं है। मैं खुद को खुशी से लगे लगाना चाहती हूं। मेरे जीवन में एक और फर्स्ट जुड़ गया है।

"मिस स्टील! बड़ी खुश दिख रही हैं।"

"हां मि. ग्रे।"

"तुम्हें होना ही चाहिए। अब अपना नाश्ता करो।"

ओह तानाशाही बॉस!......वह हमेशा पास ही रहता है।

हम ऑडी में बैठे हैं। टेलर पहले मुझे ऑफिस छोड़ेगा और फिर क्रिस्टियन को ले जाएगा। स्वयेर के पास शॉटगन है।

"क्या आज तुम्हारी रूममेट का भाई नहीं आ रहा था?" क्रिस्टियन ने यूं ही पूछा

"ओह ईथन! हाय मैं तो भूल ही गई थी। क्रिस्टियन याद दिलाने के लिए थैंक्स। मुझे अपार्टमेंट जाना होगा।"

उसका मुंह उतर गया, “किस वक्त ?”

“पता नहीं, वह कब आएगा।”

“मैं नहीं चाहता कि तुम अकेली वहां जाओ।”

“मुझे पता है। क्या आज भी स्वेयर जासूसी... मतलब निगरानी पर होगा ?” मैंने बोलते-बोलते जीभ काट ली।

“हां।” क्रिस्टियन ने पलटवार किया।

“अगर मैं अपनी गाड़ी ले जाती तो आसानी होती।” मैंने हौले से कहा।

“स्वयेर के पास कार होगी और वह तुम्हें तुम्हारे बताए वक्त पर अपार्टमेंट छोड़ देगा।”

“ओ के ! ईथन दिन में फोन करेगा ही। तब मैं तुम्हें आज के प्लान बता दूंगी।”

वह कुछ नहीं बोला। समझ नहीं आ रहा कि क्या सोच रहा है।

“अच्छा ! याद रखना कि तुम अकेली कहीं नहीं जाओगी।” उसने मुझे अंगुली दिखाई।

“हां डियर !”

उसके चेहरे पर मुस्कान खेल गई, “अपना फोन लेकर मेल करना वरना मुझे आई टी वाले से दोबारा काम करवाना पड़ेगा।”

“हां क्रिस्टियन !” मैं खुद को आंखें नचाने से रोक नहीं सकी और वह दबी हंसी के साथ बोला, “मिस स्टील ! तुम्हारी हरकतों से मेरी हथेली में खुजली होने लगती है।”

“और मि. ग्रे। अब हम आपकी इस हथेली का क्या करें !”

वह हंसा तभी अचानक ही उसका फोन आ गया। उसने कॉलर आई डी देखकर भवें सिकोड़ी। “क्या है ?” उसने कहा और बात सुनने लगा।

“मजाक मत करो......बेकार का तमाशा......उसने तुम्हें कब बताया था ?”

“नहीं, चिंता मत करो। खैर उसने पैसे तो कोई खास नहीं मांगे थे। बेशक तुमने भी बदला लेने के लिए कोई दुष्ट योजना बना ही ली होगी। बेचारा इसाक ! गुडबाय।”

क्रिस्टियन के चेहरे पर थोड़ी सुकून-सा दिखाई दिया।

“कौन था ?” मैंने पूछा।

“तुम जानना चाहती हो।” उसने पूछा।

मैंने इंकार किया और खिड़की से बाहर पसरे शहर को देखने लगी। वह उसे अकेला क्यों नहीं छोड़ देती ?

“हे।” उसने मेरा हाथ चूम लिया और अचानक ही छोटी अंगुली चूसने लगा। फिर उसे हौले से काट लिया।

ओह! लगता है कि इसके पास मेरे दिल की हॉटलाइन है। मैंने टेलर और स्वेयर को कनखियों से देखा और क्रिस्टियन की आंखों का रंग बदलता दिखाई दिया।

“एनेस्टेसिया! इन बातों में सिर मत खपाओ। वह बीता कल थी।” उसने मेरी हथेली चूम ली और मैं सब कुछ भूल गई।

“मोर्निंग, एना!” मुझे देखते ही जैक बोला, “ड्रिंक्स अच्छी है।”

मैं शरमा गई। आज भी मैंने अपनी नई अलमारी से कपड़े लिए थे। बेशक मेरी अमीर दोस्त की मेहरबानी है। यह एक बिना बांहों की हल्की नीली लिनन की कमीज है और मैंने क्रीम रंग के सैंडिल पहने हैं। क्रिस्टियन को हील पसंद है, यह याद आते ही चेहरे पर मुस्कान आ गई पर मैंने किसी तरह खुद को संभाल लिया।

“गुडमोर्निंग जैक!”

“मैंने ब्रोशर को प्रिंट होने भेज दिया।” वह अपने दरवाजे में से झांका।

“एना! एक कप कॉफी मिलेगी?”

“जरूर!”

मैं किचन में गई तो वहां क्लेयर मिल गई।

“हाय एना!”

“हाय क्लेयर!”

हमने उसके परिवार और उसके जश्न के बारे में बातें कीं। फिर मैंने उसे क्रिस्टियन के साथ सेलिंग के बारे में बताया।

“यार तेरा ब्वायफ्रेंड बड़ा ही जबरदस्त है।” उसने चमकीली आंखों के साथ बताया।

मैं आंखें मटकाते-मटकाते ठहर गई।

“हां, इतना बुरा भी नहीं है।” मैंने कहा और मैं दिल खोलकर हंसी।

“बड़ा टाइम लगा दिया।” जैक के ऑफिस में कदम रखते ही झिड़की मिल गई।

’’ओह सॉरी।’’ इस बंदे को हुआ क्या है? किस बात की परेशानी है?

उसने गर्दन हिलाई, “सॉरी एना! मैं तुम पर चिल्लाना नहीं चाहता था हनी।”

हनी!

"पता नहीं कुछ गड़बड़ चल रही है। सीनियर लेवल की बात है, कुछ समझ नहीं आ रहा। तुम अपने कान खुले रखो। कुछ पता चले- तुम तो जानती हो कि लड़कियों से बातों के सुराग मिल जाते हैं। अगर कुछ पता चले तो मुझे जरूर बताना।" वह मुस्कराया और मुझे अजीब-सा लगा। इसे क्या पता कि लड़कियां क्या बातें करती हैं। खैर, मुझे तो पहले से पता है कि क्या हो रहा है।

"बताओगी न ?"

"जी, मैंने ब्रोशर प्रिंट होने भेज दिए हैं। दो बजे तक आ जाएंगे।"

"ठीक है। उसने पांडुलिपियां देते हुए कहा, इनके पहले चैप्टरों के सार लिखकर, इन्हें फाइल कर दो।"

"मैं कर दूंगी।"

मैंने अपने ऑफिस में आकर चैन की सांस ली। ओह! जब इसे ऑफिस की सच्चाई पता चलेगी तो इसका क्या हाल होगा। जैक की तो हालत खराब हो जाएगी। मैंने फोन में झांका तो क्रिस्टियन का मेल आया हुआ था।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: उगता सूरज
डेट: जून 14 2011 09:23
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मुझे सुबह तुम्हारे साथ सो कर उठना अच्छा लगता है।
क्रिस्टियन ग्रे
पूरी तरह से किसी के प्यार में खोया हुआ सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक
ओह शायद मेरे चेहरे पर एक बड़ी-सी मुस्कान खेल गई होगी

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: सूर्यास्त
डेट: 14 जून 2011 09:35
टू: क्रिस्टियन ग्रे
पूरी तरह से दीवाने ग्रे

मुझे भी तुम्हारे साथ जागना बेहद पसंद है पर तुम्हारे साथ पलंग पर, लिफ्ट में, पिआनो पर, बिलियर्ड की मेज पर, बोट और डेस्क पर, शॉवर और बाथ टब में, अजीब सी हथकड़ियों

और बेड़ियों वाले बड़े से पलंग पर और बचपन वाले कमरे होना उससे भी ज्यादा पसंद है।

तुम्हारी
सेक्स की दीवानी और
कभी तृप्त न होने वाली...

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: उअफ ये अदा!
डेट: जून 14 2011 09:37
टू: एनेस्टेसिया स्टील

सेक्स की दीवानी और कभी तृप्त न होने वाली..अभी-अभी मेरे कीबोर्ड पर सारी कॉफी छलक गई। मुझे नहीं लगता कि आज से पहले मेरे साथ ऐसा हुआ है। मैं भूगोल पर ध्यान देने वाली औरतें पसंद करता हूं। क्या मैं मान लूं कि क्या तुम मुझे मेरे शरीर के लिए ही चाहती हो?

क्रिस्टियन ग्रे
पूरी तरह से सदमे में
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: खिलखिलाहट और...
डेट: 14 जून 2011 09:42
टू: क्रिस्टियन ग्रे
पूरी तरह से सदमे में डूबे डियर
हमेशा
मुझे काम करना है।
तंग करना बंद करो।
तुम्हारी सेक्स की दीवानी और
कभी तृप्त न होने वाली..

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: क्या ऐसा करना ही होगा

डेट: जून 14 2011 09:50
टू: एनेस्टेसिया स्टील सेक्स की दीवानी
और कभी तृप्त न होने वाली डियर
तुम्हारा हुक्म सिर आंखों पर
मुझे खुशी है कि तुम्हारे चेहरे पर मुस्कान आई।
मिलते हैं!
क्रिस्टियन ग्रे
पूरी तरह से किसी के प्यार में खोया हुआ, सदमे से अधमरा और नशे में मदमस्त
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

मैंने ब्लैकबैरी नीचे रखा और काम में लग गई।

जैक ने लंच लेने दोबारा भेजा तो मैंने उसी समय क्रिस्टियन को फोन कर दिया।

"एनेस्टेसिया!" उसने इतने प्यारे सुर में कहा कि मैं तो वहीं पिघल गई।

"क्रिस्टियन! जैक ने मुझे लंच लाने भेजा है।"

"कमीना आलसी!" क्रिस्टियन खीझा।

मैंने अनुसना किया और बात जारी रखी, "मैं लेने जा रही हूं। तुम मुझे स्वेयर का नंबर दे दो ताकि जरूरत पड़ने पर मुझे तुम्हें परेशान न करना पड़े।"

"ऐसी क्या बात है बेबी?"

"क्या तुम अकेले हो?"

"नहीं, इस समय मुझे छह लोग घूर रहे हैं कि मैं किससे बात कर रहा हूं।"

"सच्ची?"

"हां, सच्ची!" उसने फोन से मुंह हटाकर लोगों के बीच ऐलान किया कि उसकी गर्लफ्रेंड का फोन है।

"हां, वे सब भी तुम्हें समलैंगिक ही मानते आए होंगे।" मैंने कहा।

"हां, हो सकता है।" वह मुस्कुराया।

"अच्छा रखती हूं।"

"मैं स्वेयर को बता देता हूं। तुम्हारे दोस्त का फोन आया?"

"नहीं मि. ग्रे! सबसे पहले आपको ही खबर दी जाएगी।"

"गुड! फिर मिलते हैं।"

"बाय क्रिस्टियन!" जब भी वह थोड़ा-सा रोमांस दिखाता है तो अजीब लगता है पर यही तो उसका स्वभाव है। जब मैं बाहर आई तो स्वेयर को इंतजार करते पाया। उसने औपचारिक अभिवादन किया। "स्वेयर!" मैं स्वेयर के साथ टेलर जितना आरामदेह महसूस नहीं करती। वह साथ-साथ चलते हुए सड़क पर भी नजर मारता जा रहा था और मैं भी घबराहट के मारे ऐसा ही करने लगी।

"क्या लीला बाहर है? क्या हम सभी क्रिस्टियन की तरह वहम के शिकार हो गए हैं? क्या उसके पचास रंगों में से एक है? काश डॉ. फिल्न से बात करने के लिए आधा घंटा मिल जाता!

सिएटल में लंच टाइम की गहमागहमी है। लोग लंच करने, दोस्तों से मिलने या खरीदारी करने के लिए भाग-छोड़कर रहे हैं। मैंने दो युवतियों को मिलते समय गले मिलते देखा।

मुझे केट की याद आने लगी। अभी उसे गए दो सप्ताह ही हुए हैं और ऐसा लगता है कि ये मेरी जिंदगी के सबसे बड़े दो सप्ताह रहे हैं। कितना कुछ घट गया है। उसे बताऊंगी तो शायद यकीन भी न करे। खैर, उसे कांट-छांट कर तो बता ही दूंगी पर पहले इस बारे में क्रिस्टियन से पूछना होगा। केट इन बातों का क्या मतलब निकालेगी। पता नहीं वह आज ईथन के साथ वापिस आएगी या वहीं इलियट के साथ कुछ और समय बिताना चाहेगी?

"बाहर कहां खड़े होकर इंतजार कर रहे थे?" मैंने लंच की लाइन में लगते हुए कहा। स्वेयर मेरे सामने है और दरवाजे से आने-जाने वालों को देख रहा है।

"मिस स्टील! मैं ऑफिस के सामने वाले कॉफी शॉप में था।"

"ये बोरिंग नहीं है।"

"नहीं मैम! यह तो मेरा काम है।"

"सॉरी! मेरा यह मतलब नहीं था।"

"मिस स्टील! आपकी सुरक्षा मेरा काम है और मैं वही कर रहा हूं।"

"तो लीला का कोई पता मिला?"

"नहीं मैम!"

"तुम्हें क्या पता कि वह कैसी दिखती है?"

"मैंने उसकी तस्वीर देखी है।"

"ओह, क्या तुम्हारे पास है?"

"नहीं मैम! दिमाग में बसी है।" उसने खोपड़ी पर हाथ मारा।

बेशक! मैं भी तस्वीर देखना चाहूंगी कि लीला भूतिया लड़की बनने से पहले कैसी दिखती थी। मैं सोचने लगी कि क्या क्रिस्टियन मुझे देखने के लिए तस्वीर देगा? शायद मेरी सुरक्षा के नाम पर देखने दे- मैंने मन ही मन योजना बना ली और भीतर बैठी लड़की ने भी सहमति दे दी।

ऑफिस में ब्रोशर आए तो मैंने चैन की सांस ली। दिखने में तो अच्छे ही लग रहे थे। जैक को दिखाए तो उसकी आंखें चमक उठीं। पता नहीं मुझे देखकर चमकी थीं या ब्रोशर को। वैसे मैं तो यही मानकर चलती हूं कि उसे ब्रोशर पसंद आए थे।

“एना! आज शाम अपने उस दोस्त से मिल रही हो।” उसने पूछा।

“हां! हम साथ ही रह रहे हैं।” यह सच ही तो था। जब मैंने इस बात के लिए क्रिस्टियन को स्वीकृति दी थी तो इसमें झूठ कहां था? मैंने उम्मीद की कि अब तो जैक की हिम्मत टूट जाएगी।

“क्या आज एक ड्रिंक के लिए चलोगी तो उसे बुरा लगेगा। मैं तुम्हारी मेहनत का जश्न मनाना चाहता था।”

“आज मेरा एक दोस्त आने वाला है और हम सब डिनर पर जा रहे हैं। आज तो मैं बहुत बिजी हूं, जैक।”

“ओह! चलो मेरे न्यूयार्क से आने के बाद देखेंगे।” उसने गहरी आंखों के साथ देखते हुए कहा।

अरे नहीं! इसकी अदा मुझे किसी की याद क्यों दिलाती है?

“कॉफी प्लीज़!” उसने नशीले सुर में कहा। हाय! ये बंदा आसानी से पीछे हटने वाला लग नहीं रहा। अब तो साफ दिख रहा है। मैं क्या करूं?

मैंने वहां से बाहर आकर चैन की सांस ली। यह मुझे तनावग्रस्त कर देता है। क्रिस्टियन ने इसके बारे में गलत राय नहीं दी थी।

ऑफिस में जाते ही ईथन का फोन आ गया।

“हाय स्टील।”

“ईथन कैसे हो।” मैं अपनी खुशी को छिपा नहीं सकी।

“लौट कर खुश हूं। मैं तो धूप और रम से उकता गया और मेरी बहन उस बंदे के प्यार में पगला गई है।”

“हां, सही है सी-सैंड और रम। कब तक मजा किया जा सकता है?” मैंने भी चिढ़ाया।

“मैं सी-टैक पर बैग के इंतजार में हूं। तुम क्या कर रही हो?”

“मैं तो इस समय नौकरी बजा रही हूं। क्या तुम यहां से चाबियां ले सकते हो? हम शाम को अपार्टमेंट में मिलेंगे।”

“वाह! मैं पौन घंटे में आता हूं या शायद घंटा लग जाएगा। तुम पता दे दो।”

मैंने उसे ऑफिस का पता दे दिया।

“ओके ईथन, शीघ्र मिलते हैं।”

“ठीक है। बाद में मिलते हैं।” वह इलियट के साथ एक स्प्ताह बिताकर लौटा है। मैंने उससे बात करने के बाद क्रिस्टियन को मेल लिखा।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: मेहमान
डेट: 14 जून 2011 14:55
टू: क्रिस्टियन ग्रे
पूरी तरह से दीवाने ग्रे ईथन आ गया है और वह अपार्टमेंट की चाबियां लेने आ रहा है।
मैं देखना चाहती थी कि वह आराम से घर में टिक जाए।
तुम मुझे काम के बाद नहीं ले सकते?
हम पहले घर जाएंगे और वहां से शायद तीनों कहीं खाने के लिए चल सकते हैं।
मेरी ट्रीट?
तुम्हारी एना
अब भी
सेक्स की दीवानी
और कभी तृप्त न होने वाली..
एनेस्टेसिया स्टील
जैक हाइड की सहायिका, एसआईपी

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: बाहर डिनर
डेट: जून 14 2011 15:05
टू: एनेस्टेसिया स्टील
प्लान अच्छा है पर तुम पैसे दोगी, ये बात नहीं जमी।
मेरी ओर से
छह बजे लेने आऊंगा।

तुम ब्लैकबेरी का इस्तेमाल क्यों नहीं कर रहीं?
क्रिस्टियन ग्रे
पूरी तरह से सदमे में और भन्नाया हुआ
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: तानाशाही रवैया
डेट: 14 जून 2011 15:11 टू: क्रिस्टियन ग्रे
ओह अब इतनी हद मत करो। ये सब बातें कोड जैसी ही हैं। किसी को कुछ पता नहीं चलेगा।
तुम्हारी एना
अब भी
सेक्स की दीवानी
और कभी तृप्त न होने वाली..
एनेस्टेसिया स्टील जैक हाइडकी संपादिका, एसआईपी

उसका कोई जवाब नहीं आया और मैं उम्मीद भी नहीं करती। मैं कल्पना कर सकती हूं कि वह किस तरह मेरे इन मिक्स संकेतों से उलझन महसूस कर रहा होगा। मैं मन ही मन सोचने लगी कि वह मेरे साथ क्या करना चाहेगा। भीतर बैठी सयानी लड़की गोल चश्मों से झांक रही है- *अपना काम करो।*

कुछ ही देर बाद, मेरा फोन बजा। रिसेप्शन से क्लेयर बोल रही थी।

"रिसेप्शन पर तुमसे एक जबरदस्त लड़का मिलने आया है। शायद कभी इसके साथ बाहर जाने का मौका मिल जाए। एना! तुम तो कई प्यारे लड़कों को जानती हो यार।"

मैं पर्स से चाबियां लेकर गलियारे की ओर चल दी।

"हाय!" ईथन बड़े ही लगाव से मेरी ओर ताक रहा था। मुझे देखते ही खड़ा हो गया।

"वाह एना! तू कितनी प्यारी लग रही है।" उसने मुझे गले से लगाते हुए कहा।

"तुम इतना कैसे बदलीं। चाल-ढाल, कपड़े और शक्ल... सब बदल गया।"

"स्टील! लुकिंग हॉट।" उसने कहा और मैं शरमा गई।

ईथन ऐसा ही है। जो अच्छा लगे बस बोल देता है।

"बारबडोस कैसा रहा?"

"बढ़िया।"

"केट कब आ रही है?"

"केट और इलियट शुक्रवार आएंगे।"

"मुझे उसकी बड़ी याद आई।"

"अच्छा... और तेरी उसके साथ सही जम रही है?" उसने पूछा।

"हां, वह आज हमें डिनर पर ले जाना चाहता है।"

"अच्छा।"

मैंने चाबियां देकर पूछा, "घर का पता है?"

"हैं ना, ...बाद में मिलते हैं।"

अचानक आगे आया और मेरा गाल चूम लिया। ओह, यह लड़का भी!

उसने कंधे पर बैग लादा और इमारत से बाहर निकल गया।

पलटी तो जैक नजर आ गया। वह मेरी ओर ताक रहा था। मैंने उसे छोटी-सी मुस्कान दी और अपने ऑफिस में चली गई। ऐसा लग रहा था मानो उसकी नजरें मेरे बदन से चिपकी रह गई हों। मुझे केट के आने के बाद इससे निपटने के लिए कुछ करना होगा। वह अच्छी सलाह दे सकती है।

छह के करीब क्रिस्टियन ने फोन किया।

"मैं आ गया हूं।" उसने हंसोड़ अदांज में कहा और मेरा मन भी नाच उठा।

"मि. ग्रे! मैं अभी आई।"

"मिस स्टील! आपके इंतजार में बेकरार है कोई!"

मैंने कंप्यूटर बंद किया और पर्स के साथ अपना स्वेटर उठाया।

"जैक! मैं जा रही हूं।" मैंने वहीं से कहा।

"ओ के एना! हैव ए ग्रेट टाइम।"

"तुम्हें भी!"

यह हमेशा इस तरह नार्मल क्यों नहीं रह सकता?

ऑडी कोने में खड़ी थी। मेरे आते ही क्रिस्टियन बाहर निकल आया। उसने मेरी मनपसंद ग्रे पैंट पहनी है और जैकेट उतारी हुई है। यह ग्रीक देवता मेरे लिए बनाया गया है? कैसा करिश्मा है? मैंने भी खुद को चेहरे पर एक बड़ी-सी मुस्कान के साथ पाया।

आज उसने सारा दिन मुझसे इस तरह बातें की थीं मानो प्यार में दीवाना आशिक हो। यह प्यारा, दिलकश और मासूम सा दिखने वाला इंसान मुझसे प्यार करता है। मेरा दिल खुशी से झूम उठा। ऐसा लगा मानो मैंने दुनिया जीत ली हो।

"मिस स्टील! आज तो... आज गजब दिख रही हैं।" उसने मुझे बांहों में भरा और चूम लिया।

"मि. ग्रे! आप भी!"

"चलो, तुम्हारे दोस्त को ले लें।" वह मुस्कुराया और कार का दरवाजा खोल दिया।

उसने मुझे अपने दिनभर के काम के बारे में बताया। बेशक उसकी बातें मुझे समझ नहीं आ रहीं पर मैं उसके बोलने के अंदाज और जुनून पर मग्न हो रही हूं। शायद यह जीवन ऐसा ही होता है- कुछ अच्छे दिन और कुछ बुरे दिन। अगर हमारे खाते में अच्छे दिन आते हैं तो बेशक हम बुरे दिन भी एक साथ बिता सकते हैं।

"क्लॉड इस सप्ताह इस समय में मिल सकता है।" उसने एक कागज दिखाते हुए कहा।

ओह ट्रेनर!

हम मेरे अपार्टमेंट में पहुंचे तो उसका फोन आ गया।

"मैं अभी जाकर ईथन को ले आती हूं।" मैंने कहा और कार से उतर गई।

उसने सिर हिलाया। उसका ध्यान फोन पर था। मैं अन्दर की ओर लपकी।

मैंने एंटन्त्री फोन ऑन किया और चिल्लाई।

"हे ईथन, खोलो! मैं आ गई।"

दरवाजे को हाथ लगाया तो वह खुला ही मिला। ओह! कितने दिन बाद घर आई हूं। अन्दर गई तो पता नहीं क्यों अजीब-सा लगा। मुझ अचानक ही रसोई के पास एक औरत का साया दिखा। वह तो लीला है और उसने हाथों में गन थाम रखी है। वह मुझे लगातार घूरे जा रही है।

अध्याय 13

मेरे तो होश ही गुल हो गए। भीतर बैठी लड़की तो ऐसी बेहोश हुई है कि आसानी से उठती नहीं दिखती।

मैंने भी उसे घूरा और मन ही मन अदांज लगाया कि वह यहां क्या कर रही है? अरे! *ईथन कहां है? कहीं इसने..*

मेरा दिल ही बैठ गया। सारे शरीर के रोंगटे डर के मारे खड़े हो गए। यह बला बनकर हाथ में गन लिए खड़ी थी। मेरा दिल तेजी से धड़क रहा था और मैं खुद को संभालने की कोशिश करने लगी।

उसने अपनी गर्दन एक ओर हिलाई। ओह, मुझे हौंसला दिखाना है। मैं कमजोर नहीं हूं।

ऐसा लगा कि हमें वहां एक युग बीत गया था। मैं समझ गई कि लीला अब भी उसी हालात में है। उसके कपड़े देखकर लग रहा था कि जाने कब से नहीं नहाई। बालों की हालत बदतर है। आंखें जाने कहां खोई हैं।

मैंने बमुश्किल कहा, "तुम लीला हो न ?" वह मुस्कुराई पर ये मुस्कान नहीं थी। उसने अपना होंठ तिरछा किया था।

वह धीरे से कुछ बोली पर मैं समझ नहीं सकी।

मैंने पूछा, "यहां ईथन था। वह कहां है।" ये सोचकर ही जान निकल रही थी कि लीला ने उसे कोई नुकसान न पहुंचा दिया हो।

अचानक उसका चेहरा ऐसे बुझ गया मानो अभी रो देगी। वह बहुत बिखरी हुई लगी।

"मैं अकेली हूं। बिल्कुल अकेली!"

वह कहना क्या चाहती है? क्या उसने ईथन को कुछ कर दिया है इसलिए वह अकेली है या...। ओह नहीं......मेरा सुर भर्रा गया। हलक में कुछ अटक सा गया था।

"तुम यहां क्या कर रही हो? क्या मैं तुम्हारी कोई मदद कर सकती हूं?" मैंने अपने डर को छिपा कर शांत सुर में पूछा।

उसकी भवें सिकुड़ीं मानो मेरे सवाल को समझना चाह रही हो। पर उसने मेरे साथ कोई हिंसक बर्ताव नहीं किया। हाथों में अब भी गन है। मैंने बात घुमाई।

"तुम चाय लोगी?" शायद मुझ पर रे का असर हो गया है। उन्हें भी यही लगता है कि चाय पीने से सभी मुश्किलों का हल निकल आता है। मैं आगे बढ़ी। केतली उठाई और नल से पानी लेकर मुड़ी। ओह! अगर वह मुझे मारना चाहती तो शायद अब तक मार चुकी होती। वह हाथ में गन लेकर बस गर्दन को यहां-वहां घुमा रही है।

मैंने केतली ऑन की तो ईथन के बारे में सोचने लगी। वह कहां है? क्या उसे बांध गया है?

"क्या यहां घर में कोई और भी है?" मैंने उससे पूछा।

उसने कुछ नहीं कहा और अपने एक हाथ से जटा बन गए बालों से खेलने लगी। अचानक ही मैंने देखा कि उसका चेहरा-मोहरा मुझसे कितना मिलता है।

"अकेली हूं। बिल्कुल अकेली!" मुझे लगा कि शायद ईथन यहां नहीं था। थोड़ा चैन आ गया।

"पक्का तुम चाय या पानी नहीं लेना चाहतीं?"

"प्यास नहीं है।" उसने कहा और मेरी तरफ बढ़ने लगी। मेरी सारी हिम्मत वहीं मर गई। मैं अलमारी से कप लेने के बहाने मुड़ी।

"तुम्हारे पास ऐसा क्या है, जो मेरे पास नहीं है।" उसने किसी बच्चे की तरह नक्की सुर में पूछा।

"लीला! तुम क्या कहना चाहती हो?" मैंने मुलायम सुर में पूछा।

"मास्टर- मि. ग्रे! वे तुम्हें अपने नाम से बुलाने देते हैं।"

"लीला! मैं उनकी सेक्स गुलाम नहीं हूं... वे समझते हैं कि मैं ऐसा रोल प्ले नहीं कर सकती।"

उसने गर्दन एक ओर झुकाई और मुझे किसी की याद आ गई।

"नहीं... यह बात नहीं। मास्टर तो तुम्हारे साथ बहुत खुश रहते हैं। मैंने देखा है। वे हंसते हैं और मुस्कुराते हैं और पहले ऐसा बहुत कम होता था।"

ओह..

"तुम मेरे जैसी दिखती हो। लीला ने कहा। मास्टर को मेरे और तुम्हारे जैसे आज्ञा मानने वाले लोग भाते हैं। बाकी सब एक से हैं... पर वह तुम्हें अपने साथ बिस्तर में भी सुलाते हैं। मैंने तुम्हें देखा था।"

शिट्...! वह उस दिन कमरे में थी। उसने देखा होगा।

"तुमने मुझे पलंग पर देखा था।" मैं हौले से बोली।

"मैं कभी उनके साथ पलंग पर नहीं सोई।" वह बुदबुदाई। वह ऐसी लग रही है मानो शरीर में जान ही न हो। उसे अपनी सुध ही नहीं थी। मेरा दिल हमदर्दी से भर उठा। उसका हाथ हथियार पर घूमा तो डर के मारे मेरी पुतलियां बाहर आ गईं।

"मास्टर हमें ऐसे क्यों पसंद करते हैं? मुझे लगता है कि मास्टर बुरे हैं... वे बहुत बुरे हैं... पर मैं उनको प्यार करती हूं।"

नहीं। वह बुरा नहीं है। वह बुरा नहीं है। वह एक अच्छा इंसान है। मैं मन ही मन चिल्लाई।

वह मेरे साथ दिन के उजालों में निकला है और यह लीला उसे फिर से उन अंधेरों में खींच ले जाना चाहती है और कहती है कि उससे प्यार करती है।

"लीला! ये गन मुझे देना चाहोगी।" मैंने फुसलाया।

"नहीं, मेरे पास इसके सिवा कुछ नहीं बचा। यह मेरी है।"

क्या वह इससे अपने प्यार को पाना चाहती है। मुझे पता है कि कुछ ही पलों में क्रिस्टियन मेरी खबर लेने अन्दर आ जाएगा और क्या यह उसे गोली से... नहीं! मेरा गला रुंध गया और पेट में बबूले से उठने लगे।

तभी दरवाजा खुला। क्रिस्टियन और टेलर दिखाई दिए।

मुझे देखने के बाद अचानक उसकी नजर लीला पर पड़ी। उसने उसे गहरे गुस्से से देखा। मैंने उसका यह रूप पहले कभी नहीं देखा।

लीला ने भी उसे देखा। उसने पलकें झपकाईं और गन पर उसका हाथ कस गया।

मेरी सांस अटक गई है। हे भगवान! यहां क्या होने वाला है?

क्रिस्टियन ने हाथ के इशारे से टेलर को कहा कि वह जहां है, वहीं रहे। टेलर का रंग भी पीला पड़ गया है। मैंने उसे ऐसे कभी नहीं देखा। वह चुपचाप खड़ा रहा। क्रिस्टियन और लीला एक-दूसरे को देख रहे हैं।

अचानक उनके बीच का वह दृश्य कुछ इस तरह बदला कि मैं अपने आप को दोषी मानने लगी। ऐसा लगा कि उनके बीच कुछ अंतरंग घटने वाला है और मैं कबाब में हड्डी बनी खड़ी हूं। पता नहीं उनकी आंखों में हमदर्दी झलक रही है या प्यार? *जीसस! यह प्यार तो न हो!*

क्रिस्टियन की नजरें एकदम से बदलीं। वह पहले से कहीं लंबा, कठोर, ठंडे और खोए हुए बर्ताव वाला दिखने लगा। ओह! मैंने उसे उसके प्लेरूम में ऐसे रूप में देखा है। ये तो डॉमीनेंट क्रिस्टियन है।

वह कितनी आसानी से इस रूप में ढल गया। पता नहीं यह रूप जन्मजात है या उसने बाद में सीखा पर अब मैं लीला को देख रही हूं। उसके गालों की लाली देखकर मुझे बड़ा अजीब लग रहा है।

अचानक क्रिस्टियन ने उससे कुछ कहा जो मुझे सुनाई तो नहीं दिया पर लीला पर तुरंत असर दिखा। वह फर्श पर घुटनों के बल झुक गई और गन लुढ़क गई।

क्रिस्टियन बड़े आराम से आगे गया और गन को उठाकर हिराकत भरी नजरों से देखने के बाद जेब के हवाले कर दिया। उसने एक बार फिर लीला को देखा।

"एनेस्टेसिया! तुम टेलर के साथ जाओ।" उसने हुक्म दिया। सुनते ही टेलर अन्दर आ गया।

"ईथन!" मैंने हौले से कहा।

"नीचे है।" वह बोला पर उसकी आंखें लीला पर ही टिकी हैं।

जीसस! अब समझ आया कि ईथन सुरक्षित है। मेरे दिल में सुकून की लहर दौड़ गईपर अगले ही पल लगा कि कहीं मैं बेसुध न हो जाऊं।

"एनेस्टेसिया!" क्रिस्टियन ने ठंडे स्वर में कहा।

मैं वहां से हिल भी नहीं पा रही। उन दोनों पर निगाहें टिकी हैं।

"एनेस्टेसिया! कभी तो जिंदगी में ऐसा मौका होगा, जब तुम किसी की बात मान लोगी"

मुझसे नाराज है? पर क्यों? मैंने क्या किया?

ऐसा लग रहा है कि उसने मेरे मुंह पर तमाचा जड़ा हो।

"टेलर! मिस स्टील को नीचे ले जाओ।"

"क्यों?" मैंने धीरे से कहा।

"जाओ! अपार्टमेंट में जाओ। मुझे लीला के साथ कुछ देर अकेले रहना है।"

मुझे लगा कि वह मुझे कोई संदेश देना चाहता है जिसे मैं समझ नहीं पा रही। मैंने लीला को देखा। उसके चेहरे पर मुस्कान खेल गई थी। ओह! ये तो आज भी उसकी सेक्स गुलाम है।

"मिस स्टील! एना!" टेलर ने मेरा हाथ थामा और मैं बुरी तरह से बिखर गई। मेरी सारी असुरक्षा और भय एक बार फिर से सामने आ गए थे। मालिक और सेक्स गुलाम फिर से साथ थे।

"टेलर!" क्रिस्टियन ने दोबारा कहा और टेलर मुझे बांहों में घेरकर बाहर ले गया। आखिरी दृश्य यह दिखा कि क्रिस्टियन लीला के सिर पर हाथ फिराते हुए उसे प्यार से कुछ

कह रहा था।

नहीं!

जब टेलर मुझे नीचे ले जा रहा था तो मैं यही सोचने लगी कि पिछले दस मिनटों में क्या से क्या हो गया। क्या ज्यादा समय लगा था या इससे कम समय लगा था?

क्रिस्टियन और लीला, लीला और क्रिस्टियन...एक साथ। अब वह उसके साथ क्या कर रहा है?

“जीसस एना! ये हो क्या रहा है?”

मैंने ईथन को देखकर चैन की सांस ली। उसके हाथों में अब भी बड़ा-सा बैग है। मैंने तकरीबन खुद को उस पर धकेल ही दिया और उसके गले में अपनी बांहें डाल दीं।

“ईथन! ओह शुक्र है कि तुम ठीक हो। मैंने उसे कसकर गले से लगा लिया।” मुझे उसके लिए बहुत चिंता हो रही थी। पल भर के लिए मैं अपार्टमेंट में चल रही कार्यवाही के बारे में भी भूल गई।

“एना! यहां हो क्या रहा है? ये बंदा कौन है?”

“ओह सॉरी, ईथन ये टेलर है। वह क्रिस्टियन के साथ काम करता है। टेलर, ये ईथन है, मेरी रूममेट का भाई।”

उन्होंने एक-दूसरे को देखकर गर्दन हिलाई।

“एना! वहां ऊपर क्या हो रहा था। मैं चाबियां निकाल ही रहा था कि ये लोग पता नहीं कहां से लपके और चाबियां छीन लीं। इनमें से एक क्रिस्टियन भी था।”

“तुम देर से आए। यह बहुत अच्छा है।”

“हां, मुझे पुलमैन से एक दोस्त मिल गया और हम गप्पें लगाने लगे।”

“वहां हमारे घर में क्रिस्टियन की एक पुरानी गर्लफ्रेंड है। उसके पास पिस्तौल है और क्रिस्टियन......।” मेरी आवाज भर्रा गई और आंखों में आंसू भर आए।

हे... ईथन ने मेरे आंसू पोंछे और मुझे पास खींच कर बोला, “क्या किसी ने पुलिस को बुलाया?”

“नहीं। ये बात नहीं है।” मैं उसकी छाती पर सिर रख कर सुबकियां भरने लगी। यह तनाव अब सहा नहीं जा रहा। ईथन ने मुझे संभालना चाहा पर वह इस रवैए से हैरान भी है।

“हे एना! आओ, एक ड्रिंक हो जाओ।” उसने पीठ पर थपकी देते हुए कहा। हालांकि उस वक्त मैं किसी का साथ नहीं चाहती थी पर मैंने राजी हो गयी। मैं उस जगह और माहौल से दूर जाना चाहती थी।

मैं टेलर की ओर मुड़ी।

मैंने अपने हाथ से नाक पोंछते हुए पूछा, "क्या घर को चेक किया गया था?

टेलर ने शर्मिंदगी के साथ रूमाल देते हुए कहा, "हां, आज दोपहर को ही चेक किया था। सॉरी एना!"

ओह! वह तो पहले से ही बहुत शर्मिंदा दिख रहा था। मैं नहीं चाहती थी कि उसे और बुरा लगे।

"हमने दोपहर को ही सब चेक किया था पर वह लगातार हमें छलती आ रही है और इस बार भी कामयाब रही।"

"ईथन और मैं बार तक जा रहे हैं और फिर हम एस्काला चले जाएंगे।"

टेलर ने बेचैनी से पहलू बदला, "पर सर चाहते हैं कि आप सीधा घर ही जाएं।"

"खैर अब तो हम जानते हैं कि लीला कहां है इसलिए इतनी सुरक्षा की जरूरत नहीं है। क्रिस्टियन से कहना कि मैं बाद में मिलती हूं।" मैं अपने सुर की कड़वाहट रोक नहीं सकी।

टेलर ने कुछ कहने के लिए मुंह खोला पर फिर चुप रहने में ही भलाई जानी।

"क्या अपना बैग टेलर के पास छोड़ना चाहोगे?"

"नहीं, साथ ही रख लूंगा। थैंक्स।"

ईथन मुझे अगले दरवाजे तक ले गया। बड़ी देर बाद याद आया कि मेरा पर्स तो ऑडी में ही रह गया था। मेरे पास कुछ नहीं था।

"मेरा पर्स।"

"चिंता मत करो। यह पार्टी मेरी ओर से सही।" ईथन बोला।

हमने सड़क के उस ओर एक बार चुना और खिड़की के पास वाले स्टूलों पर बैठ गए। मैं देखना चाहती थी कि वहां क्या चल रहा था- कौन आ रहा है और ज्यादा अहम बात यह कि कौन जा रहा है। ईथन ने मुझे बीयर की बोतल थमा दी।

"पुरानी दोस्त की परेशानी?" उसने सहज भाव से पूछा।

"हां, पर बात थोड़ी उलझी हुई है।" हालांकि मैं उसे सब कुछ नहीं बता सकती। एनडीए पर साइन किए हुए हैं। खैर, क्रिस्टियन ने इस बात को छिपाने के लिए तो नहीं कहा।

"कोई बात नहीं, आराम से बता देना।" ईथन ने घूंट भरा।

"वह कई साल पुरानी दोस्त है। उसने किसी लड़के के लिए अपने पति को छोड़ दिया। करीब दो सप्ताह पहले वह कार दुर्घटना में मारा गया और अब वह क्रिस्टियन के पीछे पड़ी

है।” मैंने कंधे झटके।

“उसके पीछे... ?” “हां, उसके पास गन है।”

“हद हो गई!”

“उसने गन से किसी को धमकाया नहीं है। शायद वह खुद को नुकसान पहुंचाना चाहती है पर तभी मुझे तुम्हारी चिंता हो रही थी। मैं नहीं जानती थी कि तुम वहां नहीं थे।”

“अच्छा। लगता है कि उसका दिमाग फिरा हुआ है।”

“हां, ऐसा ही है।”

“अब क्रिस्टियन उसके साथ क्या कर रहा है ?”

मेरे चेहरे का रंग उतर गया और हलक सूख गया, पता नहीं।

ईथन की आंखें चौड़ी हो गईं, शायद उसने अंदाजा लगा ही लिया।

मैं भी तो यही जानना चाहती हूं कि वे कर क्या रहे हैं शायद बात कर रहे हैं। हां, मैं देख सकती हूं कि वह उसका हाथ थामकर उसके बाल सहला रहा है।

“वह दिमागी तौर से बीमार है और क्रिस्टियन को उसकी परवाह है। बस इतनी सी बात है। पर भीतर बैठी लड़की उदास दिख रही है।

बात कुछ ज्यादा ही है। लीला इस तरह उसकी मांगें पूरी करती थी, जैसे मैं नहीं कर पाती। यह सोच ही मन को खिझाने के लिए बहुत थी।

मैंने पिछले दिनों के प्यार, मुहब्बत और हंसी-खुशी पर ध्यान देना चाहा पर एलीना के शब्द मेरे कानों में गूंज रहे हैं।

क्या तुम्हें... अपने प्लेरूम की याद नहीं आती ?

मैंने बीयर जल्दी से निपटा दी और ईथन दूसरी ले आया।

मैं कोई बहुत अच्छा साथ नहीं दे रही, पर ईथन मेरे पास ठहरा हुआ है, बातें करके मन बहलाने की कोशिश कर रहा है। बारबाडोस में केट और इलियट की बातें सुना रहा है, बेशक उनसे ध्यान तो बंट रहा है पर मैं मग्न होकर नहीं सुन पा रही।

मेरा दिल, दिमाग और आत्मा तो वहां अपार्टमेंट में मेरे फिफ्टी और उस लड़की के पास हैं, जो कभी उसकी सेक्स गुलाम हुआ करती थी। एक ऐसी औरत, जो आज भी उससे प्यार करती है। एक औरत जो मुझ जैसी दिखती है।

तीसरी बीयर के दौरान मुझे ऑडी के पास एक क्रूजर खड़ी दिखाई दी। मैंने दूर से हीडॉ. फिल्न को पहचान लिया और उनके साथ कोई औरत भी थी। मैंने टेलर को देखा, जो उन्हें

अन्दर ले जा रहा था।

“वे कौन हैं?” ईथन ने पूछा।

“उनका नाम डॉ. फिल्न है। क्रिस्टियन उन्हें जानता है।”

“डॉक्टर... ?”

“मनोचिकित्सक।”

ओह!

हम दोनों ही देखते रहे और वे वापिस आ गए। क्रिस्टियन ने लीला को थामा हुआ है जो एक कंबल में लिपटी है। क्या! वे सब गाड़ी में बैठे और वहां से चले गए।

ईथन ने हमदर्दी भरी निगाहों से देखा और मैंने खुद को बुरी तरह से मायूस पाया।

“क्या मैं कुछ दमदार ले सकती हूं?” मैंने ईथन से पूछा।

“क्यों नहीं? क्या लोगी?”

“एक ब्रांडी प्लीज!”

ईथन ने हामी दी और बार की ओर चल दिया। मैंने अगले दरवाजे की खिड़की से देखा। कुछ ही देर में टेलर आया और ऑडी में बैठकर निकल गया...... क्रिस्टियन कहां गया है, यह मैं नहीं जानती।

ईथन ने मेरे सामने ब्रांडी का बड़ा गिलास रख दिया।

“आओ स्टील! हो जाए एक-एक और जाम!”

ऐसा लगा कि इस समय तो इससे बेहतर कुछ हो ही नहीं सकता था। हमने जाम टकराए और मैंने जलती हुई ब्रांडी का एक बड़ा घूंट लिया। इस जलन ने दिल के दर्द से मेरा थोड़ा-सा ध्यान हटा दिया।

काफी देर हो गई और मेरा सिर भी चकरा रहा है। ईथन और मैंने घर के बाहर देखा। उसने कहा कि वह मुझे एस्काला तक छोड़ देगा पर वहां रुकेगा नहीं। उसने अपने दोस्त के साथ मिलने का प्रोग्राम बना रखा है।

“तो यह अहमक यहां रहता है?” ईथन ने प्रभावित होकर सीटी बजाई।

मैंने सिर हिलाया।

“मुझे आने की जरूरत तो नहीं।”

“नहीं, मैं संभाल लूंगी या शायद सोने चली जाऊं।”

"कल मिलते हैं।"

"हां। थैंक्स ईथन।" मैंने उसे गले से लगा लिया।

"स्टील! सब ठीक हो जाएगा।" उसने मेरे कान में कहा। फिर वह मुझे इमारत में जाने तक देखता रहा।

"फिर मिलते हैं।" वह बोला। मैंने उसे एक मरियल सी मुस्कान देकर हाथ हिलाया और फिर लिफ्ट बुलाने के लिए बटन दबा दिया।

वहां मुझे टेलर इंतजार करता नहीं दिखा। हैरानी की बात है। जैसे ही दरवाजे खोल कर बड़े कमरे की ओर बढ़ी तो क्रिस्टियन को पिआनो के पास किसी से फोन पर बात करते सुना।

"वह आ गई।" वह बोला। उसने मुझे घूरा और फोन बंद कर दिया। "तुम गई कहां थीं?" वह वहीं से चिल्लाया।

वह मुझसे नाराज है? भगवान जाने, वह कितनी देर अपनी एक्स के साथ बिता कर आया है और मुझसे नाराज है?

"क्या तुम शराब पी रही थीं।" उसने पूछा।

"हां, थोड़ी पी है।"

उसने बालों में हाथ फिराया, "मैंने तुम्हें यहां आने को कहा था न? इस समय सवा दस हो रहे हैं और मुझे तुम्हारी चिंता हो रही थी।"

"जब तुम अपनी एक्स के साथ थे तो मैं ईथन के साथ एक ड्रिंक लेने चली गई थी। मुझे नहीं पता था कि तुम उसके साथ कितना समय बिताने वाले हो।" मैंने गुस्से में कहा।

उसने आंखें सिकोड़ीं और मेरी तरफ कुछ कदम बढ़ाए और फिर वहीं थम गया।

"तुम ऐसे क्यों बात कर रही हो?"

मैंने कंधे झटके और अपनी अंगुलियों को घूरने लगी।

"एना? क्या हुआ?" और पहली बार मैंने उसके मुंह से नया ही सुर सुना। क्या यह डर था?

मैंने थूक निगला और पूछा, "लीला कहां है?"

"वह फरमोंट के एक मनोरोग अस्पताल में है।" उसने कहा।

"एना! तुम्हें हुआ क्या है?"

मैंने अपनी गर्दन हिलाई, "मैं तुम्हारे लायक नहीं हूं।"

"क्या? तुम ऐसा क्यों सोचती हो... तुम ऐसा सोच भी कैसे सकती हो?"

“मैं तुम्हारी हर मांग पूरी नहीं कर सकती।”

“तुम्हें उसके साथ देखा तो...।”

“एना! ये क्या कह रही हो। तुम जानती हो कि उसे हमारी जरूरत थी। इस समय वह एक बीमार औरत है।”

“पर मुझे लगा कि तुम दोनों... साथ।”

“क्या...? नहीं।” वह मेरी ओर आया और मेरा कदम पीछे हट गया।

अब उसके चेहरे पर डर के गहरे साए तैर रहे हैं।

“तुम जा रही हो?” उसने हैरानी और डर के साथ पूछा।

मैंने अपने बिखरे विचारों को सहेजने की कोशिश की और कुछ नहीं बोली।

“तुम नहीं जा सकतीं।” वह गिड़गिड़ाने लगा।

“क्रिस्टियन...! ओह मैं क्या कहना चाहती थी, याद ही नहीं आ रहा।”

“नहीं! नहीं!” वह बोला।

“मैं...।”

उसने कमरे में आसपास देखा। शायद कोई प्रेरणा या फिर दिव्य मध्यस्थता चाहता है।

“एना! तुम नहीं जा सकतीं। मैं तुमसे प्यार करता हूं।”

“क्रिस्टियन! मैं भी तुमसे प्यार करती हूं। ये तो बस...”

“नहीं! नहीं।” उसने कहा और अपने दोनों हाथ सिर पर रख लिए।

“क्रिस्टियन!!”

“नहीं।” उसने गहरी सांस ली और अचानक ही घुटनों के बल मेरे आगे बैठ गया। उसने अपना सिर झुका कर, दोनों हाथ जांघों पर रख लिए। उसने गहरी सांस ली और बिना हिले-डुले बैठा रहा।

“क्या, क्रिस्टियन! तुम ये कर क्या रहे हो?”

वह लगातार नीचे की ओर देखता रहा।

“क्रिस्टियन! तुम क्या कर रहे हो?” मैंने जोर से कहा पर वह नहीं हिला।

“क्रिस्टियन!” मेरी ओर देखो। मैंने डर कर हुक्म दिया।

उसने अपना सिर उठाया तो उसकी नजरें जैसे कुछ कहती दिखीं।

ओह... क्रिस्टियन। गुलाम!

अध्याय 14

क्रिस्टियन मेरे पैरों में घुटनों के बल झुका बैठा है और लगातार खाली और ठंडी निगाहों से घूर रहा है, ये नजारा तो हाथ में गन लिए डोल रही लीला के नजारे से भी ज्यादा दिल दहला देने वाला है। एक तो शराब का हल्का नशा और फिर ये सब। मेरी खोपड़ी बुरी तरह से भन्ना गई है। ऐसा लग रहा है कि दिल के कई टुकड़े हो जाएंगे।

मैंने गहरी सांस ली। *नहीं, नहीं!* ये सब गलत है। बहुत गलत है।

“क्रिस्टियन ऐसा मत करो। मैं ऐसा कुछ नहीं चाहती।”

वह मुझे बिना हिले-डुले उसी तरह देखता रहा।

हाय मेरा बेचारा फिफ्टी! मेरा कलेजा कचोट उठा। मैंने इसकी क्या हालत कर दी। मेरी आंखों से आंसू बहने लगे।

“तुम ऐसा क्यों कर रहे हो। मुझसे बात करो।” मैंने हौले से कहा।

उसने एक बार पलकें झपकाईं।

“तुम मुझसे क्या कहना चाहोगी?” एक पल को तो उसे बोलते सुनकर अच्छा लगा पर मैं उसे इस तरह बोलते नहीं सुनना चाहती। कभी नहीं!

मेरे गालों से आंसू बहने लगे और उसे लीला की तरह दयनीय दशा में देखकर मेरी बोलती बंद हो गई। एक ताकतवर इंसान जो भीतर से एक छोटे बच्चे की तरह है, जिसे दुनिया की यातना और उपेक्षा का दंश सहना पड़ा...जो खुद को अपनी प्रेमिका और परिवार के प्यार के लायक नहीं मानता... मेरा बेचारा लड़का... सच सोचकर ही मेरा दिल चूर-चूर हो गया।

मेरे दिल में उसके लिए एक साथ तड़प और हमदर्दी पैदा हुई और ऐसा लगा कि कहीं मेरा ही दम न घुट जाए। मुझे उसे वापिस लाना ही होगा। मेरा अपना क्रिस्टियन कहां गया?

मैं तो कभी किसी की मालकिन बनने के बारे में सोच भी नहीं सकती। सोचकर हीजी मिचला जाता है। ऐसा करने से तो मैं उस औरत की तरह हो जाउंगी, जिसने उसके साथ यह सब किया था।

मैंने अपने कंधे झटके। मैं ऐसा करने के लिए सोच भी नहीं सकती। मैं ऐसी नहीं हूं।

मैंने इस मुश्किल हालात से निकलने का एक हल खोज ही लिया। मैं खुद भी उसके आगे घुटनों के बल बैठ गई। बेशक घुटनों पर फर्श से चोट भी लगी पर इस तरह हम दोनों बराबर हो गए। उसे उसके सदमे से निकालने का यही एक तरीका हो सकता था।

उसका एकटक घूरना जारी रहा।

"क्रिस्टियन तुम्हें ये सब करने की कोई जरूरत नहीं है। मैंने तुमसे कहा था न कि मैं कहीं नहीं जा रही। मैंने तुमसे हजारों बार यह बात कही होगी। मैं तो चाहती हूं कि इन सब बातों को पचाने के लिए मुझे थोड़ा वक्त मिल जाए... कुछ वक्त जो मेरा अपना हो। तुम हमेशा बदतर बातों की कल्पना क्यों करते हो?" दिल में दर्द की एक लहर-सी उठी क्योंकिमैं जानती हूं कि उसमें अपने-आप को नीचा और ओछा दिखाने की प्रवृत्ति है।

एलीना के शब्द मेरे कानों में गूंज उठे, *क्या वह जानती है कि तुम अपने बारे में कितनी नकारात्मक राय रखते हो? अपने मुद्दों के बारे में क्या सोचते हो?*

"ओह क्रिस्टियन! मैं तो आज शाम अपने घर जाने की बात कर रही थी और तुमने मुझे पूरी बात कहने का मौका ही नहीं दिया। मैं सुबकी भरने लगी और उसके चेहरे पर डर के साए लहरा गए।

"सोचने का वक्त चाहिए......अभी हम एक-दूसरे को जानते भी नहीं और तुम्हारी जिंदगी की यह सब बातें...... मुझे इनसे उबरने में वक्त लगेगा... लीला भी अब खतरा नहीं रही इसलिए मैंने घर जाने की बात कही थी।"

वह मुझे देखे जा रहा था इसलिए मान सकते हैं कि सुन भी रहा होगा।

"लीला के साथ तुम्हें देखकर मुझे झटका सा लगा। मैं देख सकती थी कि उसके साथ तुम्हारी जिंदगी कैसी रही होगी......मुझे लगा कि तुम उसी दुनिया के हो। मैं तुम्हारे लायक नहीं और बहुत जल्द ही तुम मुझसे अब जाओगे और मुझे छोड़ दोगे... मेरा भी लीला वाला हाल होगा। मैं भी एकसाया बन रह जाऊंगी क्योंकि मैं तुमसे प्यार करती हूं। अगर तुमने मुझे छोड़ दिया तो मेरी दुनिया में अंधेरों के सिवा कुछ नहीं होगा और मैं इसी बात से डर गई हूं......"

मैंने महसूस किया कि उसके सुनने की उम्मीद में ही मैं इतना बोल गई थी। मेरी मुश्किल एक ही है, मुझे समझ नहीं आता कि वह मुझे पसंद क्यों करता है?

"पता नहीं, तुम्हें मैं आकर्षक क्यों लगती हूं। तुम कितने सुंदर, दयालु, दौलतमंद, अच्छे और दूसरों का ध्यान रखने वाले हो और मैं तो कुछ भी नहीं। मैं वह सब नहीं कर सकती, जो तुम्हें पसंद है। वह सब नहीं दे सकती, जो तुम चाहते हो। तुम मेरे साथ खुश कैसे रह सकते हो? मैं तुम्हारा साथ कैसे निभा सकती हूं? मैं कभी समझ नहीं सकी कि तुमने मुझमें क्या देखा। तुम्हें उसके साथ देखते ही मेरे दिमाग में यह सब बातें आई थीं।"

ओह...! उसकी ठंडी नजर! मुझसे बात करो।

समझ नहीं आ रहा कि उसे पास जा कर छू लूं या दूर से ही बात करूं। पता नहीं कि वह मुझसे कहना क्या चाहता है। मैं उसे ताकते हुए इंतजार करने लगी।

मैं इंतजार करती रही।

और इंतजार करती रही।

मैंने एक बार और विनती की। *प्लीज़!*

अचानक ही उसने पलकें झपकाई।

"मैं बहुत डर गया था।" वह हौले से बोला।

शुक्र है, उसने जुबान तो खोली। भीतर बैठी लड़की ने आरामकुर्सी से पीठ टिकाकर जिन का बड़ा-सा घूंट भरा।

वह अब बात कर रहा है। दिल को सुकन सा आ गया। मैंने अपने को संभालना चाहा पर इसी खुशी में भी आंसू छलक ही गए।

"जब मैंने ईथन को बाहर देखा तो जान गया कि जरूर कोई बात है। तुम अन्दर कैसे गईं। मैं और टेलर कार से लपके। अन्दर तुम हथियारबंद लीला के सामने निहत्थी खड़ी थीं और उस एक पल में मैं हजारों मौतें मर गया। एना, तुम्हें कोई धमका सकता है... मेरा यह डर आंखों के आगे नाच उठा। मैं तुमसे, अपने-आप से, टेलर से... सब से खफा था।"

"पता नहीं था कि वह कैसे पेश आएगी पर उसे एक पल देखने के बाद मैं जान गया कि खराब दिमागी हालत वाली लीला को संभालने का क्या तरीका हो सकता था। मैंने वही किया जो उस समय के हिसाब से मुझे सही लगा। वह हमेशा से ही बहुत चुलबुली और नटखट रही थी...।" उसके बारे में सुनना बिल्कुल नहीं भा रहा था पर इस समय क्रिस्टियन का बोलना जरूरी था।

"... वह तुम्हें चोट पहुंचा सकती थी और ये मेरी गलती होती।" क्रिस्टियन ने कहा और चुप हो गया।

"पर उसने कुछ कहा तो नहीं और ऐसे हालात में तुम्हारी कोई गलती न होती।" मैंने उसे उत्साहित करते हुए कहा

तब मुझे समझ आया कि उसने वह सब मुझे सलामत रखने के लिए और शायद लीला को संभालने के लिए भी किया क्योंकि वह उसकी परवाह करता है। उसने मुझसे कहा कि वह मुझसे प्यार करता है पर उस समय मुझे कितनी रूखाई और कठोरता से मेरे ही घर से निकाल दिया।

“मैं बस यही चाहता था कि तुम खतरे से दूर चली जाओ और तुम वहां से नहीं गईं।” उसने होंठ भींच कर गुस्से से कहा।

देखकर अच्छा लगा। तानाशाही क्रिस्टियन लौट रहा था।

उसने बंद आंखें खोलीं और बोला,"तुम मुझ छोड़कर नहीं गई थीं?”

“नहीं!”

उसने आंखें बंद कीं और पूरा शरीर सुकून से नहा गया। फिर वह आंखें खोल कर बैठ गया। उसके चेहरे पर दुख और उदासी के भाव साफ देखे जा सकते थे।

“मैंने सोचा था कि एना, मैं पूरी तरह से तुम्हारा हूं पर तुम्हें इस बात का एहसास दिलाने के लिए मुझे क्या करना होगा। तुम्हें कैसे यकीन दिला दूं कि मैं तुमसे ही प्यार करता हूं।”

“क्रिस्टियन! मैं भी तुमसे प्यार करती हूं पर तुम्हें इस रूप में देखकर लगता है कि मैं ही तुम्हारी इस हालत की जिम्मेदार हूं।”

“नहीं एना! ये बात नहीं है। तुम तो मेरी लाइफ लाइन हो।” उसने मेरी हथेली चूम कर कहा।

उसने अचानक मेरा हाथ अपनी छाती पर रख लिया। उसकी सांसें गहरा गईं और मैं अपने हाथ के नीचे उसके तेजी से धड़कते दिल को महसूस कर सकती थी।

ओह मेर फिफ्टी! उसने आज मुझे अपने-आप को छूने का मौका दिया है। मेरा अपना दिल बेकाबू हुआ जा रहा है।

उसने मेरा हाथ छोड़ा तो मैं उसे हौले से उसकी छाती पर फिराने लगी। उसने अपनी सांस रोक ली। यह देखकर मैं अपना हाथ हटाने लगी तो वह बोला।

“नहीं!” उसने एक बार फिर से मेरे हाथ पर अपना हाथ रख दिया। “हाथ मत हटाओ।”

उसके ये शब्द मेरे दिल के आर-पार हो गए। मैंने एक हाथ से उसकी कमीज के बटन खोले और छाती उघाड़ दी।

उसने थूक निगला और शांत भाव से बैठा रहा। पता नहीं, वह अब भी अपने-आप को गुलाम समझ रहा है या सामान्य हो गया है?

मैं सोचने लगी कि क्या मुझे ऐसा करना चाहिए क्योंकि मैं उसे शारीरिक या मानसिक, किसी भी तरह की यातना नहीं देना चाहती।

मैंने छाती के पास हाथ ले जाकर मन ही मन उसकी इजाजत मांगी।

उसने मेरे मन का प्रश्न भांपकर कहा, “हां!”

मैंने छाती पर हाथ रखा तो उसका चेहरा एक अजीब से दर्द के एहसास से बदल सा गया। यह सब देखना मेरे बस से बाहर था इसलिए मैंने हाथ हटा लिया पर उसने फिर से मेरे हाथ को छाती पर ले जा कर रख दिया।

"नहीं, हाथ मत हटाओ। मैं तुम्हारा स्पर्श चाहता हूं।"

मैंने अपने हाथ को उसकी छाती पर प्यार से रखा और फिर एक मीठा-सा चुंबन दिया। वह एक आह भरकर रह गया। मैंने देखा कि वह मेरे चुंबन को सहन करने की कोशिश कर रहा था। मैंने एक और चुंबन दिया और फिर उसके शरीर पर पड़े उन दागों को एक-एक कर चूमने लगी। मैं जाने कब से ऐसा करने के लिए तरस रही थी।

अगले ही पल हमारे मुंह आपस में मिल गए और हम एक-दूसरे को चूमने लगे। मेरी अंगुलियां उसके बालों में जा गुंथीं। "ओह एना!" अचानक ही मैं फर्श पर उसके नीचे थी। मैंने उसका चेहरा छुआ तो पता चला कि वह रो रहा था।

"ओह! क्रिस्टियन तुम रो रहे हो। प्लीज रोना बंद करो।"

"जब मैंने तुमसे कहा था कि मैं तुम्हें कभी छोड़कर नहीं जाउंगी तो उस बात का कोई मतलब था। अगर मेरी वजह से तुम्हें ऐसा लगा कि मैं जा रही हूं तो इसके लिए तुमसे माफी चाहती हूं... मैं तुम्हें छोड़कर कहीं नहीं जा सकती। मैं तुमसे प्यार करती हूं और करती रहूंगी।"

वह मेरे चेहरे को ताकने लगा और उसकी उदासी से मेरा दम घुटने लगा।

"क्रिस्टियन!"

"बोलो।"

"ऐसा कौन सा राज है जिसके डर से तुम्हें हमेशा यही लगता है कि उसके पता चलते ही मैं तुम्हारे जीवन से दूर हो जाउंगी? क्रिस्टियन प्लीज़ मुझे बताओ ताकि तुम हमेशा के लिए इस डर से आजाद हो जाओ।"

"एना... उसने रूक कर शब्द तलाशे और बोला, "एना! मैं एक परपीड़क यानी सैडिस्ट हूं। मुझे तुम्हारी जैसी भूरे बालों वाली लड़कियों को चाबुक से पीटना पसंद है क्योंकि तुम सब मेरी उस बदजात मां जैसी दिखती हो मुझे यकीन है कि तुम मेरी बात का मतलब समझ गई होगी।" उसने इतनी फुर्ती से ये बात बता दी मानो कितने दिनों से इसे अपने अन्दर दबाकर रखा था।

मेरी तो दुनिया जैसे वहीं थम गई।

मैंने ऐसी बात की तो कभी उम्मीद तक नहीं की थी। मैंने उसकी ओर देखकर उम्मीद की कि शायद उसकी बात का कोई और मतलब समझ आ जाए।

अचानक ही लीला की बात याद आ गई- मास्टर बहुत बुरे हैं।

मुझे प्लेरूम के बारे में उसके साथ हुई पहली बातचीत याद आई।

“तुमने तो कहा था कि तुम सैडिस्ट नहीं हो।” मैंने अपनी बात सामने रखी।

“नहीं एना! मैंने तुमसे कहा था कि मैं डोमीनेंट हूं।” उसने अपने हाथों को गौर से देखा।

शायद उसे मुझसे झूठ बोलने या अपने राज खुलने से डर लग रहा था।

“जब तुमने ये सवाल पूछा था तो मैं तुम्हारे साथ अलग तरह के संबंध रखना चाहता था।” उसने हौले से कहा।

ये बात मेरे दिल से जाकर टकराई। अगर वह सैडिस्ट है तो वह कोड़ों और चाबुकों के बिना कैसे जी सकेगा? ओह! मैंने अपना सिर हाथों में दे दिया।

“तो ये सच है। मैं तुम्हें वह सब नहीं दे सकती, जो तुम्हें चाहिए है। इसका मतलब है कि हमारी जोड़ी बेमेल है।”

अचानक ही मेरी सारी दुनिया चूर-चूर हो गई थी।

नहीं, नहीं! हम एक साथ नहीं रह सकते। हम ऐसा नहीं कर सकते।

उसने भवें सिकोड़ीं, “नहीं एना, नहीं, बिल्कुल नहीं! तुम कर सकती हो। तुमने मुझे वह सब दिया है, जो मुझे चाहिए था।” मेरा भरोसा करो। उसके एक-एक शब्द से विनती झलक रही थी।

“क्रिस्टियन! मैं तो जान नहीं पा रही कि किस बात पर यकीन करूं और किस बात पर यकीन न करूं।” मैंने रुंध गले से कहा और अपने आंसुओं को रोकने की कोशिश करने लगी।

उसने मुझे इस तरह देखा तो उसकी आंखें विस्फारित हो उठीं।

“एना, मेरा यकीन करो। जब मैंने तुम्हें सजा दी और तुम मुझे छोड़कर चली गईं तो जैसे मेरी दुनिया का नजरिया ही बदल गया। जब मैं कह रहा था कि मैं दोबारा ऐसा महसूस नहीं करना चाहूंगा तो मैं मजाक नहीं कर रहा था। जब तुमने कहा कि तुम मुझे चाहती हो तो ये एक बड़ी बात थी। आज तक मुझसे किसी ने ये सब नहीं कहा था। मैं और डॉ. फिल्न अब भी इस बारे में बात करते हैं कि तुम्हारी इस बात से मुझ पर कैसा असर हुआ। मैं शायद उन सब बातों से बाहर आना चाह रहा हूं।”

ओह! मेरे दिल में उम्मीद की किरण जाग गई। शायद हमारे साथ सब ठीक हो जाए। मैं चाहती हूं कि हमारे बीच सब ठीक हो जाए।

मैंने पूछो, “तुम कहना क्या चाहते हो।”

"मैं यह कहना चाहता हूं कि अब शायद मैं यह सब करना ही नहीं चाहता।"

"तुम यकीन से कैसे कह सकते हो?"

"पता नहीं। तुम्हें चोट पहुंचाने के ख्याल से ही मेरा दिल तड़प जाता है।"

"मैं समझी नहीं। तो तुम्हारे कोड़ों, फटकार और सेक्स करने के उन तरीकों का क्या होगा?"

उसने बालों में हाथ फिराया।

"एना! मैं उन भारी-भरकम बेहूदी और उल्टी हरकतों की बात कर रहा हूं। तुम तो उनके बारे में जानती तक नहीं।"

मेरा हलक सूख गया, मैं जानना भी नहीं चाहती।

"मुझे पता है। अगर तुम वह सब करने देतीं तो सब ठीक रहता पर तुम नहीं चाहतीं इसलिए मैं उनसे बाहर आना चाहता हूं। मैंने कहा था न कि मैं अपने हाथ में सारी ताकत रखना पसंद करता हूं पर तुम्हारे आने के बाद ऐसी कोई जरूरत नहीं महसूस होती।"

मैंने पूछा, "जब हम मिले थे तब तो तुम मुझसे यही सब चाहते थे न?"

"हां बेशक।"

"क्रिस्टियन! क्या मैं तुम्हारे लिए किसी इलाज की तरह रही?"

"नहीं, अभी इलाज नहीं कह सकता......तुम विश्वास नहीं करोगी।"

"हां अब भी मैं यकीन नहीं कर पा रही पर बात थोड़ी अलग-सी है।"

"अगर तुम मुझे छोड़कर न जातीं तो बेशक मैं ये सब महसूस न कर पाता। तुम्हारा जाना मेरे लिए किसी वरदान से कम नहीं रहा। इसी से मुझे एहसास हुआ कि मैं तुम्हें कितना चाहता हूं और जब मैंने कहा था कि मैं हर तरह से तुम्हें अपना बनाना चाहता हूं तो इसमें कोई दो राय नहीं थी।"

मैंने उसे घूरा। मैं तो यकीन नहीं कर सकती। मेरा दिमाग चकरा रहा है और अन्दर ही अन्दर मैं सुन्न पड़ गई हूं।

"तुम अभी तक यहीं हो। मुझे तो लगा था कि तुम्हें यहां से जाते देर नहीं लगेगी।"

"क्यों? क्योंकि मैं सोच सकती हूं कि तुम अपनी मां जैसी दिखने वाली औरतों पर हाथ उठाने वाले कोई मानसिक रोगी हो। तुमने मुझे अपनी बात इसी तरह से समझाई है न?"

वह मेरे कड़े शब्द सुनकर मुरझा-सा गया और बोला,"मैं बात को ऐसे तो न रखता पर ये सच ही तो है।"

उसके भाव देखकर मुझे अपने रूखे बर्ताव पर शर्मिंदगी हुई। मैंने भवें सिकोड़ी और अन्दर ही अन्दर अपराध बोध महसूस करने लगी।

ओह! मैं क्या करने जा रही हूं। मैं अपने फिफ्टी के साथ ये सब क्या करने जा रही हूं?

मुझे उसके बचपन के कमरे वाली उस तस्वीर को याद किया जो उससे मिलती-जुलती थी। शायद वही उसकी मां रही होगी।

मुझे याद आ गया कि मैं भी उसके जैसी ही दिखती हूं। उफ! ये सब क्या है।

वह मुझे लगातार ताकते हुए यह जानने की कोशिश में है कि मैं क्या करने वाली हूं।

उसने मुझसे कहा कि वह मुझे प्यार करता है पर मैं अभी उलझन में हूं।

ये सब बर्दाश्त के बाहर है। उसने मुझे लीला के बारे में तो यकीन दिला दिया पर अब भी मैं जानती हूं कि वह चाहती तो उसे अपने बस में कर लेती। ये सोच ही मन को कड़वाहट से भर गई।

"क्रिस्टियन! मैं थक गई हूं। क्या हम कल इस बहस को जारी रख सकते हैं? मुझे सोने जाना है।"

"तुम जाना नहीं चाहतीं?" उसने हैरानी से पूछा।

"क्या तुम चाहते हो कि मैं चली जाऊं?"

"नहीं! मैंने सोचा था कि तुम सब जानने के बाद मुझे छोड़कर चली जाओगी।"

उसे लगता था कि उसका काले राज मेरे सामने आते ही मैं उसे छोड़ दूंगी। अब जबकि मैं सब जानती हूं पर फिर भी...।

क्या मुझे चले जाना चाहिए? एक बार उसे छोड़ा था तो मेरी अपनी क्या हालत हो गई थी... मैं उससे प्यार करती हूं... मैं सब जानने के बाद भी उसे चाहती हूं।

"मुझे छोड़कर मत जाना।" वह हौले से बोला।

ओह! मैं रोते हुए चिल्लाई, "मैं कहीं नहीं जा रही।"

"सच?" उसकी आंखें चौड़ी हो गईं।

"मैं तुम्हें कैसे यकीन दिला दूं कि मैं कहीं नहीं जाने वाली। मैं कह क्या सकती हूं?"

"तुम एक काम कर सकती हो?"

"क्या कर सकती हूं?"

"मुझसे शादी कर ला"

क्या? क्या... उसने ये कहा..

आधे घंटे में दूसरी बार ऐसा हुआ मानो मेरी दुनिया कहीं थम सी गई हो।

हाय! मैंने उस बिखरे हुए इंसान को देखा, जिसे मैं दिल से चाहती हूं। मैं तो उसके कहे पर यकीन नहीं कर पा रही।

शादी? वह मुझसे शादी की बात कर रहा है? क्या वह मजाक कर रहा है? मेरे भीतर से हंसी का एक बबूला सा उठा। मैंने अपनी हंसी रोकने के लिए होंठ काट लिया और जब रहा नहीं गया तो वहीं फर्श पर लेट गई और इतना खुल कर हंसी, जितना सारी जिंदगी में नहीं हंसी थी।

एक पल के लिए एक खिलखिलाती लड़की और बेचारगी के एहसास से भरा लड़का आंखों के आगे आ गए। अगले ही पल मैं आंखों पर हाथ रखे जोर-जोर से रोने लगी।

नहीं-नहीं... ये तो हद हो गई।

जब मेरा हिस्टीरिया थमा तो क्रिस्टियन ने हौले से मेरी बांह हटा दी। उसने मेरे चेहरे पर पड़ा आंसू पोंछा और बोला, "मिस स्टील! आपको मेरा प्रस्ताव इतना मजाकिया लगा?"

मैंने दुलार से उसे सहलाया। ओह! मैं उससे कितना प्यार करती हूं।

"एना! क्या मुझसे शादी करोगी?"

मैं उठ बैठी और घुटनों पर हाथ टिकाकर, उसकी आंखों में झांकते हुए उससे बोली,

"क्रिस्टियन मैं अभी कुछ समय पहले तुम्हारी पुरानी पागल दोस्त से मिली जो हाथ में गन लिए डोल रही थी। फिर मुझे मेरे ही घर से निकाला गया। अब तुमने अपने सारे रंग एक साथ दिखाए।"

उसने कुछ कहने को मुंह खोला पर मैंने उसके मुंह पर हाथ रखकर, उसे चुप करा दिया।

"तुमने अभी-अभी अपने बारे में ऐसी जानकारी दी है, जिसने मेरा दिल दहलाकर रख दिया है और अब तुम शादी करने के लिए कह रहे हो?"

उसने अपनी गर्दन हिलाई मानो बातों को हजम करना चाह रहा हो। शुक्र है, वह सामान्य अवस्था में लौट रहा है।

"हां, मेरे हिसाब से तुमने ताजा हालात का बड़ा अच्छा ब्यौरा दिया है।" वह बोला।

"धीरे-धीरे संतुष्टि पाने वाले विचार का क्या हुआ?" मैंने कहा।

वह बोला, "एना! अब मैं बदल गया हूं और उस विचार को भी त्याग दिया है।"

"देखो क्रिस्टियन, मैंने तुम्हें अभी तीन मिनट पहले ही जाना है और अभी बहुत कुछ जानना बाकी है। मैंने पी रखी है, मुझे भूख लगी है, थकान महसूस हो रही है और मैं सोना चाहती हूं। मुझे तुम्हारे प्रस्ताव पर उसी तरह सोचना होगा, जैसे अनुबंध के बारे में सोचा था।" मैंने बात का रंग बदलने के लिए साथ में यह भी जोड़ दिया- "यह कोई बहुत अच्छा रोमानी प्रस्ताव नहीं था।"

"ओह मिस स्टील! हमेशा की तरह काम की बात कही। तो यह एक इंकार नहीं है?"

मैंने आह भरी, "मि. ग्रे! यह एक इंकार नहीं है पर यह एक हां भी नहीं है। तुम सिर्फ डर के मारे ऐसा कह रहे हो और तुम्हें मुझ पर भरोसा नहीं है।"

"नहीं, मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि अब मैं किसी ऐसी लड़की से मिल चुका हूं, जिसके साथ मैं अपनी पूरी जिंदगी बिताना चाहूंगा।"

ओह! मेरा दिल जैसे धड़कना ही भूल गया। ये बंदा ऐसे अजीब हालात के बीच भी इतनी रोमानी बात कैसे कह गया! मेरा मुंह सदमे के मारे खुला रह गया।

मैंने सोचा भी नहीं था कि मेरे साथ ऐसा होगा।

मैं उसे देखती रही और वह सही शब्दों की तलाश में लगा रहा।

"क्या मैं इस बारे में सोच सकती हूं... प्लीज! मैं आज की सारी घटनाओं के बारे में सोचने के लिए वक्त चाहती हूं। तुमने ही तो मुझसे धीरज और वक्त मांगा था। ग्रे! मैं भी तुमसे यही चाहती हूं।"

वह आगे झुका और बालों की लट कानों के पीछे कर दी।

"मैं समझ सकता हूं। यह सब रोमानी नहीं था। प्यार-मुहब्बत वाली अदा नहीं थी।" वह मुस्कराया।

मैंने स्वीकृति दी तो वह बोला।

"क्या तुम्हें भूख लगी है?"

"हां।"

"तुमने कुछ खाया नहीं?" उसके जबड़े सख्त हो आए।

"नहीं, कुछ नहीं खाया। जब मुझे मेरे ही घर से निकाला गया और मैंने अपने ब्वायफ्रेंड को उसकी पुरानी दोस्त के साथ घुल-मिलकर बैठे देखा तो बेशक भूख तो हवा हो गई थी।"

क्रिस्टियन ने फर्श से उठने में एक पल की भी देर नहीं की।

शुक्र है! हम यहां से तो उठे।

"मैं तुम्हारे लिए कुछ खाने का इंतजाम करता हूं।

"क्या मैं सोने नहीं जा सकती। बहुत नींद आ रही है।"

उसने मुझे हाथ दे कर उठाया और बोला, "भूखे पेट नहीं सोने दूंगा।"

तानाशाह बॉस लौट आया है।

वह मुझे किचन में ले गया और एक स्टूल पर बिठा दिया। फिर वह फ्रिज में खाने के लिए कुछ खोजने लगा। मैंने घड़ी देखी, रात के साढ़े ग्यारह बजे हैं और सुबह ऑफिस भी जाना है।

"क्रिस्टियन! मुझे सुबह काम पर भी जाना है।"

उसने मेरी बात को अनसुना कर पूछा, "चीज़?"

"अभी नहीं।"

"प्रेटजेल्स?"

"नहीं, बिल्कुल नहीं।"

वह मेरी ओर मुड़ा, "तुम्हें ये पसंद नहीं हैं?"

"नहीं, इस समय रात को नहीं, मैं सोने जा रही हूं। तुम मजे से सारी रात फ्रिज का दौरा करो। मुझे थकान हो रही है और वैसे भी आज का दिन बहुत भारी रहा। एक ऐसा दिन, जिसे मैं भुलाना चाहती हूं।" उसने मुझे घूरा पर मुझे परवाह नहीं है। मैं सोने जा रही हूं।

"मैकरोनी और चीज़!" उसने सिल्वर फॉयल से ढ़का एक सफेद डोंगा उठाकर पूछा। उसका चेहरा कितना मासूम दिख रहा था।

"तुम्हें मैकरोनी और चीज़ पसंद है?" मैंने पूछा।

उसने हां कहा और मेरा दिल पिघल गया। वह अचानक कितना छोटा दिखने लगा है। किसने सोचा होगा कि क्रिस्टियन को बच्चों का खाना पसंद है।

"तुम लोगी?" उसने बड़ी उम्मीद से पूछा। मैं मना नहीं कर सकी और भूख भी तो लगी है।

मैंने एक कमजोर सी मुस्कान के साथ सिर हिलाया। उसने डोंगे को माईक्रो वेव में लगा दिया। मैं स्टूल पर बैठी, इस इंसान को लगातार देख रही हूं। मि. क्रिस्टियन ग्रे, जो मुझसे शादी करना चाहते हैं। वह कितनी आसानी से रसोई के छोटे-मोटे काम कर रहा है ताकि मुझे कुछ खिला सके।

"तो तुम्हें यह काम करना भी आता है"

"हां, थोड़ा-बहुत तो कर ही लेता हूं।"

मैं तो यकीन नहीं कर सकती कि यही बंदा आधे घंटे पहले, मेरे आगे घुटनों के बल बैठा था। उसने प्लेटें लगाईं और मैट्स भी सजा दिए।

"बहुत रात हो गई।"

"कल काम पर मत जाओ।"

"कल तो जाना पड़ेगा। जैक न्यूयार्क जा रहा है।"

क्रिस्टियन ने भवें सिकोड़ीं, "क्या तुम भी इस वीकएंड पर जाना चाहती हो?"

"मैंने मौसम की भविष्यवाणी देखी है। बारिश हो सकती है इसलिए जाना नहीं चाहती।"

"ओह, तो क्या करना चाहती हो?"

तभी हमारा खाना गर्म होने का संकेत मिला।

"अभी तो मैं अपने लिए एक पूरा दिन चाहती हूं। ये सब बातें......इन्होंने मुझे हलकान कर दिया है।"

क्रिस्टियन ने प्लेटों में मैकरोनी परोसी और उसकी खुशबू से ही मुंह में पानी भर आया।

"लीला वाली बात के लिए सॉरी!" वह हौले से बोला।

"तुम सॉरी क्यों कह रहे हो?" मैकरोनी मेरे मुंह में मजे से घुल रही है।

"बेशक तुम्हें तो उसे अपने घर में इस तरह देखकर, बुरी तरह से सदमा लगा होगा। टेलर ने पहले सब देखा था। तब सब ठीक था। वह बहुत शर्मिंदा महसूस कर रहा है।"

"मैं टेलर को दोष नहीं देती।"

"हां, इसमें टेलर की कोई गलती नहीं है। वह बाद में तुम्हें खोजता रहा।"

"पर क्यों?"

"मुझे पता नहीं था कि तुम कहां हो। तम गाड़ी में अपना पर्स और फोन छोड़ गई थीं। हम कैसे पता करते। तुम कहां चली गई थीं?"

"ईथन और मैं सड़क पार वाले बार में थे ताकि घर पर भी नजर रख सकें।"

"अच्छा।" हमारे बीच का हल्का माहौल अचानक ही फिर से बदल गया।

ओह! मैंने बिल्कुल बेलाग भाव से पूछ लिया, "तुमने लीला के साथ अपार्टमेंट में क्या किया?" मैंने उसे देखा और उसका मेकरोनी से भरा चम्मच हवा में ही रह गया।

"तुम सचमुच जानना चाहती हो।"

मेरे पेट में खलबली सी होने लगी। "हां, क्या तुम बताना चाहते हो?"

भीतर बैठी लड़की खाली जिन की बोतल फेंककर आराम कुर्सी पर बैठी मुझे एकटक घूर रही है।

क्रिस्टियन का चेहरा सपाट हो आया और वह हिचककर बोला, "हमने बात की और मैंने उसे नहलाया। मैंने उसे तुम्हारे ही कुछ साफ कपड़े पहना दिए। उम्मीद करता हूं कि तुम बुरा नहीं मानोगी। वह बहुत गलीज़ हुई पड़ी थी।"

हाय! उसने उसे नहलाया!

इसने यह क्या किया। मैं अपनी प्लेट को ताकते हुए भन्ना रही हूं।

मेरे दिमाग का एक हिस्सा समझाना चाह रहा है कि उसने इंसानियत के नाते ऐसा किया होगा क्योंकि उसे नहलाने की जरूरत थी पर जलन का मारा दिल कुछ सुनने को राजी नहीं है।

दिल में तो आया कि बड़े-बड़े आंसू टपका कर रोने लगूं पर किसी तरह अपने को संभाला। वे आंसू मेरा गला घोंटने लगे

"एना! मैं उसके लिए यही कर सकता था।" उसने कहा।

"तुम्हारे मन में अब भी उसके लिए भावनाएं हैं?"

"नहीं।" उसने एकदम कहा और आंखें बंद कर लीं। उसके चेहरे पर दुख के भाव तिर आए। मैंने मुड़कर अपने खाने को देखा। उसे देखने को भी दिल नहीं चाह रहा।

"मैंने उसके लिए वही किया, जो एक इंसान दूसरे के लिए करता।" उसने कहा।

ओह! अब वह मेरी हमदर्दी भी चाहता है।

"एना मेरी ओर देखो।"

मैं नहीं देख सकती। मुझे पता है कि उसे देखते ही मेरे आंसू संभालने मुश्किल हो जाएंगे। ऐसा लगता है कि मेरे भीतर भावनाओं का गुबार इकट्ठा होता जा रहा है। वहां अब कोई और जगह नहीं बची। मैं अब कोई बकवास सुनने के लिए तैयार नहीं हूं। अगर मैं बिफर गई तो बहुत बुरा नतीजा होगा।

क्रिस्टियन ने अपनी सेक्स गुलाम को निर्वस्त्र नहलाया और अब वह इसे इंसानियत का नाता कह रहा है।

"एना।"

"क्या?"

“इस बात का गलत मतलब मत निकालो। मैं तो एक टूटे और बिखरे बच्चे जैसी युवती को संभालने की कोशिश कर रहा था।”

हुंह! ये किसी बच्चे की देख रेख के बारे में जानता ही क्या है। ये सब एक ऐसी औरत के साथ, जिसके साथ उसने कामुकता से भरे यौन संबंध बनाए हुए थे। अचानक ही ऐसा लगा कि थकान के मारे वहीं गिर जाऊंगी। मुझे नींद चाहिए।

“एना……एना प्लीज़!”

“क्रिस्टियन!!! ये एना प्लीज़, प्लीज़ की रट लगाना बंद करो।” मेरे चिल्लाते ही टप-टप आंसू टपकने लगे। आज के लिए बहुत हो गया। मैं सोने जा रही हूं। मैं भावात्मक रूप से भी थक गई हूं। मुझे मेरे साथ अकेला छोड़ दो।

मैं मुड़ी और सोने के कमरे की ओर भागती चली गई। क्रिस्टियन की हैरानी और सदमे से खुली आंखें मेरे आगे नाच रही थीं। मैंने एक ही मिनट में अपने कपड़े उतारे, उसकी टी-शर्ट ली और बाथरूम में चली गई।

शीशे में खुद को देखा तो जैसे पहचान ही नहीं सकी। मैं वहीं फर्श पर गिर गई और खुद को रोक नहीं पाई। गालों से लगातार आंसुओं की झड़ी लग गई।

अध्याय 15

"हे!" क्रिस्टियन ने बड़े ही लगाव से मुझे बांहों में खींचा, "एना प्लीज़ रोना बंद करो।" उसने विनती की। वह बाथरूम के फर्श पर है और मैं उसकी गोद में हूं। मैंने उसके गले में बांहें डाल दीं और रोने लगी। वह प्यार से मेरे गले, पीठ और सिर को सहलाता रहा।

"मुझे माफ कर दो बेबी!" यह सुनकर तो मैं और भी जोर से रोने लगी।

हम पता नहीं वहां कब तक बैठे रहे। जब मैं शांत हुई तो वह मुझे उठाकर अपने कमरे में ले गया और पलंग पर लिटा दिया। कुछ ही देर में वह मेरे साथ था और बत्तियां बंद हो गईं। उसने मुझे बांहों में भरा और जकड़ लिया, मैं बेचैनी से भरी नींद की गोद में समा गई।

एक झटके से आंख खुली। क्रिस्टियन मेरे आसपास लता की तरह लिपटा हुआ था। वह नींद में ही कुनमुनाया। मैं उसकी बांहों के घेरे से निकल आई पर उसकी आंख नहीं खुली। मैंने अलार्म घड़ी पर नज़र मारी। अभी तो सुबह के तीन बजे थे। मुझे एक ड्रिंक और एडविल चाहिए। मैंने किसी तरह हिम्मत बटोरी और रसोई की ओर चल दी।

फ्रिज खोला तो संतरे के रस का डिब्बा दिख गया। मैंने वही गिलास में डाल लिया। ओह! पीकर चैन आ गया। फिर मैंने दराजों में घुसपैठ की ताकि कोई दर्द निवारक दवा दिख जाए। अचानक दवाओं से भरा प्लास्टिक का बैग दिख गया। मैंने दो एडविल निगलीं और एक गिलास जूस फिर से डाल लिया।

कांच की दीवार के पास घूमते हुए सिएटल पर नज़र पड़ी। क्रिस्टियन के किले या दुर्ग के नीचे सोते शहर की बत्तियां टिमटिमाती दिखाई दीं।

ठंडी खिड़की से सिर टिकाने से बड़ा सुकून मिला। मुझे कल की बातें पता चलने के बाद बहुत कुछ विचार करना है। मैं कांच से पीठ टिकाकर वहीं बैठ गई। बड़ा कमरा अँधेरे में नहाया हुआ है और रसोई में लगे लैंपों की रोशनी ही पूरे कमरे में पड़ रही है।

क्या मैं यहां रह सकती हूं? उससे शादी कर सकती हूं? उसने यहां क्या-क्या नहीं किया, क्या ये सब जानने के बाद भी यहां रह सकती हूं?

शादी का ख़याल तो अभी सोच और उम्मीद से भी कहीं परे है। इस जगह का इतिहास भी तो कितना अलग है।

मेरी मुस्कान मंद हो गई। मैं उसकी मां जैसी दिखती हूं। यह याद कर मेरा दिल तड़प उठा। हम सभी उसकी मां जैसी दिखती हैं।

मैं उसके इस राज को जानने के बाद भी ....। तभी तो वह मुझे इस बारे में बताना नहीं चाहता था। वैसे एक बात यह भी तो है कि उसे अपनी मां के बारे में याद ही कितना होगा। क्या मुझे एक बार डॉ. फिल्न से इस बारे में बात करनी चाहिए। क्या क्रिस्टियन मुझे ऐसा करने देगा? ये अच्छा होगा या बुरा? मैंने आंखें बंद कीं और अपना सिर पीछे की ओर टिकाकर एक गहरी सांस ली।

अचानक ही एक तीखी सी चीख से वहां की शांति भंग हो गई और मेरे शरीर के रोंगटे खड़े हो गए। *क्रिस्टियन! क्या हुआ उसे?*

मैं झट से कमरे की ओर भागी और वहां की बत्तियां जला दीं। वह बड़ी बेचैनी से करवटें बदल रहा है। वह फिर से चिल्लाया और उसकी वह आवाज मेरी आत्मा को भेदती चली गई।

ओह! बुरा सपना देख रहा है!

"क्रिस्टियन!" मैंने उसके ऊपर झुककर कंधों से झझकोर दिया। उसने आंखें खोलीं तो उसकी सुनसान आंखें कमरे में यहां-वहां मंडराने के बाद मुझ पर आ टिकीं।

"तुम चली गई थीं। चली गई थीं। तुम सच में मुझे छोड़ गई थीं।" वह बुदबुदाया और मेरे कलेजे में टीस सी उठी।

"मैं यही हूं।" मैंने उसके पास पलंग पर बैठकर कहा। फिर मैंने उसे तसल्ली देने के लिए अपनी हथेली उसके मुंह पर रखी।

"तुम चली गई थीं।" आंखों में अब भी डर के साए लहरा रहे हैं।

"मैं तो कुछ पीने गई थी। मुझे प्यास लगी थी।"

उसने आंखें बंद कर अपना चेहरा मला और जब आंखें खोलीं तो उनमें जाने कहां-कहां की वीरानियां पसरी हुई थीं।

ओह! इसका ये डर... मैं इसे महसूस कर सकती हूं। उसकी टी-शर्ट पसीने से भीगी हुई है। दिल तेजी से धड़क रहा है। उसने मुझे कस कर जकड़ लिया ताकि खुद को यकीन दिला सके कि मैं उसके पास ही हूं। मैंने प्यार से उसके गाल और बाल सहलाए।

"क्रिस्टियन देखो! मैं कहीं नहीं गई। मैं तो यही हूं।" मैंने उसे दिलासा दिया।

"ओह एना!" उसने आह भरी। उसने मेरी चिबुक थामी और चूमने लगा।

उसके पूरे शरीर में वासना सुलगने लगी। उसके होंठ मेरे चेहरे, मेरे कानों, गले, पीठ.. को चूमते जा रहे हैं। वह अपने दांतों से हौले-हौले मेरे निचले होंठ को काट रहा है। उसके हाथ शरीर के अलग-अलग अंगों को छूकर जगाते जा रहे हैं। फिर उसने एक ही झटके में मेरी टी-

शर्ट उतारकर फेंक दी। उसके स्पर्श से मेरे पूरे शरीर में सनसनाहट सी होने लगी। उसने अपने दोनों हाथों को ज्यों ही मेरे वक्षस्थल पर रखा तो मेरे मुंह से न चाहने पर भी सिसकारी निकल गई।

"मैं तुम्हें चाहता हूं।" वह हौले से बोला।

"मैं यहां तुम्हारे लिए आई हूं। क्रिस्टियन! मैं तुम्हारे लिए ही तो हूं।"

उसने एक आह भरी और मुझे फिर से कसकर चूम लिया। मैंने आज तक उसके इस जुनून को इस कदर महसूस नहीं किया। मैंने भी दोनों हाथों से उसकी टी-शर्ट उतार दी। उसकी आंखें एक अनजाने रहस्य से चमक रही हैं। उनमें उसकी चाह झांक रही है। उसने दोनों हाथों में मेरा चेहरा भरा और चूमता चला गया। वह मुझे चाहता है पर उसने आज अपनी मां के बारे में जो शब्द कहे, वे अचानक ही बार-बार कानों में बजते हुए मुझे छलने लगे। ऐसा लगा मानो किसी ने मेरी वासना पर ठंडा पानी उड़ेल दिया हो। ओह! मैं इसके साथ यह सब नहीं कर सकती। अभी तो बिलकुल नहीं कर सकती।

"क्रिस्टियन......बस करो। मैं यह सब नहीं कर सकती।" मैंने अपने दोनों हाथों से उसे परे धकेलते हुए कहा।

क्या? क्या हुआ? उसने मेरी गले को चूमा और अपनी जीभ की नोक को पूरी गर्दन पर घुमाता हुआ ले गया। ओह...।

नहीं प्लीज़! मैं यह नहीं कर सकती। मुझे थोड़ा वक्त चाहिए।

ओह एना! इस बारे में ज्यादा मत सोचो। उसने मेरे कान की लबों को कुतरते हुए कहा।

ओह! मेरा अपना ही शरीर मुझे छल रहा है। ये मेरे दिमाग का साथ नहीं दे रहा।

"एना! मैं तो वही हूं। मैं तुम्हें चाहता हूं। तुम मेरी ज़रूरत हो। प्लीज़ मुझे अपने हाथों से छुओ।" उसने मेरी नाक से अपनी नाक रगड़ी और मैं इन शब्दों को सुनकर पिघल गई।

उसे हाथ लगाऊं! शारीरिक संबंध बनाते हुए उसे छू सकती हूं? ओह कितना प्यारा एहसास!

वह कमरे की हल्की रोशनी के बीच मुझे ताक रहा है। मैं देख सकती हूं कि वह मेरे फैसले के इंतज़ार में है और मैंने बेहिचक उसकी छाती के बालों पर हाथ रख दिया। मेरा हाथ धीरे-धीरे रेंगने लगा और उसके पूरे शरीर में एक अजीब सी सरसराहट होने लगी।

उसने अपना सिर मेरी गर्दन में गड़ा दिया और मुझे चूसने और काटने लगा। उसके होंठ मानो मेरे शरीर के एक-एक अंग की पूजा कर रहे हों। मैं अपने शरीर पर उसके गठे हुए हाथों की छुअन का रस ले रही हूं। उसके होठों ने वक्षस्थल व निप्पलों को अपनी छुअन से एक अनूठे ही आनंद में विभोर कर दिया है।

मेरे मुंह से सिसकारी निकली और मैंने अपने नाखून उसकी पीठ में धंसा दिए। उसके मुंह से भी एक विचित्र सा स्वर निकला।

ओह एना। उसके इस सुर में मानो सारी पीड़ा बाहर छलक आई। मेरा दिल कचोट उठा और पेट के निचले हिस्से की सारी मांसपेशियां तन गईं। ओह! मैं इसके लिए क्या कर सकती हूं! मैं अब हांफ रही हूं और उसकी सांसें भी उथली हो आई हैं।

उसके हाथ मेरे पेट और उसके निचले हिस्से पर मंडरा रहे हैं और उसकी अंगुलियां हरकत करते-करते..

एना! उसने मेरे हाथ में फॉयल पैकट थमाते हुए कहा, "अगर तुम ये नहीं करना चाहतीं तो अभी इंकार कर सकती हो। तुम कभी भी इंकार कर सकती हो। मैं तुम पर कोई दबाव नहीं डालना चाहता।"

"क्रिस्टियन! तुम मुझे कुछ सोचने का मौका भी मत दो। मैं तुम्हें इसी वक्त पाना चाहती हूं।" मैंने अपने दांतों से फॉयल पैकेट खोला और उसे पहना दिया। "एना! तुमने मुझे जंगली बना दिया है।"

मैं हैरान हूं कि मेरा स्पर्श इस इंसान को कितना बदल देने की ताकत रखता है। अब मेरे संदेह, मेरे दिमाग के किसी गहरे अँधेरे कोने में जा छिपे हैं। मैं इस आदमी के नशे में मदमस्त हूं। मेरा अपना मैन! मेरा फिफ्टी! उसने अचानक ही झटका दिया और मैं उसके ऊपर आ गई।

"आज ये बाजी तुम खेलोगी।" उसने गहरे शब्दों में कहा।

ओह! मैं धीरे-धीरे खेल में खोती चली गई। मेरे भीतर का वह खालीपन एक पल भर में भर गया और मैं अपने-आप को पूरी तरह से भरा-पूरा महसूस कर रही हूं। ये दुनिया का सबसे ख़ास एहसास है। ऐसा लग रहा है मानो मैं कोई देवी हूं। मैं आगे झुकी और उसके चिबुक को अपने होठों से छुआ। अपने दांतों से उसके जबड़े को हौले से काटा। वह सचमुच बहुत ही प्यारा है।

"एना......मुझे अपने हाथों से छुओ, प्लीज़!"

ओह! मैंने अपने दोनों हाथ उसकी छाती पर टिका दिए और उसके मुंह से सुबकी जैसी आवाज़ निकली।

मेरी अंगुलियां थरथरा उठीं। वह एक झटके से हिला और मैं उसके नीचे थी।

बस एना, बस। उसके सुर की तड़प से अंदाजा लगाया जा सकता था कि उसे उस छुअन को झेलने के लिए कितनी कोशिश करनी पड़ती होगी। मेरे होंठ उसके होठों को एक बार छू लेने के लिए तरस उठे और मैंने दोनों हाथों में उसका चेहरा भरते हुए होठों को चूम लिया

ओह एना!!!!

उसने एक आह भरी और इसके साथ ही वह मेरे शरीर से एक लता की तरह चिपक गया। हम दोनों एक साथ पार उतरे।

मैंने उसे अपनी गोद में भर लिया। उसका सिर मेरी छाती पर टिका है और हम अपने संतुष्टि से भरे शारीरिक संबंध बनाने के बाद चुपचाप बैठे हैं। मैं उसके बालों में हाथ फिराते हुए, उसकी सांसों के सामान्य होते स्वर को सुन सकती हूं।

"मुझे कभी छोड़कर मत जाना।" मैंने अपना मुंह घुमाया और इस बात की तसल्ली कर ली कि वह मुझे देख न सके और फिर अपनी आंखें नचाईं।

"मैं जानता हूं कि तुम आंखें मटका रही हो।" उसके सुर में हंसी का पुट था।

"ओह! तुम मुझे कितनी अच्छी तरह जानते हो।"

"मैं तुम्हें और भी बेहतर तरीके से जानना चाहूंगा।"

"वैसे ग्रे! तुम कौन सा बुरा सपना देख रहे थे?"

"वही पुराना।"

"बताओ तो सही।"

उसने थूक निगला और चेहरे का तनाव लौट आया। "मैं तीन साल का हूं और वेश्या का दलाल फिर से गुस्से में है। वह एक के बाद एक सिगरेट फूंक रहा है और उसे एश-ट्रे नहीं मिलती।" उसकी बात सुनते ही जैसे मेरा पूरा शरीर ठंडा पड़ गया।

"इससे तकलीफ होती है। मुझे बस इसके बाद का दर्द ही याद है। वही रात को बुरे सपने बनकर मुझे जगाता है और ख़ास बात यह थी कि मेरी मां ने भी उस इंसान को रोकने की कोशिश नहीं की थी।"

अरे नहीं! ये सब तो सुना भी नहीं जाता। मैंने उसके आसपास अपनी पकड़ और भी कस दी। मैं कोशिश कर रही हूं कि गला न रुंधे। कोई किसी बच्चे के साथ ऐसा बर्ताव कर भी कैसे सकता है? उसने मुंह उठाया और अपनी गहरी आंखों से मुझे ताका।

"तुम उसके जैसी नहीं हो। कभी ऐसी बात अपने मन में भी मत लाना।" वह बोला

मैंने पलकें झपकाईं। ये बात सुनकर दिल को तसल्ली सी मिली। उसने मेरी छाती पर अपना सिर फिर से टिका दिया और अपनी बात जारी रखते हुए मुझे अचंभे में डाल दिया।

"कभी-कभी वह सपनों में फ़र्श पर लेटी दिखती है। मैं सोचता हूं कि वह सो रही है पर वह नहीं हिलती। वह कभी नहीं हिलती। और मुझे भूख लगी है। बहुत जोरों की भूख लगी है।"

ओह! क्या सपना है।

"अचानक तेज़ आवाज़ के साथ वह लौट आता है और मुझे जोर से ठोकर मारता है। उस वेश्या को कोसता है। वह हमेशा अपनी मुट्ठी या बेल्ट से वार करता था।"

"यही वजह है कि तुम किसी के हाथों की छुअन सह नहीं पाते।"

उसने आंखें बंद कीं और मुझे कसकर गले से लगा लिया। ये सब बहुत उलझन से भरा है। उसने मेरे वक्षस्थल के बीच नाक से गुदगुदी की और मेरा ध्यान दूसरी ओर ले जाना चाहा।

"मुझे बताओ।" मैं बोली।

उसने उसांस भरी, "वह मुझे प्यार नहीं करती थी। मैं उससे प्यार नहीं करता था। मैं बस उसके एक कठोर... स्पर्श को ही पहचानता था। यह सब वहीं से शुरू हुआ। डॉ. इसे मेरे से ज्यादा बेहतर तरीके से बता सकते हैं।"

"क्या मैं उनसे मिल सकती हूं?"

उसने सिर उठाकर मुझे देखा। "तुम भी फिफ्टी शेड्स के रंगों में घिरती जा रही हो।"

"हां, क्यों नहीं। मैं ऐसा करना चाहती हूं।"

"हां, मिस स्टील! मुझे भी अच्छा लगेगा।" उसने आगे झुककर एक चुंबन रसीद कर दिया।

"एना! तुम मेरे लिए बहुत कीमती हो। शादी का प्रस्ताव एक गंभीर बात थी। हम दोनों एक दूसरे को जान सकते हैं। तुम मेरा ख़याल रख सकती हो। मैं तुम्हारा ख़याल रख सकता हूं। मैं अपनी पूरी दुनिया तुम्हारे कदमों में डाल दूंगा। एना! अगर तुम चाहो तो हमारे घर में बच्चे भी होंगे। एनेस्टेसिया! मैं अपनी सारी दुनिया, तुम्हारे कदमों में डाल दूंगा। मैं हमेशा-हमेशा के लिए तुम्हारे शरीर और आत्मा को अपना बना लेना चाहता हूं। मेहरबानी करके, तुम इस बारे में सोचो।"

"क्रिस्टियन! मैं इस बारे में ज़रूर सोचूंगी।" मैंने उसे दिलासा दिया पर मन ही मन बच्चों वाली बात से मैं भी हिल गई हूं।

"मुझे डॉ. से एक बार बात करनी होगी।"

"बेबी! जैसा तुम कहो। तुम्हारे लिए तो कुछ भी हाज़िर है। तुम कब मिलना चाहोगी?"

"जल्द से जल्द।"

"अच्छा! मैं आज सुबह ही इंतज़ाम करवाता हूं।" उसने घड़ी पर नज़र मारी।

"देर हो गई है। हमें सोना चाहिए।" उसने लाइट बंद की और मुझे अपने पास खींच लिया।

मैंने घड़ी देखी तो हैरान रह गई। पौने चार बज गए थे।

उसने मेरी पिछली ओर से मुझे बांहों में भरा और गर्दन गुदगुदाते हुए बोला, "एना स्टील! मैं तुमसे प्यार करता हूं और तुम्हें हमेशा अपने साथ पाना चाहूंगा। अब सो जाओ।"

मैंने आंखें बंद कर लीं।

बेमन से भारी पलकें उठाकर, जगी तो पूरा बदन टूट रहा था और क्रिस्टियन पूरी तरह से मुझसे लिपट कर सोया हुआ था। मैंने अपनी बांह को, उसकी पकड़ से बाहर निकाला तो वह मन ही मन कुछ बुदबुदाया, जो समझ नहीं आया। सुबह के पौने नौ हो गए थे।

मारे गए। मैं तो आज लेट हो गई। मैं पलंग से कूदकर बाथरूम की ओर भागी। नहाकर बाहर आने में मुश्किल से चार मिनट लगे होंगे। मैं अपने कपड़े सहेजने लगी तो वह जाग गया और पलंग पर बैठकर मुझे बड़े मज़े से ताकने लगा। शायद वह चाहता है कि मैं कल की बातों के बारे में अपनी राय दूं पर अभी तो मेरे पास दम लेने की भी होश नहीं है।

मैंने अपने कपड़े देखे, काली स्लैक्स और काली शर्ट- चाहे जैसे भी लगें पर अभी सोचने का ज्यादा वक्त नहीं है। मैंने अंतर्वस्त्र पहने और कनखियों से देखा, वह मुझे ही ताक रहा था।

"एना! तुम कितनी प्यारी दिख रही हो।" उसने बड़े ही नशीले सुर में कहा और दिल में तो आया कि ऑफिस भूल-भाल कर......। नहीं-नहीं, काम पर तो जाना ही होगा।

"नहीं क्रिस्टियन! मैं आराम नहीं कर सकती। मैं किसी कंपनी की सीईओ नहीं हूं, जो अपनी मर्जी से कभी भी आ-जा सकता है।"

"अच्छा! तो मैं जब जी चाहे आ सकता हूं।" उसने दुष्टता से भरी मुस्कान दी।

"क्रिस्टियन!" मैंने फटकारा। मैंने उस पर अपना तौलिया दे मारा और वह हंसने लगा।

"बड़ी प्यारी मुस्कान है! हां, तुम जानते हो कि तुम्हारी इस मुस्कान का मुझ पर क्या असर होता है?" मैंने घड़ी पहनते हुए कहा।

"अच्छा! क्या मैं जानता हूं?"

"हां, तुम सभी औरतों पर यही असर डालते हो। मैं तो उन्हें देख-देखकर तंग आ गई हूं।"

"ऐसा क्या?" उसने एक भौं तिरछी की।

"मि. ग्रे! ज्यादा भोले न बनें। ये आपको सूट नहीं करता।"

मैंने झट से बालों को पोनीटेल में बांधा और काली हील पहन ली। बस हो गई तैयार!

मैं उसे गुडबाय किस देने गई तो उसने मुझे झट से दबोचा और पलंग पर लिटाकर मुस्कुराने लगा। हाय! ये कितना प्यारा, सुंदर, दिलकश, सेक्सी और शरारती दिख रहा है।

मैं कल की बातों से हिली पड़ी हूं और वह किसी ताजा फूल की तरह दिख रहा है। इसके रंग भी दुनिया से ही न्यारे हैं।

मैं ऐसा क्या कर सकता हूं कि तुम आज ऑफिस न जाओ।" उसने कहा और मेरा दिल जैसे धड़कना ही भूल गया। इसे तो दिल लुभाना आता है।

"तुम ऐसा कुछ नहीं कर सकते। मुझे जाने दो।"

उसने मुंह बनाया और मैं मुस्कुरा कर खड़ी हो गई। मुझे तो ये इस तरह बिखरे-बिखरे अंदाज में और भी प्यारा लगता है।

मैंने आगे झुककर उसे चुंबन दिया। शुक्र है कि मैंने दांत ब्रश कर लिए थे। उसने तो मुझे इस चुंबन के साथ ही बेदम कर दिया।

मैं हांफने लगी तो वह बोला, "टेलर तुम्हें फटाफट छोड़ आएगा।" वह नीचे पार्किंग में इंतज़ार कर रहा है।

"अच्छा! थैंक्स।" मुझे गुस्सा तो आया कि आज भी साब चलाने का मौका नहीं मिलेगा पर वह ठीक कह रहा है। टेलर जल्दी छोड़ देगा।

"मि. ग्रे! आप अपनी अलसाई सुबह का मज़ा लें। काश! मैं भी ऐसा कर सकती। वैसे मैं जिस बंदे की कंपनी में काम करती हूं, वह कभी पसंद नहीं करेगा कि उसका स्टाफ उसे हॉट सेक्स करने के लिए धोखा दे।" मैं पर्स की ओर लपकी।

"मिस स्टील! मुझे तो लगता है कि उसे बुरा नहीं लगेगा। शायद वह तो ऐसा ही करना चाहता है।"

"तुम इतनी देर तक पलंग पर क्या कर रहे हो? यह तो तुम्हारे स्वभाव में नहीं है।"

उसने अपने हाथ सिर के पीछे बांधो और मुस्कराया, "क्योंकि मैं कर सकता हूं, मिस स्टील।"

मैंने भी गर्दन हिलाई और एक हवाई चुंबन देकर कहा, "मिलते हैं बेबी!"

टेलर मेरे इंतज़ार में है और लगता है कि उसे भी पता है कि मुझे देर हो गई है। उसने अंधाधुंध गाड़ी चला कर मुझे सवा नौ पहुंचा दिया। उसने गाड़ी रोकी तो मैंने चैन की सांस ली कि मैं जिंदा हूं और बस पंद्रह मिनट की ही देर हुई है।

"थैंक्स टेलर!" मैंने स्याह चेहरे के साथ कहा। मुझे याद आया, क्रिस्टियन ने बताया था कि वह टैंक भी चलाना जानता है!

"एना!" उसने गर्दन हिलाई और मैं ऑफिस की ओर लपकी। मुझे ध्यान आया कि शायदटेलर अब मिस स्टील वाली औपचारिकता से ऊपर उठ गया है। चेहरे पर मुस्कान छा गई।

क्लेयर ने भी रिसेप्शन से एक मुस्कान दी।

“एना! यहां आओ।” तभी जैक की पुकार सुनाई दी।

मर गए आज तो!

“तुम्हारे हिसाब से अभी कितने बजे हैं?”

“सॉरी! आज नींद देर से खुली।”

“ऐसा दोबारा न हो। मेरे लिए कॉफी लाओ और फिर कुछ ख़त भी तैयार करने हैं। जल्दी करो।” उसने कहा।

ये इतना गुस्से में क्यों है? इसकी परेशानी क्या है? मैंने ऐसा क्या कर दिया? मैं रसोई की ओर लपकी। मैंने इसे क्या कह दिया?

वैसे घर रह कर क्रिस्टियन के साथ कुछ करना, नाश्ता करना या वक्त बिताना कहीं बेहतर होता।

जैक के ऑफिस में गई तो उसने हाथ से लिखा एक कागज मुंह पर दे मारा।

“इसे टाइप करो। मेरे साइन लो और कॉपी करके हमारे लेखकों को मेल कर दो”

“जी जैक!”

उसने मुझे देखा तक नहीं। लगता है ज्यादा ही सड़ा पड़ा है।

शुक्र है कि बैठने का टाइम तो मिला। मैंने अपनी चाय का घूंट भरते हुए कंप्यूटर के ऑन होने का इंतजार किया। फिर अपने ई-मेल देखे।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: तुम्हारी याद आ रही है
डेट: जून 15 2011 09:05
टू: एनेस्टेसिया स्टील
प्लीज़ अपना ब्लैकबेरी इस्तेमाल करो।
क्रिस्टियन ग्रे सीईओ,
ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील

सब्जेक्ट: कुछ लोगों के लिए ठीक
डेट: 15 जून 2011 09:27
टू: क्रिस्टियन ग्रे
मेरा बॉस भन्नाया बैठा है
मैं तो तुम्हारी हरकतों के कारण लेट हुई हूं।
तुम्हें अपने पर शर्म आनी चाहिए।
एनेस्टेसिया स्टील
एसआईपी संपादक, जैक हाइड की सहायिका

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: मेरी शरारतें या कौन-सी हरकतें?
डेट: जून 15 2011 09:32
टू: एनेस्टेसिया स्टील
एना! तुम्हें काम करने की ज़रूरत ही क्या है?
तुम नहीं जानतीं कि मैं अपनी हरकतों पर कितना शर्मिंदा हूं।
पर तुम्हें देर करवाने की भी अपना ही एक मज़ा है।
प्लीज़ अपने फोन का इस्तेमाल करो।
और हां, मुझसे शादी कर लो।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: जीने के लिए काम करना होता है
डेट: 15 जून 2011 09:35
टू: क्रिस्टियन ग्रे
मैं तुम्हारी शिकायतें करने की आदत को जानती हूं पर अब संभल जाओ।
मुझे पहले तुम्हारे मनोचिकित्सक से बात करनी होगी।
एनेस्टेसिया स्टील
एसआईपी संपादक, जैक हाइड की सहायिका

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे

सब्जेक्ट: ब्लैकबैरी
डेट: जून 15 2011 09:40
टू: एनेस्टेसिया स्टील
एनेस्टेसिया! अगर डॉ. फिल्न से बात करने जा रही हो तो प्लीज फोन से बात करना।
ये कोई विनती नहीं है।
क्रिस्टियन ग्रे
अब थोड़ा-सा चिढ़ा हुआ सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

"ओह! अब इसे नाराज़ होने की क्या पड़ गई? मैंने जैसे ही पर्स से फोन निकाला तो घंटी बज गई। ओह ये मुझे काम क्यों नहीं करने दे रहा।

मैंने गुस्से से कहा, "क्या है?" उधर से जोंस का स्वर सुनाई दिया।

"एना मैं हूं। तुम ठीक तो हो?"

"ओह! सॉरी।"

"एना! अब भी ग्रे के साथ ही रह रही हो?"

"हां... क्यों?"

"उसने तुम्हारे सारे फोटो खरीद लिए हैं। मैं सिएटल आ रहा था तो सोचा कि उसे सारी तस्वीरें पहुंचा दूं। वीरवार को प्रदर्शनी खत्म होते ही, शुक्रवार को मैं उन्हें ले आऊंगा। अगर मौका मिले तो एक-एक जाम भी लगा लेंगे। कितने दिन से मिलकर नहीं बैठे। बहुत सारी गप्पें लगानी हैं।"

"जोंस! यह तो बहुत अच्छी बात है। बेशक कोई न कोई रास्ता निकल आएगा। मैं क्रिस्टियन से बात करके तुम्हें बताती हूं।"

"अच्छा। मैं इंतजार करूंगा। बाय एना।"

"बाय।" उसने फोन रख दिया।

हाय! एक जमाने से हमने गप्पें नहीं मारीं। मैंने उससे पूछा भी नहीं कि प्रदर्शनी कैसी रहीं? कैसी दोस्त हूं मैं भी!

शुक्रवार शाम जोंस के साथ बिताई जा सकती है पर क्रिस्टियन को कैसा लगेगा? मैं जानती हूं कि मैं बुरी तरह से अपना होंठ काट रही हूं। ओह! ये बंदा भी कितने दोहरे मापदंड रखता है। *क्योंकि वह रख सकता है*- ये ख्याल मन में आते ही मैंने कंधे झटक दिए। यह तो तय है कि क्रिस्टियन को इस बात के लिए राजी करना आसान नहीं होगा। जीसस!

"एना! जैक ने मेरे ख्यालों की दुनिया से बाहर ला पटका। सारे लेटर कहां हैं?"

"हो गए। बस अभी लाई।" इसे आज हुआ क्या है?

मैंने झट से लेटर टाइप किया और उसके ऑफिस की ओर भागी।

“ये लो।”

उसने लेटर पर नज़र मारी और दहाड़ा, “मैं नहीं जानता कि तुम यहां से बाहर क्या करती हो पर यहां तो मैं तुम्हें काम के लिए ही वेतन देता हूं।”

“जैक! मैं जानती हूं।” मैंने हौले से कहा।

“ये गलतियों से भरा पड़ा है। फिर से टाइप करो।”

हाय! ये किसी और बंदे की तरह बर्ताव कर रहा है पर मैं सिर्फ क्रिस्टियन की ओर से ही ऐसा बर्ताव सह सकती हूं।

“काम होते ही एक और कॉफी दे जाना।”

मैं झट से बाहर आ गई।

इसे तो सहना मुश्किल होता जा रहा हैं। मैंने लेटर देखा तो दो गलतियां थीं और उसने ऐसा बावेला मचा दिया मानो कहीं आग लग गई हो। मैंने उसके लिए एक और कॉफी ली और क्लेयर को आंख के इशारे से बताया कि आज जैक का मूड कैसा है। उसांस भरी और उसके ऑफिस में कदम रखा।

“ठीक है। फोटोकॉपी करो। ऑरीजनल को फाइल करो और बाकी लेखकों को मेल कर दो। समझीं?”

“हां। जैक! सब ठीक तो है न?”

उसने नीली आंखों से मुझे ताका और मेरा लहू वहीं जम गया।

“नहीं।” उसने बदतमीजी से कहा। मैं दनदनाती हुई बाहर आ गई। लगता है कि यह भी पर्सनेलिटी डिसऑर्डर का शिकार है। मैं ऐसे लोगों से क्यों घिरी पड़ी हूं। मैं कॉफी मशीन के पास गई तो उसमें पेपर फंसा हुआ था। उसे निकाला तो पता चला कि प्लेन पेपर खत्म है। आज का दिन ही कचरा है।

जब डेस्क पर आई तो फोन पर ईथन था।

“हाय एना! कल रात कैसा रहा? कल रात! दिमाग में कल रात की सारी तस्वीरें नाच गईं...।”

“ओह ठीक रहा।”

ईथन बोला, “अच्छा क्या मैं चाबियां ले सकता हूं?”

“हां-हां ले लो।”

"मैं आधे घंटे में आऊंगा। कॉफी पीने चलें क्या?"

"नहीं, आज नहीं! आज मैं देर से आई और इस समय बॉस का पारा सातवें आसमान पर है। वह चोट खाए शेर की तरह पिंजरे में चक्कर काट रहा है।"

"हाय! सुनकर ही डर लग रहा है।"

"बिल्कुल यही हालात हैं।"

वह सुनकर हंस दिया।

फोन रखते समय देखा। जैक यहीं घूर रहा था। मैं झट से काम पर बैठ गई।

आधे घंटे बाद रिसेप्शन से क्लेयर का फोन आया।

"यार! तेरा वही हैंडसम दोस्त आया है।"

ईथन को देखकर अच्छा लगा।

"क्या आज शाम कहीं चलें?" उसने पूछा।

"नहीं, मैं तो क्रिस्टियन के साथ ही रहूंगी।"

"अच्छा! बड़ा गहरा असर पड़ा है।" उसने मज़ाक किया।

वह चला गया तो मैंने सोचा कि सचमुच मैंने क्रिस्टियन को अपनी पूरी जिंदगी पर किस तरह हावी कर लिया है।

अचानक जैक पहुंच गया, "कहां थीं तुम?"

"मैं रिसेप्शन पर किसी काम से गई थी।"

"मुझे अपना लंच चाहिए।" वह पैर पटकता हुआ लौट गया।

आज मैं क्रिस्टियन के साथ घर क्यों नहीं रही। भीतर बैठी लड़की भी दोनों बाजुएं मोड़े, मुंह फुलाए बैठी है। वह इस बात का जवाब चाहती है। मैंने पर्स और फोन लिया और दरवाजे की ओर लपकी। फिर मैंने मैसेज देखे।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: तुम्हारी याद आ रही है।
डेट: जून 15 2011 09:06
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मेरा पलंग तुम्हारे बिना बहुत बड़ा दिख रहा है।

कुछ काम करने की सोच रहा हूं।
लगता है कि दीवाने सीईओ को भी काम पर जाना ही होगा।
क्रिस्टियन ग्रे
अपने अंगूठे फटकारते हुए
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक
फिर उसका एक और ई-मेल आया हुआ था।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: विवेक
डेट: जून 15 2011 09:50
टू: एनेस्टेसिया स्टील
विवेक से काम लोगी तो अच्छा रहेगा।
प्लीज़ ज़रा दिमाग से काम लो... तुम्हारे काम के ई-मेलों पर नज़र रखी जाती है।
ये बात मुझे तुम्हें आखिर कितनी बार बतानी होगी?
बेशक चीखते शब्दों में ही याद दिला रहा हूं। अपना ब्लैकबेरी इस्तेमाल करो।
क्रिस्टियन ग्रे
अब भी चिढ़ा हुआ
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

एक घंटे बाद एक और ई-मेल आ गया। ओह नहीं!

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: पतंगे
डेट: जून 15 2011 12:15
टू: एनेस्टेसिया स्टील
क्या बात है, जवाब क्यों नहीं दे रहीं?
प्लीज़ मुझे बताओ कि तुम ठीक हो तुम जानती हो कि मुझे चिंता हो जाती है।
वरना मैं टेलर को चेक करने भेज दूंगा।
क्रिस्टियन ग्रे
चिंतित सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

मैंने आंखें नचाईं और उसे फोन करने लगी। मैं उसे चिंता में नहीं डालना चाहती।

क्रिस्टियन ग्रे के फोन से एंडिया पार्कर बोल रही है।

मैं अचानक उसके फोन पर दूसरी आवाज सुनकर चौंकी और सड़क पर जा रहे बंदे से टकरा गई। मैं डेल के पास ही खड़ी हूं।

"हैलो! क्या मैं आपकी कोई मदद कर सकती हूं?" वहां से आवाज आई।

"सॉरी! मैं तो क्रिस्टियन से बात करना चाहती थी।"

"मि. ग्रे एक मीटिंग में हैं। आप कोई मैसेज देना चाहेंगीं?"

"क्या आप कह देंगी कि एना का फोन था?"

"आप एनेस्टेसिया स्टील बोल रही हैं?"

"जी।"

"मिस स्टील! एक सेकेंड होल्ड करें।"

उसने फोन रख दिया। मैं समझ नहीं पा रही कि हो क्या रहा है। कुछ ही देर में फोन पर वह आ गया।

"तुम ठीक तो हो?"

"हां, मैं ठीक हूं।"

उसने चैन की सांस ली।

"क्रिस्टियन मैं ठीक क्यों नहीं होंगी?"

"तुम अक्सर मेल का जवाब जल्दी दे देती हो। मैं कल वाली बात के बाद से जरा परेशान था।" उसने धीरे से कहा और फिर ऑफिस में किसी से बात करने लगा।

"नहीं, उन्हें इंतजार करने को कहो।" ओह! मैं इसका ये सुर पहचानती हूं।

उधर का जवाब तो नहीं सुना पर क्रिस्टियन का जवाब सुना गया।

"नहीं, मैंने कहा न कि वे इंतजार करें।"

"क्रिस्टियन शायद तुम काम में व्यस्त हो। मैं रखती हूं। बस बताना चाहती थी कि मैं ठीक हूं। मैं भी व्यस्त हूं। जैक भी सुबह से कोड़े फटकार रहा है... मतलब...।" मैं शरमाकर चुप हो गई।

क्रिस्टियन ने एक पल के लिए कुछ नहीं कहा।

"कोड़े फटकार रहा है। खैर, एक वक्त था जब मैं उसे किस्मतवाला कह सकता था। उसकी आवाज में हास्य का पुट था।"

“बेबी! उसे अपने पर हावी मत होने देना।”

“क्रिस्टियन!” मैंने फटकारा और मैं जान गई कि वह मुंह बना रहा होगा।

“बस उस नजर रखना। मैं यही कहना चाहता हूं। किस वक्त लेने आना होगा।”

“मैं बता दूंगी।”

“अपने फोन से बताना।” उसने सख्ती से कहा।

“जी सर।”

“मिलते हैं बेबी!”

“बाय।”

वह अब भी फोन पर है।

“फोन रखो।” मैंने मुस्कुराते हुए फटकारा।

उसने आह भरी और फोन रख दिया।

“काश! आज तुम काम पर न जातीं।”

“मैं भी यही सोच रही थी पर अब तो काम करना होगा।”

“फोन रखो।”

“नहीं, तुम पहले रखो।”

ओह! मैं खिलंदड़े क्रिस्टियन का सुर पहचानती हूं। मुझे ये बहुत पसंद है।

हम पहले भी ऐसे पलों से गुज़र चुके हैं।

“तुम अपना होंठ काट रही हो?”

ओह! उसने ठीक कहा पर इसे कैसे पता चला?

“देखा! एना तुम कहती हो कि मैं तुम्हें जानता नहीं। पर मैं शायद तुम्हें तुमसे भी बेहतर जानता हूं।” उसने इतने हौले से कहा कि मैं अन्दर ही अन्दर पिघल गई।

“क्रिस्टियन बाद में बात होगी। अभी तो यही लग रहा है कि काश आज काम पर न आई होती।”

“मिस स्टील! तुम्हारे मेल का इंतजार करूंगा।”

“गुड डे मि. ग्रे!”

मैंने फोन रखकर डेल स्टोर की खिड़की से बाहर झांका। ओह, ये फोन पर भी कितना मालिकाना हक जताता है। मैंने अपने दिमाग से ग्रे को झटका और फिर सिरफिरे जैक के बारे में सोचने लगी।

मैं वापिस आई तो वह मुंह बनाए बैठा था।

"अगर सब हो गया हो तो मैं कुछ खा लूं?" मैंने पूछा तो उसके माथे के बल गहरा गए।

"हां, जरूरी है तो जाओ। पैंतालीस मिनट। सुबह वाले वक्त की पूर्ति करनी होगी।"

"जैक? क्या कुछ पूछ सकती हूं?"

"क्या?"

"आज इतना बदला हुआ बर्ताव क्यों कर रहे हो? क्या मैंने कुछ ऐसा किया है जो तुम्हें बुरा लगा है?"

उसने पलकें झपकाईं? "मुझे नहीं लगता कि मैं इस समय तुम्हारी अशिष्टताएं गिनाने के मूड में हूं। मुझे बहुत काम है।" वह कंप्यूटर स्क्रीन को ताकने लगा ताकि मैं वहां से बाहर आ जाऊं।

ओह! इसे हुआ क्या है?

मैं मुड़ी और ऑफिस से निकल आई।

पल भर को लगा कि मैं रो दूंगी। वह अचानक ही मुझसे इतनी नफ़रत क्यों करने लगा? मैंने मन में आई एक बेमजा सोच को झटक दिया। अभी मुझे सोचने के लिए और बहुत कुछ है। बेकार की बातों में दिमाग नहीं खपा सकती।

मैंने पास वाले स्टारबक में जाकर एक लॉते का ऑर्डर दे दिया और खिड़की के पास जा बैठी। पर्स से आई-पैड निकाला और गाने लगा लिए। गाने को रिपीट पर लगाया ताकि वह बार-बार बजता रहे।

दिमाग में क्रिस्टियन की छवियां तैरने लगीं। परपीड़क क्रिस्टियन, गुलाम क्रिस्टियन, ऐसा क्रिस्टियन जिसे छुआ नहीं जा सकता। क्रिस्टियन के डर और उसका लीला को नहलाना। मैंने उसांस भरी और आंखें मूंद लीं।

क्या मैं सचमुच इस आदमी से शादी कर सकती हूं? इसके कितने राज हैं? वह बड़ा ही उलझा हुआ है पर अन्दर ही अन्दर मैं जानती हूं कि इन बातों के बावजूद मैं इसे छोड़ना नहीं चाहतीं। मैं इससे प्यार करती हूं। अगर उससे दूर हो गई तो ऐसा लगेगा कि अपनी दाईं बांह को शरीर से अलग कर दिया।

मैंने खुद को कभी इतना जीवंत महसूस नहीं किया। उससे मिलने के बाद हर घड़ी एक नए रंग में सामने आई है। इससे पहले का जीवन कितना नीरस था।

मानो उससे मिलने से पहले मेरी जिंदगी जोंस की तस्वीरों की तरह श्वेत-श्याम थी। अब मेरी दुनिया कई रंगों से भर गई है। मैं क्रिस्टियन की रोशनी से जगमगाने लगी हूं। मैं अब भी एक इकारस की तरह सूरज के पास बहुत पास जाने की कोशिश में हूं। क्रिस्टियन के साथ उड़ना! भला इस चीज़ के लालच से कोई बच भी कैसे सकता है।

क्या मैं उसे छोड़ सकती हूं? क्या मैं उसे छोड़ना चाहती हूं? मानो उसने कोई स्विच जला कर मुझे भीतर से रोशन कर दिया है। मैंने उसी के माध्यम से खुद को जाना है। उसे जानना भी किसी रोमांच से कम नहीं रहा। मैंने अपने शरीर, उसकी कोमल व कठोर सीमाओं, मेरी सहनशक्ति, मेरे धीरज, मेरी करुणा और प्यार करने की क्षमता के बारे में जाना है।

अचानक ही एक बात बिजली की तरह दिमाग में कौंध गई। वह मुझसे बिना किसी शर्त के नि:स्वार्थ प्रेम ही तो चाहता है। उसे कभी अपनी सगी मां से यह नहीं मिला, जिसे पाने का वह हकदार था। क्या मैं उसे ये नि:स्वार्थ प्रेम दे सकती हूं? पिछली रात को बताए गए राज के बावजूद ऐसा कर सकती हूं?

मैं जानती हूं कि वह बुरी तरह से टूटा हुआ है पर मुझे लगता है कि उसकी जिंदगी को संवारा जा सकता है। मैंने उसांस भरी और टेलर के शब्दों को दोहराया, मिस स्टील! वे एक अच्छे इंसान हैं।

मैंने उसकी अच्छाई, उसके चरित्र की खूबियों को देखा है। उसके नेक कामों, भलाई और उदारता को देखा है पर उसे अपने भीतर यह सब दिखाई नहीं देता। उसे लगता है कि वह किसी के प्यार के लायक नहीं है। उसके अतीत के पन्ने पलट कर ही मैं जान सकी हूं कि वह अपने बारे में ऐसी बुरी राय क्यों रखता है? क्या मैं इन बातों से उबर सकती हूं?

एक बार उसने कहा था कि मैं उसकी पीड़ा का अनुमान तक नहीं लगा सकती और अब जब उसने यह सब बता दिया है तो लगता है कि उसने झूठ नहीं कहा था। सच उसकी पीड़ा का अनुमान लगाना भी कठिन है। पर यह भी अच्छी बात है कि कम से कम अब मैं सब कुछ जानती तो हूं।

क्या इस तरह हमारा प्यार कम हो जाएगा? नहीं, मैं ऐसा नहीं सोचती। हम दोनों जो भी महसूस कर रहे हैं, वह हमने पहले कभी नहीं किया। हम दोनों बहुत आगे आ गए हैं। उसने जिस तरह कल रात मुझे खुद को छूने दिया। वह एहसास भी क्या कुछ कम था। मेरी आंखें नम थीं। ...और फिर लीला और उस तक पहुंचने का हमारा जुनून।

वैसे उसने लीला को नहलाया, यह याद करके अब मुझे उतना बुरा भी नहीं लग रहा।

पता नहीं उसने उसे मेरे कौन से कपड़े दिए होंगे। कहीं मेरी हरी पोशाक न दी हो जो मुझे बहुत पसंद थी।

तो मैं इस आदमी को सभी बातों के बावजूद प्यार दे सकती हूं क्योंकि वह इसका हकदार है। वैसे उसे दूसरों पर कम नियंत्रण रखने और समानुभूति से पेश आने जैसी बातें भी सीखनी

होंगी। वह यह तो कहता है कि उसे मुझे चोट पहुंचाने का मन नहीं होता।

बुनियादी तौर पर मेरी चिंता यह है कि शायद उसे यह सब पसंद है और वह ऐसी सोच वाली औरतों को ही पसंद करता आया है। मैं उससे यही तसल्ली चाहती हूं। मैं इस आदमी के लिए सब कुछ कर सकती हूं बस यही नहीं कर सकती।

काश डॉ. फिल्न कोई जवाब दे सकें। हो सकता है कि हम दोनों को ही जीने की कोई राह मिल जाए।

मैंने लंच टाइम में गहमागहमी से भर सिएटल को निहारा। मिसेज क्रिस्टियन ग्रे! भला किसने सोचा था? मैंने घड़ी देखी। ओ तेरे की! मैं यहां एक घंटे से बैठी हूं। जैक तो मेरा कचूमर ही निकाल देगा।

मैं डेस्क की ओर लपकी। वह अपने ऑफिस में नहीं था मैंने कंप्यूटर स्क्रीन को देखा और काम में मन लगाने की सोची।

"कहां थीं तुम?"

मैं उछल पड़ी। जैक मेरे पीछे बांहें मोड़े खड़ा था।

"मैं तो बेसमैंट में फोटोकॉपी कर रही थी।" मैंने झूठ बोला। जैक ने अपने होंठ सख्ती से भींच लिए।

"मेरा साढ़े छह का प्लेन है। तुम्हें तब तब यहीं रहना होगा।"

"अच्छा!" मैंने मीठी-सी मुस्कान देने की कोशिश की।

"मैं चाहता हूं कि मेरी न्यूयार्क सामग्री की दस फोटोकॉपी हो जाएं। ब्रोशर पैक हो जाएं और थोड़ी कॉफी लाकर दो।" उसने सख्ती से कहा और पांव पटकता हुआ लौट गया।

मैंने चैन की सांस ली और उसकी पीठ पीछे जीभ निकाली। खुद को बेहतर महसूस हुआ। *कमीना कहीं का!*

रिसेप्शन से चार बजे क्लेयर का फोन आया।

"तुम्हारे लिए ईया ग्रे का फोन है।"

मिआ! उम्मीद करती हूं कि किसी मॉल में जाने के लिए नहीं कह रही होगी।

"हाय ईया!"

"एना हाय! कैसी हो?" उसने उमंग से कहा।

"अच्छी हूं। आज थोड़ी व्यस्त हूं। तुम बताओ?"

"मैं बोर हो रही हूं इसलिए सोचा कि क्यों न भाई के जन्मदिन की तैयारी ही कर लूं। मैं क्रिस्टियन के जन्मदिन की दावत की तैयारी में लगी हूं।"

"क्रिस्टियन का जन्मदिन! हैं, मुझे तो पता ही नहीं था। कब होता है?"

"मुझे पता था। मुझे पता था कि वह तुम्हें नहीं बताएगा। यह शनिवार को है और मॉम-डैड चाहते हैं कि हम सब एक साथ खाना खाएं। मैं तुम्हें औपचारिक रूप से न्यौता दे रही हूं।"

"ओह, थैंक्स ईया।"

"मैंने क्रिस्टियन को फोन किया था। उसी से तुम्हारा यहां का नंबर लिया।"

मेरा दिमाग चकराने लगा। मैं क्रिस्टियन के जन्मदिन के लिए क्या लूंगी? ऐसे बंदे के लिए लिया भी क्या जा सकता है, जिसके पास सब कुछ हो।

"अगल हफ्ते लंच के लिए चलें?" ईया ने पूछा।

"हां! कल ही चलते हैं। बॉस बाहर होगा इसलिए टाइम ही टाइम है।"

"वाह! एना ये ठीक रहेगा।"

"कितने बजे?"

"पौने एक मिलते हैं।"

"एना! मैं वहीं मिलूंगी। बाय" "बाय! मैंने फोन रख दिया।"

क्रिस्टियन का जन्मदिन! हाय मैं उसके लिए क्या लूं?

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: दकियानूसी
डेट: 15 जून 2011 16:11
टू: क्रिस्टियन ग्रे
डियर मि. ग्रे
वैसे आप मुझे कब बताने वाले थे?
मैं अपने बूढ़े के लिए जन्मदिन का कौन-सा तोहफा ला सकती हूं।
शायद इसके हीयरिंग एड के लिए बैटरी की जरूरत होगी।
एनेस्टेसिया स्टील
एसआईपी संपादक, जैक हाइड की सहायिका

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: आदिम युग से
डेट: जून 15 2011 16:20
टू: एनेस्टेसिया स्टील
बूढ़ों का मजाक नहीं उड़ाते।
शुक्र है कि तुम जिंदा हो। और ईया से बात हुई थी।
बैटरी हमेशा काम आती हैं।
मुझे अपना जन्मदिन मनाना पसंद नहीं है।
क्रिस्टियन ग्रे
बहरा सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: हम्म
डेट: 15 जून 2011 16:24
टू: क्रिस्टियन ग्रे
डियर मि. ग्रे मैं इस वाक्य के साथ ही आपके होंठ फुलाने की अदा की कल्पना कर सकती हूं।
इससे मुझे कुछ हो जाता है।
एनेस्टेसिया स्टील
एसआईपी संपादक, जैक हाइड की सहायिका

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: आंखें नचाते हुए
डेट: जून 15 2011 16:29
टू: एनेस्टेसिया स्टील
क्या तुम ब्लैकबेरी का इस्तेमाल करोगी?
क्रिस्टियन ग्रे, खुजाती हुई हथेलियों के साथ
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: प्रेरणा

डेट: 15 जून 2011 16:33
टू: क्रिस्टियन ग्रे
डियर मि. ग्रे
आपकी खुजाती हथेलियां ज्यादा देर तक टिक नहीं सकतीं, हैं न?
मैं सोच रही थी कि डॉ. फिल्न इस बारे में क्या कहेंगे?
पर अब मैं जानती हूं कि मुझे तुम्हें जन्मदिन पर क्या देना है और उम्मीद करती हूं कि ये मेरे पिछले हिस्से को सुजाने के लिए काफी होगा..
एनेस्टेसिया स्टील
एसआईपी संपादक, जैक हाइड की सहायिका

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: दिल की तड़प
डेट: जून 15 2011 16:38
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मिस स्टील
मुझे नहीं लगता कि मेरा दिल अब इस सदमे को सह सकता है। अब ऐसे ई-मेल मत भेजना।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: कोशिश
डेट: 15 जून 2011 16:42
टू: क्रिस्टियन ग्रे
मैं अपने खपाअ बॉस के लिए काम करने की कोशिश कर रही हूं।
तुम मुझे तंग करना बंद करो और अपना काम देखो।
तुम्हारा पिछला ई-मेल कुछ ज्यादा ही धाकड़ था।
एनेस्टेसिया स्टील
एसआईपी संपादक, जैक हाइड की सहायिका
क्या तुम मुझे साढ़े छह बजे लेने आ सकते हो?

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: मैं आ जाऊंगा
डेट: जून 15 2011 16:47
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मेरे लिए इससे खुशी की बात क्या होगी। बंदा हाजिर होगा।
मैं अपने जीवन में खुशी से जुड़ी जिस भी बात के बारे में सोचता हूं, उसमें तुम पहले से ही शामिल होती हो।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

मैं उसका जवाब पढ़कर लजा गई और गर्दन हिलाई। बेशक ई-मेल का तरीका अच्छा है पर हमें बात भी करनी होगी। पर इससे पहले डॉ. फिल्न से मिलना ठीक होगा। मैंने फोन नीचे रखा और पैटी कैश का काम संभालने लगी।

सवा छह तक ऑफिस खाली हो गया था। मैंने जैक की सारी तैयारी कर दी है। उसकी एयरपोर्ट के लिए कैब आ गई है। मुझे बस उसे कागज देने हैं पर वह फोन पर मग्न है। आज उसका जैसा मूड है, ऐसे में उसे न छेड़ना ही ठीक होगा।

जब मैं उसका इंतजार कर रही थी तो याद आया कि मैंने तो कुछ खाया ही नहीं। *ओह! फिफ्टी तो भन्ना जाएगा।* मैं झट से रसोई में लपकी। शायद वहां खाने के लिए कोई कुकीज़ रखी हों।

जब मैं पंचायती कुकीज़ जार खोलने लगी तो अचानक ही जैक आकर घूरने लगा।

ओह! ये यहां क्या कर रहा है?

उसने घूरा, एना! "मुझे लगता है कि तुम्हारी बेहूदगियां गिनाने का वक्त आ गया है।" वह आगे आया और अपने पीछे दरवाजा बंद कर दिया। मेरा मुंह अचानक सूख गया और दिमाग में खतरे की घंटी बजने लगी।

"यहां हो क्या रहा है?"

उसने तिरछी सी मुस्कान दी, "चलो तुम अकेले में मिलीं तो सही।"

"क्या?"

"अब......अच्छी लड़की बनो और मैं जो भी कह रहा हूं, उसे ध्यान से सुनो।

अध्याय 16

जैक की नीली आंखों में वासना सी सुलग उठी और उसने मुझे सिर से पैर तक निहारा।

मैं डर से अधमरी हो गई। ये क्या है? ये चाहता क्या है? अन्दर ही अन्दर मेरा मुंह सूख गया। मैंने अपना बचाव करने के लिहाज से कुछ शब्द मुंह से निकालने की कोशिश की। दिमाग में एक ही बात गूंज रही थी। ऐसे लोगों को बातों में उलझाए रखो।

"जैक, इन बातों के लिए वक्त सही नहीं है। दस मिनट में तुम्हारी कैब आती होगी। मुझे तुम्हारे कागज भी देने हैं।" मैंने थोड़ा कड़ा होकर बोलने की कोशिश की।

वह मुस्कुरया और तीखी भेदती नज़रों के साथ मेरी ओर बढ़ा। वह लगातार मुझे देख रहा है। उसकी आंखों की पुतलियां तक स्थिर हैं। *हाय! मैं क्या करूं!*

"जानती हो कि तुम्हें ये नौकरी देने के लिए मुझे एलिजाबेथ से उलझना पड़ा।" उसकी आवाज कांपी और वह आगे बढ़ा...। मैं अलमारी की ओर पीछे खिसकती गई। उसे बातों में लगाए रख! *उसे बातों में लगाए रख! उसे बातों में लगाए रख!*

"जैक, तुम्हारी परेशानी क्या है? अगर तुम शिकायत ही करना चाहते हो तो हम एचआर को बीच में ला सकते हैं। हम एलिजाबेथ के साथ मीटिंग में भी यह बातें कर सकते हैं।"

"सिक्योरिटी कहां है? क्या वे अब भी इमारत में हैं?"

"हमें इस मामले के लिए एचआर की जरूरत नहीं है। एना। जब मैंने तुम्हें रखा तो सोचा था कि तुम कड़ी मेहनत करोगी। मुझे लगा था कि तुममें काबलियत है पर पता नहीं क्यों अब तुम बिलकुल ही आलसी और काम के लिए लापरवाह हो गई हो। मैं सोच रहा था कि क्या तुम्हारा दोस्त तुम्हें भटका रहा है? मैंने तय किया कि शायद तुम्हारे ई-मेल से कुछ पता चल जाए। एना! उसमें सिर्फ तुम्हारे ई-मेल थे, जो तुमने उसे भेजे। जो उसने भेजे थे, वे मेल कहां गए? वह तो एक भी नहीं है। एना! ये हो क्या रहा है? उसके मेल तुम्हारे सिस्टम से कहां गए? क्या तुम ग्रे की कंपनी की ओर से कोई जासूस रखी गई हो? क्या यही सब चल रहा है?"

ओह ई-मेल! मैं क्या कहती?

"जैक! तुम क्या बात कर रहे हो?" मैंने अनजान बनने की कोशिश की। वह बहुत गुस्से में दिखा।

"तुमने अभी कहा कि तुमने एलिजाबेथ को मुश्किल से मना कर मुझे काम पर रखा तो मैं किसी की जासूस कैसे हो सकती हूं? जैक! जरा दिमाग से काम लो।"

"पर ग्रे ने न्यूयार्क ट्रिप का कबाड़ा किया, बोलो सच है न?"

ओह शिट!

"एना! उसने यह कैसे किया? तुम्हारा पैसे वाला दोस्त और क्या-क्या कर सकता है?"

मेरे चेहरे का रहा-सहा लहू भी सूख गया और ऐसा लगा कि मैं बेहोश होने वाली हूं।

"जैक! मैं नहीं जानती कि तुम क्या कह रहे हो? तुम्हारी कैब आती होगी। क्या तुम्हारा सामान ला दूं? मुझे जाने दो। ये बातें बस भी करो।"

जैक बोला, "......और उसे लगता है कि मैं तुम पर लाइन मार रहा हूं। वैसे मैं चाहता हूं कि जब मैं जाऊं तो तुम इस बारे में थोड़ा-सोच लो। तुम्हें भी तो अपनी ओर से थोड़ा एहसान मानना चाहिए। मैं इसका हकदार हूं। मैंने तुम्हें पाने के लिए झगड़ा किया है। एलिजाबेथ किसी और पढ़े-लिखे बंदे को रखना चाहती थी पर मुझे तुममें कुछ दिखा इसलिए तुम्हें काम दिया। हमें एक डील करनी होगी। इस डील के हिसाब से तुम मुझे खुश रखोगी। एना! क्या तुम मेरी बात का मतलब समझ गईं?"

ओह! यह क्या..

"मान लो यह तुम्हारे काम का ही एक हिस्सा होगा। अगर मुझे खुश रखा तो मैं यह जानने की कोशिश नहीं करूंगा कि तुम्हारा दोस्त किस तरह अपने रुतबे और दौलत का फायदा उठाकर यह हरकतें कर रहा है।"

मेरा मुंह खुला का खुला रह गया। वह मुझे ब्लैकमेल कर रहा है। सेक्स के लिए ब्लैकमेल! मैं क्या कह सकती हूं? क्रिस्टियन के कंपनी लेने की बात अभी तीन हफ्ते और छिपानी होगी। मैं तो यकीन नहीं कर सकती। मेरे साथ सेक्स!

जैक मेरे और पास आ गया। उसके कोलोन की खूशबु से जी मिचला रहा है- अगर मैं गलत नहीं हूं तो इसने पी भी रखी है। बड़ी तीखी गंध आ रही है। वह पी रहा था। कब...?

"एना! मैंने आज तक तुम्हारे जैसी दिलरूबा नहीं देखी, जिसकी अदाएं इतनी कातिलाना हों।"

हैं! ये क्या बक रहा है।

"जैक! क्या बोले जा रहे हो?" मेरा पूरा शरीर खुद को आने वाले खतरे के लिए तैयार कर रहा है। वह और पास आ गया। मैं अपना दांव खेलने की तैयारी करने लगी। रे ने मुझे सिखा रखा है कि हमें अपना बचाव कैसे करना चाहिए। अगर जैक ने मुझे हाथ भी लगाया तो उसे कच्चा चबा जाऊंगी। मेरी सांसें उथली हो गई हैं। मैं बेहोश न हो जाऊं!

"देखा! तुम भी मुझे देखकर ललचा रही हो। तुम भी मुझे पाना चाहती हो। दरअसल तुम भी मुझे चाहती हो। तुम पहले से यह सब चाहती थीं, मैं सब जानता हूं।"

ये बंदा पगला गया है। मेरा डर मुझ पर हावी होने लगा। "नहीं जैक! मैंने ऐसा कभी सोचा तक नहीं।"

"मैं तुम्हारे हाव-भाव देखकर समझ गया था।" उसने अपनी हथेली का पिछला हिस्से को मेरे गाल पर हाथ फेरा। उसकी तर्जनी मेरे गले से टकराई और मेरा कलेजा उछल कर मुंह को आ गया। उसका हाथ मेरे गले के उस हिस्से तक आ गया, जहां से ब्लाउज के बटन शुरू हो रहे थे। उसने मेरी छाती के पास ले जा कर अपना हाथ दबाया।

"एना! तुम भी मुझे चाहती हो, कबूल लो।" उसने एक विजयी मुस्कान दी। मैंने अचानक उसकी छोटी अंगुली पकड़ी और उसे मोड़ते हुए, उसके पीछे नितंब तक ले गई।

"आह!" वह दर्द से कराह उठा और साथ ही उसके चेहरे पर हैरानी की लहर दिखाई दी। जो भी हो, मैं उसका संतुलन बिगाड़ने में कामयाब रही। मैंने उसकी टांगों के बीच खींचकर एक लात दे मारी और वह घुटनों के बल दोहरा होता चला गया। अब उसके दोनों हाथ टांगों के बीच दबे थे।

"आज के बाद मुझे छूने की हिम्मत भी मत करना।" मैं फुंफकारी। तुम्हारा सामान मेज पर बंधा रखा है। मैं घर जा रही हूं। तुम्हारा सफर अच्छा रहे और आज के बाद अपनी कॉफी खुद ले लिया करना।

"कमीनी...कुत्तिया कहीं की..." उसने चिल्लाने की कोशिश की पर मैं दरवाजे से बाहर आ चुकी थी।

मैंने भागकर अपनी मेज से पर्स और जैकेट लिए और रसोई के फर्श पर लुढ़के जैक की आहों और कराहों को अनुसना करते हुए बाहर की ओर लपकी। बाहर निकल कर मैंने ताजी हवा को अपने भीतर लिया और खुद को संभालने की कोशिश की पर मैंने सुबह से कुछ खाया नहीं था इसलिए एक अजीब-सी कमजोरी का एहसास हो रहा था। टांगें पिछले कुछ मिनटों की घटना के असर से थरथरा रही थीं।

अचानक ही मुझे टेलर और क्रिस्टियन, सामने पार्क गाड़ी से निकलकर भागते हुए आते दिखाई दिए। मैं वहीं ढेर हो गई, क्रिस्टियन मेरे पास घुटनों के बल झुका और मेरे मन यही तसल्ली दी। वह आ गया। मेरा महबूब आ गया। अब मैं सुरक्षित हूं।

"एना! एना! क्या हुआ?"

उसने मुझे गोद में खींचा और मेरे हाथ-पांव टटोलकर देखने लगा कि मुझे हुआ क्या है? उसने मेरा सिर अपने दोनों हाथों में थामा और देखने लगा कि कहीं चोट तो नहीं है। मैं उसे

देखते ही थकान और चैन दोनों से ही निढाल हो गई। ओह, क्रिस्टियन की बांहों से बढ़ कर तो दुनिया की कोई जगह हो ही नहीं सकती।

"एना! उसने मुझे हौले से हिलाया, क्या हुआ? तुम्हारी तबीयत खराब है?"

मैंने सिर हिलाया और ऐसा लगा कि कुछ तो बोलना ही होगा।

"जैक!" मैंने हौले से कहा और क्रिस्टियन ने झट से टेलर को ताका, जो उछलकर इमारत की ओर चल दिया।

"हरामी......!" क्रिस्टियन ने मुझे बांहों से घेर लिया। उसने क्या किया तुम्हारे साथ? क्रिस्टियन के मुंह से एक भद्दी गाली निकली।

और जाने कहां से मेरे गले से हंसी फूट पड़ी। मुझे जैक का हैरानी से भरा चेहरा याद आ गया, जब मैंने उसकी अंगुली मरोड़ी थी।

"मैंने उसके साथ ये किया।" मैंने उसे बमुश्किल हंसी रोक कर बताया।

"क्या उसने तुम्हें हाथ लगाया?"

"एक बार।"

क्रिस्टियन की मांसपेशियां तन गईं और पूरे शरीर में गुस्से की तेज़ लहर दौड़ गई। ओह! वह किसी चट्टान की तरह मेरे साथ है पर इस वक्त उसका पूरा शरीर गुस्से से कांप रहा है। वह बुरी तरह से सुलग उठा है। नहीं!

"वह कमीना है कहां?"

हमें अचानक ही इमारत के अन्दर से जैक की कराहें सुनाई दीं और मैं झट से उठ बैठी।

"क्या तुम खड़ी हो सकती हो?"

मैंने हामी दी।

"अन्दर मत जाओ। मत जाओ क्रिस्टियन।" अचानक ही मुझे डर लगने लगा कि क्रिस्टियन जैक की कितनी बुरी हालत कर सकता है।

"कार में जाओ।" वह चिल्लाया।

"क्रिस्टियन नहीं!" मैंने उसकी बाजू पकड़ ली।

"एना! एक बार में सुनना सीख। कार में जा।" उसने मुझे झझकोर दिया।

"नहीं प्लीज! मैंने विनती की। मुझे अकेला मत छोड़ो।" मैंने अपना आखिरी हथियार चलाया।

क्रिस्टियन ने बेबस होकर बालों में हाथ फेरे और बेचैन हो उठा। अन्दर से आने वाली आवाजें तेज होने के बाद शांत हो गईं।

"अरे नहीं!" टेलर ने उसके साथ क्या किया होगा।

क्रिस्टियन का फोन बजा।

"क्रिस्टियन! उसके पास मेरे मेल हैं।"

"क्या?"

"वही जो मैंने तुम्हें भेजे थे। वह जानना चाहता था कि वे मेल कहां गए, जो तुमने मुझे भेजे थे। वह मुझे ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रहा था।"

"ओह शिट्!"

उसने मुझे देखकर आंखें सिकोड़ीं और एक नंबर लगाया।

अरे नहीं! मैं मुश्किल में पड़ने वाली हूं। वह किसे फोन कर रहा है?

"बार्नी! ग्रे। मैं चाहता हूं कि तुम एसआईपी का मेन सर्वर खोलो मेरे नाम एनेस्टेसिया स्टील के सारे मेल डिलीट कर दो। फिर जैक हाइड की पर्सनल फाइल में देखो। अगर उसने वहां भी स्टोर किए हुए हैं तो सबको हटा दो। फिर मुझे रिपोर्ट करो।"

उसने दूसरा नंबर लगाया।

"रॉक, ग्रे! हाइड- उसे बाहर निकाल फेंको इसी वक्त। इसी समय। सिक्योरिटी को फोन करो। उसका मेज खाली करवाओ वरना मैं सुबह उठते ही सबसे पहले इस कंपनी को बंद कर दूंगा। तुम्हारे पास उसे बाहर निकालने के लिए पहले ही बहुत से कारण हैं। समझ गए?" इसके बाद क्रिस्टियन के चेहरे पर कुछ राहत दिखी।

"ब्लैकबेरी!" वह भिंचे दांतों से बोला।

"मुझसे नाराज मत हो।" मैंने पलकें झपकाईं।

"इस वक्त तो तुम पर भी गुस्सा आ रहा है। चलो कार में बैठो।"

"क्रिस्टियन प्लीज!"

"कार में जाओ एनेस्टेसिया वरना मैं तुम्हें अन्दर फेंक दूंगा। उसकी आंखों में गुस्सा झलक रहा था।

"ओह! प्लीज जरा संभालकर।"

"बकवास मत करो। मैंने कहा था कि सिस्टम से मेल मत भेजना। तुमने वही किया और अब मुझे संभलने को कह रही हो? अब एक सेकेंड में कार में नहीं गईं तो..." ओह इसका ये

रूप तो मेरे लिए बिल्कुल ही नया है। वह बिल्कुल आपे से बाहर दिखा।

उसने अपनी होंठ जोर से भींचे।

जीसस! ओह अच्छा एक बात सूझ गई।

"क्रिस्टियन संभलकर रहना। मैं नहीं चाहती कि तुम्हें कुछ हो। अगर तुम्हें कुछ हो गया तो मैं भी नहीं बचूंगी।" मैंने हौले से कहा। उसने पलकें झपकाईं और गहरी सांस ली।

"मैं ख़याल रखूंगा।"

ओह शुक्र है जीसस! जैसे ही मैं ऑडी में आगे जाकर बैठी। वह झट से अन्दर चला गया।

मैं वहीं इंतजार करती रही। पांच मिनट बाद, वहां से जैक की कैब आती दिखी पर पंद्रह मिनट तक अन्दर से कोई हलचल नहीं हुई। वे ठीक तो हैं? टेलर क्या कर रहा है?

करीब पच्चीस मिनट बाद अन्दर से जैक निकलता दिखा। हाथ में एक गत्ते का डिब्बा था और पीछे सिक्योरिटी वाला आ रहा था। वह कैब की ओर बढ़ा। मैं ऑडी के अन्दर थी इसलिए उसकी नजर नहीं पड़ी। कैब चल दी पर शायद वह एयरपोर्ट की ओर नहीं गया।

क्रिस्टियन ने आकर गाड़ी संभाली और टेलर पीछे बैठ गया। शायद इसलिए क्योंकि मैं आगे बैठी थी।

दोनों में से कोई भी कुछ नहीं बोला और गाड़ी भीड़ के बीच रास्ता बनाकर चलती रही। मैंने फिफ्टी को देखा, चेहरे की रेखाएं गंभीर थीं। तभी उसका फोन बजा।

"ग्रे!" वह बोला।

"मि. ग्रे! बर्नी बोल रहा हूं।"

"बार्नी! मैं स्पीकरफोन पर हूं और कार में दूसरे लोग भी हैं।" उसने चेतावनी दी।

"सर! काम हो गया पर मैंने मि. हाइड के कंप्यूटर पर और जो कुछ देखा, वह भी आपको बताना था।"

"मैं पहुंचकर फोन करता हूं। थैंक्स!"

"ठीक है। मि. ग्रे।"

बार्नी ने फोन रख दिया। आवाज से तो कम उम्र का ही लगता है।"

अब जैक के कंप्यूटर पर और क्या दिख गया?

"क्या तुम कुछ कह रहे हो?" मैंने पूछा

क्रिस्टियन ने एक पल के लिए मुझे देखने के बाद अपनी नजरें आगे गड़ा दीं और हौले से बोला, "नहीं!"

हाय! ये तो अब भी नाराज है।

उफ! मैं चुपचाप खिड़की से बाहर ताकने लगी। मैं उसे कह दूं कि मुझे मेरे घर छोड़ दे और इस तरह हमारी लड़ाई होने से बच जाएगी पर मुझे यह भी पता है कि कल वाली घटनाओं के बाद तो मैं इसे ऐसा करने को भी नहीं कह सकती।

क्रिस्टियन ने घर पहुंच कर मेरी ओर का दरवाजा खोला।

“आओ!” उसने कहा और टेलर ने गाड़ी संभाल ली। हम हाथ थामकर बरामदे की ओर चल दिए।

“क्रिस्टियन! तुम मुझसे नाराज क्यों हो?” मैंने हौले से पूछा।

“तुम जानती हो, क्यों। अगर तुम्हें कुछ हो जाता तो वह कमीना भी आज जिंदा न बचता। क्रिस्टियन की आवाज ने मेरे पूरे शरीर में कंपकंपी पैदा कर दी। लिफ्ट के दरवाजे बंद हो गए।

“मैं उसका कैरियर तबाह कर रहा हूं ताकि वह आज के बाद फिर किसी लड़की का नाजायज फायदा न ले सके। ऐसे आदमी के लिए तो इससे भी बुरी सजा होनी चाहिए।

“जीसस... एना!” उसने अचानक मुझे बांहों में जकड़ लिया।

उसके हाथ मेरे बालों में थे और उसका मुंह मेरे मुंह से आ मिला। यह एक आवेग से भरा चुंबन था। मैं हैरान रह गई। शायद उसके गुस्से या तनाव को निकालने का यही एक रास्ता था। उसने मुझे बेदम कर दिया और मैं सहारे के लिए उसके साथ चिपक कर खड़ी रही।

“अगर तुम्हें कुछ हो जाता तो... वह तुम्हें कोई नुकसान पहुंचा देता तो... मैं उसके बदन की कंपकपी महसूस कर सकती थी। आज के बाद हमेशा फोन का इस्तेमाल करना। समझ गईं?” उसने फिर से कहा।

“हां।” मैं अब भी उसके चुंबन की तीव्रता से थरथरा रही हूं।

“ठीक है।”

“रे सेना मे रह चुके हैं। उन्होंने मुझे अच्छी तरह बचाव करना सिखाया है।”

“मुझे खुशी है कि उन्होंने ऐसा किया।” उसने उसांस भरी और भौं उठाई। मुझे भी यह बात याद रखनी होगी। वह मुझे लिफ्ट से बाहर ले गया। शुक्र है कि उसका मूड तो संभला।

“मुझे बार्नी से बात करनी है। बस दो मिनट में आया।” वह स्टडी में ओझल हो गया। मिसेज जोंस ने हमारा खाना तैयार कर रखा है। मुझे एहसास हुआ कि जोरों की भूख लगी है पर मुझे कुछ करना भी होगा।

“क्या मैं मदद कर सकती हूं?” मैंने पूछा।

वे हंसीं, "नहीं एना! क्या मैं एक ड्रिंक बना दूं। तुम थकी दिख रही हो?"

"हां, मैं एक गिलास वाइन लेना चाहूंगी।"

"व्हाइट?"

"हां प्लीज!"

मैं वही बारस्टूल पर बैठ गई और उन्होंने चिल्ड वाइन थमा दी। उस समय उसकी सख्त ज़रूरत थी। ओह क्रिस्टियन से मिलने के बाद जिंदगी में कुछ ज्यादा ही रोमांच नहीं आ गया।

अगर मैं उससे न मिली होती तो इस समय घर में बैठी, ईथन को जैक से हुई मुठभेड़ के बारे में बता रही होती और मुझे पता होता कि अगले दिन फिर उसका सामना करना होगा। बेशक वह अब दोबारा नहीं दिखेगा पर मैं किसके लिए काम करूंगी। मेरा बॉस कौन होगा? यह तो मैंने सोचा ही नहीं। मेरी नौकरी है या गई?

"ईवनिंग गेल!" क्रिस्टियन की आवाज मुझे मेरे ख्यालों की दुनिया से बाहर ले आई।

"गुड ईवनिंग सर! खाना दस मिनट में लग जाएगा।"

"बढ़िया!"

क्रिस्टियन ने अपना गिलास उठाकर चीयर्स कहा।

"उस एक्स आर्मी मैन के नाम जिसने अपनी बेटी को अपनी सुरक्षा करना सिखाया है।"

"चीयर्स!"

"क्या हुआ?" उसने पूछा।

"पता नहीं, मेरी नौकरी तो नहीं चली गई?"

उसने एक ओर सिर झुकाया, "क्या अब भी वह काम चाहती हो?"

"बेशक।"

"तो नौकरी बची हुई है।"

देखा। कितना आसान है। वह तो जैसे मेरी दुनिया का बादशाह है। सब कुछ उसके हाथ में है। मैंने आंखें नचाईं और वह मुस्कुराने लगा।

मिसेज जोंस ने चिकन पॉटपाई बनाया है। वे हमें खाना परोसकर चली गईं और मैं अपने भूखे पेट के लिए कुछ पा कर निहाल हो गई। बेशक! बहुत स्वादिष्ट बना है। क्रिस्टियन लाख पूछने पर भी नहीं बताने वाला कि जैक के कंप्यूटर में और क्या मिला है इसलिए मैंने सोचा कि क्यों न जोंस वाली बात ही कर लूं।

"जोंस का फोन आया था।" मैंने बेलाग भाव से कहा।

''ओह!''

"वह चाहता है कि शुक्रवार को तुम्हें फोटो दे दे।"

"अच्छा जी! खुद देने आ रहा है।"

"वह चाहता है कि हम दोनों कहीं शाम को बाहर जाएं।"

"अच्छा?"

"तब तक केट और इलियट भी आ जाएंगे।"

क्रिस्टियन ने कांटा नीचे रखकर अपनी भवें सिकोड़ीं।

"तुम पूछना क्या चाहती हो?"

"मैं कुछ पूछ नहीं रही। तुम्हें अपने प्रोग्राम के बारे में बता रही हूं। मैं जोंस से मिलना चाहती हूं और वह यहां रहना चाहता है। वह हमारे यहां या मेरे घर में रह सकता है पर अगर वह रुकना चाहता है तो मैं चाहूंगी कि वह यहीं रुक जाए।"

क्रिस्टियन की आंखें फैल गईं।

"उसने तुम्हारे साथ बदतमीजी करने की कोशिश की थी।"

"क्रिस्टियन वह तो पुरानी बात है। हम दोनों नशे में थे। तुमने सब संभाल लिया। दोबारा ऐसा कभी नहीं होगा। वह कोई जैक नहीं है, मेरा दोस्त है।"

"ईथन यहीं है। वह उसे कंपनी दे देगा।"

"वह ईथन से नहीं मुझसे मिलना चाहता है।"

क्रिस्टियन ने बुरा सा मुंह बनाया।

"वह एक दोस्त ही तो है।"

"मुझे यह पसंद नहीं है।"

"तो क्या हुआ? यह कई बार कितना अजीब-सा बर्ताव करता है।"

"क्रिस्टियन! वह मेरा दोस्त है। हम शो के बाद से मिले नहीं हैं। मुझे पता है कि तुम्हारे पास भी उस औरत के सिवा कोई दोस्त नहीं है पर मैंने कभी उससे मिलने पर ऐतराज किया?" मैंने झट से कहा और क्रिस्टियन ने हैरानी से पलकें झपकाईं।

ग्रे की आंखें सुलग उठीं, "तुम ऐसा सोचती हो?"

"क्या सोचती हूं?"

"तुम चाहती थीं कि मैं उससे न मिलूं।"

"हां, चाहती तो यही थी पर यह तुम्हारा घर है। तुम जो जी में आए, कर सकते हो।"

"हमारी बात उस औरत पर कहां से आ गई। मैं उसके बारे में सोचना नहीं चाहती।"

"मुझसे जोंस के बारे में बात करो। क्या वह यहां एक रात हमारे साथ रह सकता है?"

"हां! रह सकता है। इस तरह मैं उस पर नजर भी रख सकता हूं।"

तौबा! यह बंदा भी न ..

"अच्छा मि. ग्रे!" मैंने प्लेटें डिशवाशर में लगा दीं।

"छोड़ दो। गेल देख लेगी।"

"मैंने कर दिया है।"

"मुझे थोड़ा काम है।" उसने कहा।

"कोई बात नहीं। मैं अपने आपको बिज़ी कर लूंगी।"

"यहां आओ।" उसने मुझे पास बुलाया।

मैं झट से उसकी बांहों में जा पहुंची।

"तुम ठीक तो हो न?" वह धीरे से बुदबुदाया।

"आज उसके साथ जो भी हुआ या कल जो भी हुआ, क्या तुम इन घटनाओं के बाद भी ठीक हो?" मैंने उसकी गहरी और गंभीर आंखों में ताकते हुए सोचा कि क्या मैं ठीक हूं।

"हां।"

उसने मुझे कसकर गले से लगा लिया और मैं सब भूल गई। मैं इस इंसान को चाहती हूं। मैं इसकी मदहोश कर देने वाली गंध, इसकी ताकत और उसके हर तौर-तरीके की दीवानी हूं। ये मेरा है।

"अब हम लड़ेंगे नहीं। एना! तुम्हारे बदन की महक कितनी मीठी है।"

"ऐसे ही तुम्हारी भी!" मैंने कहा और उसकी गर्दन चूम ली।

उसने मुझे छोड़ दिया।

"मैं करीब दो घंटे में आ जाऊंगा।"

मैं अपार्टमेंट में यहां-वहां भटकने लगी। क्रिस्टियन अब भी काम कर रहा है। मैंने नहाकर अपनी एक पैंट और टी-शर्ट पहन ली है। और मन अब रहा है। कुछ पढ़ने का मूड नहीं है। अगर यूं ही बैठी रही तो जैक वाली बात याद आती रहेगी।

मैंने अपना पुराना बेडरूम देखा। जोंस यहां सो सकता है। उसे जगह पसंद आएगी। सवा आठ बजे हैं और सूरज डूबने को है। नज़ारा कितना प्यारा है। फिर मैं सोचने लगी कि क्रिस्टियन वे तस्वीरें कहां लगाएगा।

अचानक मैं टहलते-टहलते प्लेरूम के आगे से निकली। उसका हैंडल घुमाया तो दरवाजा खुला मिला। अक्सर वहां ताला रहता है। ऐसा लगा कि कोई बच्चा जानबूझकर ऐसी जगह जा रहा हो, जहां उसे जाने के लिए मना किया गया होगा। मैंने दबे पांव अन्दर कदम रखा। बत्ती जलाते ही याद आ गया कि कमरा मां की कोख जैसा दिखता है।

पिछली बार की यादें ताजा हो गईं... अब वह बेल्ट बड़ी मासूमियत से कोने में टंगी है।मैंने यूं ही सारे अलॉगर्स, बेल्टों, पैडलों व कोड़ों पर हाथ फिराया। मुझे डॉ. से इनके बारे में ही तो बात करनी है। क्या ऐसी जीवनशैली जीने वाले को यह सब करने से रोका जा सकता है? यह सोचने में तो असंभव ही लगता है। पलंग के पास भटकते हुए, मेरी नज़र लाल चादर पर पड़ी।

मेरे पास बैंच पर कई तरह की छड़ियां पड़ी थीं। पर इनमें से तो एक ही काफी नहीं होती? वहीं एक बड़ा-सा मेज भी धरा था। वह किस काम आता होगा। मैं वहां जा कर काउच पर बैठ गई। तभी मेरी नज़र एक अलमारी पर गई जिसमें कई सारे दराज थे।

इनमें क्या रखा होगा?

जैसे ही पहला दराज खोला तो मेरा लहू नसों में उबाले खाने लगा। मैं इतनी घबराई क्यों पड़ी हूं? यह सब ऐसा लग रहा है मानो मैं किसी के वर्जित इलाके में चोरी से आ गई हूं। पर अगर वह मुझसे शादी करना चाहता है तो मुझे......।

ये सब है क्या? उसमें तरह-तरह की औजार टाइप चीज़ें थीं जो मेरी समझ से तो बाहर थीं। पता नहीं इनका क्या इस्तेमाल होता होगा। मैंने उठाया। गोलीनुमा वस्तु में एक हैंडल लगा था। हम्म......ये किस काम आता है? मेरा दिमाग चकराने लगा हालांकि अलग-अलग चार साइज देखते ही मुझे कुछ अंदाजा तो हो ही गया था।

क्रिस्टियन वहीं दरवाजे के पास खड़ा मुझे घूर रहा था। उसके चेहरे के भाव समझ नहीं आ रहे। पता नहीं वह कब से वहां खड़ा है? मुझे लगा मानो मैं रंगे हाथों पकड़ी गई हूं।

"हाय।" मैंने थोड़ी घबराहट के साथ कहा।

"यहां क्या कर रही हो?" उसके सुर में कौतूहल छिपा था।

ओह! कहीं नाराज़ ही न हो गया हो।

"मैं बोर हो रही थी इसलिए सोचा..."

वह कमरे में आया और दरवाजा बंद कर दिया। उसकी आंखें गहराई से सुलग रही हैं।

"तो मिस स्टील! आप क्या जानना चाहती हैं?"

"दरअसल...दरवाज......दरवाजा खुला था और मैं यूं ही अन्दर आ गई।"

"मैं आज सुबह यहां आया था। मैं सोच रहा था कि इस सामान का क्या करूं। शायद मैं ही ताला लगाना भूल गया था।" उसने मेरे दोनों हाथ जकड़ लिए।

"पर अब तुम यहां हमेशा की तरह कुछ जानने की इच्छा लिए सामने खड़ी हो।"

"तुम नाराज़ तो नहीं हो।" मैंने आश्चर्य से पूछा।

"क्यों, मैं नाराज़ क्यों होने लगा?"

"मुझे लगा कि तुम्हें मेरी ये घुसपैठ बुरी लगेगी।"

"हां, तुमने घुसपैठ तो की है पर मैं नाराज़ नहीं हूं। उम्मीद करता हूं कि तुम एक दिन मेरे साथ यहां रहोगी और ये सब... तुम्हारा भी होगा।"

"मेरा प्लेरूम!" मैंने उसे देखकर अपना थूक निगला।

"तभी तो आज यहां आया था। यही तय कर रहा था कि सामान का क्या करूं? क्या मैं तुमसे हमेशा नाराज़ ही रहता हूं? आज सुबह तो कोई नाराज़ नहीं था।"

ओह! यह तो सच है। मुझे याद आया कि सुबह कितनी प्यारी थी

"आज तुम अच्छे मूड में थे। मुझे तुम इस रूप में बहुत प्यारे लगते हो।"

"क्या अब भी लग रहा हूं?"

मैंने एक सिल्वर गोलीनुमा चीज़ को इशारा करके पूछा, "यह क्या है?"

"मिस स्टील! हमेशा की तरह जानकारी पाने के लिए अधीर! ये एक 'बट्ट प्लग' है यानी इसे नितंबों में लगाया जाता है।"

ओह!

"तुम्हारे लिए लिया था।"

"क्या? मेरे लिए?"

"क्या तुम हर सेक्स गुलाम के लिए नए सेक्स खिलौने......?"

"हां, कुछ तो लेता ही हूं।"

"बट्ट प्लग्स?"

"हां।"

हां। ये तो ठोस धातु से बना है। इससे बहुत तकलीफ होती होगी। मुझे याद है कि हमने सेक्स खिलौनों के बारे में पहले बात की थी मुझे लगता है कि उस समय मैंने इसे आज़माने की बात भी की थी पर अब देखकर लगता है कि क्या मैं ऐसा करना चाहूंगी? मैंने उसे उलटा-पुलटा और दराज में वापिस रख दिया।

"और यह?" मैंने एक लंबी, काली रबड़नुमा वस्तु निकाली, जिसमें गोलाकार बुलबुले से आपस में जुड़े थे, उनमें से पहला सबसे बड़ा और आखिरी सबसे छोटा था। कुल मिला कर आठ रहे होंगे।

"एनल बीड्स!" क्रिस्टियन ने मुझे ध्यान से देखते हुए कहा।

ओह! ये भीतर ले जाने के लिए हैं। मैं तो देखकर ही सिहर गई।

"अगर तुम चरम सुख के बीच इन्हें बाहर खींचो तो बहुत अच्छा असर डालते हैं।" उसने उनका उद्देश्य बताया।

"ये मेरे लिए है।" मैं बुदबुदाई।

"तुम्हारे लिए है।" वह बोला।

"ये बट्ट दराज है।"

हां, अगर तुम यही कहना चाहो तो।"

मैंने उसे बंद किया और झट से घूम गई।

"क्या तुम्हें ये पसंद नहीं आया?" उसने बेलाग होते हुए पूछा।

"नहीं, ये सब मेरी पसंद की लिस्ट में नहीं आते। मैंने यूं ही दूसरा दराज खोल दिया।

अगले दराज में कई तरह के वाईब्रेटर थे।

मैंने झट से उसे बंद कर दिया।

"और अगला? इस बार मेरे सुर में थोड़ी शर्मिंदगी भी थी।

ओह! वहां तो कई तरह की धातु की चीज़ें और कपड़े सुखाने की चिमटियां सी दिखीं। मैंने बड़ी-सी धातु की क्लिप जैसी चीज़ उठा ली।

"जेनीटल क्लैंप, इसे गुप्तांगों……।" वह उठ कर मेरे पास आया और मैंने उन्हें रख कर एक और चीज़ उठा ली।

दो छोटे क्लिप एक चेन में बांधे थे।

"इनमें से कुछ तो हल्की पीड़ा देने के लिए हैं पर तकरीबन आनंद देने के लिए ही हैं।" वह बोला

"ये क्या है?"

"निप्पल क्लैंप्स हैं। ये पीड़ा और आंनद दोनों ही देते हैं।"

"दोनों? कैसे?"

"बेबी! अपनी छोटी अंगुली दिखाओ।"

उसने एक क्लिप को उस पर लगा दिया। कोई ज्यादा दबाव नहीं महसूस हुआ।

"इनसे संवेदना गहरा जाती है पर जब इन्हें उतारा जाता है तो पीड़ा व आनंद दोनों ही अधिक होते हैं।" उसने उस क्लैंप को उतारा। हम्म! ये अच्छा हो सकता है।

"ये देखने में अच्छे लग रहे हैं।"

"हां, वह तो तुम्हारे चेहरे से ही देखकर बताया जा सकता है।"

उसने दो और क्लैंप निकाले।

"इन्हें एडजस्ट किया जा सकता है।"

"कैसे?"

"चाहो तो इन्हें टाइट करके पहनो या ढीला करके। तुम्हारे मूड पर निर्भर करता है।"

ओह! ये हर बात को इतना मादक बनाकर कैसे पेश कर देता है। मैंने बात बदलने के लिहाज़ से एक और चीज निकाली। जो हल्की कांटेदार पेस्ट्री कटर जैसी दिखी।

ये क्या है। प्लेरूम में बेकिंग?

"इसे वार्टनबर्ग पिनव्हील कहते हैं।"

"ये किस काम आता है?"

उसने मेरा हाथ थामा और अपना अंगूठा उस पर फेरा, पूरे बदन में सुरसुरी सी दौड़ गई। फिर उसने चकरीनुमा चीज़ को मेरे हाथ पर फिराया।

आह! त्वचा पर हल्का खिंचाव आया।

"ये तुम्हारे वक्षस्थल पर फिराने के लिए है।"

ओह! अब तो मेरा दिल अपने होशो हवास खोता जा रहा है

"एना! पीड़ा व आनंद के बीच की विभाजक रेखा बहुत छोटी होती है।"

"कपड़ों पर लगने वाली चिमटियां?"

"इन्हें कई तरह से इस्तेमाल में ला सकते हैं।

मैंने आगे आकर दराज बंद कर दिया।

“बस हो गया?”

“नहीं!” मैंने कहा और चौथा दराज खोल दिया जिसमें कई तरह के चमड़े व पट्टे से पड़े थे। मैंने एक स्ट्रेप निकाला, जिसके एक छोर पर गेंदनुमा चीज़ बंधी थी।

“बॉल गैग! ताकि तुम्हारा मुंह बंद रखा जा सके।” उसने कहा।

“यह तो कठोर सीमा है।”

“मुझे याद है। पर इसे लगाने के बाद भी सांस तो आराम से ली जा सकती है।”

“क्या तुमने कभी इन्हें पहना है?” मैंने पूछा।

“हां”

“अपनी चीखें छिपाने के लिए?”

उसने आंखें बंद कर ली। “नहीं ये उससे संबंध नहीं रखते।”

ओह ..

“एना! इनका संबंध नियंत्रण से है। अगर तुम्हें बांध दिया जाए और तुम बोल न सको तो तुम खुद को कितना असहाय महसूस करोगी। मैं तुम्हें पूरी तरह से वश में रखूंगा और तुम्हें मुझे अपना पूरा भरोसा देना होगा। तब मैं तुम्हारे शब्द सुनने की बजाए, तुम्हारे संकेतों व भावों से प्रतिक्रिया जानूंगा। इस तरह तुम मुझ पर और भी निर्भर हो जाओगी, पूरी तरह से मेरे वश में हो जाओगी।”

मैंने थूक निगला।

“ऐसा लग रहा है कि तुम इसे करना चाहती हो।”

“यह मैं जानती हूं।”

“मैं जानती हूं कि मैं पूरी तरह से तुम्हारे वश में हूं।”

“तुम मुझे बेबस कर देती हो।”

“नहीं फिफ्टी! ये बात नहीं है।”

“क्यों?”

“क्योंकि केवल तुम ही ऐसी इंसान हो, जो मुझे चोट पहुंचा सकती है ।” वह आगे बढ़ा और मेरे बालों की लट कानों के पीछे कर दी।

"ओह क्रिस्टियन..." यह बात दोनों ही तरह से अपना असर रखती है। अगर तुम मुझे नहीं चाहते...। ये मेरे अपने मन का डर है। अगर वह इतना टूटा और बिखरा न होता तो क्या वह मुझे चाहता? मैंने गर्दन झटकी और खुद को याद दिलाया कि मुझे यह सब नहीं सोचना चाहिए।

"मैं तुम्हें चोट पहुंचाने या दिल दुखाने के बारे में सोच तक नहीं सकती। मैं तुमसे प्यार करती हूं।" उसने मेरे हाथ में पकड़ी चीज़ें दराज में रखीं और मुझे अपने पास खींच लिया।

"क्या सब देखने-दिखाने का कार्यक्रम हो गया?" उसने हल्के नशीले सुर में पूछा। उसके हाथ मेरी पीठ से गर्दन तक रेंग रहे हैं।

"क्यों? तुम क्या करना चाहते हो?"

वह आगे झुका और मुझे चूम लिया। मैं उसकी बांहों में पिघल गई।

"एना! आज वह तुम पर लगभग हमला ही करने वाला था।"

"तो?"

"तो, इस बात से तुम्हारा क्या मतलब है?" उसने फटकारा।

मैं उसके प्यार और दुलार से भरे रंग से रंग गई हूं।

"क्रिस्टियन, मैं बिल्कुल ठीक हूं।"

उसने मुझे बांहों में भरा और पास खींच लिया।

"जब मैं सोचता हूं कि क्या हो सकता था...।" उसने अपना मुंह मेरे बालों में छिपा लिया।

"तुम ये कब सीखोगे कि मैं जैसी दिखती हूं, उससे कहीं ज्यादा मजबूत हूं।" मैंने उसे दिलासा दिया। सच! उसकी बांहों से बेहतर तो पूरी दुनिया में कोई जगह नहीं हो सकती।

"मैं जानता हूं कि तुम दिलेर और ताकतवर हो।" उसने मुझे बांहों से आजाद किया तो मैंने एक और दराज खोल दिया जिसमें से बहुत सारी हथकड़ियां और बेड़ियां निकल आईं, जो एक बार से जुड़ी थीं।

"ये एक स्प्रेडर बार है, जिसमें हाथों और पैरों में लगाने के लिए बेड़ियां लगी हैं।"

"ये कैसे काम करता है?"

"तुम चाहती हो कि मैं तुम्हें इस बारे में बताऊं?"

"हां! मैं तुम्हारे हाथों बंधना पसंद करूंगी।" मैंने हौले से कहा और भीतर बैठी लड़की को कलाबाज़ी खाने का एक मौका मिल गया।

"ओह एना!" अचानक उसकी आंखों में दर्द के साए लहरा उठे।

“क्या हुआ?”

“यहां नहीं?”

“क्या मतलब”

“मैं तुम्हें अपने साथ पलंग पर ले जाना चाहता हूं।”

उसने मेरा हाथ थामा और हम कमरे की ओर चल दिए।

“हम यहां से क्यों जा रहे हैं?” मैंने पूछा।

क्रिस्टियन ने सीढ़ियों के पास रुककर मुझे देखा और बोला, “एना! हो सकता है कि तुम वहां जाने को तैयार हो पर मैं नहीं हूं। पिछली बार जब हम वहां थे तो तुम मुझे छोड़ गई थीं। मेरी बात समझने की कोशिश करो।”

“मैं बता चुका हूं कि उस रात तुमने जिंदगी के लिए मेरा पूरा नजरिया बदल दिया था। बस मैंने यह नहीं बताया कि मैं उन नशेड़ियों में से हूं, जो नशा छोड़ने की कोशिश में हैं और थोड़ी हमदर्दी की उम्मीद रखते हैं। मैं अब अपनी लालसा को इस कमरे से नहीं जोड़ना चाहता। तुम्हें चोट नहीं पहुंचाना चाहता।”

उसके चेहरे पर पछतावे के भाव थे। ओह! मैंने इस आदमी को कर क्या दिया है? क्या मैंने इसकी जिंदगी सुधारी है? क्या यह मुझसे मिलने से पहले खुश नहीं था?

“मैं तुम्हें चोट नहीं पहुंचा सकता क्योंकि मैं तुम्हें प्यार करता हूं।” उसने एक भोले बच्चे की तरह सच्ची बात कही तो मेरा मन भर आया।

मैं इस इंसान को निःस्वार्थ भाव से प्यार करती हूं।

मैंने उसे दीवार की ओर धकेला और उसे हैरानी में डालते हुए, आवेग से भरा एक गहरा चुंबन दिया। मैं उससे ऊपर वाली सीढ़ी पर खड़ी हूं इसलिए हमारी लंबाई एक जैसी हो गई है। मैंने खुद को विजेता महसूस किया और उसके बालों में अंगुलियां घुमाते हुए फिर से चूम लिया। मेरी वासना सुलगते-सुलगते भड़क उठी है। उसने एक सिसकारी के साथ, मुझे कंधों से धकेल कर पीछे कर दिया।

“क्या तुम चाहती हो कि हम सीढ़ियों पर शारीरिक संबंध बनाएं।” उसने पूछा और उसकी सांसें उथली हो गईं।

“क्योंकि मैं अभी यही करने जा रहा हूं।”

उस वक्त शायद मेरी आंखों में भी उसे वासना की वही लहर दिख रही है।

“नहीं! यह सब हमारे पलंग पर होगा।”

उसने मुझे अपने कंधों पर उठा लिया और हाथ में स्प्रेडर बार लेकर अपने कमरे की ओर चला। रास्ते में मुझे मिसेज जोंस की झलक दिखी। मैं तो शर्म से वहीं मर गई। शायद क्रिस्टियन ने उन्हें नहीं देखा था।

उसने मुझे कमरे में उतारा और स्प्रेडर को पलंग पर रख दिया।

"मुझे नहीं लगता कि तुम मुझे कोई चोट पहुंचाओगे?"

"नहीं! मुझे भी नहीं लगता। उसने मेरा सिर अपने हाथों में थामकर चूम लिया

"मैं तुम्हें कितना चाहता हूं। हम जो भी करने जा रहे हैं, क्या तुम उसके लिए सहमत हो?"

"हां, मैं भी तुम्हें पाना चाहती हूं। तुम्हारे ये कपड़े उतारना चाहती हूं।"

उसने मेरी बात सुनी और भवें सिकोड़ीं। वह अक्सर ऐसी बातें पसंद नहीं करता।

"अच्छा!" उसने सावधानी से कहा

मैंने उसकी शर्ट के दूसरे बटन पर हाथ रखा तो उसकी सांस उथली हो गई।

"अगर तुम नहीं चाहते तो मैं तुम्हें हाथ नहीं लगाऊंगी।"

"नहीं-नहीं! तुम ऐसा कर सकती हो।"

मैंने हौले से अगला बटन खोला। ओह! वह अपने इस डर के बीच भी कितना खूबसूरत दिख रहा है। तीसरा बटन खोलते ही छाती के बाल झांकने लगे।

"मैं यहां चूमना चाहती हूं।" मैंने कहा।

उसने गहरी सांस ली। "मुझे चूमना चाहती हो?"

"हां"

वह अगला बटन खुलते ही आगे की ओर झुक आया ताकि मेरी इच्छा पूरी हो सके। उसने सांस रोक रखी है। मैंने आखिरी बटन खोल कर उसे देखा। वह शांत और संतुष्ट भाव के साथ मुझे ही देख रहा है। ओह उसकी वे आंखें!

"ये आसान होता जा रहा है, है न?"

उसने अपनी कमीज कंधों से नीचे धकेल दी।

"एना! तुमने मुझे क्या कर दिया है। जो भी किया है, इसे कभी बंद मत करना।" उसने मेरे सिर को अपने हाथों से पीछे की ओर धकेल दिया ताकि उसके होंठ मेरी गर्दन तक पहुंच सकें।

उसने धीरे से मेरे जबड़े तक अपने होठों से छुअन दी। ओह! मैं इसे पाना चाहती हूं। मैंने लरजते हाथों से उसकी जिप और पैंट का हुक भी खोल दिया।

उसने मेरे कान के पास चूमा और मैं अपने-आप को मुख मैथुन के लालच से रोक नहीं सकी। मैं जानती हूं कि उसे भी यह पसंद है। मैं वहीं घुटनों के बल बैठ गई। उसने अपनी आंखें मूंद लीं और खुद को इस आनंद के हवाले कर दिया। यह ताकत अपने-आप में बहुत शक्तिशाली है।

"एना!" उसने मुझे रोकना चाहा।

"नहीं ग्रे! मैं तुम्हें इसी तरह पाना चाह रही हूं।" मैंने अपनी कोशिश और भी तेज कर दी।

"प्लीज! एना!! ये शब्द कहते-कहते ही..."

मैंने मुस्कुराते हुए अपने होंठ चाटे तो उसने हैरानी से मुझे देखा।

"मिस स्टील! आप यह कैसा खेल खेल रही हैं?" उसने मुझे दोनों हाथों से उठाया और मेरे सुलगते मुंह पर अपना मुंह रख दिया।

उसने एक ही झटके में मेरे कपड़े उतार फेंके। फिर वह धीरे-धीरे अपने बाकी कपड़े उतारने लगा पर उसकी आंखें एक पल के लिए भी मुझसे दूर नहीं हुईं।

"एना! मैंने आज तक तुमसे सुंदर युवती नहीं देखी।"

"क्रिस्टियन! मैंने आज तक तुमसे खूबसूरत युवक नहीं देखा।"

उसने दुष्टता से मुस्कुराते हुए स्प्रेडर बार की ओर हाथ बढ़ाए। उसने मेरे बाएं टखने को जकड़ा और बेड़ी लगा दी। फिर उसने बेड़ी के पट्टे में अपनी अंगुली डाल कर देखी कि कहीं वह मेरी चमड़ी पर ज्यादा तो नहीं कसा गया। उसे कुछ भी बताने की जरूरत नहीं कि वह क्या कर रहा है। वह पहले भी ऐसा कर चुका है।

"मिस स्टील! अब आप देखें कि मैं क्या करने वाला हूं।"

उसने मेरे पांव बेड़ियों में इस तरह जकड़ दिए कि वे करीब दो फीट खुल गए।

"इस स्प्रेडर की एक खूबी यह भी है कि यह फैल जाता है।" उसने बार में कुछ दबा कर खींचा, मेरी टांगें और भी फैल गईं। ओह! तीन फीट चौड़ी। मेरा मुंह खुला का खुला रह गया और मैंने गहरी सांस ली। ये सब कितना हॉट है। मैं तो जैसे अन्दर ही अन्दर सुलग रही हूं.....

क्रिस्टियन ने निचला होंठ चाटा।

"एना! हम इसके साथ बहुत सा मज़ा ले सकते हैं।" उसने बार को पकड़कर मोड़ा तो मैं अचानक अपने आगे की ओर पलट गई। इस बात ने मुझे हैरानी में डाल दिया।

“देखा, मैं तुम्हारे साथ क्या कर सकता हूं।” उसने एक बार फिर मुझे मेरी पीठ के बल लिटा दिया और मैं बेदम होकर उसे ही ताक रही हूं।

“ये दूसरी हथकड़ियां तुम्हारी कलाईयों के लिए हैं। मैं इनके बारे में सोचूंगा। ये इस बात पर भी निर्भर करता है कि तुम अच्छी तरह से पेश आओगी या नहीं?”

“मैं अच्छी तरह से पेश कब नहीं आई?”

“मैं कुछ घटनाएं तो याद कर ही सकता हूं। उसने मेरे पैर के तलवों पर अंगुलियां चलाते हुए कहा।” हल्की-सी गुदगुदी हुई पर मैं पैर नहीं हिला सकती।

“जैसे तुम्हारा ब्लैकबेरी!”

“ओह! तुम क्या करने जा रहे हो?”

“मैं कभी अपनी योजनाएं नहीं बताता” उसने शरारत से एक आंख दबाई।

ये तो हद दर्जे का सेक्सी इंसान है। वह पलंग पर रेंगता हुआ, मेरे घुटनों के पास आ गया।

“हम्म! मिस स्टील! आपको इस तरह देखने का भी अपना ही आनंद है।” वह मेरी टांगों के बीच हौले-हौले अंगुलियां फिराने लगा। हम लगातार एक-दूसरे की आंखों में देख रहे हैं।

“एना! यही तो खूबी है। तुम जान नहीं पातीं कि इसके बाद क्या होने वाला है। मैं तुम्हारे साथ क्या करूंगा?” उसके इन शब्दों ने बदन के सबसे कोमल हिस्से पर सीधा वार किया। मैं पलंग पर सिकुड़ कर कराही। उसकी अंगुलियां मेरी टांगों पर कसमसाती रहीं। बेशक मैं टांगें भींच लेना चाहती हूं पर चाह कर भी ऐसा नहीं कर सकती।

“याद रखना। अगर तुम्हें कुछ पसंद न आए तो तुम मुझे रुकने के लिए कह सकती हो।” उसने आगे आकर मेरे पेट पर छोटा-सा चुंबन दिया और उसके हाथों की हरकत जारी रही।

“ओह प्लीज क्रिस्टियन!” मैं गिड़गिड़ाई।

“ओह मिस स्टील। आप भी तो मुझ पर बहुत सख्ती दिखाती हैं तो मुझे बदला लेने का मौका मिलना चाहिए न?”

मैं कुछ न कर सकी और खुद को उसके और उसकी रेंगती अंगुलियों के हवाले कर दिया जो बदन के हर हिस्से पर लगातार रेंग रही थीं।

उसने अपना मुंह आगे किया और मुझे चूमने लगा। मैं उसके चुंबन का आंनद ले रही हूं पर साथ ही पूरा ध्यान अंगुलियों की हरकतों पर भी टिका है। बड़े ही अजीब से पल हैं, टांगें मोड़ न पाने के कारण, संवेदना और भी गहरी होती जा रही है। पूरे बदन में जैसे आग सी सुलग उठी है।

“ओह क्रिस्टियन!” मैं चिल्लाई।

“मैं जानता हूं बेबी!” उसने कहा।

“पहले मेरा नाम लो।”

“क्रिस्टियन!” मैं अपनी ही आवाज नहीं पहचान पा रही।

“फिर से एक बार कहो।”

“क्रिस्टियन!!!”

“फिर से।”

“क्रिस्टियन, क्रिस्टियन, क्रिस्टियन ग्रे!” मैं जोर से चिल्लाई।

“तुम मेरी हो।” उसने अपनी जीभ को मेरे होठों पर फिराया और और मैं चरम सुख की उस सुरंग के बीच गोल-गोल घूमती चली गई। अपनी सुध ही नहीं रही।

“बस इतना सा एहसास बाकी रहा कि उसने मुझे पेट के बल लिटा दिया है।”

“बेबी! हम इसे आज़माने जा रहे हैं। अगर तुम्हें बेचैनी महसूस हो या अच्छा न लगे तो हम इसे वहीं रोक देंगे।”

“क्या! मैं तो अपने ही मन में चल रहे विचारों में खोई हूं। मैं क्रिस्टियन की गोद में हूं। ये सब कब हुआ?”

“बेबी! नीचे झुको। वह मेरे कान में बोला। छाती और सिर पलंग पर रखो।”

मैंने बेसुधी में वही किया। उसने मेरे हाथ पीछे किए और उन्हें टखनों के पास बेड़ियों से जकड़ दिया। ओह! ये इसने कैसी अलग सी मुद्रा बना दी है?

“एना! तुम कितनी सुंदर दिख रही हो।”

मैंने फॉयल पैकेट खुलने की आवाज़ सुनी। उसने अपनी एक अंगुली मेरी पीठ से घुमाते हुए नितंबों के पास ले जाकर रोक दी।

“अगर तुम अपने-आप को तैयार कर सकीं तो मैं तुम्हारे साथ यह भी करना चाहूंगा।”

ओह! मुझे अचानक उसके दराजों में रखे वे प्लग याद आ गए।

अगले ही पल मैं एक नई मुद्रा में, उसके साथ अपनी जानी-पहचानी गलियों में जा पहुंची। जहां हम दोनों के सिवा किसी का कोई अस्तित्व नहीं था। वह लगातार मुझे ऐसे अनजान अँधेरे कोनों में ले जाता, जहां उसका साथ, उन कोनों को रोशन कर देता। मैंने खुद को पूरी तरह से उसके हवाले कर दिया। मैं जानती हूं कि मैं ऐसा कर सकती हूं। और फिर हम दोनों एक साथ ही...।

फिर उसने वे स्ट्रेप खोल दिए और मैं पूरी तरह से आजाद हो कर, उसकी गोद में ही सिमट गई। वह बड़े ही दुलार से मेरे हाथ-पैर सहलाने लगा। शायद इसी दौरान मेरी आंख लग गई होगी।

जब दोबारा मुंह उठाया तो मैं उसकी गोद में गोल-मोल हुई पड़ी थी और वह मुझे ही ताक रहा था।

“एना! मैं तो तुम्हें इस तरह सारी जिंदगी सोते देख सकता हूं।” उसने मेरा माथा चूम लिया।

“मैं चाहता हूं कि तुम हमेशा मेरे साथ रहो।” उसने अपनेपन से मुझे गलबांही दी।

“हम्म! मैं कभी नहीं जाना चाहती। मुझे कभी अपने से अलग मत करना।” मैंने नींद-नींद में ही कहा।

मुझे तुम्हारी ज़रूरत है। मुझे उसके शब्द सुनाई दिए। मैं इन्हीं शब्दों की गूंज के बीच गहरी नींद में समा गई। उस रात मुझे नींद में भी तांबई बालों वाला मैला-कुचला बच्चा दिखता रहा, जो मुझे देखकर शरमाते हुए मुस्कुरा रहा था।

अध्याय 17

हम्म!

क्रिस्टियन ने हौले से मेरी गर्दन सहलाई।

“मोर्निंग बेबी!” उसने हौले से मेरे कान को कुतरते हुए कहा मेरी आंखें खुलीं और झट से बंद हो गईं। सुबह की मद्धम रोशनी आंखों से टकराई और उसके हाथ हल्की शरारत पर उतर आए। उसने आगे बढ़ कर, मेरे पिछले हिस्से को अपनी बांहों में भर लिया। मैं उसके साथ लेटी, उसके साथ, उसके स्पर्श का सुखद आंनद ले रही हूं। ओह! उसकी उत्तेजना मुझ तक पहुंच रही है।

“नींद अच्छी आई?” उसने पूछा और फिर उसकी अंगुलियों के साथ पूरा शरीर हरकत में आ गया। उसने मुझे अपने दूसरे हाथ से सहलाया और कुछ ही देर में हम अपनी ही दुनिया के आनंदलोक में पहुंच चुके थे। जहां हम दोनों के सिवा किसी तीसरे की जरूरत भी न थी।

“एना!! तुम नाश्ते में क्या लोगी?”

“मैं थोड़ा ग्रेनोला लूंगी। थैंक्स मिसेज जोंस।

मैं आज सलेटी पेंसिल स्कर्ट और ब्लॉउज में हूं और क्रिस्टियन के मुंह से तारीफ सुनकर चेहरे पर लाली आ गई।

“वाह स्कर्ट तो सुंदर है। हमें तुम्हारे लिए और शॉपिंग करनी चाहिए।”

“हम्म शॉपिंग।” मुझे ये काम पसंद नहीं है पर उसके साथ ये सब इतना बुरा भी नहीं है।

“मैं सोच रही थी कि आज काम पर क्या होगा?”

“उन्हें उसकी जगह किसी दूसरे को रखना होगा”

“काश वे किसी औरत को मेरी बॉस बना दें।”

“क्यों?”

“फिर तुम्हें उसके मेरे साथ जाने पर ऐतराज भी नहीं होगा।”

उसके होंठ तिरछे हो आए। वह मुस्कराया और वह अपना ऑमलेट खाने लगा।

“इसमें हंसी की क्या बात है?” मैंने पूछा।

“तुम। ग्रेनोला खाओ। बस यही तुम्हारा नाश्ता है?”

हुंह! हमेशा का तानाशाह ..

“ये लो चाबियां!” ओह आज वह दिन आ ही गया कि वह मुझे कार चलाने दे रहा है।

“मुझे इस बात की बड़ी खुशी है।”

“तुम इसे ले कर काफी उत्साहित हो न?”

“हां। सो तो हूं। मैंने दांत निकाल दिए। नई कार की खुशबू कितनी अच्छी होती है। ये तो सब स्पेशल ऑडी मतलब ए 3 से कहीं बेहतर है। मैंने कहा और लजा गई।

क्रिस्टियन का मुंह तिरछा हो आया, “सब स्पेशल! ओह, तुम्हें बातों को स्टाइल से कहना आता है।”

भले ही वह कुछ भी कहे पर मैं जानती हूं कि वह खुद को बहलाने के लिए ये सब कह रहा है।

“अच्छा चलो।” उसने गैराज के दरवाजे की ओर संकेत किया।

मैंने ताली बजा कर कार चालू की और सड़क पर ले आई। टेलर हमारे पीछे ऑडी लेकर आ रहा है।

“क्या हम रेडियो चला सकते हैं?” मैंने पहले स्टॉप के संकेत पर ही पूछा।

“मैं चाहता हूं कि तुम्हारा पूरा ध्यान गाड़ी चलाने पर ही रहे।”

“क्रिस्टियन प्लीज! मैं तो संगीत के साथ भी चला सकती हूं।” उसने मुंह बनाया और फिर रेडियो वाला बटन दबा दिया।

“तुम इसमें आई-पॉड, एम पी 3 तथा सी डी भी चला सकती हो।”

अचानक ही गाड़ी में संगीत गूंज उठा। मैं गाड़ी चलाते-चलाते ईथन के बारे में सोचने लगा। आज उसे फोन करूंगी। आज ज्यादा काम भी नहीं होगा।

पेट में तनाव के मारे बगूले से उठने लगे। जब मैं ऑफिस पहुंचूंगी तो क्या होगा? क्या सभी जैक के बारे में जान जाएंगे? क्या सभी जान जाएंगे कि अब ये कंपनी क्रिस्टियन की है। क्या मेरी नौकरी रहेगी? अगर नौकरी न रही तो मैं क्या करूंगी?

एना! इस दौलतमंद आदमी से शादी कर लेना। भीतर बैठी लड़की ने अपनी राय दी। मैंने उसे झिड़की दे कर चुप करा दिया। बेहूदी कहीं की!

"हे मिस बड़बोली, कहां खो गईं?" क्रिस्टियन ने मुझे इस सोच से बाहर लाने में मदद की।

"एना! तुम्हारा ध्यान कहीं और है। गाड़ी ऐसे नहीं चलाई जाती।"

ओह! अचानक ही वे दिन याद आ गए जब मैंने रे से गाड़ी चलाना सीखा था। मुझे एक और पिता नहीं चाहिए। हां, नए तरीकों से सेक्स करने वाला पति चलेगा।

"मैं काम के बारे में सोच रही थी।"

"मेरा यकीन करो। सब ठीक हो जाएगा।"

"क्रिस्टियन तुम दखल मत देना। मैं इस मामले को खुद संभालना चाहती हूं।" मैंने हौले से कहा। मैं बहस नहीं करना चाहती। उसके चेहरे पर कड़ी रेखाएं आ गईं। मैं जानती हूं कि वह खीझ रहा है।

"ओह नहीं!"

"क्रिस्टियन! हम बहस नहीं करेंगे। आज की सुबह कितनी शानदार थी और कल रात भी...वह तो जन्नत थी।"

उसने कुछ नहीं कहा और पल भर को आंखें मूंद लीं।

"हां, जन्नत। पर मैंने जो कहा, वह बात मायने भी रखती है। मैं तुम्हें जाने नहीं दूंगा।"

मैं कहीं जाना भी नहीं चाहती।

वह मुस्कुराया और मैं जान गई कि उसकी इस मुस्कान में सब कुछ धो-पोंछ देने की ताकत समाई है।

मैंने एसआईपी के एक ब्लॉक में गाड़ी लगा दी।

"मैं तुम्हें छोड़ आता हूं। टेलर मुझे वहीं से ले लेगा।" उसने कहा।

मैं स्कर्ट के कारण बड़े ही अटपटे तरीके से बाहर आई पर क्रिस्टियन का अपना वही सधा हुआ और मर्यादित अंदाज था।

"याद रखना। हमें आज शाम सात बजे डॉ. फिल्न से मिलना है।" उसने हाथ बढ़ा दिया। मैंने कार लॉक की और उसके साथ हो ली।

"मैं याद रखूंगी और पूछे जाने वाले सवालों की लिस्ट भी बना लूंगी।"

"सवाल? मेरे बारे में?"

"पर तुम तो हर सवाल का जवाब मुझसे ही ले सकती हो?" उसने कहा।

मैं मुस्कुराईं, "हां! पर मैं बिना किसी पक्षपात के, महंगे नीम-हकीम वाले जवाब पाना चाहती हूं।"

उसने भवें सिकोड़ीं और अचानक ही मुझे दोनों हाथों से थामकर अपने पास कर लिया।

"क्या ये ठीक रहेगा।?"

"अगर तुम नहीं चाहते तो मैं कुछ नहीं पूछूंगी" मैंने अपना एक हाथ छुड़ाकर उसके ताजा शेव किए हुए गाल को सहलाया।

"तुम्हें चिंता किस बात की है?" मैंने पूछा।

"डर है कि तुम चली जाओगी।"

"क्रिस्टियन! मुझे तुम्हें कितनी बार बताना होगा कि मैं कहीं नहीं जा रही। तुम मुझे बदतर से बदतर बात तो बता चुके हो। मैं तुम्हें नहीं छोड़ रही।"

"तो तुमने मेरी बात का जवाब क्यों नहीं दिया एना।"

"कौन-सी बात?"

"तुम जानती हो कि मैं क्या कह रहा हूं।"

"ओह! क्रिस्टियन मैं जानना चाहती हूं कि मैं तुम्हारे लिए काफी हूं भी या नहीं?"

"तुम्हें मेरी बात पर यकीन नहीं है।"

"क्रिस्टियन ये बस बहुत जल्दी में हुआ है। तुम्हारे अपने मुंह की बात थी कि मैं तुम्हें वह सब नहीं दे सकती, जो तुम चाहते हो। तुम्हें लीला के साथ देखकर मुझे अपनी कमी का एहसास ज्यादा हुआ था। कल को अगर कहीं तुम्हें अपनी जैसी पसंद वाली लड़की मिल गई तो? कौन जाने कि तुम्हारा दिल... उस पर आ गया तो? कोई तुम्हारी मांगें बेहतर तरीके से पूरी करने वाली लड़की...!" क्रिस्टियन के साथ किसी और लड़की के बारे में सोचते ही मेरा मन कसैला हो आया। मैंने अपनी गुंथी हुई अंगुलियों को देखा।

"मैं ऐसी बहुत सी औरतों को जानता हूं, जो वही सब करती हैं, जो मैं पसंद करता हूं। उनमें से कोई भी मुझे तुम्हारी तरह नहीं मोह सकी। मैंने आज तक उनमें से किसी के साथ भावात्मक नाता नहीं रखा। एना! ये तुम्हारे ही साथ का नतीजा है।"

"क्योंकि तुमने उन्हें कभी मौका ही नहीं दिया। क्रिस्टियन तुम एक लंबे अरसे से अपने किले में कैद रहे हो। इस बारे में बाद में बात करेंगे। मुझे काम पर जाना है। शायद डॉ. से कुछ मदद मिल जाए।" वैसे सुबह सवा आठ बजे, पार्किंग लॉट के हिसाब से यह बात काफी भारी थी और क्रिस्टियन को भी बात समझ आ ही गई।

"आओ!" उसने अपना हाथ आगे कर दिया।

जब मैं डेस्क पर पहुंची तो मेज पर एक नोट था जिसमें मुझे एलिजाबेथ के पास जाने को कहा गया था। मेरा कलेजा उछलकर मुंह को आ गया। ओह! मुझे भी काम से निकाल देंगे।

"एनेस्टेसिया!" वह मुझे देखकर दयालुता से मुस्कुराईं और कुर्सी पर बैठने का संकेत किया। मैंने उसके भावों से कुछ पता लगाने की नाकाम कोशिश की। उसने अपने घने काले बाल संवारे और मुझे बड़े ही लगाव से ताकने लगी।

"मैं एक बुरी खबर देना चाहती हूं।"

ओह!

"मैं बताना चाहती हूं कि जैक ने अचानक कंपनी छोड़ दी है।"

मैं खिसिया गई। मेरे लिए ये खबर बुरी नहीं थी। क्या इसे बताना चाहिए कि मैं जानती हूं?

"उसके अचानक जाने से यह जगह खाली हो गई और हम चाहते हैं कि जब तक कोई और नहीं आता, तब तक तुम यह काम संभालो।"

"क्या?" मैं अपनी सीट से लगभग उछल पड़ी।

"हां एनेस्टेसिया! मैं समझती हूं पर जैक ने हमेशा तुम्हारे काम को सराहा है। उसे तुमसे बड़ी उम्मीदें थीं।"

मेरा तो दम ही निकल गया। उसे मुझसे उम्मीदें थीं।

"ये लो काम की सारी जानकारी! इसे देख लो। बाकी बातें कल तय करेंगे।"

"पर।"

"प्लीज! मैं जानती हूं कि ये सब अचानक हुआ पर तुम पहले ही जैक के सभी लेखकों के संपर्क में हो। दूसरे संपादकों ने भी तुम्हारा काम देखा है। एनेस्टेसिया! तुम्हारा दिमाग तेज़ है। हम सबका मानना है कि तुम ये काम संभाल सकती हो।"

"अच्छा! वैसे मुझे यकीन नहीं आ रहा।"

"देखो। इस बारे में सोचो। तब तक तुम जैक का ऑफिस ले सकती हो।"

वह उठी और अपना हाथ आगे कर दिया। मैंने बेख्याली में हाथ मिलाया और बाहर आ गई।

"मुझे खुशी है कि वह चला गया।" वह हौले से बोली और उसके चेहरे पर साए से लहरा गए। हाय! जैक ने इसके साथ क्या किया होगा?

मैंने डेस्क पर आते ही क्रिस्टियन को फोन किया।

उसने दूसरी घंटी पर फोन ले लिया।

“एना! ठीक तो हो?” वह चिंतित दिखा।

“उन्होंने मुझे अस्थायी तौर पर जैक की नौकरी दे दी है।” मैंने कहा।

“क्या तुम मजाक कर रही हो?” उसने हौले से कहा।

“क्या इस बात से तुम्हारा कोई लेन-देन है?” मेरा सुर कुछ ज्यादा ही तीखा हो आया।

“नहीं-नहीं, बिल्कुल भी नहीं। एनेस्टेसिया! मैं सच कह रहा हूं। तुम्हें तो अभी मुश्किल से वहां गए, एक सप्ताह हुआ और उन्होंने......मैं तो खुद हैरान हूं।”

“हां। जैक ने मेरे काम की तारीफ़ की थी।”

“क्या उसने ऐसा किया?” क्रिस्टियन चहक उठा।

“हां...”

“खैर, जो भी हो। अगर उसने तारीफ़ की है तो कोई बात तो होगी ही। मुझे भी पूरा यकीन है कि तुम सब संभाल सकती हो। बधाई हो। आज डॉक्टर से भेंट के बाद हम तुम्हारी प्रमोशन का जश्न मनाएंगे।”

“हम्म! पक्का कह रहे हो न कि तुम्हारा कोई लेन-देन नहीं है?”

वह एक पल चुप रहा और फिर बोला, “तुम मुझ पर शक़ कर रही हो और यह बात मुझे बिल्कुल पसंद नहीं है। इससे मुझे गुस्सा आता है।”

मैंने थूक निगला, हाय यह तो नाराज़ हो गया।

“सॉरी!” मैंने बात संभालने की कोशिश की।

“अगर कुछ चाहिए तो बताना। एनेस्टेसिया! मैं हमेशा तुम्हारे लिए हाज़िर हूं।”

“क्या?”

“अपना ब्लैकबेरी इस्तेमाल करो।”

“हां, क्रिस्टियन!”

उसने फोन रखने की बजाए एक गहरी सांस ली।

“तुम्हें जब भी मेरी ज़रूरत हो, मैं हमेशा तुम्हारे लिए हाज़िर हूं और मेरी ये बात सचमुच मायने रखती है।” उसने हौले से कहा। उसके शब्दों में कितना हौंसला और दिलासा भरा है। इसके मूड के उतार-चढ़ाव को समझना नामुमकिन है।

“अच्छा। मैं रखती हूं। मुझे अपना ऑफिस भी बदलना है।”

"मैं हूं... तुम्हारे लिए हमेशा हूं।" वह फिर से बोला।

"हां क्रिस्टियन! मैं जानती हूं। आई लव यू।"

मैंने फोन के दूसरी ओर से उसके हंसने की आवाज़ सुनी और चैन आया कि मैं उसका मूड बदलने में कामयाब रही। "आई लव यू!" ओह! क्या कभी इन शब्दों का जादू कम हो सकता है?

"अच्छा मिलते हैं?"

"हां बाय।"

मैंने फोन रखकर, जैक के ऑफिस की ओर नज़र मारी। मेरा ऑफिस- हे जीसस! एनेस्टेसिया स्टील, एक्टिंग एडीटर। किसने सोचा था? मुझे ज्यादा पैसों की भी मांग करनी चाहिए।

अगर जैक को पता चला तो वह क्या सोचेगा। मैंने इस सोच से ही कंधे झटक दिए और यह सोचने लगी कि वह आज न्यूयॉर्क के सेमीनार में होने की बजाए, अपनी सुबह कहां बिता रहा होगा। मैं अपने नए ऑफिस में बैठकर, दिए गए काम को देखने लगी।

साढ़े बारह के करीब एलिजाबेथ का फोन आया।

"एना! एक बजे, बोर्ड रूम में मीटिंग है। जैरी रॉक और के बैस्टी भी वहीं होंगे- तुम तो जानती हो, वे कंपनी के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष हैं। बाकी संपादक भी आ रहे हैं।"

मर गई।

"क्या मुझे कोई तैयारी करनी है?"

"नहीं, ये तो एक अनौपचारिक मीटिंग है, जो महीने में एक बार होती है। लंच भी वहीं होगा।"

मैंने जैक के लेखकों की सूची पर नज़र मारी। हां, इनमें से अधिकतर से तो बात हो चुकी है। मेरे पास पांच पांडुलिपियां हैं, जिन पर वह काम कर रहा था और मेरे हिसाब से दो और हैं, जो छपनी चाहिए। मैंने गहरी सांस ली। यकीन नहीं आ रहा कि लंच टाइम भी हो गया है। पूरा दिन कैसे निकल गया और मुझे यह अच्छा लग रहा है। आज सुबह कितना कुछ घट गया। अचानक ही मुझे फोन ने पिंग के स्वर से मुलाकात के बारे में याद दिलाया।

ओह नहीं! आज तो ईया के साथ खाने पर जाना था।

मैंने झट से फोन निकाला ताकि उसे मना कर सकूं।

तभी रिसेप्शन से क्लेयर ने कहा

"वह आया है!"

"कौन?"

"वही हैंडसम लड़का"

"ईथन?"

ओह! वह अब क्या चाहता है? फिर मुझे अचानक ही अपने रूखेपन पर गुस्सा भी आया। मुझे उसे कम से कम एक फोन तो करना ही चाहिए था।

ईथन सफेद टी-शर्ट, जींस व चेक वाली नीली कमीज़ में दमक रहा है।

"वाह! स्टील! तुम तो बड़ी हॉट दिख रही हो।" उसने तारीफ़ की और मुझे झट से गले से लगा लिया।

"क्या सब ठीक है?" मैंने पूछा।

उसने भवें सिकोड़ीं, "एना! सब ठीक है। मैं तुमसे मिलना चाहता था। बस देखना चाहता था कि वे महाशय तुम्हारे साथ कैसे पेश आ रहे हैं?"

मैं खिसिया गई और अपनी मुस्कान नहीं रोक सकी।

"अच्छा। तुम्हारी मुस्कान ने ही सब कह दिया। मैं कुछ और नहीं पूछना चाहता। वैसे मैं लंच के लिए जा रहा हूं। क्या तुम आना चाहोगी? मैं सिएटल में साइकी कोर्स में मास्टरी में नाम लिखाने जा रहा हूं।"

"वाह! ईथन, कितना कुछ हो गया। मुझे तुमसे कितनी सारी बातें करनी हैं पर अभी मेरी एक मीटिंग है।" तभी एक उपाय सूझ गया।

"क्या तुम मेरा एक काम कर दोगे प्लीज! मुझे आज क्रिस्टियन की बहन के साथ लंच पर जाना था और अचानक मीटिंग बीच में आ गई। क्या तुम मेरी जगह उसे कंपनी दे सकते हो? प्लीज़!"

"हां, क्यों नहीं। पर मैं किसी बिगड़ी हुई छोकरी का बेबीसिटर नहीं बनना चाहता।"

"प्लीज़ ईथन!" मैंने उसे देखकर अपनी पलकें झपकाईं। उसने आंखें नचाईं और मैं समझ गई कि बात बन गई।

"तुम किसी दिन मुझे कुछ पका कर खिलाओगी।"

"पक्का! जब भी कहोगे, जो भी कहोगे, वही खिलाऊंगी।"

"ठीक है, वह कहां है?"

"बस आती ही होगी।"

तभी ईया की आवाज़ सुनाई दी।

हम दोनों एक साथ मुड़े और वह अपनी गाढ़ी हरी मिनी ड्रिंक्स में सामने से आती दिखी। हील की पतली तनियां उसके टखनों से लिपटी थीं। वह बहुत ही प्यारी दिख रही थी।

“बिगड़ैल छोकरी।” ईथन हौले से बोला।

“हां, इसे बेबीसिटर चाहिए।” मैंने कहा।

“हाय ईया! ये केट का भाई ईथन है।”

दोनों ने एक-दूसरे को देखकर गर्दन हिलाई और ईया ने हाथ मिलाने के दौरान इतनी बार पलकें झपकाईं कि साफ दिखने लगा, वह चारों खाने चित हो रही थी। ईथन का जादू असर दिखा गया। मैंने आज पहली बार ईया के गालों पर गुलाबी रंग देखा।

जब उसे सारी बात समझा कर, दोनों को लंच के लिए भेजने पर राजी कर दिया और बाय करके मुड़ी तो ईया ने पीछे मुड़कर एक आंख दबाई। मेरे होठों पर हंसी खेल गई। उसे ईथन भा गया था।

वैसे क्रिस्टियन को पता लगेगा तो वह क्या कहेगा? हुंह! उसकी बहन कोई दूधपीती बच्ची नहीं है। अपना बुरा-भला समझती है। मैं मीटिंग से लौटी तो साढ़े तीन बज गए थे। सब कुछ बढ़िया रहा। मैंने जिन दो पांडुलिपियों का नाम लिया, उन्हें भी छापने की अनुमति मिल गई।

मेरे मेज पर एक बड़ी-सी टोकरी में सफेद और हल्के गुलाबी गुलाब रखे थे। वाह! कितनी भीनी गंध आ रही है। मैंने मुस्कुरा कर कार्ड उठाया। मैं जानती हूं कि किसने भेजे होंगे।

बधाई, मिस स्टील!

यह तुम्हारी अपनी जीत है।

तुम्हारे ज़रूरत से ज्यादा दोस्ताना स्वभाव वाले दीवाने और सनकी सीईओ का कोई हाथ नहीं है।

लव

क्रिस्टियन

मैंने उसे मेल भेजने के लिए अपना फोन उठा लिया।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: दीवाना......
डेट: 16 जून 2011 15:43

टू: क्रिस्टियन ग्रे
मुझे तुम्हारा ये नाम बहुत पसंद है। सुंदर फूलों के लिए धन्यवाद! वे इतनी बड़ी टोकरी में आए हैं कि मुझे पिकनिक और कंबलों की याद आ गई।
एक्स

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: ताजी हवा
डेट: जून 16 2011 15:55
टू: एनेस्टेसिया स्टील
दीवाना? हो सकता है कि डॉ. की इस बारे में कुछ और राय हो।
तुम पिकनिक पर जाना चाहती हो?
एनेस्टेसिया! तुम्हें घर के बाहर जाना पसंद है।
बेबी! आज का दिन कैसा रहा?
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: बहुत व्यस्त
डेट: 16 जून 2011 16:00
टू: क्रिस्टियन ग्रे
दिन तो यूं ही बीत गया। काम के सिवा कुछ सोचने का वक्त ही नहीं मिला। शायद मैं ये कर सकती हूं। घर आकर बात करूंगी।
पिकनिक वाली बात... बढ़िया रहेगी।
लव यू
एना
डॉ. फिल्न की चिंता मत करना।

क्लेयर ने रिसेप्शन से पूछा कि फूल किसने भेजे थे और जैक का क्या हुआ। आज तो उससे गप्पें मारने का भी टाइम नहीं मिला था। मैंने झट से बताया कि फूल बीएफ ने भेजे थे और जैक के बारे में कुछ नहीं जानती। तभी क्रिस्टियन का जवाब आ गया।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: कोशिश करूंगा......
डेट: जून 16 2011 16:09
टू: एनेस्टेसिया स्टील
कोई चिंता नहीं
मिलते हैं बेबी!
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

मैंने शाम को झट से मेज समेटा और बाहर की राह ली। डॉक्टर से मुलाकात की कोई तैयारी नहीं हो सकी थी। शायद क्रिस्टियन मुझे वहां दोबारा ले जाना चाहे। खैर, अभी तो घर जाकर पहले तैयार होना होगा।

मुझे अपने हीरो के जन्मदिन के बारे में भी तो सोचना है। मैं जानती हूं कि उसे क्या देना है पर वह तो मैं उसे आज डॉ. की भेंट से पहले ही देना चाहती हूं पर कैसे? पार्किंग लॉट के पास ही टूरिस्टों के लिए छोटा-सा स्टोर बना है। मैं वहीं चली गई।

आधे घंटे बाद, घर पहुंची तो क्रिस्टियन फोन पर किसी से बात करता दिखाई दिया वह मुझे देखकर दमका और अपना फोन बंद कर दिया।

"रॉस, ठीक है, बार्नी से कहो और हम वहीं से चलेंगे। हां।"

आज वह फिर सफेद टी-शर्ट और जींस में गुंडानुमा छोकरा बन गया है। वाह! मुझे ये ऐसे बड़ा ही प्यारा लगता है।

"मिस स्टील! प्रमोशन की बधाई।"

"तुम नहा चुके हो?"

"नहीं, अभी क्लाड के साथ वर्कआउट किया है।"

ओह..

"उसे दो बार पटखनी दे दी।" वह बच्चों की तरह हुलसा और उसके उत्साह की छूत मुझे भी लग गई।

"ऐसा अक्सर नहीं होता?"

"नहीं, पर जब होता है तो मुझे अच्छा लगता है। तुम्हें भूख लगी है?"

मैंने इंकार कर दिया।

"क्या?" उसने गुस्से से कहा।

"मैं डॉ. को ले कर नर्वस हूं।"

"मैं भी! आज का दिन कैसा रहा?"

"ओह! एक बात बतानी थी। आज मुझे ईया के साथ लंच करना था।"

"तुमने पहले तो नहीं बताया?"

"हां, मैं भूल गई थी। मीटिंग के कारण नहीं जा सकी इसलिए उसे ईथन के साथ भेज दिया।"

उसके चेहरे का रंग गहरा गया।

"अच्छा! अपना होंठ काटना बंद करो।"

"मैं तैयार हो कर आती हूं।" मैंने झट से विषय बदला और वहां से खिसक ली।

क्रिस्टियन के घर से डॉ. का क्लीनिक ज्यादा दूर नहीं था। मैंने रास्ते में उसे एक छोटा-सा बॉक्स देते हुए कहा, "यह तुम्हारे जन्मदिन का उपहार है। मैं डॉ. के पास जाने से पहले तुम्हें देना चाहती थी पर वादा करो कि तुम इसे शनिवार से पहले नहीं खोलोगे।"

उसने हैरानी से पलकें झपकाईं, "अच्छा।"

उसने उसे हिला कर देखा। बेशक उसे जानने का कौतूहल है कि उस बॉक्स में क्या है। ओह! उसकी आंखों की चमक तो देखो, मानो कोई छोटा बच्चा अपने उपहार को ले कर उत्साहित हो रहा हो।

"पर इसे अभी क्यों दे रही हो?" उसने पैकेट को जेब में रखते हुए कहा।

"क्योंकि मैं ऐसा कर सकती हूं, मि. ग्रे!"

उसके चेहरे पर हंसी तैर गई।

"मिस स्टील! मेरे ही शब्द चुरा लिए।"

हम डॉ. के रिसेप्शन पर गए तो एक दोस्ताना स्वभाव वाली रिसेप्शनिस्ट ने स्वागत किया। वह क्रिस्टियन की मां की उम्र की होगी और वह भी उसे नाम से जानता है।

डॉ. फिल्न अपने जेंटलमैन क्लब जैसे दिखते आलीशान क्लीनिक में शान से बैठे हैं। बड़े ही प्यार से हमारा फिर से परिचय हुआ और उन्होंने काउच पर बैठने का संकेत किया।

मैंने सहज दिखने की कोशिश की लेकिन काम मुश्किल था। हमारे बीच मेज पर एक लैंप था और वहीं कोने में टिश्यू बॉक्स में टिश्यू भी पड़े दिखे।

मैं तो इस क्लीनिक के बारे में कुछ और ही सोचे बैठी थी। ये जगह तो मेरी कल्पना से बिल्कुल ही अलग निकली।

क्रिस्टियन ने अपने हाथ को मेरे हाथ पर टिकाते हुए दिलासा दिया।

"क्रिस्टियन के कहने पर ही तुम्हें यहां लाया गया है वरना ऐसे सत्रों में पूरी गोपनीयता बरती जाती है।"

"ज...जी! मैंने एनडीए पर साइन कर रखा हैं!" मैंने उसकी बात काटने की शर्मिंदगी के बीच हौले से कहा।

"क्या?" डॉ. ने कहा और क्रिस्टियन ने भी एक झटके से मेरा हाथ छोड़ दिया।

डॉ. ने हैरानी से उसे देखा और क्रिस्टियन ने कंधे झटक दिए।

"तुम सभी औरतों के साथ इसी एनडीए के साथ संबंधों का आरंभ करते हो?"

"हां, अनुबंध के लिए तो करता ही हूं।"

"क्योंकि तुम औरतों से अलग तरह के संबंध रखते आए हो।" डॉ. ने उसे कहा।

"खैर! मैं चाहूंगा कि आप दोनों भी इस बारे में दोबारा बात करें क्योंकि अब आपका नाता किसी तरह के अनुबंध के अधीन नहीं रहा।" डॉ बोले।

"शायद ये अलग तरह का अनुबंध होगा।" क्रिस्टियन ने मुझे देखते हुए, हौले से कहा।

डॉ. ने मुझसे मुखातिब होते हुए कहा, "एना! माफ करना, मैं तुम्हारे बारे में सब जानता हूं क्योंकि क्रिस्टियन ने कभी कुछ नहीं छिपाया।"

"एनडीए की बात से तो तुम्हें झटका लगा होगा एना?"

"नहीं, अब क्रिस्टियन के बारे में इतना जान गई हूं कि सब कुछ समझ सकती हूं।"

मैंने कहा।

"बेशक! क्रिस्टियन, तुम किस बारे में चर्चा करना चाहोगे?"

"एना आपसे मिलना चाहती थी। शायद यह कुछ पूछना चाहती है।"

"अच्छा! क्या तुम क्रिस्टियन को बाहर भेजने के बाद आराम से बात कर सकोगी?" उन्होंने मुझसे पूछा।

"हां!" मैंने हौले से कहा।

क्रिस्टियन ने माथे पर बल डाले पर कुछ कहे बिना, बाहर निकल गया।

"मैं बाहर वेटिंगरूम में हूं।"

"धन्यवाद क्रिस्टियन!" डॉ. ने कहा।

"क्या तुम अब भी उससे डरती हो?"

"नहीं, पहले जितना नहीं।"

"मैं तुम्हारी क्या मदद कर सकता हूं?"

"डॉ.! मेरे लिए क्रिस्टियन के साथ यह संबंध, पहला संबंध है और पिछले एक सप्ताह में इतनी तेजी से घटनाएं घटी हैं कि मुझे कुछ समझने-बूझने का समय ही नहीं मिला।"

"तुम किस बारे में विचार करना चाहती हो?"

"क्रिस्टियन ने कहा है कि वह उन सब... बातों को छोड़ देगा।"

"हां एना! तुमने कुछ ही समय में मेरे मरीज को इतना बदल दिया है, जितना मैं पिछले दो सालों के इलाज में नहीं बदल सका। तुमने उस पर गहरा असर डाला है और यह तुम भी देख सकती हो।"

"उसने भी मुझे बहुत गहराई से प्रभावित किया है। मैं बस यह नहीं जानती कि मैं उसकी जरूरतें पूरी भी कर सकूंगी या नहीं?"

"क्या तुम मुझसे आश्वासन चाहती हो?"

"जी हां।"

"जरूरतें बदलती रहती हैं। क्रिस्टियन खुद को इस समय ऐसे हालात में पा रहा है, जहां उसकी जरूरतों के मायने बदल रहे हैं। तुमने उसे उसके भीतर छिपे उस शैतान से लड़ने और उसका सामना करने के लिए मजबूर कर दिया है।"

"हां, उसने भी तो यही कहा था। उसकी जिंदगी के काले गहरे साए, भीतर छिपे शैतान!"

"हम अतीत में ज्यादा विचार नहीं करेंगे। हम तीनों इन बातों के बारे में अच्छी तरह जानते हैं। मैं आने वाले कल की ज्यादा चिंता कर रहा हूं और क्रिस्टियन को ऐसी जगह ले जाना चाहता हूं, जहां उसे होना चाहिए।"

"जी।"

"एक तकनीकी शब्द है- एसएफबीटी यानी सोल्यूशन फोक्सड ब्रीफ थेरेपी। यह लक्ष्य पर केंद्रित होती है। हम इस बात पर अपने को केंद्रित रखेंगे कि क्रिस्टियन कहां होना चाहता है और उसे वहां कैसे पहुंचाया जा सकता है। बीती बातों की बखिया को बार-बार अकड़ने से कोई लाभ नहीं होगा। हम सब जानते हैं कि वह ऐसा क्यों है पर यहां उसका आने वाला कल कहीं ज्यादा मायने रखता है। जब तुम उसे छोड़ गई थीं तो उसने उस इलाज को गंभीरता से लेना शुरू किया उसे एहसास हुआ कि तुम्हारे साथ स्नेही संबंध भी उसके जीवन का लक्ष्य है।

बस यही बात है और अब हम इसी बात के लिए कोशिश कर रहे हैं। बेशक दिक्कतें आ रही हैं। जैसे उसका हैप्पहेफोबिया!"

"जी...क्या?"

"ओह, उसका दूसरों द्वारा छुए जाने का डर। मुझे पता है कि तुम भी इस बारे में जानती हो।"

मैंने हामी भरी।

"वह बड़े ही अजीब तरीके से अपने-आप को नापसंद करता है। और फिर उसका रातों को जगना और नींद में डर कर उठना!"

मैंने पलकें झपकाईं। डॉ. ने अभी तक वह बात नहीं की थी, जो मेरे लिए ज्यादा परेशानी का कारण थी।

"पर वह एक सैडिस्ट है और उसकी कुछ ऐसी जरूरतें हैं, जिन्हें मैं पूरा नहीं कर सकती।"

डॉ. के चेहरे पर कड़ी रेखाएं आ गईं, "अब इस शब्द को हमारे मनोविज्ञान में जगह नहीं दी जाती। नब्बे के दशक के बाद से इसके अस्तित्व को ही मानने से इंकार कर दिया गया है। मैं यह बात उसे भी कई बार बता चुका हूं.... क्रिस्टियन किसी भी हालात की बदतर से बदतर कल्पना कर लेता है। सेक्सुअल सैडिज्म जैसी एक चीज़ भी है पर उसे हम रोग नहीं कह सकते। वह तो जीवनशैली का एक चुनाव है। यदि दूसरे वयस्क के साथ सहमति से इसका अभ्यास, सुरक्षित रूप से किया जाए तो यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं बनता। मेरा यह मानना है कि क्रिस्टियन ने अपने सभी बीडीएसएम संबंध इसी तरह से निभाए हैं। तुम पहली प्रेमिका हो, जिसने अपनी हामी नहीं दी है, इसलिए वह भी इसे नहीं करना चाहता।"

प्रेमिका!

"पर ये सब इतना आसान भी नहीं है।"

"क्यों नहीं?" डॉ. ने सवाल दागा।

"खैर...वजह यह है कि वह यह सब करता है।"

"एना यही तो ख़ास बात है। हमारी थेरेपी के हिसाब से यह सब स्वाभाविक है। वह तुम्हारा साथ पाना चाहता है। ऐसा करने के लिए उसे उस तरह के संबंध के सबसे अति पहलुओं को भी पार करके आना होगा क्योंकि तुम जो भी मांग रही हो, वह नाजायज़ नहीं है...। है न?"

मैं खिसिया गई और कोई जवाब नहीं देते बना।

"मैं ऐसा नहीं समझती पर मुझे चिंता है कि वह ऐसा करता है।"

"वह इसे समझता है और उसी के अनुसार बर्ताव कर रहा है। वह कोई दीवाना नहीं है। कुल मिला कर कहा जाए तो वह एक सैडिस्ट नहीं है। वह एक गुस्से और डर से भरा हुआ एक ऐसा युवक है, जिसे अपने बचपन में कोई देखरेख मिलने की बजाए बहुत बुरा बर्ताव मिला। इन बातों का ढोल पीटने से कोई लाभ नहीं, अब केवल वही तय कर सकता है कि वह कैसे जीना चाहता है। पहले उसने उन्हीं संबंधों को अपना सब कुछ मान लिया था पर तुमसे मिलने के बाद वह धारणा टूट गई है। अब वह अपने जीने का तरीका बदलना चाहता है। हमें उसके चुनाव की कद्र करते हुए, इस काम में सहयोग देना होगा।"

मैंने उसे घूरा। "क्या ये मेरे लिए दिलासा है?"

"हां एना, पर इस जीवन में गारंटी नामक कोई चीज़ नहीं होती। यह मेरा व्यावसायिक मशविरा है।" वे मुस्कुराए।

मैं भी हल्के से मुस्कुराई।

"वह अपने-आप को एक ऐसा पियक्कड़ मानता है जो शराब छोड़ने की कोशिश में है।"

"मैंने कहा न कि वह हमेशा अपने बारे में बदतर कल्पनाएं ही करता है। यह उसके स्वभाव का अंग है, हम कुछ नहीं कर सकते। वह खुद को भावात्मक पीड़ा के एक पूरे संसार के सामने प्रस्तुत कर रहा है और जब तुम उसे छोड़कर गईं तो उसने इसे महसूस किया। उसके जीवन में आए इस बदलाव के लिए तुम बहुत मायने रखती हो। अगर वह खुद को ऐसा पियक्कड़ ही मानता है तो मानने दो। हम इस बदलाव की प्रक्रिया में उसकी कुछ बातों को तो मान ही सकते हैं। उसे संदेह का लाभ तो दिया ही जा सकता है।"

"एना! वह भावात्मक रूप से एक किशोर है। उसके जीवन में ये दौर कभी आया ही नहीं। उसकी सारी ऊर्जा जीवन में सफलता पाने के लिए निर्देशित रहीं और वह सभी अपेक्षाओं से परे रहा है। अब उसे इस भावात्मक जगत का सामना करना भी सीखना होगा।"

"तो मैं कैसे मदद कर सकती हूं?"

"जो भी कर रही हो, बस वही करती रहो। क्रिस्टियन की खुशी का ठिकाना नहीं है और यह देखना अच्छा लगता है।"

मेरे भीतर बैठी लड़की ने खुद को शाबाशी दी।

"क्या एक और बात पूछ सकती हूं?"

"क्यों नहीं!"

"मेरे मन का एक हिस्सा कहता है कि अगर वह... इस कदर टूटा और बिखरा न होता .. तो वह मुझ जैसी लड़की को कभी पसंद न करता।"

"एना! अपने बारे में इतनी नकारात्मक बात क्यों कर रही हो? ये तो उससे ज्यादा तुम्हारी अपनी सोच का नतीजा है। मैं तो हैरान हूं कि तुम अपने बारे में ऐसा सोचती हो।"

"आप उसे देखें... फिर मुझे देखें।"

"मैंने देखा है। मैंने एक आकर्षक युवक और युवती को देखा है। एना! तुम खुद को आकर्षक क्यों नहीं मानतीं?"

अरे नहीं! मैं नहीं चाहती थी कि मेरे बारे में बात होने लगे। मैं अपनी अंगुलियों को घूरने लगी।

दरवाजे पर तेज आहट से मैं उछल-सी पड़ी। क्रिस्टियन हम दोनों को ताकते हुए भीतर आ गया। मैंने खिसियाकर डॉ. फिल्न को देखा जो क्रिस्टियन को बड़े ही लगाव से देख रहे थे।

"क्रिस्टियन! एक बार फिर से स्वागत है।"

"आओ! हमारे साथ बैठो।"

क्रिस्टियन मेरे पास बैठ गया और मेरे घुटनों पर अपना हाथ रख लिया। उसकी ये हरकत उनसे छिपी नहीं रही।

"एना! क्या तुम कुछ पूछना चाहती हो?" डॉ. ने पूछा... ओह! मुझे वह सवाल नहीं पूछना चाहिए था। मैंने इंकार में सिर हिलाया।

"क्रिस्टियन?"

"जॉन! आज नहीं।"

डॉ. ने हामी भरी।

"अगर तुम दोनों दोबारा एक साथ आओ तो अच्छा रहेगा। मुझे यकीन है कि एना को मुझसे और भी सवाल पूछने होंगे।"

क्रिस्टियन ने बेमन से हामी दी।

मैं खिसिया गई। शिट्... वह और खोजबीन करना चाहता है।

"ओ के!" उसने हौले से कहा।

मैं उसे देखकर मुस्कुराई।

"हां, हम डॉक्टर की बात मानकर ही चलेंगे।"

"वह कैसी है?"

किसकी बात हो रही है?

मेरी ?

"वह संभल जाएगी।"

"हां, उसकी प्रगति की सूचना देते रहें।"

"मैं देख लूंगा।"

ओह! ये तो लीला की बात कर रहे थे।

"क्या हम चल कर तुम्हारी प्रमोशन का जश्न मनाएं।" क्रिस्टियन ने पूछा।

मैंने लजाकर हामी दी।

हमने डॉ. से विदा ली और झटपट वहां से निकल आए।

वह सड़क पर आकर बोला, "कैसा रहा ?" उसके स्वर में उत्सुकता थी।

"बढ़िया!"

उसने मुझे शक़ भरी निगाहों से देखा और एक तरफ गर्दन झुका ली।

"मि. ग्रे! मुझे ऐसी निगाहों से न देखें। मैं आपको संदेह का लाभ देने वाली हूं।"

"क्या मतलब है इसका ?"

"तुम देखोगे।"

उसका मुंह और आंखें तिरछी हो आईं।

"कार में बैठो।"

ओह! मैंने फोन की आवाज़ सुनकर फोन निकाला।

जोंस का फोन था।

"हाय।"

"एना! हाय।"

मैंने फिफ्टी को देखा जो मुझे हैरानी से घूर रहा था। "जोंस।" मैंने उसकी ओर मुंह करके कहा।

"सॉरी मैं कॉल नहीं कर सकी।"

"कोई बात नहीं। मैंने ग्रे के यहां बात की थी इसलिए मुझे पता है कि तस्वीरें ले कर कहां आना है। मैं शाम पांच से छह के बीच आऊंगा। उसके बाद मैं मिल सकता हूं।"

ओह!

"खैर अभी तो मैं क्रिस्टियन के साथ रह रही हूं और अगर तुम चाहो तो उसके यहां ठहर सकते हो। यह उसने ही कहा है।"

क्रिस्टियन के चेहरे पर कड़ी रेखाएं आ गईं। वाह! क्या मेजबान है।

जोंस एक पल को चुप रहा और इस खबर को गुनने लगा। हाय! मुझे पहले इतनी भी फुर्सत भी नहीं मिली कि कम से कम उसे क्रिस्टियन के बारे में बता तो देती।

"अच्छा। पर क्या ग्रे के साथ तुम्हारा मामला सीरियस है?"

मैं कार से थोड़ा परे हट गई।

"हां।"

"कितना गंभीर?"

मैंने आंखें नचाईं और ठहर गईं। भला क्रिस्टियन को यह सब क्यों सुनना चाहिए।

"गंभीर।"

"क्या वह तुम्हारे साथ है। तभी तुम बोल नहीं पा रहीं?"

"हां।"

"अच्छा। तो क्या मेरे साथ आने की इजाजत है?"

"बेशक मैं आऊंगी।"

"तो कहां मिलें हम?"

"तुम मुझ ऑफिस से ले सकते हो।"

"अच्छा।"

"मैं पता मेल कर दूंगी।"

"किस वक्त?"

"छह!"

"ठीक है, एना मिलते हैं। तुम्हारी बहुत याद आ रही है।"

"कूल! मिलते हैं।"

क्रिस्टियन कार के पास झुका हुआ है पर उसके भाव पढ़े नहीं जा रहे।

"दोस्त कैसा है?" उसने बेलाग होकर पूछा।

"ठीक है। कल वह मुझे काम से अपने साथ ले लेगा। हम एक ड्रिंक के लिए जाएंगे, क्या तुम चलना पसंद करोगे?"

"तुम्हें पक्का यकीन है कि वह केवल दोस्ती ही निभाएगा?"

"क्रिस्टियन!"

"अच्छा। तुम उसके साथ जाओ और मैं शाम को मिलता हूं।"

मैं तो जोरदार लड़ाई की उम्मीद में थी। वह बड़ी आसानी से मान गया।

"देखा! मैं कितना अच्छा बच्चा बन सकता हूं।" उसने दबी हंसी के साथ कहा।

"हां जी, देखेंगे।" मैं भी हंस दी।

"क्या मैं चला सकती हूं?"

क्रिस्टियन ने मेरा आग्रह सुनकर पलकें झपकाईं।

"मैं चाहूंगा कि तुम न चलाओ।"

"क्यों?"

"क्योंकि मैं खुद कार चलाना पसंद करता हूं।"

"पर आज तो टेलर तुम्हें ले कर गया था?"

"ओह मुझे टेलर के काम पर पूरा भरोसा है।"

"और मुझ पर नहीं ? ओह! मैं तो तुम्हारे इस बर्ताव को देखकर हैरान हूं। मैं पंद्रह साल की उम्र से गाड़ी चला रही हूं।"

उसने कंधे झटके।

"क्या ये मेरी कार है?" मैंने पूछा।

"बेशक तुम्हारी कार है।"

"तो मुझे चाबियां दो प्लीज! मैंने बस दो बार चलाई है। सारे मजे तो तुम ही ले रहे हो।" मैंने मुंह फुलाने के पूरे मूड में हूं। क्रिस्टियन के होठों पर दबी मुस्कान खेल गई।

"पर तुम नहीं जानतीं कि हम कहां जा रहे हैं।"

"जनाब मुझे बता तो सकते हैं। अब तक तो आप मुझे हर तरह की जानकारी देते ही आए हैं।"

क्रिस्टियन ने एक लजीली सी मुस्कान दी जो मेरा दिल घायल करने के लिए काफी थी।

उसने मेरे लिए सीट खाली कर ही दी।

"यहां से बाएं लो। एना आराम से चलाओ।" उसने एकदम डैशबोर्ड थाम लिया।

गाड़ी में धीमा संगीत गूंज रहा है।

"कार धीमी करो।"

"कर तो रही हूं।"

"डॉ. ने क्या कहा?" मैं उसके कौतूहल को महसूस कर सकती थी।

"मैंने बता तो दिया। मुझे तुम्हें संदेह लाभ देना चाहिए।" हाय अगर वह गाड़ी चलाता तो सही था। मैं कम से कम उसके भाव तो देख पाती। मैंने अचानक गाड़ी रुकने का संकेत दे दिया।

"क्या कर रही हो तुम?" वह एकदम बोला।

"तुम गाड़ी चलाओ।"

"क्यों?"

"ताकि मैं तुम्हें देख सकूं।"

वह हंसा। "नहीं, नहीं तुम चलाना चाहती थीं। तुम चलाओ। मैं तुम्हें देखूंगा।"

मैंने मुंह बनाया और वह जोर से चिल्लाया, "अपनी आंखें सड़क पर रखो।"

मेरा खून उबाल खा गया। ठीक है। मैंने एक ट्रेफिक लाइट से ठीक पहले गाड़ी रोक दी और धड़ाम से दरवाजा बंद करके बाहर निकल गई। वह भी बाहर आया।

"तुम कर क्या रही हो?" उसने गुस्से से ताका।

"तुम क्या कर रहे हो?"

"तुम यहां पार्क नहीं कर सकतीं।"

"मैं जानती हूं।"

"तो ऐसा क्यों किया?"

"क्योंकि तुम मेरी जान के पीछे पड़ गए थे। या तो खुद चलाओ या अपना मुंह बंद रखो।"

"एनेस्टेसिया गाड़ी में चलो, हमें जुर्माना भरना पड़ जाएगा।"

"नहीं।"

उसने मुझे देखकर पलकें झपकाईं और बालों में हाथ फेरा। उसका गुस्सा हैरानी में बदल रहा था। वह अचानक ही मजाकिया दिखने लगा और अपनी हंसी नहीं रोक सका। उसने भवें सिकोड़ीं।

"क्या है?"

"तुम।"

"ओह एनेस्टेसिया! तुम इस धरती की सबसे खिजाऊ औरत हो।"

"अच्छा मैं चलाता हूं।"

"नहीं! मि. ग्रे तुम तुम इस धरती के सबसे खिजाऊ मर्द हो।"

उसने अचानक मेरी कमर में बांहें डाल कर मुझे अपने पास खींच लिया।

"हो सकता है कि हम दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।" उसने प्यार से कहा और गहरी सांस ली। मैंने भी उसके आसपास बांहों का घेरा कसते हुए आंखें मूंद लीं। सुबह से पहली बार मैंने खुद को निश्चिंत महसूस किया।

"ओह एना! एना! एना।" उसने मेरे बालों को सूंघते हुए गहरी सांस भरी। मैंने अपनी जकड़ और भी कस दी और हम सड़क पर अडोल खड़े इन पलों का आनंद लेते रहे। उसने मुझे छोड़ा तो हम दोनों कार की ओर चल दिए।

क्रिस्टियन गाड़ी चलाते हुए गाने की धुन के साथ गुनगुनाने लगा। मैंने उसे आज तक गाते नहीं सुना। आवाज प्यारी है।

क्या उसने मुझे गाते सुना है?

भीतर बैठी लड़की ने आंखें तरेरीं- अगर उसने सुना होता तो क्या तेरे आगे शादी का प्रस्ताव रखता।

"अगर हमें जुर्माने का टिकट मिलता तो गाड़ी तुम्हारे नाम है।"

"वाह आज ही प्रमोशन हुई है। मैं फाइन भर सकती हूं।"

"वैसे हम कहां जा रहे हैं?"

"यह एक सरप्राइज़ है। वैसे तुम बताओ कि डॉ. ने क्या कहा?"

"वे कोई एफएफएफएसटीबी की बात कर रहे थे।"

"अच्छा एसएफबीटी। यह एक नई थेरेपी है।" क्रिस्टियन ने बताया।

"तुमने और भी आजमाई हैं?"

क्रिस्टियन फुफकारा, “बेबी! मैं सब कुछ आजमा चुका हूं। व्यवहार थेरेपी, फ्रायड, गेस्टाल्ट... तुम नाम लो और मैं बता सकता हूं कि मैंने कितने साल के लिए आजमाया है।” उसने कहा और आवाज में कड़वाहट आ गई।

“क्या तुम्हें लगता है कि इस पहल से कोई लाभ होगा?”

“डॉक्टर ने क्या कहा?”

“उन्होंने कहा कि हमें तुम्हारे अतीत की बजाए भविष्य के बारे में सोचना चाहिए, जहां तुम होना चाहते हो।”

क्रिस्टियन ने हामी भरने के साथ-साथ कंधे झटके। उसके चेहरे के भाव संभल से गए थे।

“और क्या?” उसने दबाव डाला।

“उन्होंने तुम्हारे छुए जाने के डर के बारे में बात की पर वह उसे किसी और नाम से पुकार रहे थे। तुम्हारे डरावने सपनों और खुद को नापसंद करने के बारे में बात की।"क्रिस्टियन अपने अंगूठे का नाखून चबाते हुए मुझे ताक रहा था।

“मि. ग्रे! आंखें सड़क पर हैं।”

उसके चेहरे पर हंसी फूट पड़ी। “एनेस्टेसिया! बोलो न और क्या बात हुई?”

मैंने थूक निगला, “वह नहीं सोचते कि तुम एक सैडिस्ट यानी परपीड़क हो।”

“सच्ची।” उसने भवें सिकोड़ीं। कार का माहौल अचानक ही बदल गया था।

“उन्होंने कहा कि मनोविज्ञान में इस शब्द को कोई मान्यता नहीं दी जाती। नब्बे के दशक के बाद से यही हो रहा है।” मैंने हौले से कहा। शायद हमारे बीच का मूड बदल जाए।

क्रिस्टियन का चेहरा गहरा गया और उसने धीरे से सांस छोड़ी।

“फिल्न और मैं इस बारे में अलग-अलग सोच रखते हैं।” उसने धीरे से कहा

“उन्होंने कहा कि तुम अपने बारे बदतर सोच रखते हो। मैं जानती हूं कि ये सच है। उन्होंने सेक्सुएल सैडिज्म की बात भी की पर उनका मानना है कि इस बात का संबंध मनोवैज्ञानिक अवस्था से नहीं बल्कि जीवनशैली के चुनाव से है।”

“अच्छा जी। डॉक्टर से एक ही मुलाकात में तुम तो विशेषज्ञा बन गईं।” उसने थोड़ी कड़वाहट से कहा और मुंह घुमा लिया।

“देखो, अगर तुम ये सब सुनना नहीं चाहते तो पूछ क्यों रहे हो।”

मैं बहस नहीं करना चाहती पर वह ठीक कह रहा है। मेरा इन बातों से क्या लेन-देन है। क्या मैं इन बातों को जानना चाहती हूं? बेशक मुझे तो इसके बर्ताव की कुछ बातें ही पता हैं

और मैं समझती हूं कि वे कहां से उपजी हैं। मैं जानती हूं कि वह सबको अपने वश में क्यों रखना चाहता है, उसके मन में इतनी जलन क्यों है, वह मुझे जरूरत से ज्यादा सुरक्षा क्यों देता है? बस यही नहीं समझ आता कि उसे छुअन से क्या परेशानी है। मैंने उसके बदन पर निशान देखे हैं इसलिए उसके मन पर लगे घावों का अंदाजा लगा सकती हूं। मैंने उसका रातों को डर कर उठना भी देखा है।

“मैं जानना चाहता हूं कि तुम लोगों ने और क्या बातें कीं।” उसने अचानक कार को एक अनजानी दिशा में मोड़ दिया।

“उसने मुझे तुम्हारी प्रेमिका कहा।”

“बेशक, इसमें कोई दो राय नहीं है।”

“क्या तुम सारी सेक्स गुलाम को प्रेमिका मानते थे?”

उसने बिना कुछ कहे कार चलाना जारी रखा। हम जा कहां रहे हैं?

“नहीं, वे तो बस शारीरिक संबंधों की साथी थीं। तुम मेरी एकमात्र प्रेमिका हो और मैं चाहता हूं कि तुम हमेशा इसी तरह मुझे प्यार देती रहो।”

ओह... संभावनाओं से भरे जादुई शब्द! मेरे चेहरे पर मुस्कान आ गई और मैंने खुद को बांहों में जकड़ लिया।

“मैं जानती हूं। बस थोड़ा समय चाहती हूं। इन पिछले कुछ दिनों की घटनाओं से बाहर आना चाहती हूं।” उसने मुझे अजीब से निगाहों से देखा और गर्दन को एक ओर झटक दिया।

उसने संगीत तेज़ कर दिया और बात वहीं ख़त्म हो गई।

“हम कहां जा रहे हैं?” मैंने फिर से पूछा।

सड़क पर लिखे बोर्ड पढ़कर भी कुछ समझ नहीं आ रहा था।

“सरप्राइज़!” उसने रहस्यमयी मुस्कान के साथ कहा।

अध्याय 18

क्रिस्टियन उन घरों के आगे से निकलता जा रहा था, जहां बच्चे घरों में बास्केटबॉल खेल रहे थे या सड़कों पर साइकिलें चला रहे थे। पेड़ों के बीच घिरे वे घर बहुत ही भरे-पूरे लग रहे थे। क्या हम किसी से मिलने जा रहे हैं? किस से?

कुछ ही मिनट बाद उसने एक बांया मोड़ लिया और हम खूबसूरत धातु के बने सफेद गेट के पास जाकर रुके। उसने खिड़की खोलकर, गेट के पास एक बटन दबाया और गेट फटाक से खुल गया।

उसने मुझे देखा, मेरे चेहरे के भाव बदल गए थे। वह भी कुछ अनिश्चित और घबराया हुआ सा दिखा।

"ये क्या है?" मेरी आवाज़ में छिपी चिंता छिपी न रह सकी।

"एक आइडिया!" उसने कहा और गाड़ी को गेट से अन्दर ले गया।

हम पेड़ों के बीच बनी उस पगडंडी से जा रहे थे, जहां से दो कारें आराम से जा सकती थीं। वहां एक ओर पेड़ों से घिरा जंगलनुमा इलाका था और दूसरी ओर घास का एक मैदान दिखाई दिया। जहां जंगली फूल लगे दिख रहे थे। वह जगह किसी गांव-देहात के ऐसे खेत की तरह लग रही थी जहां मीठी हवा के झोंकों के बीच पौधे झूमते हैं और ढलते सूरज की रोशनी से नहा उठते हैं। ये तो सचमुच बड़ा ही प्यारा है। मैंने कल्पना की कि मैं भी ऐसे खुले आसमान तले घास में लेटी हूं। पता नहीं क्यों घर की याद सताने लगी।

वह गली मुड़ते ही हम एक डन्ड्राइव-वे पर आ गए और गुलाबी रंग के सैंडस्टोन से बना मैडीटेरेनियन स्टाइल का घर दिखाई दिया। यह बहुत विशाल है। सारी बबत्तियां जल रही हैं। चार कार वाले गैराज के बाहर काली बीएमडब्ल्यू पार्क की गई है पर क्रिस्टियन ने कार पोर्टिको के बाहर ही लगा दी।

"हम्म... मैं सोच रही थी कि यहां कौन रहता है? हम किसके घर आए हैं?"

क्रिस्टियन ने कार का इंजन बंद करते हुए मुझे उत्सुकता से देखा।

"क्या तुम खुले दिमाग की सोच नहीं रख सकतीं?"

"क्रिस्टियन! तुमसे मिलने के बाद मुझे सोचने का मौका ही कहां मिला है।"

“हां, मिस स्टील! ये तो आपने बिल्कुल सही कहा।” उसने हंस कर हामी दी।

गहरी लकड़ी के बने दरवाजे पर एक भूरे बालों वाली युवती हमारा इंतजार कर रही थी। वह नीले रंग के सूट में थी। चलो अच्छा हुआ मैंने आज अच्छे कपड़े पहन लिए थे। माना मैंने उसके जैसी हील नहीं पहनीं पर फिर मैं जींस में तो नहीं हूं।

“मि. ग्रे!” वह अपनेपन से मुस्कुराई और हाथ मिलाया।

“मिस कैली।” उसने विनम्रतापूर्वक कहा।

वह मुझे देखकर मुस्कुराई और हाथ आगे कर दिया। उसके चेहरे की लाली बता रही थी कि वह उस वक्त क्रिस्टियन को देखकर क्या सोच रही होगी।

“ओल्गा कैली।” उसने अपना नाम बताया।

“एना स्टील।” कौन है यह औरत? उसने घर में हमारा स्वागत किया। मैंने अन्दर कदम रखा तो हैरान रह गई। घर तो पूरी तरह से खाली है। हम एक बड़े से हॉल में थे। दीवारें हल्के पीले प्रिमरोज़ रंग की हैं और उस जगह पर निशान साफ दिख रहे हैं, जहां कभी तस्वीरें टांगी गई हैं। बस पुराने फैशन का क्रिस्टल लाइट सामने ही दिख रहा है। हमारे आसपास के दरवाजे बंद थे पर क्रिस्टियन मुझे आगे ले गया इसलिए और देखने का मौका ही नहीं मिला।

वह मुझे हाथ थामकर आगे ले गया तो एक मेहराबनुमा जगह नज़र आई। वहीं बहुत ही सुंदर डिज़ाइन वाली लोहे की घुमावदार सीढ़ियां भी दिखाई दीं पर हम उन्हें भी पार करते हुए, आगे निकल गए। वह मुझे एक बड़े से खाली कमरे से बाहर ले गया, जहां एक बहुत विशाल कालीन लिपटा पड़ा था। शायद मैंने इससे बड़ा कालीन कभी नहीं देखा। ओह! यहां तो क्रिस्टल के चार बड़े फानूस भी हैं।

जब हम फ्रेंच दरवाजों से होते हुए, बड़े ही प्यारे से लॉन में पहुंचे तो मुझे समझ आया कि वह उस ज़बरदस्त नज़ारे को मुझे दिखाने के लिए वहां लाया था।

दूर से बेनब्रिज द्वीप दिख रहा है और उसके आगे ढलती शाम का नज़ारा! सूरज अस्त होते-होते, आसपास संतरी और सुनहरे रंग की निराली आभा दे रहा है। आकाश के नीले रंग के बीच उसके संतरी रंग की छटाएं देखते ही बन रही हैं। बादलों के पल-पल बदलते रंग और साथ में हरियाली से भरी धरती। प्रकृति का मनोहारी रूप, मानो आकाश का वह अद्भुत प्रतिबिंब ही धरती के गहरे स्थिर जल में उतर आया हो। मैं तो उस नज़ारे में, कुदरत के उस खूबसूरत नज़ारे में खो सी गई।

मुझे एहसास हुआ कि मैंने अपनी सांस तक रोक रखी थी और उसने अब भी मेरा हाथ थामा हुआ है। वह मुझे बहुत ही आश्चर्य से देख रहा है।

“तुम मुझे यहां लाए ताकि प्रकृति का यह अद्भुत दृश्य दिखा सको।” मैंने कहा

उसने हौले से हामी दी।

"क्रिस्टियन! यह तो कमाल है। धन्यवाद!" मैंने एक बार फिर उस दृश्य को आंखों से पीया और उसने मेरा हाथ छोड़ दिया।

"अगर तुम्हें आजीवन यह नज़ारे देखने को मिलें तो कैसा लगेगा?" उसने पूछा

"क्या?" मैंने अपना चेहरा एकदम उसके चेहरे की ओर मोड़ा। शायद मेरा मुंह भी खुला रह गया होगा।

"मैं हमेशा से ही तट के समीप रहना चाहता था। अक्सर यहां से निकलते हुए इन घरों पर नज़र रखता था। इस जगह को अभी बाजार में आए ज्यादा देर नहीं हुई। मैं इसे लेना चाहता हूं ताकि इसे गिराकर एक नया घर बना सकूं। हमारे लिए एक नया घर।" उसकी पारदर्शी आंखें एक अजीब-सी उम्मीद से चमक उठी हैं।

जीसस! मैंने किसी तरह खुद को संभाला। मेरा सिर चकरा रहा है। यहां रह सकते हैं। इतनी प्यारी जगह में हम रह सकते हैं? मेरा बाकी का सारा जीवन!

"ये बस मेरी सोच है।" उसने सावधानी से कहा।

मैंने घर के भीतरी सामान पर नज़र डालते हुए उसकी कीमत का अंदाजा लगाना चाहा। ये कितने का होगा? हाय! मैं तो सोच भी नहीं सकती।

"तुम इसे गिरा कर क्यों बनाना चाहते हो?"

"मैं चाहता हूं कि यहां नई तकनीकों, पर्यावरण की दृष्टि से बेहतर व सुविधाओं वाला घर तैयार हो।"

मैंने एक बार फिर से कमरे को देखा। मिस ओल्गा कैली वहीं मंडरा रही है। मैंने देखा कि कमरा काफी बड़ा था और एस्काला वाले कमरे से ऊंचाई भी बहुत ज्यादा थी। यहां एक बड़ा-सा फायरप्लेस है और सारे फ्रेंच दरवाजे छत पर खुल रहे हैं। यहां एक पुरानी दुनिया का जादू छाया है।

"क्या हम आसपास देख सकते हैं?"

उसने मुझे देखकर पलकें झपकाईं, "क्यों नहीं!"

मिस कैली का चेहरा हमें देखते ही दमक उठा। वह हमें घर के टूर पर ले गई और उनका विवरण देने लगी।

घर तो विशाल है: छह एकड़ ज़मीन और बारह हज़ार स्क्वेयर फीट। इस बड़े कमरे के अलावा इस घर में रसोई, उससे लगता डाइनिंग हॉल, पुस्तकालय, फैमिली रूम, संगीत कक्ष, स्टडी, एक तरणताल, सोना व स्टीम रूम भी हैं नीचे बेसमेंट में सिनेमा का कमरा व खेलने का कमरा बना है। हम्म! हम वहां किस तरह के खेल खेल सकते हैं।

मिस कैली ने हमें सब कुछ दिखाया। घर बहुत प्यारा है और किसी समय में एक खुशहाल परिवार का निवास रहा होगा। दिखने में थोड़ा गंदा लगता है पर रखरखाव से सब ठीक हो सकता है।

जब हम उन अद्भुत सीढ़ियों से दूसरी मंजिल पर गए तो मेरी उत्सुकता का ठिकाना न रहा... इस घर में तो वह सब पहले से ही मौजूद था, जिसकी मैं कभी कल्पना कर सकती थी।

"क्या तुम इसी घर को अपने लिए और बेहतर नहीं बना सकते?"

"मुझे इलियट से इस बारे में बात करनी होगी। वह इन मामलों का विशेषज्ञ है।"

मिस कैली हमें मास्टर सुईट में ले गई, जहां बड़ी-बड़ी खिड़कियां एक बालकनी में खुलती थीं और बड़ा ही प्यारा नज़ारा दिख रहा था। मैं पलंग पर बैठे-बैठे भी, बाहर से निकलती नावें और बदलता मौसम देख सकती थी।

इस मंजिल पर पांच और बेडरूम भी हैं। बच्चे! मैंने अपनी सोच को वहीं लगाम दे दी। अभी तो और बहुत सी बातें तय करनी हैं। कैली क्रिस्टियन को बता रही है कि वहां अस्तबल कैसे तैयार किया जा सकता है। मेरे दिमाग में, बचपन में सीखे गए घुड़सवारी के पाठ नाच गए।

"यह अस्तबल वहीं होगा, जहां अभी लॉन है?"

"जी।"

मेरे लिए हरे घास के मैदान पिकनिक मनाने के लिए हैं। मुझे बिल्कुल नहीं भाएगा कि वहां कोई घोड़ा दौड़ता रहे।

बड़े कमरे में आते ही कैली अचानक गायब हो गई और क्रिस्टियन मुझे फिर से पीछे से दिखता नज़ारा दिखाने ले गया। सूरज डूब गया और शहर की रोशनियां पानी में इंद्रजाल सा बुन रही हैं।

उसने अपनी अंगुली से मेरी ठोडी उठाते हुए पूछा, "इसे देखने-जानने में वक्त लग रहा है न?" "हां।" मैंने हामी दी। इतना बड़ा घर कुछ ही मिनटों में कैसे जाना-समझा जा सकता था।

"मैं इसे खरीदने से पहले जानना चाहता था कि तुम पसंद भी आया या नहीं?"

"मुझे यह जगह और यह घर बहुत पसंद आया।"

"क्रिस्टियन हम घास के मैदान पर भी..."

उसके चेहरे पर हंसी छा गई और उसने एकांत का पूरा लाभ उठाते हुए, मुझे चूम लिया।

जब हम कार में वापिस सिएटल लौटने लगे तो उसका मूड थोड़ा बदल गया था।

"तो, तुम इसे खरीदने जा रहे हो?" मैंने पूछा।

"हां।"

"क्या एस्काला को बेच दोगे?"

"क्यों, मैं ऐसा क्यों करने लगा?"

"इस घर का भुगतान करने के लिए।"

"मुझ पर भरोसा करो। मैं इतना खर्च कर सकता हूं।"

"क्या तुम्हें अमीर बनना पसंद है?"

"हां, कोई ऐसा आदमी दिखाओ, जिसे ऐसा करना पसंद न हो।"

"अच्छा। चलो कोई और बात करें।"

"एना! अगर तुम शादी के लिए राजी हो तो तुम्हें भी इस अमीरी की आदत डालनी होगी।"

"क्रिस्टियन! मैंने कभी पैसे की चाहत नहीं रखी।"

"मैं जानता हूं और यह बात पसंद भी करता हूं पर तुम्हें कभी भूख क्यों नहीं लगती?"

"हम कहां जा रहे हैं?" मैंने बात बदल दी।

"जश्न मनाने।" क्रिस्टियन ने साफ शब्दों में कहा।

"घर का जश्न?"

"लगता है कि तुम भूल गई हो। तुम्हारी प्रमोशन का जश्न मनाना है।"

"अरे हां, मैं तो भूल ही गई थी।"

"कहां?"

"ऊपर, मेरे क्लब में।"

"तुम्हारा क्लब?"

"हां। कईयों में से एक।

"मिल हाई क्लब, कोलंबिया टावर की 67वीं मंजिल पर बना है, यह तो उसके घर से भी ऊंचा है। ये बहुत ट्रेंडी है और यहां से शहर का सुंदर नज़ारा दिखाई देता है।

"क्रिस्टल मैम!" हम बारस्टूल पर बैठे तो उसने मुझे एक ठंडी शैंपेन का गिलास थमा दिया।

हमारी आपसी चुहलबाज़ी के बीच ही हमारे मेज तैयार हो गए।

मेज पर पहुंचे तो उसने अचानक रोक दिया व कान में बोला।

“जाओ अपनी पोशाक के नीचे से, शरीर का निचला अंतर्वस्त्र उतार आओ।”

हैं! यह क्या कह रहा है।

वह मुस्कुरा नहीं रहा। इसका मतलब वह पूरी गंभीरता से बात कर रहा है और इस मूड में वह अपनी पूरी मनमानी करता है। मैंने उसे अपना गिलास थमाया और हुक्म बजाने चल दी। शुक्र है कि मैंने डॉ. से मिलने के लिहाज़ से कपड़े बदल लिए थे। किसे पता था कि ये एक नया तमाशा भी करना होगा।

मैं तो पहले से ही उत्तेजित हो गई हूं। यह कितनी आसानी से मुझे अपने वश में कर लेता है। जो भी कहता है, मैं चुपचाप सब करती चली जाती हूं। मैंने खुद को शीशे में देखा। आंखों में एक अलग ही नशे के लाल डोरे दिखाई दिए।

मैंने गहरी सांस ली और क्लब की ओर चल दी। ऐसा नहीं कि मेरे साथ ऐसी स्थिति पहले नहीं आई है पर यह रोमांच कुछ अलग ही है। मेरे जाते ही वह बड़े अदब से अपनी सीट से खड़ा हो गया। वह पहले की तरह संभला हुआ, शांत व मर्यादित दिख रहा है। बेशक! लोगों को ही दिखता है। मैं तो इसकी असलियत जानती हूं।

“मेरे साथ आकर बैठो। मैंने तुम्हारे लिए ऑर्डर कर दिया है। उम्मीद करता हूं कि तुम बुरा नहीं मानोगी।” उसने मुझे शैंपेन थमाते हुए कहा।

उसने जैसे ही अपना हाथ अपनी जांघ पर रखा तो मैंने अपनी टांगें हल्की-सी कस लीं।

वेटर बर्फ पर ऑयस्टर सजा लाया। ऑयस्टर्स! मुझे हमारे प्राइवेट डाइनिंग रूम का किस्सा याद आ गया। हमने वहां अनुबंध की चर्चा की थी। हम कितनी जल्दी कहां से कहां आ गए हैं?

“मुझे लगा कि तुम्हें अच्छे लगेंगे।” उसने धीमे और नशीले सुर में कहा।

“हां! मैंने उन्हें पसंद करने की कोशिश की थी।”

“ओह मिस स्टील! मैं खिलाता हूं।”

उसने एक ऑयस्टर पर हल्का सा नींबू लगाया और मेरे मुंह में धर दिया।

“अपने सिर को हल्का सा पीछे करो और ये अपने-आप गले से नीचे जाएगा।” उसने कहा।

मैंने ऐसा ही किया और उसका स्वाद याद आ गया।

क्रिस्टियन ने भी उसी तरह एक टुकड़ा खाया। हमने बारी-बारी से सारा खा लिया।

“क्या आज पसंद आए?”

"हां, अब मैं इन्हें पसंद करने लगी हूं।" मैंने कहा।

"गुड।"

मैंने सीट में ही पहलू बदला।

"मुझे इतनी बेचैनी क्यों महसूस हो रही है।"

उसने एक बार फिर से अपनी जांघ पर हाथ रखा और मैं पिघल गई। प्लीज़! मुझे अपने हाथों से छुओ। मेरे भीतर बैठी लड़की तो गिड़गिड़ाने को तैयार है। दुष्टा कहीं की! वह बार-बार अपने हाथ को वहीं घुमाता है, उठाता है और फिर वहीं रख लेता है।

वेटर ने मेज खाली किया और फिर सी फूड के साथ अस्पारागस, भुने आलू और हॉलैंडेज़ सॉस लगा गया।

"मि. ग्रे! ये आपका मनपसंद व्यंजन है न?"

"मिस स्टील! सही पहचाना।" मैं बात पर ध्यान देने की पूरी कोशिश कर रही हूं पर मेरा पूरा ध्यान कहीं और ही जा अटका है।

उसने कांटा उठाकर अपने व्यंजन का एक टुकड़ा मुंह में रखा। वह मुझे छू नहीं रहा था। मुझे तड़पा रहा था। वह जानबूझ कर ऐसा कर रहा था।

"अच्छा! उस एनडीए का क्या करूं?"

"फाड़कर फेंक दो।"

"क्या सच्ची?"

"हां।"

"अगर मैं सिएटल टाइम्स को सारा कच्चा चिट्ठा बताने चली गई तो?" मैंने सताया।

"नहीं! तुम पर पूरा भरोसा है। मैं भी तुम्हें संदेह का लाभ देने जा रहा हूं।"

"ओह! मैं भी!"

उसकी आंखें चमक उठीं। "मुझे खुशी है कि आज तुमने यह पोशाक पहनी है।" मेरे पहले से उबाल खा रहे खून में और उबाल आ गया।

"तुम मुझे छू क्यों नहीं रहे?" मैंने हौले से कहा।

"मेरी छुअन के लिए तरस रही हो?" कमीने ने हौले से कहा।

"हां।"

"पहले इसे खाओ।"

"तुम मुझे हाथ नहीं लगाने वाले, हो न?"

"नहीं।" उसने अपनी गर्दन हिलाई।

"क्या?" मैं एकदम हांफ उठी।

"जरा सोचो, जब तक हम घर पहुंचेंगे, तुम्हारी क्या हालत होगी"

"अगर मैंने यहीं कोई तमाशा कर दिया तो यह तुम्हारी गलती होगी।" मैंने धमकी दी।

"ओह एना! हम आग को भड़काने का कोई और तरीका खोज लेंगे।"

मैंने गुस्से में उबलते हुए अपना डिनर किया और भीतर बैठी लड़की भी आंखें मटका-मटकाकर हैरानी जता रही है। हम भी ये खेल खेल सकते हैं। मैंने एक टुकड़ा मुंह में धरा, उसका भरपूर स्वाद लिया और फिर अपने आशिक को तरसाने के लिए अपनी स्कर्ट को थोड़ा और ऊंचा कर दिया। मेरी जांघें और ज्यादा दिखने लगीं।

क्रिस्टियन का कांटा हवा में ही रह गया।

मुझे छुओ।

उसने एक पल के बाद खाना शुरू कर दिया। मैंने एक और कौर लिया और फिर अंगुलियों से अपनी जांघों का अंदरूनी हिस्सा थपथपाने लगी। मैं उसकी छुअन के लिए तरस रही हूं। क्रिस्टियन एक पल के लिए फिर से थमा।

"मैं जानता हूं कि तुम क्या कर रही हो?"

"मुझे पता है कि तुम जानते हो।" मैंने उसके सामने बड़ी अदा से एक कौर मुंह में धरा।

"मिस स्टील! आपकी कातिलाना अदाएं!"

उसने मेरा मुंह खुलवाया और मुझे खिलाने लगा पर इस दौरान भी उसने मुझे हाथ तक नहीं लगाया। मेरी बेचैनी बढ़ती जा रही थी। जैसे ही मैंने उसकी जांघ पर हाथ रखना चाहा, उसने मेरी कलाई थाम ली।

"अरे नहीं, मिस स्टील! आप ऐसा नहीं कर सकतीं।" उसने मेरे हाथ को धीरे से अपने होठों से छुवाया और मैं सिकुड़ गई। ओह! कम से कम कुछ चैन तो आया। पर मैं अभी और चाहती हूं।

"मिस स्टील! आपकी प्रमोशन की बधाई!" हमने गिलास टकराए।

"हां! ये अचानक ही हो गया।"

"खाओ। जब तक तुम यह सब खा नहीं लेतीं, मैं तुम्हें घर नहीं ले जाने वाला। तभी तो हम जाकर असली जश्न मना सकेंगे।" वह बोला।

"मुझे अभी खाने की भूख नहीं है।"

उसने मेरी तड़प का पूरा मज़ा लेते हुए गर्दन हिलाई और बोला।

"खाओ, वरना यहीं पिछवाड़े पर ऐसी धौल लगाऊंगा कि आसपास वालों को देखने के लिए अच्छा तमाशा मिल जाएगा।"

मैं सहम गई। यह तो कुछ भी कर सकता है। यह जो कह रहा है, सब सच है।

"तुम सचमुच बहुत कम खाती हो। जब से हम मिले हैं, मैं देख रहा हूं कि तुम्हारा वज़न कितना कम हो गया है।" उसने प्यार से कहा।

मैं अपने वज़न के बारे में नहीं सोचना चाहती। सच तो यह है कि मुझे छरहरा होना अच्छा लगता है। मैंने किसी तरह अस्पारागस को निगला।

"मैं तो बस घर जाकर तुम्हारी बांहों में खो जाना चाहती हूं।" मैंने बोला तो क्रिस्टियन के चेहरे पर हंसी थिरक गई।

"मैं भी यही चाहता हूं पर पहले तुम खाना खत्म करो।"

मैंने बेमन से खाना शुरू किया। सच कहूं, उस दिन तो जैसे मैंने अपने अंतर्वस्त्रों के साथ-साथ सब कुछ उतार दिया था। मैं ऐसे बच्चे की तरह महसूस कर रही थी जिसे मनपसंद टॉफी न दी जा रही हो। ये कितना दुष्ट, प्यारा, हॉट, नटखट और मेरा अपना क्रिस्टियन है।

उसने मुझसे ईथन के बारे में पूछा। बातों में ही पता चला कि क्रिस्टियन, ईथन और केट के पापा के साथ भी बिज़नेस करता है। दुनिया कितनी छोटी है। मुझे खुशी है कि उसने डॉ. या घर की बात नहीं छेड़ी क्योंकि मैं अभी किसी भी ऐसे विषय पर ध्यान लगाने के हालात में नहीं हूं। मैं घर जाना चाहती हूं।

हम दोनों के बीच वासना के अनदेखी लहरें मंडरा रही हैं। उसे इंतज़ार करवाना बहुत अच्छा आता है। वह बार-बार अपनी जंघाओं पर हाथ रख रहा है। पर फिर भी मुझे हाथ नहीं लगा रहा। तड़पाना तो कोई इससे सीखे।

मैंने खाना खत्म किया तो वह बोला, "गुड गर्ल!"

"चलो मिस स्टील! आपको मुझसे कुछ उम्मीदें हैं और मैं अपनी पूरी योग्यता के साथ उन्हें निभाने की कोशिश करूंगा।"

"वाह!"

"क्या हमें भुगतान नहीं करना होगा?"

उसने एक ओर गर्दन झुकाई, "मैं यहां का सदस्य हूं। वे मुझे बिल भेज देंगे। आओ"

"एनेस्टेसिया, पहले तुम चलो।" मैं खड़ी हुई और उसी समय याद आ गया कि मैंने क्या नहीं पहन रखा।

उसने मुझे ऐसे देखा मानो वहीं भरी भीड़ में, मेरे कपड़े उतार रहा हो। मैं अपने-आप को सेक्सी महसूस कर रही हूं। इतना सुदर्शन युवक मुझे चाहता है। क्या मैं कभी इसके मोहपाश से मुक्त हो सकती हूं? मैं जानकर उसके आगे रुक गई और अपनी पोशाक ठीक की।

क्रिस्टियन मेरे कान में हौले से बोला, "मैं तो तुम्हें घर ले जाने का भी इंतज़ार नहीं कर सकता" पर फिर भी उसने मुझे हाथ नहीं लगाया।

रास्ते में वह अपनी कार के बारे में कुछ बताता रहा पर मुझे कुछ सुनने की होश ही कहां थी। मेरे भीतर बैठी लड़की आने वाले पलों के बारे में सोचकर इतना दमक रही है कि पूरे सिएटल को रोशन कर सकती है।

लिफ्ट में हमें दो अधेड़ जोड़े मिले। क्रिस्टियन मुझे हाथ से थामकर पिछले कोने में ले गया। हम गहरे रंग के शीशों से घिरे थे। एक और जोड़े ने कदम रखते ही क्रिस्टियन को देखकर मुस्कान दी। ग्रे ने भी वही किया।

हमारे आगे खड़ा जोड़ा अपनी ही बातों में मग्न है। शायद वे नशे के हल्के सुरूर में भी हैं।

दरवाजे बंद होते ही क्रिस्टियन अपने जूते के तस्मे बंद करने के बहाने नीचे झुका और मैंने देखा कि उसके तस्मे तो खुले हुए थे ही नहीं। उसने चुपके से अपना एक हाथ मेरे टखने पर रखा और खड़े होते-होते, अपने हाथ को मेरी पोशाक के अन्दर ले गया। मैं तो बुरी तरह से चौंक गई। उसे यह भी होश नहीं कि हम कितने लोगों के बीच हैं। किसी ने देख लिया तो? वह अपने हाथ को मेरे पिछले हिस्से पर ले आया और ठीक मेरे पीछे ही खड़ा हो गया।

हाय जीसस! बाकी लोग हमारी ओर पीठ किए खड़े हैं और वे अंदाजा तक नहीं लगा सकते कि हमारे बीच क्या चल रहा है। क्रिस्टियन ने एक बांह से मेरी कमर को घेरा हुआ है और उसका दूसरा हाथ शरीर के सभी अंगों से हरकतें कर रहा है। उसने मुझे अपने पास खींच लिया। हाय! इस समय हम 53वीं मंजिल पर हैं और मेरे होश गुल हैं। मेरा पूरा ध्यान उसकी अंगुलियों की एक-एक हरकत पर टिका है। वह निचले हिस्से के आसपास अंगुलियों को घुमा रहा है।

उसने अचानक ही एक पैंतरा बदला और मेरे मुंह से सिसकारी-सी निकल गई।

"मिस स्टील! आप तो हमेशा तैयार रहती हैं।" उसने धीरे से कहा। ओह! इतने लोगों के बीच यह सब कैसे कर रहा है?

मैं जरा सा हिली-डुली तो उसने धमकी दी।

"हिलना बंद करो। आराम से खड़ी रहो।"

लिफ्ट में छह-सात लोग हैं और वे नहीं जानते कि यहां क्या चल रहा है। वह बार-बार अपनी अंगुलियों को यहां-वहां की सैर करा रहा है। हाय! मैं शर्मिंदगी से घिरी पड़ी हूं। मैं उसे रुकने के लिए कहना चाहती हूं पर उसने किसी की सुनना नहीं सीखा। मुझे इतनी देर तक अपने स्पर्श के लिए तरसाने के बाद, इसे अब यह सब करने की सूझी?

हम 44 वीं मंजिल पर रुके। ओह... यह सब कब तक चलेगा?

"शांत रहो।" उसने धमकाया। दो और लोगों के लिफ्ट में आने से भीड़ बढ़ गई जिससे उसका काम और भी आसान हो गया। "मिस स्टील! मैं इस खेल को घर जा कर पूरा करना चाहता हूं इसलिए जरा अपने पर काबू रखना।"

"वैसे आप देखकर हैरान होने वाली हैं कि मैं क्या-क्या कर सकता हूं?"

"क्या? कार में सेक्स? क्या हम यहां लॉबी के फ़र्श पर नहीं कर सकते?" आओ।

"हां, मैं आना चाहती हूं।"

"मिस स्टील!" उसने मस्ती से धमकाया।

"मैंने कार में कभी सेक्स नहीं किया।" मेरे मुंह से अचानक निकला।

"सुनकर अच्छा लगा वैसे इतनी हैरानी भी नहीं हुई। बंदा कोशिश करेगा कि आपकी ये ख्वाहिश भी पूरी हो सके।" क्रिस्टियन ने मुस्कुराते हुए कहा

मैं एकदम खिसिया गई। "नहीं, मैं यह नहीं कहना चाहती थी।"

"तो क्या कहना चाहती थीं?" उसका सुर थोड़ा तीखा था।

"क्रिस्टियन! वह तो मैं ऐसे ही बोल गई।"

"हां, अक्सर लोग ये बात कहते हैं, मैंने कभी कार में सेक्स नहीं किया।"

इस बंदे की परेशानी क्या है?

"क्रिस्टियन! तुम लिफ्ट में क्या कर रहे थे? तुमने मेरा दिमाग खराब कर दिया है।"

उसने भवें सिकोड़ीं। "मैंने क्या किया है?"

मैंने उसे देखकर मुंह बनाया। वह मेरे मुंह से सुनना चाहता है।

"तुमने मेरे बदन में शोले भड़का दिए हैं और मेरा दिमाग अब काम नहीं कर रहा।"

उसका मुंह खुला का खुला रह गया और वह हैरानी से हंसने लगा। अब वह कितना

जवां और बेपरवाह दिख रहा है। ओह! इसकी हंसी की आवाज़। मुझे बहुत पसंद है क्योंकि यह अक्सर सुनने को नहीं मिलती।

“मिस स्टील! आप तो जन्मजात रोमांटिक हैं।” उसने मेरा हाथ थामा और हम अपनी कार की ओर बढ़ गए।

“तो तुम कार में सेक्स करना चाहती हो?”

“सच कहूं तो मेरे लिए तो लॉबी का फ़र्श भी चलेगा।”

“एना! यकीन करो। एक दिन वह भी होगा पर इस समय मैं नहीं चाहता कि कोई हमें कार में ऐसे देखे और जेल भेज दे। मैं रेस्टरूम में भी यह सब नहीं करना चाहता।”

“मतलब ऐसा हो सकता था?”

“हां।”

“चलो वापिस चलें।”

वह जोरों से हंसा और मैं भी साथ हंसने लगी। उसने प्यार से मुझे छुआ।

“एनेस्टेसिया! धीरज रखो।”

उसने कार को एस्काला के गैराज में पार्क किया और अचानक ही कार के बीच माहौल बदल गया। मेरे दिल की धड़कनें अचानक ही तेज़ हो गईं। उसने व्हील पर कोहनी टिकाते हुए कहा, “हम एक दिन कार में भी... पर वह जगह और समय मेरे चुने हुए होंगे। इस वक्त तो मैं तुम्हें अपने घर की हर मौजूद सतह पर लेना चाहता हूं।”

ओह! ऐसा लगा कि वह मुझे नहीं बल्कि मेरी कमर के निचले हिस्से से बात कर रहा हो। मैं तो जैसे आज हूं ही नहीं!

हाय जीसस!

मैंने यह सोचकर आंखें बंद कर लीं कि शायद वह मुझे चूमने आ रहा है पर ऐसा कुछ नहीं हुआ। वह तो मुझे एकटक देखे जा रहा था।

“अगर तुम्हें यहां चूम लूंगा तो अपार्टमेंट में क्या करेंगे? आओ।” हम फिर से लिफ्ट में खड़े हुए और मेरा दिल धक-धक करने लगा। वह मेरा हाथ थामकर सहलाने लगा।

ओह! मैं तो इन हाथों को अपने पूरे बदन पर चाहती हूं। उसने आज मुझे बहुत सता लिया।

“एनेस्टेसिया तैयार?”

अब यह बात मुझसे पूछी जा रही है, जो ..

उसने अचानक ही मुझे अपनी बांहों में खींचा और बालों को गर्दन के पास से पकड़ते हुए बोला, “मैं ऐसा क्या करूं कि तुम शादी के लिए राजी हो जाओ।”

"क्रिस्टियन! मुझे थोड़ा-सा वक्त दे दो। प्लीज़!"

उसने आह भरी और मुझे एक लंबा सा चुंबन दिया। हमारी जीभें आपस में मिलीं और मेरे हाथ उसके बालों में जा पहुंचे। बहुत समय से दबाकर रखी गई वासना की हिलोर ने पूरे शरीर को झनझनाकर रख दिया।

"एना! तुम मेरी दिल की मालकिन हो। अब मेरा नसीब तुम्हारे हाथों में है।"

उसके शब्द मुझ पर नशा सा कर रहे हैं और मेरी जो दशा है, कहीं आज मैं उसके कपड़े ही न फाड़ दूं। मैंने उसकी जैकेट खींच कर उतारी और जैसे ही लिफ्ट बरामदे में आई, हम लड़खड़ाते हुए बाहर निकल आए।

क्रिस्टियन के होंठ मेरे होंठों से जुड़े हैं। उसने मुझे लिफ्ट के पास वाली दीवार से सटाते हुए, हाथों से पोशाक को ऊंचा कर दिया

"पहली सतह यही होगी। तुम अपनी टांगों से मेरे आसपास घेरा कस लो।"

मैंने वही किया, जो कहा गया था। उसने मुझे बरामदे में रखे मेज पर लिटा दिया और मैंने देखा कि आज वहां वह गुलदस्ता नहीं रखा था, जो रोज़ पड़ा होता है। उसने जींस की पैकेट से कंडोम निकाला और मेरे हाथ में थमा दिया।

"क्या तुम जानती हो कि तुम मुझे कितना उत्तेजित कर देती हो?"

"क्या... न ... नहीं"

"तुम हमेशा ऐसा करती हो। जब हम शारीरिक संबंध बनाएं तो तुम अपनी आंखें खुली रखना, मैं तुम्हें देखना चाहता हूं।" उसने कहा और धीरे-धीरे मेरे शरीर में उतरता चला गया।

ओह! इतना तरसने के बाद मैं इन पलों के ही तो इंतज़ार में थी। मैंने अपने हाथ उसकी बांहों पर कस दिए। वह पूरी तरह से मुझमें खोया हुआ है और उसे इस रूप में देखकर, मैं अपने पर ही फ़िदा हूं। हां, मैं उसे यह सुख दे सकती हूं। वह जब तक मुझसे अलग नहीं हुआ, मैं दीवानों की तरह उसके प्यार और उसके जुनून को ताकती रही।

वह अलग हुआ तो बेदम हुआ पड़ा था। उसने मेरी छाती पर सिर टिकाते हुए खुद को शांत करना चाहा और मैं भी उसके सिर का सहारा ले कर खुद को संभालने की कोशिश करने लगी।

वह दुष्टता से मुंह उठाकर मुस्कुराया, "ये कहानी अभी खत्म नहीं हुई।"

मैं क्रिस्टियन की छाती से लिपटी, उसके पलंग पर निर्वस्त्र लेटी हांफ रही हूं। ओह!क्या इसकी ये अर्जा कभी खत्म होगी? क्रिस्टियन अंगुलियों से मेरी पीठ थपथपा रहा है।

"मिस स्टील! आपकी संतुष्टि हुई?"

मैंने हौले से हामी दी। मुझमें बोलने की भी हिम्मत नहीं बची है। मैंने सिर उठाकर उसे प्यार से निहारा। सेक्स और पसीने की मिली-जुली गंध से नहाया हुआ क्रिस्टियन। उसने मुझे एक करवट लिटा दिया।

"क्या सेक्स सभी के लिए ऐसा ही होता है?" मैंने हौले से पूछा।

"मैं दूसरों के बारे में तो नहीं कह सकता पर एना, तुम्हारे साथ तो ये बिल्कुल ख़ास हो जाता है।" उसने आगे झुककर मुझे चूम लिया।

"मि. ग्रे! ऐसा इसलिए होता है क्योंकि आप बहुत ख़ास हैं।"

"बड़ी देर हो गई। चलो, सो जाएं।" हम अपनी चिर-परिचित मुद्रा में लेट गए।

"तुम्हें अपनी तारीफ सुनना पसंद नहीं है?"

"एनेस्टेसिया सो जाओ।"

हम्म... पर ये है तो कुछ खास! इसे एहसास क्यों नहीं होता?

"मुझे घर पसंद आया।" मैंने कहा।

उसने एक पल को तो कुछ नहीं कहा पर फिर मुस्कुराने लगा।

"मैं तुमसे प्यार करता हूं। सो जाओ।" मैं उसकी बांहों के घेरे में बंधी, उस प्यारे से घर के सपने देखते-देखते सो गई।

"उठो! क्रिस्टियन ने मुझे दुलार से जगाया। उठो बेबी!"

मैंने आंखें खोलीं। सुबह हो गई है। वह तो पूरी तरह से तैयार खड़ा है।

"क्या वक्त हो गया। अरे नहीं...।" मैं लेट नहीं होना चाहती।

"चिंता मत करो। मैं तो नाश्ते की मीटिंग के लिए तैयार हुआ हूं।" उसने मेरी नाक से अपनी नाक रगड़ी।

कितनी प्यारी खुशबू आ रही है। मेरे पूरे बदन में कसमसाहट सी होने लगी। मैंने उसके गले में बांहें डाल दीं।

"मत जाओ।"

उसने अपनी गर्दन एक ओर झुकाई और भौं उठाकर बोला, "मिस स्टील! क्या आप एक इंसान को उसके ईमानदार काम से दूर ले जाना चाह रही हैं?"

मैंने उनींदेपन में ही हामी दी और वह लजीली सी मुस्कान देने लगा।

आज तो नीले रंग के सूट में हॉट सीईओ दिख रहा है।

“मुझे जाना होगा बेबी! फिर मिलते हैं।”

वह मुझे चूमकर निकल गया। घड़ी देखी तो सात बज चुके थे। खैर उठने का वक्त हो गया था।

नहाते समय अचानक ही दिमाग में एक खयाल आ गया। क्यों न, उसे जन्मदिन का एक और उपहार दिया जाए। जिसके पास सब कुछ हो, उसके लिए कुछ खरीदना बड़ा मुश्किल होता है। मैं उसे एक तोहफ़ा दे भी चुकी हूं और अभी एक और चीज़ बाकी है, जो मैंने टूरिस्ट शॉप से ली थी। पर यह उपहार मेरी ओर से बिल्कुल निजी होगा। मैंने खुद को खुशी से गले लगा लिया। मैंने अपने लिए गहरे लाल रंग की चौरस गले वाली पोशाक चुनी। हां, ये ठीक रहेगी।

अब उसके उपहार की तैयारी करनी है। मैं उसके दराजों में उसकी टाईयां खोजने लगी। एक दराज में वह जींस दिख गई, जो उसने प्लेरूम में पहनी थी। उसका कपड़ा कितना मुलायम था।

उसके नीचे एक बड़ा-सा काला और चपटा डिब्बा दिखा। इसमें क्या होगा? बेशक फिर से ऐसा लगा कि मैं उसके घर में घुसपैठ कर रही हूं पर अब तो उत्सुकता जाग गई थी और कुछ न कुछ तो करना ही था। मैंने उसे खोला और झट से बंद कर दिया। हाय! उसमें तो लाल कमरे की तस्वीरें थीं। मेरे यहां आने से पहले ली गई तस्वीरें। मैं वहीं एड़ियों के बल बैठ गई। मुझे उस डिब्बे को खोलने को किसने कहा था। मैंने इसे क्यों खोला? उसने वे तस्वीरें रखी ही क्यों हुई हैं?

मैंने कंधे झटके। वह सब तो मेरे आने से पहले का है इसलिए मुझे उसे भूल जाना चाहिए। मैं उठी तो वही टाई मिल गई जिसे मैं खोज रही थी।

मैंने नाश्ते के लिए कमरे में कदम रखा तो मिसेज जोंस से भेंट हुई।

“एना! सब ठीक तो है?” उन्होंने हंस कर स्वागत किया।

“जी! क्या आपके पास प्लेरूम की चाबी है?”

वे एक पल को हैरान रह गईं।

“हां बेशक! डियर तुम नाश्ते में क्या लोगी?”

“बस ग्रेनोला लूंगी। अभी आई, ज्यादा देर नहीं होगी।”

अब भी तस्वीरें ही दिमाग में नाच रही थीं।

उसने और क्या-क्या छिपा रखा है? मैंने प्लेरूम से अपने काम की चीज़ निकाली और झट से ताला लगा कर लौट आई। मैं नहीं चाहती कि कुछ भी जोंस के हाथ लगे।

मैंने मिसेज जोंस को चाबियां दे दीं और नाश्ता करने लगी। तस्वीर में कौन-सी लड़की थी? शायद लीला रही होगी।

काम पर जाते समय सोचती रही कि तस्वीरों के बारे में उसे बताऊं या नहीं? नहीं, भीतर बैठी लड़की ने एकदम चीख कर जवाब दिया। मैंने भी तय किया कि वह सही कह रही है।

जैसे ही काम की मेज पर पहुंची, मेरे फोन पर उसका मेल आ गया।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: सतह
डेट: जून 17 2011 08:59
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मैंने गिना तो अभी तीस सतहें बाकी हैं। मैं उनमें से हरेक को तुम्हारे साथ...। फिर छत, दीवारें और हमारी बालकनी भी तो है।
और इसके बाद मेरा ऑफिस..
तुम्हारी याद आ रही है।
क्रिस्टियन ग्रे
लैंगिक सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक
मैंने अपने फोन को देखा और चेहरे पर मुस्कान आ गई। वह मुझे ही चाहता है और कल रात की सारी छवियां आंखों के आगे तैर गईं। अगर उसके लिए लैंगिक शब्द आया है तो ऐसी युवती को क्या कहेंगे।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: रोमांस
डेट: 17 जून 2011 09:03
टू: क्रिस्टियन ग्रे
मि. ग्रे आपका दिमाग एक ही दिशा में काम करता है।
नाश्ते के समय आपको याद किया।
पर मिसेज जोंस ने अच्छा साथ दिया।
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे

सब्जेक्ट: हैं?
डेट: जून 17 2011 09:07
टू: एनेस्टेसिया स्टील
मिसेज जोंस के साथ क्या खिचड़ी पकाई गई है?
क्रिस्टियन ग्रे
जानकारी पाने का रसिया सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स,
इंक इसे कैसे पता?

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: हर जगह टांग अड़ाने वाले
डेट: 17 जून 2011 09:10
टू: क्रिस्टियन ग्रे
इंतजार करो। ये एक सरप्राइज है।
मुझे काम करने दो-तंग मत करना।
लव यू
एना

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: कुंठित
डेट: जून 17 2011 09:12
टू: एनेस्टेसिया स्टील
तुम मुझसे बातें छिपाती हो तो मुझे अच्छा नहीं लगता।
क्रिस्टियन ग्रे
सीईओ, ग्रे इंटरप्राइजिस होल्डिंग्स, इंक

मैंने अपने फोन को देखा। ई-मेल की भाषा से हैरानी हो रही है। वह ऐसा क्यों महसूस कर रहा है? मैं तो अपने एक्स की अश्लील तस्वीरें नहीं छिपा रही न?

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: तुम्हारी दीवानी
डेट: 17 जून 2011 09:14
टू: क्रिस्टियन ग्रे

यह तुम्हारे जन्मदिन के लिए है।
एक और सरप्राइज़।
इतने बदमिजाज मत बनो।
एना

उसने जवाब नहीं दिया और मैं भी इस बारे में ज्यादा गौर नहीं कर पाई क्योंकि मुझे एक मीटिंग में जाना था।

जब मैंने दोबारा घड़ी पर नज़र मारी तो मुझे एहसास हुआ कि दोपहर के चार बजे हैं। सारा दिन कहां गया? क्रिस्टियन की ओर से अब भी कोई मैसेज नहीं आया। मैंने उसे दोबारा ई-मेल करने की सोची।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: हैलो
डेट: 17 जून 2011 16: 03
टू: क्रिस्टियन ग्रे
क्या तुम मुझसे बात नहीं कर रहे?
भूलना मत कि मैं उस के साथ ड्रिंक लेने जा रही हूं और वह आज रात हमारे यहां रहेगा।
हमारे साथ आने के बारे में दोबारा सोचना।
एना

उसका जवाब नहीं आया तो मैंने थोड़ी बेचैनी महसूस की। उम्मीद करती हूं कि वह ठीक होगा। मैंने उसे वॉयस मेल भेजा। उसने कहा, 'ग्रे, संदेश छोड़ दें।'

"हाय... उम्म... मैं एना बोल रही हूं। क्या तुम ठीक हो? मुझे फोन करो।" मैंने संदेश भेज दिया। आज से पहले कभी ऐसा मौका नहीं आया। मुझे अपने मैसेज भेजने के तरीके से थोड़ी शर्म भी आई। वह मेरे बारे में क्या सोचेगा। कुछ भी अच्छी तरह नहीं कर सकती। पहले सोचा कि उसकी पी ए से बात करूं पर ये तो अति हो जाएगी। बेमन से अपना काम करती रही।

अचानक ही फोन बजा और मेरा दिल उछलने को हो गया। उसका फोन होगा!!

अरे ये तो केट निकली।

मेरी सबसे प्यारी सहेली केट!

वह फोन से ही चिल्लाई-"एना!"

"केट! तुम आ गईं? मुझे तुम्हारी कितनी याद आई।"

"मुझे भी। पता है, तुझे बहुत सारी बातें बतानी हैं। हम सी-टैक पर हैं यानी मैं और मेरा वो।" वह खिलखिलाई। अरे! वह तो ऐसा नहीं करती थी।

"कूल! मैंने भी तुझे बहुत कुछ बताना है।"

"फिर घर में मिलते हैं।"

"मैं ओसे के साथ ड्रिंक्स लेने जा रही हूं। वहीं मिलना।"

"ओसे आया है। पता मैसेज कर दे।"

"अच्छा!" मैं दमकी।

"एना! तू ठीक है?"

"हां, बढ़िया।"

"अब भी उसके साथ है?"

"हां।"

"अच्छा। मिलते हैं।"

"ओह! हां-हां मिलते हैं।" मैंने भी खीसें निपोर दीं। वह तो पूरी तरह से इलियट के रंग में रंगी हुई लग रही है।

वाह! केट आ गई है। मैं उसे यह सब कैसे बताने जा रही हूं? मैं लिख लूं ताकि कुछ भूल न जाऊं।

एक घंटे बाद ऑफिस का फोन बजा। क्रिस्टियन! नहीं क्लेयर है।

"एना! रिसेप्शन में तुझसे कोई मिलने आया है। यार! ये हॉट लड़के मिलते कहां हैं?"

"अरे ओसे आया होगा।" मैंने घड़ी देखी। पौने छह हो गए थे। जाने उसे कब से नहीं देखा।

"एना वाह! तू कितनी बड़ी-बड़ी और प्यारी दिख रही है।" उसने दांत निकाले।

क्योंकि मैंने चुस्त पोशाक पहनी है। जीसस!

उसने कस कर गले से लगा लिया। "तू लंबी हो गई है?"

"यार! हील पहनी है।"

उसने जींस, टी-शर्ट के साथ चेक की अलानेल कमीज पहनी है।

“मैं अपना सामान लाई और फिर हम जा सकते हैं।”

“अच्छा! मैं यहीं इंतजार करता हूं।”

मैंने भीड़ भरे बार में दो रोलिंग रॉक्स लिए और ओसे वाले मेज की ओर चल दी।

“क्रिस्टियन का घर मिल गया था?”

“हां, मैं अदंर नहीं गया। सर्विस लिफ्ट से ही तस्वीरें दे दी थीं। शायद कोई टेलर उन्हें ले गया। जगह तो अच्छी है।”

“हां, तुम अन्दर से देखना।”

“एना! लगता है कि सिएटल तुम्हें रास आ गया।”

हमने बोतलें टकराईं तो मैं लजा गई। मुझे सिएटल नहीं क्रिस्टियन रास आ गया है। “अच्छा शो कैसा रहा?”

वह दमका और सारी कहानी सुनाने लगा। बिकी हुई तस्वीरों से स्टूडेंट लोन उतार कर कुछ पैसे बच गए।

“मुझे पोर्टलैंड टूरिस्ट बोर्ड के लिए कुछ लैंडस्केप भी देने हैं।”

“ओह जोंस! पढ़ाई में बाधा तो नहीं आएगी?”

“ना! तुम्हारे अलावा, वहां से तीन और लोग चले गए, जिनके साथ मेरा वक्त बीतता था। अब मेरे पास वक्त ही वक्त है।”

“अच्छा जी! बिज़ी रखने के लिए कोई हॉट बेबीज़ नहीं हैं? पिछली बार तो उनसे घिरे खड़े थे।”

“अरे नहीं! वे मेरे लायक नहीं हैं।”

“वाह ओसे रॉड्रिज लेडी किलर!”

अचानक उसने विषय बदल दिया।

“ग्रे कैसा है?”

“अच्छा है। हम दोनों मजे में हैं।” मैंने कहा।

“सच्ची कह रही है?”

“हां”

“वह तेरे लिए ज्यादा बड़ा नहीं है?”

“ओह जोंस! पता है मॉम मेरे लिए कहती हैं कि मैं तो बुढ़िया ही पैदा हुई थी।”

जोंस ने एक तिरछी मुस्कान दी।

“मॉम कैसी हैं?” बात बदलते ही लगा कि हम खतरे से बाहर आ गए।

“एना!”

मुड़ते ही केट और ईथन दिखाई दिए। वह कितनी प्यारी दिख रही है। वह अपने चुस्त सफेद टॉप और सफेद जींस में कमाल की खूबसूरत दिख रही है। सबकी निगाहें केट पर हैं। मैं सीट से उछली और उसके गले लग गई। ओह! मैंने उसे कितना याद किया।

“एना! तेरा वजन इतना घटा हुआ क्यों दिख रहा है? क्या चल रहा है। उसने चिंतित मां की तरह पूछा। तेरी पोशाक अच्छी है। तुझे सूट कर रही है।”

“तेरे जाने के बाद बहुत कुछ हो गया। अकेले में बात करेंगे।” मैं अभी कैथरीन कैवेना के सवाल-जवाब के लिए तैयार नहीं हूं। उसने मुझे शक भरी निगाहों से देखा।

“तू ठीक तो है।” उसने पूछा।

“हां।” मैंने मुस्कान दी। हालांकि क्रिस्टियन का अता-पता मिल जाता तो मैं ज्यादा खुश होती।

“कूल।”

“हाय ईथन!” मैं उसे देखकर मुस्कुराई और उसने हौले से गले लगाया।

“हाय एना!” वह मेरे कान में बोला।

ओसे ने उसे देखकर त्यौरी चढ़ाई।

“ईया के साथ लंच कैसा रहा?” मैंने पूछा।

“ठीक रहा।” उसने जवाब दिया।

“ईथन तुम ओसे को जानते हो?”

“हां, हम पहले मिले हैं।”

मैंने कुछ देर बाद पाउडर रूम में जाकर क्रिस्टियन को मैसेज किया। शायद वह यहां आ जाए। उसका कोई फोन या मैसेज नहीं आया। वह तो ऐसा नहीं करता।

“एना! क्या हुआ।” मैं लौटी तो जोंस ने मेरा उतरा हुआ मुंह देखकर पूछा।

“क्रिस्टियन से संपर्क नहीं हो पा रहा।”

“ओह! वह ठीक ही होगा। चलो हम एक-एक बीयर और लेते हैं।”

केट आगे झुकी- "ईथन बता रहा था कि हमारे घर में क्रिस्टियन की कोई दोस्त गन के साथ घुस आई थी।"

"हां, मैंने माफी मांगने के अंदाज में कंधे झटके।" हे जीसस! ये सब बातें विस्तार से करनी होंगी।

"एना यह सब हो क्या रहा है?" केट ने कहा और अपना फोन देखा।

"हाय बेबी। हां-हां क्यों नहीं, ये लो।" केट ने अपना फोन बढ़ाते हुए कहा।

"इलियट तुमसे बात करना चाहता है।"

"मुझसे?"

"एना।" इलियट ने ठंडे स्वर में कहा और मेरा माथा ठनक गया।

"क्या हुआ?"

"क्रिस्टियन पोर्टलैंड से नहीं लौटा"

"क्या? तुम कहना क्या चाहते हो?"

"उसका हेलीकॉप्टर गुम हो गया है।"

चार्ली टैंगो? ये शब्द सुनते ही मेरे शरीर से जैसे जान ही निकल गई।

नहीं!

अध्याय 19

मैं मंत्रमुग्ध सी बैठी लपटों को घूर रही हूं। वे क्रिस्टियन के अपार्टमेंट में बने आतिशदान में नाच रही हैं और उनके किनारों पर संतरे और नीले रंग के शोले साफ देखे जा सकते हैं। अलाव की जलती आग और मेरे कंधों के आसपास लिपटे कंबल के बावजूद, मेरा पूरा शरीर सिहरा पड़ा है। मैं ठंड से जमी जा रही हूं।

मैं आसपास से आ रही फुसफुसाहटों को महसूस कर सकती हूं पर ऐसा लग रहा है कि वे कहीं दूर से आ रही हैं। मैं शब्दों को नहीं सुनती, केवल आग से निकलते स्वर पर ही पूरा ध्यान टिका रखा है।

मैं अचानक ही उस घर में पहुंच जाती हूं, जो हमने कल देखा था, जहां बड़े-बड़े आतिशदान थे। वहां सचमुच लकड़ी से आग जलती है। मैं क्रिस्टियन के साथ ऐसे ही जलते अलाव के आगे रात बिताना चाहती हूं। हां, सच में कितना अच्छा रहेगा। बेशक, वह इसे भी हमेशा की तरह यादगार बनाने के लिए कोई न कोई तरीका खोज ही लेगा। मैं याद कर सकती हूं कि उसके साथ तो वे पल भी यादगार हो जाते हैं, जब हम सही मायनों में शारीरिक संबंध बनाने के सिवा कुछ नहीं कर रहे होते। हां, वे पल भी शानदार होते हैं। *पर अभी क्रिस्टियन कहां है?*

लपटें सुंदर लग रही हैं और मन मोह रही हैं। वे मंत्रमुग्ध करना जानती हैं।

एनेस्टेसिया! तुमने मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया है!

जब वह मेरे साथ पलंग पर पहली बार सोया था तो उसने मुझसे ये शब्द कहे थे। अरे नहीं..

मैंने अपनी बांहों को कस कर अपने आसपास लपेट लिया और हकीक़त आंखों के आगे नाच उठी। चार्ली टैंगो कहीं खो गया है।

“एना!” मिसेज जोंस का दुलार भरा सुर मुझे कमरे में खींच लाया। उन्होंने मुझे एक कप चाय थमा दी। मैंने चाय थामी तो मेरे हाथ कंपकंपाने लगे।

“धन्यवाद!” मैंने रुंधे गले से कहा और रोके हुए आंसू गले में ही अटक गए।

ईया यू आकार के बने बड़े से काउच पर ग्रेस का हाथ थामे बैठी है। वे मुझे अपने प्यारे चेहरों के साथ दुख और पीड़ा भरी नज़रों से देख रही हैं। ग्रेस बूढ़ी लग रही हैं। अपने बच्चे के

लिए चिंतित एक मां की तरह! मैं उन्हें देखकर दिलासे से भरी मुस्कान भी नहीं दे पाती,

एक आंसू तक नहीं बहा पाती। मैंने इलियट, उस और ईथन को घूरा, वह सब नाश्ते की बार के पास खड़े गंभीरता से चर्चा कर रहे हैं। मिसेज जोंस ने खुद को रसोई में व्यस्त कर लिया है।

केट टी.वी. वाले कमरे में स्थानीय खबरें देख रही है। क्रिस्टियन ग्रे खो गए हैं! उसका प्यारा चेहरा बार-बार टी.वी. पर दिखाया जा रहा है।

अचानक ही एहसास हुआ कि उस कमरे में पहले कभी इतने लोग एक साथ नहीं आए वे सब कमरे के अलग-अलग हिस्सों में द्वीप बने खड़े हैं। वे सब मेरे क्रिस्टियन के लिए यहां हैं। वह अभी घर नहीं लौटा। यदि वह यहां होता तो उनके बारे में क्या सोचता।

टेलर और कैरिक अधिकारियों से बात करते हुए, हमें सूचनाएं दे रहे हैं पर सब बेकार! हकीकत यही है कि पिछले आठ घंटों से उसका कोई पता नहीं है। अभी अँधेरे की वजह से खोजबीन भी रोक दी गई है। कौन जाने कि वह कहां है। वह चोटिल या भूखा हो सकता है या फिर उससे भी कुछ बदतर?

मैंने मन ही मन जीसस से प्रार्थना की, "प्रभु! उसे ठीक रखना।" दिमाग में एक यही बात बार-बार मंत्र की तरह गूंज रही है। मैंने अब ज्यादा बदतर सोचने की बजाए उम्मीद की किरण को अपना लिया है। उसे कुछ नहीं होगा। वह सही-सलामत लौट आएगा।

तुम मेरी जीवन रेखा हो।

उसके ये शब्द मुझे छल रहे हैं। हां, एक उम्मीद हमेशा बाकी होती है। मुझे मायूस नहीं होना चाहिए। उसके शब्द मेरे दिमाग में गूंज रहे हैं।

"प्रभु! मैं अपनी बाकी जिंदगी उसके साथ बिताना चाहती हूं। उसकी जिंदगी छोटी मत करना। हमें अभी एक साथ बहुत सा वक्त चाहिए। हमारे पिछले सप्ताहों का संग-साथ यूं ही खत्म नहीं हो सकता। मुझे हम दोनों के बीच बीते एक-एक कोमल पल की याद सता रही है।

एना! मैं वही हूं। एना मैं तुमसे प्यार करता हूं। मुझे तुम्हारी ज़रूरत है। मुझे छुओ, प्लीज़!

मैं उससे इतना प्यार करती हूं कि उसके बिना मेरी जिंदगी में कुछ नहीं रहेगा। मैं एकसाया बन कर रह जाउंगी। नहीं, नहीं, नहीं! मेरा प्यारा क्रिस्टियन कहां है?

एना! ये मैं हूं। मैं पूरी तरह से तुम्हारा हूं। मैं तुम्हें इस बात का एहसास कैसे दिला सकता हूं। मैं कैसे यकीन दिला सकता हूं कि तुमसे कितना प्यार करता हूं।

मैंने आंखें खोलीं और आग को फिर से देखा। उसकी दिलकश अदाएं, उसका बचपना, उसकी जलन, उसकी सभ्यता, उसका नाचने का अंदाज, उसकी शांत और उम्मीद से भरी आंखें... सब आंखों के आगे तैर गया।

एनेस्टेसिया! मैं अपनी सारी दुनिया तुम्हारे कदमों में डाल दूंगा। मैं तुम्हें चाहता हूं, तुम्हारे शरीर... तुम्हारी आत्मा को चाहता हूं।

"उसे सही-सलामत रखना। वह इस तरह छोड़कर नहीं जा सकता। अब मेरी दुनिया भी उससे ही बंधी है।" अचानक की मुंह से एक सुबकी निकल गई तो मैंने मुंह पर हाथ रख लिया। मुझे मजबूत बनना होगा

ओसे अचानक वहां आ गया या पहले से खड़ा था, मैं समझ नहीं सकी।

"एना! अपनी मॉम या डैड से बात करना चाहती हो?" उसने पूछा।

"नहीं।" मैंने उसका हाथ थाम लिया। मैं बोल नहीं सकती। उसने अपने गर्म हाथ से भींचते हुए मुझे दिलासा देना चाहा।

"ओह मॉम!" यह नाम सुनते ही मेरे होंठ कांप उठे। क्या मुझे उन्हें फोन करना चाहिए? नहीं, पता नहीं वे कैसे पेश आएं। शायद रे से बात कर सकते हैं पर वे कभी भावुक नहीं होते।

ग्रेस लड़कों के पास गईं तो ईया उठकर मेरे पास आ गई और मेरा दूसरा हाथ थाम लिया।

"वह लौट आएगा" उसने मुझे दिलासा दिया। उसकी आंखें भी लाल हैं। उसका चेहरा पीला पड़ गया है।

मैंने ईथन को देखा, जो केट और इलियट को देख रहा है। रात के ग्यारह बजे से ज्यादा वक्त हो गया है। हर बीतते घंटे के साथ मेरा गला रुंधता जा रहा है। मैं ईया और जोंस का हाथ थामे, अपने-आप को बुरे से बुरे पलों के लिए तैयार कर रही हूं।

इस वक्त मैं सारी बातें भुलाकर, बस उसे अपनी आंखों के आगे देखना चाहती हूं। सुबह की तस्वीरों वाली बात कोई अहमियत नहीं रखती।

क्रिस्टियन लौट आओ। मैं चर्च जाऊंगी... मैं कुछ भी करूंगी।

"क्रिस्टियन!"

ग्रेस के इन शब्दों को सुनते ही मैंने दरवाजे की ओर देखा, जहां बिखरा-बिखरा सा क्रिस्टियन खड़ा दिखाई दिया। वह कमीज़ और सूट की पैंट में है। जूते-जुराबें और जैकेट हाथों में हैं। वह थका हुआ, गंदा और बला का सुंदर दिख रहा है।

"हाय! क्रिस्टियन आ गया!" वह ज़िन्दा है। मैं मन ही मन तय कर रही हूं कि ये मतिभ्रम है या हकीक़त?

वह भी हैरानी से सबको देख रहा है। उसने जैकेट और जूते नीचे रखे और ग्रेस को थाम लिया, जो उसके गले लगकर, गालों को चूम रही हैं।

"मॉम?"

"मैंने सोचा था कि शायद दोबारा तुम्हें देख भी नहीं पाऊंगी।" वे हौले से बोलीं

"मॉम! मैं तो आ गया हूं।"

"मैं आज हज़ारों मौतें मरी हूं।" वे धीरे से बोलीं और अपने आंसुओं को रोक नहीं सकीं। मैं नहीं जानती कि वह कैसा महसूस कर रहा है पर उसने मॉम को कस कर गले से लगा लिया है।

"ओह क्रिस्टियन!" वे ज़ोर-ज़ोर रोने लगीं और वह उन्हें गले से लगाए चुप कराता रहा। तभी कैरिक भी वहीं आ गए।

"वह जिंदा है। वह आ गया।" वे टेलर के ऑफिस से बाहर निकले। उनके हाथ में एक फोन है। उन्होंने दोनों को गले से लगा लिया और चैन की सांस ली।

"डैड?"

ईया भी उठकर भागी और उनके गले लग गई।

मेरे गालों से भी आंसू बहने लगे। वह आ गया है पर मैं हिल नहीं सकती।

कैरिक सबसे पहले पीछे हटे और उसके कंधे थपथपाए। फिर ईया और ग्रेस पीछे हो गए।

"सॉरी"

"हे मॉम! सब ठीक है।" उसने दिलासा दिया।

"तुम थे कहां? क्या हो गया था?" ग्रेस ने रोते हुए अपना सिर हाथों में दे दिया।

"मॉम।" उसने आगे आकर उनका माथा चूम लिया। मैं आ गया हूं। मैं सही-सलामत हूं। बस पोर्टलैंड से आने में वक्त लग गया।" उसने कमरे में ताका तो उसकी आंखें मेरी आंखों से आ टकराईं।

उसने ओसे को देखा तो उसने मेरा हाथ छोड़ दिया। उसका चेहरा कड़ा हो आया। मैंने चैन की सांस ली पर आंसू नहीं थमे। उसने अपना ध्यान मॉम पर लगा दिया।

"मॉम! क्या हुआ?"

"क्रिस्टियन तुम खो गए थे। तुम सिएटल नहीं आए। तुमने हमसे संपर्क नहीं किया।"

उसने हैरानी से भवें उठाईं, "दरअसल मैंने सोचा नहीं था कि मुझे आने में इतनी देर हो जाएगी।"

"तुमने फोन क्यों नहीं किया?"

"सेल में पावर नहीं थी।"

"तुम कहीं रुककर बात करते।"

"ओह! ये लंबी कहानी है।"

"क्रिस्टियन! आज के बाद मेरे साथ ऐसा मत करना। समझे?" वे तकरीबन चिल्लाईं।

"हां मॉम!" उसने अपने हाथ से उनके आंसू पोंछ दिए और फिर से गले लगाया। जब वे शांत हुईं तो उसने ईया को गले से लगाया, जिसने उसकी छाती पर चपत जमा दी। "तुमने हमें चिंता में डाल दिया था।" वह भी रो रही थी।

"मैं आ तो गया हूं।" क्रिस्टियन बोला।

इलियट आगे आया तो क्रिस्टियन ने ईया को कैरिक के हवाले कर दिया, जो अभी ग्रेस को भी संभाल रहे थे।

"तुम्हें देखकर अच्छा लगा।" इलियट बोला और गले लगा। साफ दिख रहा था कि वह किसी तरह अपने भावों को छिपा रहा था। उसने क्रिस्टियन के पिछवाड़े पर धौल जमाकर उसे हैरान कर दिया।

मेरा चेहरा आंसुओं से तर है और पूरा कमरा नि:स्वार्थ स्नेह से भीग गया है।

देखो क्रिस्टियन! ये सब तुम्हें कितना प्यार करते हैं। शायद अब तुम यकीन करने लगो।

केट भी मेरे पास खड़ी, मेरे बाल सहला रही है।

"एना! वह आ गया है।" उसने मुझे दिलासा दिया।

"मैं अब अपनी लड़की को हाय बोलने जा रहा हूं।" क्रिस्टियन ने माता-पिता से कहा और वे मुस्कुराकर पीछे हो गए।

वह आगे आया। उसकी आंखों से प्यार ही प्यार छलक रहा है। मैं हिम्मत जुटा रही हूं कि किसी तरह खड़ी हो कर, उसकी खुली हुई बांहों में सिमट जाऊं।

"क्रिस्टियन!" मैंने सुबकी भरी।

"चुप!" उसने मेरे बालों का सूंघते हुए गहरी सांस ली। उसने हौले से मेरा आंसुओं से भीगा चेहरा चूम लिया।

"हाय"

"हाय!" मैंने जैसे ही बोला, गले में जैसे कुछ अटक सा गया।

"मुझे याद किया?"

"ज़रा सा।"

वह हंसा। उसने अपने हाथ से मेरे बहते आंसू पोंछ दिए।

"मैंने सोचा-मैंने सोचा।" मेरा गला रुंध गया।

"मैं देख सकता हूं। चलो, अब चुप करो... मैं आ गया हूं... आ गया हूं न!" वह हौले से बोला और फिर चूम लिया।

"क्या।"

"तुम ठीक हो। मैंने उसकी छाती, बाजू और कमर को छूते हुए पूछा। मैं उसके शरीर की गरमाहट को महसूस कर सकती हूं।" उसने मुझे दिलासा दिया कि वह बिलकुल ठीक है।

"क्या तुम्हें भूख लगी है? खाने के लिए कुछ लाऊं?"

"हां"

मैं जाने लगी तो उसने मुझे अपने से सटा लिया और ओसे की तरफ हाथ बढ़ाया।

"मि. ग्रे!"

"मुझे क्रिस्टियन कहें।" वह बोला।

"ओह! क्रिस्टियन स्वागत है! मुझे खशी है कि तुम ठीक-ठाक हो। अपने घर में रखने के लिए मेहरबानी...।" जोंस बोला।

"कोई बात नहीं!" क्रिस्टियन ने कहा और अचानक हमारी नज़र मिसेज जोंस पर गई, जो अचानक पास आकर खड़ी हो गई थीं और टिशू पेपर से आंसू पोंछ रही थीं।

"मि. ग्रे! क्या मैं कुछ ला सकती हूं?"

"हां गेल! एक बीयर दे दो और खाने को कुछ ला दो।" क्रिस्टियन ने बड़े ही लगाव से मुस्कान दी।

मैं अपने दुख के बीच देख नहीं सकी थी कि मिसेज जोंस भी उसके लिए परेशान थीं। वे भी आंसू बहा रही थीं। मैंने जाना चाहा तो क्रिस्टियन ने जाने नहीं दिया। मैं उसके लिए कुछ करना चाहती थी।

तभी गेल बीयर की बोतल और गिलास ले आईं। क्रिस्टियन ने गिलास के लिए मना करते हुए, बोतल ही थाम ली।

बाकी परिवार भी वहीं आ गया। उसने ईथन से हाथ मिलाया और केट के गाल पर हल्का सा चुंबन दिया।

"तुम बीयर से ही काम चला लोगे?" इलियट ने हैरानी से कहा।

"वैसे तुम्हें हुआ क्या था, मुझे डैड ने कॉल किया कि तुम्हारा चॉपर खो गया है?"

"इलियट!" ग्रेस ने फटकारा।

"हेलीकॉप्टर!" क्रिस्टियन ने गुस्से से कहा और बाकी लोग मुस्कराने लगे शायद परिवार का कोई पुराना चुटकुला है।

"चलो बैठो, फिर बताता हूं।" सबकी आंखें उस पर लगी थीं। उसने बीयर से घूंट भरा। दरवाजे से टेलर ने सिर हिलाया और क्रिस्टियन ने पूछा।

"तुम्हारी बेटी?"

"ठीक है सर!"

"झूठी खबर थी।"

"अच्छा।" क्रिस्टियन मुस्कुराया।

"सर, आपके लौटने से खुशी हुई। कुछ और काम होगा?"

"हमें हेलीकॉप्टर उठवाना होगा।"

"ये काम अभी होगा या सुबह करना होगा?"

"टेलर! ये काम सुबह ही करेंगे।" उसने कहा।

टेलर ने प्यारी सी मुस्कान दी और शायद अपने ऑफिस में लौट गया।

क्रिस्टियन अपनी कहानी सुनाने लगा। वह चार्ली टैंगो में रॉस के साथ जा रहा था। मैं चुपचाप बैठी उसके हाथ को हाथों में लिए घूर रही हूं।

"रॉस ने कभी माउंट सेंट हेलेन्स नहीं देखा इसलिए वापसी पर हमने छोटा रास्ता अपनाने की सोची। हम ज़मीन के तल से करीब दो सौ फुट की ऊंचाई पर थे कि अचानक इंस्टयूमेंट पैनल में रोशनी दिखी। जहाज की पूंछ में आग लग गई थी और हमारे पास ज़मीनी संपर्क व इलेक्ट्रानिक्स काटने के सिवा कोई विकल्प नहीं था। हमने उसे सिल्वर लेक के पास उतारा। रॉस को निकाला और आग बुझाने की कोशिश की।"

"आग? दोनों इंजनों में?" कैरिक घबरा गए।

"हां।"

"शिट! पर मैंने सोचा।"

"हां, किस्मत अच्छी थी हमारी उड़ान नीची ही थी।" उसने अपनी बांह का घेरा मेरे आसपास डाल दिया।

"ठंड लग रही है?" मुझसे पूछा और मैंने इंकार में सिर हिलाया।

"तुमने आग कैसे बुझाई?" उन्होंने पूछा।

"हमारे पास आग बुझाने के यंत्र थे।"

"तुमने कॉल नहीं किया या रेडियो का इस्तेमाल क्यों नहीं किया?" ग्रेस ने पूछा

"हमारे पास रेडियो नहीं था और ऑन करने से आग भड़कने का डर था। फोन का जीपीएस काम कर रहा था जिससे हमने नजदीकी सड़क का पता लगाया। वहां तक पैदल जाने में चार घंटे लगे। रॉस के जूते ऊंची एड़ी के थे।"

"हमारे पास सेल का इंतज़ाम नहीं था। दोनों के फोनों की बैटरी भी बंद हो गई थी।"

"हाय!" मैं एकदम परेशान सी लगी तो उसने मुझे गोद में खींच लिया।

"तो सिएटल कैसे आए?" ग्रेस ने हम दोनों को इस तरह देखकर पलकें झपकाईं और पूछा।

"हमने अपने पैसे गिने। हमारे पास छह सौ डॉलर निकले पर एक ट्रक ड्राइवर ने लिफ्ट दे दी और घर छोड़ गया। उसने पैसे भी नहीं लिए और अपना खाना भी हमारे साथ बांटा। ज़रा देखो, उसके पास फोन तक नहीं था। कितनी हैरानी की बात है न?" क्रिस्टियन ने आश्चर्य से कहा।

"इधर हमारी जान निकल रही थी।"

"भाई! आज तो तुम ख़बर बन गए।"

क्रिस्टियन ने आंखें नचाईं, "हां, बाहर रिसेप्शन पर कुछ फोटोग्राफर देखकर मैं समझ गया था कि मीडिया को भी शामिलकर लिया गया है। सॉरी मॉम! मुझे रास्ते में कहीं रुककर फोन करना चाहिए था पर घर आने की हड़बड़ाहट में कुछ याद ही नहीं रहा।"

अच्छा! क्योंकि ओसे यहां था इसलिए घर आने की इतनी जल्दी थी। मैंने मन ही मन सोचा।

ग्रेस ने गर्दन हिलाई। "तुम सही-सलामत लौट आए। मेरे लिए तो यही बहुत है।"

मैं उसकी छाती से लग कर थोड़ा संभलने लगी थी पर आंखों में दोबारा कृतज्ञता के आंसू उमड़ आए थे। मैं दुनिया की सबसे भीनी गंध, अपने क्रिस्टियन की गंध के बीच घिरी बैठी थी।

कैरिक को अब भी दोनों इंजनों में आग वाली बात पर हैरानी हो रही थी।

क्रिस्टियन ने मेरी ठोडी थामकर कहा, "रोना बंद भी करो।"

मैंने उल्टे हाथ से नाक पोंछा और बोली, "तुम भी गायब होना बंद करो।"

"इलेक्ट्रानिक फेल! यह बात सुनने में कुछ अजीब नहीं लगती।" कैरिक बोले।

"हां, मैं भी यही सोच रहा था। पर अभी तो मैं सोना चाहता हूं। इन सारी बातों के बारे में कल विचार करूंगा कि आखिर यह हुआ कैसे होगा?"

"तो मीडिया जान ले कि मि. ग्रे सही-सलामत घर लौट आए हैं।" केट ने कहा।

"हां, एंड्रिया और मेरे पी आर वाले संभाल लेंगे। रॉस ने उसे फोन किया होगा"

"हां, वह भी कह रही थी कि तुम जिंदा मिल जाओ तो उसे भी बता दिया जाए।" कैरिक ने मजाक किया।

"मुझे उस औरत को प्रमोशन देनी चाहिए। पर अभी तो बहुत रात हो गई है।" क्रिस्टियन बोला।

"भले लोगों! ज़रा गौर करें, मेरा भाई आपको उठने का संकेत दे रहा है। उसे नींद लेनी है। रात बहुत हो गई है।" इलियट ने कहा और क्रिस्टियन ने उसे देखकर मुंह बिचकाया।

"कैरी! मेरा बेटा ठीक है। अब तुम मुझे घर ले जा सकते हो?"

"हां, अब हम भी चैन से सो सकते हैं।" कैरिक ने कहा।

"यहीं सो जाओ।" क्रिस्टियन ने कहा।

"नहीं स्वीट हार्ट! अब मैं घर जाना चाहती हूं।"

क्रिस्टियन ने मुझे बेमन से छोड़ा और काउच से खड़ा हो गया । ग्रेस ने एक बार फिर गले मिलते हुए, अपना सिर उसकी छाती से टिकाते हुए, आंखें मूंद लीं। क्रिस्टियन ने उनके आसपास बांहों का घेरा डाल दिया।

जब सभी जाने लगे तो हम उन्हें बरामदे तक छोड़ने गए। मेरे पीछे से ईया और ईथन के आपस में बातें करने की धीमी आवाजें आ रही थीं पर पता नहीं चला कि वे क्या बात कर रहे थे

केट ने मुझे कसकर गले से लगाया, "मेरी बारबाडोस यात्रा के दौरान यहां बहुत कुछ घट गया लगता है। तुम दोनों ही एक-दूसरे के दीवाने हुए पड़े हो। शुक्र है कि वह ठीक-ठाक है। एना! मैं तुम दोनों के लिए बहुत खुश हूं।"

"थैंक्स केट।" मैंने धीरे से कहा।

"हां। किसे पता था कि हमें अपना प्यार एक ही वक्त पर मिलेगा और वह भी दो भाईयों से!" वह हंसने लगी।

हां, हम दोनों आपस में देवरानी-जेठानी हो सकती हैं।

मैं उस वक्त केट को बता नहीं सकती थी कि मुझे शादी का प्रस्ताव मिल चुका था।

"आओ बेबी!" इलियट ने उसे पुकारा।

"एना! कल बात करते हैं। आज तुम थक गई होगी।"

"हां केट! तुम भी तो लंबे सफर से आई हो।"

हम एक बार गले मिले और सभी चले गए।

हम अन्दर गए तो ओसे गलियारे में ही मंडरा रहा था।

"अच्छा! आप लोग आराम करें... मैं भी चला।"

"तुम्हें पता है कि कौन से कमरे में जाना है?" क्रिस्टियन ने पूछा।

"हां, मिसेज जोंस ने बता दिया था।"

क्रिस्टियन ने उसे गुडनाइट कहा और मिसेज जोंस के पास कुछ खाने चल दिया।

ओह! मैं वहां ओसे के साथ अकेली खड़ी हूं।

"ओसे! तुम्हारे दिलासे के लिए मेहरबानी"

"एना! जब भी तुम्हारा ये अमीर और हॉट दोस्त खो जाए तो मैं दिलासा देने के लिए तैयार मिलूंगा।"

"ओसे!" मैंने उसे फटकारा

"मज़ाक कर रहा हूं। नाराज़ मत हो। कल सुबह जल्दी निकलूंगा। हम फिर कभी मिलेंगे। ठीक है?"

"हां! ओसे, आज रात के लिए सॉरी!"

"तुम्हें सॉरी बोलने की क्या जरूरत है?"

उसने मुझे एक मुस्कान दी और कमरे में चला गया।

क्रिस्टियन काउच पर बैठा मुझे ही ताक रहा है। अब हम दोनों को मुश्किल से एकांत मिला है।

"वह अब भी तुम पर मरता है। समझीं?" वह बोला।

"मि. ग्रे! आप कैसे कह सकते हैं?"

"मिस स्टील! मैं भी इन लक्षणों से गुज़र चुका हूं इसलिए सब समझता हूं।"

"मुझे तो लगा था कि दोबारा तुम्हें देख ही नहीं सकूंगी।" मेरे मुंह से निकल गया

मेरे मन के सारे डर, इसी वाक्य के साथ बाहर आ गए। मैंने उसके जूते और जैकेट वहां से लिए और आगे आई।

"अरे! तुम रहने दो। मैं उठा लूंगा।"

क्रिस्टियन भी मुझे ऐसे ही देख रहा है मानो मैं ही उसकी जिंदगी की आखिरी आस हूं। उसने मुझे कसकर अपने से लिपटा लिया।

"क्रिस्टियन!" आंखों में फिर से आंसू झिलमिला उठे।

"एना! जब मैंने चार्ली को उतारा तो उस समय मेरे दिमाग में केवल तुम ही थीं। तुम तो मेरा जादुई तिलस्म हो। शायद तुम्हारी वजह से ही आज मैं बचा हूं।"

हम दोनों एक-दूसरे के गले लगे, दिलासे दे रहे हैं। मैंने हाथ में पकड़े जूते नीचे लुढ़का दिए और उसे कस कर जकड़ लिया।

"आओ, एक साथ नहाते हैं।" उसने कहा।

"एना स्टील! तुम इन आंसुओं के बीच भी कितनी प्यारी दिख रही हो।" उसने मुझे चूमा और बोला, "तुम्हारे होंठ भी कितने मुलायम हैं।"

ओह! मैंने बाकी सब बातों को भुला कर, अपने-आप को उसे सौंप दिया।

"मुझे अपनी जैकेट नीचे रखनी है।"

"इसे गिरा दो।" मैंने हौले से कहा।

"मैं ऐसा नहीं कर सकता।" क्रिस्टियन बोला।

"पर क्यों?" मुझे हैरानी हुई।

उसने जेब से वह छोटा पैकेट निकाला और बोला, "मैं इसलिए जैकेट नीचे नहीं फेंक सकता था। उसने पैकेट को काउच पर रख दिया।"

एना! तुम उसे अभी खोलने को कह सकती हो। तकनीकी रूप से आधी रात हो गई। उसका जन्मदिन तो शुरू हो गया। भीतर बैठी लड़की ने राय दी।

"इसे खोल दो।" मैंने धड़कते दिल से कहा।

"मैं भी यही सुनने की उम्मीद में था। मैं भी इसे देखने को बेताब हूं।"

उसने अपने हुनरमंद हाथों से पैकेट खोलने में देर नहीं की। उसे एक छोटा आयताकार प्लास्टिक का की चेन दिखाई दिया, उस पर बनी तस्वीर के छोटे पिक्सल किसी एलईडी स्क्रीन की तरह ऑन ऑफ हो रहे थे। चाबी के छल्ले पर सिएटल के आकाश को दिखाने के साथ, बड़े-बड़े अक्षरों में सिएटल लिखा भी था।

उसने उसे एक पल के लिए घूरा और उसके माथे पर हल्की-सी सिकुड़न आ गई।

"इसे पलटो।" मैंने अपनी सांस रोकते हुए, हौले से कहा।

उसने ऐसा ही कहा और उसकी आंखें मेरी आंखों से मिलीं जिनमें बहुत सारी खशी और हैरानी एक साथ दिखी। उसके होंठ अविश्वास से खुले रह गए।

चाबी के छल्ले पर 'हां' शब्द जलती-बुझती बत्तियों के बीच जगमगा रहा था।

"हैप्पी बर्थडे!" मैं हौले से बुदबुदाई।

अध्याय 20

"तुम मुझसे शादी करोगी?" वह हौले से बुदबुदाया।

मैंने घबराकर हामी भरी। बेशक उसकी प्रतिक्रिया ऐसी ही तो होनी थी। वह समझता क्यों नहीं कि मैं उससे कितना प्यार करती हूं।

"अपने मुंह से दोहराओ।" उसने हुक्म दिया।

"हां, मैं तुमसे शादी करूंगी।" वह आगे आया और किसी उमंग से भरपूर युवा की तरह मुझे बांहों में भरकर यहां-वहां झुलाने लगा। अरे! वह तो अक्सर ऐसा बर्ताव नहीं करता। आज उसका उछाह थामे नहीं थम रहा। मैंने उसे बांहों से थाम लिया और मैं अपने हाथों से उसकी फड़कती मांसपेशियों को महसूस कर सकती हूं। उसकी हंसी की छूत मानो मुझे भी लग गई है। मैं एक ऐसी लड़की बन गई हूं, जो अपने आशिक के नशे में पूरी तरह से चूर हो, जिसे दुनिया में किसी और चीज़ की परवाह न रही हो। उसने मुझे उठाकर एक गोल चक्कर दिया और नीचे उतारकर, दोनों हाथों में मेरा चेहरा भर लिया। उसकी आंखें एक अलग सी खुशी से चमक रही हैं।

"बेबी! भले ही कितने चार्ली टैंगो बिगड़ जाएं पर वे मुझसे तुमसे दूर नहीं कर सकते।"

"चार्ली टैंगो के बारे में तो मैंने सुना था कि बहुत ही बढ़िया यूरोकॉप्टर है पर आज हुआ क्या?" उसके चेहरे पर भी कुछ अनजान से साए लहराते दिखाई दिए। क्या वह मुझे कुछ बताएगा? मैंने उसकी आंखों में झांका।

"एक मिनट! यह तो तुमने मुझे डॉ. की भेंट से पहले ही दे दिया था।" उसने चाबी के छल्ले को हाथ में लेकर कहा।

"ओह! वह बात को कहां ले जा रहा है? मैंने सीधा-सा मुंह बनाकर सिर हिलाया।

उसका मुंह खुला का खुला रह गया।

मैंने कंधे झटके। "मैं तुम्हें एहसास दिलाना चाहती थी कि भले ही डॉ. जो भी कहे, मैं तुम से ही शादी करूंगी।"

क्रिस्टियन ने आश्चर्य से पलकें झपकाईं। "तो कल शाम, जब मैं तुमसे जवाब मांगता रहा तो वह मेरे पास पहले से ही था।" वह मायूस हो गया। मैंने मुस्कुराते हुए उसकी प्रतिक्रिया

भांपनी चाही। उसने बालों में हाथ फिराए तो मैं समझ गई कि अब तो..

"तो मुझे इतनी परेशानी में रखा? मिस स्टील! मेरे साथ ही ऐसा खेल?" उसकी आंखें एक दुष्टता से चमक उठीं और चेहरे पर वही जाने-पहचाने भाव आ गए। लगता है कि मुझे मेरी गलती की बड़ी हसीन सजा मिलने वाली थी।

मैं सावधानी से एक कदम पीछे हट गई।

"मुझसे भागना चाहती हो"

"अच्छा जी! तो मैं तुम्हें अभी धर पकडूंगा।" उसकी आंखें एक आंनदी भाव से दमक रही हैं। मैंने एक और कदम भरते हुए भागना चाहा पर बेकार रहा। उसने मुझे एक ही झटके में जकड़ लिया और मैं खुशी और हैरानी से चिल्लाई। उसने मुझे कंधे पर लादा और नीचे हॉल में ले गया।

"क्रिस्टियन!" मैंने हौले से कहा। हालांकि जोंस तक हमारी आवाज़ नहीं जा सकती पर हमें याद तो रखना होगा कि आज हम अकेले नहीं हैं। मैंने हिम्मत करते हुए, उसके पिछवाड़े पर धौल जमा दी। उसने भी ठीक वही किया।

"आउच!" मैं चिल्लाई।

"नहाने का वक्त हो गया।" उसने कहा।

"मुझे नीचे उतारो।" मैंने कहा पर यह तो मुझे भी पता था कि वह मनमानी करने में विश्वास रखता है। अगर वह नीचे नहीं उतारना चाहता तो नहीं उतारेगा। पता नहीं क्यों मुझे जोरों की हंसी आने लगी।

"मुझे नीचे उतारो।"

"मिस स्टील! आपका हुक्म सिर आंखों पर!" उसने मुझे बाथरूम में जाकर उतारने की बजाए मेरे जूते उतार दिए, जो तेज आवाज़ के साथ नीचे आ गिरे। फिर उसने अपनी जेब से बंद फोन, चाबियां, पर्स और की-चेन निकालकर रखा और मुझे बाथरूम में ठंडे पानी की बौछार के नीचे कर दिया।

"क्रिस्टियन!" मैं जोर से चिल्लाई।

ओह! पानी ठंडा है और मैं पूरी तरह से भीग गई हूं। सारे कपड़े गीले होने के बावजूद मेरी हंसी नहीं रुक रही। इस बार जोर से चिल्लाई तो उसने नीचे उतार दिया। उसकी अपनी सफेद कमीज़ और सूट की पैंट भी भीग गए हैं। उसने अपने दोनों हाथों में मेरा चेहरा थामा और एक चुंबन दिया। उसके यह चुंबन इतना प्यारा और मीठा है कि मैं भीगने का एहसास भी भूल गई हूं। अब गर्म पानी की बौछार के नीचे हम दोनों! बस इस दुनिया में कोई और नहीं है। वह लौट आया है, वह सही-सलामत है, वह मेरा है।

मेरे हाथों ने उसकी कमीज़ को पीछे खींच दिया जिससे उसकी छाती के बाल दिखने लगे। उसके मुंह से आह निकली पर उसके होठों से मेरे होंठ अलग नहीं हुए।

मैंने बटन खोले तो उसने जिप खोल कर मेरी पोशाक नीचे सरका दी। उसकी जीभ, मेरी जीभ से अठखेलियां कर रही है और मेरा पूरा शरीर उसके लिए तरस उठा। मैंने उसकी कमीज पकड़कर खींची तो कई बटन टूट कर गिर गए। मैंने उसे धकेलते हुए दीवार से सटा दिया और कमीज बेड़ियों की तरह उसकी कलाई में अटक गई।

"अच्छा! मुझे जकड़ लिया पर कफलिंक तो खोलो।"

मैंने गर्म पानी की बौछार के नीचे, उसके कफलिंक खोले और उन्हें नीचे गिरने दिया। शर्ट उसके बदन से अलग हो गई और उसकी आंखें उस गर्म पानी की तरह ही सुलग रही हैं। वह लगातार मुझे देखे जा रहा है। उसने मेरी गर्दन के पास वाले हिस्से से गीले बाल हटाए और अपनी जीभ से उस हिस्से को चूमने व चूसने लगा।

वह धीरे-धीरे मुझे पोशाक से अलग करता गया और चुंबनों की बौछार जारी रही।

"तुम कितनी सुंदर हो।"

मेरी बाजुएं, मेरी पोशाक व अंतर्वस्त्रों में उलझी हैं। मैंने अपने-आप को आगे किया और उसके हवाले कर दिया। मैं चाहती हूं कि वह मेरे बदन से खेले। मैं उसके उभार को महसूस कर सकती हूं। पर वह मुझे अपनी पैंट क्यों नहीं उतारने दे रहा?

जब उसके हाथ मेरे वक्षस्थल से खेलने लगे तो मेरी सारी सोच बदल गई और मैं इस नए आंनद के बीच झूमने लगी। उसने मुझे चूमते हुए, सारे कपड़े इस तरह उतारे कि वे उसकी कमीज के पास, नीचे एक ढेर में बदल गए।

मैंने वहां रखा बॉडी वॉश उठा लिया। मैंने जैल को हाथों में लिया और उसकी छाती के पास ले जा कर अपना अनकहा प्रश्न दोहराया। वह जान गया कि मैं क्या करना चाहती थी। उसने मुझे देखकर आगे बढ़ने का संकेत दिया।

मैंने साबुन लिया और उसकी छाती पर मलने लगी। वह स्थिर खड़ा रहा। एक ही पल बाद, उसके हाथों ने मेरे नितंबों को जकड़ लिया पर उसने मुझे अपने और पास खींच लिया।

"क्या यह ठीक है?" मैंने हौले से पूछा

हां। मुझे याद आ गया कि हम दोनों ऐसे ही कितनी बार एक साथ नहा चुके हैं पर अब मैं उसे छू सकती हूं। मैंने उसके शरीर के एक-एक हिस्से को बड़े ही आराम से साफ किया और मेरे हाथ उसकी पैंट की बेल्ट पर आकर टिक गए।

"मेरी बारी।" उसने वहां रखा शैंपू उठाया और अपने हाथों में ले लिया।

उसने अपने हाथों में लगे शैंपू को मेरे बालों में लगाया और अपनी लंबी अंगुलियों से मालिश सी करने लगा। ओह! इतने तनाव के बाद मुझे यही चाहिए था।

मैंने उसकी हंसी सुनकर एक आंख खोली तो वह बोला।

“तुम यही चाहती थीं न?”

“हम्म?”

“मैं भी!” उसने मेरा माथा चूम लिया और मेरे माथे व सिर की मालिश सी करने लगा। “घूम जाओ।” मैंने वही किया, जो उसने कहा था।

ओह! मेरे सिर में उसकी अंगुलियों का स्पर्श! क्या इससे प्यारा एहसास भी कोई होता होगा? फिर उसने मुझे पानी की बौछार के नीचे कर दिया।

“अपना सिर पीछे कर लो।”

मैंने उसका काम खत्म होने के बाद कहा, “मैं तुम्हें हर जगह से नहलाना चाहती हूं।”

उसने मुस्कुराते हुए हाथ खड़े कर दिए मानो कहा रहा हो कि मैं तुम्हारा हूं, चाहे जो मर्जी कर लो।

मैंने एक ही पल में बाकी कपड़े उसके शरीर से अलग कर दिए और स्पंज व बॉडी वॉश उठा लिया।

“ओह! ऐसा लगा कि आपको मुझे देखकर खुशी हुई है।”

“मिस स्टील! मुझे तो हमेशा आपको देखकर खुशी होती है।”

मैंने स्पंज पर साबुन लगाकर उसे, उसके शरीर के हर हिस्से की यात्रा पर रवाना कर दिया और फिर मेरा स्पंज..

ओह! मैं उसकी इन नज़रों को पहचानती हूं। जब वह मुझे ऐसे देखता है तो... मेरे भीतर बैठी लड़की बहुत रोने-बिसूरने के बाद गहरे लाल रंग की लिपस्टिक लगाए सामने खड़ी है।

अचानक ही उसे कुछ याद आ गया। आज तो शनिवार है! वाह!”

उसने इतना गहरा चुंबन दिया कि मुझे सांस लेना भारी पड़ने लगा और उसके हाथ मेरे शरीर पर बड़ी तेजी से रेंगने लगे। उसने एक हाथ से मेरे गीले बालों को थाम रखा है। उसकी अंगुलियां ...।

“आह!” मैंने सिसकारी भरी।

“हां। बेबी, अपनी टांगें मेरे आसपास लपेट लो।” मैं उसकी गर्दन से लिपट गई। उसने मुझे फव्वारे की दीवार से सटा दिया और घूर-घूर कर देखने लगा। मैंने पलकें मूंदीं तो आदेश

आया।

“आंखें खोलो, मैं तुम्हें देखना चाहता हूं।”

उसने मुझे देखते-देखते मेरे शरीर पर अपना अधिकार कर लिया और मैं उसकी त्वचा के स्पर्श से खिल उठी। वह एकबारगी थमा और बोला, “एनेस्टेसिया! तुम मेरी हो।”

“हमेशा! हमेशा तुम्हारी!”

उसने एक विजयी मुस्कान दी और बोला, “अब चूंकि तुमने हां कह दिया है इसलिए हम सबको यह बात बता सकते हैं।” उसने मेरे मुंह को अपने हाथों से थामा और धीरे-धीरे हिलने लगा। मैं और मेरा मैन! बस इस दुनिया में हम दोनों के सिवा कोई नहीं है। मैंने अपने शरीर को उसके शरीर की हिलती लय और ताल के हवाले कर दिया है।

उसके दांत मेरे जबड़े, ठोडी और गर्दन के आगे पीछे घूम रहे हैं। मैं उसके साथ से मिले इस भरेपन के एहसास में मग्न हूं और मेरा पूरा शरीर मानो उसके आसपास खिलता जा रहा है।

आज मैं उसे खो सकती थी... मैं उससे प्यार करती हूं... मैं उसे कितना प्यार करती हूं..। मैं अचानक ही उसके लिए प्यार और भावों से घिर गई। मैं अपनी सारी जिंदगी इस इंसान को प्यार करते हुए बिता दूंगी। मैंने इसी सोच के साथ चरम सुख की सीमा को अनुभव किया और उसका नाम ले कर चिल्लाई। मेरे गालों से आंसू लुढ़कने लगे।

वह भी मेरे साथ ही पार उतरा और मुझे सराबोर कर दिया। वह अपना चेहरा मेरी गर्दन में गड़ाए, फर्श पर ही लुढ़क गया, उसने मुझे कसकर जकड़ा हुआ है। मेरे चेहरे और गालों पर पानी से बहते आंसुओं को चूम रहा है।

“मेरी अंगुलियां तो देखो, पानी से सिकुड़ गई हैं।” वह मेरी अंगुलियों को एक-एक कर चूमने लगा।

“हमें अब पानी से बाहर आना चाहिए।”

“मैं यहीं ठीक हूं।” मैंने उसकी टांगों के बीच बैठते हुए कहा और उसने मुझे थाम लिया।

पर कुछ ही मिनटों में मुझे थकान महसूस होने लगी।

पिछले सप्ताह में इतना कुछ घट गया है। लोगों की पूरी जिंदगियों में इतना सब नहीं होता होगा और अब मैं शादी करने जा रही हूं। न चाहने पर भी होठों से हंसी निकल पड़ी।

“मिस स्टील! किस बात से इतनी खुश हैं?” उसने प्यार से पूछा।

“यह सप्ताह कितना व्यस्त रहा?”

उसने खीसें निपोरीं।

"हां, सो तो है।"

"शुक्र है मि. ग्रे कि आप सही-सलामत लौट आए।"

"मैं भी डर गया था।" उसने अपने दिल की बात कही।

"पहले?"

"हां।"

"तो तुमने परिवार को शांत करने के लिए कहानी को बदल कर पेश किया?"

"हां। मैं लैंडिंग के लिहाज़ से बहुत नीचे था पर किसी तरह बात बन गई"।

"हाय! कितनी देर का उतर पड़ा था।"

मेरी आंखें नम हैं। "एना! बस कुछ ही सेकेंड की देर और होती तो... मुझे तो लगा था कि तुम्हें दोबारा नहीं देख सकूंगा।"

मैंने उसे कसकर गले से लगा लिया।

"क्रिस्टियन! मैं तुमसे इतना प्यार करती हूं कि तुम्हारे बिना जीने की कल्पना तक नहीं कर सकती।"

"मैं भी।" उसने उसांस भरी। "तुम्हारे बिना मेरा जीवन कितना खाली रह जाता। मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूं। तुम्हें कभी अपने से दूर नहीं जाने दूंगा।"

"मैं भी तुमसे दूर नहीं जाना चाहती।" मैंने उसकी गर्दन चूमी और उसने मुझे चूम लिया।

एक पल के बाद वह मुड़ा और बोला, "चलो, तुम्हें सुखा दूं। तुम कितनी थकी लग रही हो और मैं भी पस्त हूं।"

मैंने उसके शब्दों के चयन पर अपनी गर्दन एक ओर झुकाई और उसने भी ऐसा ही किया।

"मिस स्टील! कुछ कहना चाहती हैं?"

मैंने गर्दन हिलाई और लड़खड़ाते पैरों से खड़ी हो गई।

मैं पलंग पर बैठी हूं। क्रिस्टियन ने मेरे बाल सुखाने का आग्रह किया। वह इस काम में माहिर है। सुबह के दो बजे हैं और मैं सोने को तैयार हूं। क्रिस्टियन पलंग पर बैठने से पहले, हाथों में की-चेन को ले कर उलट-पुलट रहा है। उसने एक बार फिर से अपनी गर्दन हिलाई मानो उसे यकीन न आ रहा हो।

"ये कितना प्यारा है। मुझे आज तक जन्मदिन का ऐसा तोहफ़ा नहीं मिला। यह तो मेरे हस्ताक्षर किए हुए, गुईसपी डि नटाले के पोस्टर से भी कहीं बेहतर है।"

"मैं तुम्हें पहले ही बता देती पर तुम्हारा जन्मदिन आ रहा था... किसी ऐसे बंदे को दे भी क्या सकते हैं, जिसके पास सब कुछ हो। मुझे लगा कि मैं तुम्हें... अपना-आप ही दे दूं।"

उसने मुझे पीठ की ओर से बांहों में कसा और पलंग पर लेटकर बोला।

"ये बिल्कुल बढ़िया है। तुम्हारी ही तरह!"

"क्रिस्टियन! मैं कोई बढ़िया या संपूर्ण नहीं एक आम इंसान हूं।"

उसने मेरे बालों में नाक फिराया।

"क्रिस्टियन! तुम पोर्टलैंड से जल्दी इसलिए आना चाहते थे क्योंकि मैं यहां जोंस के साथ अकेली थी इसलिए तुम्हें फोन तक करने का होश नहीं रहा।"

उसने कुछ नहीं कहा।

मैंने मुड़कर देखा, "हद हो गई। क्या तुम नहीं जानते कि आज तुमने मुझे और अपने परिवार को कितना कष्ट दिया है। हम तुम्हें कितना प्यार करते हैं।"

उसने पलकें झपकाईं और शर्मीली सी मुस्कान के साथ बोला, "मुझे अंदाजा भी नहीं था कि तुम सब इतने परेशान हो जाओगे।"

मैंने होंठ भींच लिए, "तुम्हारे मोटे भेजे में यह बात कब आएगी कि हम सब तुम्हें कितना चाहते हैं।"

"मोटा भेजा।" उसकी आंखें हैरानी से फैल गईं।

"मोटा भेजा?"

"जी हां।"

"मुझे तो नहीं लगता कि मेरा भेजे की हड्डियां ज्यादा मोटी हैं।"

"मैं गंभीर हूं। मेरी बात का मज़ाक मत करो। मैं अब भी नाराज़ हूं। शुक्र है कि तुम सही-सलामत लौट आए हो... जब मैं सोचती हूं, सोचती हूं... तुम जानते हो कि मेरे मन का डर क्या था?"

उसकी आंखें मुलायम हो आईं।

"माफ़ कर दो न प्लीज़!"

"तुम्हारी बेचारी मॉम! मैं तो उन्हें तुमसे मिलते देखकर भावुक हो उठी थी।"

"हां, मैंने भी उन्हें कभी इस रूप में नहीं देखा। हां, अक्सर वे अपने पर काबू रखती हैं पर आज तो...।"

“देखा? सब तुम्हें कितना प्यार करते हैं? अब तो तुम्हें इस बात पर यकीन करने लग जाना चाहिए।” मैंने आगे झुककर उसे एक चुंबन दिया और कहा, “हैप्पी बर्थ-डे क्रिस्टियन! मुझे खुशी है कि आज यह दिन मनाने के लिए हम दोनों साथ हैं। वैसे तुमने देखा नहीं है कि मैंने तुम्हारे कल के लिए क्या इंतज़ाम किया है...मतलब आज के लिए!”

“और भी कुछ है...?”

“जी हां, मि. ग्रे! पर आपको उसके लिए इंतज़ार करना होगा।”

मैं अचानक ही किसी बुरे सपने से जगी। नब्ज़ तेज चल रही है। मैंने मुड़कर देखा तो उसे आराम से सोता पाया। मेरे मुड़ने से, वह भी हिला और मेरे ऊपर अपनी बाजू रखते हुए, कंधे पर सिर टिका दिया।

कमरे में रोशनी है। सुबह के आठ बजे हैं। क्रिस्टियन तो कभी इतनी देर तक नहीं सोता। मैंने अपने धड़कते दिल को काबू किया। क्या ये पिछली रात का असर है?

मैंने देखा। वह आ गया है। वह सुरक्षित है। मैंने गहरी सांस के साथ उसके प्यारे से चेहरे को निहारा।

वह नींद में तो और भी कम उम्र दिखता है। आज वह एक साल और बड़ा हो गया है। मैंने अपने उपहार को याद करते हुए, खुद को गले से लगा लिया। ओह......वह सुनकर क्या करेगा? शायद मैं उसका नाश्ता यहीं ले आऊं। पर जोंस भी तो यहीं है।

मैंने जोंस को बार स्टूल पर नाश्ता करते पाया। मैं उसे देखते ही लजा गई। वह जानता है कि मैंने अपनी रात क्रिस्टियन के साथ बिताई है। मैं इतना क्यों शरमा रही हूं। कपड़े तो पहने हुए हैं। मैं अपनी साटिन की पोशाक में हूं।

“मोर्निंग जोंस!”

“हे एना।” उसके चेहरे पर किसी तरह के चिढ़ाने या मज़ाक उड़ाने के भाव नहीं हैं।

“नींद बढ़िया आई?” मैंने पूछा।

“हां, बहुत अच्छा व्यू दिखता है।”

“हां। ये जगह खास है। इस घर के मालिक की तरह!”

“अच्छा सा नाश्ता करना चाहोगे? आज क्रिस्टियन का जन्मदिन है।”

“हां, क्यों नहीं”

“मैं उसके लिए पलंग पर ही नाश्ता ले जा रही हूं।”

“वह उठ गया।”

"नहीं, कल की थकान है।" मैं झट से किचन में चल दी ताकि उसे मेरे गुलाबी गाल न दिखें।

"तुझे बहुत पसंद है न?" जोंस ने कहा।

"जोंस! मैं उससे प्यार करती हूं।"

उसकी आंखें फैल गईं- "उससे प्यार न करने वाली कोई बात तो हो ही नहीं सकती।"

उसने कमरे की ओर संकेत किया।

"जोंस!!!"

"ओह एना! मज़ाक कर रहा हूं।"

हम्म! क्या मुझे हमेशा अपनी इस सोच का सामना करना होगा कि क्या मैं उससे पैसे के लिए शादी कर रही हूं?

"सच्ची, मज़ाक कर रहा हूं। तू उन लड़कियों में से नहीं है जो किसी के पैसे पर मरती हैं।"

"ऑमलेट ठीक रहेगा।" मैं और बहस नहीं करना चाहती थी।

"बिल्कुल।"

"और मेरे लिए?" क्रिस्टियन ने कमरे में कदम रखते हुए कहा। हाय! वह सिर्फ पैजामे में है, जो उसके नितंबों से झूल रहा है।

"जोंस!" उसने गर्दन हिलाई।

"क्रिस्टियन!"

क्रिस्टियन मुझे देखकर दबी हंसी हंसा और मैंने उसे देखकर आंखें सिकोड़ीं। वह जानता है कि वह क्या कर रहा है और मुझे वहां के माहौल को संभालना भारी पड़ गया।

"मैं तो तुम्हारे लिए वहीं नाश्ता बनाकर ला रही थी।"

उसने मेरी ठोडी उठाई और एक बड़ा-सा गीला चुंबन दे दिया। हाय! ये तो ऐसे नहीं करता था।

"गुडमोर्निंग एना!" मैं चाहती थी कि उसे जरा आराम से पेश आने को कहूं पर आज उसका जन्मदिन है। आज तो वह कुछ भी कर सकता है।

"मैं अपने दूसरे उपहार के इंतज़ार में था।" उसने कहा और मेरा चेहरा लाल हो गया। जोंस को देखकर लगा कि उसके गले में कुछ अटक गया हो। मैं मुड़ी और नाश्ता बनाने लगी।

"तो जोंस! आज के क्या प्लान हैं?" क्रिस्टियन ने बारस्टूल पर बैठकर पूछा।

"मैं अपने डैड और एना के डैड, रे से मिलने जा रहा हूं।"

क्रिस्टियन ने त्यौरी चढ़ाई।

"वे एक-दूसरे को जानते हैं?"

"हां, वे सेना में एक साथ थे। मैं और एना कॉलेज में मिले तो उनकी दोस्ती फिर से शुरू हो गई। वे पक्के दोस्त हैं और हम एक साथ मछली पकड़ने जा रहे हैं।"

"मछली पकड़ने?"

"हां, तटीय पानी में अच्छी मछली मिलती है।"

"सही कहा, मैंने और मेरे भाई इलियट ने एक बार पैंतीस पाउंड की मछली पकड़ी थी।"

ये मछली पकड़ने की बात कर रहे हैं। इसमें ऐसा क्या खास है। मैं तो कभी नहीं समझी।

"अच्छा जी! वैसे एना के डैड का तैंतालीस पौंड का रिकॉर्ड रहा है।"

"मज़ाक कर रहे हो। उन्होंने कभी बताया तो नहीं?"

"वैसे जन्मदिन मुबारक हो।"

"ओह थैंक्स! मछली पकड़ने कहां जाओगे?"

मैं बात के दायरे से बाहर आ गई। मैंने क्या लेना है? खैर क्रिस्टियन ने भी देख लिया कि जोंस इतना बुरा भी नहीं है।

जोंस जाने को हुआ तो वे दोनों आपस में काफी सहज हो गए थे। क्रिस्टियन ने टी-शर्ट और जींस बदली और हमारे साथ बरामदे तक आया।

"मुझे यहां रखने के लिए धन्यवाद।" जोंस ने उससे कहा।

"कभी भी आ सकते हो।" क्रिस्टियन मुस्कुराया।

जोंस ने एक छोटी सी गलबांही दी। "एना अपना ध्यान रखना।"

"हां। अगली बार मिलकर धमाल करेंगे।"

"वादा रहा।" उसने कहा और लिफ्ट से उतर गया।

"देखा, वह इतना बुरा भी नहीं है।"

"एना! वह अब भी तुझ पर मरता है पर दोष उसका भी नहीं है।"

"क्रिस्टियन ये सच नहीं है।"

"तुम्हें क्या पता है। वह तुम पर जानोदिल से फ़िदा है।"

"क्रिस्टियन वह एक दोस्त है। बस एक अच्छा दोस्त!" और अचानक ऐसा लगा कि मैं भी उसी सुर में बोल रही हूं, जिस सुर में क्रिस्टियन एलीना की बात करता है। इस सोच ने मन कसैला कर दिया।

क्रिस्टियन ने हाथ उठाते हुए हथियार डालने का अभिनय किया। "मैं लड़ना नहीं चाहता।"

ओह! हम कोई लड़ थोड़ी रहे हैं।

"तुमने उसे बताया नहीं कि हम शादी करने वाले हैं?"

"नहीं। पहले मॉम और रे को बताना चाहती हूं।" शिट! मैंने यह बात कहने के बाद पहली बार इस बारे में सोचा है। मेरे मां-बाप क्या कहेंगे?

क्रिस्टियन ने हामी दी। "एना! तुम सही कह रही हो। मुझे तुम्हारे पिता से पूछना चाहिए।"

"क्रिस्टियन! ये अठारहवीं सदी नहीं है।"

हाय! रे क्या कहेंगे, मैं खुद भी सोचकर डर सी गई।

"ये पारंपरिक तरीका है।" उसने कंधे झटके।

"चलो बाद में बात करेंगे। पहले अपना तोहफ़ा तो ले लो।" मैं उसका ध्यान बंटाना चाहती थी। मेरे उपहार की बात दिमाग में कचर-कचर मचा रही है। आत्मा पर भारी पड़ रही है। जितनी जल्दी उसकी प्रतिअिर्या मिल जाए, उतना ही बेहतर होगा।

उसने मुझे लजीली सी मुस्कान दी और मेरा दिल पिघल गया। क्या मैं कभी इसकी मुस्कान से अघा सकती हूं?

"तुम अपना होंठ काट रही हो।" उसने मुझे अंगुली से छुआ।

पूरे शरीर में सनसनी-सी दौड़ गई। मैं कुछ कहे बिना, उसे हाथ से थामकर अन्दर लेगई। मैंने दो गिअट बॉक्स निकाले।

"दो?" उसने हैरानी से कहा।

मैंने गहरी सांस ली। ...."मैंने कल वाली घटना से पहले लिया था इसलिए अब इसके बारे में यकीन से नहीं कह सकती...।" मैंने उसे पार्सल पकड़ा दिए।

"क्या मैं खोल सकता हूं?"

क्रिस्टियन ने बॉक्स खोला तो मैंने धीरे से कहा।

चार्ली टैंगो।

वह मुस्कराने लगा। उस बॉक्स में छोटा-सा लकड़ी का हैलीकॉप्टर था, जिसमें सौर अर्जा से चलने वाला, रोटर ब्लेड लगा था। उसने उसे खोला।

"सौर अर्जा? वाह।" इससे पहले कि मैं कुछ कहती। वह पलंग पर बैठकर उसे जोड़ने लगा। फिर उसने उसे हथेली पर रख कर देखा। नीले रंग का लकड़ी का हैलीकॉप्टर। उसने मुझे बच्चों के से उत्साह से देखा और अपना हाथ खिड़की की ओर कर दिया। धूप मिलते ही उसका ब्लेड घूमने लगा।

"ये देखो।" वह बड़े ही दिल से उसे देखने लगा। वाह! क्या तकनीक है। वह सब भुलाकर उसे देखे जा रहा है। वह क्या सोच रहा है।

"पसंद आया।"

"बहुत पसंद आया एना! थैंक्स।"

उसने मुझे चूमा और उसे देखकर बोला। "इसे अपने ऑफिस में ग्लाईडर के साथ रख दूंगा।" उसने धूप से हाथ हटाया तो ब्लेड घूमने बंद हो गए।

मुझे जान कर खुशी हुई कि उसे अपना उपहार पसंद आया। मुझे पता है कि उसे वैकल्पिक तकनीकों से कितना लगाव है। मैं खरीदने की हड़बड़ाहट में यह बात भूल गई थी। उसने उसे दराज में रखा और मेरी ओर मुड़ा।

"जब मैं चार्ली टैंगो को बचाने जाऊंगा तो इसे साथ रखूंगा।"

"क्या उसे बचाया जा सकता है?"

"देखो, पता लगेगा।"

"मैं उसे बहुत याद करूंगा।"

मुझे उसे इस तरह देखकर जलन महसूस हुई। भीतर बैठी लड़की ने मुंह बनाया और हंसने लगी। मैंने उसे अनदेखा कर दिया।

"दूसरे बॉक्स में क्या है?" उसने बच्चों की तरह उमगते हुए पूछा।

"हाय! पता नहीं, ये उपहार तुम्हारे लिए है या मेरे लिए?"

"मतलब?" उसकी दिलचस्पी और बढ़ गई। उसने उसे हिलाया तो हमने भीतर से किसी सामान की आवाज़ सुनी। उसने मुझे ताका

"तुम इतनी घबराई हुई क्यों हो?" उसने हैरानी से पूछा।

मैंने कंधे झटक दिए और उसने अपनी भवें सिकोड़ीं।

“मिस स्टील! तुम मुझे हमेशा हैरानी में डाल देती हो।” उसने बड़े ही आराम से बॉक्स खोला तो उसमें से एक छोटा-सा कार्ड निकला। बाकी चीजें एक टिश्यू में लिपटी थीं। उसकी आंखें अचानक ही मेरी आंखों से जा टकराईं। मैं समझ नहीं पाई कि उनमें हैरानी थी या सदमा! कार्ड में लिखा था ।

“तुम्हारे साथ सख्ती से पेश आ सकता हूं।” वह हौले से बोला और मैंने अपना थूक निगला। उसने अपनी गर्दन एक और झुका ली। फिर बॉक्स के सामान को देखने लगा। हल्के नीले टिश्यू को फाड़ा तो उसमें से आंखों पर लगाने वाला मास्क, निप्पल क्लैंप्स, बट्ट प्लग, आई पॉड और सिल्वर ग्रे टाई निकले और साथ ही उसके प्लेरूम की चाबियां भी थीं।

उसने मुझे अजीब सी नज़रों से देखा। हाय! लगता है कि मैंने अच्छा नहीं किया।

“तुम खेलना चाहती हो?” उसने पूछा।

“हां।” मैंने आखिरकार सांस ले ही ली।

“मेरे जन्मदिन की खुशी में?”

“हां।” मैं इससे धीमा बोल सकती थी क्या?

उसके चेहरे पर कई तरह के भाव तिर आए। वैसे मुझे उससे ऐसी प्रतिक्रिया की उम्मीद नहीं थी।

“क्या तुम यकीन से कह सकती हो। उसने पूछा

“कोड़े और छड़ियों के बिना।”

“मैं समझता हूं।”

“हां, फिर तो मैं यकीन से कह सकती हूं।”

उसने अपनी गर्दन हिलाई और बॉक्स के सामान को फिर से देखने लग।

“सेक्स की दीवानी मिस स्टील! खैर, हम इन चीज़ों से बहुत कुछ कर सकते हैं।” इस बार उसने मुझे ताका तो उसकी आंखों के भाव बदल गए थे। वह कितना अजीब-सा दिखने लगा। उसने अपना हाथ मेरी ओर बढ़ाया।

“अभी!” इस बार यह उसकी ओर से विनती नहीं थी। मेरे पेट की मांसपेशियां ऐठने लगीं।

मैंने अपने हाथ को उसके हाथ में दे दिया।

“आओ।” उसने हुक्म दिया। मैं उसके साथ सोने के कमरे में आ गई। मेरा दिल उछल कर बाहर आने को तैयार था। मेरे भी पूरे शरीर में वासना सुलग उठी थी।

अध्याय 21

क्रिस्टियन प्लेरूम के बाहर ठिठक गया।

"क्या तुम यकीन से कह सकती हो?" उसने उत्सुकता से भरी निगाहों से पूछा।

"हां।" मैंने हौले से कहा।

"क्या कुछ ऐसा है, जो तुम नहीं करना चाहतीं?"

मैंने कुछ सोचकर कहा, "मैं नहीं चाहती कि तुम उस हाल में मेरी तस्वीरें लो।"

वह ठिठका और फिर सिर हिलाते हुए दरवाजा खोल दिया।

उसने वह बॉक्स दराज पर रखा और उसमें से आई-पॉड निकालकर चला दिया। पूरे कमरे में संगीत गूंज उठा। उसने उसे धीमे सुर में लगा दिया। कमरे में किसी महिला गायिका का बहुत ही मधुर स्वर सुनाई देने लगा।

क्रिस्टियन ने पास आकर मेरे होंठ को दांतों की कैद से आज़ाद कर दिया।

"एना! तुम क्या करना चाहती हो?" उसने मेरे मुंह के कोने को चूम लिया।

"आज तुम्हारा जन्मदिन है। जो तुम कहो।" उसने अपने अंगूठे को मेरे निचले होंठ पर फिराया।

"हम यहां इसलिए हैं क्योंकि तुम्हें लगता है कि मैं यहां आना चाहता था।" उसने कहा।

"नहीं, मैं भी यहां आना चाहती थी।"

"मिस स्टील! फिर तो बहुत सी संभावनाएं हैं।" पहले आपके कपड़े उतारने से शुरूआत करते हैं। उसने मेरा चोगा उतारा तो सिल्क की नाईट पोशाक दिखने लगी।

"तुम धीरे-धीरे अपने कपड़े उतार दो।" उसने हुक्म दियाा।

मैं तो अभी से पिघली जा रही हूं। भीतर बैठी लड़की का मन कुलांचे भर रहा है। मैंने अपनी पोशाक को उसकी आंखों के आगे खुल कर नीचे गिरने दिया। मेरी पोशाक पैरों के पास ढेर हो गई। मैं उसके सामने निर्वस्त्र खड़ी हांफ रही हूं।

क्रिस्टियन आगे गया और दराज से अपनी टाई उठा लाया। उसने टाई को मेरी ओर लहराया। मेरे चेहरे पर मुस्कान खेल गई।

मुझे लगा कि वह टाई से मेरे हाथ बांधेगा पर जब उसने उसे मुझे गले में पहना दी तो मुझे हैरानी हुई। वह बोला

"मिस स्टील! अब आप अच्छी लग रही हैं।" उसने होठों पर छोटा-सा चुंबन दिया पर मैं तो और चाहती हूं।

"अब हम तुम्हारा क्या करें?" उसने टाई पकड़कर ऐसे खींची कि मैं उसकी बांहों में जा गिरी। उसने मेरे बाल अपने हाथों में भरे और मुझे गहरा चुंबन दिया। दूसरा हाथ मेरे बदन से बेहिचक खेलता रहा। उसके इस चुंबन ने मेरे होंठ सुजा दिए थे।

फिर वह प्यार से बोला, "घूम जाओ।" उसने मेरी चोटी गूंथ कर बालों को ऊंचा कर दिया।

"एना! तुम्हारे बाल बहुत प्यारे हैं।" उसने मेरे गले को चूम लिया।

"बस तुम्हें स्टॉप कहना है। याद है न?"

"हां।"

वह मुझे बड़े दराज के पास ले गया।

"एना! ये बट्ट प्लग साइज़ में बड़ा है और तुम पहली बार ऐसा करने जा रही हो इसलिए ये काम नहीं आएगा। हम इससे शुरूआत करेंगे।" उसने अपनी अंगुली दिखाई।

ओह! उसकी अंगुली!! मेरे दिमाग में अनुबंध में लिखी बात घूम गई। मुट्ठी का प्रयोग पर शायद उसने मेरे मन की बात पढ़ ली और बोला।

"बस एक अंगुली।"

"और ये क्लैंप नहीं, हम इनका इस्तेमाल करेंगे।" वे दिखने में बड़े काले हेयर पिन जैसे लगे। उसने बताया कि उन्हें एडजस्ट किया जा सकता था।

ओह मेरा सेक्सुअल मेंटर!! वह तो मुझसे बहुत सी बातें ज्यादा जानता है।

"ठीक है।" उसने पूछा।

"हां।" मेरा गला सूख गया। क्या तुम मुझे बताने जा रहे हो कि तुम क्या करना चाहते हो?"

"नहीं। एना, ये कोई सीन नहीं है। पहले से तय नहीं किया है।"

"मुझे कैसे पेश आना चाहिए?"

"जैसे तुम्हारा मन चाहे।"

"एना! क्या तुम्हें मेरा बदला रूप पसंद आया।"

"हां! मुझे यह अच्छा लगा।"

"एना! मैं तुम्हारा डॉमीनेंट नहीं, प्रेमी हूं। मैं तुम्हारी हंसी और खिलखिलाहट सुनना चाहता हूं। मैं तुम्हें खुश और निश्चिंत देखना चाहता हूं। वही लड़की जो जोंस की तस्वीरों में है। वही लड़की जो मेरे ऑफिस में आई थी। वही लड़की, जिसे देखते ही मुझे प्यार हो गया था।"

मेरा मुह खुला रह गया। ओह! मैं खुशी से मर न जाऊं।

वह दराज से कुछ निकाल कर मेरे आगे आ गया।

"आओ।" वह मुझे मेज के पास ले गया। मैं काउच के पास से निकली तो देखा कि छड़ियां गायब थीं। क्या कल वे यहां थीं? क्या क्रिस्टियन ने हटाईं? मिसेज जोंस ने? उसने मेरी सोच में बाधा दी।

"मैं चाहता हूं कि तुम मेज पर घुटनों के बल बैठ जाओ।" उसने कहा।

ओह अच्छा। ये करना क्या चाहता है? मेरे भीतर बैठी लड़की तो सब कुछ करने को तैयार है। उसे कोई दिक्कत नहीं है।

"अपने हाथ पीछे। मैं उन्हें बांधने लगा हूं।"

उसने जेब से चमड़े ही हथकड़ियां जेब से निकाल लीं। ओह! इस बार वह मुझे कहां ले जाएगा।

उसके साथ कितना मदमस्त है। ये बंदा मेरा पति होने वाला है। ऐसे पति का साथ...? मैंने अपनी जीभ से उसके चेहरे की दाढ़ी और मुलायम त्वचा को एक साथ महसूस किया।

उसने आंखें बंद कीं और फिर बोला।

"ऐसे मत करो वरना सब कुछ हमारी उम्मीद से जल्दी खत्म हो जाएगा।"

"ओह! तुम्हें देखकर रहा नहीं जाता।"

"तुम मुझे तंग मत करो। वरना मुंह भी बंद कर दूंगा।"

"मुझे ऐसा करना अच्छा लगता है।"

"मैं तुम्हारी पिटाई लगा दूंगा।"

"ओह! अच्छा जी।" कुछ समय पहले तक मैं उसकी इस धमकी से डर जाया करती थी। अब उसे पता है कि मैं नहीं डरती। मैंने शरारती सी मुस्कान दी।

"ठीक से पेश आओ।" उसने भी शरारत से कहा।

मैं क्रिस्टियन की गंध को महसूस करती रही। काश मैं उसकी सुगंध को बोतल में भर सकती।

मैंने सोचा कि वह मेरी कलाइयों में हथकड़ियां लगाएगा पर उसने उन्हें मेरी कोहनी से ऊपर जकड़ दिया। इस तरह मेरी पीठ मुड़ गई और छातियां आगे की ओर आ गईं। फिर वह मुझे देखने लगा ।

“आरामदेह महसूस कर रही हो?”

फिर उसने पिछली जेब से एक मास्क निकाला।

उसने मेरी आंखों पर मास्क लगाते हुए कहा। “बस अब तुमने बहुत देख लिया।”

वाह! मैं यहां घुटनों के बल, मेज पर बंधी बैठी हूं। पर फिर भी ये सब इतना कामोत्तेजक क्यों लग रहा है?

उसके संगीत की धुन मेरे शरीर में भी थिरक रही है।।

क्रिस्टियन पीछे हट गया। वह क्या लेने गया होगा। वह दराज से कुछ निकाल कर लाया। चीज़ तो नहीं दिखी पर उसकी भीनी महक पूरे कमरे में फैल गई है।

“मैं अपनी मनपसंद टाई खराब नहीं करना चाहता।” उसने उसे धीरे-धीरे खोल दिया।

उसकी टाई खराब कैसे हो जाएगी? मैं समझी नहीं।

ओह! अचानक उसने अपने हाथों से मेरे शरीर को मलना शुरू कर दिया। अब समझ आया मेरी मालिश के लिए कोई तेल निकाला गया था। अब इसके बाद क्या उम्मीद की जा सकती है।

उसने धीरे-धीरे शरीर के हर अंग को उस भीनी महक वाले तेल और अपने हाथों के स्पर्श का जादू दिखाया। वह जानबूझकर मेरे वक्षस्थल को नहीं छू रहा। मैं चाहती हूं कि उसके हाथ वहां भी पहुंचें।

“ओह एना! तुम कितनी सुंदर हो।” उसने मेरे होंठ चूमे और मेरी गर्दन पर अपनी नाक से स्पर्श किया।

“और जल्द ही तुम मेरी पत्नी बन जाओगी।”

ओह!

“मैं तुम्हें जी भर कर प्यार और खुशियां दूंगा।”

जीसस!

“अपने शरीर से तुम्हारी पूजा करूंगा।”

मैंने अपना सिर उठाकर सिसकारी भरी। उसकी अंगुलियां शरीर के गुप्तांगों तक जा पहुंची हैं।

“मिसेज ग्रे।” उसने हौले से कहा।

मैंने आह भरी।

“हां।”

“अपना मुंह खोलो।”

उसने मेरे होंठों में एक धातुनुमा चीज़ डाल दी। वह किसी बच्चे के निप्पल जैसी महसूस हो रही है। इसके कोने में शायद एक चेन है। ये काफी बड़ी है।

“इसे चूसो। मैं इसे तुम्हारे अन्दर डालने जा रहा हूं।”

“मेरे अन्दर? कहां?

“नहीं, रुको मत।” मैं चिल्लाना चाहती हूं पर मेरा मुंह बंद है। उसने अब तेल लिया और मेरे वक्षस्थलों पर मलने लगा।

“एना! तुम्हारा एक-एक अंग कितना सुडौल है।” ओह अचानक मुझे अपने निप्पल पर हल्के दबाव का एहसास हुआ। उसने क्लैंप लगा दिया।

आह! मैं अभी इसी एहसास में मग्न थी कि उसने दूसरा क्लैंप भी लगा दिया।

“इसे महसूस करो।”

मैं कर रही हूं। मैं कर रही हूं।

“मुझे इसे वापिस दे दो।” मैंने मुंह से उस चीज़ को निकाल दिया।

उसने अपने हाथों को मेरे पूरे शरीर पर फिराया और बोला, “मैं इसे तुम्हारे शरीर के पिछले हिस्से में डालना चाहता हूं।” उसके हाथ मेरे नितंबों के आसपास तेल से मालिश करने लगे।

ओह!

“चुप!” उसने उस चीज़ को भीतर धकेल दिया और मुझे गहरा चुंबन दिया। मैंने हल्की-सी आवाज़ सुनी और वह वस्तु मेरे भीतर हौले से घूमने लगी। मैं इस अनूठे एहसास को बयां नहीं कर सकती।

“क्रिस्टियन!”

ओह यह क्या! मेरा पूरा शरीर झूम रहा है। मैं उस एहसास को दबा नहीं पा रही। ये मुझ पर छाता जा रहा है। ...क्या मैं इसे संभाल सकूंगी।

"एना! डरो मत। इसे महसूस करो।" उसके हाथ अब मेरी कमर पर हैं। मेरा पूरा शरीर चरम सुख की सीमाओं की ओर जा रहा है। उस वाईब्रेशन और निप्पलों पर क्लैंप्स के दबाव के कारण, बहुत ही अलग सा एहसास मिल रहा है। वह अब भी तेल से मेरे शरीर की मालिश कर रहा है।

"कितनी सुंदर।" उसने एक और अंगुली मेरे शरीर के पिछले हिस्से में डाल दी। ओह! ये क्या? उसके होंठ मेरे चेहरे को चूम रहे हैं। वह दांतों से मेरी त्वचा को हल्का-हल्का काट रहा है।

मैं एक अनजाने से रहस्य लोक में पहुंच गई हूं। मैं अब सह नहीं सकती। मैं चिल्लाई और चरम सुख को अनुभव किया। मेरे पूरे शरीर में गहरी सनसनाहट फैली हुई है। उसने वे क्लैंप उतारे और मेरे वक्षस्थल एक मीठे से दर्द के एहसास से घिर गए। उसकी अंगुली अपना काम करती रही। ओह! मेरा पूरा शरीर थरथराने लगा तो उसने मुझे कसकर बांहों में जकड़ लिया।

"नहीं... !" जैसे ही उसने उस वाईब्रेटर को मेरे भीतर से निकाला तो एक हथकड़ी भी खोल दी। मैं उसके कंधे पर सिर रख कर लुढ़क गई। मैं पूरी तरह से बेदम हूं और अपनी ही दुनिया में खोई हूं। उसने मास्क उतार दिया पर मेरी आंखें खोलने की हिम्मत नहीं हो रही। उसने मेरे बालों की चोटी खोली और आगे आकर होंठ चूम लिए। पूरे कमरे में मेरी उखड़ी सांसें गूंज रही हैं।

उसने मुझे उठाया और पलंग पर पड़ी साटिन की चादर पर लिटा दिया। कुछ ही देर में वह तेल से मेरी जांघों, घुटनों और कंधों की मालिश करने लगा। जब मैंने आंखें खोलीं तो पाया कि वह मुझे ही देख रहा था।

"हाय! कैसा रहा?"

मैंने उसे देखकर मीठी-सी मुस्कान दी।

हाय जीसस!

"हां, मुझे लगा कि आज तो तुम मुझे इतना आनंद देने वाले हो कि मैं मर ही जाउंगी।"

"हां, क्यों नहीं। वैसे तो और भी बहुत से तरीके हैं। पर तुम जो कहोगी, वही होगा।"

मैंने अपने दोनों हाथों में उसका चेहरा थाम लिया। "तुम मुझे इस तरह कभी भी मार सकते हो।"

मैंने देखा कि वह भी अपने कपड़े उतार चुका था और मेरे पास आने के लिए तैयार था उसने मुझे चूमा और बोला, "मैं यह करना चाहता हूं।"

उसने संगीत ऑन करने के लिए रिमोट उठाया और कमरे में गिटार की धुन गूंज उठी।

मैंने उसके साथ एक बार फिर उस आनंद लोक की यात्रा की। मैंने उन पलों में उसके साथ गहरा भावात्मक लगाव महसूस किया। मैं पूरी तरह से उसकी हो गई हूं। उसमें ही खो गई हूं। पहली बार मुझे एहसास हुआ कि उसे मेरी कितनी परवाह रहती है। वह मुझे हर हाल में सलामत रखना चाहता है। यही तो उसका प्यार है।

चार्ली टैंगो की बात याद आते ही मेरी रूह कांप उठी। अगर उसे कुछ हो जाता तो-मैं उससे कितना प्यार करती हूं। मेरे आंसू बहने लगे। मैं उसे हर रूप में चाहती हूं। वह हर रंग में मेरा है। मैं जानती हूं कि हम एक-दूसरे को अच्छी तरह नहीं जानते, बहुत से मुद्दे अभी सुलझाने हैं पर एक दूसरे को जानने के लिए पूरी जिंदगी पड़ी है।

"हे!" उसने अपनी सांसें संभालने के बाद कहा।

"तुम रो क्यों रो रही हो?"

"क्योंकि मैं तुम्हें बहुत प्यार करती हूं।" उसने अधमुंदी आंखों से मेरी शब्दों को सुना और वे प्यार से दमक उठीं।

"एना! मैं तुमसे प्यार करता हूं। तुम मेरी अधूरी जिंदगी को पूरा बना देती हो।" उसने मुझे प्यार से चूम लिया।

हम लाल साटिन की चादर में लिपटे, जाने कब तक बतियाते रहे।

हम केट को लेकर मज़ाक करने लगे। उसने हंसते हुए कहा, "शुक्र है कि उस दिन केट मेरा इंटरव्यू लेने नहीं आ सकी वरना तुम मुझे कैसे मिलतीं।"

"हां, उसे फ्लू हो गया था। तुम्हें उसका एहसानमंद होना चाहिए।" मैं भी हंस दी।

"आज सब कैसा लगा?" उसने पूछा।

"बहुत अच्छा। बस मैं वे कोड़े और छड़ियां नहीं सह सकती।"

"मैं जानता हूं कि वे तुम्हारे लिए कठोर सीमा रहेंगी। क्या तुम चाहती हो कि मैं भी उन चीज़ों को भुला दूं।"

"हां, पर तुम्हारे अलॉगर और वाईब्रेटर चल सकते हैं।"

वह सुनकर मुस्कुराने लगा।

"अच्छा मिस स्टील! जैसा आप कहें।"

"मुझे तुम्हारी यही बात तो प्यारी लगती है। तुम आसानी से सब कुछ मान जाते हो।"

"मेरी और कौन-सी बात प्यारी लगती है।" उसके मुंह से ये वाक्य सुनकर मैं चकित रह गई।

मैं जानती हूं कि उसके लिए ऐसी बात पूछना बहुत बड़ी बात रही होगी। मैं तो उसकी हर चीज़ को चाहती हूं। उसके फिफ्टी शेड्स भी मुझे पसंद हैं। उसकी जीवनशैली भी पसंद है। क्रिस्टियन के साथ जिंदगी का हर रंग निराला और प्यारा है।

मैंने उसके होठों पर अंगुली रखी, "इसे प्यार करती हूं। तुम जो भी बोलते हो, करते हो।" फिर माथे पर हाथ रखकर बोली, "इसे प्यार करती हूं। तुम कितने समझदार, हुनरमंद और तेज़ दिमाग वाले हो।" फिर मैंने उसकी छाती पर हाथ रखा, "मैं इसे प्यार करती हूं। इसमें रहने वाले प्यारे से दयालु दिल को चाहती हूं, जो सबकी खैर चाहता है। जो दूसरों के लिए सोचता है। तुम दूसरों के लिए जो भी करते हो। उसे देखकर मैं विस्मित हो उठती हूं।"

वह मेरे शब्द सुनकर पहले तो हल्का सा चौंका और फिर उसके चेहरे पर लजीली सी मुस्कान आ गई। मेरे दिल में आया कि उसे कस कर जकड़ लूं और मैंने वही किया।

मैं साटिन और ग्रे में लिपटी ऊंघ रही हूं। क्रिस्टियन ने मुझे नींद से जगाया।

"भूख लगी है?"

"हां, जान निकल रही है।"

"मेरी भी"

"मि. ग्रे! आज आपका जन्मदिन है। आज मैं आपके लिए कुछ पकाऊंगी। आप क्या खाना चाहेंगे।"

"तुम जो भी खिलाना चाहो।"

"मैं ज़रा फोन पर कल वाले मैसेज देख लेता हूं।" वह उठ गया।

"चलो नहा लें।" उसने कहा।

मैं बर्थ डे ब्वाय की बात टालने वाली कौन होती हूं।

क्रिस्टियन स्टडी में अपने फोन पर है। टेलर उसके साथ है, वह गंभीर दिख रहा है। आज वह जींस और काली टी-शर्ट में है। मैंने खुद को रसोई में लंच बनाने में व्यस्त कर लिया। मुझे फ्रिज में थोड़े सालमन स्टीक मिल गए और मैं उन्हें नींबू लगा कर सलाद बना रही हूं। साथ ही थोड़े से छोटे आलू भी उबाल लिए हैं। मैं आज बहुत खुश हूं। मैंने खिड़की से बाहर देखा तो नीला आकाश दिखाई दिया। ओह... वह सेक्स... उसकी वे बातें!। एक लड़की इन चीज़ों की आदी हो सकती है।

टेलर स्टडी से निकला तो मेरा ध्यान टूटा। मैंने अपने कानों से ईयरबड निकाल दिए।

"हाय टेलर।"

"एना।" उसने गर्दन हिलाई।

"तुम्हारी बेटी ठीक है?"

"हां, थैंक्स। मेरी पिछली पत्नी को लगा कि उसे एपेंडिसाइटिस है पर वह कुछ ज्यादा ही चिंता कर रही थी।" टेलर ने आंखें नचाकर मुझे हैरान कर दिया।

"सोफी ठीक है। बस पेट में थोड़ा इंफेक्शन था।"

"सॉरी!"

वह मुस्कुराया।

"क्या चार्ली टैंगो मिल गया?"

"हां। रिकवरी टीम आज रात तक लौट आएगी।"

"अच्छा।"

"ओ के मैम!"

वह चला गया। मुझे मैम शब्द सुनने की भी आदत डाल ही लेनी चाहिए।

मैं आलू उबलने के इंतज़ार में थी। मैंने पर्स से फोन निकाला। केट का मैसेज था।

आज शाम मिलते हैं। लंबी गप्पें लगानी हैं।

मैंने मैसेज किया

हां, मुझे भी बहुत सी बातें करनी हैं।

केट से बात करना अच्छा रहेगा।

मैंने जल्दी से अपने क्रिस्टियन को ई-मेल टाइप किया।

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: लंच
डेट: जून 18 2011 13:12
टू: क्रिस्टियन ग्रे
डियर मि. ग्रे!
मैं आपको ई-मेल करके बताना चाहती हूं कि लंच लगभग तैयार है।
और मैंने आज बड़े ही निराले तरीके का अनूठा सेक्स किया।
जन्मदिन के लिए ऐसा सेक्स किया जा सकता है।
एक और बात-आई लव यू
आपकी मंगेतर

मैं उसकी प्रतिक्रिया जानना चाहती थी पर शायद वह फोन पर है। तभी उसका जवाब आया।

फ्रॉम: क्रिस्टियन ग्रे
सब्जेक्ट: अनूठा सेक्स
डेट: जून 18 2011 13:15
टू: एनेस्टेसिया स्टील
सेक्स का कौन सा अंश सबसे जबर्दस्त लगा?
मैं नोट्स ले रहा हूं।
क्रिस्टियन ग्रे
सुबह की थकान से पस्त और भूख से अधमरा
सीईओ, क्रिस्टियन ग्रे
पी एस: मुझे तुम्हारा नाम अच्छा लगा।
पी पी एस: बातचीत की कला को क्या हुआ?

फ्रॉम: एनेस्टेसिया स्टील
सब्जेक्ट: भूख से अधमरा?
डेट: जून 18 2011 13:18
टू: क्रिस्टियन ग्रे
डियर मि. ग्रे

क्या मैं आपको अपने ई-मेल की पहली पंक्ति के बारे में याद दिला सकती हूं। लंच तैयार है इसलिए भूख से अधमरा होने की जरूरत नहीं है। ...अनूठे और निराले सेक्स की बात करें तो यह पूरा ही शानदार रहा। मुझे तुम्हारे नोट्स पढ़ना अच्छा लगेगा। मुझे भी अपने साइन पसंद आए।

आपकी मंगेतर

पी एस: आप इतने बातूनी कब से हो गए। पता नहीं कब से फोन पर लगे हैं!

मैंने मेल भेजा तो देखा कि वह सामने ही खड़ा था। इससे पहले कि मैं कुछ कहती। वह रसोई में आया और मुझे चूम लिया।

“मिस स्टील!” नंगे पांव, बिखरे बाल, जींस और सफेद कमीज़। वह मुझे बेदम कर ऑफिस में वापिस लौट गया।

मैंने जलकुंभी, धनिए और क्रीम की डिप भी बनाई और नाश्ता लगा दिया। मुझे उसे काम के दौरान तंग करना पसंद नहीं है। पर अब मैं उसके ऑफिस के दरवाजे पर हूं। वह अब भी फोन पर है। वह मुझे लगातार ताकने लगा।

"उन्हें आने दो और अकेला छोड़ दो। ईया, समझीं?" उसने आंखें नचाईं।

मैंने आने का इशारा किया तो उसने गर्दन हिला दी।

"मैं बाद में मिलता हूं। एक और फोन!"

"क्यों नहीं?"

"ये ड्रिंक्स बहुत छोटी है।"

"तुम्हें पसंद आई। ये हल्की फिरोजी पोशाक सागरतट के लिए उपयुक्त है।"

"एना! तुम इसमें प्यारी दिख रही हो। मैं नहीं चाहता कि कोई तुम्हारी ऐसी सुंदरता देखे।"

"ओह! हम तो घर में हैं। आज तो कोई भी नहीं है।"

उसने कुछ सोचकर गर्दन हिलाई और मैं रसोई में आ गई।

पांच मिनट बाद, वह हाथों में फोन लिए आ गया।

"फोन पर रे से बात करो।" उसने मुझे फोन दे दिया।

मेरे तो होश ही गुल हो गए।

"क्या तुम्हें उन्हें बता दिया?"

शिट! "हाय डैड!"

"क्रिस्टियन ने अभी मुझे बताया कि तुमने उसे शादी के लिए हामी दे दी है।"

रे बोलकर चुप हो गए।

"आपने क्या जवाब दिया?" मैंने पूछा।

"मैंने कहा कि मैं पहले तुमसे बात करना चाहता हूं। तुम्हें नहीं लगता कि ये अचानक हो गया। तुम अभी उसे जानती ही कितना हो। वह अच्छा लड़का है... पर इतनी जल्दी शादी?" वे शांत सुर में बोले।

"हां। ये अचानक ही हो गया..." मैं क्रिस्टियन से थोड़ा परे आ गई।

हां, अचानक हो गया पर मैं उससे प्यार करती हूं। वह मुझे प्यार करता है और शादी करना चाहता है। हाय! मैंने आज तक अपने डैड से ऐसी अंतरंग बातें कभी नहीं कीं।

रे चुप ही रहे और फिर बोले, "अपनी मॉम से बात की?"

"नहीं"

"एनी! ...बेशक वह लायक और पैसे वाला है पर शादी एक बड़ा कदम है। तुम्हें मॉम से बात करनी चाहिए।"

"डैड! मुझे वह बहुत पसंद है। वह मेरे लिए सब कुछ है।"

"एनी! एनी! एनी। तुम जो भी करना, सोच-समझ कर करना। जरा उसे फोन देना।"

"जी डैड! क्या आप शादी में आएंगे?"

"हनी। मेरे लिए इससे बड़ा खुशी का दिन क्या होगा।" वे भावुक हो गए।

ओ रे! आई लव यू सो मच... मैंने अपने आंसुओं पर काबू पाया।

"थैंक्स डैड! मैं क्रिस्टियन को फोन देती हूं। उससे आराम से बात करना।"

ऐसा लगा कि वे हंस रहे थे।

"हां एनी। क्रिस्टियन के साथ इस बूढ़े से मिलने आना।"

मैंने क्रिस्टियन को फोन दे दिया। अहमक ने मुझे बताए बिना ही फोन कर दिया। मैंने अपना गुस्सा दिखाया तो वह हंसने लगा।

"दो मिनट में आया।" वह अन्दर चला गया।

फिर उसने आकर हंसते हुए बताया कि वह मेरे पिता से आशीर्वाद लेने में सफल रहा। मैं भी गुस्सा भुला कर हंसने लगी।

"हद है! एना! तू तो बहुत अच्छी कुक है।"

क्रिस्टियन ने अपना आखिरी निवाला खत्म किया और अपना वाइन का गिलास मेरी ओर बढ़ा दिया। मैं उसकी तारीफ से खिल उठी। शायद मुझे इसके जन्मदिन के लिए केक भी बनाना चाहिए। मैंने घड़ी देखी। मेरे पास अभी वक्त है।

"एना? उसने मेरी सोच में बाधा दी। तुमने मुझे अपनी तस्वीर क्यों नहीं लेने दी?" उसने हौले से कहा

ओह शिट! फोटो। मैंने खाली प्लेटो को ताका और फिर मुंह नीचे कर लिया। मैं क्या कह सकती हूं? मैंने अपने-आप से वादा किया था कि उससे अलमारी में देखे गए फोटो के बारे में कोई बात नहीं करूंगी।

"एना! क्या बात है?" उसने मुझे अपनी आवाज़ से बुरी तरह से चौंका दिया। इसे तो मुझे डराने में बिल्कुल देर नहीं लगती।

"मुझे तुम्हारे वे फोटो मिले थे।" मैंने कहा।

उसकी आंखें फटी रह गईं। "तुमने सेफ में रखी देखी थीं?" उसने हैरानी से पूछा

"सेफ? मुझे तो पता भी नहीं कि तुम्हारे पास कोई तिजोरी भी है।"

मैं कुछ समझा नहीं।

"मैंने उन्हें तुम्हारी अलमारी में एक बॉक्स में देखा, जब मैं तुम्हारी वह टाई खोज रही थी... वही जो तुम प्लेरूम में पहनते हो।" मैं खिसिया गई।

उसने मुझे घबराहट से देखते हुए, बालों में हाथ फिराए। उसने अपनी ठोडी मली पर चेहरे की उलझन को दूर नहीं कर सका। तभी उसके चेहरे के कोने पर प्यारी सी मुस्कान खेल गई।

"ऐसा कुछ नहीं है जो तुम सोच रही हो। दरअसल मैं तो उन्हें वहां से हटा चुका था। वे मेरी तिजोरी में रखी थीं।"

"तो वे अलमारी में कैसे आईं?"

"केवल एक ही इंसान ऐसा है, जो ये कर सकता था?"

"कौन?"

उसने आह भरी और अपना सिर एक ओर झुका दिया

"अच्छा! तो वही, जो मैं भी सोच रही हूं।"

"सुनने में तुम्हें अजीब लग सकता है पर वे इंश्योरेंस पॉलिसी हैं।"

"मतलब।"

"हां, प्रदर्शन के विरुद्ध।"

मेरे दिमाग में उसके कहे शब्द हथौड़े की तरह गूंजने लगे।

"ओह!" इसके अलावा मुंह से कुछ निकला ही नहीं। मैंने आंखें मूंद लीं। ये ऐसा ही है।

"हां, तुमने ठीक कहा। वे जो भी हैं, सही हैं। मैं अब इस बारे में और नहीं जानना चाहती।" मैंने कहा और खाली प्लेटें उठाने लगी।

"एना?"

"क्या वे लड़कियां, वे सेक्स गुलाम इस बारे में जानती हैं?"

"बेशक, वे सब जानती हैं।"

"ओह!" उसने अचानक ही मुझे अपनी ओर खींच लिया।

"वे तस्वीरें तिजोरी में होनी चाहिए थीं। वे मन बहलाव के लिए नहीं हैं। हो सकता है कि जब उन्हें मूल रूप से लिया गया था, तब वे दिल बहलाव के काम आई हों पर...अब उनका

कोई मोल नहीं रहा।”

“उन्हें अलमारी में किसने रखा?”

“यह लीला ही हो सकती है।”

“उसे तुम्हारी तिजोरी के कोड पता हैं?”

उसने कंधे झटके। “कह नहीं सकता। बड़ा-सा कोड है और मैं खुद बहुत कम इस्तेमाल करता हूं। यह एक ही नंबर है, जो कहीं लिखा हुआ है और मैंने इसे कभी बदला नहीं है। मैं सोच रहा था कि वह और क्या-क्या जानती है और यहां से क्या-क्या ले गई होगी? फिर वह मुझसे मुखातिब हुआ, तुम बात को दिल से मत लगाना। मैं उन तस्वीरों को नष्ट कर दूंगा।”

“क्रिस्टियन! वे तुम्हारी तस्वीरें हैं। तुम्हें जो अच्छा लगे, वैसा करो।”

“मेरे साथ ऐसे पेश मत आओ। मैं वह जिंदगी नहीं चाहता। मैं तो ऐसा जीवन चाहता हूं जिसमें बस हम-तुम ही साथ हों।”

ओह! इसे कैसे पता चला कि तस्वीरों की चिंता के पीछे मेरे अपने मन की चिंता छिपी है।

“एना! मुझे लगता है कि हम आज सुबह, उन सब राक्षसों से लड़ चुके हैं। क्या तुम्हें ऐसा नहीं लगता?”

मैंने अपनी मनोरंजन व आनंद से भरी सुबह को याद करते हुए मुस्कान दी।

“हां, मुझे भी ऐसा ही लगता है।”

“गुड! मैं उन्हें नष्ट कर दूंगा। फिर मुझे थोड़ा जरूरी काम भी निपटाना है।”

“बढ़िया! मुझे भी मॉम से बात करनी है। फिर थोड़ी खरीददारी और तुम्हारे लिए केक बेक करना है।” उसकी आंखें एक छोटे बच्चे की तरह दमक उठीं।

“एक केक?”

मैंने हामी दी।

“एक चॉकलेट केक?”

“तुम्हें चॉकलेट केक चाहिए?”

उसने हामी दी।

“मैं देखती हूं कि क्या कर सकती हूं, मि. ग्रे”

उसने मुझे एक बार और चूम लिया।

कारला तो सुनकर सन्न ही रह गईं।

. . .

“मॉम! कुछ तो बोलो।”

“एना! कहीं तुम गर्भवती तो नहीं हो?” वे सदमे के साथ बोलीं।

“नहीं, नहीं! ऐसी कोई बात नहीं है।”

अचानक ही मन मायूस हो गया। वे मेरे बारे में ऐसी राय रखती हैं। पर फिर मुझे याद आया कि जब मेरे पापा से उनकी शादी हुई तो वे गर्भवती थीं, शायद वे उसी एहसास को याद करके मुझसे ये सवाल कर रही हैं।

“सॉरी डार्लिंग! ये सब अचानक हुआ और क्रिस्टियन में कोई कमी नहीं है पर अभी तो तुम छोटी हो। तुम्हें दुनिया देखनी चाहिए।”

“मॉम! क्या आप मेरे लिए खुश नहीं हो सकतीं? मैं उससे प्यार करती हूं।”

“डार्लिंग! जरा मुझे इस बात के लिए अपने मन को राजी तो करने दो। ये किसी सदमे से कम नहीं है। मैं जार्जिया में ही जान गई थी कि तुम दोनों के रिश्ते में कुछ खास था पर शादी... ?”

जार्जिया में वह मुझे अपनी सेक्स गुलाम बनाना चाहता था पर मैं यह बात मॉम को नहीं बता सकती।

“क्या तारीख तय कर ली?”

“नहीं।”

“काश तुम्हारे पिता जीवित होते।” अरे नहीं, अब ये सब दोबारा शुरू न हो जाए।

“मैं जानती हूं मॉम। मुझे भी उन्हें ये बात बताना बहुत अच्छा लगता।”

“उन्होंने तुझे एक बार ही गोद में लिया था और उन्हें लगा था कि तुम दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की हो।” ऐसा लगा कि मॉम बहुत पुराना पारिवारिक किस्सा सुना रही हों। अब उनके आंसू टपकने ही वाले थे।

“मैं जानती हूं मॉम।”

“और फिर वे इस दुनिया में नहीं रहे।”

“मॉम!” दिल कर रहा था कि उनके पास जाकर उन्हें थाम लूं।

“मैं एक मूर्ख बूढ़ी औरत हूं बेशक डार्लिंग! मैं तुम्हारे लिए बहुत खुश हूं। क्या रे जानता है?” लगता है कि उन्होंने खुद को संभाल लिया है।

“क्रिस्टियन ने अभी उनसे पूछा है।”

“ओह बहुत अच्छे।”

"डार्लिंग! मैं तुम्हारे लिए बहुत खुश हूं और तुमसे बहुत प्यार करती हूं। तुम दोनों मेरे पास जरूर आना।"

"हां मॉम! मैं भी आपको प्यार करती हूं।"

"बॉब बुला रहा है। मैं चलती हूं। हमें तारीख बताना। हम आने की योजना बनाएंगे। क्या तुम तामझाम से भरी शादी… ?"

"नहीं मॉम, अभी तो इन बातों के बारे में कुछ नहीं सोचा। नहीं, वैसे मैं सादी शादी ही चाहती हूं।"

"जैसे ही कुछ तय होगा, मैं आपको बता दूंगी।"

"अपना ख़याल रखना। अभी तुम दोनों जिंदगी के मज़े लेना। बच्चों के बारे में सोचने के लिए सारी जिंदगी पड़ी है।"

बच्चे! मॉम भी न अजीब ही हैं! शायद मैंने जल्दी जन्म लेकर अच्छा नहीं किया था।

"मॉम! मैंने आपका जीवन तबाह कर दिया न?"

"नहीं बच्ची। एना, ऐसा कभी मत सोचना। मेरे और तुम्हारे पिता की जिंदगी में, तुम्हारे आने से बहार आ गई थी। काश वे जीवित होते, वे तुम्हें बड़ा होते और शादी करते देखते।" वे फिर से अपने राग के पास पहुंच रही थीं।

"काश कि ऐसा होता।" मैंने भी अपने पौराणिक पिता के बारे में सोचते हुए गर्दन झटकी।

"मॉम! मैं जल्दी ही दोबारा फोन करूंगी।"

"लव यू डार्लिंग!"

"मैं भी मॉम! गुडबाय!"

क्रिस्टियन की रसोई में काम करना भी किसी सपने जैसा ही लगता है। ऐसा बंदा, जो खाना पकाने के बारे में कुछ नहीं जानता, उनकी रसोई में हर चीज़ मौजूद है।मुझे लगता है कि मिसेज जोंस भी खाना पकाने की शौकीन हैं। बस मुझे फ्रास्टिंग के लिए थोड़ी अच्छी चॉकलेट चाहिए। मैंने केक के टुकड़ों को वहीं रैक पर छोड़ा, पर्स उठाया और उसकी स्टडी में झांका। वह कंप्यूटर स्क्रीन पर व्यस्त है। उसने मुझे देखकर मुस्कान दी।

"मैं जरा स्टोर से थोड़ा-सामान लेकर आ रही हूं।"

"अच्छा।" उसने भवें सिकोड़ीं।

"क्या?"

"तुम जींस नहीं पहन रहीं?"

"ओह! छोड़ो भी, थोड़ी टांगें ही तो दिख रही हैं।"

उसने मुझे गुस्से से देखा। कहीं लड़ाई न हो जाए। मैंने किसी ढीठ किशोरी की तरह आंखें नचाईं।

"अगर हम किसी समुद्र तट पर होते।" मैंने बात बदली।

"हम सागर तट पर नहीं हैं।"

"अगर हम वहां होते, तब भी तुम आपत्ति करते?"

उसने एक पल के लिए सोचकर कहा, "नहीं!"

मैंने आंखें नचाईं और कहा, "ठीक है, तुम कल्पना कर लो कि हम वहीं हैं।"

इससे पहले कि वह कुछ कहता, मैं तीर की तरह बाहर निकल आई।

ओह! उसे धत्त बता कर अच्छा लगा पर घर से निकलते ही लगा कि मैंने कुछ गलत कर दिया।

मैंने सोए शेर को जगाया है। अब घर आकर मेरी खैर नहीं! वैसे मुझे मर्दों के साथ रहने का कोई खास अनुभव भी नहीं रहा है। रे के साथ रहती थी तो वे इन गिनती में नहीं आते, वे तो मेरे डैड थे।

और अब मैं क्रिस्टियन के साथ रह रही हूं, जो कभी किसी के साथ नहीं रहा। घर जाकर पूछना होगा कि वह मुझसे बात कर रहा है या नहीं।

पर मुझे यह भी लगता है कि मुझे वही पहनना चाहिए, जो मुझे अच्छा लगे। मुझे उसके नियम याद हैं। वैसे जब उसने खरीद कर दी है तो मैं क्यों न पहनूं। या तो उसे स्टोर वालों को पहले ही हिदायत दे देनी चाहिए थी कि वे ज्यादा छोटी पोशाकें न भेजें।

ये स्कर्ट इतनी छोटी तो नहीं है? है न? मैंने लॉबी के शीशे में देखा। हद हो गई, यह तो वाकई बहुत छोटी है। बेशक, मुझे घर आकर नतीजा भुगतना होगा। मैं यही सोचने लगी कि वह क्या करेगा पर पहले मुझे कुछ पैसे निकलवाने हैं।

मैंने एटीएम की रसीद पर नज़र मारी। 51, 689, 16 डॉलर हाय! यह तो पचास से भी ज्यादा हैं। एनेस्टेसिया! अगर तुमने हां कहा है तो तुम्हें अमीर होने की आदत डालनी होगी।

मैंने पचास डॉलर का सामान लिया और स्टोर से बाहर आ गई।

मैं घर आते ही सीधा रसोई की ओर चल दी। वह अब भी स्टडी में ही है। मैंने सारी दोपहर खुद को उसका सामना करने के लिए तैयार किया। उसके स्टडी में भी झांका पर वह बाहर देखते हुए, किसी से फोन पर बात कर रहा था।

“और यूरोकॉप्टर विशेषज्ञ सोमवार दोपहर आएगा…? ठीक है, मुझे बता देना। उन्हें बताना कि सोमवार या मंगलवार को मुझे रिपोर्ट चाहिए।” उसने फोन रखा और मुझे देखते ही उसके चेहरे के भाव बदल गए।

“हाय!” मैं उसकी स्टडी में चली गई। मैं उसके सामने खड़ी हूं और वह लगातार मुझे ही ताक रहा है।

“मैं आ गई। क्या तुम मुझसे नाराज़ हो?”

“सॉरी! पता नहीं मुझे क्या हो गया था?”

“पता नहीं, मुझे भी क्या हो गया था? तुम जो जी में आए, पहन सकती हो।” उसने मेरी नंगी जांघों पर हाथ फिराते हुए कहा, वैसे इस पोशाक के अपने ही फायदे भी हैं। वह मुझे चूमने झुका और इसके साथ ही हमारे शरीरों में वासना का ज्वार उमड़ पड़ा। उसने बहुत ही दीवानगी से मेरे होंठ, गाल, कान और गले को हौले-हौले कुतरना शुरू कर दिया। और इससे पहले कि मैं जान पाती, उसने पैंट की जिप खोली और हम उसकी स्टडी में ही…।

“मुझे सॉरी कहने का अंदाज अच्छा लगा।” उसने मेरे बालों को सूंघकर कहा।

“और मुझे तुम्हारा। क्या तुमने पूरी बाजी खेल ली?”

“एना! क्या तुम और चाहती हो?”

“नहीं! बाबा, तुम्हारा काम।”

“बस आधे घंटे का रह गया। मैंने वॉयस मेल पर तुम्हारा संदेश सुना।”

“कल वाला?”

“तुम चिंता में दिखी।”

मैंने उसे कस कर थाम लिया।

“हां, मुझे चिंता थी क्योंकि तुम कभी ऐसा नहीं करते।”

उसने मेरे बाल चूम लिए।

“तुम्हारा केक आधे घंटे में तैयार हो जाना चाहिए।” मैं मुस्करा कर उसकी गोद से निकल गई।

“हूं! बेकिंग के समय भी बड़ी प्यारी खुशबू आ रही है।”

“ओह!” मैंने आगे झुककर उसके मुंह के कोने को चूमा और रसोई की ओर चल दी।

जब वह स्टडी से लौटा तो मेरी सारी तैयारी हो गई थी और मैं केक पर इकलौती सुनहरी मोमबत्ती लगा रही थी मैंने उसके लिए बड़े ही प्यार से जन्मदिन का गीत गाया। फिर उसने

मोमबअटाी बुझा कर आंखें मूंद लीं।

“मैंने अपनी विश मांग ली है।” उसने कहा।

“केक की फ्रास्टिंग अभी थोड़ी नरम है। उम्मीद करती हूं कि तुम्हें पसंद आएगा।”

“एनेस्टेसिया! मुझसे तो चखे बिना रहा नहीं जा रहा।” मैंने एक छोटा-सा स्लाइस काटा और हम कांटों से खाने लगे।

“मम्म! बहुत ही स्वादिष्ट! तभी तो मैं तुमसे शादी करना चाहता हूं।”

और मैं सुकून की हंसी हंसने लगी। उसे केक पसंद आ गया था।

“मेरे परिवार से मिलने को तैयार?” क्रिस्टियन ने अपने घर की पार्किंग में गाड़ी लगाते हुए पूछा।

“हां, क्या तुम उन्हें कहने जा रहे हो?”

“बेशक! मैं देखना चाहता हूं कि वे क्या जवाब देंगे या सुनकर कैसे पेश आएंगे।” वह मुझे देखकर दुष्टता से मुस्कुराया।

मैंने आज हरे रंग की कॉकटेल पोशाक पहनी है। इसके साथ चौड़ी सी मेल खाती बेल्ट भी है। हम आगे बढ़े तो कैरिक ने दरवाजा खटखटाने से पहले ही खोल दिया।

“क्रिस्टियन हैलो! जन्मदिन मुबारक हो बेटा” उन्होंने बेटे से हाथ मिलाने से पहले, उसे गले से लगा कर चौंका दिया।

“ओह… थैंक्स डैड!”

“एना! तुम्हें देखकर कितना अच्छा लग रहा है।” उन्होंने मुझे भी गले से लगाया और हम अन्दर चले गए।

इससे पहले कि हम आगे बढ़ पाते। गलियारे एक कोने से केट दनदनाती हुई सामने आ गई। वह गुस्से में दिखी।

“ओह!”

“तुम दोनों से कोई बात करनी है।” उसकी आवाज़ में एक अलग ही पुट है। मैंने घबरा कर क्रिस्टियन को देखा, उसने कंधे झटक दिए और हम डाईनिंग रूम की ओर चल दिए। कैरिक वहीं हैरान खड़े रह गए। केट दरवाजा बंद करके मेरी ओर मुड़ी।

“ये सब क्या बकवास है?” वह गुस्से से बोली और कागज का एक टुकड़ा मेरे मुंह पर दे मारा। मैंने उसे उठा कर देखा तो हतप्रभ रह गई। हाय! ये क्या। मेरा मुंह सूख गया। ये तो मेरे ई-मेल का जवाब है, जो मैंने क्रिस्टियन से अनुबंध की चर्चा करते हुए लिखा था।

अध्याय 22

मेरे चेहरे का लहू जम गया और पूरे शरीर में भय की लहर दौड़ गई। मैं अचानक ही उसके और क्रिस्टियन के बीच आ गई।

"ये क्या है?" क्रिस्टियन ने हौले से पूछा।

मैंने उसे अनदेखा कर दिया। मैं यकीन नहीं कर सकती कि केट ऐसा कर रही है।

"केट! इस बात से तेरा कोई लेना-देना नहीं है।" मैंने उसे गुस्से से देखा। उसकी हिम्मत कैसे हुई। वह मेरी प्रतिक्रिया से हैरान होकर मुझे घूर रही है।

"एना, बात क्या है?" क्रिस्टियन ने दोबारा पूछा।

"क्रिस्टियन! प्लीज़ क्या तुम यहां से जाओगे?" मैंने कहा।

"नहीं, मुझे दिखाओ।" उसने अपना हाथ आगे किया और मैं जानती हूं कि उससे बहस करना बेकार है। मैंने बेमन से ई-मेल वाला कागज़ उसके हाथ पर रख दिया।

"इसने तुझे कर क्या दिया है?" केट ने उसे अनदेखा करते हुए पूछा। वह बहुत चिंतित दिख रही है।

"केट! तू इस मामले से दूर रह।" मैंने किसी तरह हिम्मत जुटाकर कहा।

"ये कहां से मिला? क्रिस्टियन ने हौले से पूछा और केट खिसिया गई।

"इससे कोई उतर नहीं पड़ता।" यह एक जैकेट की जेब में था, जो शायद तुम्हारी है।

वह मुझे एना के सोने के कमरे में गिरी मिली। केट ने फिर से अपने को मजबूती से संभाल लिया और उसे देखकर मुंह बिचकाया।

आज वह गहरे लाल रंग की पोशाक में है पर आज उसने मेरे कपड़े क्यों पहने हैं? पहले तो अक्सर इसका उल्टा हुआ करता था।

"क्या तुमने किसी से कहा?" क्रिस्टियन ने सहज भाव से पूछा।

"नहीं! बेशक नहीं।" क्रिस्टियन ने गर्दन हिलाई और थोड़ा निश्चिंत दिखा। वह मुड़कर फायर प्लेस के पास गया वहां से एक लाइटर लिया और कागज़ के टुकड़े को आग लगा दी। कुछ ही देर में उसका अस्तित्व ही खत्म हो गया।

“इलियट से भी नहीं कहा न?” मैंने केट से पूछा।

“नहीं।” वह पहली बार हल्की उलझन में और परेशान दिखी। एना! मैं बस ये जानना चाहती हूं कि तू ठीक है या नहीं? उसकी हरी आंखों में मुझे अपने लिए चिंता झलकती दिखी।

“केट! क्रिस्टियन ने मेरा कोई नुकसान नहीं किया है। मैं बिल्कुल ठीक हूं।”

“सच कह रही हूं। ईमानदारी से!”

क्रिस्टियन ने केट को लगातार ताकते हुए कहा, “एना ने मेरी पत्नी बनने के लिए भी मंजूरी दे दी है।”

“पत्नी!” केट की आंखें हैरानी से फैल गईं।

“हम शादी कर रहे हैं और आज शाम सबके बीच ऐलान करने वाले हैं।” वह बोला।

ओह! केट ने मुझे देखा। वह तो सन्न रह गई है। “मैंने तुझे सोलह दिन के लिए अकेला क्या छोड़ा, इतना कुछ घट गया। ये सब कितना अचानक हो रहा है। तो इन बातों के बीच इस ई-मेल की क्या कहानी है?”

“नहीं केट, यह कुछ नहीं है। इसे भूल जा। प्लीज! हम दोनों एक दूसरे से बहुत प्यार करते हैं। ऐसा मत कर। आज की शाम और पार्टी बर्बाद मत कर।” मैंने धीरे से कहा। उसने पलकें झपकाईं और उसकी आंखों में आंसू उमड़ आए।

“नहीं, बेशक नहीं, मैं ऐसा कुछ नहीं करने जा रही। तुम ठीक तो हो?” वह मुझसे आश्वासन चाहती है।

“मैं इतनी खुश तो पहले कभी नहीं रही।” मैंने हौले से कहा।

वह आगे आई और मेरे हाथ थाम लिए।

“तुम सच्ची ठीक हो?” उसने पूरी उम्मीद से पूछा।

मैं मुस्कुराईं और उसके चेहरे की हंसी भी लौट आई। मैं क्रिस्टियन की बांहों से निकली और उसकी बांहों में जा समाई।

“ओह एना! मैं उसे पढ़ कर, तेरे लिए बहुत परेशान हो गई थी। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि यह हो क्या रहा है।”

“एक दिन बता दूंगी पर आज नहीं...।”

“अच्छा! मैं किसी से कुछ नहीं कहूंगी। मैं तुझसे बहुत प्यार करती हूं। एना! तू मेरी बहन जैसी है। सॉरी। अगर तू खुश है तो मैं भी खुश हूं।” उसने क्रिस्टियन की ओर देखकर माफी दोहराई। उसने हामी दी पर उसके भाव नहीं बदले। ओह! वह अब भी गुस्से में है।

“मैं माफी चाहती हूं। तुमने ठीक कहा, इस बात से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।” वह हौले से बोली।

तभी दरवाजे पर आहट से हम अलग हो गए।

“डार्लिंग सब ठीक है?” उन्होंने क्रिस्टियन से पूछा।

“मिसेज ग्रे! सब ठीक है।” केट ने झट से कहा। “हां मॉम।” क्रिस्टियन ने कहा।

“अच्छा। अगर मैं अपने बेटे को जन्मदिन की बधाई दे दूं तो आप लोगों को बुरा तो नहीं लगेगा?” वे हमें देखकर जोश में दिखी। क्रिस्टियन ने अपनी मॉम को कसकर गले लगा लिया।

“हैप्पी बर्थ डे डार्लिंग! मुझे खुशी है कि तुम आज हमारे साथ हो।”

“मॉम! मैं ठीक हूं।” क्रिस्टियन ने उन्हें देखकर मुस्कराया।

“मैं तुम्हारे लिए बहुत खुश हूं।”

वह जानती हैं! उसने उन्हें कब बताया।

“बच्चो! अगर तुम्हारे किस्से खत्म हो गए हों तो बाहर आ जाओ। बहुत से लोग जन्मदिन की बधाई देने के लिए बाहर इंतजार कर रहे हैं। वे यह भी देखना चाहते हैं कि मेरा बेटा सही-सलामत है या नहीं?”

“मैं अभी आया।”

केट ने हमारे लिए दरवाजा खोला और मुझे देखकर आंख दबाई।

मैं क्रिस्टियन का हाथ थामकर बाहर निकल आई।

“क्रिस्टियन! मुझे माफ नहीं करोगे।” केट ने एक बार फिर से कहा। क्रिस्टियन ने सिर हिलाया और हम बाहर आ गए।

हॉल में मैंने क्रिस्टियन से पूछा।

“क्या तुम्हारी मॉम हमारे बारे में जानती हैं?”

“हां।”

ओह! अगर आज केट सब कुछ बक देती। सबके सामने क्रिस्टियन के अतीत की काली परछाईयां आ जातीं।

शाम की शुरूआत करने का कितना निराला अंदाज रहा। हम दोनों ने एक-दूसरे को बड़े ही लगाव से देखा। उसके चेहरे की हंसी लौट आई।

"मिस स्टील! हमेशा की तरह आप कुछ न कुछ सरप्राइज़ ले आती हैं।" उसने मेरा हाथ पकड़कर चूमा और जैसे ही हम कमरे में पहुंचे तो चारों ओर से तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई देने लगी।

हाय! कितने लोग हैं यहां?

मैंने झट से कमरे पर नज़र मारी। सारा ग्रे परिवार, ईथन और ईया, फिल्न और उनकी पत्नी। बोट वाला मैक, एक बंदा, जिसे मैंने पहली बार क्रिस्टियन के ऑफिस से निकलते देखा था, जब मैं उसके इंटरव्यू के लिए गई थी। ईया की कमीनी सहेली लिली, दो और औरतें थीं, जिन्हें मैं नहीं जानती, और... अरे नहीं। मेरा दिल डूब गया वह औरत... मिसेज रॉबिन्सन...।

ग्रेचन हाथ में शैंपेन की ट्रे लिए दाखिल हुई। वह निचले काट की काली पोशाक मेंथी, दो चोटियों की बजाए ऊंचा जूड़ा बना रखा था और क्रिस्टियन को देखकर पलकें फड़फड़ा रही थी। तालियों की गड़गड़ाहट थमते ही क्रिस्टियन ने मेरा हाथ दबाया और सबकी आंखें उसकी ओर आ लगीं।

"आप सबका धन्यवाद! लगता है कि आज तो मुझे इन ड्रिंक्स की जरूरत होगी।" यह कह कर उसने ग्रेचन की ट्रे से गिलास उठा लिए। वह ग्रेचन को देखकर मुस्कुराया और ऐसा लगा कि वह अभी दम तोड़ देगी। उसने एक गिलास मुझे थमा दिया।

उसने बाकी कमरे की ओर गिलास उठाया और जल्दी ही सभी आगे की ओर आ गए। मिसेज रॉबिन्सन काले कपड़ों में थीं। क्या वह हमेशा यही रंग पहनती है?

"क्रिस्टियन! मुझे बहुत चिंता हो गई थी।" वह क्रिस्टियन के गले लगी और उसके दोनों गाल चूम लिए।

"एलीना! मैं ठीक हूं।" क्रिस्टियन ने ठंडे स्वर में कहा।

"तुमने मुझे फोन क्यों नहीं किया?" एलीना ने उलाहना दिया।

"मैं व्यस्त था।"

"क्या तुम्हें मेरे मैसेज नहीं मिले"

क्रिस्टियन ने बेचैनी से पहलू बदला और मुझे अपने पास खींच लिया। वह एलीना को ठंडी नज़रों से देखने लगा। अब वह मुझे अनदेखा नहीं कर सकी और मुझे देखकर विनम्रता से गर्दन हिलाई।

"एना! डियर, बड़ी प्यारी लग रही हो।"

"थैंक यू।"

मैंने ग्रेस को देखा। वह हम तीनों को देखकर त्यौरियां चढ़ा रही थीं।

"एलीना! मुझे एक एलान करना है।" क्रिस्टियन ने कहा।

उसकी नीली आंखें धुंधला उठीं। "बेशक! क्यों नहीं।"

"जरा सुनिए!" कमरे की हलचल शांत हो गई और सभी हमारी ओर ताकने लगे।

"आज यहां आने के लिए धन्यवाद! मैं तो एक छोटे से पारिवारिक डिनर की उम्मीद में था और आप सबसे मिलना, मेरे लिए यह एक खुशनुमा सरप्राइज़ है।" उसने ईया को देखा और वह उसे देखकर, हाथ हिला कर मुस्कुराई। क्रिस्टियन ने गर्दन हिला कर अपनी बात जारी रखी।

"रॉस और मुझे, कल हमें बहुत ही गहरी परेशानी से गुज़रना पड़ा।" रॉस नामक औरत पास ही थी।

ओह! अच्छा, तो ये रॉस है। मैं तो उसे एक मर्द समझती थी।

"तो मैं आज आप लोगों से एक और बात साझा करना चाहता हूं। ये प्यारी सी युवती, मिस एनेस्टेसिया रोज़ स्टील, इसने मेरी पत्नी बनने की स्वीकृति दे दी है। ...और मैं आप सबको इस बारे में सबसे पहले बताना चाहता था।"

कुछ लोगों ने तालियां बजाईं, कुछ ने हैरानी जताई और कुछ लोग खुशी से चिल्ला उठे। हाया जीसस! यह सब सच में होने जा रहा है। मुझे लगा कि मैं केट की पोशाक के रंग की तरह लाल पड़ गई हूं। क्रिस्टियन ने झट से, सबके बीच, मेरे होंठ चूम लिए।

"तुम जल्द ही मेरी हो जाओगी।"

"मैं तो पहले से ही तुम्हारी हूं।"

"नहीं, तुम कानूनन मेरी हो जाओगी।" उसने मुझे देखकर दुष्टता से एक मुस्कान दी।

लिली, ईया के पास खड़ी थी। यह सुनते ही उसकी हालत पतली हो गई। ग्रेचन कड़वी नज़रों से घूरने लगी। अचानक ही भीड़ में मेरी नज़र एलीना पर गई। उसका मुंह खुला का खुला रह गया था। वह मुंह खोले, भौंचक्की खड़ी थी। मुझे ये देखकर अच्छा लगा। वह यहां कर क्या रही है? चलो, अब मैंने क्या लेना है?

कैरिक और ग्रेस ने मेरी सोच में रुकावट दी और जल्द ही मैं ग्रे परिवार के चुंबनों और आलिंगनों से घिर गई।

"ओह एना! मुझे बहुत खुशी है कि तुम हमारे परिवार का हिस्सा बनने जा रही हो। ग्रेस ने कहा। ....क्रिस्टियन में यह बदलाव...उसकी खुशी...... मैं तुम्हारी बहुत एहसानमंद हूं।" मैं बड़ी प्यारी सी मुस्कान के साथ शरमाई।

"अंगूठी कहां है?" ईया ने मुझे गले से लगाते हुए कहा।

उम्म... अंगूठी! जीसस। मैंने तो इस बारे में सोचा ही नहीं। मैंने क्रिस्टियन को ताका।

“ओह! हम दोनों एक साथ अंगूठी चुनने जाएंगे।” क्रिस्टियन ने थोड़ा गुस्से से जवाब दिया।

“ग्रे! मुझे ऐसे गुस्से से मत देखो। मैं तुम्हारे लिए बहुत खुश हूं।” यह कह कर ईया ने मुझे बांहों में घेर लिया और उसे मुंह चिढ़ाया। मैं जानती हूं कि ईया ही ऐसी इंसान है, जिसे ग्रे से डर नहीं लगता। वह उससे दबने वाली नहीं है।

“तुम्हारी शादी कब है? तारीख तय हो गई? उसने क्रिस्टियन से पूछा।

“नहीं, अभी तो यह सब तय होना है।”

“उम्मीद करती हूं कि यह शादी धूमधाम से होगी।”

“हम शायद कल वेगास जाएंगे।” उसने कहा।

तभी इलियट आ गया और गले मिला।

“वाह भाई! बहुत खूब”

एलीना कहीं गायब हो गई। ग्रेचन फिर से गिलास भर रही है और डॉ. हमारे साथ आ गए। मेरा अंदाजा सही था, वे अपनी पत्नी के साथ हैं।

उन दोनों ने हाथ मिलाया।

“जॉन रिआन।” उसने काले बालों वाली महिला के गाल चूम लिए ।

“ओह! तुम्हारे बिना मेरा जीवन कितना नीरस हो जाता।”

क्रिस्टियन ने एक दबी मुस्कान दी।

“जॉन!” रिआन ने घुड़की मारी।

“रिआन! ये एनेस्टेसिया है। मेरी मंगेतर। ये डॉ. साहब की पत्नी हैं।”

“क्रिस्टियन का दिल चुराने वाली लड़की से मिलकर अच्छा लगा।” वह बोली।

“धन्यवाद!” मैं लजा गई।

“क्रिस्टियन! तुम इस गुगली पर आउट हो गए।” डॉ. ने हंसकर कहा।

“ओह डॉक्टर! आप और आपके क्रिकेट का भूत!” रिआन ने कहा।

“क्रिस्टियन! नए जोड़े के लिए और जन्मदिन की बहुत सी बधाई। तुम्हें जन्मदिन का कितना सुंदर तोहफ़ा मिला है।” रिआन ने मेरी ओर इशारा करके कहा।

ओह! मैं डॉ. और एलीना को यहां देखकर हैरान हूं। मैंने उम्मीद नहीं की थी। क्या मुझे कुछ पूछना चाहिए? नहीं, जन्मदिन की पार्टी में डॉ. से सलाह लेना बुरा लगेगा।

कुछ देर तक थोड़ी देर बात होती रही। रिआन घर में अपने दो छोटे बच्चे संभालती है। मुझे अब समझ आया कि डॉ. अपना देश छोड़कर यहां क्यों हैं।

"वह ठीक है। इलाज अच्छा हो रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही नतीजे सामने होंगे। वे दोनों लीला की बातें करने लगे।" मैं रिआन की बातों के बीच कुछ खास सुन नहीं सकी। वे थोड़ा धीरे-धीरे बोल रहे थे।

"एना! तुम क्या करती हो?" रिआन ने पूछा।

"जी मैं एक प्रकाशन कंपनी में काम करती हूं।"

रॉस के बारे में पता चला कि वह तो एस्काला के सामने वाले घर में ही रहती है। रॉस जैसी औरत ही क्रिस्टियन का साथ दे सकती है। उसने क्रिस्टियन की तारीफ में कहा कि वह बहुत अच्छा पायलट है। ग्वेन भी उनके साथ है। वह क्रिस्टियन की पार्टनर है। वह भी मज़ाकिया औरत है। क्रिस्टियन दोनों से सहज भाव से, खुल कर मिला।

तभी ग्रेस ने बताया कि खाना लग गया था। उनकी रसोई में बुफे का प्रबंध था। सभी मेहमान उस ओर जाने लगे।

ईया गुलाबी पोशाक और हील में है। उसके हाथ में दो गिलास शैंपेन थी। उसने मुझे रास्ते में रोक लिया।

एना। वह मुझे अलग घसीट ले गई।

"ये लो। ये मेरे डैड की स्पेशल लेमन मार्टिनी है।" उसने मुझे गिलास दिया और मैंने एक घूंट भरा।

"हम्म...स्वादिष्ट पर तेज़ है।" वह चाहती क्या है? क्या मुझे नशेड़ी बनाना चाहती है?

"एना! थोड़ी सलाह लेनी है। मैं लिली से पूछ नहीं सकती। वैसे भी वह तुमसे जलती है। उसने सोचा था कि एक दिन मेरे भाई को पटा लेगी पर ऐसा हो नहीं सका।" ईया बोली और ठहाका लगाया।

मुझे अपने को समझाना ही होगा। मेरे पति पर बहुत सी औरतें मरती हैं।

"हां बोलो। क्या बात है।"

"जैसा कि तुम जानती हो कि मैं और ईथन मिले थे।"

"हां।"

बात कहां जा रही है।

"वह मेरे से मिलना नहीं चाहता।"

"क्या?"

"हां, वह भी इसलिए कि उसकी बहन मेरे भाई के साथ डेट कर रही है। उसे लगता है कि ये गलत होगा हालांकि वह मुझे पसंद करता है। मैं क्या कर सकती हूं?"

"ओह! तुम दोनों दोस्त बने रहो और थोड़ा वक्त दो। अपने-आप बात बनेगी। ईया! तुम दोनों को इस बारे में खुल कर बात करनी होगी।"

ईया हंस दी।

"अगर तुम और सलाह चाहो तो केट से पूछो। वह अपने भाई के बारे में कहीं बेहतर जानती है।"

"तुम्हें लगता है कि मदद मिलेगी।"

"हां, हां, क्यों नहीं।"

"कूल! थैंक्स एना!" वह उसी समय केट की ओर चल दी। मैंने मार्टिनी का घूंट लिया। अचानक ही एलीना मेरे सामने आ गई। उसने दरवाजा बंद किया और मुझे देखकर मुंह बनाया।

ओह! यह क्या?

"एना!"

मेरे दिमाग में शराब असर दिखा रही है। मेरे चेहरे का रंग बदल गया।

"एलीना!" मैंने सूखे मुंह से कहा।

"मैं तुम्हें बधाई तो देती पर मुझे लगा कि यह ठीक नहीं होगा।" उसकी आंखें कठोर भाव से मुझे ही ताक रही हैं।

"एलीना! मुझे तुम्हारी बधाई नहीं चाहिए। तुम्हें यहां देखकर मुझे मायूसी और हैरानी, दोनों ही हुई।"

"एना! मैंने तुम्हें दुश्मन नहीं माना था पर तुम हर मोड़ पर मुझे हराती आ रही हो।"

"मैंने कभी तुम्हारे बारे में सोचा तक नहीं। मुझे जाने दो। तुमसे बात करने के अलावा मेरे पास और बहुत से काम हैं।" मैंने कहा।

"इतनी भी क्या जल्दी है। तुम्हें क्या लगता है कि शादी की हामी देकर तुमने अक्लमंदी की है? क्या तुम उसे एक पल की भी खुशी दे सकती हो?"

"उसकी कुछ जरूरतें हैं और तुम उन्हें कभी पूरा नहीं कर सकतीं।" वह गुस्से से बोली।

"तुम इस बारे में क्या जानती हो? तुम तो बच्चों का यौन शोषण करने वाली औरत हो और अगर मेरा बस चलता तो तुम्हें नर्क में धकेल कर मुस्कुराते हुए बाहर निकल जाती। अब यहां से हटो वरना मुझे तुम्हारा कुछ करना होगा।"

"लेडी! तुम बड़ी बहुत बड़ी गलती कर रही हो। तुमने हमारी जीवनशैली को परखने की हिम्मत कैसे की? तुम कुछ नहीं जानतीं और यह भी नहीं जानतीं कि किस पचड़े में फंस रही हो। क्या तुम्हें लगता है कि वह तुम्हारी जैसी चुहिया के साथ खुश रहेगा…?"

मैंने अपनी बची मार्टिनी उसके चेहरे पर उड़ेल दी।

"मुझे बताने की जुर्रत मत कर कि मुझे क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। मैं उस पर चिल्लाई। याद रख, तेरा मुझसे कोई लेना-देना नहीं है।"

उसने मुझे हैरानी से देखा और अपने मुंह से चिपचिपी शराब साफ करने लगी। ऐसा लगा कि मुझ पर झपटेगी पर वह दरवाजा खोलकर बाहर को लपकी।

क्रिस्टियन दरवाजे पर खड़ा था और उसे हम दोनों की हालत देखकर, सब कुछ भांपने में देर नहीं लगी। उसका चेहरा गुस्से से काला पड़ गया।

"एलीना! तुम यहां क्या भाड़ झोंक रही हो।" वह गुस्से से चिल्लाया।

उसने पलकें झपकाईं और बोली, "क्रिस्टियन! वह लड़की तुम्हारे लिए सही नहीं है।"

"क्या?" उसकी चीख ने हम दोनों को चौंका दिया। मैं उसका चेहरा नहीं देख सकी पर पूरा शरीर तनाव से अकड़ा हुआ दिखा।

"तुम कैसे कह सकती हो कि मेरे लिए क्या सही है और क्या गलत?"

"क्रिस्टियन! तुम्हारी कुछ जरूरतें हैं।"

"मैं तुम्हें पहले भी कह चुका हूं। इन बातों में टांग मत अड़ाओ।"

हाय! क्रिस्टियन इतनी जोर से बोल रहा है। कहीं लोग सुन लें।

"क्या बकवास है? क्या तुम्हें लगता है कि तुम मेरे लिए सही पसंद हो। तुम मेरी पसंद हो।" हाय! ये मैं क्या सुन रही हूं। मुझे इनकी अंतरंग बातें नहीं सुननीं। मेरे हाथ-पैर कांपने लगे।

एलीना उसकी ओर आई और बोली, "क्रिस्टियन! मैं तुम्हारी जिंदगी की सबसे बेहतर घटना थी। अब तुम खुद को देखो। तुम यू.एस. के अमीर व्यवसायियों में से हो- आज तुम्हारे पास सब कुछ है। तुम्हें कुछ नहीं चाहिए। तुम अपनी दुनिया के मालिक हो।"

वह एकदम पीछे हट गया।

"क्रिस्टियन! तुम उस जिंदगी को प्यार करते हो। अपने-आपको धोखे में मत रखो। तुम अपने-आपको तबाह करने पर तुले थे और मैंने तुम्हें उससे बचाया। तुम्हें जेल की सलाखों के पीछे जाने से बचाया। मैंने ही तो तुम्हें ये सब सिखाया। मैंने ही तो बताया कि तुम्हारी क्या जरूरतें हैं।"

"एलीना! तुमने मुझे शारीरिक संबंध बनाना सिखाया। जो तुम्हारी ही तरह खोखले थे। इसमें हैरानी की कोई बात नहीं कि लिंक ने तुम्हें छोड़ दिया।"

ओह! मुझे यहां नहीं होना चाहिए।

"तुमने मुझे कभी नहीं कहा कि तुम मुझसे प्यार करती हो।"

"क्रिस्टियन! वह तो मूर्खों की बातें होती हैं।"

"मेरे घर से निकल जा।" ग्रेस की गुस्से से भरी आवाज़ सुनाई दी। तीनों सिर एक साथ घूमे तो देखा कि ग्रेस दरवाजे पर थीं। वे एलीना को घूर रही थीं, उन्हें देखते ही उसका रंग पीला पड़ गया।

वे कमरे में दनदनाती आईं और एलीना के आगे खड़ी हो गईं।

"वेश्या! अपने गंदे पंजे मेरे बच्चे से दूर रख और यहां से दफा हो जा।" वे दांत पीस कर बोलीं।

एलीना ने लाल पड़ते चेहरे के साथ ग्रेस को देखा और कमरे से बाहर निकल गई।

ग्रेस ने मुड़कर क्रिस्टियन को देखा और कुछ पल की ख़ामोशी के बाद बोलीं,

"एना! इससे पहले कि मैं अपना बेटा तुम्हें सौंप दूं। क्या मैं इससे अकेले में एक-दो मिनट बात कर सकती हूं?"

"क्यों नहीं।"

मैं वहां से निकल आई पर वे दोनों वहीं खड़े एक-दूसरे को ताकते रहे।

गलियारे में आकर, मैं खो सी गई। मेरा कलेजा बाहर आने को है। नसों में खून उबल रहा है। मैं डर गई हूं। हाय! ये सब क्या हुआ और अब ग्रेस भी जान गईं। पता नहीं कि वे उससे क्या कहेंगीं। मुझे पता है कि ये गलत है पर मैंने दरवाजे के पास झुककर बातें सुनने की कोशिश की।

"क्रिस्टियन! कितने समय तक यह सब चला?" उनकी आवाज़ सुनी।

जवाब समझ नहीं आया।

फिर उनकी आवाज़ सुनी।

"तुम कितने साल के थे?" जल्दी बोलो, "जब यह सब शुरू हुआ तो तुम कितने साल के थे?" इस बार भी जवाब नहीं सुना।

"एना! सब ठीक है।" रॉस ने मुझे टोका।

"हां, ठीक है। थैंक्स!"

"मैं पर्स लेने जा रही थी। सिगरेट पीना चाहती हूं।" उसने मुस्कुरा कर कहा।

"मैं वाशरूम जा रही थी।" मैंने अभी-अभी सुनी बातों को हज़म करने की कोशिश की। मुझे लगा कि सीढ़ियों से ऊपर जाना ही ठीक होगा। रॉस के जाते ही मैं तीसरी मंजिल पर लपकी।

मैंने क्रिस्टियन के बचपन का कमरा खोला और अन्दर से बंद कर लिया। मैं उसके पलंग पर जा गिरी और छत को घूरने लगी।

हाय। ये सब तो बहुत बुरा हुआ। अब क्या होगा? मेरा मंगेतर और उसकी एक्स। किसी भी होने वाली दुल्हन को ऐसा नज़ारा नहीं देखना चाहिए। यह भी खुशी है कि वह हमारी जिंदगी से निकल गई पर काश मैं वहां न होती।

मेरा ध्यान ग्रेस की ओर चला गया। बेचारी ग्रेस! उन्हें यह सब सुनना पड़ा। उन्हें क्रिस्टियन और एलीना के संबंध के बारे में तो पता चला पर शुक्र है कि ये पता नहीं चला कि वे किस तरह के संबंध रखते थे।

मैं यहां क्या कर रही हूं। शायद वह कमीनी औरत सही कह रही थी।

नहीं, मैं उसकी बात मानने से इंकार करती हूं। वह बहुत ही दुष्ट किस्म की औरत है। मैंने अपना सिर हिलाया। वह गलत है। मैं क्रिस्टियन के लिए सही हूं। मैं वहीं हूं, जो उसे चाहिए। अब मैं यह नहीं सोचना चाहती कि अब तक वह कैसे जीया है। वह मेरा आने वाला कल है। मैं जानना भी नहीं चाहती कि उसने आज तक क्या-क्या किया है। ये सब 'कैसे' हुआ, वह गलत नहीं था। वे सब वयस्क थे और डॉ. के शब्दों में, उन्होंने आपसी रज़ामंदी से यह सब किया। इस बात में 'क्यों' गलत था और यह क्यों उसकी जिंदगी के अंधेरों से आया था।

मैंने आंखें बंद की और अपना एक हाथ उन पर रख लिया। हम दोनों एक दूसरे को रास्ता दिखा सकते हैं। मैं उसे इन बातों से हमेशा के लिए दूर ले जा सकती हूं।

मैंने उठकर कमरे को देखा और डेस्क पर जा पहुंची। वहां अब भी युवा क्रिस्टियन की तस्वीरें हैं। वहीं कोने में उसकी मां की वह छोटी फोटो दिखी।

मैंने लैंप जला कर तस्वीर को ध्यान से देखा। मैं तो उसका नाम तक नहीं जानती। वह उसके जैसी दिखती है पर बहुत छोटी और उदास दिखती है। मैंने हम दोनों के चेहरे में साम्य खोजना चाहा। पर मुझे ऐसा कुछ नहीं लगा। मैं उसके जैसी नहीं दिखती।

भीतर बैठी लड़की कोस रही है। तू खुद को क्यों सता रही है? तू तो हामी भर चुकी है।

हां, बात तो सही है। मैं उसके कमरे में उसके साथ सारी जिंदगी बिताना चाहती हूं। सयानी लड़की शांत भाव से बैठी है इसका मतलब है कि मैंने सही फैसला लिया है।

ओह! क्रिस्टियन मुझे खोज रहा होगा। पता नहीं, मैं यहां कब से हूं। मैं नीचे उतरी तो वह सीढ़ियों के पास ही दिख गया।

"हाय।"

"हाय!"

"मैं चिंता कर रहा था-.

"मुझे पता है। सॉरी। मैं सबसे परे चली गई थी। मैंने हाथ आगे किया तो उसने अपना चेहरा मेरे हाथों में दे दिया।

"और तुम्हें लगा कि मेरे कमरे में तुम्हें सुकून मिलेगा?"

"हां।"

वह आगे आया और मुझे आलिंगन दिया। दुनिया में मेरी सबसे मनपसंद जगह। उसके शरीर से आती ताज़ी और भीनी गंध-इस दुनिया की सबसे शांत और मदहोश कर देने वाली गंध। उसने मेरे बालों को सूंघा

"माफ करना, तुम्हें वह सब सहना पड़ा।"

"क्रिस्टियन! इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है। वह यहां क्यों आई थी?"

"वह परिवार की दोस्त भी तो है।"

"पर अब नहीं है। मॉम कैसी हैं?"

"मॉम मुझसे बहुत नाराज़ हैं। अगर आज तुम साथ न होतीं तो पता नहीं वे मेरा क्या हाल करतीं।"

"अच्छा?"

"हां।"

"क्या तुम उन्हें दोष दे सकते हो?"

"नहीं।"

"क्या हम बैठ सकते हैं।"

"क्यों नहीं।"

“हम दोनों सीढ़ियों पर जा बैठे।”

“तो कैसा महसूस कर रहे हो।” मैंने उसका हाथ थामकर पूछा

“ऐसा लग रहा है कि मैं आजाद हो गया।” उसने प्यारी सी मुस्कान दी।

ओह! इस मुस्कान के लिए तो मैं टूटे कांच पर भी चलने को राजी हूं।

“हमारे व्यावसायिक संबंध भी खत्म हो गए।”

“क्या तुम सैलून का काम बंद कर दोगे?”

“नहीं, मैं अपने वकील से बात करके, सारा काम उसे ही दे दूंगा। मैं उसका एहसान भी चुकाना चाहता हूं।”

“तो अब मिसेज रॉबिन्सन का चैप्टर खत्म?”

“हां खत्म”

“सॉरी! तुमने एक दोस्त खो दिया।”

उसने कंधे झटक दिए।

“आओ। चलो, उस पार्टी में चलें, जो हमारे लिए दी गई है। हो सकता है कि आज तो मुझे भी नशा चढ़ जाए।”

“क्या आज तक कभी ऐसा हुआ?”

“नहीं, जब मैं किशोर था, तब कभी हुआ हो तो याद नहीं।”

“क्या तुमने कुछ खाया।”

हो गया कबाड़ा!

“नहीं।”

“ तुम्हें खाना चाहिए। मैंने एलीना की हालत देखी, तुमने मेरे पापा की मार्टिनी उस पर डाल दी।” उसने अपने चेहरे की हंसी दबानी चाही।

“क्रिस्टियन! मैं...।”

“एनेस्टेसिया, कोई बहस नहीं। अगर तुम शराब पीने जा रही हो और मेरी एक्स पर उसे फेंकना चाहती हो तो तुम्हें उसके साथ कुछ खाना भी चाहिए। ये पहला नियम है। शायद हम पहली रात एक साथ बिताने के बाद, इस बारे में बात कर चुके हैं।”

अरे हां। हीथमैन..

गलियारे में जाते समय, उसने मेरे चेहरे को अपने हाथों से सहलाया।

"मैं तुम्हें नींद में सोता देखने के लिए घंटों जागता था। शायद तभी मुझे तुमसे प्यार हुआ होगा।"

ओह..

वह झुका और मुझे चूम लिया। मेरे शरीर का सारा तनाव धुल गया।

"खाओ।" वह हौले से बोला

"अच्छा।" मैंने धीरे से कहा क्योंकि इस समय तो मैं उसकी किसी भी बात को आंखें मूंद कर मानने को तैयार थी वह मुझे रसोई में ले गया, जहां पार्टी जारी थी।

"गुडनाइट, जॉन-रिआन"

"एना, एक बार फिर से बधाई! तुम दोनों बहुत खुश रहोगे।" डॉ. ने हमें देखकर दयालुता से भरी मुस्कान दी और वे दोनों चले गए।

क्रिस्टियन मुड़ा और उसकी आंखें उत्सुकता से चमक उठीं।

ओह! ये क्या?

"परिवार चला गया। मॉम ने बहुत पी ली और वे किसी धुन पर कुछ गा रही हैं। केट और ईया उनका साथ दे रही हैं।"

"क्या तुम उन्हें दोष देते हो?" मैंने पूछा और हमारे बीच का माहौल सहज हो गया।

"मिस स्टील! मेरा मज़ाक उड़ा रही हैं?"

"जी हां।"

"आज का दिन बहुत व्यस्त रहा।"

"तुम्हारे साथ तो मेरा हर दिन ऐसा ही होता है।"

"हां, ये भी सही है। आओ तुम्हें कुछ दिखाना चाहता हूं।" वह मुझे रसोई के रास्ते ले गया जहां परिवार के कुछ लोग बाकी बचा हुआ खाना और शराब निपटा रहे हैं।

"जरा सैर को निकले हो।" इलियट ने पूछा और हमने अनसुना कर दिया। कैरिक ने इलियट को चुप रहने का संकेत किया।

जैसे हम लॉन में पहुंचे तो मैंने हील उतार दी। खाड़ी के पार आधा चांद बहुत प्यारा दिख रहा है। सुदूर से सिएटल की चमकती बत्तियां और पानी में चांद की रोशनी, चारों ओर सलेटी रंग की छटाएं बिखरी हैं। बोटहाउस की बत्तियां जलने से भी पानी पर रोशनी पड़ रही है।

"क्रिस्टियन! मैं कल चर्च जाना चाहूंगी।"

"ओह?"

“मैंने तुम्हारी वापसी के लिए मन्नत मानी थी। मैं बस यही कर सकती थी।”

“अच्छा।” हम हाथों में हाथ डाले, यूं ही चलते रहे।

“तुम जोंस वाली तस्वीरें कहां लगाने जा रहे हो?”

“उन्हें नए घर में लगा सकते हैं?”

“तुमने उसे खरीद लिया?”

उसने बड़े ही लगाव से कहा, “हां ! मुझे लगा कि तुम्हें वह घर पसंद आया था।”

“हां, ? क्यों नहीं।” तुमने कब खरीदा?

“कल सुबह। अब हमें तय करना है कि उसका क्या करें।”

“प्लीज़ उसे गिराना मत! वह बहुत प्यारा घर है। बस थोड़ी सी देखरेख मांग रहा है।”

“हां, मैं इलियट से बात करूंगा। वह एक अच्छी आर्किटेक्ट को जानता है। उसने स्पेन में भी हमारे लिए थोड़ा काम किया था। वह घर को संवार सकता है।”

मुझे अचानक याद आ गया कि पिछली बार हम बोटहाउस में क्या करने गए थे? मैं मुस्कुराने लगी।

“क्या?”

“मुझे याद है, जब तुम मुझे वहां ले गए थे?”

“ओह!” उसने अचानक मुझे कंधों पर उठा लिया। हालांकि अब हमारा ज्यादा रास्ता नहीं रह गया था।

“तुम उस दिन गुस्से में थे न?”

“एना, मैं हमेशा सचमुच ही गुस्से में होता हूं।”

“नहीं, तुम नहीं होते।”

उसने मेरे पीछे एक धौल जमाया। फिर नीचे उतारकर चूम लिया। जब उसने चूमना बंद किया तो मेरा पूरा शरीर उसके लिए तड़प उठा।

मैंने उसकी ओर निहारा। मेरा होने वाला पति, एक इंसान। न कोई अच्छा और नेक राजा और न ही दूसरों को सताने वाला कोई दुष्ट। एक आम इंसान, एक ऐसा प्यारा और सुंदर आदमी, जिसे मैं खुद से भी ज्यादा चाहती हूं। मैंने अपने हाथ से उसके चेहरे को सहलाया और अपनी तर्जनी से उसके होंठ को छुआ। उसका पूरा शरीर शिथिल हो गया।

“मैं तुम्हें यहां कुछ दिखाने लाया हूं।” उनसे दरवाजा खोल दिया।

वह मुझे लकड़ी की सीढ़ियों से ऊपर ले गया।

कमरे में जाते ही मेरा मुंह खुला का खुला रह गया। वह तो पहचाना नहीं गया……चारों ओर फूल ही फूल भरे थे। मानो किसी ने क्रिसमिस की बत्तियों और छोटी जलती लालटेनों के साथ एक समां सा रच दिया हो।

मेरी आंखें उसकी ओर मुड़ीं तो वह मुझे ही अपलक ताक रहा था।

"तुम दिल और रोमांस की बातें चाहती थीं?"

मुझे अपनी आंखों पर यकीन नहीं आ रहा था।

"मेरा दिल तुम्हारे पास है।" उसने कमरे की ओर संकेत करके कहा

"…और फूल ये रहे।"

"क्रिस्टियन! ये बहुत सुंदर है।" कहने को शब्द ही नहीं सूझ रहे थे। मेरा कलेजा मुंह को आ गया और आंखों में आंसू उमड़ पड़े।

वह मुझे कमरे में खींच ले गया और मेरे सामने एक घुटने के बल बैठ गया। हाय!…मैंने तो कभी कल्पना तक नहीं की थी।

उसने जैकेट की जेब से एक अंगूठी निकाली। उसकी आंखें भावों से छलक रही हैं।

"एनेस्टेसिया स्टील! मैं तुमसे प्यार करता हूं। मैं तुम्हें अपनी सारी जिंदगी प्यार और खुशी देना चाहता हूं। तुम्हें सुरक्षित रखना चाहता हूं। मेरी बन जाओ, हमेशा के लिए……मेरे साथ मेरी जिंदगी बांटो। मुझसे शादी कर लो।

"मेरे आंसू टप-टप टपकने लगे। मेरा फिफ्टी! माई मैन! मैं उससे कितना प्यार करती हूं और बस भावों की उमड़ती लहरों के बीच मेरे मुंह से केवल 'हां' निकला।

वह मुस्कुराया। उसने अंगूठी को मेरी अंगुली में सरका दिया। एक अंडाकार डायमंड प्लेटीनम की अंगूठी में जड़ा है। वाह- ये कितनी बड़ी है। बड़ी पर सादी और सुंदर।

"ओह क्रिस्टियन!" मैं खुशी के मारे सुबकियां भरने लगी।

मैं भी घुटनों के बल बैठ गई और उसके बाल मुट्ठियों में भरते हुए, उसे अपने दिल और आत्मा के सारे प्यार के साथ चूम लिया। मैंने उस खूबसूरत आदमी को चूमा, जो मुझे उतना ही प्यार करता है? जितना मैं उसे करती हूं। उसने मुझे बांहों से घेरा और अपने होठों को मेरे होठों से छुवा दिया। मैं मन ही मन जानती हूं कि हम दोनों पूरी जिंदगी एक दूसरे का साथ निभा सकते हैं। हम दोनों बहुत आगे आ गए हैं, हमें बहुत दूर जाना है। हम एक-दूसरे के लिए बने हैं, हमें तो बनना ही था।

उसने गहरा कश लिया तो अँधेरे में सिगरेट का किनारा दमक उठा। उसने धुंए का गोला बनाया और हवा में लहरा दिया। वे छल्ले किसी भुतिया साए की तरह उसके आगे से ओझल हो गए। उसने अपने पास रखी बोतल से कुछ निकाला और उसे अपनी टांगों के बीच रख लिया।

उसे अब भी यकीन नहीं आ रहा। हेलीकॉप्टर का तो नुकसान हुआ पर वह क्रिस्टियन का कुछ नहीं बिगाड़ सका। वह कमीना बच निकला। उसे खुशी है कि उसने हेलीकॉप्टर वाला काम किया।

उसने नाक सुड़की। उन लोगों ने उसकी हैसियत का गलत अंदाजा लगाया है। अगर ग्रे को लगता है कि जैक उसे बख्श देगा तो इसका मतलब है, वह जानता नहीं कि जैक क्या चीज़ है।

लोग अक्सर ही उसे कमतर आंकते आए हैं। उन्हें लगता है कि जैक ऐसा बंदा है जो बस बैठा किताबों के पन्ने पलटता है और उसकी याददाशत अच्छी है पर वे उसके बारे में और नहीं जानते। हां, वह तो ग्रे के बारे में भी सब जानता है।

ड्रेट्रायट के अँधेरे कोनों से आया एक लड़का।

ऐसा लड़का जिसने प्रिंसटन की स्कॉलरशिप जीती।

ऐसा लड़का जो अपनी मेहनत से प्रकाशन के काम में पहुंचा।

और अब उस हरामजादे ग्रे ने अपनी चुहिया जैसी लड़की के लिए उसके कैरियर को तबाह कर दिया। उसने सामने दिख रहे घर को देखकर दांत पीसे पर कोई बात नहीं बनी। बस उस घर से काले कपड़ों वाली एक औरत निकलती दिखी जो अपनी गाड़ी में बैठकर ओझल हो गई।

उसने गुस्से में दांत पीसे। ओह पसलियों में अब भी दर्द है। ग्रे के बंदे ने ठोकरों से मारा था।

उस हरामी को भी सबक सिखाना होगा। उसे छोड़ा नहीं जाएगा।

वह सीट पर वापिस बैठा। लगता है कि रात बहुत लंबी हो गई है। वह वहीं बैठकर इंतजार करेगा। उसने अपनी सिगरेट का एक कश लिया। उसकी बारी आएगी। बहुत जल्द, उसे भी अपना बदला लेने का मौका मिलेगा।

* * *